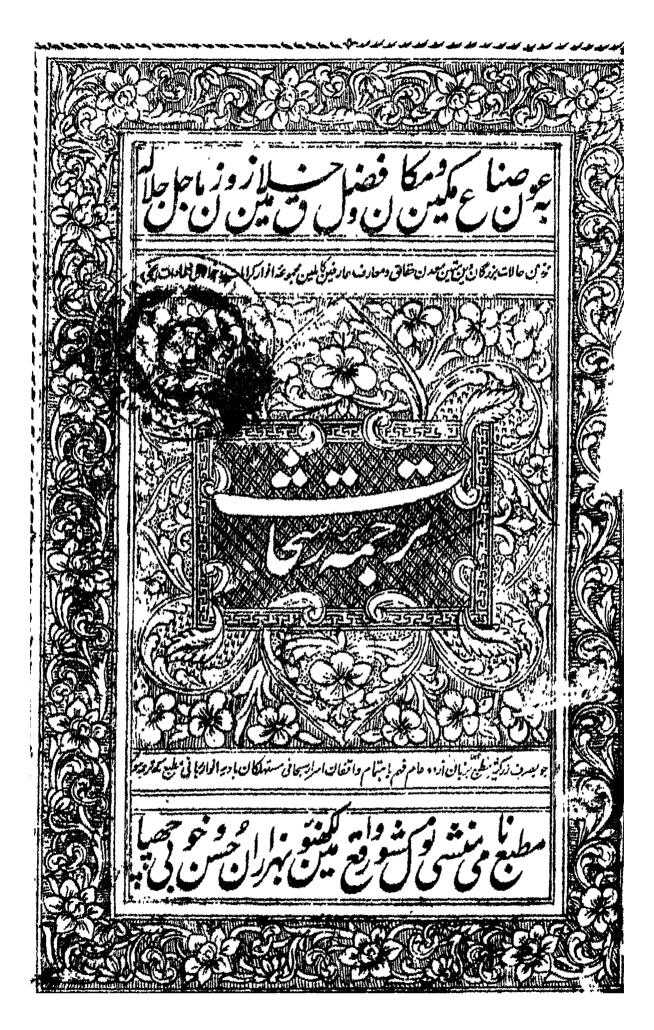
## فهرست نفس كتاب ترجبهٔ رشحات أردو

| خلاسته ضمون  | . Jose     | خل <i>ا حش</i> یمیمون  | 30         | ثلاصينتيون  | Be.      |
|--|------------|--|------------|---|----------|
| ه کرامیر بزرن اورامیر بزو-                             | ro         | و کرخواحه غرسی -   | rr         | ديبا جبر -  |          |
| وَرُ إِبَا شِيخ مبارك بخاري -                          | , ,        | ذكر ننواجدا وليايا رسابه                                       | 44         | ذكر خوا حبه بهدا أن -                                       |          |
| ۇكرامىرى <b>شا</b> ە-                                  |            | ذكر خواج بسن شا دى   | 11.        | ذكر خواجه عبد الله مرتى -                                   | i        |
| فكراميرهمر.  | , ,,       | و کرنیما مید او کتمان -  |            | ذكرخوا جرمسن انداتي -                                       |          |
| وَرُمُ ولا مُا عارت وي <i>ک کراني ۔</i>                | , 11       | ذكر نواحدا <b>دليا</b> غريب -                                  |            | وكرخوا مبداحدتسيوى  | i        |
| وكرمولانا اميرا شرت بخارى -                            |            | ذكر واحبسليمان كوميني -  |            | ذكر منصوراتا  | j        |
| وكراميرانستيار الدين ويكسكراني                         |            | ذكر خوا در ميتاشاه مبخاري-                                     |            | وكرعبدالملك خواميه -  | <u>ļ</u> |
| فريا د كاركسره ني -                                    |            | وُكرشِينْ سعدالدين عُمالِاني -                                 |            | ۇكرتاج مواحير-<br>ر   |          |
| ذكرشيخ جا دالدين و بهقا في -                           | 1 1        | ذكر شيخ الوسعيد مغارى-   | .4 ?       | فرسعيداتا-<br>مرسعيداتا-                                    | 1        |
| فكرشيخ مخذخليفه-                                       |            | ذكر خوا حدعارف رايدكري -                                       | <i>y</i> 1 | فرگردسو فی مختر دانشمند-<br>بر سر به                        | ·I       |
| و کرا میر کلان و اشی                                   |            | فكر نها حرمحمه والخ فننوى -                                    |            | ذ کر حکیما تا -<br>رئیسی                                    | 11       |
| وُكرتُن عُمس الدين <i>كلال</i>                         | m4         | ذكراميرخسرودا كجني   |            | ذکرزنگی اتا -   | 2        |
| فكرسولا الاعلاء الدين كن سروني-                        |            | و کر خوا میرمانی ارعند. انی -<br>پر                            | "          | قراد ثردن اتا -<br>ر  | A :      |
| وكرمولانا بهاوالدين فضلا قي-                           |            | ۇكرىخواھە على رامىتنى-<br>ر                                    |            | وكرسيدا تا -  | A 1      |
| ۇ <i>زنواچە بىل</i> ادالدىن مىزىقى <del>ت ب</del> نىد- | • .        | وَكُرِ هُواحِدِ حَرُو<br>بر                                    |            | وكر آمييل آنا -   |          |
| ذکرو فات د <i>تاریخ انشال مفرت خوام</i> .<br>در        |            | ذکرخواحدا براسیم-<br>کرم در در                                 | , "        | وكراسهاق اتا -  | , ,      |
| ذكرغ اجري إرسا-  | <i>r</i> ( | وگرنتواجه محد کلا دور-   |            | د کردسدرا تا و بدرا تا -<br>می داد.                         |          |
| ذكرغواجه ابونھريا رسا -<br>بسره ميس                    |            | ذكرغوام مين حلاج -<br>كري مين مين                              |            | ۋ <i>گر المي</i> ين با با-<br>پريندن پيند                   | "        |
| فکر شوامید مخرقهٔ فغاتری-                              |            | ذکرتها میرتشر یا دردی-<br>بر در در م                           |            | <i>وْرَ شِيغَ عَلَى شَيغ</i> -<br>وَرُرْشِيغُ عَلَى شِيغَ - |          |
| ذکرنواج مسافرخوارزی -<br>در                            | 4 1        | وكرشوا جيمتن بإيارساسي-  |            | ذ کرمو د و دشیخ -<br>برگری سرفد .                           | 1        |
| ۇكرمولانالىقە <b>ب</b> چرخى -                          | 11         | دُكُرُنوا چېري هو في سونغاري -<br>د روي د ميري هو في سونغاري - | "          | ذاركمال سفيغ-<br>برن نياز                                   |          |
| وكرمولانا باصرالدمين عبسيد العد                        | or         | فكرخواجه يحدوساسي-   |            | <i>ذَكِر خَا</i> وم شيخ -                                   |          |
| ذكرخواجه علاء الدين زيروا في -<br>برية                 |            | فكر مولاناه التصميندهي -                                       |            | فكرغواج عبدالعالق عيزاني -                                  | /i i     |
| وْكُرشِيخ كلال برمسي-                                  | DN         | وكرسيداميز كلال  |            | ۆكۈنوانىدا تەرمىدىق -<br>يىرىنىدىن                          | /1 I     |
| وكرمولاناسيف الدين مناري -                             | 1 1        | ۇكرامىيرىر <sup>يا</sup> ك –                                   | , ,        | وگرخوا حدا ولیا وکبیر-<br>برین میشد.                        |          |
| ذكر شوامبه علا والدين عطار -                           | 4 1        | فكراميرتمزه-   | اموس       | دُكِرْغُوا مِبِروبِهِ هَانِ قَلْتِي<br>يُرِيْ               |          |
| ذكرم مض دو فات حفوق خواجستُه                           | 1          | ذكر مولانا حسام الدين ساشي مجارى                               | אייין      | ذکرخوا حدز کی خدا یا دی<br>بر                               |          |
| علاءالدين-   |            | ذكر مولانًا كمال الدين ميداني -                                | ra         | ۋكرنىوامبىسوكمان-   | U        |

| خلامت مر سر  |                             | 2 50010000000000000000000000000000000000   |     | خلاصتضموك  | ا موه |  |  |
|--|-----------------------------|--|-----|--|-------|--|--|
| نسل وم انتران كرامات كراولا<br>الم   | . ,                         | وَكُرُ وَاحِدا بِراسِيمِ شَانْتِي -  |     | ذكر نواحيد حس عطار   | ,     |  |  |
| والعاب كالل الإعرت شارمنه  | , ,                         | ذكر نموانه ما والفك  | 1 1 | ذكرشيخ عبدالرزاق -   |       |  |  |
| ونقل أردند ومجساء بذكو نيتسل   |                             | ذكر خوا مبرشراب الدين شاشي -   | 1-9 | فكرمولانا حسام الدين بإر ما بني -  |       |  |  |
| كنندكان-   |                             | وْ كُرْخُوا حِدِيْهِ مُرِّنْ مَا شَيْنِ<br>* كَرْخُوا حِدِيْهِ مُرِّنْ مَا شَيْنِ        |     | وكرمولانا الوسعيد-   | "     |  |  |
| وُكِرِ هذَ مُنْ نُواجِهِ مُنْكُمْ يَسِينُدُ  | : 1                         | ذكرخوا دبيم و نناشي -  |     | ذكرنواحد عبدالبداما مي مسفهاني -   | سوي   |  |  |
| ذار مولانا تاسم  | t 1                         | ذُكر غديت وشفقت مفرت مجروه   |     | فَكُر شِيخ عمرا تربيدي -   | 44    |  |  |
| قارميه مهدالاول.   |                             | فاص و عام خلق-   |     | فكر ولانًا احْكُر مسكر-  |       |  |  |
| - 2-11 13-6  |                             | ا كررعات وادب هرت بيع خلائق ·  |     | ذكروروليش احمة بمرقندي-  | 44    |  |  |
| وْلْرْ مُولاً؟ زِيرُ كَ الله يِنْ مِثْلاً فِي اللهِ مِنْ مِثْلاً فِي اللهِ مِنْ مِثْلاً فِي اللهِ مِنْ مِثْلاً   |                             | فكرمشت وشفقت والتيا جضربت  | 191 | فرکسید شریف برهانی -   | AY    |  |  |
| وْكُرْ وَلِا يَالِطُعِثُ اللهِ تَسْلَا لَى ﴿ إِلَا مَالِطُعِثُ اللهِ تَسْلَا لَى ﴿ إِلَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْ   | 1                           | البيع درويشان-   |     | ذكر مولانا نطام الدبين خاموش-  | 194   |  |  |
| الكرن وما تاتيخ  | i i                         | فصل ويردبيان بدارمفره ملانات   |     | وكرحضرت مولاتاً سعدين كا شغرى-   | 91    |  |  |
| أكرمولاكا سلطان  | 1                           | إنتائخ زمان -  |     | فكرمولانا وزالدين عبدارتهن حامى-   | 1.41  |  |  |
| فر مولانا ابو-میداد بن   | 1                           | أورس بشاغرت درمر تمندوخوا ساك  |     | فكرمولانا عبدالغفور  | 114.  |  |  |
| وُكُرا ولا كا كاستُنكشدى -   | •                           | بحضرت یا تفاسم تبرنیری   |     | من فوائدا نفاسد المسموعة -   | 3     |  |  |
| ۇلرىن مەيىب تانىكەنە ي.  | •                           | فرصعبت مضرت بتسيخ مها والعدين عمز  |     | أور مولاناتهاب الدين بيضدي-  | · I   |  |  |
| ا فُرْمِرُلِمَا الدِينَ لَا تَنْكَثَدَى - '  | - 1                         | فأرملافات حضرت بيمولانا جرن  |     | وكر مولانا علاد الدين اينري -  |       |  |  |
| فر مولا الداده الراسي  |                             | مقصده وم در و كر ليينسه مقالن و مارا   | 1   | أوكرارقات ومقاات مولوي عبدالكيين   | ' 1   |  |  |
| فكرموادنا السسدالدين   | 1                           | واین برسیفصل نقسمست -  | 1   | وكرمولاناشمس الدين محرروي -  |       |  |  |
| اترادی -   |                             | وكرغالب آمرن بيرزاسلطان لبسعيه   | 1   | وكرصحبت نعاصه يثنغ عدرالكبيرمني-   |       |  |  |
| فرېندونواميه ترکسېتاني - ا   |                             | بربيرزاء بالسدازالتفاشه مفرت -   | 1   | وكرانتقال خواسبه -   | 1     |  |  |
| ذکر مولانا دسیل ذکتی -<br>مه سریرون  | 1                           | ذكرآ مدن ميزايا بربراى محاصره مرفند  |     | وكر خواص محرالتامي -   |       |  |  |
| فات ودرائتقال معزت ٢١ م  | 71.                         | وايوس واليس شدن او-  |     | 1  |       |  |  |
| ا وفات -   |                             | ذكراكدن بيرزاسلطان محود براس   | YA- | ۋىرىشىغ خا وند <i>قىدر-</i>  | - 1   |  |  |
| ترجيد فطور التي مولانا باي -   | MIM                         | كامره مخنب دبنس المسبي   |     | قرر خواحیه د <sup>و</sup> و و س  |       |  |  |
| ترتبئه قعيده شمات دريج نوزنج   | *                           | والیس شدن اوس  |     | وكر باباء أبرشه-   |       |  |  |
| لغشبند ونواب عبيست الله  | l                           | أكرمعها كحت شدن سدبا دشاه دكيه   |     | ا توزيع الدين أبرير-<br>الروزية  |       |  |  |
| احرا   |                             | معركه بدارشا دحمرت -   | 1   | ا و کرین ابوسعیدا کریتر۔<br>اس نیسن  | f     |  |  |
| غاتشه لعلي -   | 17/4                        | ا فعیل دوم درخوارق د عا دات که   | 744 | الأرشيخ تخبض -   |       |  |  |
|  |                             | البض بررگ وابل ما سوا راولاد   |     | قر مولانا كان الدين درغمي -  |       |  |  |
| (pura manife to the  |                             | واسحاب كامل حضرت نقل كرده أمد-   |     | قرمولانا مخرب غرى -  | "     |  |  |
| Bridge of the State State of the State of th | and the same of the same of | figurantjogrifiskehispygrituspas, max is gagais og maste organisterasjandistatura mobili |     | والمراقة وا |       |  |  |



ى بوشيغه سنونفض قديم يك يعد مارفين كردلون برجقائق ورظمة ون كيقطات كرمترشيح كميا آور دروونغلا الراطيس عديث كوفائل بركة بن جواسع الكلم ديا كما مون اكداً ن كلمات سنداً مت منظروه كما ل كومهونيين أورسلام أب ر بوه کرم کی خیان بین او زار کی کرواغ بین مبدانان فقیریاستطاعت فی الدین علی این ا<del>م</del> مورجه غي العددُ والمساح المنيجا ولها كي محبت برأست البت ودما ورايني دكستون سكركمال شالعت سع زارش کرا بوکردب عنایات میایت النی کی برکت ساه دانته برای می آخرین حفرت مداه به المایت ة حرالدين عبديدا مدرصى الله عندسكة استان بيسى كا تفات مواا در ديسسرى مرتب ربيع الثاني تنظيف يريري سكة خا قدم بوسى مفرت كي نعيب بردكي توآب كي ملبس عالي مين صفرت فوا فبكان سلسيان شنب بريرك من قب او فيضائل معلم اوكيسيد دفعائن اورمعارف حفرت كى زبان سبامك سيمسهوج بوسة سقوا ورأن جوارنينيدكوا سنه مانتا بین مخوط اور مین در در مین اور موجب سکه افتقام را آن کنونات کومین کا تغزیروشدیل پخرمین لاما ورجس تف کروانی ا گرناگون سکه ماعث آبی فدست سعه مبور موما توانس مالت مین به امهری خاطرین گذر کا کرم کلهات مها سک آسس

نطانهم بين كيابك عاصم ون كنه وكيشة مهور كارنور سرشا « كرأيسكي و ليبينية ول تيسلي مواه كيلمين رون في بيان بارسائهون سے اوقعیل موکها کائٹ کا جاسے سیکونہ کا احرابی اُن مردافاتر قرار ا ادب کل وسے کورہ مکومر محاس يوريكي مغربين حكية فتاب الشن المراج وروش شواب الميكن والمنظ الراق الداكر بات يد ميتعد ووالتوامين والما لوئي صورت اليف كي نديكي مها أن كمك كرسولرميس كع معارف إليه يجين بن وجارا و عود البرات مد اوا وريا اوريه اطراسكي تات ين شنول بوني او ره كولاس اسايك نوابج ان او رطاعا واصحاب كاه الراط وارسيد منبرتها أبون مين جابجا و كيوا ما يخود صفيرت وداس سلسلة كمعزني ون مصربواسطه دابين السلسنا أكيب المجهى ترتسب سيمار سريم برعد بين تخركيها ورأب كيشمأل أورفض كمل محم دُ کرنیر پر چیقعه دو دهلی این مالیدند. شدهٔ ماه کوسونیا با اور آب بری کیا ارال اور: قامات ایم بیشنده کرات **سیرخاتم کی فکرنی** والس كُنّاب مين جهان عرف مغربت كالأزا واردك إزاس سندم إوحنه بيت داراسيته بيا ونواويم بيدا مدمون الدرهبان استحرف عالم يسكه معارون اوربطالكت كالأكور سؤاسك يمذوان كوفاصل كهدينة شرك انتطاب منزن كها دوريج بكدفيض ازه ربشمات عاتغوا ا ورِّولوب ابل علم دع فان کے شیر صابت سے شرقے ہوالتہ ، رشیات این انویات سے درسوم کیا گیا دوعوب آفا ق مج کم س كتاب رشحات كي مايغ انه مهمي وسكه الإر درون سنه بيرزي بهوني كيسنه في دريج برياب مبيها ككتاب كآخري قطع وررباحى سند حاصل موسقهن أورا له راه باشك مداست كرّه ي اورقماليان صاوق مندالماس ي كرحب أيكا وفت سطاح رها دن وفقائن ان حفوات سيرخ ش مبراس مريشيا ل امييز واركوگوشته خاطرت فراسوش نكرين اورو عاسرخيرت ميا وفوق وناظرين نصعن كم كادم اخلاق سداميد وكربركاه ماسع كتاب كواس كفتكريين يخزلقل شاكل بس سعاني كيسيطري كا يفل نين بيرتوأن عزيزون كى عبارات واشارات كونشا يُدالم انكار كرين اوراسنية تيكن إدبيا وباييين نيوالين ميهاثما على اتبع المدى أوراس كتب مين أكب مقالا وتين مقصدا وراكيب خاتمه بمين المديو والبيالمعا وتفعيل مقاله لوديتعام دیناتمه کی ب<sub>یرد</sub> سفالین خواه کمان سلسانعشبندمیتوس اسرتهاسدا دواجیمه کم طبقات کااول سے آخریک بوجه اجلی ورنية تنفييل كولن سعة ذكري اوراد مدتعالى سيدها راسته وكملان والاي متعصدان ل حفرت سك أبا واحدا واور قربا ورآب كى ولادت كى تاريخ اورمالات عدر طغولست اوكرسيقدرآب كدافلان واطوارا ورافعان سفراور لايات مشايخ زاند قدس العداروا فهم كروكيين مي ووسرامقعد يعفي مقائق اورسارون ادريكايات واشال كرباين من والمتعفرت سداياهم بتديين ببوامط مسمدع بوسؤ تنبيرا مقصد لعيض تعفات كأذكة ن جوهفرت معد بطورض ماقة إمباه نقل تغذا وكون سينة ابت بويك اوران مقاصديت سراكي مقصدين تين فصل موتكى - خاتم دخرت كي وتا لايغ اوركيفيت اشال ككس طبي اس دنيا سه آخرت مكه مالم كركة مقال نواجكان سلسانيت بدير كطبقات مك أكمين وبهجاجال اوليزتفعس كسائق سوادانع بوكمعطرت فاتعلي ذكا وليسبت الاطلق خاجكاتي وللطافك المهوالة اليغوب برخى عدا وركمنون سفرفوا ميمها والدين الغضب رسدا دركفران سفرا منكرسد كلال سدا وراكفون سف ر خور رشحات اردو ترجي رشحات اردو

غاج محدوا بالهماشي سادر محركنيه لت محد خواج في ما ميقيني ميدا رائنون نه ذو الجمه والونينون سر والعم ن ندا و عارف راوكرى سنداد راعنوم في خدو وعدالان في مجرواني ساكركرد بسلسله فراو كان بن او ما مغول ساخرام يوسعن بداً في سے ادراً عنولت عرضه و حراج في فاديري سادر انغوان غيث اوا لقاسم الحلق سے ماسل كي برابر نيوان انتساب والمراب في الوالم ن مقال من المراكلون البيزيد بيلاي من الوشيخ الوالس كاليداني ايك لت كابدوفات في العيرز عديد جواداً كوفتي البزيد مع تربت المن اورد مانيت كي عندي : خارجن الجز البنزيك السبت ارادت مضرفت الاستحقيطاون من وصى المدتعالى مندا ومع لفل عاست موام كرفين اوندل موالتري حفرت المام كى وفات ميليني محر سوار وحضرت الممكى ترسبت أنكورد فانست كى روست بر نظام بين اوزه ب ما موفون المدا عنكومبياكت ابرطالب كمي سحد سيسير ني قوت القلوب من لكما بردنسيت ابت بن أكب انيه الدريم الالعرفيراة معاوراً كلواني والداعد الأمر وسي ومداجرين مطوراً لكليفي الدنبيكر المرسين ساورا كلواني والدام دار النوسين مل مطاع المنظنم أحبعين أوراً كموضوت سريسه است صعلى الدعليه بسلم المندا ورمشائخ والقبت في ما سانيسبت النمدا ل سبت رمني الفتا باستالنهب بوج أسكر يعناست اوعزت اورثرت كركما تركور فعرى سبت بوحفرت لامرسبت جسارت دنواه عنه كوماصل بولقبول شيخ البسري رسيمي مرده قاسم بعمدين أبي كرديدين سيريون المدتعا ل منركه مغرت الاسها الافقا سبعدست بين اوراسيين أرسس عليط سروباطن سكرا زرسيعثل وسية نظيتك ورائكو اراءش بالمن كأسبت سيلمان فاس رضى الدونسين إوداكها وصيحة شر<mark>ف صحبت رسول المديسط المدينط المسائلية ملم كالسبت إطن الميادا مين الوكم حدايّ ولمهم</mark> عندسيقى بدازان كديم سيدرس لت صطال عليه سلمت شرب انتساب مامس تمنا - دريموادات سمرايك في كرد دري بت ا دا دت باطن شخ البيم عشان مغرب سه اودا کموابوطی کا تب سه درا کرابوطی د دباری سے اورا کم پیند دندا دی ادراككوري مقطى سراوراكك ميروف كرفى سته او كرفت موديك دفست بن ايك دا دوها في سعاد ما كوبسي عمق احراكون بعرى عدد والعم وسار واحما وحسن بعرى كوام التونيين على منى المدوند سالم وغوت مسالم تعدادة مرى نسيسست. يا د ت شيخ معروت كوصفرت الامعلى ديندا يبيرا وما تكواسفيدوا لدنزد كوا دا مام على عوضرات يبيرا وداً لكواسنيه والدنزرگوارسيم عد من عندها وق سيريني الدهنها الى أخوالنسسته مبيداكستيلي خدكوي والعديما عباسند والاي فتواجد يوسعن ممدا في تدس سره

مفرت قطب اولیا نواج محسر بریا درس مروانی کمناب فعس الحطاب بین لاسفین کرمولانا شرف الدین کمنظ الانصاری النجادی روح معسر و مدرود بند جو برسد حالم اورخاندان خواجگان سیر بین اسنی کوستخط سیر کریا برکرستا سری من بهدانی قاس مرجد مو اعتقاره سال کی عمرین منبدا و کوسکتهٔ اورانی اسماق قلیرست فقیعا سل کی اورعلم سنا

نوا ديوسدا سد سرفي رحم إسر

یرفلیفا ول نواج بوسف مبرانی قدس سره کے فلف را رفیدسے بین اوراصل مین نوارزم سے بین عالم تھے اور عالی صاحب کرامات ومقامات اورشینے عیدالکریم سمانی رہ کے انساب مین شکور ہجا و نیسبت خواجہ حسیدا در برق کی برق سک سائے ہجا ور برق را سے مہدیک زمیسے موب بر ہ کا ہج اسواسط کرآپ کے تعفی آماد اجبا و کمری واسلے تھے اور بڑہ فروشی کیا کرتے اوراکی قرمسارک قبر شیخ ابو کم اِسماق کلامازی کے اِس بخارامین میں شورستان کے اواراقی میجھا

تواجيس المالي

یه دو در سر فعلید فراجه بوست بهدانی سکت اورای کنیت ابوی اورنام سن ابن سین انداتی براوراندای و بسیل بر ایک نوک فرک فرک فرک بی است به اور مهدانی این است به برای کردوین ایک دومرا کا توک بی شرے فیر سیل بری سکواندای کتی بن اوراندان اندان با رائے بین نداندان مرد سکه اور فرا یک فواج سن اینی نیسینی و ت ت اورووا یک فواج سن اینی شرب و ترب اورووا بردوا به تصویر و ترب اورووا بردوا به تصویر و تصویر و ترب اورووا بردوا به می ترب و ترب اورانی سن اوراندان بی اوراندان بی ترب و ترب اوراندان بی ترب اوراندان بی ترب و ترب و ترب اوراندان بی ترب و ترب اوراندان بی ترب و ترب و

خواجه احداسيوي رحيه التند

ير ميرا فليغ فواج يوسف قدس مروك مين اوترك الاسوى كقيمن اورا اكا الفط جرى مين بها كامن من المروك مين المروك الموسلان المروك الموسلان المروك المراك المرك المراك الم

الميكة ذكررة انكي زمانه كالمتصل مين كفايت كيجاني سوانك بعيصرت واحبد الغالق ويوشف خليفه حفرت فواحه بوسف بهداني فدس التلع وواسم كم من اتكا ذكر شروع كدياجاً اسج - ا در ما ننا جاسبي كدخوا جدا تحد سن عارض فيف تصفي حد كا ذكر مملاكها ما الهجواب الفيق به خواج احمد نسیوی کے خلیفہ ول مین اور فرزند برشب پیمین باب ارسلان کے عالم علیم مظاہر ویا طن کے اورات دار سلوک مین النيدوالد مزركوارس ترسبت خوب بالئ اورائك مبدوفات حسب الحكم الازمت فواجه مين كيُّراوراً كخطل عاطفت مين ورويرولايت كولهونج عدالملك خواحدرهمه العد بذرند بزركوارسع ورآنا كمين اورأ كك مهدح الشين أنكه بوسة الرستعدون كينرست بركم بابدهي اوربرسون سندارشا د برر کرهالبان طراقیت که م ابیت کی۔ آثاج نواسر سدانتد يه فرزندع نزعبدالملك فواحبكه اور مدر نزرگوارزنكی أناسكه مین كه انكا فركر لوبدازین آنام واور آج فوا و پر فلسل علوم رسمی مکے بعد علم طریقیت اور تمیغت مین ترسبت انبے والدنررگ سے یاتی اورخود کا دکھیل میوکزیا قصوی کی تربت من معروف بوكة مسعيدا ارحمه السر ينليغ دوم فواج احمد ك تقدا ورأ كم حكم سے تربيت مرمد دن ك فروائي --صوفي محدد الشمسة دأما حالبند يبقيس فليغزوا جاحد كيمني برسون سندارتنا وبرب اورخلق كودعوت بجق كى سعفرت فرايا كرسته كذبه وفي عمد واثمنه مواسبياردان افترشنيها وشقى مبوسك بين وبسياسي من حفرت خواحة آسكة كوكون كو وكرصيرين مشغول كها صوفى محمد وانشمندسك ول مين آئى كه حفرت نواه كو ذكره برست منع كرين النبير كلوست علي تضع كه عفرت خوا و كوسعلوم موكميا كهافتساب شيغهمنوع شرعى كروكنے كيرييا آنهج قبل از لما قات اُسمين تعرف كميا اوروندالملاق تيجمسيل كودي بوطرب ومنشائخ نرك ميرمين اورجه متصفليفه خواجه احدسكونا م أنكاسليمان سوا درحك وهب بوهمشين أنكي جرسع وروالمنيةن مين بزاب ن تركي كهين شهورا ومعروف مين اوراً تك كلام ك نوائد سند ياسنل بيرح خلت كرا حسنسام اوروقت كى قدرمين فرائى بركهم كورسانك في فرسيل ومرتون كورسائك قدرسيل ليني حسكوتو و تيجيع ضفروان اورجيشب آصينتب فدرمج الدينيل عبي أكل طرت منسوب بي جواسيكم نفس من فرائ إرج بخشي نيركان بإرج بغداوي تيكر

زعج برستمات أردو

مینی مهارا برسی اورسب گیرون مهارانجهوسه مجاه رانگاسکن دلایت خوارزم مهاورتوضع آن متسر فا ن سافتهٔ الس مینی مهارا برسی اورسب گیرون مهارانجهوسه مجاه رانگاسکن دلایت خوارزم مهاورتوضع آن متسر فا ن سافتهٔ الس

زعی آنارحمه الشر

لموزكي بالأمعي كمنة مبن تكبيرا تأكماهها ب اقدم اورخافا راغطي سيرين مولدا ورسكن أنكا ولايت شاش اوروبين أكلى قر بارك بهوا ورخلائق زيارت كوويان جاته مبن اورمرادات بايته مبن تمولا أمحد فاضى عليه الرحمعة في حفرت سينقل كى مجركز قرا تقع حب کیجی زنگی آناکی زایرت کو آنامیون امدا امد کی آواز سنتنامیون بدیاب ارسلان سکه بوشفه تقعه اور فرزنز کلج خواتیم اوربيهون انبه والدنز كوارك فل حمايت اور تربيب مين ريديهن اورائلي وفات مبد باشارت نميبي مرلون حكيم آماك ساتخەرسىپدا دردەات حكيم كى بعدائى بى بى عنبرا ا دخرېرات خان سىدىكى كىيا درعنبرا ئىسىدىنىچ اور يوسىتە بىدا مبوئىس عالم عامل اور فاصل کامل که مرا کمید استیه زمانے مین مقتدارے سالکان اور زینجار ساللابان موسکه کتے ہیں تکہم آما سیاہ فام تظاكيدن عنباتاكه دل مين خطره كذرا كه حكيمهاه زنك نهوت توكيا مبرنا حكيم كوا بسك خطره مرا شراف موا فرايا كرتوجيه زايره رنگ کی نفرسی مصاحب مبرگی اور بیمواکه کلیر کے بعد زنگی آناکے نصیب مبوئی اوراجھوں نے کہا بیکے زنگی آنا کلیم ایسے نبطا بہنس طاور الخفوان في حكيم إلى معروسة عنى وروحانيت ترمبت بإنى مجاوره بالقول يبي ترمبوا وركيت من كرحسوقت حكيم أشفرولا ميت توارزم مین وفات یا گیادگی آنا تا شکندمین تقطه فور *آخوارزم کی راه* لی ا در کسی حکم پنین تشهرست نے کود یا ن مهوینچها ورقر حکیم کی زیارت اور ا بل معیبهت کی بیسنش کی ادر جب عزی<sup>6</sup> کی مت عدت مبر بردی ایکیم کم سنگایس به بیا ا درخواستگاری که *کسند شخویید یک کماین* علیم کے موکسی کے نکامے مین ننیون اُنی خصوصاً اس زنگی سیا دسکے اوراس تنجیجی پینے مین گرد ن اُسکی ٹٹر جی میزگئی اوروہ کھیرائی مڑا نازئلى الدسه الرقصه كدازنكي اللف بو أسيه نيام وبالريخيفي وسوح بترى ضاطرين كزرا بتناكه كما يبع الأحكيم بساه زنك بنولا وم عكيم في ترسه خطره كو بكركها عنقرب بوكه يجيه زياده سياه زمك كي نومصاحب ميوكي حب محزم فعده باستعنبر زناسيركهي أسع با د آني اوررو-لى اوركه مين راصى ميون جوائى مراد سېسفه العالى أسكى گرون سيدى ميوكئى اورائك نكاح مين آئى اورائك عارف يغي فقا وزون س الاسسالة صدراتات بدراتات برطارون فحص ابتداء تبخارا كماكي مرسدين والخصيل كرت فقادر بالاتفاق مطالد يريميت باندع بورك ينظا ورامك مشب جاردن كوخواميش اه سلوك كى بيدا اوروايق من كى ارادت أكلى فالطرين ظامر بودكي علانصباح كراش ديدا وربدر سيسيع يخل فى طون مُنْحِكما او رَّرِكستان كيوا وسَجِكِ زَنِّى آناكي حبت بين بيويني ا وربر ا كيسكا وَكرَمِهُ كياجا تا إ

ادزون سن أرجب بنتكر

ین فلینداول زنگی اقاسکه مپارخلفاسته بن حبب به مپارغزیز دادیت تاشکندمین مبوینی بین مین گذر تد مبویکه ایک مبینی کو کمها موسکه موسکه مبوضه کا جو کا ایان کا کلیمیوار با متعاا و روه زنگی اقا میتجه ادر آنها زکار مین طسیرنتی آنا ساخت م سلیم به متعاکدا بل انشکندک گایکن جرا با کرسته اوراسکی اُم برت سے عیال اطفال کی قرت باصل کرسته تھے۔ کہتے مہی وب زنگمی آنا میں

سدانا رجدالند

المعيل قدس سره

برشیدان محاب او ظاها دسیده آسی بین سعفرت فرانت مخته که واکن مین وگ تعرض کاهیل اناسته کرند و بین انگیته تخه بر اورتا شکندیکینچ بین بوسر آس ملک که پاس بردسی آن برمخرض تخطا درمینید اکی بجوا درخیبت کیا کوند آن کمت به نالوگ سیسکه صابون او داشنان بین صفرت بر کلام اکا بهت بپندکی کرتی اورتوایت فرانی که افداس نفیدست موکده حرب مین سار مواور جائزید مین کیژا و کیم که بین دو فی مصفرت نے فرایا بوکه آنا کار کلام جامع بوا و ربیعی فرایا بوکه آمهیل آن بیدا زان که در کوئیش کی واشت که ای و دولیش میم برادران طرفقیت میوسته ایک اتا کار کلام جامع بوا و ربیعی فرایا بوکه آمهیل آن بیدا زان که در کوئیش کی واشت که ای و دولیش میم برادران طرفقیت میوسته ایک اتا کار کلام بای برای در بیای ایک اورجان که کوئیش کی وای کرد که که که کرکه آس توجه در کار که مردیا در اساس میس از ایس جامد او در برای در در بیان سند با بر در موسرت فرایک تری که اس کلام سے آنا کی بهت کوئی وا در حفرت نے اپنی ایس دن وا جا درایم علیدالرح درک ال سند نقش کی بوک در فرست

اسحاق آنارهمساليسد

 طرحى بتوكى توكدا ده بهيمى ب مين رست مين المح صحبت مين گديا و مطلب ظاهركمياليكن واقعه ترندكا كجيرة كرنيس كديا ورصندون انكى خدست بين ر بإا دروه مبت تعلف كرت عند اكي ر ورفرزندانكا كرجوان نهايت رشيد تقاا ورآثار خبول اسكى ميشيانى سے ظامر ضع اُسند اسنجه الدنزرگوارسكى كدير ورولش سكين بم جابسے كرآپ كى خدمت بين رسيم اسحاق خواجرنے فرايا اى فرزندريونون خواج بها والدين فت بندكا مريع و گام كوم بال تعرف اسمين نهين به حب بربات مين نے كرف سنى صفرت خاج برمريا تقيمين اور ميمى داج مبوااً في اجازت جام بى او خرى دكواكم المريح إيا اور خداخ جو حرصر ترت فواجر قدس مرد كاربتها مقاميات كدكر با دامين انكى محبت اوم قبوليت سے مشروت مواج

صدرا ماويدرا مارههم التثد

> الهين بإ بإرجس إسد بغليفه صدراتا كه منع أنكے بدرآپ كى اشارت سے مالبون كى دعوت بحق كى -البينے على شيخے رحمه العد اللہ خليفة المين الله كريتو أبكر كورائيكري اله رميز الشاد و معنى سيد

مِنْ الْمِينَ إِلِمَ عَنْ أَنْ لِهِ لَا تَكِيمُ إِلَيْ اللَّهِ الْمُنْ اللَّهِ الْمِنْ إِلَيْنَادِ مِنْ مِنْ ع وَمُلْمِيْذِ الْمِينَ إِلِمَ عَنْهِ أَنْ كَالِمُ النَّاكِمِ إِلَيْنِ اللَّهِ الْمِنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ ا

مودود سيح بالماسر

يفلينشن الليخ التج النكر الكرسنورون كوتربيت ك-

ة و • "يا دوم بيز. سے سيكلف شند مجب الاتا سي۔

كمال ينع رحاليد

فادم يشنع رحمايس

به بارسه انساب مودد دقینی سند: بن در حفرت کی ابتدا رفه در مین دلاست شاش بکه به در ارالنه بین ایک جاعت کنیر محت اور مرشد تنده ادر حفرت سند لاقات ریحته تندینی جال الدین رحمه اندرج فادم شیخ کے خلیفه تندویان سندرات اقداد دمر میروان کی بری جهاعت مده خرت مولانا سندالدین کاشخری که فرار بر رسیم اور دمین و کات با کی اور قراز کی تخت فرار مربح فیقیرات اوی مولانا رمنی الدین عبدالغذورعلید الرسد که سامته کمه کرد. اگر صحبت مین جا یا کر آنا ورده ا نیخ شیخ سند حکاتین کمت اور فوا که بیان کر

كُواللين سع يعض يانع رشحومين وكركي ماتع بين -

ر تشخیره نین جال الدین کتے تنظے کہ ہما درے شیخ خادم شیخ اس آمیت میں توبل الفاسیۃ فلیم ہمن ڈکرائد کتے تھے کہ ایک گروہ ہوجہ کہ کہ نے سے قسا دت قلب حاصل کرئے ہیں اسواسیط کر وہ ہے ا دبا نہ تبعاضا سے طبع و انس خفلت کے ساتھ ڈکر کھتے ہیں ہزا واری کہ من کا کا اندر سے ساتھ نفست کے ساتھ ڈکر کھتے ہیں ہزا واری کہ کہ ہو۔

ر شخیرہ وہ کہتے تھے کہ شنچ ہچا رسے فرمائے تقے صفوری جو کہ سالکون کو نہایت ذکر ہیں اوراً سے مراتب برعبور کرتے ہیں اوراً سے مراد ایسے انواز کا مشاہدہ اور شعب ہو تو وہ مرانب معلیہ احداث کی ہوا کہ انسان میں اورائی ہوئی ہو کہ انسان کے سال کا درو د ہو ذات سالک برائی ہوئی ہو اورائی ہوئی ہو وہ ارد میونا ہو یہ جو کہ جب حال کا ورو د ہو ذات سالک میں فرات ہو اورائی ہو اوراد میونا ہو یہ جو کہ جب حال کا ورو د ہو ذات سالک ایش وہ اورائی ہو اورائی ہواؤں ہواؤں

وقت شعورنى يانهين اگرشعور يو توحركت اورقص واظهار بنجو دى نهاست بري چرز بوا وراگرشورتيس مج حورین اکر طهارت کیے بغیر نماز طریتھ ہیں یہ اس سے زیادہ ترا ہوئینے نے اُسکے جواب میں کہا کرفشش وضو کے اساب سه زمک به و که عقل ساب برویا معیسی مخول آدی کی حالت سج اور دوم بیم و کمقل پیرشده مبوعاتی بیجهیا که مهموشی کی حالت مین بطرتی لیکن اس گروه کی بید شوری رقنس وساع کی دالت مین نرعنش کا جا تا رمینا موادی نه أسكا بوشيده مهو تا سي ملكاس بير شوري كي دبية كالس ال يضل كلي عالم التي مياس عقل بزوي بيريز فركي ل بها و وجؤالية عالب ا ورحاكم موجاتي بوا وليس عقل كلي كو ده قوت ا ورقدرت بح كه اكب عا لم كا انتظام كرسه برن كرمندولسك توكيا ذكريح جوانسوتت أسطح زبيرحكم وحايت سجاه وغفل كلي مربراسكي تكامياشت بين بح نوافض وحدواس محل مين نسين رية اسواسط كرطالب صادق أسوقت طبيعت اوراحكا مطبيت سريا بركل جآبا بواور بوازم أبية سے فلاس ہے لیس اس مال من وضو تا زہ کونے کی احتیاج تبس م تی۔ رمتني فتنح جال الدمين كابيان بوكهمها رساستن كميته يكته يحقه كرسلسا خواطكان قدس العدار واحم كريبض اكاته الیداکها ہو کہ وجہ و عدم کا د جہ دلبشرست کے ساتھ عود کرتا ہولسکین وجہ دفنا کا ہرگرز وجہ دلبشرست کے ساتھ عوہ میں كراس كلام كم مسنى ظاہرا يرسين كه وجود عدم سے مرا وصفت عدم كا تحقق سو كه عبارت أس سے سبني دى مجك طربن خوا حبگان کے مبتدایون کوشفولی مین حاصل ہوتی سولیکین جو کھیے کے حقیقت معنی ہم وجود حدم عبارت اس بتی تقیق سے بوکرساکے کی قوت اوراک پر برتو والتی بوہی سبب سے کرائسکونا بیت شغل باطنی م اورول نفوش کو ننیه سے خالی ہرا در وہ بر تومہتی حقیقی کا کہ بیدائس بنچ دی کے بیدا میر قاہم وجو داس عدم کا ہوائ بدوجه وجود لبترست كمسائقه عودكرتاسي ليخة تهيريه برتونه ببدجوجاتاسي اور توازم وجود لبشرى غالب آسته مين خيلاف جوج بخشيره مقانى كر حبكولقاء بعدا لفناكية بين كربعد از تقفق بهقام فنا بيدا مويا بريس صبطرح كرفنا كودجود اقى هج سے بتراس عدم کو بھی دجو دیجیے ہے اور۔ دجود اگرج اُسی مجود اِ تی کا پرتو پہلین یا بنیوجہ کدمقام فنا میں تعلیم ک پر کہیں کیمبی غفی مہو ما تا ہم حب تلک کرصاحبُ حدِثْ است اور ملک مبوجائے 1 ورا اسر تعاسله داناتر ہی س خوا وعبدالخالق غجدواني قدموانيكم

یه چه بیخ خلیدهٔ بهار وین فلفارخوابه پوسعت به مدانی قدس سره سه او پروفتر طبقه خواجگان بین اورانفیین سے سلسله غرنه النجاشت بند شروع جوافر پر بخد دوان حودلایت بنی را کا ایک برا اسونس شهر که برابر اور نوا را سے اعظی را سیل تو کناسقام و لادت اور پرنوی انگر دالد زرگر ارعبد انجبیل مین اورعب الحبیدل امر کے سائے سشہ در را امر الک کی اولا وسے اور تیفت را سے فقت اعملی نکا عرباطن کے عالم ساکن ملاطبیر وم کے قصوا در دالہ دائے یا وشایان وم سے ایک وشاہ کی اولا وسے تعین سے کہتے جن کردہ

فرعله السلام كصحبت دارتقط وحفرت ففرز أنكوه جووز اجركي فبشارت دى اوعب الخالق فامريكها بدارانك اما میسی کوسمیدن روم سے اورا مرالهٔ بین آئے د لابت بنی اس پونی غیروان مین بود<sup>و</sup>اش کی اورونر س مين طبيط اور بروش ما ي*ي بيليشهر خارا مين تقعي*ل علوم مين شنول موسانه اكيد ، روزايني استا د امام مه زان تقع تفسير شريط تقع كداس آيت برموينج الموغوار كم تفزعا وضفيّه انه لا يجب المتقدين أمتنا دسته يوهيا كراس نفه طرين كم مفيقت كياسي أكرفه اكراتواز مصطيعها ذكرسك وقت اعدنيا سينبش كرسد دوسر السيراكاه مبوتا سي اوراكرول مين كه توشيطا السوافق الشيطان بجرى من اين أدم بري الدم واقف بريابي سناد سفر ذما يا بيعلم لذني بواكري سبما نظ ثواستنه تخوابل المدسيركونى تتضع لمينكا وترحليم كرنكا خواج نتنظ رسيتة بيبان كمس كهن غرطير السلام آننك يأس ببيريخ اورد توث مددى أكلوسكمالايا كتاب مفسل لغطاب مين فدكور وكدهرت نواحه كى روش طريقيت من حبث مهرا ورست مقبول وه بهيشك الصدق صفاا ورستابعت شرع وسنت صفرت مصطفى صلى الدعلية سلم اور مخالفت بعست ومواس ساعى سيدا وراسيعين كواغيار سعيميها أأكموسبن كرل كاجواني وخرية خفرط لياسلام سد لاا وأسيم شيكار بندمب أفزر على اسلام فرزندى مين قبول كميا ورفرها يكروض كم بإنى من آدًا درغوط ركائة اورول بين كمولا الله ألا المديمدز موال خواجه فالبيابي كعا وربيبين ليكرش فول كارموك اورك أكشين يايين ورادل زمانها أخزكس كاخلت كيمقبول اوكيك تقدم عرصفرت خواجه يوسعت مهمداني قدس سرو بخاراسين أكدا ومضاجه بنيا كوصحبت مايئ ورعبا ناكرانكانجي ذكرزل سو أكلي عبت مىن ر**باكوقىدىك نوا ديوسعن بالبن سيركه البرخط على السلام أنك**اكستا دبين اورخوا وبوسعت أنكرا ماليين تصرارا مِن يَحاج بوسعت ا ورأ تكومشا يَح قدس لىداروا حمكا طابق وكرج بخصاليكن ازانجاكة مخنون فيضفرعله إلساء مسطقتين كضفركي بالك أودأنسك اسوربيوسة فواح بوسعن فداكه كينبين بدلا ادرفرايا كحصرطرح أفسدا مودموك م يستنول مرسا وداكهم ليعني يؤمرايه نذكور بوكمة فوايا باليس **بين كى عميري عتى كرح**فرت خفر علايسلام نه تجفة فراج بوسعت بهدا ن سيمسپردكريا ا وميري سيتيك وصيت كى اورجب كك واورا والفرون ربيدس اكى لازمت مين ركواستفاده كرارا وفي احديد سن فراسان مين الفريرك مِينَةَ نول بورك اوراينه اوال بوشده رطف تعوداليت كل السي مونى كل ف قت مازمين كعده بنه اورآية اورايكشام من كير مرمية مبيئة المرخالقاه او آستانه تباره والواكيك ت درا زمقام ارشاد او دعوت غلي مينتكن <u>قص</u>ا ورطاب الطاء ق طريق ق كى ماه نمانى كرفيه تقعا ورائعالىك صيت ما مدة وابطريقيت مين مركه انبياز زندمنوى نواد إوليا كربيرس روكه كلها تتيمين فوائه مليله حر مرماورسالک کے لیے فروری میں مندرج میں اور سین سے برحیٰ فقرات عاسم مین کد ترکا اور ترین کھے واتے مین ۔ وشحة فرابالركيين تخية وميست كرفابهون كة علم وادب تنقوب كأسائة بسديه وال مين تيريما وبيوا وب بحركآ أيسلعن كابيرا ورسنه وجا عشکاسانشی موفقه اورصرمیث کوسیکمفنا درجودنیان جا مل سے بربز کرنامیمیشدنا زباجاعت پرده کا کمرشرط برکه امراد و شهرته کرناکهٔ منت کو دکسی شعسیک قدیدی خبونامیمیشد بگرنا مهدادر قدانون مین دنیا نام ندکشیرا ورندعدا لت مرملی کرسیکیا ف سمنجه کوکویی

S. J. F.

يتون بن ست دراً اورماد شاه او رأيسك لركون مصعبت تركيرا ورغانقا ه نه نيا اور نه فا نقاه من عبرا ورسل ع بسته ترت سماع نفاق سداكرتا بواورول كومروه او إنكارساغ مكركه ساع كسننے والے بہت مين كمركه اوركم كااوركم سوافیلق سائعاً يت بعاكمة بن اورايني علوت مين عميتيه رايكراويه وليتيون اورعور تون اورميتي او <u>الدارفان اورعوام سه اختلاط مريمي</u> ملال کھا اورنشہ سے پرسٹرکراور حب تک مہوسکے میاہ کرکہ طالب دنیا توہو جائٹیا اورطلب نیامین دین کو نفارت کر تھا ہ يتنبسل وقه تقدك نبهى سے احتیناب كركرست مبنسنا ول كواٹرالتا ہوا ورجا بسے كرسب كمنى من شفتت كى نظر سے أبود مجھ ری شعف کوحقر نستی این ظام کوست سنوار که ظامری آرائش باطن کی خزابی سے بختلی سے لڑا تی ست کا در زکسی سے کج اور المستى سے كام نه الادر مشائح كى خدمت ال بدن اور جان سے كاور انكى كامون كوبر است جان كرائكا شكر كرني فلام موگا دنیا ا ورابل نیا رزنه ته نه دیا مینی کترا دل میشینیمناک رہا ورتن میا اور آگھیں روتی موشن اوعلی خانص اور دعا عاج ساته اوركرارً ارازان ورونس ورجمع بديني فقرا ورهرسهدا ويونس من سبعانه يشحه اورنيز مفرت نواج سكظمات فدسيه سعية تموس عبارت وكهطانية خواجكان قدس العدامة اصم كي عماره بوس دردم- نظرتدم سفردول خارت دائمن بالكرد-باركتت الافت بادافت اداك وعيه بو وانسط مبوكتين كلمه ورمين جواس طاكفه عليه كي معللاه ان سين وفوقت عددى وقوفت ومانى - وقوفت تليي بياره كلمه بوسك الانجاكة حفرت واجهركروه سلسلينواحيكان كيهين لاجرم إس مقام الصطلامى الفاظ أيكي مبسيرها ثنا ان عودة والقية كاسوقوت بي نيزها رت شرينياس كرده كرساخه كما رفتون مين شرح كيدما تيين مي الاجال والقفيل اورا مد وتشحة وش دردم بيري كدع دم اندرسي نبيط جاسي كه از يرحفوروا كابي بيوا وفيفلت تتمين را ه نبا يك حفرت مولانا سدول يلخ شغر فدس لهديش نوايي كريبوش دردم نين انتقال اكرم سي وسرب دقه كم طابيع كدار برغفلت بغواوراز برج عنور موا ورجو دم له وسيحا سنفال درغافل بنوه فرت فرار فلان من عايت او دفظ دم كواسم ركها برينية ما سي كيساليفاس حفو اوراكاس كيسيا وينجرون بون اولاكوني تفنس كى محافظت بنين كرنا توكيت بن فلات تحص في نفس كم كم يسي يضطون روش كم كي تو حضرت نواحير بهاءالدين قدس سره فه فولا سركه نباء كالرس راه من فعن كرني جاسي مبيا كرشتنا الفرطيقة اسم زاكن حال يا رمامني اورُوكرستقبال سے فارزع اوس فيكركرا ونوس صنائع نهون وسدا وآمر رفت بفسل ور ديفس ك درسياني حفظ مين ساعي مبو كففايس وأسرا ورمذ تحطام الحما ای علم کے بوسے رہا ساحل ہر 4۔ دریا مین فراغ ہم نکل مت باہر + کونین کی بوج برلنظ کسون تیمینی + دودہ میریج آگا ہ وگروقت سحر ہ حقرت ولاناجا بقسل بسدسروالسامي شرح رباهيات كآخرين لاتيبن كمشينح الوالمينا بغرالكرا قدس لدر ويؤسا لفواتح الجالت فراتفين كرجوذ كرحموانات كم نفوس مرحارى سوا تكانفاس خرورى ببن اسواسط كرسانس كربيا في اوراً سكن كالينين حرف بإجواث رسته بغيب موست حق سبحانه بركها جاتا بواكرها بين ووقكن جابين اوريي حرف بابركه استرميا كأسدين بالطانة إثا

رشی نظر ترفده به به که الک که درفت شهراوی ادرسد به بین اسی نظر شین به روست ما گراسی نظر براکنده نه واور جه انجا بسید نظر ساور نراوار به که نظر ترفده سے اشاره سد رسالک کا بر نوبت کی طوف مسافات بهتی کی قطع اور خود درستی کی کھائیات علم کوسایان موسیقی جهان آسکی نظر نشنی بورف الحال آسپر قدم به کلے اورا برمجد رویج قابس سرو . ند موکدا برکر بسیا ترکا او بسید کور ما سے نجاوز کر سامی می بین برا و چرفرت محدومی قدیس مروف کی سیخفته الاحزار میں جھوبت و ابدا ، الدین خدیم روک تعلی مین اس صفرون کو اسطرے نظر کمیانتشوی کم رز وه سر به میدسے موش وه به و سرگذرست نه نظر شن ارت دم به بسی کار خودکر دو اسبوت سفر به باز خانم و قدر شن از نظر می جروم به ایسا که موش سے آنکہ تی برسے نه اسی جش سط

بس كسفرطبركمياآب سے + بجھرا تطرب نہ قدم الب سے +

رنشى فاوت درانجن مفرت فواجهها والدين قدس ستجاوعها ككي كتمعار بسلط لقيدكي بناكس جزيري فرا بإطوت وأنهن فلاس مِن خلق کے ساتھ اور باطن مین بق سبماند کے ساتھ سبیت ۔ از دروین واتشنا واز بردر سطینی نوش آنینین نیم بروش کم اس شيمية انشناد ندرستا ، بينكاز لمستطيع جاسطيع كي جالطيري كم بمانيين في حق حق شبط شهوفرانا مبركر دما <del>ل اللهيم تحارة ولا بيع عن وكراه</del> السيد مقام كاشاره بحادرذ بالكيسبة باطنى اس فطريقيهمين البيى واقع ميوني مج كيم بسبت ول علوت بين أش سيزماده بوقي سرح فلوت من بورا ورفزا يسوكه مهار وطولق صحبت موا ورخلوت من شهرت مؤاورشهرت مين آفت فيرست معيت مين مواجميس سمت مین می نشرطیکه ایک دوسرے مین فانی موا درخواجه اولیا کمتروس سرونے فرایا که خلوت درانگهن ده میرکدانت فال اورخها ذكرمين أس درج كومبوسني كأكون ارمن أقد عرى بات اورا واز مذسنة اسوح بست كأدكا فلد إدر استسيالا مشيقت ول برسي - ا وجغرت له فرايا بوكدياخ چور دزمين فاكوده امشتقال ذكرا در بتهام لميني كداس مرتبه كومهونيّا بوكداكوك كي آوار اوريكايت ذکرسعیسلوم بهوست بین ۱ وربع باست خود کیر و کرشند گربشریسسرسسی ۱ درامیستام کے منسین مہدّا-رنشى أوكره دعبارت ذكرزباني إولى سيرم حفرت مولانا سعدا لدين كانشغرى قدس سوسف واليهوكه طراني تعليم فرككا يه بوكه ال شيخ ول مين كير الآلدالاالمد محدر مسول المدريد النيرول كوما فركيدا ويشيخ ك ول كم مقابل ريك الدراكا بندا ورتنعوام توارا ورزبان مالومين ببسيان اوردانت تلدا وبررسكم اورسانس روك تفطيم اوربيرى قوت كم ساسخو فك نترم بے کرسے شیخ کے موانق اور دل سے کے نہ زبان سے اور سانس روکتے میں تقہرے ایک دم میں تین ابر کے الیسے کم ول كوملاوت ذكركا أتربه يستغيرا وراكنون في استي لعض كلمات قدسيدمين لكمعاس كدوكسيسة تقصيرو يريم كدول بهنشة أكاه اسبيعتى سبحا ندسي يحبثنا وتعظيم كم مسائق الممحبت إنى تهجيبت بين يأكائ بىسط توفلاصر وكرحاصل بوفكركا مغزا وروح يتهج اكرول من سبواندس أماه رسيدا وراكم سحبت مين يداكابي عاصل نبواسكا طريق برسي كدوكركما جاسدا ورطريق مسكي كالبرآ

مجعة آسان موييه كددم كونا منسكه ينجروكه ورلب كولىب يراورزبان كوما لوبراس طرح حبسيان آساني س سے بینے مدک دراک ہی جہ سرطرت جاتی سی اور وشا کے مصالے بغرسوهنی مجرا درطوخة العین مین اُست آسما ان برجانی اورتها م عالم کی مسیر کرنی مبیر بردسب اندلینیون سیمنزار کوسی اینجل مینور به متنوجه کردراه رو کرکرسنه بین اسیرشنول کورراس طرای سے کالم لاکوا در کسیار کالمینیچ اور کار اِ کد کودامهنی طرف حرکتِ لمالاالعدكوسخت ولصنوبرى برامست المساكه مرارت أسكى تمام اعت كوبهيسنج اورنفى وجودك جاسب تمام محتمات كونبظ فخدا والوسط لیمنا **جا سبیما** درا ثبات وجود کی طرمت عن سبی نه کوننظر لقا دمتفرصه و مرطا به در کا درکل او قات کواس ذکر کامستنغرت کرناچا سبیما و مر سی شغل سکے ساتھ اس سے باز نرسیے بیانتک کہ کر ارکار سے سب بھویت نوصیوں میں تھرسے اور ڈکرول کی صفت لازم موجا ہے وشحه بازگشت مدم که سرنا کود اکردل کی زبان سے کلم طبیبه یک اسک بیجید اسی زبان سے سکه که شدا وندام راستعد و دوسوا درتیری شا براسوا سيطية كلي كشت كالفى كرينا والامزمطره نبك ومركابت اكذكرخالص بهادة أسكا اسوسال رسے خالى موا وراكرمتندى الله الله المراد المراد المران المران المرام المرائد المراسط المعالم المعالم المعالم المعالمة المالك عليه الرحروبولان سعد الدين قرس مرو كرير ما معاب سع سقع فراسة تع كما بتداء مال مين وتعليمة كره فرت مخذوى س ا کان بازگشت به امورم والزمب بین کت خدا و ندخهمسود برانوی ما ورصایتری تجیه آس کمن سیدشرم آن که اس تول میل ق إلى البين ميدن الوريع ماننا عفا كريمير محمدة مبون الكيد ون اس هيال مين تفاآب كم إس مين كديا فرما كالمين عرب يس بهم وابته مين أنكه ساته دين كريوب بين مبنيا ثنيج ف وايا كرحفرت شيخ مركن الدين علام الدوله قدس مروف والايوكرك مبرونية طلب بين معدق نباوك كبارك كساعا مبيعيك مغدا وندامقعد وميرا توسوح كيحقيقت صدق ظامر موحب حفرت ثيني سكمياس معم إبراً كن مفرت مخدوم نے فرا كا كمشيخ الل عبرب مين اوراصالي منين عانة اس كلام كم منى مجيم معارم ندمور كا مشكلا روت بعد طل مربواكداً كي غرض اسن تستيني كرنتين في مذم كوان سے ترمبت بائ مير ند بطري سارك كراد رطاني ارشار منين مانت اسوائته كالبنوز أسكامل ثرة اكدنتين أسكونفر بإظام كيتواس حبت سه كروب للك نتيني سي زمننا تفا بازگشت مين اس كلمك سوزونیانیسی کمتا تهاوراًس کیند مین شرمنده میوانها ورجب فینج سے مین لیا ده سوزونیازا درخجالت والعنعال مرغ دينتي أنكابهاشت عبارت مواتب فواطرسيري حبيبا كماكيرم مين حندما بكامطيب كيركما طرغيركى طرحث ندحا وسدآ ويصغرت مملت سوالدين قدس بمروسفاس كلمه يكمه مفي مين فرمايا سي حاسبي كدابك ساعت اوردوساعت اوردوساعت سيرزبا وه حسقد وكراسان مع ابنى فاطركوفيرست تكاه مسكع آورمولانا فاسم عليه المهركر عفرت كراص بكارست تفع اكيدون تغربياً فرلوت فحاكم كالمتاتبة مين المكراُس ورعبك مبويجا مح كه طلعت فيرسك وفت سن جاشت المبند سك وقت الكافيل دسكة خطورسه ول أنكا وركما جاسك الإسطار داس مقدار زنان من قومت متنظ النبي عمل مند ميكارموجاتى بير- بيرشده نرسېكة ومت متنظ كالكينية عمل ميد معلل رمينا عيب ينم ساعت مرابل تحقيق كه نزمك فعاست لعرظهم واوراورات سه مرواور بيغي بي ادلياركا مل وكميركميني به بات مامسل مبيل

بالخيره فرمة شيخ مى الدين ابن و بي قدس مره نه فن قومات كى مين جهان كهسجه د قلب كا بيان كمياسي خواج بمعر على عليم ترمزى قد من ته موال دجواب مین اس بحث کی تحقیق فرائی ہوا در اسکی تفصیل اس مقام کے لائی بنیچ ہے۔ ستنحه بادد انشت عبارت دوام آگا بی سه حق سجانه که سائن لیسببل دوق سی اور تعبض سفه اس عبارت سنه کمه ایم که و دهنور بدغبيب سواورا بالتحقيق كمز دكيب مشامره جركه استياكشهو دق سے دل مربوج حب واتی سوكن ميصول يا دواشت معيم مفرت نے ان مارکلمہ کی شرح میں جو مذکور مہوئے یہ عبارت فرائی ہو کہ یا دکر دِعبارت تکلفٹ سے ذکر مین **ہوا دریازگشت عبا** رجرع كتى سبحاندست اسطور بركد براب كلر طبيسك أسط يجيد ول بين سوسه كرحذا وندامقعود مراتوس اور ثكا براشدت عبارت اس وع كى كانفت سىدىگفت زبان بواد راشت عبار تي نيز است كررس في مسيري وتشحده تون زمانی فداوبها والدین قدس مرو نے فرایا ہو کره قو مند، زمانی کا رگز در در ده دکی سے موکر بنده انے حال کا وقع منا روقت مبوكه أسكى صفت اورطال كساية وحبب شكر بويا موحب عذرا ورحفرت مولانا بيقوب جرخي قدس سرون فرايا بم كرحفرت فواجهها والدين فدس سروسفه مجيع قبض مين حكم استغباا وربسط مين حكم شكرفرا باكرعا سيتداس مال كي وقوف ن ان مواورز حفرت خار بزرگ نے فرایا ہے کہ سالک کی نبار کارکوو توت زمانی مین ساعت میرر مکعاسی اکرنسس کا دریا كرنے والامبوكرصفىورسے گذرًا سبح كا كففلت سندا سوا سيط كد اگرنش مرمنا كرين توان ووصفت كا مدرك بنوگا اورو توف را صونيه كمز ديك عبارت محاسبست بواورحفرت فوان بزرك قدس مروسف فرما يا بوكهماسد وه ببوكه برساعت مين ويما اوبرگذرا پوماسبه کوین که غفلت کها بهجا و رحضور کهایه و دکھیتا بهون که سب نفصها ن سوا ور مانزکشت کرناً بهون اور اور عمل شهروع كرتا بيون -رمتنى وتوف عدوى عبارت ذكرمين معدوكى رعاميت مصري حفرت فواج بهاء الدين قدس سرون فرايا سورعاميت عددوكا ول من خطرات منفرقد كم جن كم ليرسي اورج كيم كلام فواع كان تدس المدار واحم مين واقع سي كدندا في سف فلا بلك كوفا عددى كا اعرفرها يا سي أس سيدمقصود فركت في عاسب عددى مي ندمفس رعاست مدو فركتابي مين سه اور ذا كركوها يسيم كه اكمي م مين تين باريا اخ بإسات باراكس بارنك كيدا ورطاق عدوكولازم ماسفه اورحفرت خوا وبملاء الدين عطار ندفرا إيتون سومبت وفعكمة اشرطهنين سي عابسته كمروكي سك وتوف اورحفنورست مبوكه أصط فائده مبورتي اورعب ذكرالبي أكبيس استعاكمي باے اوراثر شام برہویے ماصلی مل مرد آبل مبواور ذکر کا اثریہ ہوکرزان فنی مین وجود شربت، ورمواورا ثبات کے زازين لكيان ألكيان أتدنونات عذبابت الوميت سد وكيم فرين فتفرت فواحد مفررك في وفرا بابرك وتوف عدوى اول وتعب ملرارنى كابوككن موكرنبث متدران ول وزرم ملرارنى كالن أثار تعرفات مذبات الوسيت كم ملا ورسع مركز عفرست غوا وملادالدين فيفولوا سي اسواسط كدده الك كينيت اوراكب حالت مركد مرتب قرب كوبهوي في والى سي اورعلم لدني أسين نمشوت بردناسجا ونيسبت كينتسيان وقوت عدوى كداول مزيد علم لدنى كابيويه سي كدفه اكرتيسسرا في واعتر فني سأس مرابت

تنت برنشمات أرد

| احداد وجد الناس واحد بو باسع بسیار و توسد با داده در احد این و احداد و با این سرا بر اعداد سابی من واقع بویست احداد و و با بی از جداد و با بی این به با بی به کریتی با که با که این و احداد و با که با بی با که ب   | احداد کا فیحد تکون نادیمیت به خالق داد تنجل کل شان تبد اعدادی بریت کنت بران دوسب کی برگریتی کل شان در احدادی بریت کنت بران دو احد در احدادی بریت کل می موقت ادر است برای برای بریت کا بریت کل کا بریت بریت کا  |   | <u> </u>  | شفائب الشوات أرده                                |
|---|--|---|---|--|
| ادرایک برای بازدین از مان برای برای برای برای برای برای برای برای   | اورایک برسیمی نیست اورایک برسیمی نیست اور برسد دکنتری البیالهای قطعه اراضی ما در این برنیا در این المراسی ما در این برنیا المراسی المراسی ما در این برنیا المراسی الم  | إن سرمراتب اعدا دحسابی مین دانعهٔ برسبت   | لردوکسسریان واحد عددی کرس   | اعدادموح واتسين واقعت موحاسه                     |
| المنت بوراي محري هي و منت الماسك فاندون كرانك من فرايد و كرنجي از در كاندا كالمور و يكي الماسك فالدون به با والمنت الماسك فالدون كرنا الماسك فالمور و يكون المورا    | المن بالمن بالمن بالمن بالدون المن بالمن   | مربة كُرْت مِ إِنْ دَهِ سب كي بري كُر مشجا بكل شاك  | رتعلی تکل شان ترتبدا عدادگان:   | ا هداد كو وي رت كونت خالشي سن في فالكل وال       |
| الت كونوب كي تود مين بيرين المستان المارية المستان المواد المستان المواد المستان المواد المستان المواد الموسوت ويم المواد الموسوت المواد الموسوت المواد الموسوت الموس   | المت كونوب كونود مدن بوده المستان الماسية المستان الماسية المستان المستان والا المراحية والمواقع والمستان المستان الم  | - Annual Control of the Association of the Control | Market and a first the same and a second confidence of the second contract the second |  |
| ا در ترب بارگشان اربی برای است الدین الدین الدین الدی این فرایا بی رابی بی این الدین الده الترس به المن الدین الده الترس به المن الده الترس به المن الده الترس به المن المن الده الترس به المن المن المن المن المن المن المن المن   | اور خرب با گفته اربان فرد اساریت اصدوریمدا فرا دعدا از کراند و گرو با بیررایمی ایم سورت ویم ادواش بست به کاندها و قراع دست برگاه از اساریت اصدوی به از اور اساریت از اساریت است و برگاه دوگر براست زمد ایم کرد با بی براسه کاندها دو از ایم که ایم که این برا که برای برای ایم ایم که این برای با برای ما به برای برای با برونی به اور فره برای با برای با برای برای برای برای برا   |   |   |  |
| ور فرسب بالکشن اربار فرد اسال بسته احدود مهرا فرادعد الزياعد و گرد بولست نرحه الهم مورت ویم اده ان سه است ایم است ایم است ایم است ایم است به ایم ایم است به ایم است ایم است به ایم ایم ایم و ایم  | ور فرسب بایگنده اربایترد اسال سیاصد دریمه افراد عدد از براکید و گرید و کست برصه ایم صورت ویم اده اش به سی است است است است با کشین اربایترد از براکید و گرید به به است به است است به است به است به است به   | لويت كرو كيفيمن الكيسك ادوين براسيسرو كيمر لو   | نى <i>ڭىغىن گۇغۇ</i> بولۇپى ئىم ئىرىرىيدەس  | الثرت كوخوب كميونوه سدت برونو                    |
| گشتهٔ وقیق کوئونیندسین که این فرد عدوین جرگیاساری خود این کاروی معدولورده این کی سکاه ده او ترکس به کیاسی خود اور احد این این می کیاسی می که این خود اور احد این این می که این خود به این وقی می که این خود به این وقی می که این خود به این وقی می که این خود المام خود به و خود المام خود به خود به خود المام خود به خود به خود به خود المام خود به خ   | گشتهٔ اوقل کوئونده به بی این فرده در بین بوگیاسان به فرایس به کرد به عدد اصروع ایس کی سکا ده او ترکی بری با بی بی اور و بین است من بری با بی   |   |   |  |
| گشتهٔ وقیق کوئونیندسین که این فرد عدوین جرگیاساری خود این کاروی معدولورده این کی سکاه ده او ترکس به کیاسی خود اور احد این این می کیاسی می که این خود اور احد این این می که این خود به این وقی می که این خود به این وقی می که این خود به این وقی می که این خود المام خود به و خود المام خود به خود به خود المام خود به خود به خود به خود المام خود به خ   | گشتهٔ اوقل کوئونده به بی این فرده در بین بوگیاسان به فرایس به کرد به عدد اصروع ایس کی سکا ده او ترکی بری با بی بی اور و بین است من بری با بی   | نيرونست زمد البم مورث ويم ادواش ست  | عدودهمه افرادعدد ويركهعدوكره  | ور مزسب بل كشف اربارغرد اسارست و                 |
| اورخشیقت مین برد قون بحکاول مرتبه علی به کام اور العد تعالی دانا ترایی دختی زسیه کرعل ایک علم به که ایل قرب کا الم الم الله الله الله الله الله الله  | اور شیفت بین بدوتون بوکه اول مرتبه علی برنی کا بوا و را اسدتعالے دائاتر ہو منحفی نرسے کی علی برکی ایل قرب کو الحکم است میں برنی کا موافقیون ای الحکم اوراک سے بواور علی بروعلمان اس اورانی معالی اورانی کا است موافقیون ای المحلم این بن برنی فرق بوکه علی امنان میں اوراک سے بواور علی لدنی بیت اوراک معانی اورانی کا است موافقیون ای المحلور العام وقت سبی از وات و صفات الکی کے اوراک سے بواور علی لدنی کی بیت اوراک معانی اورانی کا است بوارویزت محلمات موافقیون ایک موافقیون ایست کی اوراک سے بواور علی اورانی معانی اورانی کا موافقیون کو کی موافقیون کا موافقیون کا موافقیون کا موافقیون کا موافقیون کا موافقیون کو کی کا موافقیون کو کی کا موافقیون کا موافقیون کا موافقیون کا موافقیون کا موافقیون کا موافقیون کو کا کا موافقیون کا موافقیون کو کا کا موافقیون کو کا کا موافقیون کا موافقیون کا کا کا کا موافقیون کا   | حديبي عدد لوحدوهم الكبائي سكاما ده ادسكل سوا كما حجمنو  | ين دكياسا ي فراس وفي كي سالاً   | كشفتك اعتقل كموكؤ كاندبب بركوا كال فرادعدو       |
| المه الم في من به فرق بو که علقین عبارت از دات وصفات اکن که ادراک سے بواورهم له ان کنیت ادراک معا فی اور نوکه که است اعظور العام می سب با نه ہو۔  م المدنی من برق بو کو من بی ایک بیر کو داکر کا دل می سبحاندے کا کا در سبحا در بر باد داشت کے مقوایسے ہوا در برت است کا کا در سبحا در برباد داشت کے مقوایسے ہوا در برت است کا کا در سبحا در برباد داشت کے مقوایسے ہوا در برت است کی من براید الله من من کور کے سبحانہ سے سبحانہ کو تو و نظمی عبارت ہوگا ہی اور دل کی حارت ارتباطا دراگا ہی نہ کور کے ساتھ شرط ہوا دائی جا کہ کو کی جا بہت می سبحانہ کو من براید انتراز کر میں ساتھ شرط ہوا دائی کو من براید انتراز کو من سبحانہ کو من براید انتراز کو من سبحانہ کو من براید انتراز کو میں براید انتراز کو من براید انتراز کو میں براید کو من براید انتراز کو میں براید کا من من من بو برای برای کو من براید کا من من کرد کا من من کو من براید کا من من کو من براید کو من براید کو من براید کو من براید کو کو من براید کو من براید کو من براید کو کو من براید کو کو من براید کو کو من براید کو کو من براید کرد کو کو من براید کو کو من براید کو کو من براید کو کو من برای براید کو کو من براید کو کو من براید کو کو من براید کو کو من برای براید کو کو من براید کو  | المهاری بن برفرن بوکر عالمقین عبارت از دات وصفات آنی سکا دراک سعیم اورها له آن که بند ادراک سمانی اورفع کمه استه الحطور الهام حق سبما ندیدی و مورد الهام حق سبما ندیدی ایک به به کوفر الهام حق سبما ندیدی ایک به به کوفر الهام حق سبما ندید به به وعزت ایک به به به و ایران ایک به به و به وعزت این ایک به به به وعزت این ایک به به به به وعزت این این اورون به  |   |   |  |
| المطور الدام من سبرانه بهر المسام من سبرانه بهر المداري سبوا ندس اکا درسیدا در به باد داشت که مقراس به ایرونرت<br>من بسفه کلیات قدسیدین افیه کلها می که وقوف طبی عبارت بو اگا بی اورول کی حافری بنا به بی سباندساس طیح که که<br>اگا می کوشود و وصول اوروج دا وروقوف طبی کتے بین اوروه بایش طون ایسان داکول سه دافعت موید اثنار ذکر مین اشتی ت<br>پاره صنوبری شکل کی طوف متوجه میوجید مجاز آول کتیم بین اوروه بایش طون ایسان چیپ سه ساسته واقع به اوراسکودکی بیا<br>پاره صنوبری شکل کی طوف متوجه میوجید مجاز آول کتیم بین اوروه بایش طون ایسان چیپ سه ساسته واقع به اوراسکودکی بیا<br>ساتی شنول اورگویا کورے اورائے میملت ندے که ذکر اورائی معنی سے خافل موار خوا و بهار الدین قدس مرود کومین سانس که<br>مندش اوعد کی رهامیت الازم بهندی کورت کمیک و دونون عنی کو دونون می بین به بیاب بان ۴ کر جفی اول زاید بیاسواسط که<br>مندش او عدد کی رهامیت و تون تعلی مین به بسیست به نشان مرخی باشی کا بیاب بان ۴ کر جفی اول زاید بیاست می کومی<br>مندش و خات درب به بوخیانو جازشخص کواسیا صحاب سے دیکا ذکر بیو تا به میاب اورازشا دین الاق وست مدیا با به آب<br>مرکاکی سف اورائی در جویا مرافای کودورت بحق کی —   | المطور الهام من سسبها نه ہی ۔  مرتشی وقوم الله من سببها نه ہی ۔  مرتشی وقوم الله من سببها نه ہی سببها نه ایک بیرم کی داکر کا دل می سببها نہ سببه اور بر باد داشت کے مقوایسے ہی دورت کی ماخری جا ب می سببها نہ سببها میں میں اپنے کھا ہی کہ وقوت البی کہ دورت ارتباط اورا گاہی نہ کورے ساتھ اس طرح کو کہ ایک کو الم است می سببها نہ کے ساتھ انسرط ہوا دول کے ایک کو البیری کو داکر دل سے دافقت ہو لیے اتنا رو کرین اس سببه ایک کو اکا می کو شعود و وصول اور وجود اور وقوق علی کہتے ہین اور دوسری نی بین کہ داکر دل سے دافقت ہو لیے اتنا رو کرین اس سبب اور کہ میں اور وسی کی کہ دول سببہ دائیں ہو اور وقوق علی کہتے ہیں اور دوسری کی بیان کو داکر دل سے دافقت ہو لیے اتنا رو کرین اس سببہ کہ دول کے ساتھ انسان کی کہتے ہیں اور دوسری کی بیان کہ دول سببہ دائیں توس سرو دکرین سائس کی استیار اور میں ہو کہتے ہو گئی کے دول کے میں انسان کی میں ہو میان اور دوسری کے دول کے   | يالسلام فرط ياسي وعلمناه من لدياهل اور في التيان الت  | كميح جبائخ كلام التدين تحق نفرعه  | تعلياتى سيمعلوم بوابح نهعقل ورنقل                |
| المطور الدام من سببانه بهری ایک بهری و واکه واری سبانه در رسبه اور به باد واشت که مقراسه به ایرونرت من می و و و و توان به   | المطور الدام من سبمانه به بی - به  | مصبي اور علم لعدنى كذابت اوراك معانى اور فيم كلمات  | زدات وصفات اکس کادراک.  | ملمارني مين بي فرق بوكه على فقين عبارت ا         |
| فره به  | فى بين كاردول كى حافرى بين انبية كلمها محكورة ون قلبى عبارت بحاكا بى ادرول كى حافرى بجاب بن سبحانه ساس طيح كولكي المروف كله من من المجارة المراكا بى مذكور كه ساتا توشوا بوادا المحاس كولكي باست من سبحا نه سك سوانه و ساجه شرا به اورو وسريمنى بيهن كواكول سدوا قعد مويية اتنا وكرس المرس المجارية المحاس كوشورى المركة بها من كورك المروف المروف المراكة كورك المروف المركة بها المروف المراكة كورك المروف المركة كورك المروف كورك المركة كورك المروف كورك كورك المروف كورك المروف كورك المروف كورك المروف كورك المروف كورك المروف كورك كورك المروف كورك المروف كورك كورك المروف كورك المروف كورك المروف كورك كورك كورك كورك المروف كورك كورك كورك كورك كورك كورك كورك ك   |   |   |  |
| کوئی چامیت مق سبحانه کے سوا نهوسا وردوسری جگر فرایا ہوکہ ذکر کے وقت ارتباطا وراگاہی نہ کور کے ساتھ نشرط ہوا واس<br>انگائی کوشور وصول اور وجود اور وقوت علی کتے ہین اور وہ اسٹرین بیپن کر ذاکر ل سے دا تعذ ہو لینے اتنار ذکر میں اسٹرین<br>پارہ صنوبری شکل کی طون متوجہ ہوجیے مجازاً ول کتے ہین اور وہ بائین طون لیستان چیپ نے ساسنے واقع ہوا ورکسکوذکہ سے ساتھ بنشول اور کو یا کرے اور اسکو کہ درکا ور آسکے معنی سے خاتمل مواور خوا دربار الدین قدس مروز کومین سانس کی استان اور وہ ایکن موروز دری شارک ہوا سے کہ استان کی میں ہو ہو ہے مجازاً ولا میں میں ہو ہو ہے میں انسان کے دونوں میں میں جا بات ہوا ہو کہ میں اور میں ہوئے اور اسٹان کے دونوں میں ہوئے اور اسٹان کی دونوں میں ہوئے اور اور شادین لاکن ورسے سے دیا دولوں ہو کہ اور وائسا دیں لاکن وسے دربا کے دونوں کو دیو تا ہو کہ ہو کہ ہو تا ہو میں اور اور شادین لاکن وسے میں بالیہ ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئ   | کوئی چامیت مق سبجا نه کے سوا نهو سا وردوسری جگر فرمایا ہو کہ ذکر کے وقت ارتباطاد راگائی نہ کور کے ساتھ شرط ہوا والی اس است مق سبجا نہ اور وقوت عبی کے بین اور و وسریری یہ بن کہ ذاکر ل سے واقعت ہو پینے اتنار ذکر میں اس تو اس کو میں اس تو اس کو میں اس کو اس کے اس کو اس کو اس کو اس کے اس کے اس کے اس کے اس کے اس کو اس کو اس کو اس کو اس کو اس کو اس کے اس کے اس کو دونوں میں بو میان میں جو بیان میں اس کو الکان کو اس کو کو اس کو کو اس کو کو اس کو کو اس کو   | 4 / 1 :   | •   | <i>1 1</i> 1                                     |
| المای کوشهو و و معول اور و جود اور و قوت ملبی کتے بین اور دوسری بیین کد داکد ل سے داقعت بولین اتناء دکر میں اس ای اس میں کتے بین اور دوسری بیان کا داکہ اس میں استے واقع بہا و راسکو دکر کے اس بی استے واقع بہا و راسکو دکر میں ساتے دشت فرل اور کو یا کی ساستے دائی ہوئے دکر اور آسکے معنی سے فائل مو اور خواج بہار الدین قدین مرو دکر میں سائے دشت فرل اور کو یا کی سے دائی کہ دو تو ت قلبی کو دو نواح میں جربیان بورک میما در فروری شمارک ہوا سواسط که امنی اور میں میں جربیان میں جربیان بورک میما در فروری شمارک ہوا سواسط که افراد میں اور خواج بہا ہوئے ہوئے دو تو ت اور اور خواج بربی المی بین ہوئے دوس ہوئے اور کا بیان میں میں ہوئے اور کا بیان میں میں ہوئے اور ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے  | المای کوشهو و وصول اور وجود اور و قوت علی کته بین اور و وسری بیین کد داکردل سد دا قعد بوید اثنار دکرین اس الی اره صنوبری شکل کی طون بست و این بها در کست بین اور وه باین طون پیدان حید به ساست و این بها در کسکو دکرین سانس که اساست شد که در که که در که که در که مین سره عافل مو آور خواه بها دادین تدس سره دکرین سانس که این اس ای در که میما و در دری شمارک به اسواسط که این او عدی که رمایت کارم به به کارم بی که ساخت که است مین می به به مین مین به باید به مین مین به به کارم بی که در مین که در که به مین مین به بسید مین به بسید می باید با با به به کارم بی که بی به به به که بی که بی به که بی بی به که بی بی بی به که بی به که بی به که بی بی به که به که بی بی   | رول كى عا خرى باب ت سبيان ساس الرح كدول   | به وقوف قلبي عبارت ببح أگا بي ا   | ف بيض كلمات قدسيين ابنه لكمام ك                  |
| پاره صنوبری شکل کی طون متنوجه مج جه مجازاً ول کتیمین اوروه بایین طون پیدان جب سے سامنے واقع مج اور کسکو وکیسی سانیم شنول اور کو باکرساز در کست ندسه که ذکر اور آسکے معنی سے غافل مو آورخوا و بهار الدین تدس مرو ذکر مین سانس کما بندش اورعد دکی رہا میت الزم بهن کورتے لیکن و توت قلبی کود و نوائع مین جو بیان جو سک مهم اور فروری شمار کی براسولے که فلاصد جرشف و کورسے ہو و توق قلبی مین ہو بہیں ہے انتظامی جب فیل ایسسیان به کر بیفیزول زاید سیاستی و سائی تهدی التحق میں ہوئے ان به آور حفرت فوار عبد النی ای تدرس سے محاصب و قت و فات ترب بہونجا تو جا برخوا میں ہوئے ان کی توری ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے   | پاره صنوبری شکل کی طون متوجه مجونی و ای کتیمین اوروه بایکن طون پیتان چید که ساست واش میها و رکسکودکاری ساختران اورگو با کو با کرد کاروراً سیکم منی سے خاتل مواور خوا و بهار الدین توس مره دکرمین سانس که بندش اورعد دکی رها بیت الزم به بن کرتے لیکن و توف قلبی کو دونون مین بن جربیان بوسکه مهم اور فزوری شما که به اسواسط که فلاصد جرشف و کرسے به و توف قلبی مین به بسیری می باشتان با بین به به کریمی باشتان به می بریمی باشتان به می بریمی باشتان به به ایسواسط که ایسواسط که ایسواسط که می بریمی با بیدا بریمی با می به بریمی به  |   |   |  |
| ساتخوشفول اورگویاکوسا در آسی مهات ندی که ذکرا در آسیکم مغی سے خافل بو آورخوا و بهار الدین قدس بره ذکرین سانس که  بندش اورعدد کی رها بیت لازم بهنین کوسته لیکن و توف قلبی کو دو نوان منی بین جربیان بوسکه مهم اور نزوری شمارک براسواسطے که  فلاصه جرشفی و کوست بروتون قلبی بین بربسیت مانتدوغی باشکای بیسیان به کربیفیدل زایدت بستی دسل تهدید ا<br>مزهبر ماننده بی منه بیدن بربوبیاسیان به تامستی او تو مقار وصل بوعیان به آورو فرت نواح بعبدانی این قدس سده کاحب  وقت و فات تربیب بهونیا توجار شخص کو اسپیاصی ب سه حبکا و کربوتا برمتقام دعوت اور ارشا دبین لاکن بوست مدیا یا به آب کربوتا بوست به را مرافق کو دعوت بی کربوتا بوست به را می است به بیدا به بیدا ب کربوتا بوست به در ارشا دبین لاکن بوست مدیا یا به آب کربوتا به مقام دعوت اور ارشا دبین لاکن بوست مدیا یا به آب کربوتا به بیدا بیدا به بیدا به بیدا به بیدا به بیدا بیدا به بیدا بیدا به بیدا به بیدا به بیدا بیدا به بیدا به بیدا به بیدا به بیدا بیدا بیدا به بیدا به بیدا به بیدا به بیدا به بیدا بیدا به بیدا بیدا به بیدا به بیدا به بیدا به بیدا به بیدا بیدا به بیدا بیان به بیدا به بیدا به بیدا بیدا به بیدا بیدا به بیدا به بیدا بیدا به بیدا | ساتخوشفول اورگویاکوسا در کسی مهات ندسه که ذکراور آسکه مغی سے فافل مو آورخوا و بهار الدین تدس مرو ذکرمن سانس که ا<br>بندش اورعدد کی رہا بیت لازم بهنین کوسے لیکن و توف قلبی کو دونون منی بین جربیان بوسکه مهم اور دروری شمارک براسطے که  فلاصہ جرشفی و کوسے بو قوف قلبی بین بر بسیب است استروغی ابتظامتا بین بال بسیبان و کر بیفی دل زایدت ستی دسل ته تعقد مناصر برخوب انسان به کر بیفی دل زایدت ستی دسل ته تعقد مناصر برخوب بران به مناصر برخوب بران به مناصر برخوب بران به اور مناس کوسی بران به مناصر بران برخوب بران بور ایسان برخوب بران بران کورخوب بران بور ایسان برن بران کورخوب بران بران برن بران کورخوب بران بران برن بران کورخوب بران بران کورخوب بران بران بران بران برن بران کورخوب بران بران برن بران کورخوب بران کورخوب بران بران بران برن بران کورخوب بران بران بران بران بران بران بران برن بران کورخوب بران بران بران بران بران بران بران برن بران برن بران برا  | ن كرواكردل معدوا قعد موسيد اثنار وكرمين اس تو   | بطبی کمتے مین اورد وسر شیعنی بیایا<br>سر  | ا انگامی کوشهو د وصول اور وجودا وروقوت<br>نیر سر |
| بندش اورعدد کی رهایت لازم مهن کرت لیکن و توت قلبی کود و نوان مین جو بیان بود که مهم اور فردری شمارک براسواسط که<br>فلاصد جرشفت و کرسے بر وقوت قلبی مین بر بسیت ماندرغی باشطاری بین با بسیان به کر بیفی دل زا بدت بستی دسل تهده ته<br>قرصه مانندم عرضی بر بر بوابسیان به تامستی او قده قدرص بروعیان به آور حفرت فواح بعبدالخالی قدس سده کاحب<br>وقت وفات قریب بهونجا نوج برشخص کواسنچاصی ب سده جنگا و کربوتا بر متقام دعوت اور ارشا دمین لاکن بوست و با با بعدا ب کارکیک سال ایستان براهی سال اور فات کودعوت بی ایستان کی دعوت بی استان براهی سال اور فات کودعوت بی کار می احد احد صدائی رحمالید می ایستان با اور فات کودعوت بی کارک بستان براهی بستان با احد احد احد صدائی رحمالید براهی بستان با ایستان با بیدا به بین اور ایستان بی بیان با بیدا به بین بیان با بیدا بی بیدا بی بیدا بی بیدا بی بیدا بی بیدا بی بیدا بیدا   | بندش اورعدد کی روایت لازم بهنین کرت اسکین و توف قلی کود دنون معنی بن جربیان بوسکه مهم اور نروری شمارک برا سواسط که اضاصه جرشفت و کرست بر و قوت قلبی بین بربسیت ماند درخی باشطان بین بربسیان و کربیفی دل ایست به می کربیفی در این این تعدیل ایست و ساخ ته تعدیل به است و کربیو با بند از بر می این به اور و شده این این تعدیل به به این به اور و شده این این تعدیل به   | اليتان حيب كساف واقع مواوراسكوداسك  | ب <i>ازاً ول گفته مین اوروه بایکن طر</i> وز   | إروصنوبري شكل كي طوف متوجه موجيدم                |
| فلاصد جرتفق و کوسے م و قوت قلبی مین م بسید ماند درخی باشطان بینی بل بسیان پرکز بین به کرید بین بستی دسال به مقد<br>ترجیه ماننده بی مبنی در برموبیسیان به مستی او قده فی دوس م وعیان به آور حفرت خواجه عبدانی این قدس سرو کاحب<br>وقت وفات قریب میونیا توجار شخص کواسیا صحاب سے حبکا و کریو تا می متقام وعوت اور ارشا دمین لاکن بوست با یا به آب ک<br>مرا کیب نے اور شاور چیام اور فلت کو دعوت مجن کی ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔  | فلاصد جرتفق و کوست می و توت قلبی مین می بسید استدار غی باشطهای بینیل ایسبان و کریفیدل زایدت سسی دسل قهقه ا<br>ترجه مانندی مفیرد ل برموبیسبان و تامستی او ترمقار وصل موعیان و آور فرت خواجه عبدانیای تدس سده کاحب<br>وقت وفات ترمید به پویخ اتوجار شخص کواسنچاصی ب سع حبکا و کریوتام و مقام دعوت اور ارشادین لاکن وست مدیایا به آب ک<br>برا کهدانی اور شاور چیام اور فلت کود عوت می ک   | ل مواور خوا دبهار الدين قدس مره ذكرمن سانس  | ، ندسه که ذکرا وراً سیکی منی سے عاف   | اسائقومشغول اوركوما كرسدا ورأسد مهلت             |
| ترهبه اننداغ مفیردل برموبایسبان و تامستی اور قده که دصل موعیان و آور حفرت خواجه عبدانیان قدس سرو کاحب اوقت وفات ترمید به به به نوش خواجه به تامید که وقت وفات ترمید به به به نوش که استی اور ترمی که به به که اور ترمی که به  | ترهبه اننداغ مفیردل برموبایسبان و تامستی او تده قدر دصل موعیان و آور حفرت خواجه عبدانخانی تدس سده کاحب اوقت وفات ترمید به به به نوازشاه مین لائن وستعد با با به آب که اوقت وفات ترمید به به به نوازشاه به به نوازش که دعوت بوزش که سد می میدانی دی است او احد احد صدانی دی ایسا  | بان بوسكمهم ور فرورى شمارك براسواسط كه  | ن و توت قلبی کو دونون عنی مین جو ۱  | اسندش اورعدد كى رهاسية لازمر بهنبن كرسة لسكر     |
| وقت وفات تربیب بپونچا توجار شخص کواسنچا صحاب سے حبکا ذکر بپوتا ہم مقام دعوت اورار شاد بین لائن موست دیا یا بعدا ب کے<br>برانکیب نے اور شاد برقیام اور فلق کو دعوت بحق کی<br>خواجہ احمد صدائی رحمالیدر   | وقت وفات تربیب بپوینا توجار شخص کواسنیا صحاب سع حبکا ذکریو تا به مقام دعوت اورار شادین لائن وست مدیایا بهراً ب که ا<br>برا کمیسند اور شاد برقیام اور فلق کودعوت بحق کی<br>خواحد احمد میں مصالی مصالید  | ر بسسيان ۾ کر بيفيدل زايدت ستي دسل تهفته  | وسبيت التدرغى اشطان وثيكا   | فلاصه وشفق وكرسيه و ووث فلبي مين م               |
| وقت وفات تربیب بپونچا توجار شخص کواسنچا صحاب سے حبکا ذکر بپوتا ہم مقام دعوت اورار شاد بین لائن موست دیا یا بعدا ب کے<br>برانکیب نے اور شاد برقیام اور فلق کو دعوت بحق کی<br>خواجہ احمد صدائی رحمالیدر   | وقت وفات تربیب بپوینا توجار شخص کواسنیا صحاب سع حبکا ذکریو تا به مقام دعوت اورار شادین لائن وست مدیایا بهراً ب که ا<br>برا کمیسند اور شاد برقیام اور فلق کودعوت بحق کی<br>خواحد احمد میں مصالی مصالید  | أورمفرت فواصعبوالخالق مدس سرمكاحب   | مستی او تعقد رصل ہوعیان   | ترجيه انشام ع سفية الرموبايسيان و آما            |
| فواصراص حاليه   | قواحه احرصدلق جاليد  | دعوت اورارشادين لائن وستعديايا بعداب ك  | عاصحاب يعد جنكا ذكربيو تام ومتقام   | وقت وفات زميب مهونجا توعار شخص كواسة             |
| خواجه احدصدلي جليد  | خواحه احدصدیق جانید<br>پیغلینا ول مفرت خواج عبدالفائق قدس سره کے خلفار اربع بستے ہن اصل میں بخارا کے تقفے اور صفرت کے بورائے ہجائے   |   | _ بحق كى <i>_</i> _   | برانكيد في اوارشا دريقيام ا ورفلت كودعور         |
|   | ينظينا ول مفرت خواج عبدالخالق قدس مده كفلفار اربع سعة بن اصل من بخارا كه عقد اورصفرت كه بدأتك بجاعا  | 149   | خواحه احدصدلق حرا   |  |
| ينظلينا ول حفرت خواج عبدالفائق قدس مسروك خلفاء اربع بسيد من اصل من سبى راسكه عقد اورصفرت ك مبدأ ك سبا   | the state of the s | ال من بخاراك عقد اورحفرت ك بدائك جا   | اسسره سكنطلفاء ادلوبسطين اح   | ينظلينا ول مفرسة خواجه عبدالفائق تدس             |

میچے اوردگرانسحاب آنکی مثالبست اور از زست مین رسب اور جب آنکی و فات کا دقت نز د کیب بیواسب یارون کوفرا جا ولیا کبیرا درخو اجه عارف رایوکری کی مبروی کا مرکسایا و را نکی و فات کے بعد سے دو غریز بخارا مین دعوت اور ارشا دطالبان مین مشغول رہے اورخواج احمد کی قبرمیارک قریمینیان بین بوجونج السے نویل بیزی

غواحراو لماكسبر رجمهالميد

يفليفه خوا وعبدالخالق كيبن اورنجاري الانسل ابتدار طال مين آب بخارا كه ايك نه تقع الغاقاً ايكشه زخواه عبدالحالق قدس موسار بخارامين متعرّراً كوشت ليا مقاخواه إولياساً ديان مونحكر بيت شياز منديمي . المَّاس كَى دُكُوشت مجيود تبيية مَاكِراً بِ سكرسا تَوْكُورُك بهينيادون فارت فواجه نهُ الكي المَاس فيجل كي اوراعفون فيوه كوشت فغير فواجه كم مكوكه دروازة كالبيونيا وافرت فواجه فداكلوا بنيدل مين فكروى اورفرا يا كدا كميساعت اورتفه وكديم تمركها ماساته كها مئين حب خواج اوليا وحفرت خوام كى فدرست سع كه لتريوس لنني كيف بسل اورمطالع بين افسروه بإلى اور حفرت فواج ل مبت كه طون ماكل دكيها ايك ساعت بعد كميونواحه كي خدمت مين بهيويني اور دولت فرزهرى أورضو البيت آب مك طربقه کی ماسل کی میرانشا دکی ندسته برخه بین کینهٔ اشا و دانشهند نفه مرهندستی کی که انکواس طریق سید میمیردین مگرم يوهب مقام مركه أنكوه كيظون اردلامت كوقع اورئزا مجلاب ت كنته اورنوا حرادلياد أسك جواب مين محيونه كيته بهانتكم كيب شب كونوا واليابركشف سب اكيا مرتبيج اوفعل ثنيع وانشهند كامعلوم مواا ورُسكوكبيرة فاحشدين وكمحياصبع كمج لافات مولى بعردانشمن بنظ المست شروع كى نواحه اوليان كها ائ كسشا دَابِ كَيْسِ مَهِ مَنِينَ آنى كدات كو يعيق لشنيع فاحش مين تغيرا ورون كوراه من سير مجع از ر كليزيين وه والنشف شرمنده ميواا ورفيين كياكدانكوصفرت نوا عِيد الغالق كى عاربت مين نشودموني بوايتين بركاسيوت مفرت نواج كي فيت بين جاكور كي اوراً تك طولة براك مقبول موسك يشهور بوكفوست خواطه الم بير فاسبوا فان كرد دوازه بريازار بنالين ايك عليفطات كايوماكيا سوكأس حاليس ات ون بين كوكي ضطره أشكام وأم لنبين بواحفرت اسل كوفواج اولياسع نهابت عجيب يظيم تحراق اوليهند ذات يخصادر انتون من أتكلي ويتيها ورفياته أرم ليذخوا كالقيم والمداره الهم كاشتفال سدآوى تعوارات ون بين اس رتب كومهيني بركوس كي آواز أسكاكان مي بوا وأسكا وكسنتا بوادريسي صفرت ولمن عقايم من بلخواطر كم جودا جدا ولهاعلد الرحدس سفول بوزيد بوكر طلفا كوفي ضار بنيس آنا حقا بكريدداد بركركو في خطره فراحم أكل نسبت باطني كانسين مونا عقاص طرح كركوش أآب والن برانع حريان آب وال كانسين ميزة رفربات يتحاذوام علاؤا لدين غجدواني عليدالصبيسي كنب اصحافيات علاوالدين قدس سوست تنصيرت سوال كمياكة كالعطورين ككول فيراسين مغوينين بونا فواكنني كبيكي ايسا بيونا بوا ورب سبيت برحى مبسيسة چون مية تيزشداين جردون بغرنيا عدر درون عاشقان ترفية المعيني كي تيزي سعيد بي وان معمنين كحقيق ل اين شعال فربا يكرقائل نيغر نبايد كهاا ورعم نيا يونسن كها دولس قول كي النيون وجوه اهر علادلاين عظار قدم مسوسف فوا و محافظاً المعادلة المعادن المعادي المعادي المعادلة الم

نے آسفیدی دستوار سیافتیاطیسی سند کرمیس سن کمی آیمین تم تصاحا کہ نے۔ ضطرات كا روكينا مجرامشكل كامع واورجنبون كاسيمة له يوكيهٔ طرات نا عقبارينس بيكين مسلت مديجات كه ج*كر بكيت اسواسط*ك انسکانیش کاسدرا و موجانا سواور فربرمارک خواجه ولیا کی نجار این زمین میاری زمین مین رج بدیا کے پاس آفع معولی بواقع ا کی وفات قرمیب م**یونی جازشنس کواینجاصحاب سے ک**ه در کر مویندین نطافت کے لیے انتخاب کسیا اورا رشا د کی اجازت و می يظيفه اول خواجه اولياك خلفا سع بين اورائك انتقال ك بعدسندار شاه مزين عادر اور تبعیت بین رسیم اور قرسیارکی انکی دنسته فلت پس بی یج نیار اسکه اُنز مجرسیس بشهر سے بی س حواجة رفي فدا بإوى رحمه الدر بر د ومرسه طبیعهٔ خواجه او لیا سکه بین خوا در دمیقان سکه دبدیرتنام ارشا د پیست اورباقی خلیعنه او راصحاب آنکی خدیست ا المارمست مين سقع موضع فدا بادمين أكل تبريى جوبنجا السكاديات سندنيار اسيل سك فاستنطع يهيج خواصه سوكما كثارتم بغليفه سوم فراحها ولعياسك مين اورفواح زكى سكه بعد وعوت خلق مين تشغول ميوسكه اورسب اسحاب أعي اورمتا بعت مين معيم من اوراكي قريجي خوا ما دلياكي قريكياس ك-ی خوا میرا ولیا کے اور چوستھ خلیفہ کا تکے مین اور غوا دیسو کی بن کے ابدارشا دیے منصب پر قائم مو کرخلت کو عؤ ت ت کی مشیخ ا تعالم سیف الدین باحرزی قدس مرد که شیخ بخرالدین کور مرکز اجل اصحاب سے بین قدس مسسرہ اسکے سو قصا ورفتح آباد بخارامين كومدفن تتنح مسيعن الدين كاد إنهزي بهم طعبت كثيريهى ادرأيس زمانه بين كهشين مخبد ومسين لمخارى دهمدالىداودس ا ورلمغارست ولابت بخارامين آسة خوا جهنوبركي كمآسوةت نويرسال سكه يتخ وتكييا وربعيت متقدم بين خرب سني مس في معيف الدين سه لاقات كي فينح سيف الدين في النهر إوجها كرفوا وغرب كيكسالا زاياكم وكامل بواورسلوك ولى مذرب كرسائة آراسة بوارشين عس منهارى تين سال جوبالامين سترميشه فواح فرسب كم صعبت دار تقف خاوند أج الدين ستاحى سد جاكار دفت سر يقداب المنفذل كريشنخ حسن لمغارى عليه الرحمه بنه وزمايا امین سفرامینی مدت حیات مین بهت سے اول یا اور ایل قلوب کی ملازمت کی فواد بنزمیب کے مرتبہ کاکسیکیوین پیون میں علی اورمقان شنیخ حسن میں مرکورم کواننی مت العمرین اجمامیس ولها کی فدمت کی خبین کے اول شیخ مسعد الدین حموی ۔ اورآخرى خواج غرب قدس المدارواحم ادكي يقدراوال شخ دس كايها فصل من عفد داول مع شخ عمر باغساني که فاکرین جرحفرت سکه معرا علیمین تغربیا بیان مرد کا اور خواجه خوسب سکه چارخلیفه سکنه که مذکور معربی قرمین ساقا

نوازرشمات آردو

خليفه د وم خوار بسليمان سكرمين ا د رغوا حرمي رشاه سكرمبد دعوت ا در ترميب نتلق مين شنغول موسفّے س

لينتح الوسعب بتحاري رحمه السد

دعبی طریدا صحاب خلفا دخواج سلیمان سے اور سرا ورحقت دار شیخ محد بخاری کے بین جرمعد ف کا مبلکا می فیمن کردی گرمی ار طافی خواجگان قدمل مداروانهی مین البیف کی اور اس کما ب بین البیا مذکور سی کردی ارسلیمان فاشکه نزد کی به بخیا این اصحاب سے شیخ ابرسدید کوخلاف اور نیابت مین لیبند کها اور شیخ که بوسالی چنیدا اور ققد اسطالبان حاد مالی چنج رفیعی شیخ ابرسدیدسے پرتیجا کر بگا دکی خطره آئے اور سم بازگشت سعاکسی فی کوئن اور ده جا ارسیم نویم کروگر ما فیمن که ده خطره نفتا مخابیا شیطا فی خوابا که حاضر بینی شار مبواگرایسی لباس مین عود کوید اور شن خطره اول مهر تو ده خطره نفت ای براسواسید کریا بولک کرا اور میزی و کرااسکی صفحت برا در ایک آر زه داروا بر انگذام چاه دفتیکی اسکام قعبو دو برا مهر بچرد و مربی کرزد کرای کرای کرای می موسل کو تا می کار می کرد و در سرے در واف سرسے آن ہم سرسی سالک کی رینر فی کرایم کار اس میں کار می کور در دو در سرے در واف سرسے آن ہم س

ریشی به پی است به تبیها کواهند کا کا مکه اگر کونراواری فرایا کاس تخفی زیبای کواگر ایسکافلا مرکونام ایل زمین بروض کرین نوکوئی عیب شرعی آسکے فلا بروین نیا دین اور اگر آسکے باطن مسب ایل آسمان پروض کرین تواسکے باطن مین کوئی نقصا ن مت

خواج حارف ريوكري وحدالند

يه چر منفظيفه فوا چهبدالخالق قدس مروسكين تولدادرمدن أنكاريوكى مې جونجارا سكدهيمات سندادرا تمعاره ميل شيست دا قع مې اوروم ن مسيفي د وان تک ايک فرسنگ شرى مې اورسلسال سبت دارا دت مفرت خواجه مها والدين قدس م کاخوا د عبدالخالق سکفانست خوا د بعارت قدس مرم کړميري پې چو-

نوا جرممو دانجر فغنوى فدس ابسرسره

آب بود، فاصل اوركا مل اصحاب فواجه عارف كمبين ورسد إصحاب سنطانت او ارشاد كرسائه مسارس ولادت كاه الشائع فره با واحتاب فواجه على المراب المحاب ا

7.4.4

تحدما يساكين بإشارت أستا والعلم بشمس لانكه طوائي فلا المدرك نجامان فواويم وسع سوال كما حب كما كمه عجمة لنترائكها ورعلمارزما نهسه موجودتني كدآب ذكرحهكس سبب سير كينته مين فواجه في في ما كالبسوتا مواجه مح ا وغفلت سے بهشيار مهوا ورراستدكي طوت بنح كرسه اوراث رلعت اورط لقيت كه استقاست برآ وسه اورضيقيت توب اورانا مبت كميلخ رغبت كريد جراصل عام خرات اورسها وات كى بوسولا ما فظ الدين في كما كد شبت آب كى تيج سجا ورآب كويشغل طلال بو بهرخان بحرور سے التماس کی که ذکر حرکی حدا و زنولین بیان فرائے که اُس صر سے تقیقت محار سے متازا ورسگان است سے عبدا میوفواجہ نے فرایا کہ ذکر تہ اُسکی تبول ہو کہ زبان اسکی جھجنٹھ او غییبت سے اور علی اُسکا حرام اور شعبت سے اور د انسكارا اوسمعت سے ورسراً سكا نوحه مي منب غيرحفرت ربوسېت سے ياك اورمنره موخواج على المميتني عوالها الصحام فوا جرمه در كمين أكفون نے فرمایا ہوكہ الكيب درولش نے عهد دولت خواجہ محمود مين حضرت فواجه خطر طليه السلام كو كميلا أفيري جاكراس المانس شانع سركون وعبه تقاست كراسته بزماب ببوماكروست ارا دت اسكاد امتها بيك بهونجا كوا تستراأ سكى كرين خوار خضر نه فرا ما كه خواج محمده النج ففنوى تعيض اصحاب خوان علے نے فرما يا سر كرحس سروليش نے غرت خفركو دمكها وه خواج على تحق كرصاف بنين كت مح كمين في خفركو دكها بر كت بين كراكب روز فاجهى نواج مروككل اسحاب كساتخوسوضع رأيتين مين شغول بذكر يقفه اجانك وكلحيا كراكي بثراجا نورسفيد مرواز كرنا مواآب كرسيح كذراصب آب كسمت الاس ريهوي توزيان فصيح كماكه اعطى مردانه ره اصحاب كواس ما نورك وتمحيية اورأس بات ك سننے سے الیبی کیفیت پدا ہوئی کہ مہوش مو گئے حب موش آیا پوچیا کہ یکیا تھا جریمنے دکھیا اور شنا ہے اجھی نے فرایا کہ وه خوا دېممه د تقع ق سجانه نه وه كرامت الخص عط كيې كه مېشه اُس مقام من پرداز كرته مېن جا ن ق سبمانه نه ميتي عليالسلام سكري شرار كله كيرمين ادراس موقع برآب خواحه دمقال قلتي كرمه والفرخ فليفداول خواحه وليامركمبيرك تبريشهم ليكي كروفات أسكى نزوك مهوخى تقى اوريق سبانه سوائع وغواست كي تقى كداخروم سكوقت ايك دوست اینا مرب یاس کتے کراس دقت رطبت مین مجع مدو لے اس مسیسے خوادیمود ویان کئے تھے خواج مود کے روفلیف تھے کوانکے بدرتنام ارشادمن بثيع اوخلن كوتقين كى راه روالات كى-

امرحت رد داملني رحمدا وشر انكانام الميسن سي فيليفه اول ظلفات خواج محمد وسيعين اورانيجه زمانه كے بزرگ تصح اورطالبان ت كے ليے مرجع وأكب ا دراکیکه ایک طبیسه بیمانی تقدامیرس ام شهور میرکلان که ده یمی اصحاب خوارد مح دست لیکن مزهافت ا در ایب نوار برخ میویها اورخرد کی قبروض دانمبنی مین مقبره خواجه محه و مک صفرمین بواسکی زیارت مبوتی سی اوراس سے برکت ایجاتی ہی

برخرد سکربین اور قرایمی موض ارعندان مین قصب و ندنی سے جومنیرہ میل نجا ماسے ہی ہے۔ پرخرد سکربین اور قرایمی موض ارعندان مین قصب و ندنی سے جومنیرہ میل نجا ماسے ہی ہے۔

خواجه على راميتني رحمه البعر

وم مبين فلفا وغوا وبجمه وسصا ورامكالقب حفرت عززان سلسله فواحيكان مين بم قدس السدار داحهم يرحب خواد بمحمود كا وقت وفات قرميب مهوا حفرت عزيزان كوامر خلافت والدكسا اورسب يارون كوأشكے سبرد كميا اور صفرت فواجبها والدين قدس مسره كاسلسال سبت خلفا واصحاب نواج بحروسته مدو واسطرآب تك بعيونجة ابوادرآب مح مقامات رفين اور کرافات بجيب بهت مين اورآپ مينتيرما فندگی مين شفول رستخ تحقوت مخدومی سنه کتاب نفوات الأنس مین لکها سرکر تبعیندا کا برسے محیے ساعت برکہ وصفرت مولانا طلال الدین روی قدس مره نے اپنی غزلیات میں فرا یا آپ ہی ک*ى طوف انشار ە بېرىبىيىسىتىنى ھى گەنەعلى مال فوق قال ب*دى ك*وشتىدى* جەمبى*دە اعيان بخارا خوا حب كسانچ را* جەميم بونوماً مال مُرهكرُوناً ل سعم وتنهى كب به خواج نساج كرمند سام الكر شريف به الهام دارمبارك رامشين بوكه ولايت مخاط كا ايك قصيه كلان شهرسية عيمسل بروا قع يجا وروس كانون سيزرا ده الهمين مين ا ورمزارمسارك آب كا خوارزم مين مود ادرسشهور بزرايت كاه اور كِت أنس مع لبجال برة أب ككام ننس سعية بن جرسوار شون من المكام التربين -رتشتی حضرت نثینی کن الدین علا رالد واسمنانی قدس سره آب کے سم عشر تھے اور و دنوین کے درسیان مراسلت ہوا کرتی کھتے بيت مفريت شيخ ف آب كى فدرست مين اكيد درويش كيم يكوين مسئل بوهيداورمراكي كاجواب إيام سنتل ول مهم مسه با نه دالون کی خابست کرتے میں ورآب دسترخوب سیکھت بنین کرتے اور تا کھین کرتے میں اوکے آئی تدبین کرتے میں ورماری شکات اسکاسبب کیا بورحنرشی فرزان نے جواب دیا کہ فدمت گذا راصان رکھنے واسے مبت بین ا ورخد تنی احسان ا شغ والمفكم كوششش كروكه فعايمتنى احسان ماخت والمدميوناكه تمرسيركوني كله نكرسه يمستنك ووتم يمين سناس كمتحعارى تزميت نوج خنذعليدالساام سعدي كسرطح بوجاب دياكه نبكان ق سجانها شتي كم مبن صبكا خفرعا نشق بي مستقل سوم مستقرمين كم تم عبر كفته مواكسكاكيا مال وفراياكهم عي سنتي بن كرتم ذكر خفي كرت موسي تما رايجي ذكرته بيوس نِشْتَى مولانهسیعن الدین نے اُس قِنعیہ کے بابت جواس زا مذکے اکا برعلی سے تفاحفرت عزیزان سے وریافت کیا کہ تم ذک بهركس بنيت سندكيتك مرآب شفرايا كرسب علماد كالعجاع مج كريج <mark>معدث لفنوا مواكم لشبها دة ان لا الدا لا العدر ترم</mark>يك يش ا بنيه موتفاداتشهادت كه ساتم كدكوني معبودا فدركه سوامغين بردم داسيين مين وكرابب ركسا الدعقين كرنا جائز ہم اور و ونشون كامروم وم ولهين سي-يتنتحه تضغ مدرالدين راميداني حويتنع حسن المواري كے طریب یارون ست من اکنوران فیصفرت عزیزان كی صحبت یاتی ترکز

ا بیشته شیخ بردالدین رامیدانی جوشخ حسن ابداری کے طبرے یارون ست مین اکف ان نے معفرت عزیزان کی صحبت باتی ہی ہی۔ سے بوجیا کہ دکر کئیر سبریم منجانب السدامور مین صبیبا کہ ش سبحانہ نے فرایاسی واڈ گزانسد فکر اکٹیرا ڈکرز ای ہی یاڈ کر ول ہوستا عزیزان سے فرما یا کہ متبدی سکے سانے کڑیان براوشتی کے بلاکون میڈی ہیں تشکیلت کرا ہواوروم توری بولکی ٹیسی کو کو میٹ کرکا انسر بہونچیا ہی تواسطے سب بھیر توٹر اور جوارح وا عضا ذاکر معیاست میں اوراس وقت سالک ڈکر کشیر کے مساتھ

قت ا دراس طال مین اُسکے ایک ون کا کام اور وکئی سال عجر کے کام کے برابر موجا تا ہی۔ رمیشی فرماتے تھے کواس بن سے معنی کہ تق سبجا نہ ہرا کیپ رات ون مین نمین مسیرسا گھر ننظر جمعت مبندہ سومن سکے ول مرکزط هی نیمین که دل تین نسونسا محر وز ن ساعصا کی جانب رکهتا بهرا وروه نتین سوسا محمرگ مین اورتین سوسا محمر متوک ا ور ساكن شرائين ا وروريدمين جوم ن سے ملی مېونی مېن حب که دل ذکه پيد متنا ترمونا سراوراُس مرتب مريميونتيا سرکې منظور فيظ فاص ق سبحانه كاميرا ورآثاراً سنظر كعد ول سعجيع اعضايين تنقسم مهون توعِصوا في موافق طاعت مين مشنول بولا براء أس طاعت كنور مع جو برعضو كرام فين كانظر رست أسى معد عبارت بودل كوموني البوس ر منتحة آپ سے بوجمیا که ایمان کیا مرفرایا که تورنا اور عرفا بیرمناسب این مینید نورا فی سکے جواب دیا۔ ر فتریخه آب سے سوال کیا کہ سبوق لقبضامسبرة فانه لینے وہ شخص شبکی نماز فجراستِها م کرتے بہوئے قعنا بہوجا یا کرتی ہو ب أيط فرا يا كرمن س ميل يعيزوت سينينز ماسيد كالطفة اكرنا زقف انعوب رَشُحَةٌ فرايا بهوكدَّا يه كريمية توبوا الى العديين اشارت بجري به اوراشيا رت بجري وانشارت توم كرنے كى طرف يوا وربشيا رت بهج اسکے قبول کی اسوا سے کے اگر قبول نکرنا امر نکرتا امرد میل قبول کی باوجود ویڈ تفقیر سکے ہج ۔ ر تشخير فرماييم كم عمل كرنا حاسبيم اورنا كرده أسه جاننا اورآب كو تقعب كريف والا د كمجهذا اوري عمل منسروع كرنا -ر شخصی فرایا دووقت اینے کوفرب نگاه رکھوالیب بات کرنے سے دقت اور دوسرے کوئی چزیک نے کے وقت س رسينا فراياكه كياب وزعف خطولياسلام وارجدواني فق كے سائندا آسته خواجه نے جو کی دوروڈی گھريند لاکينز کيس خواليا سلام فارقت خواجه نے کما کرنوش کیجیاتھ چال ہے کہا ایسا ہی ہے گرخر کے رہنے والا بے طہارت تھا بین اسکا کھا نار والنہین رکھتی ہون ۔ وتشي فرايا جوامك مكبينطي اورظن كوفداك طرف كالتي جاسي كمانوريا لن داسك مانند موكد براكب مانوركا بوا جانة اورمرجانوركي خوراك أسيط موافق وسد مرتشديمي جاسيج كه كالبان وصادقان كى ترمبت كن كانتعاد وكيموافق كرك وتشي لل فرايا بوكه ما وسازمين مين اكرخوا وعبدالخالق ك فرزندون سيرا كمي مجوّا منصور مركز دار بينظيرها يا مأا ين أكرنوا وسك ذر ندان معنوى سد اكي عبى زنده موقاصين منعموركو ترسبت كرسائة أس مقا مرسماً كم فرحا ديا وتشخه فرايا كرسالكون كوثرى رياضت اورمجام ه كرنا جاسيية أكرم نسبرا ورمقام كوبه يخببن كسكن ان سب سعنزه كيتراه ې کې طار مقعدو د کو به پرنج اور ده د به ې کرسالک اسمين ساعي مهو که اينے خلق اور غداست سيکسي صاحب ول مکه ول عين مُرِّر كريب بِرُكاه كداس كرده كا دل نظري كانزول كايبراسكري اس نظرسير مصربهو يخ كار رشيطا فراياأس زبان سے وعاكروس سے كمنا وكليام واكر قبولست موسلينے ووستان خدا كے ساست نواضع اور نساز مندى كە ناكي*تمعارسےسل*يه دعاكرين – رشحة الك روزن فكسى في معترت عزينوان كرسائت مرِّرها مضر عليه عاشقان دروى و دسيكنند ؛ آسيد في

مننداً سنے کما اس منی کی شرح فرائے کہا کہ ایک یا دکر دہندہ کے فدا دند کے دوکرومین ہم بہلے سندہ کر آوفیق ہے لی ما د کرسے اور حب یا د کرسے منترف فتول منے منترف کرے لیس توفیق اور ما د کر داور ڈیبل تین عبید ہمزنگی ۔۔ ، ون نشیخ فوالدین نوری شفکه اکابرزه ندست تحث عزیزان سے پیرتیداکدسبب کیا ہے چور وزازل مین س ت بريم كاميوالفظ بلي سے جو اب دما اور روز ابرمين كەحق سبحا نالس الملك، اليوم فرزينيكا توكه بي حواب نديكان في فها يا که از ل کاه ن وضع مماليف شرعيه کاعقا اورشرع مين خن مړليکن کليف بشرعي ک رنځ کاروز مورو اور عالم منتيقت ک بتدا او جيمنين مين سخن نعين سج كاجرم حضرت من سبحان نوو ہي جواب اپنا ديجا كهذا لوا عدالقها را ورحمارا شعار يه معيد جومض غریزان کیطرف منسوب بین به امکیت قطعه در مارراعی بین فرایا قسطعیت نفس مرسه نیم متنسید در در در و تست بن اگرد دارش که فرش غرسیت<sup>ه</sup> مساز به زبایش مبد کمسل تا میر و به که نتوانی گرفتن مبدر پروا زرباعی با مرکزشسنی ونشد جمه ایت وز له زمبهپذدُرجمنت آب دگلت + ازصحبت وسد اگرشهبسترانکنی + برگرنگسندرمدح عسنهزان کلیت سع بيجاميده ولم كمه عاشق رويتوبود به تا وفد تصبوح دوش دركو يوبو في يوكان مرالعت توازمال بجال: می به اش می ان سیکی گوی توبود به ریاستعے جو ان ذکرمدل رسدولت دروکنند به آن ذکربود که مرد راهشتر وکستده سروني أله فأصيب التمش دارد بنه مكن دوجهان بردل تورد كندة رياعي فاسب كري رسى بايرام اى تن بنه دانده طلعب دورست سایدامی نن ۶ خواهی بر وازروح نورزان یا ی ۶ بایت از سرخ د ساز و سایرامینتن پیروشید نفس مج كمي بيدنده قبيدا ندر ؛ نظريين ركم استريح في دساز: مت اسكه بادن ساد درين كوتوكمول ؛ كه لا تقرآسك نه تبييعا ببيرا ترحمه باست جسکے ملے بیٹھ کرمواجی مذول ﴿ اور تجب کئی نه زندت آپ دکل بند معربت سے تو است کر تسب آلای ؛ تنجنته نه تجفر وح عزمرًا ن كيب تل ; ترحمهٔ رماست تنبيا بره ميراول جزراعاشق تمها بالملصبيح مك تيري محل مين مبيعا ه چوگان ترفی له کاکسی لیان به برست کولیکن وه شاگدیندری به ترحمدرا عظام دب ذکر کردن و دل فرادر دکرد ب وه ذكر سيم وكوا گرزوكوس في برهندكه ي خاصيت فارأسين في برد وندن جان دل به ترس سروكوس في ترهم برباى ما به كم يل تون يدون كرن بروري كاللب مين وكم كي كون برجا بر تواكر وج عرزون سد مدونه برا لوب كر وري توان از فوارق ما دات ا ورکراها متحضرت غریزان قدس اندیسسده میشنس کونیفخشت سیدانیکا وكرخرخوا وباحمد لسيوى قدس مسرمها سكه سلسله بن موحيكاسي أسكيهم عنسرتص اوركهم وكيود ملاقات ببوتي رستي اوجفري اناكوابتدامين آب كسائق كميكونه كاوش فلى اكميد ون مفرت سيرسد اكب صورت سورا دب ك آب كاسبت بدامونی اتفاق سے اکنین ایام مین فیجا ت کے حکل سے انکیب برہ نرکون کا بڑھ آیا اورسیدا ٹا کے ایک بیٹے کوند كرسليك سيدانامنتيته بوسط ادرعاناكه يعادنداس بداولي كسبب بيش أياس ذرت كي اوردعوت كالحطاناتياركها إور مغرت عزیزان مصرصیافت کے سلید انتہاکی اور بہت کے نیار مندی بجالا سند تب بداناکی المتاس تجیل کی اور انتے کھی ۷ م ترم<sup>ن</sup>ه رشخات ار د<u>ه</u>

بل من مهت الابر**علما**اد م**ِشَا بِرْقِت ربو**د **تِصّاد رسّه هُرْسَه الرّران كوأسدن اكب كمينيت ا ق** بران لاما وردسترخوان تحبياما آمنيه فرما ما كرعلى تمك كوأكمشت مذلكا مُنْكا ورنه بانتم كما فه كمعطوف ثرهائي بترخوان برموه وننو کا تفوری در خاموش رہیے ماخون سب کے سب کاس کلام کے خلور خفط موركاس درسان من احانك المكاسيدانا كالمحرك دروازه سع اندرآ بالك شوخل كبر مين أعما او يوك ا ورحرت زده مبو گئے کھر کھینیٹ کے اسکے آنے کی اُس سے وقعی کہا مین اس سے زیادہ منین جانتا کراسوقت ترکون کی قیدمین أعقاا ورنيح مندلوان كرك ايني فكسكو فيه جات في اب مين وكيمة الموان كرتمها رسار ورواخر بيون ابل محلس كونتيين مجواكه تندون حفرت نزنران کابوسب **نے آئیجے قدمون برسرر کھا ا**ور مبیت کی ۔ نُقَتل برکدا کیب دن خدست عزنران ک يدان ايك مهان وزيرواروسوا اورآب كمفين كمحاف كوشفقا اس بعث مبت شود برك او كموسد إيرائ المحافظة ا ملام تیان فروش کالیمان ایک فیسم کا اش میروایی اجامکا مخلص متنا ایک کید بیان کی مربریک مهر که اس و قعد میآیاد دیلی نیادندی مے ساتھ کا کاریک ان اس معنو کی سنیت سے مخت کو آیا ہوا میدوار ہون کہ قبول موصفرت عزیزان کو اس خلام کا کھا کا لیے انسوفت ۲-ت بیسندآیا دُسیرمهریانی کی اورمهان سکه ساحته گذرانامی علام کو بلایا اورفرایا که خ**ومت گزاری نیری نیکا** كالتنظيم عنااب بومراد ترى مهومس مكك كم تقصو وهال بإغلام ندايت وأنا اورا كاه عقا كهامن ماستا مبوك كرمين أيسابرية. نَ أَنْ فرا يُكريب بن مشكل مؤخير بالركرة مو اور تجه اس باريك أعظمان كى طاقت منوكى غلام فينا زمندى كيه ك كربرى مرادى ي بواسط سوا ا وركول تنامنين آپ نے فرايا ايسا بي سمى مير باتھ اُسكا كمير فاوت خاصين لليك ادر التفات اسك طرف متوج سورك ايك ساعت كربيراب كي صورت أسيراكني اورامسيوقت فظاسره باطن بسورت اورسیرت مین آب کامشل مبوگیا اوراس توجه که بعد چالیس ون کم دمنی زنده مخابیوهار درست و سواند من نقل كى رجمة السدعليية كينة من حب حفرت عزيزان غدولايت بخاراسة بانتارت فليبي هوارزم كوما ناجا بالقرام بعالك برسيسني توقف كيا وروو درونش كونوارزم شاه كياس مبياكه اك فقرنور ا وتمعا مساته سرك دردازه آيا بواور رينخ كاخ امشمند بواكر مصلحت اكمي مواوسانيان تواكث بيرط سدادرد دانشون سك كما كردب رسنج كي اجازت دن شاسی مرسداکی فران مدلی حبب در ونشون نے برایا اوروش میں کیا خوارم شاه ادرارکان وولست بنید اور كى بەلۇك سىيەھ سادىدە ورغا دان بىن بىدان آن دل كى اورنوش طبى كى راھ سىھ اكىينىڭ دان انگىلىنىنىغا كىلىدىگا بهرانگالایک و الدکسیا در دلش وه فرمان حذیت نزیزان کی خدست مین لا کیا درآشید قدم مدنا مک شهر بین رکھنا ا درایک علم لین شخص اربطانی فوامیکان قدس الدارواله مشغول موسکے مررور صبح کے وقت فردورون کے مقاعیم آنیا ویکم منع مزد در کم از اور کارت آرتیا ورفزانشکه بورا وضوکروا درایجه مکه دن نمازع در مراحکر طها رست سعه بهاری صحبت بین میم ذكركر وغيرانني مزد ورى ليلاسفيه كلوسطيرها كو أن توكون نفكها ل منولى ظاهركي اوجه عركي فازمك آب كي خدست مين الم

زمیزرشهات ارد و حب ایکدن اس طرفقه سعولمبر کرنی کرکت صوبت او رفعرت باطنی سے محجود ایسا حال اُنگاموها اکارُوراَ پ کی ما زست سے مجاما اور چدا مبوناام کان زطعتا مفاتا اُنکرچندر وزنبداکتر و بان کے باشن سے آکے طقہ الات مین اُسکے اورکیے اردگر و <sup>ب</sup>رزی کثرت اور اِزْدِ ط مطالبانِ مهوگییاً اخردردبنوارزم شاکوتوگون نے خردی که ایک شخص طا برسوا ہو که اُکٹر توگون نے دست جیت انسكوديدا وراسكي فدمت بين كليب ريخ ببن اليسانهوكه أس سيدا وراسك مرمده ن كى كوث ت ست ككسيسيين ايساخلل *بديا مبوصبكوسكون نردسة مكين بادشاه نياس خرسيه متوسم مبوكارا ده كميا ك*انغيين اينيه مك سفركال ُصفرت عزیزان سفهٔ انعفین دودرومش کورم فرمان با دشاه کے پیس بھیجا کمرہم بھیمارے شہرمین تممعاری اجا زیسے أسكتين اب گالينى بات كوبرستهم واوراً سكه فلا عن حكم دستيم مو توسم فتهرست سطيره بنتيكرا. وشاه اوراركان وست اتب سے بعبت شرمندہ موسکے اورحفرت کی الما رست میں آسکے اورمنجاری بال مخلص موسے کھتے ہیں کرسن 'سریعی خاتھا غرنیان کا ایک سوئنیں سال سے زیا وہ موگیا مقاا ورآپ کے ووٹٹ زرند دونون عالم عامل اورعارت کا مائتے ا درار ماب ولايت كه مراتب لمتدسيد مب في تام وُنكوها صل متنا

به بڑے بیٹے ففرت غرنزان کے بین ٹواہ محدنام ا درانیے والدبز گوار کے سامنے انٹی برس کے سہر کہ آپ کواصی آ غواجه خرد ملتقه ا وراسي نام مسيمشهور تقفه اورحض عزیزان کوخواجه بزرگ کنيد تقع

خواجه ابرامس مرحما بعدتعالي

يه حفرت غرزيان مي عبوسله فرزند منع كيته مين حب حفرت غرزان كاوقت وفات قرب موانوا دراراسم كوارشاد وی او روعو مته کا امر کمیابیف اصحاب کی خاطرمین گذرا که طرے فرزند کی سوجو دگی مین جوعلوم ظاہر و باطن سے آر است پ نوا دا براجع کوکمیاسبب سوکدارشا دعلق که لیراب دکیا صفرت عزیزات کونس خطره براشراف بود افزایکه خواجه دیمار میمب قوقف کرنگا اوراسی عرصهٔ مین مهید آلمیکا حفرت غزران کی وفات بیریکه دن دونون نمازیکه درمیان دیقی وی انساس تاریخ مسنه سالته مسوم پدره مین موکی اور فیضاسخون مین دکھیا ہو کہ سنہسالتا مسواکسیں مین انتقال مواا و رامیدا آ<sup>گ</sup> بهی آ ور رفوا جه خُردگی وفات بیریسکه دن جاشت سکه وقت ویجه کی بهترهوین شاندسات سویزیره مین بوانی دونون کی وفات بين أنيل روز كافعىل مي معذب عززان كي ارتغ مي قط وسات سوندره تصييرت كم و دونه بعده كي انتقال كاخبيازان وشيلاقت واس جان سر كريخ زاينس وحفرت عزيزان كرما بطيفه مبرخوان نردك عقد سسيك سمب عدام صاحب ك ل اورائل ذوق وحال بعد أكه طالب ان حق كى وعوت كرا يسيد

حواحرمحد كلا دورجت السرتعاساطير

يه حفرت عزيزان سكر برس اصحاب اور خلفاس سي التي أنكي مب مرجمي فوا زم بين برح

سدامسيركلال قدس سره

أب بحارهم ماماك الفهل فلقاسع مين اور بشرب دانشکری آنیاشغل بمقاا در بنارا کی زبان مین <sup>و ا</sup> شکرکوکلال آمینته مین آپ کے مقامات میں مکھھا ہوگه آنکی والدخر نوش بة كاس الميكلال مريديد طريس مخفط و كريوي شب كا كلفا فا كلفا في بيط مين شما ورومونا حب كاربط عم جانا کاش فرزندکی وجهسیس متب کمی نے میں امتیاط کی ارمی<sup>ن</sup> کی اسیدوا رمی حبث کرسیدا مرکله ل حرانی کی حمرکومتو نشتی لڑا کہتے اورآپ سے کروا کے مبلکا مہر ہا کا ایکد ن اُس معرکہ میں ایک شخص کی خاطر میں گذرا کہ میک دناده نشراه یکنتی المیده درزد کرزه ای اور دعتی توگذیکا طریقیدارنت رکهطاس درمیهٔ مین کسنی سخت اکسی ا ورد کھھا کہ میں سينه تلك مثى اوردهول من أنرًا يرسي اوركوبس منين عليّا ايانك كمها كه اميزطا مرمعه في او دونون استكربان و كاشد ا ورا سانی كرسان از است با رئینسی است ه ما دارندانس مرك بین ای طون رخ كریك كماكم دورآزانی ایسے دورے کے کرتے ہیں ساکہ می وردوار محدیا ااکھاڑے سکے کن ر مویے بعض مراہی اصحاب سکہ ول میں آیا کہ سبب کہ ما ہوج ذوا کرائے میتون کیلون متوہ میانے خوا صفا منطم ہ سے داقت ہوکوفرایا کوارس اکھاڑے میں انگے دہوکہ بہت سے مرداسکی بحبت میں درویکمال کوسونینی کسیرماری نظاہوسم جامع<u>ت</u> مین کو آمسکوشکا رکزین اس موقع سراسری نطرآب کی طرف ناری اد رآب که جاذبه نے امیرکو بعزار کردیا میشاد برا<sup>ن</sup> سے انگر طربے اربیا قت بوکا کوارک الدی کو جوڑا آپ کے تیے مو کہ در ، فراد نے کو موسینچا میکولا کے اصطراف بہتا یا ا *در فرزندی مین متبول کیا اسکے بعرض نے امرکوسو ک*ه و ربازار بن مین کھیا بسی*س بس خواجید را با* کی خد رسيعه ا ورميفيته مين د و ماير بيرا و زخم جرات كوسو خارى بيدساسي كرجايا كرينه ا در لازميت فوا ربين موسطيّ ا اور فاصله و دستسرعی انیین محقا ا ور اس مرت بین بعطرات خوا خبگان دشتغال کریته رسیماس طرح سے که آسی عال من*ے کسیکو اطلاع نموتی بهان نکس که خوا چرسکے ها ترمبیت بین* درویکمبیل اورارشا و کومهوسن<u>ن</u>ی اوروعنرت بماكر الدبين قلهس مره كونسيت صحيت ا ورتعليرة كراوراً داب سكون طنقت آب عصر سي حفرت س بهار فرزندا ورَجارِ رَفلیفه ستنفیصا حب کمهال اورار باب وقت وحال *برایک* فرزندگی تزییب**ت ایمی ایک نعلیف** كى اورانكا ذكرد وسرسته اصحاب اميرا وراكنكه اصحاب سيد نكهها جاتا برا درسشهور سو كمامسمان اميرا يكيه نخص تحية أنمين معد بعضرن كأم مقامات ربين مكورين

اميربران رحمة السرعليه

یه بیلے فرز نده غرت سیدامر کلال محبین اور باریا آپ نے فرا باکہ یوز ندمرابر یان محاور امیر بریان احبال صحابی صفرت فواج بهاء الدین قدس مروست بین اورامیرکی ترمیت صفرت فواجه کے والک علی ایک وز فرت

أرظنه حفرت خوا دبرسے کها کرحبوقت اُشا وشا کرد کو بزرمیت کرے خررجا ہیے کہ اپنی ترمیت کا اثر شاگر دمین دکھیتے اکرا سے اعماد م رسبت اُسکی مُحکانے مصرائلی ہوشاگرد سے کا مہن اکرخلل دکھیے تواسکی اصلاح کرے تب فرما یا کہ امریز بان فرز ندمیرا حاخزوا دکسی نے مین تعرب بنین کیا اورنه ترمیت منسوی کی میرے سامنے اُسکی ترمیت مین شنول موکه شکا ایر مین و کھیون اور میصفت م**رای**ج اعتماد مهوصفرت خواج مراقبه مین منتجیے تھے اور خدست امریک طرف متوجہ مبوئے اور بنایت اوب کی رعایت سے امریک انت**مال** مین متوقف مبور که صفرت امیر سنه فرایا توقف کروحفرت خاج فرا نبرداری سے امیر بریان کی طرصت متوجه اور فدراً ایکے اطبن لیجانب شنول ہوسکے اُسیوقت آثاراُس تعرف کے امیربرنان سے ظاہرد اِطن میں بیدا ہو کے اور ایک حال عظیم طاری موا ا ورنشکرحقیقی کا اثرخا مهرموا امهرم با ن صاحب سکروحذم توی سقته ا درطری ان کا گوشدشینی ا درانقطاع ازخلق را دادرگر نسی کے مساتھ اشتغال اور آرام انکو نہ تھا اور نہ کسیکو آپ کے احوال واطوار سراطلاع میونی اور قوت باطن میں اس تقیم لی تھی کہ میبھے اصحابیفریت خوا جہ کے احوالی باطنی کو خارت کر سے اُسکونا وہ کردیتے ۔ بیٹنے ٹیک روزنجاری نے بواصحاب حفرت فواجست مین حکایت کی سوکه سرد فعہ چکسین امیر بران سے میری الماقات میوتی میرے اوال باطنی تھیے سلب کر لیتے او مجھ فالى اوربرائيان فاطر ويتيرب كئي دفوه بات موائي مين نے جا يا كەصفرت خواجەسىدا نيرول مين عون كرد آيغرت فواجه كمي اس ارا ده سنه بن آیا فرایا که امیربر بان کی شکاست کرنے آئے مبومین بولاکه بان که جسوفت که ده تمعیاری طوف متوجه موجم مراط متوحه مهإ وركهدوسين بنبين مون آب مبين اس تعليم كے بعد حب مين بريان سے الماور جا يا كائسيطرح ميري طرف متنافل تيا تومین مفرت خواجه کی طرمنه متوحه مهوکیا و درآب کی صورت انتے خیال مین کی اور کها مین بهنین مهون حفرت خواجهین مین سا دكميعاكهما ل امرفيه برگسا دربه دنش موكرگر فيسيعيركهي مركز تعرمت ميرست اندينين كسيا اميريجان سيصنعول بوكدفرا ياعي قربان تنى اور خلائق عيدگاه سے واليس آن تنى اورىبت كوك وخرت خاج كەسائىر ئىغدا ورمىن سىب سے يجيط يقا حب مين نيهج اوسيتين آرخلن كى حفرت فواحرك طوف وكمين اينيدول مين كماكيا فولبة الكن فلور فواح سكه المع منت كنظمة اموال ا درجفرت کے کاروبار کا مقااسرقت خلق آپ کوشولیش دیتی سوصب بیابت میرے دل مین گذری آپ نے توفعن کیا نے کہ مین جا بیدی گریبان مراکی اور تفوری نبش دی ایک طری صفست نے میرے اِ المن میں تعرف کیا کراسکی عظمستاہ مدلت سے کھڑے رسنے کی طاقت مجعد نہ تھی صفرت خواہ ہے تھیے سبنھا لاحب کہ وہ مالت بھی صب مجیوموش آ یافظ كرتوكي كتابروه مال وركارد اربيم ياننين آب ك قدمون مين كرشر العركما كاروا راوراء البشية برسينية

به دورس فرز فرام کلال که بن ادرام برن الکانا مرائید باب کے نام برسد پر تفره رکھا ا در برگز آنگونا م سنت نمین کسا بلته میشد باب که کرشد اوراً فید کارات ا درخرت عادات مبت ظام برد نمین که نمین سند بیضے سفا مات امریکال مین کیفیو امرفزه نه آلیت کی فدکورین اورام پر مجرزه کا پیشد شکار متنا ا دراس سند و به معاش حاصل کیشند ادرامی نید آسکی سنت مولانا عا . من و کمک کرانی کے والی امیرتزه نے فرایا ہرکڑ فرت مولانا بارون نے مجمل کا گزالیا یا روایت موجوکھ عارا بارانتھا نے ہیں۔ دشوار ہری اوراگزالیسا با روپا ہے موکہ تم اُسکا بارائٹھا ہوتا م جہا ن محارا یا رہر اور حفرت امریخروا مرکلال کی وفات کے لعب وائم تھا کا انسستیکر، موسے اور برسون ارشا دکیا وفات اُنکی غرہ شوال شدہ ہم بری انظر سوائٹھ میں مول اور اُنکے چار ملیفہ مورکے ہیں جم اُنسٹیکر، موسے اور برسون ارشا دکیا وفات اُنکی غرہ شوال شدہ ہم بری انظر سوائٹھ میں مول اور اُنکے چار ملیفہ مورکے ہیں جم

مولاناحسام الدين شاشي نجاري جمة العليم

آب نلیفه اول امیر تمزه کے اور فرزند مولانا حمید الدین شاشی کے مہین جوٹرسے علما ربخاراسے تقع مفرت خواجہ بهآوالدین . فدس *برو که زمانه مین اوراً لیسے ارا* دیت اورا خلاص تمام رکھتے تھے۔مولاناحسام الدین بھیلے تیننے محد سومجی سے ارا دت طی<del>ق</del>ے تنے ہوشینے وقت سے مبدازاک امیرمزہ کی خدمت میں جا گرانگی محبت میں ترمیب تام بانی مفرت فرمتے تھے کہ استیا عال مین حب سم بخارامین میو منچے مبارک شاہ کے مدرسہ میں مجئے مولانا حسام الدین اور مولانا حمیدالدین شامشی نے حب ب بهمنين بهيانا بهت التفات كى كرمشغول عصيل علوم سوا وركها شيخ فاوند فهورك سوار دوالد ريبت عناست عنى كويا سابق تھے کہ اُسکی مکا فات کرین اُس مدرسہ میں ایک انتہا جوہ دیا فرائے تھے۔ اول بار جومولانا حسام الدین سے ملافات میں فے ی اتفا قام مکمن جود می نقش مین سینه مبر کے محتا حب آیے و کیوا نا بیند کیا اور فرما یا که در دلیش اور اسپیے کیسے سینے نی ابحال مين بابرنكلاا درا كيس فتخعص ج يوستين كين بخداكس سيده ما وضه كريسا حبب اندركما زما باكريرا جيعا بجد زمات تقد كرمولا حسام الدین کوجیت توی اورسستنزات تام کا آثار مبیت آب سے ظامر تے عب ایکھیں مال کی معری اکی تعین خوام کمیساهی بدو و *ق آدی میوام کا مبتلام و جا ما در آپ حرارت جعیت اورغلید مند با شدکاسیسین توزید اور چریا نون شک*یکهانی مین موسم سراسکه اندر رکھتے اوراینے سیند کا بیش کھیلار کھتے اور اپنی اپنے برجی کا کرتے میزا انع بیک آپ کوعیدہ فضادی را ٔ دستا با سیته تنها و رزبردستی قاصلی کمیا صب زمانه مین آب وارا نقضا مین نبیجیته اورمقدمات فیصل کرنه ایک جاعت طالبون کی و میزهینی اورکیسب جمعیت کرتی مین اُنظے محکمه مین حاضر میرد اور آپ کے متابل ایک مکتر کی تتی جها ن سبے مين أكلو و كليت اوروه ميجينين وكميم إيقه وبإن مين مجينا اوراكو د كييا كرنام ركز نسبت نوا مجان قدس الدارواتهم مينة غفلت اورفتورند بإيا اورانعفا وطريقه اورجهبيت بالحن مين بست ساعى عقد اورايني نستبون كواب سوان سيرايسنسيره ارت باسانی ظاہرکوئی چرانسے نموتی باریا فرایاکرتی اس کام کاکوئی اباس تعلم و تعلیم سے مہتر منین ہجرے حفرت بخدری نفخات الانس مين صفرت سينقل كي اورفرا باكر به فقرصب بخارامين مهومنيا أور مولانا حسام ا درسولانا حميد شاشي كصحبت مصمشرف موامجيع اضطراب اوراضطرار تقااورأ كفون في لا كدرا تسه درجة يقت انتفاري اورينتيت رامته السير انتظارسے عبارت ہوسنداست معیراس انتظار کے مصول سے عبارت ہو۔ السید انتظار کی تحقیق کے بعد حبیکا ظہور غلمیت يعيد راميراس انتفا سكسواكولى منين بوشعسب منتظره لكاك وريزاكم يأكر نظاكه درانتفارك به اورييبي وماياكم

طایکه با باآپ کوئسا مبونا <sub>ب</sub>ز کهانصِه وه چیزها بسته مین جومیرسه پایس منین مهجا و *راستکه طابق تخصی*سل سیدمین وا نصابه نیسته يسليم طاستة مبن مولانا مسام الدين في كما كه الكي لحظ بري طرف متوج درموم علوم موكا مب متوج مويداز الكيد مے بعد مولانا حمیدالدین منے اپنے باطن میں اطمینان اور آرا م یا یا آگھیں کھول دہیں اور کھاای فرز ندمزاک انساخیرا شیجیا نہی تمیا م عمر*ین اس طر*لقیه کی در زش کرنی <del>جا سمی</del>ے تھی افسوس کہ عمرضاتع کی ادرفرز ندصالح کی برکت سریج بعدت<sup>ی</sup>، دہنیا سے

مولاناكهال الدين ميداني رحمال سرتعالي

ر مصلیندامیرمزه کے مین ایشند سمیدان کے جو ولامیت سمرقید مین تقدیم کوفین کا ایک بروضع ہے۔

امبر بزرك اورامس برخره رجهماالعه أحالي

واور دو مع طیعندا مرمزه کے اور فرز ندان بزرگوارا میربریان کے مین جوٹر بے بہائی امر جزرہ کے شنے رحمیم انگ ب

ما ماستنبنی مسارک بخاری رحمنهٔ العکیس

: امرجزو کے اصحاب کیا رسے میں اور بعیفے اصحاب امر کلال سے کتے میں اور متعامات امر کلال میں جان کہ بعیفے اصحام امر کلال کے ام لکھے اکب شنع مبارک کا ذکر کیا اورجان کراصیاب امرجزہ کا ذکر کیا ہوائک شنع سبارک دومسرے کا الکھا لیکن ده نتنج مبارک جواصحاب امیرکلال سیرمبن *دامتینی بین اور بیشیخ مبارک کوانسواب امیرفر دیسی* مبن نجاری بین آ . بزرگان وقت سے تھے ۔۔عفرت خواج محدمار سا قدس سرہ یا وجود کم چھفرت بہتارالدین قدین سرہ کے صحبت دار جنے آگئی صحبت مین بھی جایا کرتے سے فرت نے فرایا ہم کہ خواصہ علار الدین غمبروا نی علیدا ارحمتہ فریاتے ہے، کہ سفرت خواصہ مدارسا ! باشیخ سامک ک الملافات كواكنز ما ياكرت تقد ايك ون مراحي جا باكدآب ك ساته ماركن فرما ياكرتم نذ آؤكسد اسط كرتم سحبت بالبيشي ساك معصميت صفرت خواج بزرك بهاء الدين قدس مروكي ظلب كرتے موا دروه نربا كائے ليس تم اعتفا دميت موتحها راجا تا ماسب بنین بوشهور سوکرایک دن با باشخ سبارک خواج بعدیارسا قدس مرو کے بعان آگے مطفح خوت خواج سنے آخر صحبت بن ابنه فرزندها و ابونعرسک به آرنسه فاتی کی درخواست کی بابانے فاتھ تشروع کی اورفاسخہ ٹیرسھنے کے درسیا ن اُس گوسے با مرتکل آسنے اور دروازہ با سرفائے تمام کی آب سے بعدازان پوچھاگی کر بایرانے کا سبب کیا تھا فرا یا کہ اُس موقع مرکه فاتحه خواج ابونعر کے لیے طرحے لگا لمائک آسمان سے اُنزے اوراُس سکان میں بچوم کیا کہ سارک کو حکم نرمبی مبغر*درت با برا نامیرا سرواضع مهو گرحفرت امرجزه یک ان عزیزا ن یک سواح*نگا دکرمهوا اوریمبی اص سیستعظیم تتسنخ عمرسوزن گری مناری اورشینی احد خوارزی ا ورمه لا ناعظاً دانسه مرقندی ا ورخوا حرصود تهری ومولا ناحمه یا داند اور مولانا لورالدین اور سولان*ا سیدا حمد ت*عنیون کرمینی اور نشیخ حسن اور شبخ تاج الدین و نیشنج علی خوار تبنیون نسه فی *هغیره ک*ه سب فاضل اوركامل في مرحي كمرأ في احوال سي كليسوج ومعلوم بنين جوا برا كب كاعلى دو وكربنيين كسب أسب

پرتمیرے فرزندامیرکال کے مین اورکسپ معاش مین آنکاطرافقہ پر مخالے شکل سین مک لاکر ہجا کی آو اُس سے کذر کرتے اور د نیا سے بقدر کفاف تصوت فرائے اُٹکا تول بِ تَاکد ہر کرفت کا زواب دینا پیچھے ہیم ہشیہ مبندُ ہاں ند اِکی خدست پرتشنول رسیتے اور منے الا مکان کوگون کے رفع حزر بات میں اہتمام نمام کرنڈ او زیکا میرا شدت دکھا مین کوئی دقیقہ اُٹھانر سکھتے اورا میر کلال نے اُکلی ترمہت مشیخ یا دگار کے میروکی تنی بردا مدیر کے خلنا سے ہیں ۔

المسي عمر رحمت السطسيا

یرج سے فرزندا برکلال سکے بین نساخب کر امات و فرق عا وات اکثرا و قات افتسیا ب سکشنل برقائم رسیمار بروی اور بنی مشکر کرستا و رہنی مشکر کرستا و رہنا بیت کا مقت آلے اس کروہ سے فرمین برخیور و واور جب بزوبان سکہ حب استان کا وقت بہو نے اس کروہ کی وابو اس محدوا و جس کروہ کروہ کرانا چاہوا س گروہ بین ڈالدو۔ اور حفرت امر کلال نے ایکی تربیت نیسینی جال الدین پیستانی سکے حوالہ کئی کی تربیت نیسینی جال الدین پیستانی سکے حوالہ گئی کی حفرت امر کلال نے ایکی تربیت نیسینی جوگی واضع مہو کہ افضل اور ایک افتانی کے حوالہ گئی اس کرانا گئی سے میں بھوئی واضع مہو کہ افضل اور ایک افتانی اصحاب کا طبقہ اصحاب کا طبقہ اصحاب کا طبقہ اس کی تا ہے ایک شاہ کے اصحاب کا طبقہ اس کے حالے الدین الدین تا ہے اصحاب کا طبقہ اس کی حدالہ کی تا ہے اس کے ایک شاہ کی اس کی تا ہے اس کی حدالہ کی تا ہے اس کی تا ہے تا ہے اس کی تا ہے تا ہ

مولانا عارت ديك كراني رحمته الديمليه

 سفرحازکوجا نا ہوا جہا ن کمین لوگون نے نشان دیا ہم ہمیت سے گوشون اور زاد پندج ہے۔ اگریم شل مولانا عارف یا ہے گئ کے اِستے تودائیں نہ آتے کو ن ایسیا ہم کہ م برانورہ اور مربین آسمان سے کدرا موا ور فل ہر وبا طن مین وبا ن شنول مجیما ہو۔ رشیحہ سولانا عارون سے کلام باک سے مبوکہ جاہنی تدہر کی فکرین ہم سردست دوزخ سے سلے مسیا ہم اور جو تقدر پر کے انتظام

مین پر سردست و پهبشت کے میلیه تنیارا ور سوجو د سی س وتشحه فرايا بركه كلما نامكها نه كه وقت براكب عضوا كيب كام متي شغول سودل كس جزيين شغول سراصحاب كه كذكر ذكر حق سبحا مذین فره یا به کرا سوقت ذکرا بسدا وراه اکّدا ۱۵ ایسرنمیین مجو کمکراس محل مین ذکرسیست مسبب کی طرف جا نهجوا و ت کونعمت وسنے واسے سے دکھیشا سہولانا امریشہ رف نے کہ خاص اصحاب مولانا حارف سے تھے لقل کی کھائگم ا کیسٹنمص سولانا عارمن کی خدمت میں معا لمہلایا آپ سنے قبول نرکیا اورکہا معا لمہ کالبنا ٱسکورواس کر دوہ کا مرکزمیا معالد کامقصود سواسکی مرکت ممبت سے برآ مرسوا ور بھتے وہمبت بنسین ہو۔ کہتے ہین کرسولانا عارون کا ایک خوتشر مختا ولانا ورولیش اورسکنی نام کیسیسرخرد واکمپنوی کے العین سے بچھاا ورذکر*جرکریا کرنامولانا عارون*اً <u>مسکے پا</u>س گئے اورڈک جهرت منع كيائسة نما نامواذا عارف شاكما اكرتومنين قبول كرتاميل تيري كليتى كاللف موكا أس بات ك مرو النركي أسى موجل می کھیتی کا مرکبیا با وجود *اسکے سولانا درونش بازند* آیا و آسستا نئے نزیان امکینوی برگی اور**واپس ک**یودسرے دن انکیب اور بیل خمیتی کا اسکامرگیاان دوملامت کے و تھے کے بعد ازراج اورمولانا عارف کے باس آبا مولانا نے کہا بیب بہت میسے او ارلوسيت كارنا دان كوندا خايش ست + او كروكسى كردر ميني ست + ترجيبيت + كوتدانداش كاير بالمقعدد + ه و آسکی که پرجوبوموم و و شنقول توکدا کیپ روزموضع د کیپ کران مین ایساسیلاب عظیم آب کو کمپ سیے آیا تھا ک وتهم اسكابواك كالون بهاليجا تك ورد اورشور فل كرن ميك مولانا عارون إبراً سكا ورثير سيلاب كى را دمين ابنيكم بانى من والدياد دريدكها كواكر تحييد موسك تويج دمهاليجا فورًا وبسسيلاب تعركها ورشورش أسكى فروم كم كن نتقول بوكوا والنات مفرت فواجها والدين قدس مروسفرهجازي بجوسد مدت لك مرومين رايكي اورا والانسرك اصحاب جمع الأوصحيت پڑیکوہ قائم بھی اسی اثنا بین ایکیٹ قاصد مولان عارمت کے باس سے آیا کہ حفرت خوامہ کوپینیا میمبیجا سچکہ پیٹیے میون تو آگھیں اور کھے میون توروانہ میون کوفت بھارسے مانے کا قرب آن ہونیا ہوچیٹین مکوکرنی بین سعفرت خواج اصحاب كومرومين تحيوث كرصبغدر علدم وسكابخا ماكيطون روانه ميونئه بهان نك كددكيب كران مين موانانا عارونرسك پاس بیونچے مولانا نے ماخوس سے کماکھتے آپ سے ایک رازکہ ناہویم دونون گومین آئین یاتم یا ہرا قیما خربی بوے گرا صععت بجهم وبهرے كھويين جانے بين آسوقت مولانا عارون نے غلوت بين مفرت فرا جہسے كماكہ يہ معلوم ہم كہم ارس تمعاري ورميان مين اتنا وكلي عقا وراسيمبي مراكر وعشقبازيان درسياني كذركتي مبوان اب آخره فت بيوا اوراسنير تمعارسهاصحاب مين نظركي اس راءكى قالجديث اوْرسيتى كيصفت خوا وبمحديا پرسا بين زياد وا وركوكون سعه و كيمتنا مبو

التينيج تمسل لدين كلال رحمة الديولية مرب اصىب امريكال سعيمين سفرمبارك مجاز كاكميا به اوروه رامسة. قرشى سعة ببدل علاا وميشارخ وقت كريسة مماق سطيميت ركمي اورا درا درا دالنهون اكسى في انسكه طرين مراقبه كه لا كرميا يا ابتدا مين حفرت خراج بهاء الدين قدس مره در في در الرسنة من الرسنة

سعه كا وش فتى كرافزمين و ورموكها عقاصبها كه حفرت خاله تدس روسكه مقاماتين تفييد بمفعل مبير.

مولا فاعلاءالدين كن روني رحمه المدلع

به امیرکال کے بڑے کارکردہ اصحاب سے بین اور حفرت خواج بہاءالدین قدس کسیرہ کے مقامات میں اُٹھانا م ملکا ہو داختے رہ ہے کہ امیر کلال علیہ الرحمہ کے ان عزیزون کے سواج مذکور موسکے اور جبی اصحاب بن جیبیہ خواج بسیسے دارزونی اور تو آنا بھلال الدین کشی اور سو آنا بہاءالدین طوالسی وشیخ مبر الدین مسیدانی و تقول ناسلیمان ویکی ا دونون کرچنی اور خواج محد واکمبنی رحمہ الدیرسب سے سب عامل عارف کامل کر آئے احدال واقوال سے

مولانا بهارالدين قشلافي رحناد بطيبه

پداسته زه نه مکم مقتدا موسله بین عالم علیم ظامراور با طن سکه اورصا صابع ت فران تشکلات تواویسباک قرشوی ب بیدا موسکه جومضا فات بخاراستد سج اور بخارا شهر سے میتنین سس میل کافاصله سی حفرت فرا حربها دالدین قدست را

ت مین په پخین سرادا امیرا شرون و امیراختیار الدین سند جرمولانا حارمیت سکے خلفا سنے بین منعول سو که ایک میسط ک عفرت نواج علاء الدين قدس سره ابتداء مال مين دلايت نسف مين قشلات نواية سيارك كى مخدست مولانا بهأ رالعريض لل في عله الحريهيوني حفرت موانا سذفرا إنجيرا سيدمرخ كايارعارت دكب كراني بوحضرت نواحه نه فرا إكاعنغزي ككي عبت میسر بیوتی هج اوریشو ق اُنکی ملاقات کا خااب مبوا اوراً سوقت سولانا عارف اسنیه گا نوک مین تنجیه اورا تفاقا وقع برائك گروه اصحاب سكرسا كار وئي يوسته يتنع مولانا بهادالدين سفرخوت فواح يسته كها اگرتمهين عارف كى جابت برأست ديكارون و وفرور كينك ورا برآسك اوربياده جاست عقدا ورتين بار ها رمن آوازدي سواد ا عارف نے اُس دومیری میں رونی بونی چیوروی اور ارون سے کھاتم گھوجا اِکہ جمعے مولانا مبدا والدین کیا تے میں پیپت ملدر واندسورة اوراس ووبهري سين مبشيتراس سے كرمو ملے برسے فائدى انارين بعدا زائك آئن تيار مبويكے مختواس صعبت مین نشانان مهیوینچ سکتے اور دیکہ، کران اور قشانات مین سامگرمیل کا فاصلہ کا ورمیلی الما فات مولانا خاج اور مولانا عارون کی اسی صحبت میں مہو کی حفرت فرا تے تھے کہ مولانا بها دالدین قشلاتی علیدا لرخمہ فررگ بیتے اور حفرت غدا حد مهاء الدین تعرسن و نشوع ا را دت مین آسته فارد محبت مبوسهٔ مولاناسف فرایا که مارا ایک درونش موکا درخاد ى كام يان انا برأس من الموعفرة فوا حدا برأك او أس ورولين كو وكيها كرسوطة كانثون كالشرابني نتلى ميمرالاوب موسكة صواسيه مولان كم مطبخ مين لايا ورة عده أسكا يتحاكم ننكي يتجدير كانتون كالمشتاره لاماعقا وربيح ومولامان جفرت فوا در کوام کی ملاقات کے لیے کہ اُس سے غرمن تنبیرا و**را کاسی آپ سکے کما** ل افلاص بریمتی جو مرہ سولا ما کی زیرست بن کرتر منتماس مشکاست که بهرها خیبن محلس **کی طرف ستوج مبوکرفرایا کرادگ السی خانشین اخلاص سک** سائخ کیا کرتے تلے اور نمینی اور نیا بزینش کرتے تھے تو خرور دولتماسی عظیم کو بعیر تھے کھی سے زیادہ کوئی دولست متصور بنین بر اگرتم ایسی فارشین نبین بالاسکته تواسه ماک طور ایسه توکیمی موسکه بین-

جوا مبتدامين د كيمياس معلوم والبراوه عامات من أ د وایخسرفغنوی سے اُمریکال سکه و فت تک رحمها الدر وَ کرخفیه کو وَ کرعلامنیه کے ساستا، ایک حیاعت نے کها ہوا مليشربغيهين علامنيه فوانان كيتقرمين حبب كرز النه حضرت بها والدمين قديس سره كخ ظهوركا ميومنجا اس وحبر سيع كرخة خی اج عبدالی می قدس بمرم سے نمیت کے ساتھ امولیمل موسئے مین وکرخفداخت بارک اوروکرچاہ نیہ سے میرنز کہ اورجب كهاصحاب اميركلال فيمحلس مين فكرح بكآخازك يصفرت خواج أنختركئة اوركس علقه سعدبا بريطية كمنظ اوأزيتما **ی خاطرین با**ت بهبت گران معلوم میرنی کمیکن صفرت خواجه سنے اُسکی پرد کھی بی تین کی اوراس جاعت سکے رفع لُعّل سکے در **د**یمنین موسکهٔ الاامیرکلال کی خدمت اور ملازمت بین کوئی و تنفیه اُ تُنطانهین ریجینیز – اور میشید برنسلیر*کرست ندا* اُوژ دمتیابعت پرمیکومسیدا درامیردیاً فیوماً حفرت نواحه ک طون فریدانشفات کرتے تھے بیمان کک کداکیپ دن ایک میک<sup>ات</sup> ا**مبحاب المير في خاوت مين بوج غيرت جوا نكو تفي حفرت خوا جررك إب مين خوض كي اور ليضح صفات اورا موال كسيك** لغصان اورقصور كى معورت مين ظا سركيا ورامير بيزاُس خلوت مين كيه نغرا بايهان تك كه اكيب وفويسب جيو شدا و بطيسه اصحاب قرميب بإنسو کے سوفاری مین عمارت اسبرا ورجهاعت فاندا ور و گرمکا نات سکے سیوم بع موسئے منطان<sup>ی</sup> بشخص اكميك كام بين شغول ممقاحب مشى كأكام تمام موا اورسب اصحاب اميركه مامنفط خريو كأنس مجمع ميلي فيفازون كى طرف دخ كسيا ورفرا يا كم تم ميرے فرزنديها دالدين سك حق مين گسان بركريت و مواو خلطى رسوك كيك بعض احوال كوقعدور يجول كوشقه موتفة أسطينين بيجا يامينيه نظرخاص يتسبحانه كأبسك شامل مال يواوربذكا ب تتبحا زسكة تابع نظوق سبحان كي مجانسكي طون خريرا لتغانت كرنے مين مجيوا خشارينسين بولسپ مفريت خواج كوچ أنشكي أيا مين تنول عقع بكايا اورأس ملبس مين أكلي طرف متوجه موكركها فرزغربها والدين خواجه موربابا سيرحكم كوقمعه مین بجا له یا که منعا که صبقدر ترسبت نیر سامی مین میم بجا له که تر فرزنر بها داندین سکوی مین بجا لانا اورکونا بس کروا ایسایی مين في كيا وماني مسينه كي طوت اشارت كيا اوركها تمارسه بيركيدان فشك كين اورهماري رومانيت كايرند ا بشریت کے انگرے سے با مرکل آیا کرمرع مهت تمعا را لمندبرواز واقع موامواب اجازت ہے حباق برخمعا رے دائے ہے بهوينج ترک اورًا زيک سه طلب کرو اورطلب کاري مين ايني بهت كه موافق تفصير کرو-حفرت نوانبرن فرايس کرينتم امركى زان سے يكلمه نكاوبى يهارس مبتل مون كاسبب موااسوا سط كه أكائسى شابت كى صورت سم مون لك وورا ورسلامت اعت قرسب بموتے معداس کلام کے حفرت فوا ورسات برس مولانا عارف کے سابھ رہے فتم شخ اوظهیل اماکی خدمت مین بهوینچه اور اروسال ظیل امک ساتھ رسپ اور دوبار سفر حجاز کہا ورد و بہری دفویق فهاوپجداپرما قدس سره کویم ام لیکی اوروب فراسان آساً صفرت فواج بحد بارماکوسب یا رون سمیت با و دک براه مصانيشًا بُوركميل ويجبي ا درآب برات آسكَ فاص اسطير كرحفرت مولان زين الدين البوكم زايبا دى مصراه مات

کی اور تین روز افسے محبت کی اور بھی اور نہ اپنے اصیاب سے اور مبداز مراحبت جندر فرقری کھیے ہیں اور مبداز مراحبت جندر فرقری کھیرے ہوئی را آئے اور آخر زندگی کم ویون رہنے اور آپ کے اوال مفعل مقامات میں تکھیے ہیں اور مغرت اکھیل علیا اجسان اپنے مون افرین اصحاب کی صفرت فرا ہو کہ مت بالہ مساوال کیا کہ حفرت فواج مہا رالدین نے وکر جرمین آپ کی بیری کنین کی امید نے فرا با کہ وجمل انہ کو زمانے جی بھی سے سوال کیا کہ حفرت فواج مہا رالدین نے وکر جرمین آپ کی بیری کنین کی امید نے فرا با کہ وجمل انہ کو زمانے جی بھی مکست التی ہو ان کی احداث کی اور اس میں بھی بھی میں اور اس میں جو اسے مہد نواس کی جو اسے میں اور اس کی خلال کی تو اور کی اور اس کی خلال کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار مجمل انہ اور دار کے آئے ان انسان کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار کے آئے انسان کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار کے آئے انسان کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار کے آئے انسان کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار کے آئے انسان کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار کے آئے انسان کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار کے آئے انسان کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار کے آئے دائے انسان کی قدم میں توست خواجہ کی وفات کی گھیدیت اور دار کے آئے کے انسان کی قدم میں اس کی میں کو انسان کی میں کو انسان کی میں کو انسان کی میں کو دائی کی کھیل کے دور انسان کی تو انسان کی میں کو دور انہ کو کھیل کی کھیل کے دور انسان کی انسان کی میں کو کھیل کے دور انسان کی کھیل کے دور انسان کے دور انسان کی کھیل کی کھیل کے دور انسان کے دور انسان کی کھیل کے دور انسان کی کھیل کے دور انسان کے دور انسان کی کھیل کے دور انسان کی کھیل کے دور انسان کے دور انسان کی کھیل کے دور انسان کی کھیل کے دور انسان کے دور انس

مولانا محد سكيد الرحمد في وزركان وقت سيد يخفرا إسرك تشيخ تورالدين فلوتى بخارا مين فوت موسف تقع ا و ً حفرت خان بها دالدین تدس مرد تزیت کی ابن موجرد تقیه اوراه یاب تغریب سار آ دازین لمبند کی متیس او ما قراح نغوه ادرفربا دنالب نديده كرسقه تقع عاضرين كوأس سيركرامهيت بهوائي ادرروكا اورمرا كيه شخص اكيب بإت كمتهمة ائسوقت حفرت ففرط بإحب ميرا وقت آخراً سأزمن فقراكومرنا سكرما ونكامولانا محرسكين سفه فرا ياكه ووبات مبيشة تتاتيم دنین مین رسی نا دقتیکه صفرت نواج به بار موساز ا و رأس بهاری اغراین کاروان مراسکهٔ اودرمن کی هرت میرکاردنهم ا كتجوهين رس اورفاص اصحاب آپ كى فدست كرية سنقداورآپ براكي كانسبت شففت اورات نامس فوات تن اور تحصادم مین دونون دست ربارک دعامکه ایرانشات درببت دیرناک سیطیج مهیر میرودنون 🖣 ابني روسه مبارك بريميرسداورد نياسه رفعست بوسلة حفرت فرا نفه ين كرفوا وعلاوالدين عجدواني فراسة تحاكمين مفرت خواجه كم آخرى موض مين ما حزيما اورآب مالت نزج مين مقع كنظرما ميغين آيا حب مجيد وكميا فأ كه على منزوان لاا وركمه ناطعه ا ورآب مبيشه على كه كريقه اورآب كافرا في كرمطا بن تعميل كي ا ورووتين معزر كما سق اوراتسوشت كمعانا كمعانسكا دسترخوان كوليتيا بجرآ ككر كمولى وكمياكهمين في دسترزوان تشاويا بوفيها كدعلا وترخوال لا وركمهما كمعان بذلقمه اورمين سفيكما سقاور وسنرفوان أتشابي عيود كمياكين فيمترفوان أثنا والإبح فرابا كديسنترفوان الاادركمة طعاكه كمعن خرب مكن باسبيرا وركام احيى طرح كراجاب ي جار ابتك اسبطح فرا ما أسوفت ايك جاعت اصحاب سك دل بين ها كه ديكيم وطرت نواحب كسكوارشا وكي اجازت ويتيرين اورفقواكي تربب كسكوسر وكي زبين عفرت فواجكومعلوم موكيا فرايكأ سوفت مين كيون مجيونشونش ويتيهوه المرمرسا اخت يارمين بنين برمبوقت كيق تغ أش حالت سنة مكوشرون كريدوه مالت ماكه بوتمسيركم بالكي فواج ملا والدكوم فرت خواج سكه خواهم ف ذبايا كوعفرت فواجرة دس سره في آخرى دس من مجعد فر كمود ف كامكم دياجان آنجا دومند بركسط وراكوف كم لمدين كيكاس آيا اورمير عدل بن خطرة كذراكة ب كعبد امرار شادكا اشاره كسكوبرً كا يكاكيب مراض ياونط

نواو محد مارساقتال سروالي مر

فننش كي نظر سيلفس عطاك الكرنس كسي سعد كمة انشركرسه ا درج كيم كمه وه موا درد ومرسة عمل مرفرا يا كرج كميم كما سي كت مأ (نا پیمین کستا بون کمر و دانین کستا در ایک بحل را سخلص کوصفت تجیج کی نبطرعنایت کراست فرانی اور تیج ایک سیاه خلا ر خرد موسے علیہ السان مہے زانہ مین مواہر کہ خص جانہ کی درگا ہیں ورج عبوبی رکھتا تمقامشہ ورم کرمزخ بنی <sup>ا</sup> رائیک می<sup>ل الیا</sup> عمّا كه بيسيدا دليس قرني اس است بين تقدا و رحفرت في فرايا بوكداكي كروه جو فروهمان سلعن سع السيد يقد كرم واسط ال ورخفیفیکواکی دو سر بخیر اس بنیمنے سے معلوم کر لھیے اُنکو مرضایات کے نام سے کہتے اور **جرکہ مدہ اس صفت** پر *لعد از نلور دیمنگ* عطا لدولي وسلم تخفأ كواوليديان سكرنام سع بكارتفيين اورنيز حفرت فواج بإرساقيس مروسف فرايا بحكراه حجابين حفرت فاحد مزرك فيصيتين فرامكن ادراك اثنامين أس تلعس كواصحاب كدسا سنة مخاطب كساج مق اورالمنت كزملفام فأندان فواجكان قدس المدار واحهم سرمجيع بهونيا بهوا ورجوكي إس راومين كسبب ورجعه ول كما أس المانت كوسيخمة ميرد كميا جسطرح كدبرا در ديني مولانا عارف عليه الرجمه في مسيرد كميا أسكر قبول كرنا عاميدا ورأس المنت كونملق عن مسجأ لیونیا نا لازم می آس خلص نے نیازمندی کی اورقبول کیا جب سفری زیست مراجعت کی علے الاصلان اصحام روبر وأسخلص برنظ موبهبت كي اور كمركها كدوسم ركت سقة أسكرة إكل سليكة اوراس ون سعاس فلعس بربرر وزنظ فقا زياده فراسقه فقط ا در د دسوے فرایا ہے کہ دیجے مولانا عارصن سفا کسکے بی سمانی میں مجبی کھتے ہیں اوراُسی برقائم برلیکن المهورة اسكاميمار سنداختيارين بمنين سج الاآفزهايت مين فراسة لسبت منى ادرباطني صبكي فطهد جذبيجيغ اشاره كبابيجيط كركي كماكب برابهارى يتيومسسرراه موده أتفرس مفرت خواد بإرسا قدس مرون يريمي فرما يا بوكه مفرت فواج بزوكت في آفرزندگی مین خانباید اس کلی سکری مین وا یا برکهم اس سعد برگز رخید پینین موسک برایب سنع سبه پخش بیدا میوابرکهملی میندروزانیے بالمن کو آس سے شال اب بیارا باطن آسکے ساتھ انگل صاحب کا درمین اُسی تول ہے مون كها تعكن مين مراء مجازاصى ب كرسائت كما بوا دراسونست بى اگرود و دافاي پزشتر سعداً معكومت بين كمت اكترب فتوفيفيف كانلهار فرما يادريبت يادكياشكري المدتعان كالهيرب بيراسد بالمداع فاخ وشاخ وكرمها عاد لماكوكستاخ فرايس كم وغرت فوا و بزرگ سن آخ آخ فائران سب سكرساسته اُس خلص شكرى مين فرا يا سي كه سيارس، وجروستطانعوا اسكانكوري آسے دونون طربت مذہ ا درسلوك بين ترمبيت كي ہواگر ودشنول ا درمنوبر ہوا كيد ما لمرآس سے روشن میونتفرت فراسته <u>من</u>وکه به نعتل سط<sub>ور</sub>ستهی پیجندستی می که مفرت خراجه بزرگ نے خراج محدم پرسا سکوی میں تعر<del>یمی کا</del> فولماس كم مقعده ومهرے وج وسے فلود مخدم وفرائے منے كہ بدعبارت العام وشِتن کی محفوث محد بارسا قدس س هز<u>ت و ابربزگ</u> قدس سروسکه مرض خربن بست ماعزی کی میمیسی شنام خدمت مین میویخیته ایک ون ندایت مهرای که أور قربا با كفيمين اسقدر طازمت كي عاجت نعين بح ايك دن حقرت فوا حرمه بايرسا قدس مدمى اولاد-محاض وكغشيرمن سمرةند كمعفرت كى خدمت مين أسطُ مصر آسنية آمني النا من كي ا دراي منظيم و توقيمن اخزالشكي

اننا مصحبت مین که که ایک و بیدند حفرت خواجه به بادالدین قدس سده کوخواب مین دکھیا جب که انتقال مهویکا تماآ بیسته پوچها که کیایم کی دون ماکر بی ات ملے فرا یا کسی کی بین شنول پوئلیے بیک کم بخری مین شنول بونا چاہیے بینے جسطرے کرننس اخیر مین مهرتن می سبی نه کی طون مائز اور کا کاه موا چاہیے بہتیه اسی طرح رسوز ان بعد فرا یا کہ حفرت خواوجمد بارسا قدس سر جربزرگوارتم مارے ایس طرح سکے بوسک بورن ایک دن حفرت بها دالدین قدس سره بانع مزار کے لب دوش آئے او کچوا کوآپ پانی مین بانون رسکے موسک راقبہ مین مشنول مین اور آپ سے خائب صفرت خواجہ نه اسمی و رحمت کوخوت پانی مین اگر کر اسنی روسام ارک کمانکی کوشت با برد مکھا اور کھا اگری مجرمت اس بانون کے ہسا دالدین مردحمت کوخوت نے اس بات سے بیجے فرایا کومین بندین جانتا کے حفرت خواجہ محد بابر ساقدس سسسرہ اس می کسواج گفتس کی ج

يين كر<sup>ن</sup> ماسبي كمي عمل كيكرت عند كداس درج كوببويني مبين –

من نوارق عا دانه قدس سبره آگرم حفرت خواجه مهر بار ساقدس سبره کامرنداس سے شرعکر توکیش عادت كرسائح أنكي تعريب كرب يا أكبي كرامات على سركرين ليكن سرگاه دوتين نقل اس سلسله فتريعين في قروكون لمنضن أكنتين أيسكه للط مبن كستاخي كي سيعض مخدوم فراسقه مقع كهصفرت فواحه محدما يرسا قدس مسهرة أيج آ آرته موات کومبیشد واجبی طورسے بوٹ میرہ کرتے رہے اور آسکے احفامین کماحقہ ساعی رستے تسکین محب عزورت أمكياكيسية رراظهاركيا سرباين وجه كه أسطرانعفا سيراكي طيح ك المانت آب ك مشايخ سلسليسندك بهو تى متى اور برسبل جهال اس واقد كى عورت بدى كەقدە تەلىمە ئىرىنى يىشى شىسسى لدىن مىرىن مىدىن مواليوز كاميالاتى مرزا الغربثك كرزانه من سمرقند آلئه تقطاورا ورارالتهريكم مدثون كالقيمح اوخضين سندسكه اندرشنغول تقويعفالل مدا ورعزعن نے آپ سے عوض کی کرحفرت ٹوا دہم برارسا بنی رامین بہت سی حثیبین نقل کرتے میں اوراکئی سندکی محت معلوم ہندین ہوا گرائے تقیق فرایئن تو دبینندین شیخ اُ سکی تحقیق کے در بے موسکے اور میزرا النع مبک کواسپرلا کے کہ اکتاب بخارامين بجيجا اورمفرت فواجرمت آسنيكى درفواست كى تعب فينح سقة فواج عمام الدين مجنشينع الاسلام سمرقند تقعاد تمام طبیسه دانسنندون کا ایک مجمع اکتھاکی اورا کی محلس عالی ترشیب دی اوسیضرت خواجہ و بان اُسائیشنے سفے اس كلب بين آب سے التاس كى تواكي مدريث اپنيراسنا دسے روابيت كى شينح نے فريا يكواس مدرب كى محت مين کچوکلام پنین مچکریدا شا د میرسدنز دیک ما بت بنین آتس کلام سے حاسد لوگ نوش بوسفه اور با بیدگرانشا ده آنکوسے ار نے مطاحنوت فواجد دہی صدیث و در سے اسنا و سکھ ابن سے مبان کی شیخے نے اُن اسنا دمین بھی وہی باشکہ حضرت خوار پیچه کنے کہ جربسناد دہ بیان کرسٹیکے مسہوع نہوگی تغو*ری دیرم ا*قلب مبوس*کے اورسکوت کی بعدا زا*لک شیخ کسیان نع كريككماكد آب فلان سندكوا بل عديث كركتب سيرسىلم منطق بين او راسيك اسناد كوس تبرشهاركرتي بين ينع ف ويايكه إن كسيكة ما مهسنا وسعته إو يستدين او إسمين كسيكونعتمان فن مديث سيمشهر إوروسواس بنين مج التحملا ع

کے اسا واس مسندسے ہو ن میں کلام اسمین نہیں سیس حفرت خواجہ ساخوا چھسام الدین کی طرف بڑھ کرکے فرا ماکتے ، فا نهین فلان طاق کے اندرفلان اورفلان کتاب کے نیچے تیسند سبکایین سنے نام لیااُسکی یقطع اوراُسکی حلبه الیسی کھی ہے اوراً سم سندمین است*قدرا درات کے بعد خلا ان منفی مین یہ حدمث اور میرسنا دکوئین نے سال کو تی*غیسیل وار زكورا ورسطور بين عنايت كرك الك شاگر كوان فدام س جين اكداً سكوملدها نزكر منفواه عصام الدين ترد وسق أهيبن كهيميسندونان مويانهين اومحلبسي اسرسين سندنهامت درميته عبب ا ومتحرمة الل اورمنفكر سومك أسليح كدست متلج تفة كه حفرت خوا حدم كرز خوا مدعه ما موالدين كركتب فا نهين نهين كمين فوا ببرسنه الشيخاص لما زان مسركسبكي فري عجائتے ساتھ پیچاکہ اُن نشا نون کو ملاحظ کر کے اگر ہے۔ اُنے مشخص کمیا اوپر سندکواسی صفت سے کونشان ویا تنطایا ا او پر اس ایا اور وه دربیت اسی سفویس که اشاره که با متعامع اس طریق اسهٔ دیکے سبے تفاویت مسطور تمعی ایک شؤلإ فلس يتعلبنديواا وكشنج بع بها دعنهيم حرت زده مبوسكة اوخواو بمصا مرالدين كوا ورون سيعه زاي ده نخرا وتعجيظ ر ده اسکالفین کلی نرکانی کنی کانی نه بین می قب یه قصه مرزالن مبک کے سامنے عرض میوا و <sup>ه</sup> بمی حفرت خوا حبركم بلاسفه سير شرمنده او بنفعل موااورية نصوت كرحفرت خواجه بسيراس كلبس مين واتع مبوأ انكى مزيافيهر كامسبب بوااودأس زاندك اكابراوداعيان كوآب سيرا درسي عقيده ميدإ بواسولان عبدالهيم نميشاني حمدالعدكم لمازم حفرت خواجه اوربرا دررضاعی اور تیم سبن خواج بربان الدین ابولفرقدس سره که تقد آنند ن نے فرایا کو اُسْلُ م اس خورت خواجه اور برا در رضاعی اور تیم سبن خواج بربان الدین ابولفرقدس سره که تقد آنند ن نے فرایا کو اُسْلُ مُ لمي**ل ب**رمر محدجهاً گركه فرزندامير تيميور كه مېن سمر قندمين باد شاه ي<u>قه اور مرزانشا سرخ خراسان مين ميني فنح</u> حضريت نواوكيج كمجودسلانون ككاحون كمطاعورقد رزاشا برخ كوكها كرسسة مرزانليدكو فرامعلوم موآا ذكال سعك حنِل فورى سے مرسم اور تنغیر ہوا جنا نے دا كمپ آدى بئا را مين آپ سكے باس مجيا كدآپ برا ه عنابت جائب دشت تشریعند لیجا مین امیدیم کدد *بانکه لوگ آپ کی برکت قدومه سیمشرون باسلام م*بون مفریت خواجه نیز فره با بهبت احتی ا<sup>ین</sup> بجاول فزارات كيزبارت كرمين مجير واندمون اورأسيوفت كلوثر اطلب كيامولانا عبدالرهيم في كماكه بن آب كمكويت زین لگاکرسائنے لایا فی الفورآپ سوار موسکے اور سم ایک گروہ خدام کے ساتھ مطلے پہلے تعرعار فا ن کوحفرت خوا جہ بزرگ قدس العیرسسره مک زار برگاه سب زار برسیدا برکدای سک نشره مبارک سے آثار میکیت اور فلست کے خایان تے وہان سے سوخا رکے اور تھوڑی دیرسے دامر کلال کی قربر توقعت کی جب آ تھے مزار سے والیس آ کے کھوٹ سے کم ا کیس کوٹرا مارکراکیٹ شیلے سکے اوپر بانکا اور جانب خراسان رفع کرسکے بربسیت جمیعی ہر بیٹنسٹ مہر راز بروز مرکن نذر ران وندزمر+ ما مدانند کدامروز و مین سیدان کید ست ترجمه مسيكور يوزرنور ندريد ديرا ورزير ىب جانىن كەمىيدان مىن كىجى بۇڭرچ كوئى ، أوروپان سىدىمېر كېارايين آئے اسىدىم ايك نشان مىرنىياشا بىرخ بزافليل سكه لييهي فإمعنهون يركهم المبى بهوسنية مين فإسبي كدميدان فبك قرارد سد فعقرت فواحد سفافريا ياكمة ا

مليل كوتشل كررُّا لاكفوات الانس مين مذكور مبوكة هرت خواج كے مريد ون سے ايک شخص نے نفل كى سوكة جسر ت کے دقت مین سفرکها خواج آپ سکئے فر ما یا کہیم کیے اور پیم گئے اسکی عدم میکھنی کہ آ سفرسين و ذات إلى خوا قبرالولفرقد من مسعره مسفرها زمين النبير والدنر رجموار كه سائلم تقط فرما تيم تقطه كهرس وقت سرس «الدسفه انتقال كمياآب كرمر إلمانيه «ا خرنه محقاحب» حا مذيبوا انكار وسعهما رك كلولا ماكه دكميون كلقين كولين ا دريسكراً میرانل*ق اورا<sup>ن و</sup>ارا*ب زیا د ہ مہوا پائلینی آیا ورا ہے *جہرہ کو اُسکے یا* نوئن سربر کھا آپ نے یا نوئن کینیج لیے وا ضح مہو کہ صفریت خوا مهدما پرسا د و مارسفرمها رکسین سکتے ہیں پہلی د فعیصفرت خواجہ بزیرگ کے بساتھ رہتھے ا در وہ ووسیدا سفرصفرت خواج كالحقا ا ورد دسرى د فند ما وموم الحرام تلك أنجر سوبانكيس يتص كه طوات سبت المه دالوام ا ورزيارت منى عليه الصلوة في ا کی منیت سے محکے اور نخاراسے باہر آئے اور را ونسعت سے صغانیان ترندا در بلنے وہرات کسطرف تقیصد زیارت مزارا ت متبركه روانه موسله اورسب، سا دات مشاكم اورعلها في آب كم متديم شرلعين كومغتنم ما نا وريبيسه اعزاز وأكرام سعدالة فا ى ا وتصب نيشا يور ميوسين عر ارست مواا ورفوت را مكا يارفون كرموا ا ورسف الجذارا وون ميئ سنى آئي مولان ملال لدين روی کا دبیران فال کے سایے کمہ لائیتبین کلین ایپا بسٹنٹ رویدا عاشقان ق ا قبال کمین :، روا کیتیبیجیون مربسوی میسونگا مباركباد مان اين متبغيق الهدم ببرتهر مبرعائي كتريت كاليميية + أو نيشا بورسه كما رهوين جادى الآفراس سال كومجازكي طرن تسويم ہوئے اور میں وقت کم بخرمہ میں محت اورعافیت سکے سائٹر مہوسنچے ا ورجے سکے انکا ان لیکے آپ کو ایک مرض لائٹ مواحیا مخیطواهت و، اع على يبين كما اورويان سے مدينيكى راہ لى اوراشارت اوراشارت يائى تيسوين كم برنج مُدِع كدن مدينه بعيوسنچا ورعفرت رسالت نسله ورعليه وسلمست نوارشين مايئن اورجمعوات كورهمت حق سندجا ساموان شمس لدين محدقثارى رومى اورامل مدینه و قا قله سفه جناز ه که نماز نیرهی ا و ریشب حمد کوانس منزل مبارک مین نز ول کمیا اور قبیمنشه ربینه امیرالموسنین هایس رمنی الدرآمالی عذبی جرامین وان مهرسکدا و بیصفرستیشنی زین الدین الخواقی قدس سده معرست سنگ مسفیدتریشوا کرلاسکے *در دوح قرمبًا بی ا در کسیکے مسبب تنا*م فتبورسے بمثار نہمشہور پرکہس شیدلیت تکتیرسال کم و بیش بمقاا وربیعضا فاضل تے آب کی آریخ و فات مین کها برفطعب

المراها فظ الم فاحسنه المركان من تدل في من قب الناسة المارة في فرد منه الناف الناسج الثارة فيها الناسج الثارة فيها المراد الموقع المراد الموقع المراد الموقع المراد الموقع المراد الموقع الموق

به صاحبرا و وصفرت نواح محد بارسا کے بین اور لفت شریعی آپ کا حافظ الدین بریان الدین بچ صفرت مخدوم نفخالگان بین لاسکه بین که صفرت خواجه او نفرسف با بیملون شدیعیت اور رسوم طلقیت کو اسنیے والد نزرگوا زنگ بهونجا یا متفا اور نفی و چر و او ترسندج موجود مین آپ سے بڑے سکے تنے اور اپنے حال سکہ افغا مین اسبیہ سنے کرم کرز آنسے خلا میزنین میران

غاز کی بجنیفت فضا ہولیکن بس بہ قضائه کی بهار بران صحبت کی ﴿ فَقَرِت نواح ابولعرکی وفات هند ایک

ای جهامقبولان و منطوران حفرت خواجه بزرگ سے منے انکا مولدفاتری می جرا یک شراقصد به موسند اور بخارا کے درمیان اور بخدامک درمیان اور بخدام در بخدام بخدام در بخدام ب

نواحه مسافرخوا ززمي رحمنالىدتغالى علىيه

مولاناليفوب حسيري رحته السرعليد

 نواب بحول *گیا مقاعب آینے میتین فرمایا تو جی*ردہ خواب یا دآیا حضرت نواحہ سے دس کی کدفاط شریعین سری طرف سرکھیے ف<mark>ا</mark> شتص سفطفرت عززان عليه الرحمه والونوان سنه فاطر الملب كيمنى فرايا فاطرين غيرنين شبكول بيز سارس ياس هيوڙجا كاكرهب أسيره كيون تم ما د آويمو فريا ياكرتمه مارے پاس كوئى جزمنين سوكر سمايت باس تعبور واكي كا دمبا استی مجھے دی کہ اسے رکھ جن روح اس کا ہ کو دہمی کھیے اوار سے اور مب یاد کروک نتیے یا دُسکے اور فرایا کہ اس سفریین خرُورمولانا تاج الدين دشت كولكي <u>سے ملاقات كرنا كەرەا واساء السدسے بن مر</u>سے دل بين ك<sub>ايا ك</sub>واراره ميرا بين كاسرِ اورس راہ سے دطن جاتا ہون بلخ کہان اور دِشت کولک کھان اسکے بعیمین بلخ کوگھا اتفا قاً ایک عزورت بیش آل ا و اليسي موريث مبولئ كربلخ سے دسنت كولك كوجا نائزلا ورشفرت خوا ديركا اشارہ تجينے يا وَآياتٌ بب مہواا ورمون نا تاج الذِن ک*ی حب*ت مین آیا دورمولانا کی مانا قامت کے بع*د را ب*طبہ عنرت خواجہ کی محبت کا قوی موا اور ایک الیسا سبب موا لهمین نیرخارامین آپ کی اما زمست مین دایجت کی اور مید نواسش مید اسپونی که ارا وت مفرت خواجه کی کرون خال م مجذوب المفاحس مسعد بيني مبت عقيده فقا مراء "قيها وكمياأس مسيين في كدامين جا وَن كمها ملدجا والرماسيني آسگے مبت سے خطوط زمین برجمینینی<sup>و</sup> سنپر دل مین کها که اُن خطوط کوشمار کرون اگر فرومون تواس فوامیش کی حقیقت وليل موكى كمهم آمكيذا لعدفر دمهج اورفر وكود وسست ركلتا محصب شماركيه فوشكط بورسع ليتين ريين عفرت فواح سك ياس كسيا أورارادت كي اور مجيع وقوف عدة ملقين كسياد فرايا حب بك بهوسك عدد فردكي رعاميت كرنااشاط اکن خطعط کی طرف کیا کرمین سفرابنی دلییل نبائ تنتی اور نیز حفرت مولانا دین<sub>ا</sub>یب قدس سسره سف**دا بینی عبش تصنیف**ات مين كها المركرهب عنايت مبيايت مق سبحانه سدخوام ش طارب اس نفريين بيدام و في ففسل الهي كعصاكش سف حفرت خواج بها رالدین قدس اسرسره کی سحبت مین مکعینیا بخارامین آب کی ملازست کرا تھا اور آپ کے کرم عام النفات بإنا تفاحتى كرمياست اكسى عصلينين حاصل مواكراً بي فواص اوليا سعد بين ا وسكا مل كممل مبداز الشا مراحينيي ا ورواقعات كثيره ككالم السيسين فال من في لم اورية آميت تكلى كه أوليك الذبين مرسيم المعد نبياتهم اقتده اورآخه روزنت آماد مین که اس فقر کامسکن محقامتوج مزارشین سیعن الدین خزری رحد المدین تیانت کدایانگ قبول آسی کا قاصدىمپوسى اورباطن مين سقرارى بيدا بيولى عفرت فراح كا اراده كميا حبب تعرعارفان مين ميوسى جان آپكا سرعقا حفرت نوا حبر کیسسررا وننفا و کمیا بری نوبی سے ماقات کی بداز نازصحبت ریکی اورآپ کی مبیت خالب مومی گئی اور بولنے کی طاقت نرمهی اس اثنامین فرایا کرمدیث مین مب<sub>ی</sub> العاملیان قم العالب فذلکه الانبياروالمرسلون وعلم اللسالن فذلك حجبزا لعدينظرا بن آه م اسية بحكه علوبا لن سيرمبره تيمية مبوسيني ا ورفرما يا كدا و الواستم إيا ر اهم بالصدت فالنم جواسيس القلوم يدخلون في قلونم ونيفاوان المعمم أوريم اموريخود بين سيكويم بول نيين كوا سواهم بالصدت فالنم جواسيس القلوم يدخلون في قلونم ونيفاوان المعمم كم أوريم اموريخود بين سيكويم بول نيين كوا رات وكيمين كيا اشاره مهونا برستميد متول كريهم عبى قبول كرينكي اورده شب مرسداد راسي صعب كررسي رميا

رئی تھتی کہ میا دارّ د کا دروازہ تھلے ہوئے فونے حباتے ساتھ صبح کی نماز مین نے ٹرھی زمایا کہ م باره مبوا بم کسیو کم قبول کرسته مبن ا دراگر قبول مبم کرسته مبن تودیر مین قبول کرسته مین کمکرنی کیونکر آو ليو *كرم*وبعدازان سلسل<sub>ا</sub>سني مشايخ كا حضرت خواد إعبداني بت غورواني قدس سبرة كمه يجي سان كها <sup>در م</sup>يض فو عدوی کے ساتھ مشعنول کیا اورفر نا کاکہ شروع علم لدنی کا پیسبق ہم کہ حفرت خفرعلیہ اِنسان م سے صفرتِ فواجہ پزرگ قل ر ، كوبه برخ بعدازان بب يارا درآب ك لما زمست بين بنيا بهان كمك محص بنا را سداما زت سفركي موئى فرما اكدم كويست تجفه مبوسيا بمومنركان خداكومهوسيا ككرسعادت كاسبب موحضت فراسته سقه كدولانا ميقدب عليدالرحمة في كما كيزخت خواجه بزیگ نے مجھے مکم دیا کہ خوا ہے علاء الدین عطار سکے مصاحب مہوحضرت خواجہ کی وفات کے بعد منیدرونہ میٹی فکٹا ر ہا اور حفرت خواجہ علیار الدین حینا نیان میں تقیم سقھ مجھے خط لکھا کہ وصیت حفرت خواجہ کی السیمی تھی کہ سم موفو بایم رمبن اب کیاصلاح ہی حبب خط کے مفہون سے خبر مولی مین چنا نیان آیا اور اُٹکی فدمت مین رہا بیان کاک فاجه فرقات بائتين وزك مبدين فيسفركيا ورلبغتوك طرت الاستحضرت مولانا بعقوب برخى قدس سده اواكل احوال مین *هندر وزعامع مسجدم راِت مین او رهنیدر و زناک عرمین تحصیل علوم مین شغول رسیم حفرت فرا نے تقے کهمولانا* ليقوب خرخى على الرحبة سنه كها كومندر وزكر برات مين را نواج عبدا له دانصارى كه فانقاه سع بو بازار كمك مين سيح كلما تكما تا تقابس سبب سعد أسكى وجدين وسعب مجا وراصاف فعنين بجي احتيباط كي سجا وحفرت فرات بقط كدررسه عيا ثيبكم وقف سيرصى كمعانا جاسهيراسوا يسبط كرأسكى اوقات مين بجى احتياط مرعى ركحى سجا ومصالح بيرمبركا رونان رستيربين ا دراسکی او قاف سے پرمیز منین کها اورحفرت مولانالیقوب قدس سره سینقل کرنے تھے کروہ فراتے تھے تهريرات بين موتوفات أسكيس تين حكيدك سواكوئي جزننين كها سكته فانقاه خوا وعبوالسدانصارى قديس مین ا درخانفاه ملک بین ا در مدر سه غیانتیهین د دسری تمکیکه وفعت بین ترد دنه نیمین می اسیواسیط اکا برا ورامه ة بن لدارد احمرف الني مردون كوسفر رأت سيمنع كيا بإسواسط كرملال لان كم برجب سالك وام من بيسته رجع الققويا والبيسي لى طبعطبيت كيطون الثان عزا واوراه راست كه على سع منون بوا بواونيز حفرت فرات متع كرصفت مران بعقوب وخي عليه الرحمين في الدين فوافي رحمه المدرك سائق مصرمين بم من تقعه اوروان شهدا ليارين مراى رحمالسدكى كرعل دكبرزه ندست عقص شاگردى كرتے تقے اوربا يجم بتى ركھتے تقے الكيدن مولانا يعقوب ليا لرح ترسنے معيدي تياك توفواسان بن ما بوكت مين كدشن زين الدين فوافى مريدون كفواب كى تعبركوند مين ورأس سيست براد متباری ل کرتے بہن میں نے کہ ایمان اقعی سم سول نانے وست سیارکے اُنٹی مین کیا اوبا تون کے مبدا کی فیمیست ہوتی ایجا قا يه تعاكدارا أغائب مورة عندا وأس نعيبت من اكارسابك كروهكا جائيتن الصديد مفدرك تكبون كريع من ركيا ساعت ببرم وتضايا اوربيب ثرسى ببيت بوغلام أفسام بمنة أفناب كويع نه شيخ مشب مرسم كرمديث فوالسطوم

مولاء کمکے نبعہ موتالیکن سرگا ہ آپ کا احوال اول سے آخریک انواع حکایات وروایات پرنسفات آبا واحدا داورا قربا اوراولاه حفرت اوربرايت احوال واطوار اوبعصت مشائخ كبارا ورسعارون وبطافت سي كم كالس من حفرت براسطههم عاموسة اورشيع تصرفات اورفوارن عادات كهآب سے ظهور من آسة اور ذكر تاريخ وفات اوكيفيت أنتغال دارا لأخرة ميشتل متقااسوا سيط بعدازافتنا مراس مقاله كيحبهين ذكرسلسل نواحبكان قدس المداروجهم بي شرح الوال حفرت كراس كماب سي مقعنو بريان مقدر اورفاتم بين كما ما تشكا ميسا كراس رساله ديباحيدين فهرست بمسك تحسسرريبوك ببور

فوا جه علاء الدمن عندوالي رح تدالسطي

ه بزرگ ا**عل**ی اصحاب حفرت فوا هه بزرگ سیبن ایجام او وقت ننجه و ان برا و را کیامزارنسل مزر مین جوامکه مشهر خارا سے دھن کیطون عیدگاہ کے قرب ہوا وراً سکے گیا رہ اکب شیلا ہوا وراّ ب اُس شیلے کے بیجے مدفون مین آپ سول برس سکرس مین امیرکلان کاسحبت بین رسیتے ج امیرکلال میک فریدے اصحاب سے بیے قدس مرسوا وراً شون نے ذکر کی تعلیم یا تی جائے ہے۔ امریکا، ل کے جکرسن آئیا ہے مضرت فریائے سے کھوا وہملارالدین نه و فت شیاب مین چی مفرت نواجه بزرگ، کی شرب مازمست او ینبول یا ایرود آنزیبا متک آب کی خدمت اور الاستان مهيم مين بعدلنتل حفرت فواجه بمنين سندارًا «سند بنية العراف بيه غوارم، عارسا اورخواجه بريان الجونفر قد المع به رسیم بین ا درآن بزرگوارون سازانگی یب کفنیست جانا می حفرت فراستی تقع که خواج علا والدين عليدال منذكوا ستغزلق تمام مقائها ميت شيرين كالمهم بداليها مبوباً أرات كن كنة آب سعه فاينعي حاكم ا و رفراننه شخه که نوا حبرعلار الدین سک*رموا منق مشدنول اور لا م کا خرییس مین شدکه دیمیا مبره و کیلیشنولی مبت متنی کویل* ار من الما المنظم المن ، ورأس وقت مين آب برى عمر كم مو كك من اوركم وبني نور برس كوبهو يني غيرا ورآ أ يسنعف ا وربيرى مبت الل بوسكة تنے اَكابِهم فندسے اكيب شخص في كما كرونرت فراج سے مين فيد دفواست كى كفواج علاء الدين مبست يرهنعي مبوسك بين اورأسف فديست بنين موتى اگراس سفرسس معذورًا نكور بكي تومزا وارسي مفريع سيفع با لهما راکام آننے نمیں سی بخراستے کہ حب اکاریم و تجھیتے ہیں نسبت عزیزاں سے یاداً تی ہی اوریہ مرداورنی وسٹے بنٹی آمام بمسليم بمفرت نوا وبرعلا والدبن فرمانيه بي كرصب سه مين اسنية نيئن مباننا مبون انتي ومركه اكب ميرياج بخيمت الى رقع مجا علاستانين مولى فرسول نام الك عفرت فرات علاكروا وملادالدين كونها ست أستنوات مفاجئة

السرَسره كي زيارت كي نيت سے ساد ه يا گهااور واليس أدهى د و گليا تقا كه خواجه علام الدين ملے اور فرايا مجھے خيال مقا کوشب کوآپ وہان ر مینیکے اسلیے سم بھی آئی ہمراہی مین دوبارہ مزار ریائے عشاکی نماز قرید ہے کے بعد فرما یا کہ انک رد نیاز مند سوچا ہے کہ شب مداری کو اور شو نجا کہ اورعیشا کے بعد مینے کے میٹیجے اِس طرح سے کہ ایک پانون سے دیور يانون زبدلا مفرت ذبات مقر کالسی شست آرام میشبیت تام کمرینین بچسیدک ایجیسیت کمتوت منبری وفانسیکی تی ارکوئی کرسن مین ایسا منطع اور فرما یاکرشنج مزارایک مرد نقر تقاد و میلیاد لیه که لایا و رنزاییاله خواج کے ساسنے لایا ا في فن كريكة اورسونه كروقت سي سيخ لمك بيني رسيكه بالرّات اوروضو كريا كي امتياج بنوي مفرت فريات تحركراس وجه سيركهين بياده مزاربرآيا ورادى راه سير عيد لميث كرحفرت فواجه كه سائم والس كميا نهاست كالماليكي التي ليكين سوافقت كي خرورت مصيم بيني البراآ وهي رات كه موجيع في طاقت نريبي بهترط! كهمين أعشون اورآكي فدست كرون مب فدست شروع كي خواجه نے فرايا ايك بارا شفاتے ميومين نے كها بينجنے كى طاقت بنين رسي مين فخ عا إكسب كمبار مون اوراً رام بالون حضرت فرنات تقه كه مرفن ميري أنكمه درد كرنه لكي عاليين فررا لمول موكي لتكليم كالرا ده كيا مرضد مولانا سعدالدين فيضع كما كرمين فيرنانا اور نجارا كى طوت بيلاغوا وبرعلا رالدين غجدوا فى كى ملاقات كى بېت تمناكتى اسواسط كه د مها ف أكه بېت سفه تقوا دراتيك أنكه دىدار سيارك نر د كيو تقوص بخا را بيونجا اكد بالبرنكلاا كيمسجد دكميي أسكة المركباا كيب برردشن كوويان بيطيخه دكمها مرسه باطن كواسكي مبت ك ليكشش زبروست بوئي آسكِ بُرها محجة فرب دريافت كياتين روز كاستفسل مين جآ اعتما تيسرت روز فرايا كاتين روز ببوسة كراستة موا ويقس صحبت رشتة بوغفد وكما بوآكراستليه آئه موكشيني اوركراات وكميرة حرجاسة موبهان ننين بواورا كرسواري محبث كالمحيلة ادر انرائی اوران من نفادت بات میمرتم مبارک مو با فرایا که تخصص مبارک مواجد از آن بیاعی در حفرت فرزان کمی آ وب بوهرِ می رواعی با بهرکسشستی نشد جمع واست به ور تونومیدز حمت آف کلت به ارصحبت اواگر تشریب سیمین ا ركة تكندروج عزيزان مجلت + اوربد بيرخ اجه علارالدين غجدواني تخف فترس مواديم بي عفرت فراز تفع كم ابتدا بدعال مين مجي عجب اضطراب عقاصب كلب خاجه علاء الدين عليه الزممة كصحبت مين ننين مويخ آرامها ياحفرت فرات سقع كرا وائل ارادت مين عزيزون كي صحبت مين بهت جاما تحاليف ايك طريقه سي شغول كريته تف كينسبت حضورام جمعيت جلدظا سريوتي بوحب أمارأس حفنورك فلورين أقيره وسرسام من شغول كرفي اورأس معيت كالرطابات أورتغ تترميداكرتا اسليرين سنرمبست مركزواني أمعاني اوراسكاسبيب مجيع معلوم بنوتا عفا آخ معلوم مواكم مقصود انكايه مفاكه يطلقيبت كمياب ادع زنوم ملد معلوم ننوكا ادجيعبيث بإساني ميسزنوكي ص وقت بخارا مين فواح عسك لماء الدين سعدلما أكم نكي صحبت بزرگ سعه وه تغريقه ورمبوسدًا ورطراني روشن ميوا اورييم بجي حفرت فع رحمةُ رشحات أرد و

ترحمهٔ رشحات آرد و فرنا که بهلامبرا پیچفنده متحاکز<sup>سن</sup>ه ول مقصور امک عزسز کامل سکها کتفات سے دالب نیم ایک نظرا در اِکتفات مین کامل کی رموجا كنيئا حب فواج علارالدين كى ندمت مين كهو بنجافر بالمجيمين معلوم موا بهر خاسبيئه كداسية بنشغول موسعى اوراتها لومبرا وخل مبح حوج نه لما كوشش اوراستام كے ماصل مہو تی سن اسكونقاا ورر وامنیس سوا وربيري حضرب نے فرا يا كه أيسا ون فواه بعلا دالدین سے ملاقات اورا فٹلاط رلج ایک دن کمال تعرت اورسر کات محابس برنے مدند ت<sup>ن</sup> اور برگیر قدس سرز کولیزکیا ادرآفرین کهانهجیت عزیزان و متنابی ننیمیت ب*واکر حیلف که مرشه سکه نه*ون او فرمایکه منرت نوآ نررگ فرمات میچه که نزرکون کا قول سوگرا: زنده مرازشیدمرده - ا در ماهی مضرت فی فرما یا کدخه ا در علا والدین مالیازش کی و فات مین نواحرا بونصر ما پرسا علیه الرممة نے ویخط کها سج اوراُنس اثنا مین کها که نواحه علیمالدین علیه الزمته مهار<sup>س</sup> مېمسايه تقے او بيم *اُنگے سائيرعنايت اوربرکت و نهبت مين اسن او آسو دگی کے سات*ې رہتے تھے ا سو جت وہ جوانرت حق سبحا نسسے باسلے اب محل اسکا ہم کہ سم فا گفت رمین ۔۔ مولانا بدرالدین حداثا نی نام ایک۔عزمز جو فواج علّا الاک قدس سره سکعر میرینتھ اور سنا راسکے معاصرا فا ن مین رستھ تئے اُنفون نے دیکا بیت کی کہ خب خوار پر *ملکا والعلیا فی* نے حفرت فراجهٔ ناصرالدین عبیدالسد قدس سبرهٔ که اجازت دی نواحه علآم الدین سیمین نے کہا که آپ نے صفح غواجه کوجلداجازت دم**یری فرمایا کهخرا در عبیدا اسدسمارے پاس کا مل** آیا اور *سیارے پاس سے کا مل کمی* سوانا مبر*ا* کرتے بهميشه نبارا سيعضرت كى لمازست مين سمرفندآ باكرية اوربيض اصحاب سيركها كرحب خرت فدست خواد علكواكه سصصدام وسقرا ورملي سكية خواجه نه فرماياسهان المدرية خراج بمبيدا لمدري للكربيه خواجه مهما والدين ابن كمده مسريني دنیامین *بنرار کمال زیاده سکے سانخراکسئے*۔

سىراج كلال مرسى رحمة العن<sup>ولسي</sup>

وضع اورعار شرعي كي قريب منتهري راسيه واستدارُ امريخ و فرزندام ركال كمرمه يقع كم اخركواصحاب حفرت فواج نزرك مين داخل موسة حبب عازم امرجزه سكرتنج بظرى رياصنت اومجابه سعركير امكيباراس ورمهان مین غیبیت مبولی که تبی شه با نه روز آب سته بخر برسید المیرمزه گوائس حال سیرخرکی فرایا که جاد اُسکے کا ن مین که ته که امیرمنروکتنا سوکه بیمان معید مقیرمورول سعه آسط محیرآ و میب به بات *آسکه کان مین کهی ایک مخط*ابعداسمین س<sup>و</sup> کتی پيدا موليُّ اورموَّنُ مِن آسفُ صَفرت ۔ قد شروع مِن اُسكو وكھا ہرا و. اُسفِ حدیث رکھی فراتے. چے كہ مین بالمسوس ل من مقاكسم قديم سعه بخارا كا ارا د هكيا اورراه مين شيح سراج آلدين برمسي كركا نومن مين مبو مخابه يط إكا كيرياسي اً گرجی نه چایا اجازت ماکمی ایب نے فرما یا کداس باشعین آؤا ورسیر کروا درانساجا نو کرخراسان ا درعوای اورسه مقام سركراً سقيمين سند مرحفيكا ليا بوكرار سينه كى ول مين نرحتى بخا راكى امازت جاسي اوردونين ون كيتينج ساج النا ه بالن مين را أسك احوال كوركميها كرّا ون كوميشيه كلالي مين شغول ريخ اورشنب كومبت بينيخ جسطره كر منيخ

ب بإنوككونيين بدلة ا دربير مي معنزت في فياكه مولا كامراج الدين بروى مرقندين ألبي تق اور مدرسه مرز النظيمة ن مرس ہوئے وہ کتے مقے کہ میں نے بینیم سداح الدين نيرسى كو دكھيا ہج با وجود كەعلىم مقا انكى محلبس ا ورائكى باتون مين اسقد رنک اد رحلاوت دکیجی که اکثر دانشه مندون اور در ولیشون مین بنین بخی او برولاناسرل الدین مروی فرمهت در وق يكن شنيه أوراس طبينه كى لمازمهت بهت كى كتاب مفاحص خواجهضيا بولدين عليه الرحمة بسير يلوهى يحتى ا دراس وييسيع لهشتخ مسسراج الدين سے لما فات تمتی اور *اُنظے کل*ام مین علاوت اور مجلبس مین بطافت توخانوا د کا خوا میگان فدس ایس ار واحهم سے اکھومیت عقبیہ ہ محفاح فرت فرماتے تھے۔ شیخ مراج الدین پرسی اس سلسلہ سے تقصب کہ بی ایکی محبث کا ارا ده كرناأسيوقت گوتن عبار د ديجكته يا تعبام و انكه با تدمين مبوتي تقى اُنسه مين <u>نه ا</u>سكام عبد يوجيها توكها جن سير مجيم الكشيب بوكه مبيط ن آنے والا مهوّا ہروہ میشینرخِر کردتیا ہرا ور مریحی حضرت فرماتے تھے کہ نتینج سمراج الدین برسی کیتے تقع کرایک ون نشخ ابوالحس عشقی کے اصحاب کی جاعت سے میری الماقات موتی انخون نے پرتصور کیا کہ شاپر اسکی ہوا مجهة موكدا كفين ابنا مرمد كرون كيف لكه الأشخ اب بهت وقت ابنا ضاكع مت كروكه يم شنح ابوالحسن كي سبت الم تفرف سے بیان کک عبرے مبوکے ہین اوراشارہ اپنے کلو کی طرف کیا و دسسری کسی چزکر ہوارے اندرگئج انتہاج بحتم سے کب مکن سجکہ اپنی تئین گنجاکش دیمین غیرت نے اسپرر کھا کہ اُسکے باطن میں تھوٹ کیا گیا کہ سنے گرمیا جاک كرخواسدا ورزمين بن موسنا مشروع كميا ا ورويتر كمسه بهيوش طيست رسيري والسيا تعرف كرنا جاسيني عقاكه المني موش في ا ومين حب وه مومشيار موسك كهاست ارا دت اورنها زمك راسته ريسكة مين نه كها كيومه ما كقد منين بوسم اور تمهارسے شنح الوالیس ایک ، و دان سے بی نی پیتے مین سے بیٹے ویز ون سے ایسا سٹا ہر کہ صفرت موں ناسعدالدین ا مره ابتدارا حوال مين شيخ سراج الدين سع مبت صحبت ركھتے تھے اوروہ طریقیہ ذکر <del>الا الدا لا الدر كا جواكھے سا</del>ا مين مذكور بوشنخ مسرارج الدين رجمه العدست سيكها بولين العث لامك اكيب سركونا ف سير اعتبار كرسته بين ادركري لاکولیتان راست پراورالفت کے ایک سرکوفلب مسنوسری برا ورا کدکومتصل کرسی کے جربہتان راست روات براولاا الدمى رسول الدكومتصل ولب صنورى كاعتباركية بين اوراس شكل كواس كيفيت سيريحا وكيت مین اور ذکرمین طرانقه مقرره سکه سائخه مشدخول موتر مین <u>-</u>

مولاناسيف الدين مناري رحمة العدتها اعلب

، قصبه منارك مبن جو ولاميت فركت كا ايك كا نؤن <sub>ك</sub>وا وروه قصبه آيا د مبيهم قندا ورنا شكندكے درمهيان او بارهميل مانتكمترسع ودرمع بيمولانا بطرسه اصحاب خواجه نزرك فدس التدسسره مصديين ا ورعلم ظاميروباطين عالم - واضح مبوك حفرمت فوا حد بزرگ فدس مره كى لما زمست مين جا رسولان مسيعت الدين مختوا كيا. بمبوب كم غبول انكيامقهورايك مردو داورمرايك سكاحوال معرقعوراسا ذكركها عاناسي مرمنين معدمولاناسيعنالدين

ممبوب قلوب تقيره مولاناسيف الدين منارى بين حفرت فواج بزرگ قدس سره كوأكى طرف توحب مناطراد رالتفاسته بت مقااه رحب ملک حفرت خواجه حیات مقعے مولانا آپ کی المازست مین رہے اور آسکے بعید آبھی کی اشارت سے فرت **غام علار الدین عطار قدس سره کی خدمت ا**ور لما زمت مین گذران کی حفرت فرمات میچوکه ولا ما سیف الدین ک **عليه إلرحمة عفرت غواحير كي ملازست سيميشه ورس وتدريس علوم تعاولة بن شنول ما مرجوا ورسولا ناعميه الدين شاشع اله نٹر بعین مولانا جسیام الدین کی ج**وا مریمزہ کے فلفاسے تقے اور ڈکر اُٹھا ہومیکا ہر ش*ناگردی کرتے سے اور حب جفرت* نواح قد**س سره كانتارت قبول يا يا** علوم سمى كے مطالع سي منح عميرا فرماتے تقع سولانا حميد الدين سكے مرض الريت مين تكر مرجان من من من من من من الدين كواضط اب عظيم عقامين في كما عندوم به كميافلت اوراضط اب وده علوم كرمين بعبيثيه أسكرترك تحعببل برطامت كرت مقع اورطونه أمتير تقركيا مبوك مولانا حسيدالدين ني فرما يا كريم دل متنطقه بین اوراهوال ول اور مبارسه پاس و هندن بین اسواسط اضطراب بوصفرت نے فرا یا کامه عت نرایج مال مین **معنورول کا ملک**ینوا برگا بیاری سکے وقت کرسب قواے د اغنی افروجی صنعیف بیو سکتے مین اورتسزل س<sup>یم ک</sup>ے ورصفته رول ببت مي دشوارا ورسخت نشكل سي ا ورسراً سكاكرابل المدسماير ون كر سرحا في الت ہیں یہ کدائی صحبت شرافین سکے ذریعہ سے ایک جرسیاری سے المتاہی اورکسیقدر علائق اُسٹے کم سوماتے میں ۔او پڑھفرت فراسقے تھے کھن لوگو ن کے اس طربت مین کلام لمبند تھے دنیاسے مباسنے کے دقت اُکربسب عامزہم كجهقة عقوا ودمنايت درمانده بإسته عظ سب سمارون اوروها ائن أسوقت برطوت تقع جرا مركداً سيكاحعبول أ تخلعت إورعمل سعة سوسمارى اورجوم اعواحز امراض اوجنعت مين كهيؤ كمرمسير موط الخعديص صبوقت كدروح برآتك مفارقت كيديسخت تربن مشدا كرومحن سجاسوا سيط كدأس محل بين كلعث اوتبعل كى ما قت ننين سجا ورسيحى حفرت فراتے تھے کہولانا رکن الدین خوافی کے انتقال کے وقت شیخ بهآر الدین عمرومولانا سعد الدین کاشغری کے مبرا میں **ماخری قا ورمولانا نواح کرمولانا رکن الدین کیمرمدو**ل سے یقیرا درایک غلام کرانکا ما دم بھا ماخراد رکوئی دوسے اتھا مولان*ا رکن الدین جوا ما مرغزا بی کی تحقیقات نظر مین نه مین لاتے تقے اُس وقت مین سوابیا ن اعتقا دا در امرا رکار تو علیک* اوركيج أنكوكام نرعقاتنام دمنيا سكركام اوربيا ننضل دكمال بيح مبوسك تشفروهم مولاناسيف الدين كرحفرت خواجه نركت سكهمنبول تنفه وه مولاناميعت الدين نوش نوان بخارى تنفه ا ورائكي ما فرى كاسبب حفرت خواج قدس مره مين يرىمقاكه امكيب وفت بخارا سے تجارت سے طور مرخوا رزم گئے ویا ن حفرت خواجہ علارالدین عطار قدس مو ك محبت مين ميوسني اورآب كم ملس مين أنبريرا الزطرا حبب بن رامين والبس آئده فرت خارج بزرگ قدس مرو **ک لما زمت مین حاحز مبوسکے اور آنب کی خبولسیت** کی سعاً دیت با نئی اور آب *سسے طریقیہ مامل کسیا اور طبری جدو* مبرس مشنول رسب اورتما مترميت سونسبت نواجيكان قدس المدار واحهم كى طرف سنوم ميرسي الدروس ان

قديم كانضلاطا درياران نديم كى انبساط ترك كى اوتنسير سے موں ناسیعت الدین جومعتبور صفرت نواج -*عن كد حفرت فواحه محدما رسائله جياسطن*ه دو **نون** مصاحب دلاناسیعنالدین خوارزم سے دالیس اَئے اورطریقی حفرت خواچربزرگ قدس سرہ کا اختیار کیا نوبالکل قدیم يارون سيدلمنا حيوطر وبإلك ون خواج حسام الدين يوسعن اورمولا ناسيعت الدين بالاخانه بالاتفاق مولاناسيف الذر خش خوان کے گر آئے اور اُنسے خلوت مین کها کہ ہم مایران قدیم ایک دوسرے کے تقے اور ایک دو سرے کی صحبت سيصبر منرئ اورمقون صحبت بهارس درميان مين است بين اگرنسير سعادت تمعارسه دماغ مين مهيخي ع تضحيت اور عبت كانفاصا يه وكهم كويمي أس سيراكاه كروشا يدكه بم بحى أس سعادت سيمشرف ميون بعدانيها ا *درا حرارتا م که کاس ولایت مین اس صورت ا* و اس کیفی*یت که انگیب عز نربین ا درعفرت خواح*یه قد*س* طرت اشاره كياكدانكي صحيت شريعية مين آثار بسعا دت اورانوار بداست بسيرً بين مولانا سيعت الدين بالاخان كها م ان يسيري بواكي روز و درير سامن آسكها وزي يوسين بيني سقط سرسه ول مين كذر اجاسي كرآب به يوسنين مجيع دير مفالغور مجیے دیدی اور بن اُنکی حقیبست سرگواہی دیا مہون سیس مولاناسیف الدین خوش خوان سے *کما آمکواوا* بهين أنكى ندوست مين ليجلية تب تنيون حضرت فواج نبرك قدس مسره كي حبت مين أسفرا ورفوا وجسام الدين يوسعت اورمولاناسيعت الدين بالاخاندنيزاك كطالعيرا ورقبول بست ك ترف كوفاكر موك ليكن ابنام كارمون سیعت الدین با لافانه سے ایک ترک اوب مبوائفاکه حفرت فواج کے موجب کرامیت ا ورغیا رفاط مسارک بواادس جو سے آپ کے شرف صحبت سے محروم اور مہجدا و رمقهور موسکے بین اور آئی ہجوری اور مقهوری کا باعث بیوا له ايك روز مفرت فواجه نجاراك ايك كوجهين مات تضحا ورمولانا مسيف الدين بالا فاينرآ كمي لما زمست مين تقط نأكا مشيخ محدملاج سامت سے فلا سرم وسائر اوروہ حفرت خواج سكه زمانه مین ایک سنتیخ مغتر بھے اوریم كوك أستكىم مديقته اورحفرت خواجسكه منكرون سعه عقاحب وونزد كميب بهوينجا حفرت فواحبث إقتضائه کرم ا درمروت کے اُسکی طریت توجہ کی ا وراکسنے گذر نے کے وقت اپنج جیہ قدم مشانیعت بھی کی تھی ا درمولانا سیعن الدین **نه اُسیراکنفانه کی** اوراست**ین**نئن درسیان لابا ور دنید قدم دیا ده مُشابیت کی عفرت خواجه کواُس بدا دبی سے جواس سے طهرین آل ٹری غیرت آن اور نهایت متغیر موسئه است کو است کو است الدین لمی*ٹ کرآت مک بهوسینے فرایا کہ ملاج کی تو نے مش*العیت کی اوراس سب*ے ا* دبی سے اپنے شیئن برہاد کردیا ہو، بخاراكوخواب ا ورايك عالم كو توسف ويران كيا حفرت في اوبسكنغيرا در تهر وغضب سك بدأنمين چندروز مین مولانا مسیعت الدین بالاخاند نه نه و فات کی اور بخی ن کدا ورنگ سے آیا اور بخارا کا محاصر کی اوربست آدمی

قتل مبوئے اوروہ نواح بہت ویران ہوسگے بعض مخدوم حفرت سے نقل کرتے تھے کہ فرایا ہوشنے محد طلع کے سا**ت** خلیفه نصفاول آنین کاشیخ اختیاراد آخری انهین کاشیخ سعدی پرسسی نتما ثینج اختیار بیزا دال من صفرت خوا حه مزرک می مره کی بهت لمازمت کی سردا در ارا دت او اِضلاص اُسلومه بت تقا او رانشیجه کی بات پرسرکه مفرت نواحه کی عبت باگزام ترک الازمة حفرت کی اُورِینی محمد طلع کی تحدیث کیوات زخ کیا اور اُسکا مریدیموکر تام دکمال طریقه جفرت خوادیگان قدیس ان ر واحهم کا بیان کرا ا در آنگی نسبت نتر بونیه کی تعتویت کرنا ۱۰۰ در حفرت بحبی فرما پاکرنی که مین سفه برا درطریقیت شیخ اضنیارا وكميام واكب بوارها بافنذه كقاشنع طاجي نامها ورده بحي اكب للفارشيخ محد حللج سيريمتنا اورمرومين سكونت ركهتها تفاكيمو بألك ا الموسوت ادر مسالح كام اپنے كے ليے جاتا اُس كام كے سواجيكے سيے وہ جاتا بنين مبانتا اپنی نسبت کا كا و محقا اور آسك غیرسے غافل برگر داہنے اور ایکن التفات کرنا اور سمیٹ، قدم برنظر مکھتا۔ اور یہ بھی منفرت فرمائے تھے کہ شنع برسی کہ خلیفہ آخرین شیخ محد طلاح کا بین اوائل حال بین حضرت خوا حبر بزرگ کا منبطور اور قبول محقالسکین آخر میں ایسی معورت واقع بوئی کدوه تعبی چلاگیا اورشین محدملاج کا مربدیم گیا اورین نے آسے مکھالقامیت بوٹر ها بروگیا عفائشسرے مين حبكي حفرت فواويزيك كربايس خماكم سن بمقاا ورآب نے آسكو ملازم والدہ يا اپني والدہ كلان كا كرمبت معراور سن فتيين كياسي اورحفرت فواجركا ايك باغ عقازرد آلوكي فصل مين ماغ كه اندرجا كرما بإكه زرد آلوك ماغيان ني روكا تشيخ سعدى نذكها اى بإغبان توثرا ناسمجراً دى سرمضرت نواجيعها كويمسير درينح منين ركهت توزر وآبو دريغ ركهتا كم حب بدیات حفرت نواج که به دخی اُسکا بهت بخسان کها اوراً کی نظرهنایت شیخ سعدی کی طون زایده مولی <sup>ای</sup> أنزيين توبب اكيسهورت دافع مبولي كرشيخ سعدى في حفرت فواج سع جح كرف كي ابط زت جاسي اوري عفرت فراحها دراصحاب كنز دمك استدنداكي مرحنيه منع كبابا زنريا ادرحب سفرحجاز سعه والس آيا حفرت خوج سے النات نہایا بیٹنے محد ملاج کے پاس گیا اوراُسکا مرید بیوگیا ۔ چوستے سولاناسیف الدین جو آخر کومرد و د میوگیا لڑا سیعنه الدین فوارزمی سو که نتروع ا حوال مین حفرت فواحه نررگ قد*س سره سکه ممیان مخلص*ان سعه تحقا الّااف**خا** ابك عجبيث غرسب صورت ظامر ببولئ كهنرون صحبت ا ورغد مست حفرت فواج سع محودم ومهجور سوكريا ورتسيكول مبارک سے گرگیا بعض مخدوم سفرصفرت سے نقل کی ہوکہ آپ فریائے کے کہ سبب اُ سکی مرد و دی د ورد ورا فتیا دکی ظ به بوکه وه کیجهی کیجهی نجارت کاکام کیا کراا درخوامی اساک سے فاکی نرتھا ایک روز حفرت خواجهی وعوت مع اصحاب کی اوران به مکان برلیگیا ا درحفرت خواجه اورانگراصی اب کا داب بدرا سرکه برایک، طعام کے بعدشمیر بنی باسیوه حامز كميا كرتبه اوخوبس كمحان كم بعد شيرني ياسيوه نهوتا أس طهام كو نقص كتته تحقه ادر فرا ياكرت كريه طهام بدؤم مهو ا اتفاقاً عفرت مدلاناسيف الدين أس روز كها فا كمعلان كم بعد كويرشيريني إسيوه ندلا ك حفرت ت مرسبل خوش طبی اور انساط کے فرایا کہ مولاناسیف الدین کھاتا تھی را بارے بدؤم سوا اُسکواس بات سے کلا اعتمارہ

رت نهاج اُسے یا گئے فرایا کہ آگھیں بارہ مزارد ینا دِسرا پہ روز کا رمو تو کہ یامبولور اسکی میاکہ خاط ہم پشدر یا بابهمرا باره بنرار دينار موجات توخوب سج لعدازاك حضرت خواجه في خاطر مترلعب اُسكى طرف مصيفها في اوليسكوا كي صح ين ا قبال نرع ا درآب كيمعلبس شريعية كالنجذاب جا ماريا و حرص تمام ال نيادي كيرجيم كريف مين أسك باطن ك جاگزین مبو کی که طلب دنیامین بے آرام موگیا اور حفرتا کیومت اور لازت ترک کردی اور بمبرتن تجارت کی طرف مترج مهوا امک ون مرواور مانان کی راه مین ایک کاروان سکه سانچه ایک سنره زارینایت سنرو فرتم کمکن رسه بهونخاور و با سروركى دجست سنره برلوط كركها كهسلج شيني يحيى كميا الحيي جنربي سجفرت فرطاتے به نطف آدمی بختاکه السی صحبت کی دوری او بهجوری سیم اسراترا و المهمين مبوا أوربيهي حفرت نيه فرماي سركه ايك دوسراتشخص للازمان حفرت فواحه بزرگ قدس سده سندا د اور خدمت کے ترک کے باعث مردو و موا وہ مولانا سیف الدین مناری کا بھیانجا مولانا شمس لدین فرکتی مبومولان سیعت الدین کے دو مجاسنے تھے ایک سولانا محدکہ جوان عالم اوتیقتی اور کوشانشین محقا اور حضرت خوا جہا تقبلا سيري ا درآب كظل عناميت ا درترسبت مين شغولى تام ركفتا بحفا اورد يوسسرامولاناتنمس الدين كرا كم يصان طالب عسلم تعاادر حفرت فواح کی خدمت اور لما زمنت مین بسرکه یا تحدا ایکیارگی اُس سے اہمال ا<del>ور</del>ستی فقد مین ظا ہر مہوٰی که اُسکی شامست سے نظرمبارک سے گرگیا اور تعیر فلاح اور بہتری ندکھیں اور وہ اسطیح ہوا سو کہ اہکے ث حفرت نواجه كريهان مهانان عزيزاً ترب تقدا ورآب روان دركار تعدا مولاناتمس الدين كوفرا با كرمله ما كاوت روان کو بندکرو اُسنے کو تاہی اورکسل کوسستی اختیار کی مبت ویر کے بعد آب کے ساستے اگر کما کھندھت سے مسبب ج مريدا ويرجها كمياياني ندلاسكا حضرت خواجه قدس سره كوآس توقف اوتفقمه يستكرأس سفطهورين أفئ كراميت ببوتی درایا کدمولانآسس الدین اگر توانیا کلاکاتنا اورخون اینائس ندی مین بها تا تیرسند کیواس سعه مبترمیرتا مولوینم لایاس فردگذاشت کے بعد*اسکو داغی مرض لاحق میواصفرت فواج کی المازس*ت سنے تک*ل کورکٹ مین اینیے امواس*ے لا سیعت الدین مشاری کے پیس گی اور این حال عرض کیاحفرت مولانا نے فرایک نیواج علا *را ادین عطار کی بھی*ت مین ما ادر بستدعا کرشاید کر آب تیرے اور پر رحم کرسکے میڑی سفارش کوین ا ور اسید میرکد آئی مرکبت مشنولی سع صفرت خواج زرا قصد معاف كرين مولانا شمس الدين فركتي انبه امون كفران كموافق عمل كريك بجارايين كلياخ اجمعوا با ك حضورين اپناءض عال كيا آب نے فرا يا كه بيكام موارسے ليس كائنين مېر خواجه علاً دالدين كى خدست مين ما يَ وه بحير فركت مين آيا مولانا سيعين الدين في كها كه مين في يقيعه فوا حرملاً والدين كى خدست مين بمبيجا محقا توديو مُركِنسوا سِطِكُ ترى كُره ويوكيكسيكي مولاناشس الدين بيري رايين آيا در فواج محد بارساكي خرمست بين ما ضربيو ا آتی سے میرخ آج علائزا لدین کا والدک اس مرتب جوفرکت مین آیا پیجراسنیا سون کے باس کمیا بعدازاک ایر

مبامنسيا مبواكه كولئ سعلوام كى غاط مين نريا تا مجد مكه نام اسنيه فرزندون كا نه جانتا مرقا وراس موانا تتجس للهريز فوا رعماد الملك سيربست دوستي تحتى جومفرت كرا قرباست تتم اورذكرانكا فيكا فواجه كالمهنين عبانت انكوا باكها كرسة مفرت اس بكايت كي نش كه معد فرمات عند كاولياكي خاطر كاحفظا ورأنكه احتام كاافقيا داوراً كي اشارت كانتقال س ا ورصاد قون برداحب برواورك تقديم مراوا ورمقاصد برنهايت لازم بوسد فريت مولانا عبد الغرزيما ري علیہ الرحمہ کو حفرت فواجہ بزرگ قدس سروکے لماز ان ومندام سے تھے فرائے تھے کر حفرت خواجہ او آ کے اصحاب کے طال**صح**سبتن **کوجانیے کرتین وسندگا و رکھے آول بیرکہ سرخدی کا م** مقبول کینکے نزد کی*۔ اُس سے ظاہر ہوجا ہے* کہ مزار و و بزار بار ت ترموماسدا دراینی ذات سے زیادہ کوشش خدمت مین جاہیے دوم ی*کے مرحنی عمل اس سے ایسا*لشا موكه أنظر د كاممل موجاسيميكذ السيد فهوا ورخوب ول كواني تبغيا ورفا لومن رطع ماكه مرد و نهوا وركسي ووسري طرف نه جائے تعمیرے جدا داد بیکم کہ فرناوین مالیسرگری المسیرتعا م کرے تا کہ کا سیا ہب سو ور شدہے تصب رہے۔ نواحة علأءالدين عطارقدس المدلعال أبكا أم محدبن موريخارى ہى جەل بن خوارزم سے بین خواج محد سے مین بینے سکتے خوا در شهراب الدین آور دوارہ أقدَفوا حِه علاَّد الدين حب خوا حِمَدسنا وفات ما أن خوا حِبطلاً والدين سنا باب كه ورشه مساكو أن حرينيين قبل كيمتى اورمجروانه مدارس بخاراسيد امك مررسين تصيل علوم كي حب فوايش طربي حتى أنجي فاطريعه سرزوم في توحفرت خواج بزرگ خواج بهار الدین قدس سروکی خدمت مین ما فرمپورکز اور علوم رسمی کے مطالعہ سے مینے ہی مغرت فواج بزرگ قدس سرون آپ کوسشه ون نبطر قبول کیا اور طریقتی لمعین کیا اور عمل ماطنی مین شغول کا مقا مات مين مُركور سو كرصفرت خواحدادائل حال مين خواحة ملكوالدين كومليسون مين اينيه ياس يُحتال قداد رومب وم أكلي مو<sup>م</sup> متوبه موسة منفرمت خوا وبسك معبش محرم سفانس بات كاسوال كما فرما يا كراسييمين اينج إس ثميلة الهون اكريوبراً إس نهكمائة أكتيفنس كابيرايكي كفات مين موبر لحفار كسكرمال كي مستجوكرًا مون ما مِنا مون كداكيب مظرروما. تشفرا باكة حفرت خواجه قدس معروكي امتبدا رملازمت مين شيخ محدور اسبنين في مجيد سوال كما كه دل تيريز د كي كنينية سے ہومین **نے کمیا اُسکی کمینیت مجیے معلوبنین ک**سنے کہا ول میرے نزویک اہ سدروزہ سکاشل ہے بعداز ان میں ہے تولين اوتمثل أتسكه ول كانسبت حفرت فوامبسك ساخة عض كى فراياده در ديش اغيرمال كانسبت بيان ك<sup>ا</sup> بحاور صفرت فواج اس ممل مين كمويد عقد اپني قدم مبارك كوميسه قدم برمكا مجدم بري كبنيت بديا بول كري يعجب كوان اندرشام وكراعقاحب أس مال سے إمبرا يصغرت خواجه فه فرا يكرنست پريوندو ديس ول كرمال كوتو كب ا دراك كرسكتا بدول كى بزرگى بايميزينين آتى اورسستراس مدسيت كاكدلاسيعنى ارمنى ولاسما فى ولكرسيينى المميزي 

طالبون كى ترميت فوا مه عاا دالدىن قدس سره كے حوالد كرتے تھے اور فرما يا كرتے كەعلادالدىن نے بہت مار م*يك كرويا بولاجرم ا* نوارولايت اور *اُلسكاة اُما مقام وكرال أخييظه ورين اَّستايين* اوراً نيج ممن صبيت ادج - بعدا ورفقهان مصقرب اوركهال كوسويني مبن ورورته بميل كاكهال يا يام بنت قدل وكه جارايين جهاعه ورميان رميت اورعدم روبيت حق مين محبث واقع موني اوجفيت كوفوا حبطا دالدين سع بورا عقيده متما جائنتك سائخرآب كى ملازمىت مين آكة ورحبت كوعونزك إوركهاة إلى مين سمارت درميان مكى إزاء سني صفرت فواجه في منكرا روست كوح مدسهب مغزله كيطرف ائل تقف كهاتم تتن روزستوا نزيمارے سائنے آئ اور محبت مين طها۔ ت كامل سے مبطيخ*وا و رحيب رمود ما كداستك بورسم مكركرين بيراوك تين رو زبرا بز غرت خواجه علام ال<sub>دين</sub> كي نعدمت مين آيا كيرو اور* حبب مسيح آخرر وزمسوم أنكالسي كيفيت مبدأك كرسي ومهوكة اورزمين مريست لوسله اوربوش من اكر تظا وركان گ*ریکه نمامیت میا زمیندی کی کومهم ایبا* ان لاسکه اس بر کدرومیت حق بیرا و رزان اجد صفرت نه احد علارالدین قدیم<del>ی س</del>و لی ملارست اپنیا و برداحب کی او آب کے آستا شرکے ملازم مبور کے کہتے بن اس محلس میں تعبفے اصحاب خواص فع یه بهت مرهی تنی سب کورسدانگه کویدت مبذه بحق کی رسد مسیرکنت برسکے سندشی صفاکی پینین ۹۰ تنزهمیه كورى برأسكي جوكيه بنده خدا كومهو بنجاكب إلى التريير كهربراكب كشيع صفا كه اسطيح 4 حضرت فواجه محديارسا قدس مده کے خط مبارک سے دکھیاگیا کہ حضرت خواجہ علا دالدین تدس سسرہ مرین اخریین فراتے متے کہ بی سیا ل عناست مصاور حفرت ثواج بزرگ قدس مروكي نظرسے اگرسم جابين فام عالم مقصور حقيقي كومبوت في جابيكن سبيت گرنه او التران الزاد و الفل ونیاتهام دنیا کهول مفرت فرات مفتح که مصنب رت خواجه محد بارسا قدس سده كوتوحها ومرافتهمين غيست بهيت مهوتي تنى ورحفرست خواج طاءالدين عطارقدس سره كوشعورا وروقوت . تام مبوتا اوراس صفت مشعورا وصحر کیلیبت ادر سکریے اتم اوراکمل باین کیا ہو۔ اور میمی حضرت نے فرایا ہو کہ بداذوفات مفرت فواجهها دالدين قدس سره كرسب أصحاب فيفواه علادالدين سعيعيث كي مجاسوج يس كم أكى شان لمبذي من كرينوا ومعدايرسا قدس المدارواتهم سنيكى س من نفائس انفاسه الشرلفية قارس السكرسره منى نربير كريجة كلات ترسى حفرت خواج ملارالان قرس سره سکه جوسحیت کی مجانس مین نرایسته بنیرمشرت خوا دینور بایرسا قدس سره نیر قلم منبر سکیه مین ا ور میشیم تخطه كهصفرت فواج نريرك مكرمقامات سبعه لمادين سكرن مهزنه وأحتين شند ليبضع بربين كعنفرت هواج محدما باسافتان رہ کے خطامیا رک سے نقل مولی ٹیمنا اور شرکا کٹنا میس مشہول میں تر بھیری کے اندر مکھے ما سقین س ر پیستی فرائے نکے کرراضت سے مقعود تعلقات جہائی کا نفی کلی از یہ در کریا ہجا در توجہ کلی ہے عالم *ارواح ا* دولی حقیقت کا بوسیمقعد و سلوک سے پیم کرمنرہ اسٹے اختیارا درکسپ سنند اُن ان ملقات سے جہ مانع راہ بائی کھڑ

اور سرایک ... بنای کوانی اور خلا برکیدر میں سے که گذر جا سے علامت اسکی ہو کہ دوقتلت الع بنین ہوا ور غالب بنین آیا اور عبرك بي مين تفسريدا وسفاظ السمين لبسته مسطيرها في الدوه ما فع ما و **بي آسكنط كي تدبركيديه با**رسي حفرت خو احداه تا يا : مناكم المينة اول كية كرييفلان كاسبرا ومثل ستعار بينة -رسة والأوات تقد كاتعلق بمرشر اكريه تقيمت مين غيراي وأفرين في كم إعليكن ابتدام ن سبب ومعول بوا وراكسك بهوا كية الملق كولفى كرنا لازم مهيجكي وحوداو رأتسكي مضا طلب كرني عايسييي ا ورمحل من تستكه اسواكولعني كريد حبر جريم بيرك فالتلكا رفتن يتكا فرانية يخفي كمنزب ومشائخ قدس المعدتعالى ارواحم بسنه كما بوكه توفيق سنى كم سائفر سوكسعطيرج روحا نيبت مرشد ی طالب کے سلے طالب کسی کے الفق ہر کہ جو مقتدا کے امرسے موید ؛ ت بغیرسی کے بھائنین ؛ فی اسواسطے کہ تعنیدا كى توج طالب كەسائىم چىدر وزسى زا دە ترسى طام بروكە ئىنتدا غركەساتەكەت كەمتوج رەسكتا سى يەللىلى تحاكه مولانا وا درك في جو قديم اصى ب حفرت خوا حر مزرگ سے منفے عليدالرم، شروع بى سے مجھے سى كا حكم كميا اور تونیق رفیق موئی حتی کرحفرت خواج قدس سره کی حبت مین تمام اوقات سعی کدسا مخرصرت بیوانی اورانسماسی لسیکومین کم جانتا تھاکہ بورا ایک دن سمی کے ساتھ *لب کر*ہ مو س رنشحته والميله تحفيكه والبيا ببوتا سوكه سعى اور توصيكه دريسيان اكيب عال طالع مبرّا مج ا درطالب ٱسع وكميته سرّكية بعا فإنتاكه كميا دكيت المراس جريس وكيمة سوايني مين نظركراسو النيكوكم وكيتما سوتورت مين موتاسوا مرعيروه مال مجاز مين موجانا مبرا ورطلوع أسكا اليُرْحدميث لفس مرجانا سرح اسب*ي كدأس مال مين قعدور إميا وينكيو*ا ورأس حباب مبون مي راحنى مواسواسط كدمرا ومموب برد ورتشف وأسكى عزت كابركه توجه سكرسا تغراسكى قديمين بنواسوا سيط كمعظم دام شبرلائق این صیفرسیت + سطے کدوہ محیرطلوع کرے بہان تک کدمال قوی موجاے اور دنیا یا کے اور محیوم وجد مین سنگر دوتین دن سع زا ده زحست نهین براسک بدستی مکدمو مایکی اس مدنک کدهالب ایندامنتیا رسدنا ادرفنار فناكو مهونتيا ميرسه رتشحه فردايه كرصب الك اور الكوت طالب بريوث ميره مواور فراموش موماسكة فناموا ورصب ستى سألك سالك بريمي بوسسيده موم اسدفنا دفنا مو فلا في سفه اس بات مين استان كياسيب أسيرفالب ميوني زاري كى شب ببيبت كس سے دور مودى اس كرده كا استفان جائز بنين مكاسى -دانشي للخواسة عقه كرحب طالب مرشد سك مكم اوراكسكى مدد سرائي تنين برايك ويسع فالى كريد وبمبت مرشدت الع موتى بوطالب كول من مرشيتكن بوماً البولس أس سدة بالغي التي وداموال غيرتناس كامور دموماً المي درصفيقت فيفس المسى بين كواسى اوركمي نبين بوطالب كى طرف سير تصور برحب طالب كرموانع كودوركوما مراتين طال أسيرطلوع كرك بواسطار وعاشيت مرشدك كدوه ما العمل جرت مواوركسي وجرست اوراك أس وجوداوها

رہیں۔ حقیقت کا نہیں کرسکیاربز دنی تخرافیک حکمت اختیار کے اوسیون مین مہت ہم دنیکہ موا نع طبیعت کے افسل مو گئے مین تة نوت اختيارا درجه دلسبارسه أن موانع كارفع كرنا جاسبي فرشته أكرجه طاعت تيريد إسكيه كيم بين اور نالفت شيط مؤ قصداً او رفعلًا بن كرخ ف اورشيت من بن اعتبارتمام اختيار كواسطابي سعاوت بن اورشقاوت مين في مين "ينزل بن رشخة فرات يتفركه طالب ايني ما حارى ا ورعخ كومرشد ك آسكه مهمشه مطالعه كرب ا واغين كرب كمفلسو دخشفكا وصول مسیر نبین ہوتا الا مرشد کی طرف سے اوراً سکے استرضا کے ذریعہ سے اور مہشہ طریقیے اور در وازے اپنے اوم بند دیکھیے اورانے خامرہ باطن کو بالکل اُسکے فدا کرے اورور شد کا مل کا علامت بیسج کہ طالب برحنیہ حالم اور عالی مبوا در دو کنیرها نها اور کرسکهٔ ام وه سلوک مین کوشش کر*سه اور بعد استکے حفنور باغیبست*ین مرشد کی روحا<sup>ن</sup>یت کسطرن تور کرست ده کوشش اسکی بانتکی موسوع کنگی اور اینچه کام کی فرلیبتگی اور بیاصلی کوتبل اسکے که توج برشند کرسیے فوب کھیے ا در دریافت کریے اور <sup>ا</sup>یا تعیق و تیجے اورخوا ہ کتنے ہی مثاراً تعطی کریے وہ تمام بمبغا ملبًا علامہ کما می مرشد اور اُسکی مُرفعاً کی قوت سیرے کہ طران سے بعد د جذبات اتسی مبدل موکئی ہومناست فلیل یائٹیکا ہے که اُسکے سالها سال کی سب مرشد کی ایک ساعت کومنین مهونج سکتی ۔ وتشخة فرات يتحكاميداسك سوائنين مبركه على الدوام مرافط اسنيا فغال كاقعد ورتجيرا وقص رسكه ابين ورآ وسعاو شكشكى دردرا مذكى سيعه لماحظه كرم اورائطا ف كاكريه اومحض لطف وغناست كى طرف نياه اورالتجاليجا وسه اورييفرت

غاجه بزرگ قدس سره نه اس صفت کا مرفرهٔ ما سو کر تجه میشداس صفت مین رکھتے ہیں ۔

رت عد فراسة عظ كه طالب كوط سِيم بنه غليب او رحضورا ورفلا سرو إطن من مصنات مرشع كى طلب مين كوششش كريم اورحرف عنايت المى سيمحل أسكى فظرصاكا ياتهج أسمحل فظرصاكا بإنادي شناخت كرااور أسكر موافق عمل كناج كرمل نظرضاكا واقع موا وروه نظر صابقايا وسد مهابيت ومثوار سج كرآسان سوحبب كدتونين ع سبحاند رفيق مرحك بريكنية

وه آسان برأس شخص كوسكوالد وزيل آسان كرفيد -

رتشخهٔ زماتے متھے کہ طالب بریہ وابہب ہو کہ تمام اموروینی اوردنیوی کلی اورجزوی بین بیے اختیارہے بہت مرشداد<del>ی</del>ا مرشدكو لازم بوكه أتنئذ احوال كم صبيح كميد ا وروفت سكصلاح كي نسبست ٱسكوبركا م مين حكم وسدا ومآسيكها موركواً ب مقرر کرسے ناکھ رشد کے اختیار سے آسین شروع کرسے ۔

مشحه فرات تفرك بي علم كي عانب كورها ميت كريا اور اينيه هاا كويوشيده بركعنا عاين يا والطريق سنه ركب يجي بنسیت اُسکے مال کے سنن کرنا جاسیے اور ساحبہ بول کی رعامیت فاطرا ورمیمیز اُسٹے آنرا رسٹھ کرنا ان ۱۹۰۰ م اگروه کے سائفرد رونی میونا کا م کو دستوار کریا ہو اسکے درونی کام باریک ترین اینکے سائفر خلطہ اور د کوستن کر اسوقت فائدة فخيتا كوا درمزياء الكاسبب بوكرأس مفالطت كرباعث آواب صعبت كوأ تكوزياده مهجا ثبين اورختيرها

آوین در نه زمایده خطر کا سبب مبوع تا منجمنصیریج بے ا دب را با رہنے و باار پ بود ن خطا ست ، ۲۰ طا سه او ب کیا ہ لیوستی اپنی کا ارب کے سائقر دکھیا۔ رشيط فرمات ببن كهافضل اوراكس احوال نسبت مين تغويض كه اند كونتش كرنائ تام امنها إورا داميآ اخر كراسي قاعده برقائم رسیرین بنده کوجاسیم که میشدا وال ظاهری وباطنی کی نسست سراحظه باطن مین کسب تفویعن مین رسنه قره کم ٔ ضنیارگذائس میرسز دمیواً بکرنشنویین که در به سه اسکوموانیه سه کرایج اور با نتااور <sup>به</sup> یا نتا برکدی سنه با ما استار استکه لیایی ې اٌسکا فتيارسيد جواَسني ولسيط موا دري<u>يمي طالب ڪ ذمر</u>ې که رشد کانسبت مدام مفورونيبت مين نېسبت اوا إطائي أتسى تغويض ككسب مين رسيو-رشین<sup>تا</sup> فرطا**تند کشے کرصفت سبایری کے دیکھینے سے مقصدود ف**لورسننٹ تضرع اور *زاری کا س*وا در تو سراہ ۔ یرجوع سی سبحانہ وتعانی ا در اُس دبیری صحت کی نشیانی میه که که اسکا ساجات کی طرف میوندخرا بات کی طرف فالهما نبور یا دنفولهآ اس مین حکمت به میرکه چیسل رضا و تکیمی نوشکر کیرا ورانسیرحاتیا رسیرا و را گرید مر رضا کی دارن جمه یکا و در کمی تعذیرع اور گاری کرسے اوری سیمانہ کی طرف رجیج کرسے ا وربے ٹیاڑی کی صفت سے دُرسے س وشحة فراته تفاكرسابن كى عنابيت ازلى كود كمينا جاسبيرا ورأس عنايت بدعلت كى اسيدوارى ا ورطار إكميدهم غافل نغونا حاسبي اورسابه منيازي سع بجي رسنا اورحق سبعان كانذك ونربرك بجحيرا وربستنغنا سه حقيقي كيزيسي يكا بمتحة فزاسته متفعه كدولاميت وبإن ثاببت مهوتي برجهان أسكوأ سبرنه تحديرتين اگرفتصور كذريد توبازخواست مهوب إسكتي ارمهیمین آلا ان اولیا را در لاخوت علیه ولام مخرفون فراتے تھے کدان لوگون کوظه وطعبعیت کاخوف بنین مج مبوصب کیکی الفائی لایر دانی اوصافہ لینے شخص فانی اسٹیرا وصافت کی طرفت اُلطا بمنین بچیارہا تا۔ شدین يشخه فواقعه تتفك كماطن مين العدكم سائته متمسك اور واركرفية رمينا بإسبيا وبطامة بن متعاجبل التير يفيز كلام الع ان دوسعنت كاجامع موناكمال بوسبت جمع صورت إجنين فأرر ست به نميست مكن بزرسا لما شفه شكون ترجميه اليبي صورت اسيعيى منى رُرف + وهي إوسد موجوسلطان شكرت +-رتشخيم فرانته تتع كمغرست مشاكخ قدس السدقنالي اروادهم بيكه مزارون سند زائرين كواسيقد فيفي كما بجاؤاس بزرك كيصفست كوبهجا ابجا وأسح صفت بيرتع جركءا ورأسى صفست مين درآيا أكره سننا برمقد سدمين قرنظ بري كرمهت كيم آثار واخبارين لنكين ورحقبقت ارداح مقدسيه كى توحه كوظائرى تؤدانع وز أنم نيين صديث منوى <u> صلح السرعليه دسلم صلواعل حيثم النتم</u> در و دميج بمريء اوبرجها ن کسين تم مو دلسل اس کلام کې ې اورايل تبور کې مثال صورتون كا وكيمنا اسكم مقابل كم متبيزى كم أنى صفت كوأس توجها درزيارت مين مجاسة اسكسواخرا وزرا قدس مره فرائل تحفظ ت سبعانه كامجا ورموناخل العدك مجا ورت سدا و . اين زاوي بيت اكثر آب كى زبان بكذر أن عما

ت تو تاکے گورمروان رامیستی + کرد کار مروان گرد وربسی ترجیه طواون، گورمروان مایرکه طوا ف كارمرد ان مور با فى + اكا بردين رصوان الدولميم احمهين كمشابركى زيارت سيمقصود توديحي بونی چاہیے اور روح اس برگزندہ ت کو وسیل کمال تو حرکا کرنا حس طرح خلق المدر کے ساتھ تواضع کی حالت میں حرز بغلام تواضع باخلق بوحقیقت مین حق سبما ندیکے ساتھ ہوا میواسیطے کہ توافث کچی تب ہی لیند یہ ہو کہ خدا کے واسط مج وْوعل اس وم سع كه أكوآ أر قدرت مكمت كامظرو كميد ورسه وصعط بورى ندتوانسط \_ رشتحة فرمات تصكرط لقيم اقبه كاطريق لفي اوراثبات سيداعظ موا ورمذب سد ترسب ترسى سطريق مراضه سدمرتبه وزارت اورتفرف كو لمك و لمكوت مين بهو تخ سكة بين اورخط ات سے أكابى موتى ہجا ورخشش كى نظارى وكيمنا اوركسى باطن كوروشن كرنام القبدس دوام سة بداررد وامهم بيت خارا اورد وام قبول علوب كالمكينزا یر حاصل ہوا وراس معنی کوجمع اور قبول کھتے ہیں۔ اور فریاتے کتے کرآنیا زمین حبب خوارزم جانا ہوا اصحاب سے برایک کے ساتھ اشتغال مباطن کمیا جاتا تھا اینچا فتیار سے اپنے باطن کی آز الیش کے لیے کہ آیا آس صفت کو بقابي المنين أس شغل في شرا فائده كيا اوروه ملكه اق راب ر مشخص فراتے تھے کہ فاموشی چاہیے کہ تین صفت سے فال ہنو با خطرون کی گاہرا شت یا فکرول کامطالعہ کہ كول موامرو إا حوال كامشابره جودل بركذرسق مين -رتشي يمط فرمات عقد كه خيط الت انع منين بي أكنيه ومشوار به اختياطه ي بكى نفى مين مبس مبرس ميم رسي ا مأ كم خط<sub>اه</sub> اُسکی نسبت گذرا **گرمخه رابنین خطوات کو روکن سخت کا مهم اور بیضے اسپری کی خطرات کا اعتبارینین گروه کو** بخاميم كاستقر بروما سه اسواسيط كهاستقرار أسكامهارى فيفن مين سندراه مبونا بوكمندا احوال باطني كي سمينة يتنج رنے رہنیا لازم ہج اورسانس کے مارنے سے اپنے تنیکن فالی کرنا امرمرشندسے صورہ نعیبت میں ظاہرا اُن فطرا آ ونغى كرسيه وجراطن مين تمكن مبو كرم بين ا ورسب يه بوكر مرحني اكيه عورت كے لباس مين موال برمروفت اینے تیئن خطرات ما نع سے موتھکن معرکئے ہین خال کر نا عاسپیے۔ رمشي افراته تصرك اكرميات واق موانثارا للدعووهل مهلاط لقيه حفرت فواحه بزرك قدس سره كالزمر نوزنده مارى كرنا جاسير كرترست كرسليد مراكب خطره برمواخذه كرا انها بوا براور آخرصات مين اطهار لما ل كرست يقي أس انته خال سے جز ترمبت خات مين را اسوا سط كريو كي أكر به وخيّا سر أسكى رعابت بنيين كرسته-رشیخ مفرت خام بزرگ قدس امدر مروسه بار بانقل کرنے سقے کرعبا دت سکے دس حصر مین نوحصاً نمیج

رطلب ملال مروفرات تقطه كدكسب كي صور تون مين سير كساني ا ور باعنا بي اس زمان مين كنبت تجاريك

لزدمكيب تريبحسب

منترسی فرات تقے کہ صحبت سنت موکدہ *کو ہرر*وزیا دو سر*سدر وز*اس گروہ سے صحبت رکھنی جا سے اور حفاظمت *اُسکا آ*داب کی کرنی لازم میرا ورجو ظاہری مجعد دافع مبوہر میں نے یا دوسرے دمینے اپنے ظاہری اور باطنی احوال سے کمتو بات کی حارث اوراشارت مس*داطلاع دینی چا سبیر اوراسنے گو*اُنگی طویت تر جرسے مشغول میو نا تاغیبت کلی واقع میو ۔ ر شخه العرب نواج علاد الدين قدس سره كي صحبت مين لوگون نه كها كهمطلوب نهايت باعظميت ميم أسكه طلب كي جمکوزبان نمین وه طلب بھبی آپ کی عنامیت سیر ہج فرایا ًا نیرزبان قالجمیت کی وج<sub>ه</sub> سیر سوم**اصل کرتے ہی**ں اؤ طود شيم مين اوينيين بيجا سنة اوينين جانت كركهان سع برس رشحت فوات مختے کیرج میں اسکا ہوتا ہون کہ جواس طریق کی تقلید کرے البیہ تحقیق کو میونجیکیا ورفرا اوغرفا ام ازرگ قدس سرونے بیجھے اپنی تقلید کا امرکیا اوجیب جزمین اُنکی بیروی کی اورا ب کرتا میون برانگنیه اثرا و ر ننت*واً سكا التحقيق مشايره كرا بيون \_\_* رنشحة تراغ يقف كاس گرده كومقاتم لمون كے سوائسين شناخت كريسكتر اب مجيم معلوم متراس كرانگومقا تمكين بيان بيان سكتيب ى نىڭگومالىتىكىن بىن يا يا دېقلىداعال كى نەيىرەر ئامكەزنىلقى كەبرىيىخىلەمىن گرانگە يۇغنا يەزىبايى امدا نىقىرىن ۋ د کھلائین سفتم مواکلام آئی*یا قدس سرہ مجنفی نرسبے کہ لموین مشائح طر*لقیت قدس ای*ددار داحیم کی اس سے <u>عبار</u>ت* ہو کہ مها لک کا دل اُن احوال مین جواُسیر گذرتے مین تھیرا اور گھومتا رہیںے۔ اور بعضو**ن نے کہا کہ دل کا تش**ف واحتجاسب بين گردسش كرتا بواسس سبب سے كرصفات نفس كميوغائب و ركيونظا سرموت مېن ا درالتېر سالك كواس منقام مين شناخست كريسكته مبن بإنجهبت كراموال آسكے صفات متقاطبهبن عبيبي قينس اوربسط وسكر وصو وغيره رنگ برلته رسيته مين أوركيس أبحى اصطلاح مين است عبارت موكيم بيشه كيشف ستيقت كا أنكير موياي بالبوح كردل أنكاموطن قرب من طنكن مرا درالبتراس مقام من سالك كينين بيان سكة اسداسط كرسا حسكمين منته علم سقه كوم يعظ كيا برا وركها في بينيا ورخريد وفروخت اورسوف ادر جاكن اورتمام معنات نشرى مين شل ابل ظاهر میوگیا بردا در این کمین کی تقلیدا مورطهی اورازک را صنت اورمیا بدات مین باعث فطرز ندیتی کابرمبیدا که متا غواج علادالدين قدس مروسف فرمايا بولسكن حبكة تلون كواس معنى مين لمين جواصطلاحي قطب المرحدين غوث المحققين من من الدين بن العربي كا بهوا ورائط مقلدين كا قدس السدار واحد تواسحاب ثلوين كي معرفت صاحب كلين كي لتناخت كتشكل ترس اسوا سط كاحفرت شيخ قدس مسره انجا صطلاب مين لاسكرين كواكر سشائخ كانزه كيلي ايك مقام اقص بولكن بهار من ويك سب مقامات سر اقفسل اوراكمل برا در منده كا أسمين دسي مال بروق نه اپنی شان مین فرایا سی کلی بیم مهوفی شاین ترجمه برروزه ه ایک شان مین بی راوگیمین میامه میز دیک تا مون مین

عهد منگن اور شغر بونا می سدخرت اُستاذی مولانا رضی الدین عبدالعفور طبیه از حمة فرائد کتے کہ حفرت بیخ قدس سرہ نے منگن اور سفر جاہدی ہونا ہونی مولانا رضی الدین عبدالعفور طبیه از حمة فرائد کتے کہ حفرت بیخ قدس سرہ نے جو فرما یا ہمی کہ اور کا مار سرہ ماراک اور اکا تا ہیں و فایث سے معلوم سو ملکہ دار دیہ کہ حقیقت اور می کی ہے رنگ اور افسال کے مطابق موجود اور کہ عبود ہاں اور افسال کے مطابق موجود اور کے عبود ہاں اور افسال کے مطابق موجود اور کے عبود ہاں کہ کہ موجود ہونی میں ہونی شاق واقع ہود ہاں میں دور اور کے معلی ہونی کے معالی کا میں ہونی شاق واقع ہود ہاں کہ دور اور کی موجود اور کے معالی کے مطابق میں کہ میں کے مطابق میں میں معالی کے معالی کے معالی کہ اور شدی کی سے دار میں میں کہ میں کہ موجود کے معالی کے مطابق میں کہ میں کہ معالی کے معالی کے ایک کی کے ایک کے ایک کے ایک کے ایک ک

حفرت خواجه علارالدين فدين مكرم وكروفا تطبيان

عفرت نواح محدبارسا قدس سره كخط مهارك سے دكھا گيا سى كەھفرت فے آنزى مۇن مين اسحاكي فرايا تغرفذ ظامرك جوميرسدا وبرگذر اس انبيرصال كواكسيرفياس كروحفورظامرى ا ورباطني كى رعايت كروم ون درايشا مبوا ورفرهٔ یا که د وست غرنر مکی و اور جانبے مبین ا در تحقیق وه عالم متبراس عالم سے پی سنره زار نظراً کا ایک شکرا کا سنبره مبحز دایا ما کرمجی احمیی سم آس مالم کی کیچر رغنبت بهنین ریبی اسکے سوا کرد دلست آدین ا در محبھ نیا دین کیستر میون ا در لمیش جامئین سدا دراسی مرض مین صحاب سے وز با یا ہی کررسم دعا دت کوچیور ود اور دو فلقت کی تیم مج أسك خلات كرد ا دراكيب دومرسد كر موانن ربوحفرت بني صلے الله طلبه وسلم كى رسالت رسوم دعادات بشرى سكه دوركريدند كريليه بي مراكب و ومريدك مقابل مواور ومردكا انبات كروا ورسب كامول مين غرميت عمومًا ا وكيميي ترك محبت كمرو ا د روباتين كهي كمئين أُنيراً كرمستفه مواكب نفس كي استفا ست تمها رسه كولسي ماصلات بوکی کرمری تمام عرکی ماصلات برا وراح ال تمارسا ترتی مرموسکے اوراگران وصایا کرجیوٹر دوسک توریشیان موسکے۔ ا دراس عصدین کلہ توصیہ کو جلاککنا شروع کیا اورآخ عربین اصحاب کے روبرومیری نسبت ذ ما یا که با پئیس برس سے زیادہ مبوئے کہ میرسے اُسطے درمیان دوستی مسدفے المدیخفیق وہ ندید کیکی اورمرسانعانیا سيسر سديق مين فرايا كمين اس سند راحني مبون عبييه كدرسول الدرصل الدير عليدوسل مرحني المعينم س يقط - ادرايك مشب ميرسد اواكك ايك بات مولى كتى ادراك سفي باطن كالسبت سيمشون كيامثنا اوراتحا دمين بإت كسى ا وروه بإت قاب توسين اواد فه كمه مناسب عتى عليم وقت وه رات يا دكى اوركها مرس ا دراُستے درسیان ایک شب ایک اِت موتی مجا و رو**د جانتا ہجا در کوئی اُس ب**ات کونسین مانتا ا دراس اُستی

زهیُرشُحات اُرد د زهیُرشُحات اُرد د

سلیے یا دکیا اور فرایا کہ اگر مورت کسی عتا ب کی تھی اُسکا باعث نبت *اور*شو*ق بحقا اور آخری مرفن می*ن ت یا دکریا خلاصه بیرکه آید، کی خاطرهها رک کومبری طرف بورا التفات بختا اور پیجنے جوامبید واری سی اس بات مهر مهرا وراً خری مربض مین آپ کی باتین رصا و و مهر محبت ویشوق مین رمین ا و کههونصینت ا و ر*حاست ا وروعا* نیرطق مین تعین ائمین سے ہوآپ کی زبان برگذرین سیسبت برمنظم انسیتانیم وعشقت آش ست ، نتنار کان اش ندر به به ترحمه - منهمیتان اور تراعشق اگری<sub>د ب</sub>ه دیجیجه بین فرمین کب اتش نگ + ۱ و مرض کی شدت مین ماری<sup>ا</sup> سقه ينج كديس خدمت مين لا مرابطن كاميلوان رما مهون الم من مزيديل من مزيد يفخير اور كويزراده بحاو ركع يرز! ده كثرت سع كنته تنفط اورحضرت نواج بزرگ قدس سره كوموجو ، ديكيته مقط اورائط ساته باتين كهين اونيسني مبن اوايني به اختیاری طبافه اور «بینهٔ بین ساین کی بو میرب مبافه ار در خیرمین د و فرنتی مبوسهٔ مبو ایک بات برر مبوکرمین جبی ر معرن اورمرض سنه دس میزر « دن میشیترجانی اختیار که یا سرا در تاکید فرما کی کراس ا**ختیارست** نه بمیرونگا آمور. گنشکستگی کاسخت وردسرا ور در د کربهقا اورآپ سکه دم اُوشنے کا وقت شروع پروز دوست نبه دو سری ما ه حسب بزی تماه داله قرار کوسفرکرنا نماز مشاکه بعد بایرشینه کیشب سبیوین رسب. و اقع موگی ا در روضیشه آنيكا موضع توحينا نياك مين سرك ورحضرت خوا دبن إير ساقة بس المدرتها كميره سنه كلمها كرامك درونش قبنها ممانا و *در ولیتان حفیت خوا حبه قدس سره سکه جا*لیوی در زیر کر قرسی بعد د فات آپ کرشب شدنه ایمها میسویی میا بسال مذكر رسة مضرت خوا حبركو دا قعد "ين دمكيما فرا با خواجية" بن عناية فرمايا بالإتراش مسيه بمرجوا عنقا د**مها ن كا**لبحر رمایا جو کھے کھناتم میں جیومر آ ما سون ایک سوزان آپ کے سامنے ٹریکھی اٹھال دکھری کی وفر مایاس بات کا ظہوراً س ں پرنیج جوانس سوزن کے سرے پریسیدها کھڑا ہوا و رکسی طرف کو ندمجھکے۔ اور پہنی حفرت ذیابہ نے لکھا ہج . - فرت خواجه علادالدین قدس المدرمر فی شوع شعبال خدات مشویجانو برمین سات برس قبل از دفات ویا نیان سندنجا بط*یا س نبیت سے که حفرت خواجہ زرگ قدس انسد سرہ* کی زیارت کرمین اورانٹھارہ ون کے بعید میں کیے اورا والل شوال مین مراحیت کی عیدالذ طری شب کرنجا رامین تصامک نوآب که درولیندین سے اس رات واقع مربکیا للا كمينا بيت بري رسط هر اوجوفرن او ابنلا الدين حضرت واجه بزرگ قدس المد تعالى ميوا كه سائحه أس إر كاه كه باس بين معلوم مواکدوه بارگاه حفرت رسالت نیاه صله اید، علیه وسلمکی موحضرت نوا دینرگ آس بارکاه مین مربیته بسد لهم سدعلى وسلم كى لا قات كوسك ا درىددا كمه الاصدك البراك يوبت منتاش ونشاش تضدا ورفه الا كه يجيه سرمينة على كەرىتىنى*ق مىرى قېرىيەننلو فرىشگ كەاندرېرط ف سەسوالسكى بىن نسىغا عت با* ذن *الىي كرون اورزدھا ركو ما*لىس ، سك اندرك سي دواسكي قبرس مرور مرشد بشفاعت ديا اورمير معان دما بعان سد اد سف ورجه وإسل كواسكي قرست ایک فرسنگ کے اندرکا مرتباشدہ عت دیار

. واما دحىفرت فولى بزرك نواح بهاءالدين قدس المدرس مكا ورفرزند بزرگوار مضرت فوا يرعلاءالدين عطار کے اور آسکے ٹمروسٹیجو فابیت کے میں اور منفرس مین منظور نظری این مفرت خواج نرگ قدس سرہ سمے معبو کے مقامت میں ا ہوکہ ایک روز فواجسن لڑکون کی جماعت سکے سائھ مانع مزار مین کھیلتے سیتھے اور ایک گوسالہ رمیوار موسلے مطا ا ورائے آس ایا باس دوئرتے تھے اسی درمیان حضرت خواہ بزرگ وہان لایوسینے اور اُلکولڑکون کے ساتھ ہیں مدرت سے دیکھا فرایاکہ قرب ہوکہ یہ فوکا سوار مہوا درشہ بان باشوکت اسکی رکا ب میں م**با**دہ دوڑین اور بھمیت به نواح سن خرا سان مین آسے اور لیے تما غان مین سرزاشا پنج سے لافات کی مرز اسفاد کیک نجی معلوز مرزم اور تخفه سكيني كن كيا اور بهايت خاوس سرجومرز اكوآب كيسة خدنها جائج وفود آنكوسواركرامكين مرزا آسكه آيا ا ۵۰ تا مخارمین رکاب خیر کی بی اور دوسرے مانخارسد اُسکی اِگ کیری اور آپ کوسوار کرایا**س موقع مین خ** نے سرکھٹن کی اور میرزا انسکی مالک کمڑے سیوسکے چند قدم آپ کی رکا ب سکرساتھ دوجے ایسکے معید **نوچی اآپ ا**ترس ورنجا راكى طون ن كريسك نيا زمندى اور تواضع كى اورحكايت الميطفلي كى اورسواريو ناكرسالدريا وروعده حفرية فأ ما آپ کے لئے کہ شابان ذی شوکت میری رکاب مین دوٹر شیکے میرزاسے نقل کی اوٹھ کی سکتی کا مجید ظاہر ہوا آگ حكامت كام نااه دأس صورت كا دنجيهٔ ما مزين كى زا دت لقين كا حفرت فراح بزرگ تدس مروكى نسبت موآ مغربت ي ومهمّات الانس مين للسنُّوم ين كرحفرت ؤاجِس برّا بذر ركھتے تختے ا وَيعفت بذب كَ سَا يَحْرَصِونت لها با پیوتشرف کیاسی ا در *آسکیمها م*صفو*را درشورستداس عا* لم مین کیمیت بخودی ا دربه شعوری *مگرساخی پیخ*ها بادی غیبت ومزاکا دون کریسطرابل میدایک کوشا و وا در شدی بره کے بعد میری برکھیا یا برادرا ورا والنه دا در خواسالن مین کیفیت اسکے تعرف ک طالبان دزایران مین مشہورزی، چیشخص آپ سے مفیاخه شدم مشروت میرا ب اور ببخودی کی عاصل موتی ایسا سنا سرکه اکیب د ن مبحکه طرسے باسر **المی مورا کیسی**نیت الب كمينة يقاصكي نغالميكا وريج كني كينيت بنيودى أسيرهال بوئى اوربخ وكمرفرا آكيد رونشون سعه اكميشخصغ لى غزميت سے مرات بيونياً آثار مغرب و بيخودي وجرت سے آس سے طا ہر تھلىمنى جوبازار وان مين موکونيكاتا ہے ملم بوناكرا سكوامر باطني كيرسه موسكر بجرا درخلق كى آمدورفت ا مدأكلي تفتكوسه أسكو فرندين بج الكيب والبيا لمسلم كا تقاكم بين أكلي فدست بين ما ياكرًا فراسة من كاس ورويش كاكام حرف يه عنا كرم ورث خاوجس دافته کرا اوراً سے نگاه رمکمنا امس نگا براشت کی برکت سے آب کی صفت مذہب اکسین سراحت کی ہج رت فرا وصن سف ا کمستخص سک التاس سے جواکا بروقت سے عما اور آپ کی نسیست کے ل و ملامی السكومة طين نوائكان تدس لعداروا مهم ب الكيفت هرك المبين مي اوراسين سطين مين عجريستمن وتبرك لكيع والتي مين -

بحرماننا فإسبيكه طاتفه علانسه كاطربق سلوك تمام شائخ كاطوارس بالاترم قدس المدار واحم اورقرم ل اعلے كيطرف سركدوه الديرسبوانه تعالى سراسسوارسط كدوه أعضا كا يروه تعينات كا حيرة ذات ال ، مین سراست کیے میوسئے سراور وہ بروہ ہرواری موست اور فنا در وحدت سے ہم بیان *کرکٹ* انتکے جلال کی مروشنی ٹایان مہوا وراکستے اسواکو ملاوے۔ اور درحقیقت مشاکح و کمرکی نعایت سراکی مِرایت طریقیه سوکسوا<u>سط</u> که اول اُنگی آمدهد فنامین سجا و رسلوک اُنکا بعداز عبز سبح لینے تغصیل توحیہ نجل کرآ دُ وعالم کی بیدانش سے میں مقصو دہرِ۔ ما<del>خلقت الجن والانس الانبعبد ون ای بیبرفون ترحمہ ب</del>نہین *بیدا* جنات اورانسان کراسلیے کرمیری عبادت بین میری شنا نت کرین صب چاہین کراس نسبت شریعن کے شغول مون تواول جاسيميركراً سشخص كي صورت مبر يعربيانسبت بي وماطريين لاوسي اكددولس پیدامبوعیرا*نس بنید دی کاسانتی مهوکائس صورت اورخی*ال *سے کدروح مطلق کا آئینیہ خلفط دخل*بی کی طرف سنجیم ىبتە كى قو*ت ز*ادە نېوگىشوراً سكاس<sup>ىل</sup>لم بون اورانیشین اس بنودی سے حوال کرین اور حسف راس کر لسه کم موتاجا بگااسی کوعدم ا درخدیت کنتے بین ا دراسی سبیب سیے کما ہج بہیشت نمیستی کا جوکرسکے تو وصل <del>ا</del> كام مردون كاكرسيكه تواسل + ا درجبب اس بنجودي كوميو يخ مات كروجو دغر كاشور اسلانر بير نناأسكر كته بين ا بولانا جلال الدمین رومی قدس سره زناتے مین سبیت سپاس ن عدمی راکسیت ابربودید زوّد ت این عدم آمرهان این متعلل بهر کها عدم آمد وجه د کم کر د و به زسی عدم کرم آمروجود از دا ذر د تیجه مدم جرانگیاستی مهاری سکانگر به استی می می می می می میم و جماليسين عدم آبا دجود ميوانس كم يحب عدم كمرشر حالت بعث ابنا وجود 4 آور مال عدم كن ترقى اعداس أسبت كا ذرك ورظه وصنعت بنورى كمقدمه من حفرت فواج نبرك قدس مروسفه فرايا ومصرع مرابان وفود رايان منووى وم الرفطره تشويش وسد توحفرت مرشد سكرضال سكه ما خركه في سے اميد سوكرو فع مو در ننز ماہيے كذبين ابرسانس كزفر يسي حيومرين حبس طرح كرد ماغ سيوكسي بيركون كالملتزين أسك بعد بطريق فكركور شغول مبون اوراً كرخيطره اليهابري إراً ا*هُ سه نوچایتی که تخلیه بطبوق مذکور کرسک*ننن با رکیم<del>ه استغفراه به داری اور دو آا د دخاراً وساسها ۴ نارآلاحران ا</del> فرة الابالمد آوردل كوزبان مكدموافق كويداورول مين يافعال ك ذكر يده شغول مجاوسوسون كروفع كافراقاهده براس نسبت کی مهارت اسطیح کرنی جاسیے ککسی طرح اس نسبت سے فالی ننوا در دیک دم کو خانل ننوی پرکسی طاق سے کا م کرے اور مہنیہ ما خرر کر گوشہ شہر ول کو اُس نسیبت برر کھے بازار مین اور آمد دفت و فرید فروخت کو انداد سوسفين أسوقت كك كريصفت اكمكرموط سدا ورجب كيبي باستركهي مهم من منسغول مرتينها سيت زارى ستع المني حفرت بامومين ميرد عابرسط كم اللهم كن وجيسف كل تبية ومقعد ي في تعدد فايتر في كل سي ولما ) ولاذى في كل مشدة ومم دوليل في كل امونوك نوسا مجة وعنا يته في كل حال مفرت فه ا وجسن قدس مسه و

الشيخ تحب والرزاق رجنة المدتعالى عليه

به خواجس کے بڑے اصحاب اور طفائے ہیں ورس کسبت میں اکا طابق رابط رہا ہوا کے وات معارت اس برمزی قدس سرہ کی ملازست میں آئے مفرت سیرنے آنے کہا وہی نسبت اورط لفتہ تعاما خوب ہوا و ر اسکی ورزش طرابق رابطہ کو ب خوا یا سے صفرت نے اکیے وں اُس مجلس میں کہ بست اوری شے فربایا کہ اتبدایت جماداتها ق معربت کا ایک شخ کے ساتھ ہوا فرایا کہ ہم اُسکانا مہنیں لینۃ اورائس مجلس میں اُدی ہے فربا کہ انہ این معیت بمیت عالی تھی اور بہت اوری نزرگ موجو در تھ مین نے اپنی کسبت تعرب فل سرکرے اور وست مروبیا معیت بمیت عالی تھی اور بہت اوری نزرگ موجو در تھ مین نے اپنی کو اپنی کسبت بھرکہ یا اور اپنی نسبت کو خوب مفیوطی سے مگاہ مرکبا وراہ اس بات کو پاکسا اور زیا وہ کے وائد میں نے سبقت کی اوریرے شانہ پر داور وست مہار امریک کی افرین مارا کے اور بڑا ایسا سائر ہوا کہ بیا اُسکی تھردت کا و عدکیا ول میں متا بھی کہا یا ورتو کی اوریک بھی اور دوریت کا اوریک میں بیشا نی براکس و میزندہ مواجن میں بھی شدوری اوریک میں نہ مواجع کی بھی اوریک کے اوریک میں بیشا نی براکس و میزندہ مواجن میں بھی اوریک اوریک میں مواجع نوری کے سے میاب اوریک کے اوریک میں اوریک کے ایسا میں بھی اوریک میں مواجع نوری کھی ہے میں میں بھی اوریک کی اوریک میں اوریک کے اوریک کے اوریک کی اوریک کی اوریک کے میاب کی اوریک کی دوریک میں میں کی اوریک کی اوریک کے میاب کی اوریک کی اوریک کی میں کی بھی اوریک کے میاب کی کا دوریک میں میں اوریک کی کا دیک کے کا دوریک کی دوریک کی میں کی کیا کہ کی کے کہ اوریک کیا کہ کیا کی کی کے کہ میں کیا کہ کی کیا کہ میں کا دوریک کیا کہ کی دوریک کی در کیا کی کے کہ کیا کیا کہ کیا کیا کیا کہ کر کیا کہ کیا ک

ترويرشات اب و ز

كه پیرا ورعزیزیمنا أخركومین سفه استیکی والدگیا تا كه جونشرف ده چاسه كرس وه اس بات برمانهٔ بهوا بجرن و نسسکه در پرموا با اندیکام نکرسکامیمومشرم آگی که زیازهٔ علی مربعین اُسیرو قدیت آبیما اور با بیرسیلاآیا

مولانا حسام الرس بارسالمخي جشان تعالى عليه

برحفرت خواجه علامالدين عطارسكه فلفاسه مبين اوراً فازاحوال من حفرت خواجه بهاءالدين فدس سعركي ت این مشرف بشرف قبول تعوامیکن حفرت نوا جهدنه اُسکی ترسبی خوا د علا دالدین سک حواسه کی اور پ کی المازمت مین ورخهٔ تممیل *و المل کومه وسنیج آپ مین کسال مربسیرگاری ا ورتقوسے ا وررعا*ست اقا نتربعيت تتى ادراسنے اموال وا وقات كى محافظت بين دېتمام تمام ركھتے سقعے صفرت فراسف تھے كەرىب برات سے مین مولانا لیقوب چرخی علیہ الرحمہ کی صحبت سکہ ارا دہ سعہ میلا کمنے مین آب سے الما قاست میو کی مبت ہوا لی که طرلقه خواجگان مبان کوین ا ورآنسه طرلقه لوان برگاه کدمولا نابیقه ب کی لازمت کی نسبت نتی مین مفتول بالغه كما خاط أسعاعت زكنى آخرفرا بالمجيع اسفتررمجال دوكدابس طريق خادس كابيان كرون شايدك ت تمعاری خاط که بنعفے کواپس طریق سے ترببیت کروا ورمکن ہو کہ توگئے تسسے اس طریق کی خواہر رین فیر محصین علوم رسبے اسکے معدورہ طریق بیان کیا اور فرایا کر بہت آ دسیون کی است سدار داسطیر کی تو میں فیر محصین علوم رسبے اسکے معدورہ طریق بیان کیا اور فرایا کہ بہت آ دسیون کی است سدار داسطیر کی تو بوكه اس نسبت برخوط بدع صدمين اسقد وحمبيت ماصل سوجاتي سوكرمبت مرت مين اس نسيت بنم ماصل نبین موتی ا دراس طربی کا با ننا تکرخرد رموگا اقفا تا حب تاشکندیدن میونیا ایک بیماعت آن اور شبت طابق خاص کی فوامیش کی معلوم مواکد مولان خسام الدین اسیوجه سنند و تمام او ایر فرات شخص ا در سرجی مفرِت نے فرایا کہ دلانا حسام الدین کے اوقات ٹیٹے مہار الدین مرطکہ بیننے زین الدین فوافی کے دوقات سے باوج د کزت ادراد د اذ کارائی زیاد میشکر کسته کمیان می اورایته مرمایت او قامت اورایوال کی مفاطست مین شیشت تخصیج سدعه که وقت کامیموار وقت تبلله که تبویرگی تنبی که دوگ آپ کی المازست مین آمریفت کرین ا درخازعه كم بعد مصصبح بك كو في شخص أنكے ماس نه جا ما أنكه اوقات بہت مضهوط اور محفوظ تقے تماز نتجدا ور بهشرا ق دماشت *ا در تمایم منون کولازم مرکھتے ہے ا دریاعبا دات اورتام آ واب فریسیت ما طریعی کے ساتھ آ*نکوم**اس**ل تھ الدريجي مفرت فرياسة عنوكدمولانا حسام الدين كفته بن برهنده بيت خاط مولسكن ومت طعا مرسبه وسدكه نامثاني منین ادرجا بنے کہ ترک نمو ساورحفرت سے سا ہوکہ فرائے تھے مولانا حسام الدین سے بین نے برجیا کراشواسے كارين طون خاجگان قدس اصدار واصح كاندة كركا ایّسا دكسو اسط كمیا بر آپ نے جواب و يا كه اس مقام م

تواجع بالسرامي اصفهاني رحمته السرطس

بهت سه کرنی میاسیدا در اُسکو رُگاه ربکن ا ورحسبوقت و دنسبت میرسدا مبوآ<sup>س</sup> مغی مبوع! تی هم مگرط سیسے که شخص متوجه اُسکونفی ک*ارے اوراگر با نفرض وه صور*ت وسوسترگ و معنی دل من مشنفول موکه اله تنده فع موگل در اگزاش سے بھی دفع منبوحیٰد مارتا م<del>ل لاالہ الوالد درم</del>ان کرے بو دو دات دسنی سے بینخفیق اسکون سبمانسکے ساتھ قائم دیکھیے ملکھیں می مانے اس فلورات م*ن سع ہواورتشک ن*ہین کراس مامل مین دوت آ دے اورنسبت عزیزان کوقوت عامسل مواوراً سقت ائس ک*اکوکھی نغی کرسے اور ح*قیقت ہنچے دی کی طرف ستو ہہ ہو۔ اوراُ سکے پیچیے جائے اوراً کر لا آگرا لاالعہ کے ول مرہنے سے مجی حفظور منا وسے مند مارج رسانے کی اورالللہ کومد وسے اور ٹرجائے اورول میں آتا رما ہے اور استعاد نشغول مبوکه بهت لمول منهو ما می*که و رحب د نکینه که* لمول موگا ترک کرسه اور مانیه که حب نک غلیبت اور خود ا و**ر**سیبت عزیزان ترقی مین مبوه عالق انشیامین فکرکرا اور جزئیات مین وهیان *گفانا عین کفر پو*مصم با نو دی کفرومبخودی وین مست ترحمیه افودی کفر بخودی دین مېر + بلکه اسها وصفایت می سیمانه مین مجمی *آسوقت* الكركونا **ما** سبيے اور آگر ميسينے بھی توآسكونفی كرنا جانبيے أن طريقيون سيھ جو مذكور سوے آگر كوئی كيے كه اس معدرة بين نغی می لازم آتی بوسم عواب دستیرم ن کری کوحی سکے لیے آغی کر پسکتے مین صبیبا کرحفرت نواج بزرگ قدس سرو فروایا بوليس أكرفكرت مرصة مين مومرحند نفي أسكى كرو وإسهائيا الأده مواسواسط كه ي كسى كم تني سينفي سيري بيتا وريز زال موا ورنیزاس طاکفهٔ علیه کی روحاییت کاسطاسب توخه نیسیتی شرکه دا دی حیرت کی سرحد سرا دراندار ذات کی تحلیکا مقام سحا ورويان وجودمنين رميتاا وراسعاوصفات بين فكرميثيك كميسس مرتبه يبعدا دني سجا ورجاسيم كه مازاتين ا ورگفتنگومین اور کھانے **زور مینے اور سب** عالات مین اپنی *اس حقیقت جامعہ کونصب العین کرے اوراً سکوخلا* جانفه اوربوري صورتون كرساته الني عفرت جاسع سي غافل نهو ملكرسب جزون كوأسط ساسة قائم ماغ اوركونشش كرسه كدآ سكوتنام بعلى اورترى جزون مين مشا بره كرسه باكأس حكربه بسيني كدا سنيتئين ا وتطعوا ورتام الشياكواسف جال باكمال كاآمنية سيحص مكهسب كواشيرا خرا بليق مصرع نبك برسب جزوين رونشام امربات كمته مقت بجي چله بسير كداس مشاهره سير بيزنه و لمبكرگوشده شيم دل أسكي طرف مبوا كرد. عاربين و وسرى يحيزون مين مشغول مومعيت ازورون شوتهشنا وازمرون مبكانه وش بدانجيند بزيياروش كم مي بوداندرجها بتأتيم اندرون سراتشنا بامرسيم تبكانه كالشكل واسطرح احتى روش موتى يوكم وتياهي بهور روينوست زمادها قوى ترميوتى وجب أس مرتبه كومه ينظي ول اورزبان من فرق كمرسك اورخاق أسيكم عجاب عن سند اوردق أسلا ترجيئر مشحات أبروه

جاب خلق سے نہوا سرقت مکن ہم کھ صفت عذیہ سنداہ اِسْفاص مین تھون کیے اور اجا رہت ارشادا ور دعوت فلی ہی اُس شخص کو موجوا سے رسید کو اسنے تاہیں خصہ کوسف سے نگاہ رکے کی غصہ ہونا باطن کو نومونی اُس شخص کو موجوا سے کر کہ ورت شخت طانری مہدا ور برش تنسست کم ایف عیف مہر ہوا ہے اُس کے اُس سے دور اُس کے اور کا گرفت اور اُس کے اس سے دور اُس سے دور کروں سے اور کی سے کہ بہت صفائی دیتا ہم ورندگرم یا نی سے دور کروں سے اور کی سے کہ بہت صفائی دیتا ہم ورندگرم یا نی سے دور کروں سے نوا ورندگرم یا نی سے دور کروں سے اور کی سے دور کروں سے اور کروں سے کہ بہت صفائی دیتا ہم ورندگرم یا نی سے دور کروں سے کہ بینے اور خال میں ہوتھ میں اسنے حفرت جامعہ کے سامند تفرع وزاری کرے اور بالحل اُس کی طرف اُس کی طرف اُس کی موجود مواور خال میں بھی اسنے حفرت جامعہ کے سامند میں میں سبی نہ کہ کہ بیری موجود مواور تھا ہم میں موجود مواور کی اور شائی میں میں سبی نہ کے سامند موجود موجود موجود سامند موجود موجود موجود سامند موجود موج

النفخ عمراتريدي دمسة النفيب

آب حفرت نواج علادالدین عطار قدش مسره که اسمایی اوراً به مقبول کمال ایپ که تقد منوشهٔ انکه و کمیعا می انسی نواج علیم ان که و کمیعا می انسی فراند نفی خرکند مقد مشاکخ حسد اق ند مشاکخ حسف اسان کو خطابیم که بها مده مواجه برای ان که خوان ان ان ظریب کی میخون مین کمی ان که انسان که مشاکخ مین کمی انداز انسان که مشاکخ سرون که در نیا می انسان که مشاکخ سرون کی اورائیون سفه مشاکخ ترک سے بوجها مشاکخ ترک نوایا هم ریمندن وابنته مهارا چواب می که بارد پخیشی بزیتیان و بار چه د بنوای مشاکخ ترک سے بوجها مشاکخ ترک سے بوجها مشاکخ ترک نوایا هم ریمندن وابنته مهارا چواب می که بارد پخیشی بزیتیان و بار چه د بنوای میزیم می دوری این می میرون مین میرون مین می میرون مین می میرون مین می میرون مین میرون مین می میرون مین میرون مین میرون مین میرون مین می میرون مین میرون مین میرون مین میرون مین میرون میرون مین میرون میرون مین میرون میرون میرون مین میرون میرون مین میرون میر

 خواجه نے فرایا کی جاتی رہا ہم جوشے نہیں کہا البتہ کہنا جا ۔ ہی جا رہنین ہم اورا گرتم نہ کہو ہے ہم کہ دینیکے اور ممکو رسواکر نیکے مولانا احد مناسب معندطرب سبو کے اور کوئی علاج مجرافشا اُس رازے مرکم بھا آخر الامر نہایت شرمندگا اُسد تھا مرتر قصد بہان کمیا صفرت ہی اجہ ساز مولانا احمد - سے آئر بھید یا اور فرایا کہ جوان گرم روکو دکھیوسولانا احسب میں کمنے تھے کہ بین اس بحب میں دہشت اور نما است سے السیام وکیا کہ نشان میری میتی سے باقی مذر لم تاہم جود مرا

ورولش احرسمرفٹ کری رحمہ الند

بت أسكى الوالمبيامن مهرا ورلقب جال الدين ا ورنام أسكا امه بن ملال الدين محدسه وقندى أكرح در **وثن احدفلا برمین مرمرت بنج** زیدالدین الموانی قدس سسره کا برداد متفرت نے اُسکے میے ام**ا**زت ناسر لکھا ہوا و ت خرمین اینا نام مبارک اور تا ریخ کتاب السی تھی ہوکتب نہ والائر ون العبدالفقرالے الکرم الوافی زین الخواسف العديقة قوالين ابل الطريقية واوصله الح ذروة مقامات الكيسل من ارباب الحقيقة تنزكرة للولدا لاعزال بيار بمرقيدى فتح المدعليه ابواب الحقائق وعونه التهييربين الدرجات والدقائق فيصرحب منيته احدمي غنين وثغاناكمة فى تعض نوامى سرامين سنيت عن الآفات ليكن حسب مقيقت مشرب دبل توحد وحرو أسيرغا لب بقسا لورخاندان فو إحبُكان سلسانيقشبن رمية عدس المدارواحهم سے تولاً اورُصبت كرنا بها اور سفرخراسان وعرات اور حجازا ورباورا والنهرين ميثية وحفرت خواجه علاوالدين عطار تدس سره كي سحبت مين اكزما هزمويار إا ورحفرت كى كالبسس فرلىب كى بركاست سس بسره مست ريخاتام موا اورىبدا زمغا زفت مدورى اورمها جرست جزورى كے بیٹیندآپ كن محبت اور فدمت كے جاتے رہنے برا فهار حسرت اور نداست كرار با مبساكه آن ضاوط میں جو کم ہ لکھے بیمفنمون واضع میراور کفین کمتوات سے بیرنمتوب خطاب یا رک در دلیش احد سے شہا دت کے واسطے لقل يواوم ونزام والجامع ايزوسجانه وتعالى شترقيان ومغربان كتتي رالفرم ببغزا فألما لهغره مصقاءآن نور دميره مردم عالم كهردم د م**یره خواص آ** وم مست فتیم منظه را نوارسب بی نی و تطیفه مهیدا تأمار رحانی بر توشعه اع خلق ار واح مشهنهم میوا -اركبين صباح المستبدع سلالست من العند الغطيالمستخرج فعالمة من اروتيه الكريم فغزيا من التحقيق فالخ حياض لتوفيق عنوان صحائف الطريقية لمعان لواعج الحقيقة لنهاب فلك الدماية وري سمارالولاية والحرة فقطة الاكباب نقطة دائرة الاقطاب سكنية قلوب العاشقيين علارالى والملة والدين شمس لاسلام والهسلمين لمفسوص بإلطافت دب العالميين مخدوم كرزجاج ول محبان لفروخ زميت وحرد ا و نوع كمنط نورست وخطب مرملت ليسان صدي شف الآخري مبوروا فكارا و ندكور البسدان تدلياس المجدوالعلال واسكندم عدالاعبال برا وسعاد الا ما دواً في ومربع ا تبالى نا تناجى ارزاني دار د و مهو المجيب لمن و مساوات ورسط القب مول والعطا

نظمه ن ایمزومل نوراین سعادت را + چرآ فتا ب برایوان *آسهان دارد جصیفه یخیتی ارق من* ها لى والمغز از ست تعليغ مى المتر مشتعراله إنسيرا الربيم من انوفي لم يقمل سيرابل المنيا مرساد**مى +** وعرج يديد مدان استان كالم مروبي وروماني وعووم وتقي رمني وران كذاري التدام بل تتدين أسماني است آن وودان أَنْهَا سه اضاءت كرشيع موايت مراسه مهان ورظلهات لله بسب بمبيث بقارسم عصمة الدنيا وعمه يتلەمىغىية. الايلىمىنىسىدل دېمىسكىين غرىپ شكىسة تىنھا بىزەنىلىس دىمىبەنىخىسى*س كەنقران سېارفرا*ق م**ىزىيق فوا**ركىنىت ست احمد که کمینه نعلین بر دارآن عتبه است جمیره نمننه زمین آن درگاه که نمر مذو منبه عرصبه است ببیار تیم تین ثره گو دوامن ب<sub>ار</sub> زربگار خاک آن سرکوی دولت کهموفعت سابا منته مختیاران وسطاف کراست نیک، بنیتان ا می روید مهاب صرمت حاشیه آن بساطه مبارک که بوسه ما بر طبانه ایل الدراست می بوسیده ورقبول غذرتها وأتها عدمدمهن امنبيا واوليا صلوات الرحس عليهم وقدس السدار واحتيم فيسيع ملى وردكه دربين مدت تقصير على الهوام چواه می مهست دیجای شمست برآن مقد وراد ده است که بهزی نرو د ترخوانیش برا درآن صف **نمال بای سا**ختهٔ آید ركسكين حيون ول احوال ومقه بركال وآجال عاب موانع ونقاب أيدر ورروب كاراين بيجاره مفكشديده ورنج لقادر وسلسال شبيت درزندان بريان وبجإلت صوس برد شسنة خ صبوتسليم موسع جوده اس كسى زچردي وچرا دم نى تواندندو به كفته بندواوت وراى پدن وجراست به آكل ماتيتى الرويد ركه پېچرى الرايح ح كما لاَشنهي السفن 4 روز وشب با وم آشين بسباخ دار عنبرن مراح دواح كا دسرارا كاير آشين بي ا ه به بارالخاد عبین میداده کرامن مینفنده ست کوشت و کا لیت کستهٔ گلب کردید از آن که نشاب سعادت بر ارز کملفت فشاه مهای غرت ساییست برراین مروم اندخهت و کرفعت مسائبان ایل ایمن مرخا به تی مدیر طفیلے بودو درحزر، نو روم فیریست ورکه مطرح آنا الزارينوبرشيدين وشرح الصارانطا وهييت است الذي تيعيداليه القاصدول والمصاوقون وبيبا الاولوك الأخرو روزرگا رسطاند آیاست بنیاستدالسی نموده شوابرایجاز دولاکل ایجاز نانشایی مشایر هرودبراین ساطه درجیج واصحه ، الامين رأت ولا ا ولت سموت ولاخطر <u>على</u> قلب اشراز حمب غيب واستيار لاربيب فيظار م كروناً كام ورسست نا مرادى مقم مبانيت براوح آن المازست كشيره كاركذاران اين فهيد أكميزت كرفراشان بقرانداعيان كمن فيكون انداخت اين گدای بررا طه فران برسبتند و از آن مرکز عزوا قبال که مل اعلای کلمته الحق است مداکن بن آفاق و اطلف اقطا برنشيان كردتدسبيت وان كنت لاارضى بوسل تقطيع + فها إنا راض بواتى في خيالها بهبيت مارب ويجد بودكروشرصا الجع درگلشن میدنسیمشهال بود+ آنسوه و بود ول زفران وبسوخت جان ۴ مروم ز د وست میزه نومه جها ل بعد بهتی جنگ ربو و زاعه د آن دصال به گفتی گرورآ میزمان خیال بود + امیداز کون کون و مسکان ومقدرکن مسکان انست کیکما؛

و**نم<sub>ی</sub>رهٔ ک**ان *درگانهٔ کولیا ا* بوابرل دیاست نرودی در دیره شهرمرهٔ کشیده آیرواکنون که میدان حیات تنگ شد دهیل مقرعتخویل خوامرعنها ندیدد آفتاب جان روی بمغرب ا برخوا مرا در دمرنع اتشی از دامگاه اینسے بروا زخوا بر کرد دطائم **بهمایون پوشی این قفس حار در فرنشی را مد**رو د خوا مزیمه بر در <sup>ن</sup>ها کدمهست و بود وخوا مد<sup>وم</sup> زده آمده بوسیدن آن یای که تاج سروران است کارآن سرای سافته آمیرانشآرای العر ىت آموز 4 چون سوى فودى كىتى كىسى ازم سېيت چىن كەمن زفراقت س*ېرد آراخ* متناً گمیری کمچاتوان مرخاست «معلیه اعتمادی فی نره الامنینة وعلیه اتوکل و مراستهین آری اکر<sub>د.</sub> نبازد ل نخریم فکیر**زل حاطر ایشدد** در آخرتسلیم این فاطرغیبننا دغفاسته که در سیاندر د د آنرا کرم ممیم مینور برسیک<sub>ه غ</sub>ره آن <del>طالت</del> مة المبته ما دری ندم رند کرم از آن مشبه رنستواند بود و رحمت از آن فزون ترصورت نتواند نسبت شفقت برفرواند کا انه آن وافرتر تصور نتو اندكرد انشار الداين جيبر تفركر رقوبنايز است دبون تشوير وقلم دسبست بربايس نا استبتافتاً در آن حفرت محله یا بدوفتر اک قبول این فرو ما نده را دست و دیزی تر نا مزدستو میدیث مارت سلیمان بوم اندرش قبره إلىسقه رجل حزا وكان في فيها + ترنمت لمطيف الغول واعتذرت + ان الهدا ياعله مقدار مهدريا + سرير روناتكا که باسه بخی تحقیموسوی تخست سلیمان آر د حالیا روسه نیا زیرآسستانه به نیازی الدوزارزار بررو دل می الد! شدا بحكم العود احدادين مسوى درى كمشاير دازآن دناب اشارسة آيدكر عود اعود أعود اسه مصارع عود والبيع زاگه ترانیازمیدانم دانشت به مبیت شود میرآ؛ درنیجهان انیم به که از با تو دمی شا د مانیم شدنیم به مجزش اس فن نكث اى توشنوم «بمبيم مان رخ راحت نزاى ترمنج اكره درخور تونسة نبولمكن + اُكْرم م دني نيك چون كتم اينم+ د نهر و من المرتبي مان رخ راحت نزاى ترمنج اكره درخور تونسة نبولمكن + اُكْرم م دني نيك -خدام أتخفرت ولمازمان أنجناب باليتني كمنت معهم الوز أفزرًا عظيما على الحط وص خوابه نبك بخبت معتبول الحفرت فراه كافور المداجمة ابل مبت از مخلصان دعاء تحيث قبول فرا مندد آرز ومندى زياده ازاك وانذكه تجررياي أن نوا*ك كرد ميسيتنه و موجع الاليم كوبس فراقنا به* لا يجبت الة فاق شهب الذوائب ، في غرّة موهم سنة اثنى وعشرن و د هما فأكثر تسويداين استام فاتمام شبطويل امجاميد و سيافت ابن نياز اميريته عي كثرت شد دلسكين عز د گان فراق و آمريد يك اشتياق رامعذور بايد دامشت مبيت زجندان ارزومندم كرفينش دربيان أيديه وكرصدنا ميزوي ومكايت ببثيان أثثة وبمواره سدره حاليهم تقعد ارباب سعادت إدبمندو ميذ تحقرت فرائط يقط كرشن زين الدين الوافي عليا ارحمة ہوآئل مین درونش احد مرحدی کے ساتھ بڑا اہتمام رکھتے اور اُسکے کام ملی نے مین فاطرمتوہ کرتے اور ایک جامع مسجد رسكه مرات ايك مجروين واعظى برمقرركها عقال ورمبغث عشره شهرين تفهرتي اورأسكي عبس مين آسقادر ابل شهركو آسيكم وعقاصفنے كى ترغيب فرات اوراً سكى لبس لىمديت مين طرا ابتمام ريكينة اورلوگون كوامركها في المسك لاتعوان برسعیت كروحیندروزسك بعد ورولش احد بیربهبت ریخیده عربستی دوراسکی تمفیرکی ا ورامگر ن

می کلس سے نفرت دلاتے اور مبت منع کرتے اور بالک اُس سے ذل میں لیا اورا کی ریج خاطر کا سیب یہ تھا سیرنبرصفرت سید قاسم قدس مره که ابیات بهت بژرها کرتے ۱ در آخرمحلبس مین بھی فراتے تا کہ قوال مارسید قاسم *کے گاتے متنے اور برحنیاح غرت شیخ آسکور دیگتے باز ندا آیا ا* دراس جست سے درونش سے وہ نهایت ریخیده فاطرمهویکیئے متھے بیان تک که درولیش کی محلیس وعظمین سات اسٹھ آ دمی سیے زیادہ نرسے حفرت فے فطا کہ پنجیش ا وبخضب حفرت فینے کے بعدازان ہوئی کرکہ میں برات سے جائب حصار د لمیننو کے حفرت مولانا بیقی۔ چرخی علیه الرحمته کی ملازست کوگیا به منا اورتمین جمینیا اس سفرمین ریاحبب مرات بین بیچر آیا در دلش کی صورت حال اورحفرت بثنني كاغضب وركيفيت أسك وعظى اس نهج ميركه واقع ميوائ متنى من شنى مجع بهت ملال ميواا ور انسوقت مجھ ورونیش سے دیندان اشنائی نریقی ایک ون ملک درواز ہ سے شہرمین آیا بھا ورونش بل والئے ساسنے آیا اور گھورے سے اتراا ورکھا آپ کی حبت کی نیت سے مین اپنید گھرسے نکلاہون چاہٹا ہوں کہ آپ کے جرو میں آئن اور در دول جرم عرض کرون اور اُسوقت مجروکی کنجی حضرت مولا اُستعدالدین کا شغری کے پاس مقال ا میکنا نایک خفرت مولانامیا میکن تنب ورونیش کے سابھ اپنے تحرہ کسطرون جو مدرسدغیا نثیمین تھار وانہ مہواا ورطہتے كلورا ابنية كمريبيديا ورداستندمين حفرت مولانا سعدالدين سلامهم سب جرويين آسقه وروب ميثي بات كرسنه سے میلے در ولیش نے رونا نشوع کیا میرافها را ال کی نشکا بیت کرکے تام قصہ بیان کیا کہ مجھے ایسی و رانسی بذا ہوتا اورميري علس وغطيين كوثى نربإلورا ننا وكلام مين يجي بهبت روباعيركها بين أبنيه كام مين نهابيت حيران محفا اكيت ب نے مجیے کہا کہ تبرید کا م کی کشو داگر ہی توفلان شخص سے ممکن ہج اس امرعظیم کی سربراسی دوسرے سکے ہاتھ سے نہوگی اورائس ودست فے مجھے آپ کے لیے امرکیا ہواب مین نے اپنا دست نیازای کے دامن عناست مین دیا برقفز سفه فرما یا که قصه در دلیش کی سماعت اوراً سکی گریه و زاری سه مین نیه اینجه دل سیوم *براینج معلوم کها اورمیاردا*ی بها مین فه و میکیها کرخاطردافتیا رورولیش کی طرف ستوجه برد کی اورآسطرف مشغول مبونی مین فی کساسف کفانمنین مج تم فلاني سبية من أو اوروعظ كموم إرب ولي من ما يم كالعبة يحقا رئ لبركوجمبيت وكثرت سيلي سفرياده بهمك وريش خش كالمعلما الراس مبعدين كإنشاره مبواعفا وعظكنا شرع كى بعداف نيروز لوكون فياسقد ريحهم كياكو بإنسيسبحدوث مينا أمراأسي وبسقيط وسين كشيط إنآن أبقاع اوغوغاأسدر وكوبهونجاكه فواؤمنواؤ سجدهام مسن ماناطرا مامع مبوين خلي كانبوه القدريمواكه ممطبس من حينرنوب ولتقي لت مندا أسكو بخيته كزرد كمية بتنجيو سرطند آدمى اكب ودمسرے سے مكر بنتيجة سقيع وروليش كي آواز محلس كے كفاق كم مغيين بهبو لخبي تقى أس غوغا ورا روهام كى خرصفرت شيخ زين الدين خوانى كے كاك بين مهو مخي برصيداً كنوك في مقا لمدسن كوشش كي بيش رفت نهوائي او رجلس در إش كى كمثرت زما ده مبوائي اوركوكون مين مشهور مها كه اكتشكتنا وان سنظینی زین الدین نوانی سے معارضہ کی اور بازی لیگیا اسکے تعبیشہ میرات میں ہم شہور موکی تیسی

د مکیتے باہم کہتے کہ بنتون نے درولیش احمد کی مروکی اوراً سکی ملبس کورواج ، یا فریاتے تھے کہا ول - تقاملہ کہ واني مين تصفي كما يشيخ زين الدين خوا في سع كمه ا در خالب آسفه ا ور فرمات مشتح كه للغرائية تنديم ميراط ربقيه اسطرح را بهركه كوئى لران اورعنا دمين غالب ميرسداه برينين مواحية محيد مبك ك أسكاكا منوااه رفرات تت كدمرزا لسلطان الوسعيد کتے گئے کہ خواب مین نے وکمینا تھا کہ اولیا کی ایک جماعت نے مح*یے کما کہ خواج علین*ے مین شری تو مېوأس سے لڑائى اورعدا وت بندين كرسكتے حب طرت وہ سجا ورجواً سكاول جانے دسى موتا سې فرما في كه سيع خواب وكميها بخفاصغرسن مصدمانتا مبون كرهينه تجيه لرال كى مغلوب مبوا اورآسكى نهين كميد جل حفرت خواربه مدالغالق عندوانی کے خاومون ا ورملازمون سے کسکیواڑائ کی مجال نہیں ہوالبتہ وہ خالب مبن عفرت ورونش احمد کی وعفط كع مبت معتقد بقصة فر الأكرت كه در دلش احد كه وغنا كبطرت ميري خاطرمين اللي تعريب الحيبي باتين كهاكزا إنسكى ملبس وعظ مين شينح البحفص عداد ونتينح البيعثمان حبرى موسقه جاستية يتيزا وكرميبي فرمات كرأسكى محلس ميث في ابوالقاسم عنب بدا درشین ابو كرشبلی عا طربوت توبز ادار تفاكداسك مقائق البند كوسنة ايك. دن اين ملس عظمين سنخان لبندا وربار كيب كنته تخفه اليها بإيك لينيه منكران كلبس كنف بن كه اليبي بانتبن كميليكهني طابهيين حوكو في تيجيج فی الفورکنند ملک که اس سبب سنه که تولسیت میدا و راس گروه سکسخن **حال** کوتونستیم که ان سندمعلوم موا کرملیس کم ب ما خرین الیسے مہی بین شا بیکاس کائیں میں الیسے اوگ ہون کہ سیمن انکی نسبت گذرے موں ہے کوا الیے شال کم تھو **اورلسیت بخاننا چاہیے اورحفرت پریمی ذاتہ تئے ک**ور ولنیں احمد سرسے طغیرنعاست ادینی باتین کر رہنے بھوا ورنفائ کو کھی طعن وانکارسے زبان کھولتے مقے اوراً نکی طرف سے جوا ب مقتقہ دن کا یہ نتنا کہ سیخن اُنکے سے اختیاراً تیے مین ف لیضا با کلیس کی استعدا دیکے سوافق کے باتے ہیں اُنکا کوئی اختیارا درگنا کنین ہوا درحضرت میرسمی فراتھ تھے گاگا **مین آسکی محلبس مین ما خرمته اکسیسخن نهایت درجه لمبند! دربطهیت ظاهر بر ۱۱ دروه اس بخن برتشا نرکریم بق**ے ا دراینی استندا دسته پیدا مهولهٔ جاینهٔ این بلس میست احسان رکها اور کهاین سی مهون کدمیرینه واسطه ساختا فیبی اورمعارف لاسی محصارے کا ن مین پڑیے بین او تحصین ایکی قدرنسن اور اُسکے شکرے محمدہ براہندی تے اور اِس مضهو*ان کوروار که اور مدوسه ز*زوه ۱۰سان رکها اوراس باب مین بهت می مسابغه کسامیره بهت نالبیندایات كماكية كمرمكب مواكدية فن ترى حقيقت بدر والوالم كبواني ب مسيمل كراكراس مبسر بين شار بعضوم و كالمركي استنعدا ومبدء فياص سے ان باتون کا خاب بر آبا ہے اکر ال علیں کی قابلیات اور استعدا وات نعون تم محرض سیلتے ميرسا كروحيه متعامين سفراسط كرسيان مين اينا ركراليا ورا مكويطة ليني فازنتين ورست رجملير اوجسبر نفس كريسا اوركمه باشتنين سنتا وكيون كسطرح تومعارف كهيكا نورا مصريفيه مبندا ورعا جزسوكها ادسنن كارامست أمسيرسه ويحمكها برجندكوشش ككراستك نيسرندائ مانكريه مندش كمان سع بونبرري سي كما شروع كما كريما إب ي

 ذات اس فقرگونهای آیت و لا بصل اعد به تیمان شا، والدو و انتفال انتظیم نداسی مقام سه خردی بنواس زار این استها می ندایند شامهره بن جرکها بولیس مبنی میز فرق الاان کقد مت بالع و بندا و رتین الاسلام ندانید به به در الفه ارتیاع العد تعالی روحه که جواب مین و محیفاکه که فرما با جارسه او رتیسه در میان بپر وزندی می بوسیه که ای او رتونی دریا به به اور شفرت درولش ایمد ندان با تون که اخیرین برا بیات محیمه شد استنعا رعشتم که در و وکون سکانم به بذمیست به خفای غرم که آشانم بدید نیمسیت به زابر دوفتره برد وجه این بداو می دستگردان که تیروکها نم کم نیمسیت به رق بتا میروز بان و به گوش نین در به وین طوفه ترکه گوسست و رز با نم مدید بسیست

اسپرسنسدن جرجانی رحمدالسرتعاسے

ب علیه نظوران ومقبولان حفرت خراحه علارالدین تطار سیمبن قدس المدرتعالی سومفرت مخدو مرقدس سرو**نغی**الی <del>ا</del> من لاستُرمين كواس فعنسب رسية لعض عزيز ون سع سنائ كه قدوة العلما ولمحققين واسوة الكرار المدفقين مها ويضافية . النعم وتحقیقات داکفترسیوشسرانین جرمانی دمران کرمیزت خواج علادالدین عطار کے سلک بسمای مین فسلک برو مین اورآب کے عادام د ماازمان سنے نبیاز اوراخالاس رکھتے ہن انھون نبے بار ہا کہا ہو کہ دیب تک بین شیخ زبر کا دین على كالان كي معبت مين مين مين ميونيا جومشاكنج نتبيراز سيمين فيفس سين ملاص ننبوا ا ورحب مك مين حفرت علا را لدين عطارت سلامنداكونهيجا، عفرت في فرايا م كرميك المول وابرام عليد الرمد كمن من مرمدا مكي تمير عذرت سيدشرلين يجى ونان رسبت منقد مردى كسرسم مين صبى يا تونمي كمغش كيينه حفرت نواح بملاوالدين عطار قدس سروكي المارست مين اوالا دصاحب مراسرك مدرسيين آت في مجيد يمي ساتحرال قد ببت ومريع بيتي ر میتے تنب فرصت اوراجازت اندرجانے کی میر تی میسی نمار کے وقت الارا بن حفیرت نواج بمکلفت کے مکوانے شک کیجے او منع ا دردنگر تکلفات تبارکرسته موادن به ارالدین اخدار ته دعله ایستی سے تحصیری تهیمی *اس معیس شریع*ت مین ا فيجكون كلعاسنه لاستة انكى فاطوين كذرا كهسحكود رومش لوكونكا فيمتلعن كمس قسم كاببرا وركيا خروري كماسقد تريكلعن كرجيجة خوام كوانكى تنميرا فيزون موافرا ياكه مولاما بها والدين كلها نوش كروا گرملال مبوكا فروز كريميا سا درحفرت نواه به علاد الدين كا سوسل حفرت مسيدش ليفيث كومولانا نظام الدين خاموش عليه الرجث كي صحبت كامكرفرها يابي ا ويصفرت سيدحفرت خواج سكه فراسف سكه موا فق حفرت مولانا نغلام الدين خاموش عليدا لرحمد كى المذرست ببست كرسته رسير حعفرت فراحة فيمط حفرت مولانا نظام الدين خاموش عليه المرسف فرمايا كروب حفرت سيد شرلعية معزت فواح علاوالدين كي محبت بين أ اورحفرت خواجه سنة أنكو تنبول فرما يا أكنون في حفرت فواج سنه التماس كى كرمجيوك يكي محيث كالصحاب سي مكم موكرة ك شاسير فجع الجبيث ان مجالس كى عاصل مبوادرا بل اس نسبت سير مناسبت بيدا بردعفرت فرابع سند الكوالي بيكا والمكيا ورحفرت مسيد لبداز أياغ وانس أشدا دربها رسه سلهف بتيفظ اورسكوت كرسة لك

ان الله الماس آله الس بنودي كاسب بين فريوها كهابت عركة ري كر في سي الر بعج مرکدنفوش ملی سے باک مرا و را کیپ وقت اپنی معلومات نے اندلیٹیہ سے ثمامی وٹی سرقت اس صحبت کی رکت بات حاصل ہموئی اُسکی لذت کے زوق وا فرسے نتھے سے بنجے دی ہوئی اور مجھے یہ بے ا دہی صاور مہوئی حضرت ا تتزلف على الحرثها وقات مفارقت وتحومي ملازمت حفرت فواحه علا والدين قدس مرومين خطوط اور فقه حفرت كي فاست مین مجیح بین اور آئمین سے یہ مکتوب مین کر نتمناً اور نترکا ملکھ جاتے ہیں۔ مكثوب اول حفرت من سبعانه وتقدس سايرارشا ديياسي بندگي مفرت قطب الاقطاب موم مظريح قدس بينالآتا ملطان المحققين دبريجان المرقفتين واقت الاسرار وقدوة الاخبار مرشدا نحلائق وموضح العلوائق ظل المدعالي للميين ولمجارا بطلاب والمسترشدين اعلى السير جابذامره وشانزا بري كاذانام اليه يوم القيام معرود ومبسوط دارا داين طراعت از مقام معاديم رثوع گردامنده وتين النفات فاطرعا طاكميا خاصيت آن درگاه منظر لوده وي باشد رجارواتن ا لهسعا دت بأببوس وشرف المازمت عتبه عليه براحس أحوال مميرگرد د ديگراحوال ظاهر و باطن موحب حمد وثناست داعتصام كلى بكرم عزنزان است وتمسك بعروه وتقى نسبت انشان والحد يسدعك ذيك مخدوم زادگان علالالملا على الخصوص والمغلوص ما درا لآفات كريم الشماكل والاخلاق تاج الملة والدين خواجة حسن أصداحوال لمبقا كرفط قبول فرمايند ملاز مان سده عليا وسيار زان مبيدان مقالبندا لفنا مولاناصلاح الدنيا والدمين ومون ما كمال الدين تبية بإسائر اخوان صفا وعوات شنا قانة الن نماينده السلام كمكور فتار مدورتا مديخيات ملتوب دوم قطووس عمد إن اجن اليم واسال عن اخبارهم ومم سع و كشتنا قم عين وسم سف سوا و الم یطلبه تلے ویم بین اضلے بستعرای صورت توصورت الطاف آتی پ درصورت توسیخ می تا متهایی + خاک شتا يده اين ست را كوادم ين كريبيت ووان لى في كل نبت شعرة و اسانا فيوت الشاكنت منسرا و الطامة اعطان نينك مخدوم خدوم زاده احس المداح الناسين صحبت مثنا بره سيرود انموذج اعتنا والطات خاطر فیاص آن حفرت سیداند ومر لحظ امیدواری در زیادت ست می سیماند و تعالی ساید ارشا دیاسی را بر كافتر انامهم شدام واردمخدوم زادكان عط المخصوص خواجه بالحيلة والدين خواجهس ولمازيان عتبهُ عليكالمفتكح مولاناصلاح الملتذوا لدين ومول فاكرال لدين البسوريع باكلا بإروالاخيار مبعوات مخفوص ندوالسلاعكرج رحرا لداوكجات مولانا لنظام الدمين غاموش جمه المدرق في ائب انضل اورالل اصحاب حفرت نواح علادالدین قرس سرو کے بین اورائب کے ذکر کونیٹھیے لانے کاسبیجی بحجوفواج بزرگ اورفواحطادالدین قدس سربها کے ذکر مین مبایان میوا مذمست مولان نظام الدین نے حذ

ے عالم کی سحبت مین نواح سبخارا کے اندر دیکھیا تھا بعدازا ن حفریت خوار علادالہ مين داخل لموسكَ مين حضرت فريات ع يحد كه خدمت مولانا نطأم الدين عليه الرحمة كعقد عند كوتبل اسِطَه كويْنِ فواج علاء الدين كى ملازمت كرون اورآب كى فديست مص مشرف مهون مجابده اورر ياصنت ميرى مست تقى ادرآماً رماضت دفوارق عادات اكرُّ ديكي مات كنه في ايني كبهي لعبني مسيدون مين بهونيّ كهنفل مويّين اورمين ما سا كه اندر ما وُن قفل كواشاره كرّاا وركلول ها، ادر ليسكيشل بهت سي جزين ظامر ميونين حب سنفيذ مين آيا كرجى فرت فوا علاء الدين سمرقسة مين تشريعية لاسكر بين نواميش ميوفئ كرأكي لما زمست بين مهيخيون حبس وخت أكسك مركان بركميا اول مولانا ابوسعيدس ملاقات مبوئي أينون نه زما ياسولانالهت ياكيزه مود فت اسكاآ ياكداس باكر كي اورز برس درگذرومجع اس بات سے کرا مہیت ہول ا درمیری فاطرین گرانی آئی حب حفرت ہوا دیسکے روبروہ وا آنعون سنے بهی ویبی بات فرون که مولانه بهت یا کنره مهودقت اسکا آیا کواس یا کیزگی اور زید<sub>ست</sub>ه در گذر دلسکین مجهو صفرت خواه برگ بات سے کوئی کراہیت اور گرانی نہوئی ملکہ ہوکراسیت کہ ماصل مہوئی بنی د وربع کئی میں مان کہا کہ انکامطالب کیا ہج اورخ سبحانه كى توفيق سيداً كى فدست بين آيا يعضے أكا برسے منعول ہو كدكها ہواكيب روز صفرت سوانا فيلام الدين كى فدمت بين ميميعاتها اكيب كنيز لميوك آب كى ملوكونتى بهارس سائن كسى كام كرية الى فاطرين كذراكة يا مفرت مولانا اس كنيزين فكتيين كرطوري كوفئ تعرت كرية بن يانسين في الحال آب في فاياكه استيال كر استقسم كى چزون سے آلود و نكرنا جاسىيە اېل الىد يالىيتە بىن كەسراكىيە خاطەبىن كىيا گذر اسى حق سبحاند سرار يابهترانال كەنتۇ مانتا بودا ومدجاليس سال موسف كدمجه واحتلام نبين موابيوسبب يدكدابك روز جاعت ومانيان ميريملير نا زل مبوتكين اوركها بتقصر مايت ابني لازم مي كه اختلام نهواسواسيط كه تقدأس كه باعث رجبت قدهري اور راقيا ہوا ہواس جہت سے جالیس سال مرسے کررہا بیت اس بات کی ہوا درستر و برس سے مجمعے ما صب عسل منین ہو حالاً كمدلي في والانتيا-

خلق رینگے نمازروزه اونجے شیل علوم دینی اس طربی سے تبریکریتے مہن کرنسبت مسلمانی و دیانت ونسبت علی ظاہر ہوئی اورآ سبت بنا سبطًا مرسِيد كَى إوريمَّ يُ عضرت فرائد تقص كر حفرت سولانا نظام الدين تأكمه ند يهاويهان منه اورسم أننك قدوم كوننيت جأثا تيميشه أنكى خدست مين رستيته سنقدامك روز أننك ، فرما يآه آه نسبت گرانی ظاهر بوگ غالبًا فلات عس "ما ميراورا يك ولاحول ولا قوة **الاباسد تميخ لگ**ے بتھڑی ویربسرو ہونے میں ایا خدمت سولانا سفے فرمایا آوٹھو ہے *آسلے تم*ھاری *ز* ئ**يلے** آئی بھی اور يمھي حضرت فرمات متے كوح فرت مولانا نفا م الدين نوے سال كے موئے تھے اور آخرهات مين ألئے كو سست من نتتے ما اُن لوگونکا طور آئیکنزد بکرلیندیدہ شرشا اگر دورسے دیکیئتے توکیتے فلان شخص آباہی لور بارلا ہی وراً سيك باركاتفل مجيع فراب كرئكا جام ا درأس سي معندت كروا وروايس كرو- أيكبارين أنكى صحبت من شيها تحفاك ايك شخص شنح سراج نام هوشاش مينه رمتيا بمقاليا ورمنجها او معضرت مولانا كى نظرجواً تسير بطيرى رياضت كي نشاني أ بنته ومین معلوم کی انتعاب بدانی او ایر پدیهت کری ا درخوشی ظامه کی سکن مین اس شیخی سارنج کوبهجاینتا تحقا ده ایک تحانها بت فودلهندا وراولیا کا مذکر گرید نظا برریا نشت کرنا به تا گراینی سواکسی د و سرے کونسین نسینند کریا به تا ایق ت. کرنر کان دین کو کالیان بھی دیت بندا خدویت اراز الهمار بسد کیتے سیتے اور میں کتا بیٹھا کوائجی معلم مرموعالیگا کہ حضية مولايا مضطرب مويدتي فرما يأكرب بيزيز فزير فزيط بدأسكوا بني محبس مصفائكا لدمايه ا وريري مضرمت فربالتف عظفه كمدامكم حفرت سولانا کے پیٹے میں درو ہوا ہے ت دروا ور اُدکھ ناہراً یا آخر ناش کی تواکے بیٹے سفراش آردا وسیدی کھے سکے کھا نے۔ تیزا دراُسکے میٹ مین در دمروا تھا اور بیاسی صفرت نے فرطایک اکیا کوئی آیا کہ سولانا فظام الدین کوانکہ لا حق مبوا بود در اسوقت شاش كه مكان بهار مدين مهمان قد مجانت سعد أسكياس بن كرا يجون كرا كري علاق بو اوريد کڑے اُٹکوا مُنافات میں او کیئی آد می اُٹکر د مارٹے میوٹے مین اورخدمیت مولانا کو منبش تنظیم ہی اورکا منہ ہے تند مبیا کہ تنب ارز ہین میونا ہواوراً س خببش کوسکون ندعقا اور این یہ عال دکمیک میا سیگھ ما عنت مین بنیمیاد فعقد ایکیت خنس آب کے اس سے جوآپ سکوسا تھ دنیاست ربط نسسے مقا اورکمہر انتخابی الیک عقاباسرسے آیا ترکٹرون کے ساہم کہ شنڈھی مہدا کے وقت نیچکی کی نسر مین گریڈا تھا اور مہت سردی کھنا کئی متی اور میت ارزتا مفاخدست مولانا في أسه ومكيها ا ورحلافة كرهي في وداست كرم كرد كربه أسكا خارًا ابرع مين كما تاميون أسكى صف مال محرمج مین مرایت گرگئ حب ترکیسے اُسکے اُنا رہے اور ووسرے کیرے اُسے مہنا کے اور اُسکوگڑے کی کسیفند اُکی خنیش بسكون مبواا درامنه مال سرائه كاوراً تُقدّ كولتشونش ندتنی عفرت سے سنا ہو كہ فرمات عظم الله ايك بیٹیعا تفاآپ کے ناتفرمین ایک کتاب حتی ایانک بیرو گرمیفظیم آپ سرستونی میدا فرایا آه میلے کیا سوامیوشا میکدا تبدآ ر ا نفرت سفر کها خدمت مولاناستد بایت مید بنتی جایی در با حنت کریتے و دانسدت محلس کے مبتدی کی تنبی که انسکاست

طریق برا نسط ظامر موسکے حفرت خواج کلان رحمه المد فرزند بزرگوار حفرت مولانا سعدالدین کاشغری قدس سروسکے
اسنج والد شریعی سے نقل کرتے تھے کہ اُکھون نے فرایا کہ ایک روز مولانا نظام الدین علید الرحمہ کے بانون کی اُنگی میں آبا برگیا تقاا ورزخم موگیا ایک فادم سے کہا کہ مرہم تیار کر کہ اس زخم بررکھون وہ مرہم لایا اور اُنگے بانون کی اُنگی بررکھایا ساعت بعد فرایا کہ دمانے کو وہ تشویش بیدا موکئی جولوگون کو موبئک بینے سے بہتی میں موامیت کر کیا ہم فرز اُنسے ، وربیدنیکا قدامہ ملا دیا خاوم نے کہا یا ن فرایا بس اُسکی کینیت کا اثر ہو کہ مربسے دمانے میں سرامیت کر کہا ہم فرز اُنسے ، وربیدنیکا اور اس قسم کی حکایات مولانا سے بہت منقول بین کہ اُن سب کا ذکر مفصل کرنا موجب طول ہونا چارا س جموعیوں رمیں قدر مراف تقدار کیا۔

ذكراك كم العضه قوتها المائ كارجمس العدوخرت خدوم قدس سرو نغيات الانسين لا سُوبِين كرهاب غدومى خواج عبب لاسدادام الد. نعام بفارسيم في فرمايا كرسولانا نظام الدين في كها كدا كي زكر مرقند كالبمار سبوا جومهارس سائقه اخلاص محبت واراوت وافرركم تائن ادرة سيمرك مؤكريا أسك فرزندون المتعاقون تهديت نيازمسن دى كى مين شغول مبوا دكيماكه أسكا اسكان بقاد حيات نهين مي كمراسني صنان بن أسه ليليا صحست موگئی مندر وز بعد سیاری نسبت ایک بهت کلی جومیاری انانت اور دَ لت کی بعث مدی اُست فعی کے مقدور مین تفاکداس باب مین می کوسدا در اُسے و نع کرے گراہے کو اُسٹے روکا اور اُسپر آنا دہ نبوا ما در سرا کی کو اُس سے کوفت میونی اُسے اپنی ضمان سے نکالدیاگرا ا درمراہ امنی میرکدوہ بزرگ سمرند کا حصنے سولانا کے بارہ میٹی وال كى خوا ج عصام الدين شيخ الاسلام سم قندكا بقا اور وه تمت اورا بإنت كره ذرت مولانا كوسويني أب ك فرزندكم سبب تقی که د عاا ورغزمیت خوانی اورتسنوین کاساجی منسوب نقان سجت سے بنگی به خطرین آنا جا آ مفااور ابل غرض سنے ایک جماعت نے اُسکو بعض اہل حرم کی نبت سے بنسبت کی ادتیمت اُ سے بر کھی اور تھوڑ ا سا ، ہ حال منزا الغ سكي كان كب بهونيا يا حندمت مولانا كا فرزند فرارم كميا در ا فرف ست أس شقاوت اوتصهت کا غدیت سون نامین سمجی سازت کرگیا سرزا این سکی کوغیت. آگی اور بناست عفنب سے خدست وان کوظیمیا قاصدون نے تکے سرکھوڑے ہران سوار کیا اورمیزا انع میک کے باس کیکی اور آپ ان میدان بن بیٹے ہوئدا ہر سَرَّكُ حَبِكَا لِهُ مِبُولَ قِيمِين مِنْ كَلِيرِا الْعُ بِكِيهِ آبِ كَ سَاحَتْ سَاكِدُرا يُبِينَ الْحُدِ : الناج ميزاله الله بلایا اورغصد کی باتین کرنی شروع کمین مولانا نفام الدین نے فرمایا کدان سب با تون کا جواب ایک کلمه ؟ برکها برا مين سلمان مون الرينين موفوب ورمنج وترى فاطرعاب عكم دسة ميرزايراس عن كا انزهر افي الأعلاا وركمات چور» وحفرت فرماتے منے کاس بے اوبی کے بعد میزاانع میک کوٹنگست اورتشویش مبت میویمی اوراسی ب من عبد العطيف ميرزا ليسر أسكامًا اور أس فتل كيا اوريبي صفيت وبات تف كمرون نظام الدين سبت باقوت تع

الکشخعس کی مدی آب کے سامنے لوگون نے کی تقی آپ ستانژا ورمتنفیر ہوئے ایک خط دیوار پڑھینیا وہ تحص میں سركيا مولانا محدروجي كأكمل اصحاب حضرت مولا باسعدالدين كاشغرى قدس مروسير عقدا كفون في نقل كي ك رس فرائ قصركه ايك ون مين غدمت مولانا نظام الدين عليه الرحمة سكه ساسف معيما عقاله ميولاناسطا نور حروانشمندان صاحب تقربرسے اور سولانا کے خلص تھے اُنھون نے آپ کے ساسنے ایک طالب علم کی مہ نشكاميت كى كه زرست سوادنا كى نسبت بداوى فيهيت اورتهمت اورخباشت والم منت اسفركى اوراسلقد كرحفرت موالنامتنغ بوك آلفة فأنسى اتناسي مطالب على جبيث منكر دورست ظاهر معوام ولانا سعدا لدمين في أسكوه خرسة مولا اکو نتا یا کرمهی نبهی<sup>ن د</sup> نکریج کرما تا سره ور ده اجرا د با ندآ پ کے سامنے سے گذرا خدمت مولانا بخصارت مولا مواایک کری سے قبری صورت دیوار رکھینے وی و منہیث فی النورگراا وربہوش مبوا اور حضرت مولا فا گرمین بیلیے کئے اور لوک اُستاء پاس کئے کر تابین کیا حال موامردہ تھا۔ مفرت فرات فرانے منفے کہ حفرت کو ا کمیار بانی سکے برسے کے کن رے برنتیجے موسلے دضو کرتے ہتے اور کسبی نے کسان کے بانی کو کھولائھاوہ وہمقان ملدى سيه آيا حضرت مولانا كوأس برئة بيرتثجينا وتكييا سمجناكه بإنى اسى تتنفص سيعطفل كهيا بهوا ورقايجيج سيعه تيزو ولأكر آیا اور بے ملافظہ مانحہ آپ پر مارا اورآپ کو سر سے کھل اوندھایان مین کرا دیا جب آپ یا نی مین گرے سر*ا تکا* بانی مین کفس کمیا و ه دستِقان فی العنور بانی کے کنا ر*ے بیرگراا ورمزگیا* اور ایک سعت قد آپ کا تحقا آسنے ایک بارکداین عامبتامبون کرآپ کے لیے ایک باخ تیار کرون ایک مدت بعد آیا کرآپ اپنے باغ کوہنین و کیلے اور آپ کوا باغ مین لایا دیک بیار دیواری تنی که اُسک آ دھ مین آب کے لیے باغ بنایا تنا اوراً سمین تعجرام تمام نہمین کسیا تنا ا ورد ومرسے اّ دے کہ حرا سنے سلیے بنیا یا تھا خدب آیا دکھیا تھا حب سولانا ویا ن آسکے نصف باغ کراً سنشخص سکے تعلق بيقامولاناكي نظرتين مهر معلوم مهوا كاكيب آب كاندرون سيدا كيب وازتكلي كريمبرا وربية أوا زمركيز يقطع نهين بهوتي نتى برجني بُوكسَطَ سير بوسرُ مبن و پنتخف گرا ا ورمرگها حفرت مكايت كرتے بيته كربعدازان كرحفرت نواع علارالدین قدس سره نے خدمت سیدمشرایت کو قبول کیا اورآپ حسب اشارت حفرت فراحہ میں ایک اور است سعد بهت صحبت ركيت تحف حبا كير ميشير بهان موحيكا بو مجف ابل غرب نے حفرت فوا مد مصوف أن كه مولاني نطا م الدین کودا عیشینی اور مزرگی کا ہواورانس باب مین ست سی باتین کمین کیسیب غیار خاطرشز بین تقلم خواجه کا میرا ۱ ورخدست مولانامهت بارمین مهویه که اورجب دوتین بارم جمیب جدائی واقع میونی اورآب کی تخینش خاکم منابيت ورم كوبهيويني مولانا كوطلب كميا ورميا فإكه ايك نوع كاتقوف كزن أتسوقت آب جغانيان مين احدمواكم رسم قندسن عقع حبب حفرت فواحه كا حكم ميونيا مولانا بي توقف رواند مبوسة اورخدست سيد تمرلف يعي أكليم إيا والشفيق خديمت مدادن دراز كوش برسوار لتق اورخدمت سيد شريعينه امكيب اشترير ناكاه اشترسيد كرراه مين جوزكا

، اسوه سے کہ کم زور عبتہ کے تھے اُس اثنتر ہار ریسوار سوئے دہ انتیتر نے ابی ل روان مہوا جب س ولاناسے کھی اشتر کو لبطریق نیازمند پیشیکیش کیا اور مدلانا نمیستوراشته بپرسوار حیانیا ن مین آکے بیفته اصحاب نے س صورت کو بھی حضرت فواحه مک مهیونجا ویا که به دلیل دوسری اسلیت پر ہو کرمولانا کو دا تعییشینی او بزر کی کا ہو يه بوكه آپ اثنته پرسوار مبوسطّ اورسيد كو در ازگوش برنج بلايا و رأسكومريدا نياك ما دَكه را ه بين ايشتر بطريق معالم آنگینشکش *کیا میمجیوعه حضرت نوا حد کے لیے مڑے تقل کا سب*ب میوا حب مرانا اورسے پیشنرت خوا ح*رکی ملازم* مین مهیوینچا و محلبس مین منتیج مسب دصحاب کهتے تقعے بیروہ دن ہر کہ جرکھ چنرت نراج نے مرانا نفا را لدین کو وہا ہر بے لائیکے أفعانًا أسدن توطيح تقى ا وصحبت كوطول مهواحب فناب لمندسواسب أدمي المركم شرب وف ادره فرت خواحه أو بمولانا وولون وحوب مين مراقبه ورتوحه كي صورت مرمقابل تنفي مورك تفع ا دروه مراقع عيرك را حفرت موان) نظام الدي فراية تغيارين لاأس ماقبين ليفيكوشل كبوترابيا ورحفرت فواحه كوشل شاب اركدمر بيتي برداز لرناء حابدان من وأكا وبن مرتيطه يتعة آخر تفيطر بيعماينا يحيفرت بمسالت ليكميا صلا وعلية مسابئ كأكيب أكسوقت باركا ومحدى شئا لدخلنه المطابر مول اور مجته أعرش عناييت اورهمايت من ليليا اورين الوارلانهايت أتخفرت صلح المدوليد وسلم من موسوك مفرت فواح سب بهان مهو من المحضن مجال تصرف نرسى حد نرت رسالت صلے ان علنی سارے بنا اور کونز طاب بیونوا کو نظام ال بساما بيراس مته كمسيكو كالمهنين حضرت خواجه سفر مراعظها فيا در شرى كيفيت سليما الجني ا در گزيزي كور أنس نغيزت مين مثي روز بها ربوگ اوکسی نے اُسکاسیب بنانا زان بعد ضرت فوار فراہ جمدعلی حکیم نرندی آورر سرد کے مزار پر ا ورفد دست مولانا ففا م الدين كوهي اشاره كما كرسائة رموندست ولانا مفرت فواحدً فراند كيموا في شفرة ا خوارد محمایه که مزار کوسکتے اور حفرت خواجه به نه سواری انگوندی که سوار <sup>دب</sup>ران با وجود مکر سفرت سولانا سروهندیف مختص يدل مفرت فوا وسكريكي كرتر فدكومات عندا ورطرى ممنت ست رقد بوسني حبيده فرت فوا وبرزار برمويك خالی با بالعداز صبی معلوم مواکر صفریت خواجه محدکی روح مرضنی مولانا نظام الدین کی میشیدا کی کوکسی مهر ا ورروعتر مّا ل يوفوا هفرت نواييه مفرزايا كرفق سبوما مذكوت كي نسبت عن بيت سوسم كما كريسكة بين كسيكي مدوعولا ما لغا م العربن مريوبت م کی اور وه کدورت بالک دوربه وکنی - اوربیهی حضرت نه تکایت کی پرکه تا دانا نظام الدین و لایت شاش مین آنا تتصاور بهارسه بيهان مهان رسبها درسم اكترا وقات أنكي ضدست مين بسركريته اكيب روز مع بممي صعبت بين يخط تختاك الإ زاده فرکتی میند کھال کبرے کی دباخت کی میوئ ترسع نا زمندی آپ کی خدمت مین لاکے سینے ذمہ کیا کہ آپ کے لیے بيهستة ين سلوائنينك حبب كربيشين ووزون سكه مهامت ليكيئه أنسيه ميطوع بيدا كركر ميان كوبيسيت اورجا بيبيرأ سكي لأتشع لرسف من مراسر دخی سولاناز ارو نه آب که ساست بطای و ن ای تباری ارزا به بیستین کی تباری مین در کرتیانا

يه اسكية في كدمولاً كم المن مين نها يت تغريبوا ا ورفرا إكدابهال يو ارسه ابهال كسكونسيت سے فارچ كر اسج عيوات كرسف تكه كرحس زمان مين مي مرضوع عظه خوا وعضام الدين كوسخت مرض مهواا ورمرسف كم فرسيب بهوسكم بال بي أسك ما رسد إس أسف مهت كراك الدوا حرى بالين مراهم جائين ميم سكة اور و كمياكم خواجُواري مین بیخ اسکا بارانشانی مین ایل کمیا اسکے لڑکو ن نے مدسے زیادہ عاجری کی ا درمیالی کمیا اور پیمکونیا ہ گردا ناخا ومسيرهاكرا وراسني كونابت كرخوا ته كواسنے منهان حيات بين ليليا او را مني نسبت مين أسكوليا فواجر كوصحمت موكني حيذع بعدا کیب برا دا قور مهار*سه ساینخه آیا که با ته ا درگردن مها ری با نده کرسربر شنبه بازارون مین گشت و کمرمر الغ مبگ* سامضه كيكئة اورغوا وعصام الدين أسوقت نتينح الاسلام سمرقنه كائتفاا ورأسكي طاقت مين بتفاكه بإمري ميزرا سيسفار لهدا در در دمهو بخاند که اُسکی نو د داری ا و اسمال سیمین عصد ا و غرت کائی بمنیه اینی مثمان سند کالدیا صب نسبت خارج ہوا نور اگر اور مرکب بعد تغریاس حکایت کے فقر کی طرف منوج موسے اور کہا خواج آگاہ موکم تم بی کسبت مستنظم ربات جرا کیبالْقل عظیم اینیا ندرین نے وکھیا دنیائے اُنگی مجلس سے تجبلہ اُٹھر آیا اور چو ککہ مین آپ کا مرز نہ مثا شینج خا و ند نلهور ا در مشنع عمر باعتسانی کے مزار کوگیا قدس مسرط آه راُئلی قرشے نیز دیکے مثبیعا ا ورباطن میں اپنا عوض ل كديا دينظه مدويا بي أس نشست اور توصين السامعليم مواكداً ن عزيزون كي مدر دومانيت معدر الط نعدرسی ا درمعوی کے وہ بارج حضرت مولانانے فقیر کمیلات متوجد کیاتھا انفیس پرٹریا اور جیسے وہ تقل و و بعواس انتخاصا م خدست مولانا کو طاحون سی **آب کے سائٹے مہو**نیا د **کمیاکہ** مولانا بجستور بنیجے میں اور ہولاناز او وفرکتی اورا کہ ماء ت<u>اصحاب کے ساتھ</u> صعبت گرم ہوا ورکوئی کشونیش نعین سی میں بھی میٹے کیا منتقا اور تنحیر مواکم تحقیق م بوانتها كهوه بارمولاناكى طرف كميا سبب كميا بوكداُسكا الرظابر موااسى سوح مين مقاكد كميبارك مولانا جلائے كافخ ا بنو بابرگرا ا و رقعی کمیرا به بسن این کو امیدا اور ده مبترمض برگریت ا و رأسی مرض مین دنیاست گئے حفرت نے اُس عايضهين مولانا فاسم عليه الرحمة كوج حفرت كے بڑے اصحاب سے تنے ضرمت مولانا نظام الدين عليه الرحمة كى جايج كه ليه تعينات كميا تفعا نندمست سولانا قاسم عليه الرحمه فراق عق كرسولانا نفلا م الدين اس مرض مين مبست روشفه تق اور كمت مخته كهنوا بهند سكوبورها يا يا ورج كوياس مت العربين ثيثة بيداك بهمّا تنسير لسليا اورسمكوآخر كامنعلس كرديل إ دجود كي حفرت خواج علادالمدين قدس مروسة جوقوت ادركمال تعرف ك تفي أس سع برصيرسعي كي كراس فعرك بيث مين تنعر*ف كرين ليكن ذكريسك بغفي نريب ك*ديغط انسبت اورينها بار ودكايين بوغ احكان قديم الدرارواصم كي عبارات دا شارات مين بست آت مبين سوكبج نيسبت كيت مين ادرأس من طريقيه اوركيفيت مخصوصه اوريعهوده اس گرده هالی کی مراد لیتے بین او کیمبی سفت خالب اور الکینسر کشی اراده کرتے بین اور کیمی بار کیتے بین اور گزانی نس ع بهت مين عبيناكمين كذهلان ابراته بوافلان في كوارين كيا حب كسى سند الماقات كرين كرانك طريقيد عاسن ت

ترحمه رشحات أرده

لچتا مواوراسکی نسبت سے متیا ٹرمو لےمین سرمنیدو پینخص امل سابک ماال علود تقیہے سے مواسوا شیطے کا نسبتون سدا دیر بوادر جویز اُسکے سوا ہم انکا با رفاط ہوا در کہ بی نفط ارکا کہتے ہیں *اور اس* لوئی مرصن باچار مندارا وہ کرتے میں صبیعاً کہ کسین فلانے نے فلانے کا باراً شھایا ہی یافلان نے مار فلان بردُ الامراد رفع مر بإروا لدمرض ببواسي ورواضح مبوكه رفع مرن او بوالدمون طبقه فواحكان سكه مسائة مخصوص بوقعه س العداروالهم التفغير كم عليها لزمته نهزيت كمترقيح كه توسشب حمواكمبسوين جما دى الادل شنث آشخرسور شيسته بيين سيدا مواا وراسيج کی مین کوایک بررزرگوار خاندان مفرمت خواجه محد مار سا قدس السد سره سے مفریجاز کی نبیت سے سنہ وارمین اوالیا سے دارومبوسلاً اورجیدروز جارے کو مخمرے اور عمراً س سجکوجمع کی بھتے اعتون برلیکرائے ساسنے فیکے بھی میں نولها اورد البینه کان بن اذان اورباین مین اقاست کهی اور نیری بینها فی کو پوسه دیا اور که ایداته کاسیارا سوافین روز در بخصی نسبلی کا عارضه مرا ا و راتکون کی وه مهاک مباری هریم قررسه محبب ده مرض زباده میوا د وسری ابریجیم أنكه سامضهم لليكئرا درمرض تيرابيا ن كميا فرما يا كحير فوت بهنين اور بيرتشريب تيكن أنفعا لياا درايني كو دمين ركه ما ادرست بإنون كك تبرسا وبيرنا تفريه إا وركه اس سه بهت كام بين تم فاطرم وكو أسط اجد هر ا ترأس موض كا بقعه خلا مرنهوا اورحب اُس دیارے طالبان وست ران نے اُس عزیز کے حال سے تعویری املاع یا بی صحبت اُسکی تنبیت جا كرفيدست مين آسيّ ايك ون آب في فيرسه بوجيها كرفاءان بوان اس شهر كه مبررگ زا دو ق مسعد كرمها رسه ما تام زیادہ الثقامت رکھتا ہی منیدر وزم ہوئے کہ لنطانیین آنا کی اسکا سبب ہی میں۔ کما کا کی مہند سے دانتوائے روهنليمين بيراسي اوراً سكامتيم ليك طرف سدورم كرزيا فرما يا كرود بوان مرنها ربوطبواُ سكى عيادت كرين آسيك سأتم ائس مسيدزا وه مكة مرحان مم مكن وكمياكه شخوبرو م نسبتر والرائب ورديها بيت دردسته فارين روما بهي بعبداز برس متوطری و برخاسوش رسیم اورایسامعلوم مواکداً سیکرن کی طرف متوجر موسکه ایک ساعت سکه بعد سرانهما یامه دروآب سکه دانتون مین آگیایتنا اوراسی طرف آب کے سنے پرورم موکیا درد دندان اورحرارت اورتینوم پدرم کیے التطفا درأس جوان فيصحت كامل إنى اور كهوسكه وروازية نك آپ كه سانخداً ما اور آپ دوسبغته ورده ندان م بتىلارىيىمىغىت فرائى ئىنى كەيچىكىداكار خاندان سىدنوا كىكان قىدس الىداردا مىم كەمنىقول بىر كەمارىردىم مىن آسىق ین « عصورت سے ایک مبوتی سی ایک به کرجسوفت آشنا سے عزیزکومض اور ملال پاگ ه ک گرفتاری عارض جو يبعضرت ومنوكرننا ورنما زثيبة اورنفزع وزارى كريته مبين ا ورصفرت من سبحا ندسه درخواست كريم مبين لەكىسەس مايىندىسى بېكىسان كرىدا در دوسرى صورت يېچ كدسا دب موض ياسىنىيات اپنېتتين ما ا بین اور کست بجامه اینه کو اثبات کرتے بین اور بعداز دلیارت ونیان کام کے تفرع دراری کوتے بین اورص تی و اخلاص توبه وانابت أرسا تفرج ع كرت بن اورا سعندر فاطرمشنول كرية اورميت معردت كرية بن

اُسکو بانکل اُس گزنیاری سے خلاصی میسرونی جا در فرائے گئے کہ ایک دفت جیارا ورغزیز ہمیار ہم اُسکیمیت سے مردکا بہت خوب ہم مدد دوقسم کی مہوتی ہم ایک یہ بم کہ مہت تنا فرکسال صفرون مہوکہ مرض دور موجاسد اور دوسری بیر بموکٹر کے دفت فاط کو براگندگی مہت مہوتی ہم اور باسانی خاطر جمع نہین مہرتی ہمت سے مددکرین کہ خطرات مراکستدہ دور مہونا کا عرابہ کی مقدو مرفع پر ایس عرب

حضرت مولأ باسعابن كاشعرى قدس ويرا

به ابتدا رعال مین اشتنال منسبل علی م کار کھتے تھے اور کتب متندا وار تحدیب کی تین اور ظاہری حمیب بھی انکو تحي حب اس طربن كاشوق كي ترك اورنخ مد كريح سولانا نظام الدين عليه الرحمته كي يحيت من واصل موسكة هفرة ا افواحه کلان ولدعزیز حفرت مولانا سعدالدین قدس سره کے فراتے تھے کہ ہارے والد سکتے تھے کہ قرمیب سنسرحوین ک ين متفاكه والدمجية النير مسائغ سفرمين ليكيم اورآب مهيشه تجارت مين مشغول ريت فضر اوراطات وجواسنه سماش کے لیے آمر رفت رکھنے تھے اور جی سفرین مجھ کیکے تھے ایک فڑکا نمایت صاحبیل کے جمجوبی ساتھ تھا مجھ آس محبت كاتعلق موكيا اكيب شب كاروانساب ككرون باسم تضهم بهلوسو كم حبب شمع كل مولى اورنوك سوكمة مينز كاط مِن آیا که اُسکا با تفر کم ون ا ورامنی آکه اُسپرلون ایجی با تفرندین مرُّ حایا تقا که مین نے دکھیا گھڑ کا ایک گوشد شوق سوالوں ایک مرد اسبیب شمیع روشن با تخومین اس شکا من سے با سرآیا اور بیاری طرف مگھور کردیکی اور طبرگذرگیا اور دکوس لوشه أس كركاشق مبودا ورأس تشكا ف سع با مبرك كيا ورغائب موكيا عال ميرامتني وين شيه موا وروة تعاق مزط وریمبی حفرت نواحه کلان نے نقل کی کہ والدیما رے بارہ برس کے تھے کوانے باب کے ساتھ سفرین کے تھے اکمرز كاروا أسراس كم دروازر برينتي اورسودا گرون كا ايك گروه أستك قرسب إسيم محاسبدا ورمشا قشد كرت سكته اوراً كَلْيَكْ وبهزيك طول مبواآخردالد برگريئ ولى مواا ورسيافت يارر ويه كاستدر كدوه جاعت اينى گفتگوست باز ويكريمي طوت متودیعی کی دوریوهیاکه کموکیا مواکدے دجر وسے موفرایاکھیج سے آسونت کک میں موہود ہون کہ کموخدا اپنے سے لچھ ادنیا کی ادب تمعارے اور مجھے زحم آیا ہے اختیار رودیا رحب آپ کی تھیں علوم کے بیداس طریق کا ذوق ہے عواته ضرمت مولانا نبغًا م الدين عليه الرحمة كى ملازست مين أسكة ا وربرسوان أنكى خدست اور المرمست بيئ سيمان چذرال بدائی اجازت سے سبارک سفرکا را دہ کرکے نواسان مین آئے اور سرات کے مقام شاہمے وقت کی

ت مین مهوینچ هیسی حفرت سیدقاسم تبریزی اورمولانا ابویزید بورانی اورشینی زمین الدین خوانی اورشینی مبالا

عرفدس العدارواحم اورحفرت سيرقاسم تأس سده سكحت بين فرأبية تخط كريركواب معانى عالمهين اسوقت

من مام مقائن ادل أسكر إس من بين اورولان البيزيد بورانى قدس مروك عن بين كن سق كم أسكوندا-

لاق كاينتين مج وبالم م كري خذا كوأسط ساجري اورشيني بهاوالدين عمرتدس سروسك مق مين فواسة عقد آكيزة أ

ذات محدمقابل طرام ذات كے سواكو كى جزاكسكے شهو دمين منين م واور مفرت زين الدين كوكما ل شرع كے س كرتے تھے خدمت مولان علادالدین كرآپ كاصحاب كيارسے تھے كتے تھے كر بارس مفرت مخدوم مولانا فزاني يتحاكمها ول اول كدمين مرات أما ايك شب واقعدمين السيا وكمينا كديثرا مجمع محقائام ادليا برمرات موجود سق مجدائس ملس مين لاخ اورسيه حاحزين يرمقد متيلالا الا ووتحص اكب شيخ الوعيد الديلاقي اورووم قوا ترعيد اللغا انتهی کلامه اورمولانا علاما لدین کے سوا دوسرے سے سموع ہوا کہ حضرت بولانا سعدالدین رم نے فر مایا کہ سم م**س** وا قعه <u>سع</u>مین بابرآما انترغ ورکا اینه اندرها پایین اُنگها اوراُس آدهی رات کوم*رطرف جا با عقا*ا وراُسَ عَوْ کے برنع سے لیے علاج کی مبت پنے کر تا بھا اما تک ایک مجتبونے بڑی شدت سے ایک ڈنگ میرے یا نوک میں الیسا ما را کرصیح بک مین ملا تا را اوراس ور د وحنت مین اُس رعونت سے خلاص یا بی - حنذیت محد د مرفعه سره نغمات الالن من لاسكر بين كرمها رسد حفرت مولانا كيته ستح كر بدر از ديندسال و معترت مولانا فغلام الدين مبره کی لما زمست مین گذرے مجھے خوامیش مبولی که زیارت حرمین شریفین کی کرون زاو ہوا السرتشر رفیا و کمرا میں نے ا جازت جاہی فرایا کہ مرحند د کھیتا ہون مجھے امسال حاجیون کے قافط میں ہنیں یا یا ہون ا در پیلے است بهت دا نعات مین نے دیکھیے سے گراکسے مجے دیم متفا ورآ ب نے کہا کہ مست فرونہ کر صیب توما ہم *ای افعا* كوشینج زین الدین كی خدمت مین وض كركه مردمتنت رع أورماده سنت پرتابت مواد دات كی مذمت فثن زين الدين نوا فى ستنے رحمتہ العدنی سے کراکس ِ قت فراسان بن بھام ارشا و ادبرشنجی کے منتعین متھے حب مین خراسان میوننیا مبیدا که صفرت مولا فافلام الدین سے کہا معاجے کو مراجا المنتوی مہدا اُسکے ست برس مبد میر موا اور حیب مین شینے زین الدین کی خدمت مین مہونیا اور وہ واقعات میان کیے آپ نے کسا کہ مہیعین المواور ساری قیدا را وت مین آکمین نے کہ ایک رگ طبع مین نے یہ طراقیہ ایا ہو ایبی متید حیات مین جین اتي امين بن اگرآب جاسية بن كراس كرده كى طريقيت مين ايسا جائز بن تواليا كرون آب ف كرابستخار ه کرومین نے کہا مجھوا نے استفارہ براعتما دہنین ہوآ پ استفارہ کرمن کہا تو امستفارہ کرمین بھی امستفارہ کر<sup>ہا</sup> ہو<sup>ن</sup> حب رات ببوئی مین سفاستخاره کمیا تود کمیها که ایک گروه خو اجگان زیارت گاه مرات مین که عفرت شیح دستین وہان تھے آئے اور در خنون کو اکھیرتے تھے اور دیوارون کوگراتے تھے اور قہر د ننسب کے آثار آپ میں ظاہرے ين مجماكيا شاره منع كام كرد وسرك طريق كراند في المرين مين فينت بديا نوك ميدا يرارا الم معرسورا حب صبح کوشنے کی محلبس میں آیا بغراس بات کے کہ میں اپنا وا قعہ بیاین کرون کھا طریق ایک ہوا درسیا یک کی ماحت بجيرته مين ابنيه أسى طربق مين مشنول رمجوا كركوئى واقعد ياكوئ مشكل مثبي آوسد تو يبهيد كمن حبسف رهبيليكا بهتمه عاری مرد کرینی معفرت مخدوم قدس سره نفیات الانس مین اس سینز ایده منین مباین کمیا او خفیت انا

استخاره کے لیے شب کو تد رہ کی ایک درخت بہت بان دیجھا کہ آسکی ڈالیان بہت ہیں حفرت سیخ نے جا اکرا کی جی ی دال اس درخت سے توڑ مین اور الگ کرین برضیسعی کی اور زور کیا وه شاخ بایخر ندمگی صب صبح کوحضرت مولا نا سد لا قات کی فرا با که طریق ایک میچتم اینچه آسی طریق سیم شنول رمبو-حضرت مولاناشمس الدین روحی علیار کرم کیتے تھے کہ سمارسے حفرت مولانانے فرایا حب مولانا نظام الدمین علیہ الرحمہ کی خدمت سے صفرحجاز کی دما زہت عا میں کہا کہ مین نے قاطلہ کو یا دیہ مین و کھی*ھا اور آدائنین نہین تھامین فاموش مہور یا اور صنیدروز* عبد میں نیپولو**ات** عا ببی که که جا دکسکن مهاری رصیت قبول کرو مرکزوه کام کرنا جرمهنه که یا ورسم شیهان موسکه اور پیشه رمندگی تعیا بيحا وككاجسونت كرقه وآلى كانشان تحييية ظابريوأس توت قهريكواستمال كمزاجبيا كمذيخكيا خوابجصا لمايي ا در بیضے سنکرا در نااہل لوگون سے اور یقصیمولانا نظام الدین کے ذکر بین جہان آئی باطنی قوتون کا بیان سواہی فسک لکھاگیا اورحفرت مولاء سعدا لدین نے فرایا کہ مین نے یہ وصیت ٹیسے قبول کی اورجنید روز لعبر مجھے الیسی کیفیت بیدا مبوئی کرسبکی اُکھ میرے ا دسر ما تی گرٹریا ا در فی العفور بہوش مبوجا آما وجوبر پرسے پاس آما وہ مرجا آما ورمین اُس نیٹ کے فلدر کریتے ہی گھرکے گوشہین واضل موا اورجوالی رات دن اسٹرمین آیا اور حرکوئی و درسے نظراً اورمیری كامّات عاميماين المحرسه اشاره كرّاا ورروك وتيا اوراني إس آف نديتا أس وقت كك كرده مالت اوكينيث الله ار فوا مرانقاس او قدس المدرسره حفرت كه امل اصحاب سے ايك ف بيف كلمات قدسي آب كے جمع کے بین تحورس اُنین سے سول رشی کے اندر کی واست مین ۔ رشی فرا میرکد جرکام فرمنی کرداکس سینشنول مجت بونا آسان نرای اسواسط کرج چزیج اول آسکود و نگرست بين أسك ببديات بن أوري سبحانه كواول بالقبين اوريورُه عويمُرحة بن أكرنه باسته توكب فوامش كرتهم مع ع ة توند مني جها ل خشق مُكرد كمال به تترجمه و كيف نه توكم والعشق نها وسه كمال به يشعن ج مفرت موان مسالدين قدس سروسف فروایا است بیسنی مین کداول مت تعالی بنده کے بالمن مصفت ارادی کیما تم مسکتیلی اراوی کیسے ہین نظر کرتا سو اسکی وهدائی مبرق سبوانه کا طالب جرامون اس صورت بن یافت تقدم طلیم مرتی سواورد و اسع مانک بیت کا به برمصرع مصر نوی وصعت مال را ست نیا دیشندید ترجه بسنتا بی تو وصف مال را ست نعوان شنیا نغيم فرايا بوكذكو أيشخص جواكيك كودوست ركطه يبي جاميتا بوكرسب كونئ أسعرما ببن اگره خريت ممبت اسلىمقىقى بركەم دىركىمخىنى رىكھ گرغامىت محدىث سے اسلىسى مىن بوكەكون اُسكامنىكنودەنىين مائشاكەكىيا ي اوركها دياركوسكه سب أسكاطالب ا ويرقعة دمون عس طيح بنيرا ورص صفت سيمكن مومموب كي تعولعيث كيست أكداً سيكے طالب بون –

س**ع ل** كے سبب بال تيرے بين برمتغيراور مشائر ميون اُسنٰ ل كے نيمے وا اُ وار قة فرا ما نبوكه فواجهی بارساقدس سروسانه فرایا بو كه منده اوری سبحا نه کے درمیان مین برده بھی عالم ك مورژ ول مین قش بنوتا برواور مینشش بردا براگنده صحبت ایسرا وردیه زنگ دانشکال گوناگون سیمز با ده بونا اوردل میز گهبنا تا بوطری محنت ا مدانشقت سعدا کسکو د ورکرنا جاسیسیدا ورد دسری کمشا بون سکرسطا بعدا درسمی با تون سکے کینے سننهٔ اورمتفر**ن کلیات** سنه وه **نغوش زبا** ده مهوته مین اورانهی صورتون میکه دیمینهٔ اور سازه ورنغات خرش کرزگی سننے سے دہ نقش خبش او تموج مین آستے ہیں اور سرگا ہ پسب چزی حق سبحانہ کی دوری اورخفلت سکے اس أفكالفي كرنا واحبب سوليس عاسبيي كرأن جن<sub>ه</sub> إن سنع حريفيال كونترتى دمين قطعاً *برمبزا ورصا*ت دل سع حناب حق *سبجا ذرکه بنا*ب مین توج کرسیدا مدرتعالی کا طرایی اسیرطاری می کدیمتعصود بلیحنیت وشقست اورترک لذاریشود ا مسی کے عاصل منبین پیرا جراحت کی جاہتے میں آخرت میں ہم دوئین روزاس سامے فانی میں ریخ انٹھا بھیمیشیہ ہیں گوہ كراس عالم كوأس عالم سي كو أن لسبت بنين سجكويا اكيب لق وق سايات مين شخاش كا اكب وانه كارترا سرو-رتشی مہارکی فعس کی اورآپ کے اصحاب سے ایک صاحب نے تعیفے رسالے مکھے تواہش بھی گرسیتہ تام موان توسر*کیب اس اثنا مین ایپ*کی لمازمست کی برراج عی مشهر پی که ریاعی ! یارنگلزا برشدم ریمذر بر کال انظرات مگذرم از بیخری در ولدار تعطیعند گفت شرست با دا به رفساً رسن اینجا و تو در کل مگری جهیر فرما یا كالرسيركو توجانا بركا ورسيرس لطف عاصل كرابي حق سبحا ندست توغا فل بوا وراكر يتحيه حظ نهين بوتوكس طبح جآنا بي ا وربهبت سے رسار لکمت بي اگرتوعل كرنا جا بها بي تواكيب عن ببت بې كدخدا بيكے ساتخوشغول ره اوراً ك توعل بنين كبياجا مبتاكسطير تونكوت سوا ورفرايا مجارا كيت فهين اور شرار آساني سيخن سب حكم بكام ويتاسي جوجير غيري وتشقة فرايا بكاد حفرت مولان نفام الدين عليه الرحمة فراقه تضحكما موشى مغيدته كلام يتعرسوا سواسط كسيخ مديث فقس ميا بونى بواديشن الى براز منقط بينين انع أسك أس نفي كدريا فت مديث نقس بواوا راسدى معبت کے ذریوانیے ول کومدیث النفس سے بجانا ما رہے اسوا سطے کران حفزات کا ایک گوش بوکراٹس مدسٹ کوا کان سے سنتے ہیں اور انکے وقت کونشونش دتیا ہو وشخص ایک تا ب کے دیمینے میں شنول ہو اگر ایک آ دیمی ٹی سنن كيه أسك وقت مين تشولش ويثا سج المكيا يكب كهي اكردرق برآن يتمينى توشنوش مرداسي وه حباعد يجعل المدوام ترحرا ومِشغوبی ښاب ح<sup>م</sup>سبعانه بین رځهني بين هروره ديث نفس انگرتشونشي مين دالتي مرا ورمنين تمبعورتي کوشنو المرين اكي شخص جردة البوالة كا أسكها س سرا درره نا اسكانشولش و قت كا باعث مي كين بين كريبة ان أسكامنوان ا • المسكة خاموش موكونى بونا جاسبي كدلبه تان ذكرول كم منه ومن تا كارتتير عنوى مينيا خروع كريد أور ذكر كريف بين الم آوے اور خیا لات اور صدیث نقس سے صاص ہم و بجد معیں کے حال کی کمیدت ذکر کر ایجی حدیث نفس ہج ۔

رشی آگی۔ دن اصحاب کو محاطب کورے فرایا کہ یا روجان لو کہ بی سجانہ اس عظمہ ستا ور فرا کی سے معافقہ تصفیت نز و کمنگ اورانس اعتقا در چائم رہو کہ ہیا ہت ہر حذید کا مرسو تھا کے اورائس اعتقا در چائم رہو کہ ہیا ہت ہر حذید کا مرسو تھا کے اورائکھ بند کے ہم بھی فالم ہراو رباطن میں خدا کے ساتھ میں با نون نر محبیلا و اور باغ نرین خر مندہ اورسہ تھا کے اورائکھ بند کے ہم بھی ہوں ہا اور باطن میں فراکے ساتھ مساجھ استان کے ہم بھی ان اور اس براو رباطن میں اور باطن میں اور باطن کے ساتھ تھا می کو اور درام باوہ و مورس اور میں ماحم براور برائل کو اعتبار سکا خطرون سے گاہ رکھ تھے کہ وا در آواب باطن براور بیا ہوں اور با میں سے میں کہ درام براور برائی ہو اور برائی کہ میں سیاتھ کے اور درائن آواب سے میں کہ دل کو اعتبار سکا خطرون سے گاہ رکھ خوادی مواد اور برائی میں سیاتھ کے اور درائن آواب سے میں کہ دل کو اعتبار سکا خطرون سے گاہ رکھ خوادی مواد اور برائی کے اور درائی کے ساتھ موجب میا ہے ہیں۔

بر حدید در شوار مین سفرور ترائن آواب سے میں کہ دل کو اعتبار سکا خطرون سے گاہ رکھ خوادی شرو دون اور ایس اور برائی کی دور میں اور برائی کے دور درائی کے دور درائی کے ساتھ درائی کے دور درائی کا درائی کے دور درائی کو دور درائی کا درائی کی درائی کی درائی کرائی کرائی کرائی کرائی کو درائی کرائی کرائی کے دور درائی کو درائی کرائی کرا

رشخه فرمایه کردن سبی ندسفه بند مبنیر صله السدعلید وسلم کو مرا نبر کاطرانقد تعلیم کسیا برویهان که فرمایی بانکون <u> فی شان و انتلوامندمن قرآن و انعلون من عمل الاکتاعلیکم شهودا ذهنینون نسیاصل میکه به بیچکری سبحاند نے </u> فرايابي ا درحفرت رسالت صله المدعليه وسلم كوتعليم كما سي خلاصه أسكايه سي كرحبّاب حق سبعانه مين مشنول رموحق سبحانه مبنده پرسب چزون معدنز د یک تربی ا درنز دیگ ترکف سریجی نز دیک تربی اسواسط که مال قرب بین عبارت بنین سماتی حبب کر قرب کوعبارت بین لادین تُجدمهِ ما تا چی قرسب بیهنین می کرتم کهویم اُنس سے نزدکی بین باس سے عنبارت کرسکین قرب وہ ہو کہ تو آسمین کم مبوج اسے اورغیرانے کو اُسمین تو کم کریے اور بیجھے نہ معلوم م كة كها ن عقا اوركها ن سے توآيا ورمطانی أے توجارت كرسكے سيكسى بزرگ ك يا س ايك شخص آيا لوكوا کرفلان شیخ قرب سے بات کہتا ہی بزرگ نے اُس سے کہا کہ حب نواس بزرگ کے پیس مباسے کیم کراس ماجیم ہیں فرب بعد ہم قرب عبارت تی*ہدی نہونے سے ب*ود ان عبارت کوگنجائش کھا ن ہوس رشني<sup>9</sup> فرمايا سوكه مرنفس مين الكيسه كبغ گذرا منج دا قعت جونا جاسييي مق سبحانه حاخرا وزمانطراي حاسبي كهوش سبحا نهست شرم رسكه اورأس سيرخ بزرسيرى سبحانه سفه لماست اورمه زلنش كي سي احبل المدارجل من البين سفر حوف الكياري كه اندر د و دل نبين بين كدا يك كو د نيا بن اورايك كوش سيحان بين مشغول مريكه آدمى سكه اندرا مك ل مواگر دنیا مین شنول رکھے می سبحا ندسے بدہرہ رہے اور جوی سبحانہ مین مشنول دیکھے آسکے دل سے ایک رفدان مت سبها نه كى طوف كمع كم ما تا بهر اور أس روز بن سيوفيش الني كا أفناس حكاثا منروع كرنا بو آف ب وطلوع كرنا پررسسے بچتر کمس ج ذرہ ہو کسکے نورسے مبرہ یا تا ہی اورنو رانسکا سعیب مرحکتنا ہواگر البسانگھر موکر المسمسين مروز دینم نومبیک اس نورسے بد مبره رسیکانس اگردل حاضری توانسکا حضوراس روز ن کے موافق ہواس راست

نوفين وجود أتسي بيونيكا اوره غافل برده نوراس سه آئے گذره انتكا سبت دوست به انظ ور تر نظاميات . نه بن توانه وغافلی از توگذر *میکند و شرحمه* دوست مراکم الحظه من تنجکه نظر کرایی و حب که توغافل بر پارستیسه گذر تراسی د **رستنی نا فرهایه که طاعات بهبشت مین جانیکی سبب مین ا ورطاعت مین ا دب کرناحت سبحانه که قرب کا سبد** مشائخ كامل قدس المدار واحهم اسيرين كها مبتدامين عاسيم كه اينه بإطن كوصا و: كرب اورتصفيه اور تزكيه ثين ال مولاً كه دوام مراقبه عاصل مو در شاعبه كو إعمال صالح سيركر أسي أن فاك مين المان م مصرع مرحدًا. بِمِلتي علت شود .د مرحمه على جوبيد العلت وه مبو + اكيب جولا بهرك شاكر دست كم منوا جاسبي كرابك من ياسبي كراسكي دور أستكف د وسرست کام ایجی گیا ن بین طالب کو ما بیسے کہ مبر و کدسے کوشش کرے اگرفتطرون کے و در کرنے مین اُست، دم واور جانف کرکس طرح نغی کرنی جا سیے اورا مبتدامین جا سینے کرکسی چزیین شنول نهر گرننی خطرات میں ج<sub>و</sub> نوگ کررسا ایسام كرته بين اورونان سے باتين اتنحاب كرتے بين كھير فائد دائنين ياسب سيكاريان بين را ونت سبحانه كى اور كام أسكا جا ثنا ا درگذای نه کهناا در سننااگرکونی با وشاه و بدا و سکنساسن مبیها مبوا در با دشاه که حضور من مهید بسبک موره با دشاه می اكب تحطشام كوميجا ببوأس خطست فيرما خرادك فائده أشائليكه نهايت ورجه كاما بل بي تقل اورما نس بمونا جفه إدشا وس اختيارهد وورجاسة اورأس خطسة يرسط كو افدا وسي شام كى طوف روانهو ر شخه فرا ابركه جركوني ايك حكيم و وسينظم وادع سب مكري و وكسي عكر أيس ر المعلى الماري كويرم و واستهر بين يكوك ميكوك فسام و انواع كربهاريان أسع مبوتى بين دفيع رض كرسير و واكمدار ش معمت إلى ببصبت بليرً بجريب عبوكها نافريح كما يخودا كهائى وراحها جوا اسى طرح حين ورتب ا حامه كمي امنيا م كوده و وا أسبير خرطی معویجات اسی طرح جس کسی نے کناه کی اور عیزلوب کی بمیرکناه کیا عیزلوب کی اور عیزگناه کی برتوب کر آسے گناہ سے باهل باز نرمك ادراسمین انرعظیم کمدیشل کمن ودیم یوبی وجه یم که ابل اسد ند برمزکلی امنشیادگدیا اورسب ترکیک ا درحق سبحانست مشغول معرف كراليها نهوم من غفلت مين موت آ ماك ر وتشخه فزايا يوكه حفرت مبنيد قدس سروغه كها بوكه مراقبه مين أستا دميرب ايك بلي يخة اكيبار مين غه ايك بلي وكمي كأم چو*ہے کے سوداخ کے سرے بر*ہیم بی اوراہیں متود اُسپرموئی کہ با لک کے کاعف حرکت نہین کرتے تفیقی جب سے اُسکویٹ وکی رہا ہما و فدّ میر مسرمین نداک که ای کم مهمت مین شریع تعدو دمین ایک موش سے کم منین مبران توم بی طاقب بلی سے کمٹرنموانسدن سے بین اندرمرا نسبہ کے گراسیت وانی کروایاری گفتہ ہت امروزہ جزا کھیے ورمنگرورہ کروز ہ ترحمه إرسفكياتي مجيري كهاكيا بإنفاقه بزمهار عفركومت وكمينا كرانفاتون رشی از ایمیشه اوخی سجانه مین رمونس مذکب کرانیه سے خانب مج ما دُمی سبحانه سب سے لطیعن تر بوس ک زاده مي تن بجاننه مين مشخولي سكه سله منزادارزاده بي-جدالها ورموزه دوز أس شخص مد تطبيعة، ترجين جدعام من كاثرا

براہر انینس کشی نمین موتی میر زازا نسے نطیعت ترسواً سکھانیسین موکہ جولا کمری اورموزہ ووزی کرے ملالو کس نراز دن سی تطیمهٔ تربین نزازی نمین کرسکته میروه جاعت ارتباب مق سبی ندمین مشنعول بین سب سی تطیعهٔ تر<sup>ین</sup> أثكو سەمل ودانع منبین بنې كەندىزى سبانى ئە كەساتىرىنىندول بېران *اگر كوع كوبن توانكونوش بنىي*ين آما كەائس سىھەپ اور تنجیده مین به وین لیدندنهین آنا که مراً تکھائین میرگروه سبب سے لطیعت ترمین اسکامخل اکمونمین که ایک پلکارنے مين بجر حق سبحانسة مشغول مهران انهيا أنكه حال برغبط كريته مين كداس سبب سهد كد النكه ورحدا وركم الاتناب کے درجہ اور کمالات سے زیادہ بین کسکن اُنکوا کی۔ تُسرف طال ہوکہ میں شید حضرت میں کے قرب میں میں اور حق تعامیے ف أنكوننط خلق سے بہشدیدہ رکھا ہے اور ایٹینیک کے اٹھین انبے مین مشغول کیا بادشاہ امور مالک اپنے ایک مقریج سیرد کرتا سی ا در ده با دشاه سکے مکم سے ممالک مین تصرف کرتا ہی آ وردوسسرا آفدا بھر دارہ کہ با دشاہ کو وضو کر آنا ہجا کو ببهيشه بإرشاه كيسامينه مواكره يالك بن تصرف كريه والابا دشاه كه نز ديك مقرب ترادر مركزيره ترا درورية أسكالبته برداوراليت اگرفالمبيت أسكى طرحك نهوتى مالك بين متعرف نهوتاليكن آخاب برداركويرشرف بوكه دام قرب بادشاه مین سیرا و رغد زمت خاص اُسکی کرتا ہم یا ور دوسرے کے ساتھ مشتغرا کہنمین ہم ور نہ وہ کہان اور ملکت میں متصرف کمان بومتعرف مالک کام و ج قرب د وام اور فدرست با دننا ه که آنما به بروا ربررشک رکھا ہے۔ ر شری این در در می قدس سروک اس سیت که معنی مین فره با بوسیت ای دید ه عجانب با شکر محدایشیست! ین معشوق برعاشق بد مرى نه وبا وس ف 4 كه اكركو كى بزارسال برواز كري به وسد عادبا وسد فى كالتعقيم وس ى*ىپ كىيونكر قرىب مى سبى ن*ە تغاسەكو ب*اسكتا بولىكن أگرسى كىيە دا ورمدىيە زيا*دەشغول بى**يوخ سب**اشە اسقى*ر* د ا دراک ا ورانتین اُسکوعطا فرما تا چکراس معنی کو درما فت گرام کری سبحانه بغراً سیکمنین را اوراکست فعلت کی ابل مدکود بیس عاصل برا بی کدلود و وجو دحی سبی ندمین کسیطرح کاشک اور ترود بندین رسی جس طرح سکا کسیکواسنے بود و دو دمین شک، بنین مرحند کیست سیندا ورانکمین سند کرست اسینه دجود کو کم نمین کرما ا وزمین معبول اور شك مين منين كرنا \_\_ ر شیخه افرا با مبوکه حب ذکر حرب اور آواز عربی د فارسی کے نسباس سے معرام دا ورتمام جہات سے اُسوقت شجربت کے مقام کومہوئیا ہم اورسب اوقات اُس سے طالب تمریکھاسکتا سی قو تن اکلماکل میں فرکروانہ کی شال ہم کونینتر كا درخت اُس سے بیدا میونامیوحبیه اکه اسد سبحان نے فرمایا پ<mark>وشل کلمة طبیبتر شبح قرطبیب</mark>هٔ جس طبع ورخت دانه سعیبیا ہوآسی توجیدخالص کدلیاس حرف وصوت سے بی فارسی کے اورشکل ورنگ اورکیفیت وکم اورجینی جہات سے جرہ ا درمعرا سرمعنهون کلمه سے ظامر موتی ہیں۔ نوارق ما دات آب کے قدس سرو حفرست مولانا علارا لدین که طبیسے اسما ب حفرت مولانا سعارات

يقعا ورذ كانتكآ المنكا فرات تح كهين سارنق مفرت مولانهيري عدار تأكوك كمسفيكن يستنطف ورلحظ عجراتس سرسنارک لنگادیا اور آس معقد کی بھیت میں سرسیا کے کی اوپر ایک کھٹاکی متنی کیا کیب ایک جوہبے سفے انس درمجے ئے کمنا رہے سے متورّی خاک ہے شکائی ا ورآپ کی گرون اور گریبان پرگری سسرائٹھا یا اورا دیرکو د کھیا اور معیرمرا ق ین گئے اُس جسمے نے تقوری اور فاک گرائی بھرا ہے نے دکھیدا کسیطرح تین اربیمورت مہوئی جھتی ارح کیما او غضب مبوكركها اي سله ا دب چرسه تب آعظه ا دربا برسكهٔ اورمین اینه نجهیوسنه برمثمها بهما اورائس معورت سے يهت شرمنده تفاخور يرمن وكياكأس ورئيمن ايك بلي آل اوركها ت مين تجيي ا ما لك جوسيم ف تموري مناک والی ده ملی همبتی اور اسنیه نیحه سیری سیم کوان سوراخ سه با سربکالا اور مارو الا اور تعور ایسمین سیر کها یا اثنین فنتی کرتا ریا اُس بلی نے اُس روزانفارہ جہ ہے اس سورانے سے بار بیکا ہے جبائے اور جمیورہ سے او میل کئی مولآناعلى مبربرا ورمولانا عاء دالدين ساكه ومطي مفرت مولانا سعدا لدين قدس سرو سكم تخلصاف خاص سيطق نقتل کی میچ که نزازی کی وموکان مین روکت بخاا کیب دن اکیب بیا دخصیل کننده ایک و نامنید کی میخنی ۱۵ یا اورختی او جهالت نشوع كى ا وراكسوقت مجيع أسك روبه يه منيرك مقدرت نهمتى متحد واكدل لردن اسكے قرب مغرت **مولانا آئے حبب وہ تشندواس سے دکھیا تو آئے کاندھے پر ہائٹرر کھاا در کہائینی وا در زبان رہنی نگا پر کھ جزنہ پن آ**ا ا بخوانسکاننا مذبر بهینی سبیوش مهوکمیا ورمانهایین لوشنے لکا اور دیزیک اُسی هال مین شراریا ا درآب میری وکا <sup>ایک</sup> در واز و پر بینیگارسے حبب اپنی اصلی حالت برآیا ٹری عاجری کے سائتم اُنٹواا درآ یب سک قدمون برگر مڑا اور منَّه آمیه کے لیشت ماسے میر مکھا اوراس أوكري مند تو ركی اوراس طابق كميطرف منوف مواز آور أسف نقل كی بوكد تركون كى ان مسل سيرتنى اور بإربيني مل ريموسة سقدان ايام مين وصداسقا مامل أست كيا وربي جا اربا اوروہ قربیہ، مرک مرکئی اور ال اُسکامتنور وہیں گھراکر آپ کے پاس دو ٹما آیا و لمیں کہ بہت سے علم الم صلحا آمیہ کے پاس جمع بین اوراکٹے جانے اور ہات کرنے کئ طاقت نہین حیران ہوا اورکوئی جارہ نہ جاناحیاتی جا الظرميرت اوبرشري أنسيونت أتحفوا وركوكي طرت روانه سوسة اوزامها بكي ايك جاعت آب كي يجياني تحقى اس ورميان مين محيط اپنيديا س كالايا اوركها أس ظالمه يسك كهدركه الكيار كيليا فلان تا بنغ كوتوية يدهركت كي هما ورتيجيمين سندموا ف كها بمقانس و فويحي سعاف كريف مين الرابر ديكرية طاريخية الهاو ريز كاتوايني مرزا بالبكي يتي بوكراً نسام إحبب كلومين بهوي ومكياكه المسكى حالت احجى موكئي اورأس رنس سے نشان باقی نه بحقا اور قعام سيومين سفانقل كمياروني اوركماسي فرمايا بوأس تابيخ اكميار قصدكها تقاادر مرف سريي عيرخدا سيعاقول قراركها كه عيراليها قصد كمزكى - حفرت مولانا ملادالدين في كهاكه أصوقت كرمين حفرت سولاناكي خدست بين عَمَا آگیب وان قاصد والبیت قسستان سع آیا اور ای با پی نظام یک جید شری اکیدست بایایتناکرشادی

بياه كزين اس صورت سعين بهت لول مواكدميا واحفرت كي لماييت سي على ومون ايني ول مين كها كرحب آب سے اطلاع ؛ يُمنيكى سِرَّائمنى مِعْمَدُ محفوظ رَطِينِيكَ ومجهِ قسستان نجاسفے وتنيكے چ**ىپير آ بسب کسا سے س**یارگیا ایجی خط کامضمون عرض نه کیا تھا کہ فرما یا سرگا ہ احرار کے ساتھ بلا یا ہم توجا نا چاہیے مین تثخیر موا اور بغیر **کے عارہ ندکھھا** عب که ان اب کی خدمت بین مهونیا اُسی میفند مین میرانکاح کرد ما اور آنتگرس مین مدان را الکین اس میت مین سمینید آپ کی خدمت کی طرف ستوج ریا اور باطن شریعیا سے فائدہ عاصل کر اریا اورائس شهرمین ایک ظالم فا تمقاكه ال واخراجا مت كي توجه مين معبت زيا د تي مهيدا ومركزًا بندا درطلم ومبدا و صرست زما و مركزانما ا و**مرينين جانتا تعا**كم ں طرح اُسکے طلی کو د ورکرون آخر حضرت مولانا کی طرت مباطن متاوجہ مہوا اور است غالثہ کمیا ایک مشب فواتین ئے کو و کمیماکہ نتر و کمان باتھ مین ہم امیا تک و **لاموزارت بل آیا آپ نے تئریسرک**مان مین رکھا اورکھنیمی اورائسکی طرف تيسينكا حبب بين جامًا اپنيه آپ كها كه وشيميرك بالأنس كمنبت برآنتكي دوسر، ن بين أسك إس كنيا ا وركها تباره ر پری دایجی آنشگی سنسدا ا در تصفیحا دا ا ورسیار اویا نه باتین کمپین تمین ر وز بعبد آ د ها برن اُ سکا فا بح سنے رنگیرا ورجع نْداً تمتعاب اور بيهي مفرت مولاند في في لا جين كام من بينة ستان في الكيب رمير بيري كا وشاعقا الك ون ا وينج وينت م لینی تورر بایتنا ا در اُس کا مهک درمیان نسبت را بطه کی درزس کرر بایت ایکا یک شاخ حبیر میرا با نون تصافوت ممکی ا در مین درخنت کے اور سے علیٰ دہ موا وکھیا کرحفرت مولا ایمارے ظاہر موکے اور مواسے مجھ لیک لیا آور ہے سالم مجھے زمین بررکوریا اس طرح کہ میرے کسی عضومین جِ ٹ ذکگی بدبات میں بھیا سکے رکھتا تھا اورجب آپ کی لازمت سيمشرف مواما باكه تعداس عامل ظالم كاو برفالج ا در درخت سيد الني كمية كاكهون قبل مير ركعة کے فرمایا کہ ظاممون کا گرنا اور ہج اور نظر اور ہوں کا گرنا اور ہج ہے صفرت مولانیا فرمانے بھے کہ ابتید اے مال مین جب حفرت مولانا نے مجھ ہرات مین ذکرول کی تعلیم کی فرا یا کہ میرے سامنے حیند ذکر کھو مین نے شروع کیا اور ول کو ذكريين شغول كميا فواياكا ميد وكريم اورول كو ذكريان حركت مت مد ملكه غهوم ذكركو دل برممول كوكسو قلت كم له دل مفهوم ذکرسے اثر ماکر خود تحرک مبوعة کام کو اسپرهی فردسدا ورص وقت که آپنے میرے دل کی خرکت سے خردی مجے عقیدہ نرتھا کہ تمام روسے زمین میں کوئی الیسانتھیں موٹھا کہ آ دمی کے باطن اورخلت کے احوال دل سے آگاہ موکہ میں تعجب مین اور چیت میں ٹیراا ور ذکرسے باز رہاسی کے فرسب فرایا کہ توکیا حیان مورہ بی خداک مشیم ہنے مین میادیک بِهْ ل مرمد بعزغار بإ حال سكر بيجيج كُوّ امهوا ا ورمين بهان أسك ول كوأنس سه مهتر ما بتنامهوك اس بات كسينطة مجت عری کینیت بدیا بولی بیرآیکا دامن منبوط کمیران فیمست بولانا محدم سے کرحفرت مخدومی مولانا نورا لیمین اگر مامی تدس سروان می کے جمیو تے بھائی منظول ہوکہ فراتے تھ مین امتدار حال میں کمبیا کے شغر کا فرلفتی تھ اوراكزادة اسكين حرب كرًا اوربست بجربه ماسل كمايت ا ورقرب قرب كام كه نشتان بين سف و كميع تقع جو**ت مقاطا سربنو**تا مخاا ورمین اُسکے متنعل اور ترک کے در میان سرز دمخان دراس وج سے نمایت شکستہ ل ورمشیا کال عقا لیکسه من اس برایشانی اورسدگردانی مین بازارگیا او برب جار داید.ی سک قرسب به بنیا او اوگوان که اردیا ا من الكيابكا ايكي كسى مدينيجية سعد اكرمير منظم إن ما تام والديا مهركر و كميها توحيد منه مولان ما العربي متده مين معهر إ اور ٔ اِزمندی کی آنیہ نے مشرط یا کہ سج وا ورسے بیٹنہ گئیریا ہے تراک نم تعلیم 4 کہ ۱ راکسیرز دردن عشاغیست 4 رومناعت گزین که در مالم دکیمیانی براز قناعت نبیت ، ترجمه تحکاک کیمیارد نایم به نه ده آلسیان باسناعت مین د با فغاعت کردکه عالم مین وکیمیا کیا جوسم تناعت بین ایه قطعه طریعا اورتشریف نیکیئے آپ کے جانے برارا و ، آس شغل کا یا کل *میرسند د*ل سنه **جا** تار ادا ورخاطراس وسوسه سنه خلاس مبر کر اولیقبن مواک<sub>د ۱</sub>۰۰ کیب تعرف بمقا کوننی براهات أتب سے میری نسبت صاور میواس حفرت مولانا علارالدین فرائے تھے کہ اواکس عال مین جوجے شریت مولانا کی فات افتیاری اورآب فیصلوم سری کی تعبیل چیوروسنید کا اشاره کیاتام سبق کوفن ، مبیت اور ناش اور کلام من تقع بالكن تيومُ دِير كِي كُل عِرسِيه الله ين محدث عليه الرحمه كما أسطح جوكتاب مديث عردها عقا المرقرسية الاختيام تمحا ا بنه إس طَى كه صرَّبَتْ كا برِّهِ مَا انْع بهو كا خيروه كمَّا بِهَا م كريون من سيفتهُ كا و ن بتما كه مديث كا بنرة اجمعا يا ارتبهه سے محلم میل کنزی کو جهان حضرت سید رست تنے علاجیب دروازی ملک سے قدم امرز کھا یا یا کد سر۔ اور میں میک لوسے كى مجارى بيرى بيدا ہوكى اسقدركە قدم شكل سے اٹھا تا بھا اس مالت سے مين سبت بيرت اورف مین مثرا ا ورلوگون کی طرف دیمقیا بحقا که ده کیا کتے مہن دیمیا که کوئی شخص اس اِت سے آگاد. ندمغام می شقیدیے سائغ بل روان سے گذرااس اُنامین دکھیجا کہ گڑی میری سرسے کوئی اُٹھا لیکیاد ورینے مرر مگی دسشت ا وردیت میری اور زباده مبوئی ایک دوقدم اور رسطح جامه فرجی میرے شا ندسے آثار لیا اسعی طرح که نین قدم سیجید کیا ج میرے برن سازخانی تنی منظر کری فرجی سندنیا اور پرامین سب گئے گذر سند ہوئے اور مین ایک یا جا مرسے رعمیا اوروہ معاری مبڑی میرے بانون میں بھی اور جوستے سینے والون کے بازار تک بین میونیا تھا استے دل مین کہا اگر **ایک قدم مورّک تورکفتا سی توبا جامر می جا تا می اور بر تو ذلسیل میوگا فی العنور و بان سے اُلفا پ**ار پیار میں میرا لما اور مير عبدن مين أكميا اورص عكم عرج بزر يجيد كم مولى تلى حبب ميرا قدم وال ن بونتيا عنا وه چيزين البي عكمية أن عقين حب أستانه وروازب سے شہرین قدم رکھا و کھیاکہوہ بعاری زیخیرسے اِنون سے نکل کمئی اورغائی کئی فوراً مطالع سي نفور مبل آب كي ملازمت مين ميومنيا وكمياكيسب رجائ سير اندر مراقبه من شغول من سيست كيدا ور الميا إجالك مرسابك أعمايا ورميري طرف متوجه موكرسكراك آب كتبهم مع مجيده معلوم سواكدوه كا نندون تقام آئی طون سے واقع ہواتھا۔ اور پیمی حضرت مداوی فرائے بیخے کہ ایک دن مجھے نعیں عظیم طاری موا اور سخست فزن نفظه البهاكمين بافتيار ميواأتها ورحفرت مول ناكده ودست سرعاط آيا ورات ك

الرونهن وبعوكرمبل ورفواست وزارى كربيا لكاكه عنايت فوايتج اورمجيواس بندن المرسع نعاصى وتبجيج اسطال بین آب ! برآئے اورا ٹارسیطا ورکشا دکی کے آپ سے طاہر بھے مسکر استے ہوئے آئے اور داسنے ہاتھ سے میے ریبان کررکے دبایا ور پیرآنگشدت شهرا دت کا سرامیری گرون سک کمنا رسے رکھا اُسیوفت میرسد باطن میں م ا *درمیرے د*ل مین خوشی اورحضوری حاصل موئی اورمیرے سیندمین انتشاح مبدیا مبواکہ جارمہینے ت*ک علیٰ لاقصا* ول میرامیجول کبطرح نشگفنه مومانحقا ورقع فه به که ساتهر مین منبستانخفا اورآنار آسکه میرسد مبترید برطا سرتھے اكيب جاعت كسائم اتفاق رقص وسماع كالبواجب صبح آب كي فعدمت مين آيا اكيب گروه ا كاركا د يامج جود تفاآپ نے نظر خضب سے میری طرف و کھیا فی الفور یا یا کہ امکیا رعظیم میرے اور گرا ہا ؟ کیہ ایک شرا بهار کا اورمسرسه شاند برر که را سواسفدرسی مخد کاکه ناک سیری زمین که قرب مهوینی ا درجی کیفینه مگا اور مذاب مين شيراا ورميشياني معدليبيناشي شي كرسانه لكا اورخوف عقا كدرا بطرّويات قطع مبو مولانا شهاب الدين احريزي عليدا لرمه كه على بنيحرا ورأب كه اصحاب امل سے تھے اور اسطے بعد ذكر آنكا آنتيكا أيخون في حبب ميري عامري اوراله جاری وکیبی آب سے میری سفارش کے سلیے تواضع ا ور نیاز سندی کی آپ نے ایک ساعت بع مولاناشهاب الدين احد كى طرف متوه بعوكر فرما يا كدمرد سي**را بي** ادجيري ما ياك كواليها بإك كرم م اوركايّا، سی کہ ایجیے آدمی اُسکے کھانے کی رغبت کرتے ہیں ہم جبی لعیفے نفوس کی **اِک** میں اُس سے کم منعین ہیں ہے کہ کروا اُ لا بخر بایکن با تخریر کمااور لا تخدم با نی الفور وه بارمبیرے شاند سے اُنٹرگیبااور وه گرانی جا**ت** رئی معفرت اُستادی مخذومي مافنا غياث الدمين مورث عليه الرحمه كمرط سع علمار زاندا وراعيان برات مصريخه اورجعنرت فاسم تبرنرى قدس مروكى نظركومبوبنج يخدا ورشينع بهاءالدين بمراو أشكه والدبزر كوارشيخ نورا لعمين ممدقدس ا روحها کی بهت لما زمست کی ا ورسلطان ابوسعید مرزاکا قرسبتمام استدریر یکھتے ستے کرکھی تھی مرزاکے تخشیج دیم م بعين اورأسكوثننوى سناياكرته يخف فزات يخفكه ايك دن مبقا مهسبيرها بع مين حغرت مولانا سعدلين قدس سروکی ملازمت مین بهیوسنیا ا وراگس محلیس من بهت مصطل اورانقراسا خریخیدا درصف نعال مین سب شص فروترا کیسدمرد نفرقستانی مبلیاموا متعا درحهٔ رت سکوت مین جیمه اجازگ مراشها یا اوراس مروقهستانی واینیسل خابل اورأسكا باتخه كليك ميرك بالخرمين وبالعدقرا باكراسه تيرسيرسير ويمناك اسكر حابيت مبن تقعير كزامين في تبول لها و رمجه ورسيكه ما فرين سنه اس سغارش كارازمعلوم بنه الكرندره سال بعد كرحضرت سولان و فات كريك یجے اورمیرزاسلطان ابوسعید کے زائد میں ایک شخص على مرموا کہ امیرول کی مدر بنند لوگون کوہمت جودی مرک خا ارًا عظا ورزر كُشِرِلتيا عَلَا اللَّهَا مَّا أَس مرد قهتا لى كو كمرِّ إج بكروه ال بال تركها عَنا كه فلاص ميتوا قتل كي تجويزًا يسكم

ليعوني لمتى تأكدا ورنوك وثرين اورأس كوسفه واسنه كاكام ميش جاسدا وربا زاراتس كأكرم ترموا خرمقدمه بهان كليمنى ارتسی آسکے تکے مین ڈالکر درواز ہوات برالائے تاکہ وہان آسے داربراتنکا دمین اس انتامین سیزما کے مين والس انبي كوكو جانا بحقاور وازه برميونيا اور ازد حام فلالئ وكيما لوحيا كديركيا مبوتا مبح كها ايك فقركوتهم مین بگرا برداور ما سیته بن که قتل کرین مین آگه برها حب اسکی نکا ه سیر سداو برشری مشور میا با که ای حافظ مین ا افقرقستانی مون که حفرت مولانا سعدالدین الے جاسع مسجد مین آپ سے میرمی سفارش کی اورفرا ما کی آ مددا در حمایت مین کوناسی نگرنا اور تمض قبول کمیا ا سب مردا در حمامیت کا دقت مرحبب تیزنگاه سیمین نداسی د کمیابها نا اُسیوفت اُ سے مین سفر دیا کہا ا ورومین سے باک پھیری اورمیزاک لما زمت میں کہا ا وراس فقرکا ففته اورحضرت مولانا كي سفارش عرض كي ميزانية أس بتهت كرينه واسلاكو أس فقير سكري بياسرا دى ادرف ونقراد آنام آدمی اُسکے شرسے فاہ میں بہوساؤا ورفدمست ما فعاسنے بدو کابیت بیان کرسکہ دوسیت نتنوی کی ترجہ یتم نوی ازلس صدسال برهد ایربود بری بیندمین سومبو به گربررد دید ا و باتی بو د + زانکه دیش و ید نقلاتی لوده غراجيتمس الدبن محدكوسوى حفرت مولانا سعدالدين رحهما السدسے بهت صحيت ركھيتے بخترا سے كعفل عل اصحاب سذا بسابیان کیا که ایک ون حفرت خواد به نه حفرت مواد ناسے که که تیجیع دوم بی ششکل حقائق ترمیم بیش آن مین که اَنظر مبل کرز و سعه ها جزیون اورسیکومین بهنین جا ننا که آسشسکل کومل کرے اوراس وجہسے سرخی زيربار بونيت بوكسفركون شا يكنسكو دئيون كديرا رميرى خاطرس أشار احضرت مولاناسفه فراياكم في من في في في كا كم مل ك شيت سعد اس طريث أو شنا بد كيسفوك اجت ندائيس خدست خواجه د ومرسد و ن آسكة حس وفت كمراكل نطيق کے چہرے مرفری نعرہ مارا وسنجے دمورکے اورع صریک اُس بنج دی مین رسے اور بعدا فا قدمے بیسبت ثننوی کی برخی ای جال توجواب سرسوال بهنشکل از تومل شده سید قبیل و قال به میوسفر کا دسوسه ایمی خاطرمبارک مصر جا آرا ایک دن ایک موم نے خلوت مین خدمت فواج سے بوجیا کدآب کو اُس دن کیا موا کدد بریک بهیوش شرے رہے اور أصلے بعد سفر ترک کیا فرایا کرحب میری فنطر سولانا سعدالدین کے داشنے ابرد برطری ایک شکل میری عل میونی آور حب نظرمیری و و سرسے ابر و ہر انب کے طری دو سری شکل حل ہوئی اسکی لغرت اور ذوق سے بین نے فراید کی اوسرخود كرميرا سنفعات الانس مين مُركور مركدا كيك رونش جرآب كي محبت بن بهوي مقا است حركابت كي كرميج على وعظيين كدورولينون كمدمعارون ببيان مبوك تخفي مببت تغيرمية اعقا فربادادر نعره مسبت وكانه ورأس سيمجو البرة أيك روز ميدهال آپ سكرسا شفروض كياكها حب تخيد تغير بو مجداين فاطرين لانا چارشيدا دراً سونت كرآپ مفرح إز ین سکار تنے مجھے ایک مرسدمین کہ ویا ن ایک بزرگ وطا کھتے تھے لغیر شروع مواآپ کی طرف مین نے توجہ کی دیمیا كرآب مدرسه منت آكے اور بربرے ساسنے بہو بچے اور دونون کا تغربر برے شانون برر تھے ۔ ین آ ب سے با برموا او بہوت

ودسرانيخشند زعفاوه ما دركها كرحب مكرسه آب آنين غرط ب كرس لنزلين لائ الداك ك فعدست سي مشرف ميوا ورا كم جاعت آب كے ساسے تھى مجين نهوسكاكر آ عوض كرون آب نے ميرى طرف رخ كىيا ا وركهانيج شند بمقاكر اُسكے بدعية ك. دو مرائيج شند نديخا سرفات مولاہ سولا قدس سره کی و فات ظرمے وقت جابرت بندے ون مہوئی جا دی الآخری ساتومین امرنع اورسن آ گامسوسات تجھ معجز می کونے سے شنا ہوکہ حفرت مولانا کی تعزیت سکے دن خواہیٹمس الدین محرکوسوی قدس سرہ نے محبس کی ا وروعظ کی ا ثنا م لمغطبين برس برنسرير سببت طرحى سبيت كمشت فاك أنذ شعر بروز كار بدينبو دوجه إتى ولبس فاك توده شدر وعفرت مولانا سعدالدین قدس مرمنگه دوفرزندنبررگوارننه اکیپ خواوزیدالبرمورون بخواو کلان که حفرت سکه اصل به مین سطفے ا در دوما برم<sub>ا</sub>ت سے حفرت کی ملادمست مین بمبقام اوراد النهر به برنجه بهلی مرتب کدرا قم حروت (مصنعت رفتها تشاری م وسى كسليه متوه بعواقريه حل وحزان مين نواج كلان كالعبت مصمشرف مهوا افدد وسري د فغه جوعفرت كي الإمت مین مانے تع حبب بچے دکھیانعمب سے بوجھا کہ کہان توجاتا ہے اور کہا ارا دہ ہی مین نے محبل اپنا وسوسہ ظا کہا اورہست نوشی کی ا درفرہ یا مناسب ہوکہ توشہسے جدا نہوا کہ ایمی موافقیت سے پر اسستہ طح کرن مین سنے قبول كيا اورأب سياب اورسعلمان فقيركواني إس اواله كاوأس سفرن شفقت اورعن بت بهت كيميتيم فارابهونے اکر اسباب اور بار برداری فاولان وشعلقان کی و بان میور کرنوام کے ساتھ معرابی اکسی جات اصحاب مفرت کے جری راکے مزرعون میں رہتے تھے ولایت قریشی کی طرف مطیے اورلسفت میں حفرت کی سعادت لما زمت سے بہرہ یاب موسا کا ورمح بسون مین بہت النفات ا در العلات بشیار صفرست کا خوا در کلان کا نبت وكمعاما تائمتاا وربهبت لقلين مصاحبت اورخصوصيت كئ كهحفرت مولانا سعدالدين قدس سره سيقفين سني ایک دن خلوت مین خدست خوا و کوطرین نفی وا ثبات کا ا مرفرها یا ا ورکها کدارس طریقه سیمنشنول رسود عب برانت كو مراحبت كرونتونف تمعارسه وا مسط آدسه أسكريجي اسي طريقه برلازُا ورتعليم ذكركرو والمدنزركوا تنهها رب موانی سعدالدین حبب مرات مکنے بین توا نمکاسلوک ایجی بورانهنین میواع**خا کر**سرات مین یارون کوسید ا كراسوا ورأنكوكام يرستعدكميا ا ورخوديمي مبست مشغولى كل يوشب كامّ اسكه مليا ببى اويسلوك ثنا انتبا كومهونخ أمكوشي مايح اد کام بررسوناکه مهم دری موتعبر بینمنوی طرحی مبعث طهل آمدکه بارخین باش چیجیت گزار جرایری ترایش + مینه . ورَسُح بور که حفرت سنه خوا دِکو ا مازت دی که فراسان کو راحدت کرین مجید عمی وابسی ا ور والدین **کی لاک**و<sup>ش</sup> كالمرفرايايين مفرت كي تعميل ارشا دك ليه خراج كساسة بجير بخارا آيا ادرأ تفون في حيدروزويان فوقف كمياوم مِنْ آئی امازت سے طرخ اسان کوگیا اور دوا کے مینے کے بعد دہ تھی برات میں آئے اور میشید اس اوسل کھیا<sup>ون</sup>

التفت هے اوربیت ہربائی کرتے رحتی کہ بنہرہ سال ہدفرزنری اور بندگی مین قبول کیا ایک روزعفرت مخدومی مولانا فورالدین عبدالرحمن جامی قدس مرہ نے ایک تفریب سے خواج کالان کی صفت اور ہا کی طبیت مین بہمرع شہرہا مرحمے خاک او مہترزفون دیگران + دوسرے فرز ندصفرت مولانا قدش سرہ سے کو اتب محد اصفرمشہ و کؤاجہ فردستے کہ علوم خلا ہری اور اخلات باطنی سے مہرہ کا مل انکو پھا دور دونون خواجہ الما کا م احدا در و تاکئی تفسیر اور حقائق ناویل سے آگا ہ صفے ۔ وفات حصرت خواجہ فردکی والایت زمین واور مین واقع مہوکی اور میں شدوج پر تھے اور معیل عادم آئی فیش کو ویان سے مہرات سے آسکے اور تحت مزار ہے اینے والد میرافیت سکے عقب مین مرفون میں رحمہ العدر حرفہ و اسدہ'۔

مولانا لورا لدين عبارجراجا مي قدس مرا السامي

للنب اصلی آپ کاعماد الدین ا ورلعتب مشهور نورالدین ولادت آپ کی خرجر ا ورمام مین وقت هشا تنیسو مازیج ہ شعبان مثلث آئے سوسترہ مین مہول جیسا کہ قصیدرہ رستے الراشیج مال مین کر آپ کے وقائق احوال ہ بالاجمال شتل سرِ ابسا فرايه بي قطعه بسيال مِشْت صدره مفسده بيرِت نبوي+ كرز در كمد ربثرب ممرا وقات ملال ا رًا وج قله برداز گاه عزقدم + مبين عضيض موكه ست كرده ام مرد إل + بيت بده وزيد كأسبت شريع معفرت مخدوم كأشيخ عالم حاس الام المجتدين وارث حارم اخبا وخرسلين الام محدوشيا في رحد الدرسه لما الم لااضطم مبهدین سے ند مہرب انام اعظم ابوطنیغہ کوئی رصنی اصدعنہ کے مقتے اور ایک صاحبین سے بہت اور وہ محدبن صبرالسدين طائوس من مردر شيباني بين اور سرمز ايك بإوشاه مغدا دمين تمقا اور مغرت عمر بنجطآ كالم التون براسلام لا يا رضى المدرتوا في عندا وركما بالمستطف مين مجكدا المحدّا ورا بومنديذ رحمد المدرس من المجرا قربه بنتی اسوائسط که مه محدالحسن ابن عبدالبدين طاوس بن مرمزسته و وروه ايک با دنته ه محقا جوه غرشه هم ابن الخطاب رصى المدحندك المنتون برسسلهات موا اور ابوضيفه فعان بين البت بن طاوس بن مرزين آب کے والدمولان فظام الدین کوشتی اور مدمولاناتشس الدین محدوشتی مشابد اباعسلم و تقوی سے موسکے بين محارد شت سيدنسوب مروسد اصغهان سك كباعث معض عادث زان وطن الوت سيد ولايت مامس آسدًا ورقضا وفتوى كم عهده يرمقرر مقع اوران باب آب كا ام محدث بان كر فرز فرون من بن ما كدمولانا قوام الدين محده وزندان الم محد مع مقط الكانون مين كرانني دلايت مند و مارما من آسي تنوي فوي المي دِ فقرمولانا نثرفِ الدين ما مى شا مفتى فقاميت بيناه سع بيا ه دى اورائس سے امكيب معاجزًا دى بيد اسو كى كولايا س الدين محدثيتي أسكوني مكل بن لا كادرأس سے مولان نظام الدين احدكه آب ك والد فريعة مين بل موسكة اورآب كي آباعب كي ولايت عام من ساكن رسيم بين كن بسجلات اور قبا بحات مين عبارت

ان سے اکٹر آسٹے تفایامی اُسٹے کاے لکھتے رہے صر رسال مطان الماراليد *براينه للب عواق وفارس كى تسخىر يكاسياب موسك*ے مين ــ ہ مخدومی کی تنبیل علوم کا ابتدا ہے حال میں اور آپ کے رجوع کا اہل فقتك كوكسا لهص حب كدات مسطفه لبيت بين ايني والدفترلين كم سائتم مرات مين اسك ببي ورمدر لفاسيه مين اقاست كى اورمولانا جنبيدالسولى موعلم عرسبت مين ماسراد أس فن مين شهرت تمام ركھتے تھے درس بین آئے اور مختفہ مختص کے مطالعہ سرمائل مہوئے حب اُس درس مین اُئے ایک جماعت شرح مفتاع مطول مين شغول تمعي آب با وجود كيه نهوز حد لموع كونه بهوينج مقع انبي مين أسكه فهم كي استندا ديا في سروا ور سطول وراتتكماش كمعالع من معروت بوسك أسك ببرسوانا فواح المحام فندى كرس مين آسك جرميس م*دّقت روز گار*ا دراکمل شاگرد ان صفرت سیدنشرلت جرجانی رحمه العدے تقصه فراتے تنصر که وه طریق مط<sup>ا</sup>ق مین بےمشل تھے گر فریب عالمین ون کے اُس سے متن نعنی میوسکتا تھا بعدازان مولانا شہاب الدین جاجرمی ک درس مین بهوسنے موابنے زمانہ سکه افضل مباحثین سے اورسلسارشاگروی حضرت سولانا سعد الدیرتین ال ر مهدا بسد مین سے تنے فرہاتے تنے کہ حنیدر وزاسکے ویس مین جاتا تھا اُس سے ، وسخن مین نے شنے جو کارا پھن ایک کتاب موبح مین که بعیضے اعراضات مولامازا دہ خطا *ن کو*د فع کرتے تھے <u>سیا</u>ے روز جو دومتین روز مقدمہ اُل عزاد ۔ کے دفع کے ملیے ترتبیب کیے انکومین نے باطل کیا اور دوسری ملبس میں ٹرسسے امل کے بعدصورت جواب کی میآ كى كم نى المجله مع ركهتى عتى ا وردوسسراستن أسكافت بيان مين مطول ينيف بيديمتاكيننا فشركرا بخااد يونيكس في دهبل زیاده دقع او اعتبانینها اورکتاب که نفط وهبارت سیدتعلی رکصانحفاگر اُ سکی ترحبه بین سیتقاست بحتی نوازا همرة ندمين قاصى روم كه درس مين مايته عقد ومحققان عصر سع نشط بهلي لا قات مين ايك مباحثه ميزا مؤس طول مبوا بالاً حرِّمَا صنى أسليم سنن من آيا - مولامًا فتح المدر تبريزي كدد النشن رَبِّيري على العربير النع سبك مكرساً عند مدارت كا مرتب دكمقاعقا حكاست كرًا تخاكماً سمحلس مين كيميزاسف قاصى دوم كوسمرقندسك ابني درسهين تجعلا يست اكابرا ورافاضل جبان كے اس محلب من ماخر تھے قاضی روم اُس محلیس مین ایکومستعدان فوش طبع كاكرة الحقا سولانا عبدالرحمن ما می کیصفت بین ایسا فرا یک حب سے سمروندی کی نبیا دہ برگزارج الطبی کی ج دست طبیح اور فق تعرف کے ساتھ کسی نے دریا ہے آمویہ سے اس طرف حبورینین کیا ہج مولانا ابولیسعت سمرقندی جوشاگرہ مقررہ روم مقا أسنے نقل کی سوکہ حب صفرت سوالا تا سدا احمن جا می سمر قندمین آئے انفا قا ایک نزگرہ کی شسرے مریقاتی مين كرية تحاور كيزية تعرف ت بوقامني في اس كما ب ك دائش مر لكي عظ اورسالها ما مم رسيم برروزم مجلس مین ان سخنا ن عررسے در کیے دروخن مک واصلاح مین آتے مقد اور قاضی آس سے بہت مکنون مہوما عقا

دراً ن ا وقات مین شریخنص منمنی کو که اُسکی خکر کا نیزه غفا در *سان مین لایا ا درآب اسمین تعرفات کریته بھے* کہ سرگز قاضی نا طرمین نه مهوسنے تھے۔ ایک روز ہرات مین مولاناعلی قرشتی ترکو ن سکیبر! ۔ ﴿ برسم سے ایک عجبیب حت اکر رہا برها آپ کی ماس شرادین مین آیا اور میند مشهر بهامیت شکل فن میا ک سے باریک میش کیے اور آپ نے فو میز کیک کا جوآ ت فی دیا چنامخدمولان علی ساکت جواا و مستررا اوراب ندنوش طبی کے طور سرفرا یا بوکدمول اتمحام بستا مین است بهترکوک پیرندینی مولاناعلی نے ب*ی دازان اپنے شاگرو* دن سے کہا ہوکہ *اس روز سے مجھے معلوم ہواک*فیس قدسی *ایسگا*لم ین موبود مبی سه لیف و ندوم فرمات میخه کمه به توت اس سبب سے مبح کمشنو **ب**ی بطریق خوایجگان قدس ا سدتما . ارواصم مر مخبش تعقل کی ا ورفوت منبش قوت مررکه کی سرِ اورکینیت اورقوت آپ کے سباعت کی اور غلب اور سستیلات سم سبقون بر مکرات دون برا مک امرشهورا وزابت سربه آپ که ایا تبطیل فراع خاطرا درآسو دگی مال سفرگذرا كرية الأواكي في دلال وفكون من فوك اكرق حيكوس با خرو قاكزيوا كالكي فريع الأيما الكي في ولا المراكم في الواكم في المراكم في حب سبت کے لیے ما ضربور کے سب پر نیالب موتے سولان معین تونی کتے تھے کہ آپ حب مولانا خواج علی کے ورس مین آتے ہوشہد کہ مستعدون کی طبیعت کے شائج شے میٹیر ، مہنا آپ فوراً اُسکو دفع کرتے اور برروز دونین شہ دارد ا وراغة احن حاص أسم ملبوس انتيامها لوسك أنارس حيوركر بطيعا بتدا ورآب ليف رسوم علم كم ليركسك سے دابستہ ہوا ہل زنانہ کی مجانس ورس مین حاضر ہوتے سکتے وگر ندنفس الافرسی آپ کوکسی کی شاگر دی *گی احتیا*ج نديتى بكأس طقه أرس كے مرس برغالب آنے ايك روز آپ كے معلم اورآستنا دون كا تذكرہ مبوا آپ فرها یا که بینچه کسی اُستا و سکے ساستے الیسا سبق منین لیا کہ اُنک<sub>و</sub> می**ما**رسے او**یر خا**رد اورامستثیلا ملی و کمکی عم ہمیشیہ کھیا پر بحیث مین غالب رسیم مین تعبض ا و قات بهارسه سائخه برابری کرتے تھے اور کسی کا من اُستادی مهارسه جم نا بت بنین ہوا ورہم درمِشقیت انبے بایہ کہ شاگرو بن کہ اُس سے زبان سکھی ہو۔ ایساوریا فت مواہرکہ ہو حرمته ادرنخوا بنيه والدست بيرهى سرا درأسك بعدعلوم عقلى ورمعار دنقيني مين كسبى سے حيندان احتياج مندين مبولی ایک دن آغازه ال مین حفرت مولاناشنج حسین اورمولانا دا ود اورمولانامعین کراصی ب شرکین البحث مقع منفن ہوکر دلیفندماصل کرنے کے لیے مرزا تنا ہرخ کے اور درگ کی ڈیوڑھی مین جاتے تھے کہ آپ کی بھی آتین كم يم كك كشان كشان سائم كيك ا در أس امركي ويورجي برا شفا ركيا بي بعداز لما قات حبب بابرآسك آب سع . فرایا که میراسا کامخی رے ساتھ بھی مقابیر ہے صورت مجے مکن بنین ہی اوراً سکے بعد محربرگز کسیکے وروازے بر ابل ماه و دنیاسید آمدرفت نهین کی اور میشد فقرو فاقد کوشدسی سمیت کا بالؤن واست صروتناعت مین بیرا بریدان کک کیشنے نظامی قدین سرو کے سخت کامضمون کی حق مین ظاہر ہوا کہ مست نوسی إدن بجد والى ازبرتود مركس نرفتم از درتو ، تمد را بردرم فرستاوى 4 سن نمى خواستم توسيدادى فرای کرتے کہ ہم ایام جوانی مین ذلت اور خواری پر راحنی تنبین تھے جیسا کہ ستنداور فاصل سمر فیندا در مرات کے بیا دہ ہم او کاب قاصی روم اور سولانا خواج علی سمر فٹائری کے جاتے تھے اور سم اُنکے موافق نہ تھے ملکہ سرگزشا کردون کی عادت کے سوافق اُنکے گھر پر ماخری تنہین دستے اور اسی وجہ سے ہمارسے کھوٹی

مین نقصان تام سوما عبار

حفرت مخدومی کی صحبت کا حضرت مولانا سعدالدین قدس سروین بهویج له علوم کی تصبیل که <u>سکے اور علما رت</u>ھی کی آمنیرش *اور اختلاط کو ترک کر*و یا آپ کوشروع ا حال مین ایک کے ساتھ منطا ہرحسن وجال سے گرفتاری ول بھی اُس تعلق سے خاطرین ایک انوات بیدا موابرات سے سمر قبار گئے اور د ہان ففسائل اورک لات کے مصول مین جیڈر وارشنو مسيميمان كك كدايك شب فاطرآب كى مفارقت ظاهري اورفراحمت مبحورى سيمج يست اور دردناك تتم حفرت مولانا سعدالدین قدس سره کو واقعیین دیکها اوراً کسیمشدنا کرفرات بین ما و را دیدا با مامسل کر حربنرے لیے ،اگر سرمعوا وراآپ کے اوبراس واقعہ سے بٹرا اثر معوا ورا کیے ، فکوغلیم خاطرمین فمری جلد فراسان كى طرف سك ا ورحفرت مولانا كه نثرف صحبت و تبول كم يا يا در منورس روز مين صحبت تميم حفرت سے آپ کوشوق عظیم و ہو دگی قوی کا سل ہوئی جنائید ایک بزرگ جواس طابق میں آپ کے رضیق تقص تحرا واستجب مبوسكة اور فرايا كهطران خواجكان أنكوملدا وطرالنكها متقرت مولانا مسعدالدين قدس بس جامع مسبورات مین بردورنماز کے سیلے اورنا ذرکے شیجے یارون کے ساتھ میٹیماکیتے اور بحیت مسکھتے ا ورحفرت مخدوی کا اُس سقام سے گذر مواکرہ برد نوکہ دہ گذرتے حفرت مولانا سعدالدین فرہ یا کرنے گیا جوان كواكيد يحبب فالمبيت بي سم أسك شيفته موركيم مين ميمنين جانن كدأسي كس حياست صيد كرين ميليروز كرآب مفرت سولانا كي عبت بين مهو ينج كرفتار أي موكي أب في فرايا كراج سكرون ايك شهباز ميارس دام مین نیرااوراکسی اثنامین فرمایا به که حق سبحاند نشداس جوان جامی کی صحبت سعد بهارسد ا ویرا مسال کیا مولاناشها بالدین محدما و بی نے آب کی گرفتاری کے **بدور**ص بت مولانا سعدالدین قدس سروکی سحبت میں مج ایساکه ب<sub>و</sub>که اس رت بإنسوسال مین ایک مردصاصی کمهال دانشمندون مین **فا**ک فراسان سیم نکالنا صغرت مولانا سعدالدین کا شغری نے اُسکی را ہ ارمی مولانا صد الرم کا شغری گربرات کے دانشمنیوں توافير تقے الیسا کہتے تھے کہ صب کرست موں ، عبدالرحن جامی نے ترک مطالعہ کمیا اورطراق صوف کی عام متود بنوئ ممين فتبين بنواكهمطا بورا وتحصيل علوم رسمى يسدمبتركونى دوسسراكا مجبى بوا ورمرتب وأنشمنا سے بالازمین کوئی مرتبہ بہوا ہے۔ آب نے اس طرین کے استدامشنٹی مین مطرت مولانا سعدالدین مدین

**مغلق مین آئے مین بول جال روز مرد کی آپ کی خاطر سے نراموش ہو آئی گئی اور** میسته آمیست وه الفاظ آمیه کی خاطرمین آسکه بین اوراکن اوظات سیم آخرمین آب کومند می<sup>زند</sup> و میرامی ليفيت زبردست ماصل موئی کهبد خرط نب کعيمة، جرموسك مين ا درکوسو نک مهيوسكي ويان آپ کوافا قر **بوا ا در مویت بار سوید که ا در فکرصحبت سولانا سعدالدین قدس سره کی ا در شوق آب سکه دیدارمهارک کاحفرت فالب بہوا ہے اضایروا ان سے اداوہ کی آگ بچیری اورم ِ لاناکی لمازمست کو حضے مفرت مولا آگی المازمست کے** ورمهان آب سفه خید در وزنصل بهارمین قصبئدا و سرکی طرب نسیر کی سی صغرت مولانا سفه ایک رفعه کلمها ا ورآسکے إس بمعيما وروه رقعه مركة حفرت كي خط مبارك عصرنشل مبوأ يسبم المدد الرحمن الريم سلام طسكم ورحمته الله و**برکا** تهمق تعالی باخود دارد ولغبرخودگمذارد توقع ازان *برا در دنور بهربرا درمولا، عبدالرم*ن مامی آگهاین فق مقير عمران أتع كرده را از كوشد فه طرفته لعنيه ورندار بدو ختيات غالب دا شنرنميدانم كرم نولسيم اسنيها مهروسم ورسما الإمقعه واست درعبارت نمى أييشع المدغزالي منكومه كرتعربين طاكفه كرمنكيزاز وبت انشاج بهت ألا تعلمشی که مرامست ویزت وشرسف کرایشان ماست نمدیدانم کرد گریم مصریح رضارمن ا نیجای ورگل نگری + والسلاً) والتعنية الغنفير الحنير سور كانشعرى سه حبب بررقعه آب كياس مهومي في العال أله عير كمائه اوربعد ازان آب كي لازمت منت علی و منوعهٔ حفرت محذومی فرمائے تھ که اس طراق سکه ابتداشغل مین انوارنلا سربرو تے تصفیر کا بهارسے حفرت مولانانے اشارت کی ہم شغل کمیا کرنے اورلفی کرتے بہا ن ٹک کر بوشیدہ بہوما تاخل ورانواژ الشعن وكرامات براعتما دمنين موكو في كرامات اس سيمترينين موكه فغر كوكسى صاحب د واست ك عبت مين تبول الثرا ورمنبرب المحتوسكم ورامكيب دم اسنبرة ب يعيد خلاص موسد صفرت أمشا وى مولانا رمنى الدين عبدالغفوم عليه الرجمة والغفران كيت عفد كرمين سفراكب سند يوجها كرمع بس اشخاص براس گرده مسدكتنعث عوالم ميتوا بوا والطفيم پرفغی رہتا ہواسین کیا بمبید ہر فرمایا کہ طرفتی ووقسم ہو انکیب السارتریبیت کا ہرکہ سالک نے میس را و سے نزول کا ائسى را ەعودكرسە اور دوسىداطرىق وجەفاص بۈكەۈلىقىدىمارسە خەاجىكان كاببى قىدس الىدار داھم اوراس طريق سى ما لك كا قبله توج بخزنفس ذات بنين برا وراس طريق مين كشعث عوالم خرورئ نبين بوسا و يندمست سولانا حبرالغفود فراتے تھے کہ آپ کی ما طرمشا برہ وحدستا ورکڑت کی طرفک مشا بردنعیسلی ہی طریق اجال سے زارد اس بھی۔ فات تتع كربر كاه انني شين مرتب اجمال مين بم ليته بين منطوب مهوجات مهن ولسكن مولانا مهما رسد اجمال لطفيل ك طرب كم مات عقد أنى جانب استغراق اس امريين خالب يقيدا در فرائة عيد كرمرومدت اوريني توحيد الميدين أسك مين كم أسكا دفع النبير سيمكن بنين ما نتاا وراسيين سمارا كيرا خذيا ربنس سوكوكي جيزيش را واس سيدخا مل

ذکر ملاقات مفسرت محدومی کامشا کخ نزرگ سیے جو کبین سیے آخریک میونتین پیشید ہ نرسيم كر مغرب مولا ، سعد الدين قدس مروك علاوه اورسب ائ بريسة آنب ملے تنف ا در ملاقات كى تقى سب كے بيا معفرت فواح جحد ما يرسابين قدس سموكماً ب نفى ت الانس مين لكها سي كرسب حفرت فوا وبسفري ندر ارا وه متعود المت مام سے گذرت والے تھے اور قیاس سے معلوم مہرتا ہر کہ جادی ا ، و لید کے فرماجاری الا خرکے اول سن اٹھ مستیا مین میں ہوا مہو والدام فعیر کے نازمندا وخلصون کے ایک بڑے گروہ کے ساتھ آپ کی زبارت کے متع ا سند تھے اور میری عمراً سوقت پانے برس کی بوری منین مولی تھی اکیٹ نوکرسے کیا کہ مجھ کا مدھے مراسک آپ کے محانه يُرانوارك سائت لاياتب في التفات كي اورا يك ميره ري كرما في عنايت فرما في اورآج كودن ومس سانگه برس بوسندانبک آب کی صورت سنورکی صفائی میری آنکیون مین ا ورلذت و بدار سبارک کی میرسه دل بین سوا و رحقیقت به مهرکه جورا بطه اخلاص دا عنفا دارا دیت ا در محسبت کا گداس نقیر کونسبت مجا عدان خواه کا قدس المددار واحهم واقع ہم آب ہی کی مرکبت فطرسے موا برگا اور مجھ اسید ترکہاسی رابطہ کے تین سے اسکے نعام مجان وخلصان مين وتيامت كواتها يا جارُن بهذه جرده وترسم مولانا فوالد لورستاني شخص معما لعد **تعالى كمه ول** مشائخ زاند يعتق تفحاحا المانس من لكمام ككر عجته يا دي كم حفرت مولانا فخ الدس ليستاني رحر إدر بوجرو جام مین کراس فغیر کے والدسته متعلق تقد اُنتریت میتند ورمین استندر جمعی انتها که بیجه این زانو که انگیمجه ملایات ادرائيني آنكشت مبارك سيعشهورنام جيسة عمراورهلي مبوا براكين تقع اورمين أسع طرحنا نقاآب مسكوات سقع او تعجب فرياسته مختره وشففت اوربطعت أتب كاميرت دل بين تم محبت وارا وت اس محرده كامهوا اورا سوقت معرفه ا وربی نشو ونا پانا برا ور بحیوا میدمی که اعنین کی محبت مین حیوان اورافیسن کی محبت بین مروان اور ایخین سے معبوان سک زمره مين أشحا يا ما ون اللهم الليني سكينًا والمني مسكينًا والنشرة في قدرة المسالين سوم فواجروان الدين ا بونعرابرسا قدس سروآب كواتفات صحبت خواج ابونعركي خرست مين بست مرابح - نغوات الانس مين فكمة كه اكب روزات كى محلبى شريعين مين وكرصفرت شيخ مي الدين بن عربي فدس سده ا درانكي تعنييفات كا برة عمة اينيه والدنزر كوار دخواج محد بإرسام سيفغل كى كرآب فرايا كرنه كخصوص جان سي اور فتوحات دل اوريه بحى زبايا كه وخصوص كواچها ما ننام واسكا داعيدا ورشوق سائعت مفرت رسول المديصك الندهليد وسلوكا تو بوقا ببوسيها رم حفرت يتيخ بها والدين عمر عقر قدس المدروه فراسته سق كرحفرت بينح كومست غزاق ارتبها كم عظيم تفواكز اليسام واكهوامين تيزتر وتكيف عقع برائميد لماكه خلوت ازانغاس فلاكن تو لاضطرك تساخط عضاحتكا قرامج 

ا **درآپ کا دستورمتاکہ بیشخص شہرسے آ**بائس سے پوچنے کہ کمیا خربی اُسی قاعدہ پر سرا مک سے علی دی<sup>ا ما</sup>مدہ پوجیا کہ شہ لى بقته كما فر يوبرا مك شخص ايك بات كها آخركو تجيه يوجها كه تحد كميا خرشهر كي سيمين كما كيديّة كولَ خربنين فرا **اررا ومن کمیا دکیما که مین نے کہے بہن**ین دکھا فرمایا کہ شخص فقیر کے پاس جائے جاہیے کہ شہرسے خیز سکے اور نہ راہ میں مج و کیما میوانس ریست برهی مهریت دلارامی که داری دل در ویند به دگر حشیم از مهرها لم فرو مبند به نیمیم فراهیمس ا لدین وسوى تع قدس المدرموفوات من كرحفرت خواجه وعظ كهته تجدا ورحفرت مولانا سعدالدين الم يمولانه سالدين **محداسدا ورمولانا جلال الدين الويزيد يوراني اورائك سواءزيزان دَّيُرَلداً سوقت مين نفخه آپ كى علبس بن ماخر پوسته عقدا ورمعارون ا ورحقا اُن کی آپ کی تعربیت کرته فدست مولانا شرون الدین علی نیز دی رنته اس** علىه الكي ليس وعظ كي همين ترغيب ولا آب لينفرعز نرون ميرسناك كرهب وزم غربة بخدومي مضرت خوا جركوسوي کی کبس مین قدس سره استد خواجه فره سنز که آج میماری محلب مین ایک شیمع روشن کی اور برها کن و معارف میلے سے زیادہ آک کی زبان پاکستہ میں میں خودی نے فرایا ہو کہ خواج کوسوی علیدا ارحمہ حفرت شیخ می الدین کی تعدنیفات کے معتقاری اور توصیر کے **مسئلہ کو اُنکے سوافن بیان کریتا ور آسے بیسے بر**شر علماء ما حرکے سامنے الیسی تقررکسیٹ ایسکیٹ کی انکار کی نہی اور مقائق قرآنی احد مدیث نبوی اور کمیات مشاری کے حقائق اورا سرار مین نها بد تبریشی تصوری توجه مین بعبت عصمعی آب کوا تقامیر تے مقعے کرائے أمل ك بعدا ورون كى خاطبين كمهم ينز وعظ وركبس ساح من أب كووم فظيم سويًا اور بجد فعسده ارت ا ورأسكا اخرسب ابل محبس به زيست من المسائلة إورف بست فوا جاميض ا وقايت توكون كوان صفات كي معود لا وتكيية جواك فوس برغالب إوتين أين و كيف في كرمار المامي بمبركيم معدرت انساني سوابراً مین گرمابر به راسکی طرف عدد کرتے بن دور در ایک آدمی کا نام نسیا در کہتے کرهبی مقت میرے سامنے آتے ہیں مسكان جارحفیم كى صورت دكاد؛ كى شیداین الزبود كه اراب كی خوبت مین كوئی چركیسی كی خاطرین گذرتی أتب أسكوظا بركريته اس طح سے كه أسطے سواد وسد، را نه جانتا برششتم مولانا جلال الدين البويزيد بيرماني رحمه السدسون إران من الكي فدست ك اليهب جايكرة . نعنى ت من لكي سوكد اكي را تي مرابرين نا نو برُّه حراج مقا ایسامغلوب ا در فانی آگوس نے باکھڑیا اپنی خرا کمو کمپر ندھتی قیام مین جو کمٹرے محقہ تو کمجی وابيها بالخربانين مائفه يدا وكرمبي بإبيان بالخروايني بإسامين ركين مبضم مولانا فلمس الدين محداسد ينضرهموا كهآب أفسه بهبت محببت ركين يتعرنغوات بينهي لكما وكداكيها رائكي ساتغرمين اكب راست برما تامتا بالوب بالون مين بيان كسد بهوسي كركين منكر يجرواس ميندروزمين ايك للسياا ويتربا يكدم كرز يجع انبي سن أسكاكما ن بنونا بتعاادرام يركسكى بنين ركمنا بمقادد ينبال كالموررا شاره أسكى طرفت كميا وس صوريهم

له بین اُس سیمیج کے مقام پراُسکا تھی ہونا بھی البیضہ عارفون نے کہا ہو کہ صب خدا تیعالی اپنی ذات سے كرية توتيخعس كل ذاتون موج داست كواور كشكه افعال صفات كوذات وصفات اورادتما ل يوسيه فرك شعاعه له بين شلا نائق باکے اورایٹے نفس کی نسبت موجروات کو ایسا یا ، سر کہ گویا ویشخص مربراً ن موجہ دات کا ہی اور میں موجود آ أسك ساته نسبت اعضاك ركنت من اوركونً جزان سوجه دات مص كيب برنازل منين سوقي الابه كروهم یچ که استخص بر نازل بونی سج ا ورا بنی ذات کو ذات می واحداوراینی صفت کو اُسکی صفت اورا بنیے نعل ِ أنسكافعل وكيتها بواسوحه سيسركز وعين توحيدمين شهلك اورفاني موكميا ببوا ورسهته للأكمين قوحيدمين اس بالح الذم كرديتا بوكه جوكيم أسكمه الخرننسوب بواني سائم نسوب يآسي اورموج وات كي نسبت اسنيتنين توصيرن الميصة مقام بريايا سوكه اس مرتب سے بالاتر سوا ورجب كربجيرت مشاعره جنال فرات قديم من متجذب موكمكي أو عقل جو الشبيايين غارت عقاا ومكن اور واحب كوامك. ووسرت سے ما! كرنامحة غلىبەنوروات قديم من يشيا بوگیا اور قدیم و ما و ث بین جوتمیز بی مرتف مبوکئی اسواسط کردی فل بردوند کے وقت باطل ناچرا و زنابیدا بوادراس مالت كواس طالف عليدك اصطلاح مين مجع كلية بين سنيتم بارسا عفرت تي مفرت كه اوراندي کے درمیان لما فات چارمر نتبہ مہوئی ہی وہ بارسمرفندھیں **ا**و تیمی*یہ ری اربرا*ت میں ک*وحفرت مرزا ابوسع پیلطا کے* زمانهمين اوراء النهرسية خراسان مين تشريعية لائه يقدا ورجوعتى مرتنبهمرومين كمرحب حفرت حير مرزاسلطان ابوسعيد سكمروبين آسئه تتق ا ورحفرت مغدوم بحي برات سے صفرت كى لماقات كے ليعروكئے آسكے فيطم سے و کھیاگیا لکی مشاکروای مروس فدست فواج عبیدالدربرالدر فال مبالدتے اس کترین سے بوجھاکسٹ لسِتغدر برجواب دیا که کخشیناً بجیاجی سال حفرت نفرا یا که لیس بها راسن با ره سال زیاده سواوز خنی نرسیم که لاقات کے پہلے امدیجیے حضرت مخدوم اور حضرت میں خطاکتا بت بہت رہی ہجا ور آب کا کمال اخلاص راح حفرت کی اعلیکی تعدیف ت نظم و نشرست سب فاص و حام میروش می ادرشهرت کے سبب احتیاج انکے ہا لينين سواور فلوص عقيدت اوممبت حفرت كي جي آب كي نسبت خطوط اور رفنات سے جرآب كو صفرت کھیے میں ظاہر ہو اُن تمام مرفعات اور مکتوبات سے یہ دورفدلببیل شہادت اورتین سکے خط سارک سے آگئے۔ مین ملع جات بین- رفعه ا وسلے بدار رفع نیا زوضه دا شف این سیار ، گرفتار آنکه کا بندسیواسم کرکستانی ارده ازخرابی اوال خردنسبت بهلازمان که آشانه اندکه اعلام کنم کیکن می ترسم که ازخرا بی که حال این نفیرا موصب المالت باریا فنگان لیشود وکرالوششده دمشیر به *رما که میست آزر دی آن میباشد که نظریزا بی این درآ* لمنذط لقيرتهم كداز افلاق كرام اسست نسبت بابن ضعيعت مرعى دارني سبب گرمثارى فودجزان نميدانم كم پركا داداز كرميان دامرو ؛ مكيسكش ساز دسرش را داخرد ؛ دانسلام دا لاكرام سرقعة ما تى عصنه دا شسته

ت اسداز الطان في نهايت فق رسىر + لىكىن مبوائ ككەپنو درابران آمسىتان بىنىدلىبسياراس فقيربي الهريبية مبت وقدم مابحض عنايت فدسه و وزسه كرداند نا سر حكويز كدا بشد از مفين حبس خردى بخات یا فته متوجهٔ آسستان بوسی توانم شد و السلام-حضرت مخدوم تین مرتبه سمر فندسکنهٔ بین مبلی <sup>د</sup> فعه مرزا ا بغ بیگ کے زمانہ میں اور قاصی روم سے درس میں آمر فت کرستے رہے جنا کی تھوڑا ذکر ہوجیا ہوا ہ د و سر*سد بارحفرت کی صحبت سکه لیے گئے بین ا ورآس جا نے کی ٹاریخ مشب شب*نہ انٹوین بحرم نششہ آگا سوئنترہی جبیاکہ فیطمبارک سے آبکے نقل مہائی ۔ اور تمبیری نوبت بھی حفرت کے ادراک صحبت کے سکیے مرات سے سمرفندگئے ہیں اور اتفاق ایسا ہو اس کو آپ سوقت ہونے بین کہ مفرت نیجسب ننرورت عربی میرفائد سلطال جمعیزا پولطان ابوسعید کے بنٹے بین انکی مصالحت کے سلیے ترکت ن کا قصد کرا ہے حب تین روزسی للقات بين گذرسة حفرت تركستان كيطرف مي اورحفرت مخدوم كوتام اصحاب اوراعزه ميكه سائته فاراب كي طر روانه کیا ہوا ورمصاله کے بدرسلاطین کے والایت شاش مین آئے اورآپ کوفاراب سے لاکر اسکندسین میندشا روز انصحیتین بی بین اعطیسین عالی سنعقد مواکین فدست مولان ابرسعیدا دسی رحدا نبدکیم غرت سک اصحابیت تعيع اور فرك أنكاتيسرى فعسل مين اس كمن ب سير متعدمه وم التيكا أن محبتون مين عاخر رسير بين أن ميانس كما كيفياسة او خصوصيات سعه مكانتين فراتع تحداور كيف تحدكه اكزاوةا مة حفرت اورمخدوم كه ورسان ہحبت *سکوت کے ساتھ گذ*ہر تی تمقی وکیجی حفرت اِ تین کھتے تھے ایک دن حفرت مخدومی کے معفرت سے لهاكهمين بعضع مبغا است فتوحات بين مشتكلات بين كه انكامل بونا سلالدا ورّاه ل سيع ميسنهين حفرت-مجع حكم وياكر فتوحات مجلس مين لايا اورح غربت محذوم سفراس مقام كوجرسب سيمشكل ترمقا ككا لكرع ض كميا ورشیخ کی عبارت کومٹر هاحفرت نے فرایا کہ ایک و م کتا ب جیمٹر د دیا کرسقدمہ ساین کرون نسیس تونعن کیا ا ورغ ميد مقدات كريك بهت سخنان عجيب غرب كه بعدازان فرما يكراب كتاب كيطرت مم رجيع كرين حبب كمثاب كوكلولا اور لماعظ كمياكميا مقعبود نعابيت واضح اورظام بمقاعفرت مخدوم كى آماست معفرت کی طازست بین مبقام اشکندمیزومیشیانروزر بی بی مبدازان امازت لیکرتاشکندسیسم قندکهای ر وانه مهدئة ا ورراه قرمتنى سند خراسان آگفته اور تاریخ اس سفری آب کے خط سبارک سندنقل مهری اسطریسے كسمرقنه كسكسفرك اليمتيسرى وخوع برآنار وز وكشندغوة ربيع الاول مششانة آثم سوج راسى كوعقا اورد وسيت د و شنبه کو بارد وم مین تخت خاتون سکرنز د مکی میوسی ا و نوب بنه کو و یان سے کوچ کی و سیر شدند کو اند خو يهوسن اوجه كواب المويسه عبوركيا اوزع ببنكواته شامان من مبوني بوااورو إن صفرت سعادا

بوئی اور روز کمٹ ند حذت ترکستان کوروانه موسکے اور پیکو فاراپ کی طرف مبیجا بندر ھوین رہیے الآخر کوفارا سے شاش کی طرف روا گی مہولی باملیوین کوشائش ہوستے اور آنگون جادی الاول کوشائش سے خراسان کا كے اور سندرھون کوسم قندمین بہوسکے ووٹ نیہ اکیسون کو کوچ مبواا وٹریٹ پریک شا وہاں مین توقعت ا ور دوشنبه کو ترشی مین هیوینچ ا ور ملال <sup>دی</sup>ها دسی الآخر کاشین چیث بنه کو ترشی مین د کمیاگیا حضرت مخدوم فراته یقے کہ حفرت خطرون کو علیدنسبرلات مین اورا گرکوئی جزآپ کی خاطر سارک برگران مہر تی نقی توت میں کے میا بھراکسکور فع کرتے میں ا دراس گروہ کی ہیں حبرحشیرینی سے کہ حفرت فراتے ہیں کسی سے مہنے مغیرین بعض مخدر م *سنے ایسا سنا ہو کہ حفرت سنے بہت سے طا*لبو*ن کو حفرت مخدوم کی ملازمت مین بھبجا اور اکٹرست*نوم آپ کی سحبٹ کی تحریص کرنے مہلی مرتبہ کہ راقم اپنے دف ا ورالین کوجاتا تھا جس مرات جیون سکے کٹارہ پہلے فواب بین مفرت کود کمیما فرا تے مین عجب ایک ایت ہو کہ در ایسے نورخرا سان میں موقبین ارر اِ موا ہ لوگ ایک جراع کا لورلینے کو اورا رالنہ بین آنے ہیں جب قرشی مین صغرت کی محازمت سے مشوف موالکا شرو فات بین فرا باکه سرات مین مشدائخ دقت سے کسکودکھائی من فیکھاکہ مولانا عبدا لڑھن جامی اورمولانا محدوم جی کو- فره با حبس کسی بندخرا سان مین مولاناعیدالرحن جامی کو دکھیجا م**پواسته وریاسکه اس طرن آنا کها خروج**م بعدازان فراياكهيمنه سنا بوكه خدست سولانا عبدالهمن جامى مريزيسين كرسة اورمولانا محدكرسة بين مين سف كهابان ايسابي موفرايا حفرت فواح بزرگ فواج عبدالخالق غجدوا ني كه كلمات قدمسيد سع م كه فروايي كا دروازه مبذكرا ورباري كاوروازه كمول ظوت كاورمندك صحبت كاور كحول فدست أساوي سولانا رصنی الدین عبدالغفور ملیه الرجمه نے ما شیر نفوات کے عملہ بن لکما ہو کہ حفرت محذومی کسیکو فقیس نہیں کر تقع بأنكه حفرت مولانا مسعدالدين قدس مره سع مجاز تقع ا وغيب كبطرف سع افان بإسفه مورك تقلكن اگركوئ سبي طالب آنا أسراس طربت سعد بوشنيده آگاه كرند تقداد رندشا اسكاكمال نطعت آنباستا-ذا ياكرية كربيع ابرشيني كاتحل منين مولسكين آخرهال مين ارب ب طلب سكه طالب تق- فراية كونسو طالب بنين نكلماً طالب مبت ممراني حظ كے طالب مبن راقم حروف كو والدهلية الرحمة حفرت محذو لازمت بست كرسته اوآب سے التفات اوراشارت كے ساتھ اس گروہ كم نتنل بالمنی سے شرون مورد تھے۔ ملازمت بست كرسته اورآب سے التفات اوراشارت كے ساتھ اس گروہ كم نتنل بالمنی سے شرون مورد تھے۔ يتيركها و ذى الحيمنكشد آ هم سوسا تحرمين به عامه مهشد وحفرت الامهام حلى رضا حليدالتي والسلام كو سین نے واقعہ مین و کمیمارومند سے قدم با سررکی ایک بنرگ میرے سامنے آکے نماست نورانی باشکوہ تما حیدالیّ باک و هو یا بهوانتهٔ او بختینبنه بازی موسله محقه آپ که سامنهٔ مین گیا اورسلام **کیا اورخوشا** پیمند كا جراب ديدا تدفات كميا مزايا المستشرعين توكب آيا مين في كدوين روز بيو سكركه مين آيا بيون فراياكما

اترا بوكهامين سفه فلان مكدكها جا اوراسياب جربتر سه سائفه يوسية اور مهار سه مكرا تركه ترسه ليه اتيمي ميرس في تواضع سه كما نيده في آب سير لما زمت منين كي سير فرا يا يجير سعب الدئن كا شيار مبوا ورسماري مكان ربه و نجويز كها اور يطي سكة مين جائة نبب ون مواشدريك و كرن سنه ويرميا كاست مین کوئی بزرگ اس نا م کے مین کها کہ شنج سعدالدین مشہدی ایک سروزا به بو کہ شنج اور مقند اایک جما تحت کا ہو **گر کا شغری نبین سی مین کئیا اوراً سند** و کمیعا نه وه تحفا که خواب مین استه دیمیا بخارب اُستکه اِس سند مین اِسرَّا اِلْمَا وكي قا فله سرات كامهوي اورأسمين جان مهايان كركوك تفعه لما قات سكه بدا ورسرات ك مشائخ كا حال وثينياً ر با حت موا که حفرت مولانا سعدالدین کا شغری قدس سره مرات مین مقنداسهٔ خلس سُفه گراخسین أبامهن دنیاسے رحلت کرسکتے میندرو زسکے مبد کرم ات آیا حفرت مولاناسعدالدین قدس سرو کے زار برحفر ت مخده م کی ملازمت بین میونغیا و ور فلوت مین میروا وقد آپ سند و من کیا فرط باشری فاطرین اسکی تعبیرکیا آگی ہم مین نه کها کرمیری فاطیین به آیا سوکه سرات مین و فات یا ون اور تبیعه اُنگر تخت مزار برکه اُ اُنکا یکان سود فن کژ فرایا اسکی تعبرکسوا سیط اس و مبربریندین کرنا که آب نے سیجھ مکان معنوی اسٹید کی طرف کدی، رت اس سبت سے میرکدآپ اسمین رسیے مین والولت کی ہوائس فواب کا اس طرح میرگی ن کرنا بہتر ہی صب حفرت مخدوم نے بر تبعیر فران او مین نے نیاز مندی تام سے کها کہ اب انھون نے رطنت کی اُنکے بجائے آپ مین اگر ایک طریق کا اشاره آب فرامتین فایت ورجه سنده نوازی مبوکی حفرت مندوم نے مبیداکر آئکی ما و ت بنی است نبعاد کیا ا ورامینی شین اُس سے دورر کمی *لیکن اُس اثنامین بعامی کنا بر ایک شاخل کا اشاره کیا حب کدرا* قم ان اورا ق کو ا وشعبان سُكَنْ فرنسومارهن فواعر كلان بيسهما خراو وحفرت مولانا سعدالدين قدس سره كي فدست بين نسبت دامادي واقع بوئى اورىنېكى من تول كى حفرت والد نزرگوارهايدالرحد سندكى بوغواب كدس سند مالىي ال میشترد کمیاانسکی تعبراب میون س وكرحضرت مخدوم ككعية السدمان كاا ومحضر سإين أن واقعات كاجوا سفريين متيل

وگرحضرت مخدوم کے کویزالسد جانے کا اور مختصر بان آن وا قعات کا جواس مریس بیس از از از اندان کا جواس مریس بیس از از از اندان اندان این از از اندان اندان این از از اندان اندان اندان این از از اندان اندان از اندان ان

ات سعمتوه میوسه نیشالوروسنردار ولسطام اور «داهعنان وسنهٔان وقز دین ا ورسمیدان متصعبور ما کم پنزان شناه منوچیزهٔ مهنفه اخلاص ونیازمندلی بسبت کی ا درتین شیانه ر وزآب کوابل قافلهمیبت بخش با دشاہی ضیا فتین نجا لایا اور آپ کی م*لازمت مین ایک گروہ سکے ساتھ ڈوکرو*ن اورمتعلقون سے طریق مماج ر فامّت مسلوک رکھا اوراُ کے تافلہ کوگردمشان سے سلامت کا ردیا اورمنجا وکی سرمدبرہی بی دیا اور آ ہے اول ناه حبناءى الاول بغدا ومين نزول كبياا ورهنيدروز بعد مبنيت زيارت روضه مغدرسه حضرت اميرالمومنين فأم رحنى المسدعنه بغدا وسيرحلب كوسكئ اورحبب كر للإمبوينج بدغزل تنظم فرائئ غزل كردم زديده بإسهو حضهتين ىت اين سغرىبرىب عشاق فرض عين + خدام مرقدش لبسرم گهنىندىي + حقاكه گمذر دسسرم ازفرق فرمت دين+ کعبه گرد *ر وضهٔ ا* وطومت *میکینند به دکسیانجیج* این مروحوان این این به ازقاعت کالقامت می<mark>رسست ازکراش</mark> ات بر کرمیا چوی کند ترک شیدوشین + آنرا که برمند ار مود حب دمشکیار به از موی مستعاری ما حبت نبیم بریج جامی گرای مفرت ا دباش ماشود و باراحت دصال سبدل مذاب بین به میران زویده سیل که در ندمید کی باشد فضای ماجت سائل دائی نبه تیجونندا دمین آکے اور اُن المیم مین عیائب امور چوفلور مین آسک*ر فط* كالبجوم تتقاا ورأنكا اعترامن سلسلة لنزمب سكرمعض ابهات يرعقاا ورأس واقعه كي صورت بالاجهال بيريج فتخذام أيكب شوا ونوان بام كا باشتره كه مرسون ست آشا بذو ولت حفرت مخدوم سك جوارس مستباعقا اد باسفر فيرانجام مين ممراه عقاايك ون بعض هوارض نفساني لسكه بهت سعداً مسكراً ورآب سكرخا وم كفيتكم بهوائی اورمیری کدوریته او زنراع یک نوست مهونجی اوراً سیند مهاست سختی طبع ا درکشافت و اتی سیع المازم مبروري وراكيب جاعت روافض كمساخم علاقه مبسيت اورساسبت كسبب ارتباطا ورافتلاط قبول كيا اوراينا رخت و إرا قامت أكلى منزل ور مارمين أمماليكيا اوراكية تمثيل كمآب ف وفزاهل من كتاب ملككا سے تقل مسبق کہتیں قائش ہفیدرجم! ومدسے کی سج اس مغمون کے بیان مین کہ اکر ابل عالم ر وسدعیا دے اپنیمنوج ومميل كبيطرت ربيحة ببن اس تنشيل سكا ول اورآ خره ذن كرسكه اور منها بايت كدأس جاعت سكه احصاع تب کے میان میں تصعیرا کرکے اُنھین دکھا سے اور ایک رافضی نے کما لیعصب اور اس فصر کی استواری اور ا<sup>میں</sup> فتذكر برع بركه بليره يزمبت الزادكين اورهابل ادرغاني روافض برطرعت سيرآب سيرامان فافله كالمنبث رمزوا شارت سے باتین مشوراً گیزفت ند آمیز کھتے تھے میان کک کداکی ون بندا دسکے ایک وسین مرسین مجلس عالی مرتب کی اورصفرت مندوم سنی نشست کی اور قاصی شفی اورشافتی آب سکه د اسیندا وربائین تقط ا ورمقصه دیگ بمیتیجسین بگیر ا دلیل بگیر سالاحسن تکک که ما کم مغیرا و کی طریف سے تنے اُنکے مقابل را ا در ترکمانون کے سائٹریٹیٹے ا درجندا دیکے خاص و حام اُس مرسدسکہ ور و اِم مرا زوحام کرآسکاورکٹ سیکھا

إ اومضمون اُس حكايت كاسانخر لما حظه سابن ادرامات كيسب كے حصنور مين مبن مبواا ورآب بعلور نوش طبعی کے فرہا یا کہ جو نکہ نظر سلسلۃ الذہب میں صفرت امٹیرا ورانکی ا ولا د بزرگوار رصنی اسکونہ ئی تعربعت کی ہو توخرا سان کے نشتی لوگون سے مجھے نوٹ نھا کہ ناگاہ سمکورفض سے منسوب کرین ہم کیا جانتے نتے كه نغدا دمين جناب روا فض من متبلامه ما كنيكه اورحب الرحل بن فرمغهون حكايت بركما حقه اطلاع يا للشة تے داننتون مین کسکر اوا تفاق سب نے کہا کہ سرگزاس است مین کسی نے حفرت انٹیرکواس خولی میں منین ملظ ا درآب کی ا درآب کی اولا دکی تعرفف مین ایسا سبا بغد بهنین کمیا بهرفاصی الغضات حفی ا درشافعی نیسب نزرگان ما خرسے اس کا بت کی صحت پر ایک بحفراکه ما اسکے بعد آپ نے نامنیان داعیان کے سامنے اس شخص سے كرسر گروه أن روافض كا تها اور نعمت حيدري ام نوجها كه شريب كى روسے بمارسداوين رکھتا ہی بازروے طرفقیت کی و داون روسے سے فرایا اول بھی شربیت آنٹھ اور ازروے وسٹ سوخوانی کو بو مرت العرب بنين حني أنسكوين حب أنيه به بات كمي ابل نزوان كي ايك جاعت جواً ب كي دوستى سع أبي في مین حاضر تھی ہے۔ تکریے گئی اور نعمت سیدری کولیٹ گئی اور نیٹی سے مہو نے تک آوھی مونجیم اُسکی لائمی تیری سے قطع کی اور دوسری آ دسی کونینی سے کا اور حب سر منید اسکی بائل قطع کرلی آب مے فرما اکر برگاہ وست يين بهوي ازروس طرالتيت مرد وولظ بل طرانفيت كالديموكي اورانياس فقرتيسه اوبرموام موا اب بالفرور النيكو برط لفيت كى نظرين بيونيانا جابية ماكه فاتحد الديكريم كام من الوسع الورط في ان ك قاعده کے موافق ما میے کہ کر لا کوجادے اور وال تکبیرسا دات سے قبول کرکے سر مرسوم ولد آوے اسکاللہ معمت *حیدری کے برادرط لفیت کو چینے ل*یف*س ابیات ناصواب کہ پتیس اورابیا*ت سلسلہ سرایزاد کی تقعین او خشوشت اوتعصب مين كونى سبقت الني سميرون سے ليكيا بخاسان لائے اور عناب و خطاب كيا أور أثَّار تهروسسياست عاكما نداسكي نسبت فل مركع يهاً ن كمب كدَّاس مليس بين تخذكاه أسط سرير يكبي ا ويمكم الناكسي برسواركيا ادرتهم قران واعوان ك سائقر نراا ورتشهرتها مكسا تحرشهرو بازار كم كرو بغداوين كشت ديا ادران مقائع اورحفا بدابل مندا وكي سجيج آب نه بيغزل نظرفزائ تظركب ي ساقيا لمشيط سري وزغا طام كدورت بغداديان بشوك + مهرم ملب نداز قدح مي تيميكيس + زان بداين ويارسسرز و كمنتك ا دناکسان و فا ومرت طبع مرار+ از لجبع و بي خاصيت آ دمى مجهسته ور را وعشق زم وسلامت فمي فرنز فوش آگره جنه و طامست گرفت نویم ماشق که ز دنشب بهنای زُومهال و دارد فراغت زنده سکان کوے . به رنگیهت و به صفته وصعت ماشقان این شیره کم طلب اسران کمی بینه جامی مقام بهت روانی سناطی ت برفرزانهم بخاک مجازروے به آور آپ کی درت اقاست بغدادمین مارمین تی اورمبرمیدسفان

ا ورشوال کے آخرین حریم حرمت نجف قبلاء عزت وشر**ے مین مہو بنچها دراُس مقام مبارک مین میغزِل فرمائی غول** قدىماسسىدىولائىننو اجلى+ كەمشا بەرىشدا زاڭ بىدىلغانچە رولىش ئىظىرھانى كىت چولىلى ، آشكارسىت داكىرى لازى» ورجان ميه ت مناعى كذارة يجد خاصي فشق ويفقبت بى مدى وعيد عشق دنولا كمن يمية تود بغفرار إجرال زمين وعلى والم مشک عامزهن سو دنداردچندا چوتی درجامرگرفتار گمندلغلی، بون تزاجاشن شهیمت نرسیه از شهرخل چره مان لباسطه عامی ارفا فارسالار ریشن ترامد گریرسند که کی ست علی کوی علی به اور مشهد مشدس اور مرفد منورصفرت امر کرم الدون ورضی الله عندى زارت كرك ايك تصيره فرأ انحفرت كى منقبت من نظم كيا كمطلت اسكاية وتشعر في جت زام كلك إشعري المجا برزار وقد و نقد ما ن كميت + اورسدزرو الدين منفية كأسوق من سيدانسا دائدا ونقر التقارأس باركا عداين ولا دواخفا نام كا بدكه ما توستقبال يكاكبا اورنتر اكط منظيم و توقير بيش كين اوزين شبانروز آپ كى مهاندارى بزرگانه كى اورعمده خداست لجالا ياحب ذيقعة كاجاندوكهلاكي دياحفرت بخيرومي سفه ابل قافل*يسك سانقه قدم با دب*ه مين *رمكن ا ورمرمينيه* منوره كميطون امتنوم بوسكا ورأس راستهك ورميان تعييمه تصنيف كياصين اكرمغزات مندج بين اوراول مطلع اس تصيفكا بيعب ر رصیل از قا فاربرخاسیت خیزای ساریان + رختم عیز برراحار آمینگ رحلیت کن روان به اوروومرامعلی اُسکار بوسه إرب مدمنه است اين حرم كزخاكش آيربي جان + إساحت بانج ارم بافرط روض المباكن + اور انتيكن بدررينين بهيانخ اوريث والكازيارت روحنه مقدسة امخفزت صطا ومدحليه وسلمري بالاكرمتوه كمدسارك ميومكم ادروس روز بورا وائل دی المجرمین و بان میوسیخ ا درحرم من شدره روز تهرست ا درا داست مشاسک وراً سطح شرائط داً داب اداكرسك عيومتوح برينه منوره سكر ميوسة اورمالت توح زيارت معفرت رسالت يسطاه به *وسلم م*ن بیفزل فرای نول به کعبه رفست مازآنجا مبواسه کوی توکردمه جال کعبه تامشا بیا دروستگوکر دم « كري ويرمسيا ودست تمثله وراز ماسب شعرسياه موى توكوم و جوملة توركعب بعب وشاز كونسة سوسند مشکبیسند توکردم، نها ده خلق حرم سوسه کعبر دی رای بیمن ازمیا ایم پروی ول نسبوی تو

ر توکا می + طواف وسسی که کر دم جسبتموی توکیوم بم وقع فوات ایستاد چلق معافران

به فودلسته گفت گوتی کوم و فنا و دامل منی در به منج مقامه سدیسی چ**امی از بمبدنا رخوم**ن آرز وی توکیو

روه بغير مسل المدهليد وسلم كى لما زمت كے بعد توجہ شام كيطون كى اور ديشتن مين جاليس روزيته سرے اور قاضى ميرج

ج قاضی العضات *آس فک سکے بیٹے اوراکس موڈان روزگارا و رمدمیث* میں *بنا سیندمالی سکھٹے سے کہ کیے* 

مین رمین اوراس سے مدیث کی ساعت کی اورست مدوریث کی بیرور تامنی اس میت اتا میت **بیان بربه انداری اورخدت گاری ببی که جاسیے ب**جالائے ایسکے مبد آپ دلپ کو . ورز مبر نے اور اورائم اورفضات سف و بان سكم تحف اوريسي مين سكيد اورأن اليم من تدير روم سف آب كا أن خراس ن عبانه كى طرف سنا يما ليفيدا شخاص خاص كوممراه خواج عطاراللدكرانى كرج دت سعداراده آب كى الابسيت كا **لرد با مثنا اوراس آمس**شا نه مير*آ عرفت ميكمت مثنا مع بايخيزار بهشسر في نقدا و يسونې ارموعو*. د ايزا مزد فدام<sup>تنا</sup> كرك زبان نباز دمسكنت سے التماس كى كرآپ ھندروز سايرالنغات لمك روم كى ساست بروالين او ولاميت سكرسنے والون كوان عروم شركين سے نوازش فرائين اور نبجا اتفا قات مسنه يہ به فاكه آپ برخايا **قبل از به دسننجة قاصدان فيصرك الهام آساني كه موافق دمشق سے طلب كومنو در موسلُ شے دہب وہ قامد مرشق** مورا بهويخ أب كوندكمينا بهت تاسعت كمياوراً ببهنوزيلي بن عض كردمشق سے فردو نني كرات يورك آدى آپ كے اللب بيت اُ يد توفف طبسے تبريز كا راسته ليا كه سيا وا وه قاصدومشق مصطب بين ، دين او أب كو بانيات مورابرا مطلب كريا او ب مین تھے اُس زمانہ مین راستے بوج حرب و خرب الشکر اے روم واؤ میجان کے انقلاب اورا خاطاب مین مقع و ان کا ماکم محدسگ نام کیسسروار ترکها نون کا نقا اوجسن سبک سے قرابت تربیب ریکسا عنا بوجیس اعتقادا ورکمال افلاص کے جو کہ سے حفرت مخدوم کے ساتھر الم مع تین سوسوار سکن اپنے اقرابا و راتباع کے آب کے قافلیسکے سائھ مبوالورائس ما فلرکوگروستان اورمواضع خطراک سے سلاست کا رویا اورولاست تبرزمين بوني وياا درقاصنى سن اورمولانا الوكرط إلى اور درولتي فاسم اورشتفاول في كرهيب صدرا در نديم آمز ب كمدي بنام امرار كلان اوراعيان سيوأس دارك سائفه به نقبال آ كاك اوريب ا **وْ از داكرام سے آپ كرا چيخ عمده مكانات مين اپياكر فردكش كىي** ا درباعث م**بوكر آپ ك**وهس مگيد سے ملاقات كولى ورمسن مگیسانعایت اگرام اور احزام سے گیا اور تلفا ور بیٹے شایا نڈکزر لیفی اور بڑے احر ارسے التماس کی کہ كتغرفيث دعميمين آب سفه بهانه كميا كههمكو لملازست ابنى والده عمريسسيده كي دَبيِّتين سي اورخواسان كوروانه ميو ورصب مرات بيوبنج ميزراسلطان صين مردمين عقاجيية فرآب كمقدم شديف كرسني ليفي متدا بناس ك تحفظ ما لائن كرسا تعوم أه خط كم جود فوراخلاص ا ورنياز تيشتل مقاآب كرداسط بهيما ورأس مكتب شرم مين بيمبيت مكنى سبيت المامقد كمالشريف فانه فرح العلوب ونزيته الارواح ١٠ وراسى ك قرسيب وتعة اميرنيفام الدين على شيركا بهوي البسين يدراعي تشي رباعي انصاب بده اي فلك منيا قام تأزين دوكدام فوب تركرد خرام+ فورت مدجها نباب توازها منصبح 4 يا، ه جهان گرد من ازها منب شامه حفرت مخدوم كخط شراعية سع وكميعا كما بوكه جواكيب كتاب كى كثبت بركهما عناكه اتفاق سفرما بكاكوارا

برات سے کرسب آفات سے محفوظ ومعدون رہے سو کھوین ربع الاول سے شاہم کھوسی جادی الانری کیج سے دنون میں مبندا و مہوننی مہوا۔نصف سٹوال کو د حدیسکے *کنارہ ا* **تفا**ق می*ڑا اور بسیوی* ون فافادا نسس رواز مواغره و نقود كو تغف حضرت اميركهم الدوجهس إيان مين آسر اوربا مين تي ين مين قوفيق نزول كى مدميذ رسول صلے الدولاميسل بين الخ شنم ذى الحركو كريشراهي مين زا و با المدرنعا مے مشرفان فيج ٔ ہوا بندر کھوین کوشام کیوا**ے کو یے کی بنیت مہولی مج**یبیوین کو رہینہ مشر*لین ہیونچیا مبواستانگیٹوین کو کویے جو*م ہ عشره آخرے درمیان ومشق میں آمزیے تا زحمعہ کے بدرہیم الادل کی حیقی کو دمشق سے فواسان میں بلٹ آنے او بار هومين دن ملب اور روز دوست بنه بستمر ربيع الثاني كو لمبره حلب سے قلوم يو كيجانب مم روانه موسار مجادي لاء كى جربسيديك تبرزين بون إنتشم حا دى الاخرى كو خواسا ك يطير حب كالإل اكي منزل مبنية درووز من ري د كهلائي والحبوسك ون الممارهوس شعبان كوشهر إن مين أرتب اوريث ترا تحرسوا تحرين ممار ار نفالسُ لِفاس مسموعه حفر**ت قدس سره** اوروه مبنّ رخون من لاسرّ مباسّر من رمیتی کیک روزکسی تقریب سے فراتے سے کراصالت اہل تھٹیق کے نزویک نہ وہ سوکہ آیا وا مدا ڈکسی کے امراا ور وزراك منيس سعمون إكرفاسقين ظالم سكرسلسلومي فتفحم مون لمكراصالت عبارت أس حسن جرم يستع بمركد ذات انساني بن جوا برمبين طرت مليم وررشت بأك درج ميز كم ازا د انسان مين أسكو لوگ اصل مباسنة بي مين بر اسلى مج ر تشخه فربا سقد عد کدم دات آدمی حب ما سبت بن کرکسی کی عیب جرائی کرین اول مد مراسکان کدخود آنی ذات مین موجود مین انکی زابن برماری مرتی مین اوروه آنکی فیمسے نزد کی ترجین س رشنحته فرات متص كرسب فقراا درساكمل بيثفقت اوريطت كرني لازم مجا وربزيب كتبلي ستدلقه دريين كمين آميين نظركن جابعي كدانكا بداكننده كون برصبدا ورشبلي كى حاجت منين كدأسكة سائدا حسان كرين اوركوني عاتى مهت ورمِربِن گَارگدانی کوانس تحص کے دروازہ نہ انگاکھا ن سے است ہوکہ اُس گڈری اوراباس بجواں کو کی صاحہ دولت نهین سروا دراکثر الیسا مواس کدا ولیا رحق سبحانه اینا مال کُوگراوُ ن کیصورت مین بوشدیده کرتے بین س ر شخیر ایک ون کسی سے آپ نے بوجیجا کرکس کا م مین ہو کہا حضوری میں مہون اور حافیت کے دامن میں با نوک میں تیا بولن اورگوشه مین فراغت سیمبیمیا بون فرایا صعدوری اور ما نیت بدیمنین سو که تو گارست گزی کے کیسے میں ایک السيط كوشفين بمين عليه مانيت به بوكه النياك ساتور البرا البواسوقت فوا مكوشه مين مبيرا أوسوق مين روب رشحة فراسة عنى كدملاست جوانمروى كى ده مجركة مبشد مؤون اورخها ك مستفي كارخا خُراتسي مين فارع مبيستا فرينيسي ب سيكوخران اورا نرده بنين بوأس سع بوسي غفلت آتى بوادروكوكي خرات اورا ندوه مين مواس، سع بوسام بعيت الم حفورى آنى بريمارسەخواجىكان تىس اسىرتى كى ارواجىم كى نسبت فرن دا ندده كى صورت مين ظامر بوقى بىج س

نوم کِرشات کُرد و

ت ذاتی وه بوگرایک کا ایک دوست مواوراً سکاسبب معلوم بنواور به لوگون مین سبت کم سرحبخص ک ب من سبهانه مصرالیسی محبت پیدامبر وسداتسکومحبت ذاتی کفترمبن اور پیمتبرین اقسام محبت ہج نوید ک نب لطف و کیجے و وسنت رکھے اور حب شخنی و تکیجے بیامبیل موجاسے۔ وتشتحة كوك شخص آب كسلين كمشاخه تفاكر فلان درولش ذكره يهب كت بوخالى زبان سينسين علوم مومّا فراياك اى فلان قيامت كه دن وبى ذكرز باك أسكوكفاست سوأسى ذكرر بالكست نوربيدا مومًا سوكرتما مصحاسه فياست كو دوشن كميسه بميرذرايا كركها ببي وكرجهزين امكيب فاصبحت ببج كمرؤ كرخفيه كوبنيين بتج اسوا ستبط كرحبب لفس مفهوم ذكريك سيحضين منوكيا اوكتبتيلانس لغط كتفيل سد الزندير مهذاسي وقرس وقوف اطقه كلم سع تميسر به قوث سأح سماع سے چینے و تومن تنمیلہ وسری بارا ور اسی طرح کفنس ا در قوت عقلیہ اور براکی حرکت دور برم جوجو انتی حرکت دوریه وجود به کیمی اوراً سکے سابھ متحقق مونے کی طلب مین حرکت معنوی اس حرکت کی نسبت کراس حرکت ىعنوى كى صوريت ئى بردگاراس تىقى كى سى مصول كى بىر-رشخه آیک دن ایک شخص نے آپ کی علیس شریعیت مین که که ایک نے اکابرسے مکھا ہوکہ تن سبحا نہ نے فرا اِسوکرا اُس ن ذكرتي ترجمه مين بشيعن أسكامهوان جوميرا ذكركيب سعبكا يرحال مبوده ذكره كركيب فرايا كرحب وقت تبلونا شالسته كام امراخوش فعل أس سيدصاور موسق من يه الدخانين بوكسطرة وكرجرين يه المعظركة من حسبام فيا ياطن سب كانحيط بي ذكرته بيحافرب بيحر رشخه کسی نے آبیدسے بوجیا کرسبب کیا ہم کہ آپ تصوت کم بیان کرتے بین فرایا کہ انگاہ کہ کمیرا والی بازی فیآ وتشحظ فرانته فيضح كدكلمات تدسيدا وليارا لدركم قدس السدار واحهم شكوة حقيق تتاحفرت رسالت سعاقتباس كيه موسئة مين صفران عليه وسل حب كرقزان ادر عديث كي تنظيم واحب بخفطيم كلام ا وارايجي لا زم سي المجلى الواقع ساتوادب أوروميت كم سائم أرندكى كرنى جاسبية كاكدكن شخصل في سعد متع عاصل كرب س ر المرايخ المال الدين عبد الزرات كاشى قدس المدرّنوالى مدورة البنى ايك الصنيعة بين الكما المحالب المستراميّة اتی الانسان الکال لعضے علما روقت سے نز ویک بیمعنی بہت مشکل معلوم مہدلے کہ اس کلمہ کی تغسیرس عبات سے کیو کراو ایک ن حفرت مخدوم سے وص کی کئی اوراًس معنی کا اکتشاف یا با گیا فرایاکہ وہ عبارت کمنسلیم امىمى بونرتىنى يفظ الىدكى س ر تشخیراً ایک و ت فراق بلاگراج بهاری فاطرین براا ورتینی کسین منین دکیها کد شاهر خفیقت عالی کی صورت منعكس بوآنكيندسكه اندر شكرعين أتنكينه اسوا يسطه كدمنجة ومهج كه وكاست اورنقل كرنبوالاظار بطال سيرموا وراومهات اورا حکام اسک اس مظرین خابر بون ا درجه آشیدنی بیمالت بنین بواس بات سے غرض آب کی عوسری ا

کی الارست مین بهشه ها نفر سینتے منتے فرماتے منتے کہ ایک وزیم خواتیمس الدمین محد کوسوی قدس ن شکھے سرسنبرفرا یا کہ مرت مہوئی کہ وسحن اہل شسرع کامشسکل متفاکہ کالوشنا وموسن اوکا فرسسیا کی بست ح*ق قرار دیا ہی اور کما سو که اُسکا* فشار اس طور مرمو گا کہ جانب راست چیب مین اورجانب چیپ استین کے اسواسطے کہ ہے تامل مرصورت عین عذاب کرناس کی انبیا اوراو لیا ملکہ صالحین او میرمنین کے جق مرکبی کا متصور مهوا حا یک خاطبین الیسادگا کرحیب اور را ست که لافے اور لیجانے سے غرض می**ر**کر حیم**انی کوروحانی** ین لیجامیکن اورر وحانی کوهسمانی مین لامیکن اور چونکه به توجید حوخدا جیسنے فرما کی محبل اور مبهمتنی لیندا حضرت مختکم سے اوجیا گیاکاس کلام سے معنی کیا ہین ۔ فرایا کرمونیہ قدس الدرارواحهم برزخ کو قرکتے ہیں اوربرزخ عبات أنس مرتب سے میرکہ عالم حسبانی اور عالم روحانی سے درمیان واسطه ہولیس اس کلام سے معنی کرروحانی کوصبانی بین لاتے مین بہ کوکر وسے کومعورت مشالی کے ساتھ معمور کرتے مین سلینے آسکو ایکیے۔صورت مقداری ا مبوتی سی جوکم دکیفت سے عبارت ہوا ور ہیا کہ حسانی کو رومانی کرتے مبین میان حسم سے مراد وہ مبرائ منین موح فبركح اندرسي السوا سيط كروح مجروني أنسه إلكل جميط ردياسي لمكه داويرسي كرطأ مرروح سكر ليرجر يبيلي اس حبر كشفه ينج تعلق رطهمتا نمقا اوراس صينيت سير انسكومجازاً حبنها ني كهامهم بعدازان كداس سيم كشيف سيدميفارقت مبولي فو انقطاع مين ووسدامتعلق ميدا موما موما مين در وبطيف كه أس تنعلق كي نسبت مسداً سكوروها في كهيين ا ور د وسری و حراس خن کے سیے وہ منج که اس عالم مین صفات روحانی صفات حبیا نی مین پوشسیدہ بین اور صفات عبسانی ظامبین بس مشخص افراد انسانی سے کہ اس عالم کون وفساد مین ہج اور مباکو نگاڈ اُسکی زات مین بروسفات انسانی اُس سے نلا سربین اورصفات سبی اورشہوی مخفی یونکہ میں تقولہ کو کرنام معا**نی اُسط ک**م مین صورت دار سوینگذا س طور مرکه مبتخص که اُسمین کوئی صفت صفات **درند ه سنه پیشنید ه مختی وه ا**س درنی<sup>و</sup> لی صورت بین ظام بربه و گافیس م رآمگینه روحانی وصفت معنوی بیمنشدیده میرحسمانی مومانگی اورسیمانی که وه انسان بِ ایک صفت اب ظامر دروهانی لینے پوسشیده اور خفی موجا کی ان دووجه مین حربیان کی کسکین تعذیب نهوگی ر شبط ایک دن ایک عزیز نے مجلس میں آپ سے میہ حدمیث بوجھی که رسول العد بصلے العد حلیہ وسلم نے فرمایا کی يوحرابن آ دم في نفقته كلها الاستنتيكي وضعها في الهار والطين آ دم لينيمنه فغنات ا ورمصامه عن آخرت كما اجرا ورثواب بالميكا كروه نفقه كمه بإنى اورمشى مين خرج كريدنيس اس صديث كى روسيد لازم أتا ببوكه مكانات خِرمشل مساحید اورعیا و تنگاه اور خانقاه وغیره سکه نبا سله کا آخریت مین کوئی اجزیموگا آپ سله فرا یا که مهاری فاطرين اس مدمن كا ورمعني أقربين كدمراد آب وكل سعة حالم احبام ميمقعه ويرسج كدَّهُ في عولفقه كرب

زجرئرشات آرد و عوض آسکا بائٹریکاالاوہ نفقہ کراسمین معدواور نسب عالم حبام سے متباہ زمنواہ رفاص حبیم کے فوائدا ورحظہ خلاور اسک رشتهط فراسته عظے که اگر علم ولین و آخرین ماسل کیا ، دوم اخرین کوئی علم اسکی دستگری نه کربگا اور تا م علوم ا وراک سے محوم و ما تنینگے گری کر صنور و اکا میں کا مکد ماسل کیا سوجہ کہ آ خری وم مین کستگری کرتا ہے ہی سے وال غنيمت وخيدروزريا صنبت كرلبني وإسبيه اورايك كوشه بن مبيعنا فإنتيبرا ورماك مانسس كراديا تبه كه خاطفتي اواقبا رمتشح<sup>د</sup>ا فرطسقه متھے کہ طریق خوا میکان ق*دس المعدار واح*یم میں ایسات خس میں سنے کمرد کمیا بیسیمیں *ایک قسم کی میا* اور قبولیت نهواس گروه کی استرا اورمشائخ کی انتها ہو حبکواس گروه نے قبول کرلیا بہت کمتر **ہوکہ ایخ**اتر مع المهالين مرحند نفس ومواك غليه احكام الله كن ره برجاييس ميراً سے أغرب ليته بين -رمتنونی فراتے تھے کا بیض اَ دمی تحب جزین کی تے بیتے میں تعبیہ منزاب مینندا سوامسط کہ اُنکونوشی کی امکیفیت عامل مبوجس کسی سفه شراب بی یا تو ده، و آنره اسلامه سیر با سبریل گهیایا رانده مبورگها که خلق نیداُنس سعی تشویش مین ہوا ورجینے بمضک یی گدھا یابیل ہوگیا کہ سوامشہوت رانی اور کھانا کھانے کے پینین عانستا اوراس مال کا نام تنظیو *او کی*یفیت رکھا ہوکوئی کیفیت ہوٹ یاری سے خوشتر مندن <sub>بڑ</sub>ا نیے حال سے آگا ہ موجوکوئی ان چیزون سے صفورا ورکیفیت ببدا کراس و دکیفیت بھی اسکی سرورلش سے لائن ہج اور اسی عالم میں اسکا افر اسکے سرورلش منظام ہوا وربہت آ دمی خوب متبلاان چزون کے بین۔ ر شخط فراتے تھے کہ میری آخرت جوالی کی ہونس طورے کہ جوالی مین گذرانے مین میری کے زمانہ مین اثر اُسکا ر تتحظ ایک ون ایک فضول مروه ول زیرا در تقویت دم مارًا بیما آپ کی مجلس شدیعی می و آیا مقا که ما الک ادراتفا قًا مُكران ماخرند متعاكمة ككا مكدان لاكواك مكب سے ابتدا كى الى الى اب كے والے لرروثی مین نمک ہی بھوکھوں است روع کی اس درمیان مین کسیکو دکھوں کدا سے روٹی ایک بانتھ سے توٹری اسسے تعرض کیا اورکمارونی ایک ایخوسے توٹرنی کروہ ہو آپ نے فرایا کھانے کھانیکے دقت توکون کے منفر اور ایترکی طون دکھیںنا کمروہ نیا دہ ہو دہ فاموش موا بحیر تھوٹری دیرد کے دیر باتین کرنے لگا اور کہا کھی نا کھیا نے کے وقت بات کنتی ت ہم آپ نے فرما یا کومیت مگب کہب کرنا کروہ ہو زان بعد آخر عبس تکب خاموش رہا۔ شیخ<sup>نا</sup> ایک بن کسی نے آپ سے اتھاس کی کہ مینے آپ الیسی تعلیم کرین کہ اِتی عراسی را یا کمرکسسی سفے پہارست حیفرت می دوم مزلانا سے الدین قدس مرجسے بئی ورخوا سست کی تقی آپ نے وہ

سارک بائین میلو سرر کها ا ورقلب به زیری کیطرف اشاره کها اور فرما یا که آمین شننول سروکه کا مهی سی پیدینے و توب قلم اپنیدا دبرلازم کردا دراسی منی کمتننمن ده رباعی بر جوآب نی نور باعی ای خواد کمری ایل دل نرل کمن وربيلوى ابل دل دسك ماسل كن اله خواسى مني جمال عبوب اندل ٤ آمكيند تو دل است رودرول كن س خوابرق عا دانت آنیا کے سے بیمن قرس سرہ ایک بزنرعالم متقی کہ سفر جازمین سرات سے آپ کے ح*عا تقوا اُسنے کم*ا مین بغدا دیمکمتھام بین ش<u>ہار</u> سہوگیا ورمرض میرا نبڑھ گیا اورآسمین شدت میونی اورآ پ مجھے وصہبن پوچھا دارس سبب سے مین نہابیت لمول تھا ایک ون یارون مین سے ایک شخص آیا حلدی سے اور ہمااہمی شرمی عیا دت کو آپ آ نے "بن اُس خوشخری سے سجھے ایک کیفیت بیدا ہوئی اورطبیعت مین قوت آگئی کا به سع سرأتمنها يا اوراستية تبعير سن يليجيا ا حانك آپ تشريف لائه اورميرے باس ينتيج اورميراهال بوجيها اور فرط با که تبری سمیاری کوطول موگسیامین نے میسشه ورسبت کرھی سبیت گر سرسسسر ہمیار خرد آگئ بعیا دہشہ ہ مال بامبيد توسيار توان له و به آب نے خوش مبوكر فرما يا كه مهارے اوپر توسیت شرحتا مبي ميروز امترا موسے اورجیب رہند اُسوقت میری میٹیا نی بیجی آپ نے سراٹھابا اورمیری میٹیا نی مِرکیبینے کے قطرے کیجے فرما یا کہ مکنیدر کھ شنا میکداس کیسینے سے مرض مین کمی مبومین نے تکمیدلیا آپ اٹھر کھڑے موسے اور جیجھ سرے آ دمیون نے زیادہ کٹرے اگر<u>ے ا</u>ئے اولیسٹا بہت آیا اورائسی ون نئیہ جاتی رہی تمین وال بعد میں آگا بوا اورآب كى فدمت مين كميا اكيت خف في بندكان صالح سع كروه يمي آب كرسا عض فرحاز مين مقاعكات کی که مراجعت سکه بعدحب بهم طلب مین مهوسینے مترخنس ایک مکان مین اُنترا مین سراسد مین تحمدار ورسجار میوکس ا در الیسا كمزور موكیا كداینی زندگی سے باتم دھومبھیا ا درسائتی مجسفا اسید موسكے گری سكے دن تھے ا ور گھڑا دروا مندا ما نک و کھا کہسی نے در واز ہ کسیقدر کھولا کہ گڑی کا گرشہ د کھلائی ویا گرشبی کہ کو انتخص سی اپنے و ا مین که اشا بد میرے یا رون مین سے کوئی می کرمیری ضرفیند کو آیا ہوا وراس خیال مصر کرمین سور یا مبوان مفکا مح كدمها داجاك أعظمين لولا كون سي آواوريدمين جانتا عقا كه آب كومست مرض كي خربي كرية كما ك نديحقاك مسر و تجینے کو آئینگے حب دروازہ کھلا دیکھا کہ آپ کے جہرہ کے نورسے گوروشن سوگرا مجی کیفیت بیدا مہوئی عا بإكرانشون ا دراسنيه مين أعضني كم طاقت يا ني ا درمال به متفاكراس مدت مين محيية نبش كي مجال ندعتي فرايا بيني رموين أسى طرح مبياريا آب آكے اور مرب پاس مبينے اور فرايا كر تيواك حال محيداً س تنفيف اداک سنے دیدار کے سبسے ماصل مونی محتی بر سبت آپ کی تصنیف فاطبین آئی ا ور سر حی سبسست فوش بهت ازبا وتوبه يسته جامى به وساكنون برسار توفوت تربيسيدا دابهنا باعم كميرًا احتريته تين ميرمى د بم ن تېکسه پيژهانۍ که وهنوکا باني ميوننچ ا درا بني گو د مين رکعا د ورهند بار اسنې دست سبارک يا ن

بعيرا تبييك يكونماژ كا وضو كرات مبين ا ورائسي طبح ميرا يا تقرآت كى گو د مين تفاكه آپ خو د ي يفائب مو يين في الماني آب كى موا فقت سنة أعمين مندكرلين ا درمتوج مواعرصه موديكا بيقايين في أنكر مكولى كمرا امس فوو رفظی سے با سرائے یا نمین و کھیا کہ انجی انگھین ہند مین مجریین سے نہی اُٹھین ہندکریں ایک گمند ط گذرگی مراکشایا د ورمدا با تقرمیوسیدنه پردکها ورفا تخدیرهی ا ورفرا یا که طبیعون سلم کونساسشهریت بخون*رکیا* مين في كمازت بني ا ورأسوقت طب بين رب بني ننين لمنا بحاكماسم ترب ليشرب ببي مجتيجة بين الأ أسيطه اوررب بهي تعيير بإمين في أسى وقت النج اندر تخفيف يائي اورتين دن بعدمرض كل دور موكيا كه فمثنان تك نرط خدتست مولانا بصى الدين عبدالعفود عليدا لرحمته والغفوان فراق يتفاكداكيب وان بين ات كے جوہ مين گن سرآ مكنيد آب كا و قديم عن تائيخ مقا تن الله عند وريا نت مهوا طِلاريخ مبوا ا ورتمام اعضا مين كراني الما برمع فی ایسی کریشینے کی طاقت نرسی انشاا وربا مرآیا به حالت الیسے مرض کی باعث موجمئی کرد<sup>یک</sup> وکسه ایس میوسکتے اورسا تومن موز قراقات اور اضطراب عقا اور حال متغیر موکیا ندانچہ را مخد کیا آپ کے ویدار مسارک کی پھے آرزوں ہولک میرسے سرحاسنے آسکے حبسوفٹ کاکسی عفویین محال حرکت کی نرکائی مُری تش<sup>ی</sup>دیش سے <del>میں ک</del>ے و پناء حض عال که یا « بلغین شغل کی درخواست کی جو محیراتشاره که آسمین مشغول میواا در آب کی صوت کامجاتعلو کیا اور آپ بھی متوجہ مہوئے ایک لخطہ بعد وہ کیفیت الاریرائی اور حالت نوٹن سے بدل کئی اور اس حالت كى لذب كل قوسه اوراعضا كوسونني جانجه مين أشها دور د وزانو هو بشيعا حبب آب في سفه سرمبارك عُمّا يا مجھ مبیجے دکھیا فرط یا کہ تشونش کی بات بنین سر فاتحہ سرط معی ا ور بطیے کئے مین سفر جرہ کے و *تاک آ*پ کی مشل کی اوروه مرض آسی روز بالک جاتا ر با اور بخرگذرا حب اس ماحیت کودن رسال موسکته ایک شخص مهمی آ حضرت خداج صبید المد قدس سرہ سے حضرت کے لھرفات کی حکامتین بیان کرریا بھامین نے بیر گذشت ائس سے بیان کی وہ گیا اور آپ سے بیان کرے خوامیش کی کنفصیل اُسکی کیا ہی فربایا کہ حبب معوریظ ل ا ورخلبه آسکے مرض کا نیمنے شسنا توریخ مہوا آسکے سرحانے گئے اورشنول موسے کو اُس سے إر أشمالين مین نے پا یا کہ اُس سے مرض اُ شدا ورسیاری طرف میواسینے تفرع کی کہمین اس بار کاتھ کنین مہے ہی ولائے ا كيب عزيزاحيان ولايت كبيلان عصر ميارمهوا اور قرميكِ مركب ميوكميا حيا سخدا راحباب كنبدا ورقبها يستفح ربیان چاک کرد اسار مشورخل میا پاور تخمیز وکھفین کی تباری کرنے گئے اماِنک اس سوقع مرحس وحرکت کھ أةً كُم رَّتِسمين مبدِ البوسكَ ا در تفوُرا ا فا قرائس سكرات سے مبونے لگا ا وراُسی ون لبنترسے كما ل صحت ايو م عا فیت کسانتا محرام اور و لوگ که اس مالت سے خردار تھے جران اور تعبب موسکے اور کسی نے آگی مقيقت مال سے اطلاع نمايل بغرمبندے موم اور مخصوص توكون سے اُسنے يہ حكايت كى كراس شدت اور

اضطاب مرض مین کروح میری مفارقت کے قرمی بھی حفرت مولانا عبدالرمی جامی ظا مرم وسے اوراتیفات کی کہ میار مرض جا تا رہا اس وا قند سکے بعد اُس عزیز گھیلانی سنے مبسی نبرار دیتا رکھیلانی کی تعییت کا اسبالفیس صوف اورکتان وغیرہ سے بطراق معالم کویان کے آپ کے پاس جیمیا اور بیدوغایت نیازمندی کرسے التماس طرنقیت کی ا در آب نے ایک مختصر سال مفید طربتی خواجگان قدس اسد تعاہے ارواحم محکم طربتی مين لكمها اورأسط سلي بهيجا ادرأس رساله كا آخرمين به لكها سركه اس قسم كى باتون كاكهنا اور كمشانه إ فقركاط التيديما كرحوكداس طون سے بوالاص داغ ذوق مين بيوني باعث لقرار ورتوريان مضامين کی میرنی مر با عی با انبیمه سبه حاصیا و به حکسه + درانده بهار سائی و بواله تونی + دادیم فشاک نرکتی مقصود ترآ لرانسسبیریم توشا مدیرسی ﴿ اسی وا قوسکے مثل دوسرے تخص کوعزیزون کبنج سے م<sup>لیش</sup> آیا او*را کہ* ہجا<sup>عث</sup> ہے اُس عزیز کو دکھیا اوراُس سے قصہ کوٹ نا حکامیٹ کر تی تھی مگنہ سے را ستہ میں ایک عرب نے کرا برس<u>ا</u>ر پنے دونث آب كودميه تقي استركي عمده خاص اونث كي طمع كى ادر طبيب سبالغرا دراحرارسك ساتمر آب سيخريرا اورجودل مین آئی قیمت و کمرلا وا دس روز کے مبدا دنٹ بیا بان مین تفعک گیاا درا کیپ رتیلے ٹیلے سکے ته مركبيا وه عرب آب كم باس أياضي اورسيا في سير كين تكاكرتمها ونسط عيب دارا ورسار رفتا حرسوريا سبي ا درآب كم منحرر بمبت سخت مست كها اورمدا دبيان كين ا درروسيران كهال احرار يت لمكيا آب في فراي کر اس عرب مین تغیر موا ہم خالبًا اسکی موت قرب ہے حب مکہ نشریف سے آتھ مچھرے اور اسی شیلے کے تعرب بنجے عرب گراه ورمرا وایس شیلے کے منے و من مها ایک گروه اصحاب جو کیسفر تحازمین آپ کے سمراه منتے کہنے لگے کہ نیخے مسوا ڈیوا ه مغدا دمین روانف سے جا ما اور وہ سب فتنا**ونسا د** برباک اورمرو و د نظرسعا وت اشرکا مروا بفرج ا دا کھے اندا مصر تبرنز کو لمپٹ کمیا ا در آپ سپنوز کمیشریعت سے اُسطے ندعبر سے منقے کہ آسسے تبریز میں شام سے د تحت اسنے گھوٹے وجردسيه تند كمنشه بمرتيجية كااورتوسره مين بالخروالا كأنكوش سف سب جو كمناسة إينين أسيوقت كخورت متنم كهول كراسكي أنكمشت شمها دت وانتون مين كيرسك حربس أكمير لى ا وراسكي شدت المه سے مركبا اور ختی اور جي سعه جان دی - خد تمت مولان شمس لدین محد روجی علیه الرحریسفی حوظرسا صحاب حفرت مولان سعدا لدمین سع تھے ایسا فرایا ہوکہ ایک روزمولان نورا لدین عبدا لرحن یا می کے سابھیم رووالان سکے کٹا رہ بیٹیے تھے برسائنگ یانی طرحا دیر متعاد کیسه ای مرده یانی کے اور تر تی آئی آب سنداسے یانی کے اور سے انتھا ایا اور اُسپوسٹ میا پھرتے تھے اور اسمین زندگی کا کوئی نشا ان طامبرنہ تھا ایک لیظ عبور کے بعد طبغے مھی اور اپنی طبیعت کے مبرطان آپ کی کو دکی طرف جبکی ا درائسی طرح آپ کی نفل مین منتی حبب مک سم شهرکو گئے آپ نے کو وسے اُسے زمین م د کھیںا اور اُسکے وہ مراسیر آپ سکے بیچے دوٹری مبست دور سارسے بیچے دوٹراکی اورہ ان کسب بہوگئی ک

ربدرسیات دردو سواویها ده کی کزت سے معم اسکی نظرسے حجیب گئے وہ بھی فائسب موکئی – ایک جوان صاحب حمال کورندا آب كا منظور نظري السن حكاميت كى كدامك ن بين آب ك سائترسيرك سيوموض مساوشان كما شما ادر بهت اصحاب اورنوكرممراه متصحب سات مبوئي اورسوسفاكا وقت آيا سرايكيشخفل ككركوشترن ليديد الوفي بالوفي اكم ترسعه مکان کے ایکے مشہ کومینہ کمیا اور کید لگایا اور ایک مٹری ٹمی صبح کے مدان روشن رہے، ارمن کی اسی مکان کے ایک گوشدمین سور اکرآب سے بہت ووریشا حب ووتین تھنے گررسے سے سبب من ماکاا ا نيے نند*ئن اس بهنيت سے منٹيجها و کھيا ک*ەمبل طرح ن*از سك*تشهيدين منتجيتے مېن امينيمعا سوا ا درا نيے ول مين کنت<sup>اگا</sup> كرم كها حالت مي محير مين سعريا اوراكب يجبي أسى مكيرية بالإنها في كومبيّها وكميتها مرن حبب خوم بين نه ألموما يا يا كهآب ابني حكيه ووزانون البت عينيم من من أخركم الكالواورسور الم تعوري ومركدري عني كرويين عاكا ا درائسی طرح ا منے كو د وزانون صورت برشي إزا، «حرث مول ا ورأس مشعبه كوچند مار به صورت بیولی آفر کارمانا که آپ کی توجه خاطرے سبد سند بی یا سرآیا ورون وکیا اور مین مک آپ کے ساتھے وون انون عمیمار ما است کے خلصول سے ایک بیزر فائنل کی یک مراورو بداکوشہ سے سرمزار جا وال اورون سكونت كردن حبي آب كم ما عظ كميا ورايني ادروة والانطام كميا فرايا كربهت مناسب سي شهرت علما الريا ا در الميداً فيعين ويركروكه وصعت فينهيت سج الإراء ويلي كمنانت عبن كك عبن او الهيسا امنهام كمياكه فا وم كوملايا و منزل تومزکردی ادربارد گمرحب لدا سنے کی ناک کی مبید مین شهراً یا بعض موافع کے سبسب وہ ادا دہ بورا نهوانس سے بازا یا ایک معند معدور کو مین آئے اور بنرا رشا ہ رخی جولت بھین وہ ے دیگر اسسیاب جو گھر من کا بالكل ليكيرُ اورمجيع تباه كرديا – ايك. ون جفرت مواناسيعت الدين احمد شيخ الاسلام مرات يحمّا م<sup>نتا</sup>كود ے ساتھ آئ**ے کی محبیت شرکعی** مین آئے اور آئے ہے نے تعانی کھالا کر قوالون کو حکمہ دیا کہ اس محضل مین عزا سازیجائے اور راگ راکنی سامین اتفاقا و وتین ر زائس صعبت کے مدحضرت نمدوم نزایرت کا دکیولون سیک طور مينكي ا**ورويان ميخيخ شاه سدج**مشائخ مربع تركارسيريت المانّا رز،كي ا ورفربسي بست شيني الاسلام ا درأس مجلس کے کانے بجانے کی آپ کے مانے سے میٹیٹر ٹینے شاہ کوہ نے کہا کا میں اس محبت میں ٹین خواب كهاكةتم مقتداده لمارها لمهك ا ورهبتيوا عارفان عوب وعجه كم مويركيا بات بوكداك كي عليس شراعية مين مرار بجار المرامين اور كانا كاستر مين حبب بينني في بدا حراص كي أب أركاكان ك فرب مرتبك اوراكي من في عقا مراند أصلكان من كما كد ابل محلس سع كسى فراكس معنى ن براطا، ع منين بال دفعة شيخ سع المكينا با نکلی ا درمهیوش گر رئیس تھوری دیر معبصب اسٹے مال برانے آپ کے ساسٹے مہت نیاز مندی کی اور عالی قسم كى باللين نهين كمنين آس ففيرك والدحلية الرحمد كين تفط كالكيب روزاعفى تفسيرس ساسفه المحضين اور

ملخ مندالنها رمین غور کرر با به قاکه کا کیب میری خاطرمین آیا که اس آیت کی نا ویل میر کرسکتے مہیں گہنمارسے نور د جود مرادلین اورلیل سے ظاہست عدم جاہیں کیے جب دقت کہ نور وجود ا نسے و وراہو عدم کی تامریکی این جداز ظہوراس صفی کے نبیت کی کہ میں درت آپ سکے مضور میں عرض کرون وہ مسیسے ہ المازمت كى نيت سے آپ كے سامنے مين گرا وب بيٹيھا فرما يا كھُرتھ نبيرون كے مظاہوم ميكسيوقت اميد مبوتا ہو کہ معبن آبات قرآن میں منی جو ہر نا سب مشہر باس گردہ کے خاطر میں اتے ہیں ک*رکتب قوم میں تم*ھار نطر سينبن كزرد بيان كرومين في أن سقد ات كي شيع مين تيام كي اود آب في تسيين فرائي \_ امكي فاضل دانشتن رنے كرمفرت مخدد مركز اعلىٰ شاگردون سے تصابيا فرا يا كدا كيد دن آپ كى ملازمت كاتعى كما شهرن وبرمزاركو ولا شهرك ما سرنز د كم النكرسول المحى الدين مح اكيب جوان صاحب جال ساينة آيا - دونظر به اختیار اسکی طرف ترین اس مال که قریب ایک شخص گذر انتفاکه زنگمین نمهدی بوشهاک اُسِيكَ كا نديث برئتي اُسِكِ الكيد، فدسه كا أوشه البداميري دا بني آنكي مين كلكرمين في جانه ا كيب شرميري أنكوبوارا ن وینتر کی انٹریر بنیمار اور آنکھ مسے مہت بانی نکاران بعد آپ کی ملازمت میں گیا بین نے و تھیا کہ ایک ہما عت طزران کے ساتھ محبس کے در پر بیٹھے مین مین کھی میٹھے گیا ایک تنظر کے بعد سرسامک اُٹھا یا اور فوالا كرامك ورونش في مرم كم طواف بين أيك جوان صاحب جمال كى طوت نظرك اجا تك ايك بايم ميدا مبوا ا در اُسک ه مرامیه طایخه ارا که ایک آنگه اُسکی با نی مبوکراسکه شخر برگرمیسی میس ایک با تعن فی آواز دی كانظرة بلطنه ان زون فزونا كميايك نظريابك لمي نيواكرزيادتي توكر تكاسم هي زياده كريكيتين تقرير كريك ميرى طرف متود ببعبه أورفراً يَأْتُكُورُونُكُا وركِمناها سِيرًاكُ ما تَحْرُنُكا وركفين ١٠ ايك عزيزسنه البي علم مصارح سے كرصفرت مخديم سے انعلاص اور آمدورفت رکھتا ہو کہاکہ ایک روز آپ کی الازمت کی نیت سے مین سرفزار گیا اور آپ مل ساتیج ا ورا مک عزیز صوفیه سے اُسوقت آکیا مشطر میگیا تھا ا در سرطرت کی بات مہر رہی تھی کہ اثنا ہون میں مضرت شیخ می دین برابعربی قدس موسے نقس کی کرانھون نے فرایا ہوکہ سرسال بارہ میبینے کی برت گذرنے مین موزہ کی فرنسيت باره ماه سيرانك كاهمن والردمول بوا درجوكول معينه مبيد يتوسط تفسيس كمحسوب بجاوراه رمضا ولي خىندىيىيەت ئىنىي<sub>ن سى</sub>رىين يەنىش سىنگرىمىبت ملول دورەت ۋرموا اسوا<u>سىلے كەحفرت يىنى مى ا</u>لدين سىرپوراعقىيە « میرانخها اوراْس سنه البسی باتون *سکه مسلنه سرراحنی ندیتها فی الحال اُسرمجابس سع*مین *اُنهما اورحضرت مخدوم ک*ی بغیران ماصل کیے شہرین وابس آبا وروہ عزیز تھی آپ سے بغیر کے میرے پیچیے سے با سرآیا میں دوسرے دن اس بات كى تحقيق كريد آيكي خدمت من كها اور قبل ازمير به بهان كرآي برقسم كے مقد ات كه انقاضه زائل كا اور کلام کی روانی بیان برختم مبوئی که فرا یا سبکوان فقها سد زانسک طور وطرفت سے ماصی مبوء حاسبے کرماننا

مین نقها برمصری زمره سے امک شخص نے سلطان وقت کی در کی مصاحب سسے روزہ فرض کے با سامت اس درت کیشل سے فتوسے لکہ ما – متولآنا جلال الدین مرومی قدس سے ہ کی اولاد مین سے ایک عالم عارت رسم خراسان آیا بهخا اوردن<sub>ی</sub> گاه حفرت مخدوم کی ملاز<sup>ید</sup>ت مین ر<sup>با</sup> اورآب اُسکے اور پهبت النفات رکھتے تھے او أسكى مليه مرمزار مرايك عالمحده مكان مقررك بمنا فرات تنذكه ان الأمين اكب شب منرت تغددم ممايسه مراه ن إنشريف والمصيني عشاكي نماز ترهي ورائكي خدست بين عبيج كروانت كك مهربت بطريق سكرت كي اورده سنب مهرسد اور ایک نفس که مثل گذری کیتے شے که سرآ نینه طراتی فدا بکان قدس الداروالهم کا ایسا ہو کو صب تک کسی کے حال میرالتفات منین کرتے اُسے مجمر عاصل منین م تا آسے خطابیت کی کدا یک را ت مته پر مین تیرا ریج نار کمی معبت تنتی اومِنه در برس ریا تحتا مبقداری کی مالت مین تو دبر آب کی طرت کی را درو

بوڭىيا ورنارىكى كى تشونش سے مجھے فلاصى بى --

حضرت مخد**و می کی د**فات کی این میلی آلیکه شجره و لاسیت سکر ثمرات مین اد اد کی طرف ایامین ہو مرکا ه مور<sup>ا</sup>ی شام مولاً *ارمنی الدین عبدالغعفورطییه الرح*شه والعغ*ران حاشیه نفیات الانس سی کمرایین موصفرست* منه وم *یے فضال* وشمائل کے ذکرمین موآب کے انتقال کی کیفیت تعقیل دار لاکے مبن اوروہ ایک مشہور کتاب مہواور ا مغدامین افواه عامهین بین لندایهان برمخادّ مباین مبوابر جاننا یا بهیے کدّا ب کے مرض کی ابتدا روزیکشسیز ترحوين موم الحوام شف ثد الله سوائعا نوسد سعدتمى ا درهبون كي صبح كوكرهشا ون آب سك مرمل ك شروع كالقلا منض آپ کی ساقط مبولی اوجیب بانگ سنت نماز جمعه کی وی آپ کالنس مبارکی شقطیع مبوا اور دنیاست عا لم ت*فاکورملت کی فضاً لار و قت اور شعرا برزانه بنه آپ کے مرشیر اور تاریخ* و قات مین تصبی*دے اور ق*طعا<sup>ت</sup> ا وررباعیان مهت کیونگههین ازانجاید وقطومین قطعه اوسیفوشاً فاق مفرت *یامی به کان فی تعلی<sup>دا</sup> بوری لاله* چ*ون عنان نافت از دیارفنا 4 کرد درکعبهٔ لقار درا 4 سال داه دفات روزش بود+ ننرتیم روز اه حاشه !* 4 قطعة ماتى جامى كه بودلبل حنبت تواريافت + فى روضة نحارة الضها السما + كلك تمنسا نوشت روان ميشون ناریخه دس دخایکا ن آسنا <sub>ش</sub>واضح مبوکه خدس*ت خواجه کلان فرزندنزرگوا رمنتریت مولا ناسعدا*لدین کاشنوک قدس سرہ سکہ دوصا صب نرا دیان سکھتے تھتے ایکب حضرت مخدوم سکے نکاح مین آبین ا ور دوسر*ی را قر*قرق سکه در اسله مبویمین اوراس کی با**بت کهاگیاها ق**سطند د د کوکت شرندازین سود است دین و طلوع کرد در آر دیسانی زاید إذان سكي لفِسياكشنت مبيت مارت مام+ دزيرج نعبيش دبالصفى شيداوج ثرون + اورحفريت محدوم سكوأس گرگی سے مارلیب رسپایج دستے بیلا فرزنداکیپ وان سے زباردہ ندجیا اورکسی نام سے مسے ہوا کھرد وسوئے فرز

سسال بدفوت موئے اورا باتسکے مرنے سے تہا ت مغرم مدیئے ضائخر امش مرشيه سے كه آسك واسط فكھا ہوا وريكيل ديوان مين مرقوم بومعلوم موا ہوا دراتفا قاست مجيد بست برسر كه نقدلي سكا جوصفی ہوا سکی دفات بیٹرلنس اس فقر کا کیا اور لقب اس فقیر کا کہ فزہر انسکی دلادت کی تا ریخ کی تھی خیابیان ہ<sup>و</sup>ی مین که آب کے خط مبارک سے نقل مہو کی نظر فرایا ریاحی فرزندصفی دین محدکرجهان ، شدزندہ یا دھیا نکندی مجھ چون شدنود د دوجهان فوکنان و شدسال ولادت وی از فزعیان ۹ اوراً سکی وفانت لیدار فیظا مهارین علی شریفتاکی تاریخ وفات مین به ففره وارکلم پرشته لی نبا کرمندرت مند و مرکه پاس محیجا برکانها ندیات شما با واود لُمِ مِنْ مِنْ اللَّهِ كَافُوا حِصْما والدَّيْنِ بِوسَنَ بَهُ اورْ مَا رَجُ أَسِكِمِ ولَا دَبُ كَى صِياكُه ٱب كخط مباركت مِ وكليمي كمئى اسطرح مرسوكه ولادة فرزندارتم ندصيا رالدس ميست انبيته العدنيا تاست في التصعب الانريس لياته الأ الناسع من شهر شوال سنة أنين وتما بنين وتمان مائة ابك ون حضرت مخدوم مزارمين بإنى كه لب ويش ي فتريم سك شال مين واقع به بيشي تي ايك فادم فوار بنيارالدين كو كالمره برسك بروكم مل سداييه! آیا *اور تخیبناً اسوقت پانج برس کے عوب کی حب*ب یا س*ی اساز* توکها با خواجب عب بدر بسد کو مین ساخونتین مجھیا آپ مسکر استُراور فرمایاکه نوامه کود کمیها سی گرنشته یا د مهنین بیم فرما یا که ان اد قات مین ایک شب ایسا خواب میمیما كرحفرت نواحه بدالمداس مونع مين آسكيين اورأس روان كبطرت اشاره كميا جوسب كمشال كوداقع ا و سین مندیا ، الدین بی سف که ما طنون مرکیز این کے سامنے کیا اور کہا اسیدوار معون که اس *لیسکے بر نظر عنا*ست مع ا دراست التفات وقبول مس منسرت فرما مين مقرت خواجه في أسم ميرسد ما تقرست ليليا ورا بيا منه اسكم منوم ركلما ا در ايك نهايت سفي جزايتي ولإن منبارك سه أسكر مني كراكي حنا بخيرتم أس سيري وكليا اور كجه زياده بونی اسکے بعداُ سے میرے یا نھرمین دیریا ورمین سوتے سے جا گا ورامین فواب کامصنہون دیباجہ خردنامیہ ممند ک<sup>ی</sup> مين *حغرت مك*منيا قب كه درميان نظم كمايهي – ا ورجو كتفا فرزند خوا حبطمه إلدين عبيب كتفا كه خواه جنبيا ولدين تيو<del>ن</del> کی پیدائش سے نوسال بوربیدام وااور تاریخ آسکے ولادت کی صیبا کہ آپ کے خط مبارک سے نقل مہوئی یہ ہی (ولادت فرزندارجند ظریالدین عنید وسط وقت انظهرین ایرم الخبیس خامس مخرد مسترا مدی وسیس وثما نا تند اطبقه السدميا تاحت ورزقه السرسعادة الدارين مجدواكه الطبييين الطامرين كمها ورفزس طاليس روزم بعدمركما ا درآب نے اُنسکی ماریخ ولادت ا دروفات مین میرد و قطونظم کیے فحیط دیسنسر زند طهریب وین جیب خرجہ وينتنصف كارشدارًا م مل ما 4 جزة لك عليه لشدا زغيب اشارت اصبتيم جرامش زرمت ما ميّ المفوظ زميسه يوشا رند فلتوب + ما رنخ ولادت بودش و لكس مسيرة قط واحرى اورديده ظيروين كه فناود داون برونش بهم نزد كيب + بود برتي راسان كرمه، زا د في مرد نش مبر نوكت

۱<u>۳</u> مولانا عبدالغفور تحسر التشر ا سيه كالقبيصني لدن سي مشهر لاسك تخت أس وبار سكه نزرگون سيد سياكيا كداولا دسعدعها ورسني الله عنه تن جديريد افعدار سيمين اور قبيا خزرج كرمرد ارمين اورآپ برست ملا نده او راصحاب حندت م دبدالرمن جامی قدس سروسید بخته اورتمام اقسام علوم عقلی او نفلی مین نگیا نه زمان دو بزراز و وران بخطا*ر* ے ضرمت مول ناکے سائمنے میش کین اور مفرت مرانا نے اجدا زمیقا ما پسٹسے فصوص کی <u>ل دالموسله الكال ذواله سه الصائب والفكرات قب رصى الملة دالدين عبدالنفه ركة خالمه</u> عانه لنفسه وم<u>کون له عوینها عن کل شکی فی ا وا سطحها دی الا ول المنتنطر تبیفه سلک</u> شهو سیسنته ست<sup>نه مهجی</sup>ین رعبد الرحمن البامي عفظته - خدمت مولوي نه عامشيه نغنات كيمكما يمن ابناءال <u>سے تعبیر کیا مہرکہ ایک فیفرکوشغل کی رخبت اس طریق مین مبولی اور آپ کی ملاز مبت مین آیا اور </u> یم کی د خواست کی آب نے اُسے ملقین و کر لاالہ الاالد می رسول الدک اوراینی صورت مبارک کا حفظ آین شراکیا و شخص اسی سحبت مین آب کے فرانے سے مشتغول میوا انسیو فتت انسین انر مقررہ اس گروہ کا نصورتی ا ا و را سن**يكو فض**امر روشن مين و كمييا ا ورأ سكومهت لذمة ، ادر شوق خطيم للاا درنشان لوم **نمبرل الارس كاميو** مبوایه جال آب سندع ض کیا فرمایکه میسر پیوکه بارا ورو دست مصریمی تبیها با ما سیمید نبو. دستنول کررا ورکزت ممل ر کمیفیدت ببخیردی اسمین ترقی کرتی کی ایک وان اُس شخص نے آپ کی سائٹے شکایت کیفے اُشنال کی جوارش شنگے ب بتفاعض كي آينے والي كه عاره اس شيمنيين موكائس نسبت كركسي ايك شغل ظاہري كرساتھ جميع كرنا جا بسيراورا تخص كي مجست كوهس سعة ينسيت بإنى سولارم ركيني عابيريه ملك ومرسوك سوكرات خص بين مكس مبوك اليساكرا عابي استخف كى ملك يعد جاسعاه ربيهات وواح مستنطع مبر وحكى إور فرما يا كيسى كام من يجيب بطابير شنول سينا جابيعة ، كرتينه عثر مْعَالَ سِيمِنَا يَنِهُ وَلِشَانِهُ يَنِهُ اعِدَا وَيُصَانِينَ مِنْ البِحَدُ كِي بَيْنِعُ مِنْ البِيرِكَ مِنْ إِلَيْ نه نیزاکوکی بیشدینچ کهامنین فرایا کهما میبنده وزی سیعته بیوندکاری سیکیم که اس گرده سیامهنی روشن سیعصدرت شنعل نبین موسنزا ور فرط یا کدامس حاله تکاه صول ا وراس نسبت کاتحقت آنی سی اسوا سیط کدا وراک العمال کیمقور هم اوره تنیقت کام کی احراض ا درا قبال مواعراض ماسواست ا درا قبال لین میش آمدی مسبحانه تغاسه دوترا يک آن مين مکنن سخينس آدی ايک آمکيندکه شل سي ک<sub>هرن</sub>ے دوسری طریث رکھتا ہو آسکواڻين جاسيے کميج أتسكا جانب من واقع ببوائك عزيزسفه أيك مشامح كي صبت مين نعره الاو كريميا حب وه أعما صوفي أتحاكم مهوا – ا درفرهٔ یا که معبدا سیکی که قلب کا ربط صفریت حق سبحا نه مین ماصل میوا دورنیدیت انجام پی پخفق سو کی تو

أدي بن كسين شول مونه برنيبت مقرره عال مواسة طمستفيم كي شال فرض كرنا بإجيدا سواسيط كوني ال سع كا ا مروا حدست مال کی مشغولی مبیت کی معاون می حفرت رسالت <u>صل</u>یا دید علیه وسل<mark>م نے امیر لمونین علی رضی اتش</mark> سع ذرايا بوكدرا ، كوشل خاست فيم فرض كراچاسي أور فرائد تنه كيران مواحبكان قدس استرارواح ا کمپ زیبا نی ہوکہ سب تگرسب کے ساتھ سب حال مین اس نسبت کی درزش کرسکتے میں اس لسبت کی ورزش کوانعل بنانا جا بیے ا وراِسکے عزے ساتھ بقد رنزورت مشغول مبزنا۔ بہنسبت شریعت نهایت تعلیق ہم اورأسكى كوئى حيسين ادر وقت مقرينيين فرى بات مين ماتى رسى لع لېم يا مراقب ظامرموتى سيحب بت بن على آورد أستك سبب كو وُحوندُها جاسبي اورالما صطركه اكدكي جز اسك باعث مبوئى أسك دوركه فاين مشغول مهوما لازم مي سآور فرات تص كدميت سدا مورصى كا عاصفه مدوكاريسيت اورعالت كا مهذا سيرا ورثوث مبعيبت كوديتا سجا وميدام فخرشفبط مهوا درختلف احال اورمتيفا ويت اوقات سكر ببوافق وتوع ياتا ببؤانين سيهجوا بوصورت اطلاق ہو مینے اطلاق سے ملاحظ کو مددگا ری اور میار میبیت اوفیطمت کے معنیٰ کا فائدہ وستے مین ای بانى كى آواز به كفا فارمومرا فسيدك وفت فوت مرامتركى ديني والى بواورسا يه كالسيجيد سايد واسد كر تكارين اس منها نانده ویتا نبرکه آدبی نوت اورطاقت سے صالع مہوا وروحشی جانورون کی اُنگھو**ن کا اوراُنگی وحشت کا د**کھیا لمیت جرت که منید سجا در دنیا زه کا بل حظافسیت ننا سکے قرت بخبش سجا در روسنے کی آ وا زکھی سکے مجدے محبوب کی یا و دلاقا أورفوا يا كيدة كه اكيب روزوغرت مولان سعدا لدين قدس سره كى لمازست بين سم مايته غفراتفاقًا يكمي ه كده كيشا كَهُ وَكُلُعِينَ أُسكَى كَفَكَى مَهِ كَى تَقْيِنَ فِرِنا يَا كَيْحِبِ استهاكَكَ بِوا وراُسوقت آپ كن سبت بهت قوى ميركئي آورؤ، شف تقع كملكيب دن مراسخت قبض بوكساعكل كيطون بالركبا ابنع آموك إس مب مهديني وراكب الدوع انفرآيا ما المرت كنداكد سرائنيد برايني ابني استعدا وسكرموا فن سبداء فياصى مص في عاصل كرسابين الموراً سيكر ساتيم آسود وين في العالى قنبس رفع ببوكميا ولنسبت عظيم في احاط كيا الداكرُ عا ندني رات مين حبب تعبض مبومًا سايدا وراكي بروی منعه دور مبوعاتا مترمست مولوی فراکتے تھے کہ ایک روز آپ کے سامنے مین آیا اورلوگون کے افغال طاسے شكوه كربهاعقا فرايا كدفلق مداكوعالم مصانهين نكال مسكة السطيع مبنيا جاسبي كذفلق كواس فيفس بردست نطيخ نه دا وركن المايرسين كماّ ب نفئات الانس كى تا ليعث مين مشغول عظف فرا ياكه ا يكيد ي وصفح تكفير ماستدين اور تقميتة كاشعورينين سح كمكرما وثق فلم طارى رميثا ببحا ورفرا إكد ليبض اكا بركا قول سج كداؤان ا وربات كزالج شعل کے ساتھ جمیع منسی مواکیٹن آفسے مناب جبیب ہو سے

## من فوائد انفاسه المسدوعة

بشخه اکیب دن احوال حبّات کی تحقیق مین کلام مور با <sup>ب</sup>ه خاخدمت مربوی نے فرایا ک<sup>ر خ</sup>رت شیخ می لدیجها ا لعزبي قدس مسده اسنے لیعضے رسائل مین لاسکے میں کہ اسمین اختلا من سم کرا بوائن البسی ہویا و وسراکوئی مج فقیق به سو که ده بنی المبیس مبوا ورامله میس المین کا امکیب مبوا در البوالحن فنتی مقاوه دونون را ن اینی انکف وس ا ورأس سے اولاد مبوتی اور جو مکه اُسکے وجود کی مناور ش اگ اور سواے کو که دوند سرنسیت مین لاحرمانیٰ نبکی اورخینت بروخصره کاحب کدروی اُسکے ساتھ مل کئی مہولیں پرنہایت سبک اوسب بع السیرا و 'ر کشیرا کوکت مونے مین ا در ترکسی آتکی میت سست *ا درسی* بنبیا د سجا و رخمنو ثری اینه ۱۱ در آزار پاگرا **ی** اور <sup>ا</sup> يه كم نبي كوم وغيري نه وككومها في كرجاني ا ورمرط قيمن الاراسي الإراسي الأراسي المرابي المرابي المرابي المرابي جنات کسی سرطا سرمبونته مین کسی صورت، بالی مبولی مین تودند مدا که، مالنه بان دو اسکی نظیسے غانہ ہے م مِن آدرَ ضرت تَنْ قدس سره نے فرما یا و کدط بن ایک تنب کر شیما آب الر ، - بنی که انطب نه انتقاک مکین سیم کذاه ر انسکی صوریت برجامئین او مردانئین با مئین کسی طرت کو نه وگیسین اور صب نگ انگی صورت بر<sup>ن</sup> سی کی نظر کو اُسکی تطویعے خاہر بنیں ہوسکتے اور ایک قیدی کے شل اپنی حکر رہتے میں اور اس سب سے بہت سے کا مان وكهتين لورنسو ملات اورتفيلات كريته بين كه ويكيف والاأسكى طرف توجه كرسه ادرأسكى نوقه أكى طرف ست محترجاً اوريه بجها*گ سکين س*أ وروه فرت شيخ تدمس سره سند فرايا سو كة تعليم انتكع تبيدگی اس وجه برا دبيد کی تعرفعن سفه مح كه تنظيما الهام مع أني ا در فرما يا كه حن مين علم و دانش كم مج أ دراً شكرا وراكات امور معنوى مين نهاميت كو، ومويرين خعدوص معرفت المديسن اوراكثريه لميعرا ورسله فهمزنين اورائط لخضا ورسائخ رسيني مين زيا ده فائذ فهيل ككم صحبت أكى مفريّه ذات آ ومى مين أكى مصاحبت سن كرآنا ہر اسوا سط كرو، فرمنلدى اور موالىسىكر مین ا ورجزتراً گدی آمنین خالب مبر ا در آگ سکه خواص سے خودرا درسکشی مجا در فرایا ہو کردنگلون مین مگولا جومهوتا ہوائکی کشتی اور اٹرائی کے آثار ہے ہوا ور اُس گرد بادمین یہ موتے مین کدیا ہمڈ کم دیکرت مبدال کوشاہین اور استكردرميان انشوث فتثنها ورافراني اومامحارم بهبت بونا برأسي تكميا ورجيكي وجهسير عواتكي وات كولازع ا ورحب ایک اخین کا مرداست تو وه برزخ مین ملاحاتا سرا وراسکو دنیا مین دانیس آنهٔ کی مجال نهین جوتی اور أنسكا مقام برنمرنج ببي مين مبوتا سي ا وفتياك عشرا عالاً با وكا قائم منوا وروه گرده كه انتين كا د وزني مبوا ورجنمن ما ئن عذاب کے تو کھونرومر بریسے منداب کرتے ہیں جب کرآتش سے میندان اشر نیر برینین سوتے برجند آتش ا سے جاسیے کہ عذاب کیے جامئن کیونکروہ آتش برا تب آتش ہندری سے زیادہ گرم اورسوزان تر بہر۔ 12

ینتی آب خطرات شیطانی اور نفسانی کی بابت فرماتے بچھے کہ حفرت شینج قدس سمرہ فیتوعات مین لائے ہیں کہ شیطان دومبن ایک مشیطان سوری اوردومراشیطان معنوی شیطان صعوبی الّبسی سی وه کیمج*ی احتِّفا*نی یسی کی خاطرست موالتا ہو ما کہ مشیط ن معنوی کہ نفس ہواسمین تھرین کوسے اوراسے امور مج طلہ سے گرم انے اور کیج<sup>ی پی</sup> بیستسیطان معنوی ایپیم کام کرنا ہو کہشسیطان صوری منین کرسکتا مثلا*ست بیطان صوری سفے امک* ست مسنه کا ان کیا اورکسی کے دل مین موالا اور بیامور حقہ سے ہوا سواسط کہ حدیث مین واقع ہو جو کوئی سند. همه نه افا نه کریسه که قبیا مت مک آس سنت برعمل کرین اُسکو بهر*ه آسیک*ه ثبواب سیر ملیگا فیس مثبیطا **می** نوع نے اُس النّا کیے ہو نے میں تصرف کیا اور اُسکوآ ما وہ اسر کیا کہ اُما دمیث کو نبا مہنچر پرصلے اصدعلیہ وسلم فضع کیا اُم ا که مکاسنت مسند نام رکھا که اُسیراً و می عمل کرین اوراً مسے اسمین ثواب اوراجر مبواوراس حدیث سے خافل ط كه دېښندس حباسيه پېږينيا السدعليه وسلم مړتند به طوفان بانده اسكى ځېه د وزخ سو د وسرى مثال مبى حفرت شيخ قدس سرد منه فرا في سُوك شيطان صورني في مشلاً تما دت قرآن كو ياً داز عبندايك ول مين القاكيا اوريه ام حقافی بزایر با نمینه ن معنوی نے دوسرے کی ساعت کوائسکے ساتھ صنبیہ کیا تاکوائسکوتا کی لینے للاوت کنندہ كسين در أكررياد رمع بكسا غربال كوما اراسكي مشالين بيت مين -رشیخهٔ اسا صریکتا مین الیقین نے عبا دمت اصطراری اور میا دت اختیاری کے بیان مین فرایا ہوکہ میں طرح نفس ا *دراک که سه فت سیم حب هبا و ت اصطراری اور رحمت عام کا پ*وا دراک اوراک که علم پیم**مستل**زم عبا و **ت اختیاری** ا ورسیروسلوک اور دهمت فاص کامپواس من سکه حنی کی شرح مین فرا یا کدا دراگه سوفیت بنا برایک لصطلاح سکے کها او دمرا داس سے اوراک بسیط سوکسو استظاکہ ہی سبھا ندنے مدر کہ کوانسطرے میدا کیا ہو کہ فطرت کی راہ سے وامبروع حق تعا لی کام پر بدون اسکے که *آسکا شعور موا وریہ وحدا ن تحب*ب نی طرت *اُسکو عاصل پرکسواسطے کہ ہرا کیے چنرموج*وا سے كە توت مەركە اسكوماتى سرؤاسندا ول و جەدكوما ياسى بىداندان أس جىركوما يايس وجەدىشل ئور سوكدا ول دە نىظرىك ا دراک ن مرک مدتی سواسک بداستا مصدیسد سرگاه مرکه فطرت سکموانق دامد وجروی تعالی کی برس و بوج اضطرار وبودك آثارا دربوازم كالثرني يرسي اورنيتا تتوالفيا واوتندال سي كداسكونسبت بوجودح تعاسد واقع سم خراه پاہے باز چاہے اٹرندیر پیواہوا وروج د خارجی اوراً سکے لوازم کو قبول کیا اورنفس اس انقیا دلوڑنڈ لکن تھاستا عباوت بوكر بحبب مال تصماس بيس اكب عباوت صب مال أسكواضط ارى بواوريه اوراك ببطموح ظهور رحمت عام کامبی که عبارت فیض اور جودت سے مبی که مدر که اور تمام موجودات بیرشد بسط اور بھیلا میوا ہوائور سے کے سائتم لمقب سج اور ا در اک اور اک کوعلم ایک اصطلاح سکے سوا فق کمیا میضے مبرکا واس معنی کواوراک کیا کواسکی هركه وجودحت تعالى كى دامد سج ا درأيسكي طبيع ومنتقا وتحسبب داقع ا ورتحسبب مال سج بهان ما يا كمصفت أرا وي أسكى

مطابن منفت واقعی حال کے موبس عیا درے حق سبحانه اور قبول أسکے امروہنی کا تحسیظ براختیا رکیا اکنظار آسکا باطن کے مطابق موا درصال امرادی آسکاموا فق حال واقعی میوا وربه ا دراک مرکسیت ا ورسواری دکیموصیب عرصیح کا مرانتها به ا درسیرد مه اوک اور رحمت خاص سر مهر که مرحمت رضی مبر تول حق سبوا نه تعالی ۴ و مانطیقت الحن و الانس الالبیعیبرون ا*سکا تطابق اس مقام مین درست مهوّام خوا ه هیا دیت اضطراری که اعتبارسی مبوخوا ه عیا دیت اختیاری کم* سانخه مبوا دراکا برسنے کهام کوکه سرعیا وت مین سیم که میرعیا دت اختیاری مطابق اُس عیا دت اضطراری کے مبوکہ مدركه كومبيشة يحبب انقياد اورتذيل كم ماسل مجادر ارادت مال واتع كم مطابن م ر منتسخه آب اسکی بایت که کفار کوندا ب جا و دانی موگاه را کارنهٔ اسین انتبلات کیا ہر فرویے سفتے که بعض فیسال کباس که عدل وحکمت کامتفتضا سرکهک ه نتناسی ا ورود و کا عذاب بهی نتناسی ا و یحد و دسویس کیاسبب مج ا کفرتانیا کو عندا ب نامتنایسی برا ما مغزایی قدس سره سنداس سوال سکے جواب مین فرایا ہر کہ جزاے اعال كى قدر حق سبحانه جانتا ہج ا وراس بات كا يا عقول اقدر كے دريا فت سے بالاتر ہجيس حزار حوكفر كے ماثل اكا مشابه معو آخریت مین ما و دانی مبوگی ا ور <sup>د</sup>راسه ای ل کے سربری سبحانه کے سواکسیکواطا ماع بهنین ا و ایعندون شاکما كهركاه كفار كى منيت وقعدية كريميت كفرايين بي حاقبت من أنى مزا رميشه مو كمرو لوك قائل عذاب جاووا في کے بہنین بن وہ کہتے ہین کرکفرا کیے جبل عارضی سی اور سوافق اور لمائم مزاج رمح کے بہنین ہو ملک متا مسٹے ج روح ا دراً رمیکه ا دراکات سکه امور مقدمین ا وزمعذت مهل آخه کود ور موجاً بی بی سعفرت سکه کلمات قارسید بعیش منا دیر نے جمع کیے بین ان بن سے حیند مقام مین تشویش اوخلش سنی متنی مولوی استان می علیہ الزمیۃ کی حاست ين والرائل مبوتي اور والسالم النين سن العيف أيابين كرفي رشي من وارد مين -رشیخهٔ حفرت سے فرا یا بیمکه حرکی<sub>ه</sub> آ دمی سے مرز د میونا ہوا گرشرلعیت مین آسکی کوئی حدا ورتع فرمینع رہنین ہواس سے ریخید ه نیمن بونا ایا سیرکسوا سننه که ده قدر اور کمین اور طن حق سبیا ندسته موجود مهوا چی سه اس سخن سیم منی بی فرايا برائرينه كوكي فعل فوا وأسير عبرشسرعي عائد معوخواه ما يدينوا سقبل سع سركه حق سبحانه كه اقتدارا ومكسن اوزلت سيموجود مهواسي مرادية وكرقسير مذكوره مين المطرحة يقت قضا و قدر بريكيني ما سيية اكرمنبك اورآ شه بسنع اسكے سوا دوسری صورت مین نظرا حکالم شدنیت برکرنی جاسیے ناکے سلسارا مورد منیا کا اپنے انتظام مر رسیع اورکسی هم کی ایانت شرع شریفیهٔ مین راه نیا دسه اد . اس معورت مین **رخبیره میونا اور مبک آشوب کرنا جوب** رصار عن سبحاند او نوشنودي أسكر رسول كاب صله المدعليد دسلم اورأس حبك مراشوب بين مزار فاممه صورةً ومنى مندرج بين أوركسمين فروگذاشت اورستى بزايى دوزند قديم بنين بنية رنشخة اسسنن ك مشيح مين كه حضرت سفه فرايا بهركه قضا وقدرك أكمه بينا نظركها ويسه

تا کم جنگ بنو فراتے متے کہ سے تمثیل کس جرکی جو کہ بار تمونی عاصل ہوئی ہوا ور پیاضا فت بادنی لمالہت ہوا واڑے ا کونی امر ہوا سعار کو کہتے ہیں سے اس امر کے حسول میں احتیاج زیادہ وسا کط اورامتدا و ذائع کی بنین ہو۔ رفتہ ہے اس سن کے معنی میں کہ حفرت نے فرایا ہو کہ ارادہ وجہ باقی کا سنو ہو فراستے تھے۔ لینے الاور صعد ہو جارگا کہ مرموج دکو حاصل ہوا وراً مکنیہ وجود معلان کا وہ ہو سنے وہی حد ہو اس معنی نے کہ سالک اس حصد ہو خالتے سکتا ہوا وراً سکواکٹینہ جال طلق کر سکتے ہیں۔ اور فرایا۔ دو سرسے معنی بھی خاط میں استے ہی کہ ارا وہ وجہ باقی سے توج بوجہ خاص لین اور میں بنا کہ صفرت نے فرایا ہو کہ فتو حات میں خرکور ہی کہ خوالا ان شہا کا ہم کا مرحلوم نہ ہوا گر تا ہو۔ اشیار مسخور جو ان اور اس حال میں حق سہا نہ باطن صاحب اس ارادہ سے نیکے والا ان شہا کا مرحلوم نہ ہوا گر تا ہو جا دارت می سبحانہ ہوا ور جیب تک میمت موجود نہ واور یہ مہت والی جا بات کشرہ اور رہا جا سے عظیم اسٹی اور خطاع با خواست سرخلور عالم کہ اسرار عاصفہ ہے ہو اسے میں من کورٹ وی میں تا بورا تھا وہا برہ اور رہا جا سے عظیم اسٹیا و باخلے با اور ریاضت سرخلور عالم کہ اسرار عاصفہ ہے ہو اسے میں میں کا کروٹ سے میا دیا ہو اور ہا ہو اور دریا صاحب کے ان انسان کے انفط عالمی اس میں میت کے کوئی کا کہ ور دریا خسالے دو اور میا ہو اور دریا خسات میں میں اس میں میت کے کوئی کا کہ ور دریا خسات میں میں اس میں میت کے کوئی کا کہ ور دریا خسات کے دو اور دریا خاص کے انفط عراج اور دریا خاص کہ دو میں ہو کہ دریا خواص کے انفط عراج ہو اور دریا خاص کے دو میں کریا ہو اور دریا خاص کے اسکان کی کا کہ دو میں میں کریا ہو اور دریا ہو اور دریا خاص کے انفط عراج کے دو میں کریا ہو ہو کہ میں کریا ہو کا میں کریا ہو کہ کریا ہو کہ کوئی کا کہ دو رہا ہو کہ کریا کہ کوئی کا کہ دو رہے کہ کوئی کا کہ دو رہنے کریا ہو کہ کریا ہو کریا ہو کہ کوئی کی کا کی کی کریا کہ کریا گوئی کی کریا ہو کریا گوئی کا کہ دو رہا ہو کریا ہو کریا ہو کریا ہو کریا ہو کہ کریا ہو کریا ہو

ر شنی اور فرق خلوق می مین که صفرت نے فرایا ہم کہ لیفیے عار فون کو قدرت اسکی دی ہم کہ دوج پر جاہیں ہیدا کوین اور فرق خلوق می اور مخلوق عارف کے ور میان برہین کہ عارف کا مغلوق اسو قت کم باتی ہم کہ اللہ کسی ایک صفرت میں حفرات سے اشابات کرے ۔ فراتے تھے کہ لازم نہیں ہم کہ عارف انے مخلوق کا متوجہ توجہ حسی شہا دتی سے ہو بلکہ صفرت مشال میں اگر متہوجہ اُسکی صورت مشالی کا ہو اُس موجود شہا دتی سے موجود خاتی کے باتی رکھنے میں کا فی ہم لیس حیب کے کہ عارف سے وہ توجہ اُس موجود شہا دتی سے مسائن عرف اسے وہ موجہ وہ اُل اُ

معدوم محض ہوجا سے س

ر شخه اس من مین کوهزت در دایا به که شنخ بها دالدین عمر قدس سده دندر در سفید گورد برسوار برسات اسکا مجمود برسوار برسات که اسفید گورس که اختیار کرتا اس جبت سد مقا که هم که اسفید گورس کا اختیار کرتا اس جبت سد مقا که هم که اسفید گورس کا اختیار کرتا اس جبت سد مقا که هم که اسفید محمودی اسید حفرت نیخ کومشه و دموسله بین سر فراند مقع که برصورت کی خصوصیت بلسبت اربا تکارشات اور شایدات که بوج اختلات است در او اور اختلات معانی و حقائق که برکرانشیا کی صور تون بین انپرشکشف اور شده بین شکاموسد علیه اسلام کونجی صوری ایک و درخت که لباس مین جو وا دی ایمین مین مقا دافت مورات بین شکاموسد علیه اسلام کونجی صوری ایک و درخت که لباس مین جو وا دی ایمین مین مقا دافت مورات مین نظا برم و کی خیای سفیدا حادث اور حظرت رسالت با ه صله الدر علیه دسلم کواکی برای نظامی صورت مین نظا برم و کی خیای سفیدا حادث

المسكرساتية ناطق مبوانتهي كلامه يومث يده نربيع كهصفرت شنح اعظم محى الدين بين العرب قدمس مرون اني تقبي مَّا ليف مين كليها سوكراي<u>ت ربي على سورته الفرس</u> اورصرت شيخ ركن الدين علاء الدولرة بس مره سفه اني مغنى نعسني فعات مین شرح اس بخن مین فرایا سو کدس مکین حق سبی نه کوتلمبیات صوری کے ساتھ ویکھتے مین ۔ اور اُم آ ارسے نر ركهتي اورتبليات نورى كرسايتم دكيقيمين اوروه فعال سيرنسبت وكمقتى سجا ورتبليات مننوى كرساتي وكسقين اوروجنقا سےنسبت کھتی سج اور ترکایا میں، فوقی کے ساتھ دیجھتے ہین ا در دہ فدات سےنسبت ربھتی ہج اور تخابیا ت مسرکا مین که آثار سے نسبت، رکھتی بچرش تعا ہے جین اسٹ یاکی صورت مین منبرہ میجلی کرنا بچ عب<sup>م</sup> فردِات تعزیری او جعادن ونبا مّات دحیرا نامته اور افرا دانسان سعین اور مب که سوالینهٔ الاشه سکسی ایک بین غلی کرید سن و قت کرنمانا مرتبها ووسرد ومرسه مرتبه بين كرأس سا ومر الحلميكل أس واووك أفق مين تبل كرب ندان بعدو ومرسه مواود مين كداً سك اور سج التبداكرينة صبيها كدنب معا دن مستمل كرية بيري وقت كذب ت كوي خير صورت مرهان مين كهافق مهاون كامير تجلى كرسه اسواسط كهوه معادن سعا قرب برتيب نبات بجداً عين نبوكي ميسيدانشس بواط بس وقت نبات سیحیوان کے ساتھ لمبیئے گھیم مرکی صورت مین تجلی کرسے کہ نبات کا افق ہوا و ا قریب نباما برشية بيدان سوكد معين فاصيت حيوانات أتسمين سوكة أكرأ سكاس تهذيب كاش لين خشك موعاس اورباروار كرائعي أسكامخصوص بهي كرحب تكب شرور فيمت كي شاخي ما ده و بنيت أير نه لما يكن حاظه اور ما بروار أمواد بيزهي حیوانات کی خاصیت ہوکر حبت کک ثریا وہ سے نیلے ما وہ حا لمینہوا ورسبب پیوان سے انسیان کویمپوسٹنے مندر کی صورت بین تجلی کرسے کرافق حیوان سجوا قریب حیوانات بانسیان سچ بجبت مشعورا ور زیرگی کے جواسین ہج ا ور و وسسه بی صورت ا فق انسان که در تجلیات صوری مین نمین مجکه خایت اُسکی پیم که نمایت تملی معرزی مرتبه انسان مین ا به كنتي سبحاند بصورت صاصب تنبلي كم تنجل موا ورسالك كي ليد نغرش كاه قدم اس سع خت ترينسين سوكم ح سبحانهٔ اعبِکه اوراً مبلی ۵ ورت مین تخلی کرد و حبسها که سالکب اُس تخلی مین اینچه اوبره ۰ دیره ۲ دیره کوند تجیه م نظر كريب رسب اسنية تئين و كيين ا ورحا بهوجه دات كو امنيا مخاط اورسنو با وسه را دريسبواني واغلم شاني دانا المختاق فی جنتی سوسه الدرومل فی الدارین نحیری اوراً نئیدا شال سب اسی تنبی سے ماصل مون اوراکر الرکشف کے قدم اسی علی صوری میں میں اس ترانسی در انسی در انسین کی مین اور مکسا دکی نغرش قدم تحلی مسنوی میں موالی بین کرفت بعبت انبسیا علیه السلام سے شخر بجرا ہوا ورانیے مدرکات معنوی نرمغرور موسکے اور کراسی سے صوابين بلاك مهوك اورجؤ كمها ولسا بركت الناع بغير سطا المدعليه وسلمحفوظ بين اكرظها ت تشكرس السيع كوئى سهوملاكيكيدوقت أس سهوسير نوبركى بولاجرم يت سيما ندخية اكويتمليا بشعبورى فيرلى ويونوى كم خازل يرة أركر تحليات فودتى ذاتى كوبهو منها إدور تغرض الدام يد فلاص كيا الورائك مركوفهل فوات و في الدينا

کی نسبت کے بیان مین فرایا ہے کہ وجہ دمکن اسکی حقیقت کا غیرہ وا ورعا رض اُسکی حقیقت کا ہی مشلاز میصور در ذهبن ایک هفیفت برکه به د و د فارمی اُس حقیقت کو عارض ا درائس مصاّمینینه مواا در ده حقیقت ا<sup>س</sup> صميرك واستطست مبدؤأنا كاموالس تقيفت من يدوجود عارضى مبدراً فار مبونا سراسط كموجودس تغيراس جزيك سائفا كرسة بين كدمب وآثار مبوا وروجود واحب عين حقيقت أسكام كفالاف وجود مكن يجب وه حقیقت فو دسی مبدر آثاریج برون اسکے که آسکے ساتھ کوئی شی آمینم تہ موا ورحکما دصوفیہ کو اسمین اختلاف ہم لهمه وجود جومبدر آثارموجودات کا میواکون سا وجود بیشنج رکن ۱ لدین علادالدوله ا ورهبرصوفیه اوراکه طکها نسكلميين اليرتفق بين كروه الكيصغت صفات حق سبعا نه مصري كه آسينه موجودات برا فاضه وجود كاكسا او فيفي في ادروج دعام ا درلنس الرحمن وغيروست سيريح ا درحفرت ثينخ مي الدين بن العربي ا واكسك بيروا وراكثر صوفيه وب محققین انگاه در تیجیلے اور تھوٹر سے مکمیا ڈسکلین سے انفاق رکھتے ہین کہ جو دعج دکہ سبد برآنی رموا وہی وجو د ت سبى ندسې كرهين مقيقت نودسې ندغيرس تمام مكنت موجود ساتفر وجود وا حبب سك مېن سيخ وات كو اشيا وكم سائفراكيب علاقد معيث كاليسام كدوة ميست جهول الكيفيت بحرا وركول شخص تخليار إب تحقيق كم انبيا اورحكما سے اسمعيت اوراُسكى حقيقت كيٹرك سانع منين كھيئے غايت يہ ہوكہ ايك جاعت افرادنها سے سمعیت پراپنی استعدادا ور قالمبیت کے سوافق معلع مو فی مین ایک تاثیل جاس علاقد کے ستا بہرک نی الجله مناسبت رکھتی ہی نہ ہے کہ نی الواقع ویساہی ہولسبت عارض کی معروض سکے معاتمہ برسلی نقیر سنے مولانا حبدالغغورجليه المحتذوا لغفرا لن كومندر وزآب كى ونات سك معبدا يك شب خواب مين وكميعا اورأسكى فاطهين آيك ونياسه رملت كرمكي بين آسك جاكرسلام كيا اورجواب سنا زان بهربي هيا كه عفرت من حب وارآ فرت مين هميمة بهومرتوحيد وجود ا ورآسكي معبست باشياست كرحفرت يشيخ مى الدين ابن العربي سفاتسمير لغتكوظويسك سايخركي آب كوكيا معلوم مبوا آب نے فرايا كرحب مين اس عالم مين آيا مغرت فينح سيم يم لما قات بيونى اوراكيداس سندكات بوجيا فرايسن دبى بحك سين ككما بي كالسند يوجها كم حالم آخرت ميني مشق و ماشتی اورتعلق خاط مظام مبلیدست مبوا بی مندا یک بیکیا توکه تا بی خدات ا درماشقی ده می جهیان بی اسوابسط كدما لم احبسام كاحسن وخلفت اجزاكى توكسب سيد ماصل ميرتا بوطارتنغير بوما تابواس سبب سيسك وه اجزااكي وورسه كي ضدمين اوراسيوج بسيعتن جا تارستا مي اورتعلن خاطرنمين رميتاليكن اس عالم كي

ربر و مارد و قسن جو لبسا گیطرسے عاصل موسفے قابل فنا اور زوال کے منین اور کہجی تنین مرساتے کسو کر آسکے احزامین مجافقہ منین خرور ب**یا**ن کاعشق و عاشقی مرفراری غاست به کدروج سکے برن سے سن<u>کلے</u>ی آس تعلق اورانس کے لیا پ*وروچ کو مبران سے مبو تا ہی دونتین رورت*شونش جو مرروح میں آجاتی ہولسکین حب صیاحت باک موگمی *فیوٹر ب*طیح ندان ادرعاشقی میرا عاتی بوحب به بانین المینین آس فقر سل کما که جواً ب نے فرعایا وہ ا مرا آخرت مصر ہوا و مشهوريج كمذمرو ولناكو اجازمت بهبين كبأسرارآ خرمتاكا أطهأ ركرين سيكيؤ كمريحة كهاكه وه وامبيات بات مركزعواً کے زبان زوسی اور اصل کی پنین کرادگوان سا نواب مین بهت باحضرت پینید مصلے السرعلیہ وسلم اور نررکان است كودكم ما سى قدس البدرارواحهم اوراً نسه عالم آخرت كعبائبًا ت سنة من ا وراكل فشار المسدار آخرت جائز نهونا قرآن وحديث أسية بيان كرية وصرى البرانغيين دنون اس نقرية فواب دكيها كهفدست مولوكا بها سبيت أنسكى فهاط مين آماكه اسمين كمي مسرة كرد ومستمان حق سبعان اكراً أفات ولمبيات مين كرفسار رسيتم من غرا با شرا مراحنی میسوکه ریاضتمین موصب تنقید د ماخ ا در ترمه غییه تو اسه د مفعی مین ا و رصب و مانع مسات مبریا سوتوی<sup>ات</sup> قوت د ماغی کیمشلق د ه نورمطلق لبیط موتا می که تما مهموع دان کیمبید میرا ورسب مکونات کامنتصدو در اوراس منی کا كلهوال ببغول سكستا فيضوص نهين مكريس ا ورتوا درم فردانسا في كوكه بتصفيد مامسل سوده نوسطلق اسكي فية دمل سے تعلق مروحا تناسی خواجه موادی عبدالغفورکی وفات مسبح کیت بنه پانچوین شعبان سرایی فرسو باره مین مبداز بلدع أقتاب مونی بوا درمین برسگان وقت نے آئی وفات کی اریخ مین بر قطعه نظم کیا ہے قطعت يوشدعبدالغفوران كامل عصر ولعظ غرفة كورياي غفران + سرّر وزكاروين وديش+ فرورفت أوفتاب جلم عزفان يوخواسي روزوما و وسال فوتش ٩ كموكيث برنتيسيم رشعبان ٩

مولانا شهاب الدين برحندي رحمدا للله اتب حفرت مولانا سعدا لدين قدس سده كر شرب اصحاب سعد تقع اورعلوم ظاهرو باطن كے عالم العظام مقرر مرات سے تھے آپ کا مولد مرجند ہو کہ ولایت قاین کا ایک قصید ہواور فا مرآپ کا احد بن محد ہوا تھوا سفي منكايت كى كرمين سنه امكيد فشب خواب بين دعميها كه المورسسيا بهيارٌ مر كلموا مهون اميا نكب سيننج الاسلام احدما مرقد مره ظاهر ببورئ كسنك سامن من كميا ادر سلام كيا جواب ديا اور فرايا كدي سبمانه بخته اكيب فرزند مهالج وليكا جا مييكه أسع بهارسة المركاكه وه بها الراس فواب سار ببدغه ارست ولون مين شهاب الدين ميدامواا والم المدام كلا ورأس سين أسيد ورميه اكتفاين الكائي سيراً أربرد الماج اورتقي عد كالف ظار يقي ما كارتها الم نوافل عيادات كنسفوت نبين بوئين اورهيب س تسباب كوبهو بندائياسا مان بودواش كالمدرسين كيكيم الحوصيل المرميق فوليم اويقطيد ناغين بزبر كوكون سنسقت ليكئ ادريند وزمولانا ذرابسد قوارزى ا درمولاناتمس الدبن محدجا جرملى اوجا

خوا جعلی مرقبندی اور <del>و در کا</del>م اهتی مین اورعظماء مرقعتین کے درس مین آتے جاتے تھے اوران سب درس گا ہوان مین اکثر طلبه برِفائن رسبِه اورحفرت برلم ن الدين ابونعر فارِسا فدس رو كم محلبس مين حاضر بروسته رسبه ا و ركتب ا حادث جبیے مصابی ا ورمشارق التحریب بخاری اورسلم کا استاع کرتے سطے اورصفرت نو احبے انکے لیے اجازت میزش کی روایت انکھی ہوا وتحدمیل علوم عظی اول قبل کے بعدارا دت *کا رخ* مشالج *خرابقیت کی صحبت کی طرف لا کتے اور* بدست ا دريلا زميت اختيار كي اديشنج زين الدين فوا في اوشينج مها والدين عمو فواحم منتمس الدين محمد كوسو**ى وغيرسم تدس المد**ار واحهم كى فدرست مين مهو ينج مين ا ور*ا فر الامرحفرت مولاناسعا*لا قدس سره کی صحبت مین مهوینچے ا در د و سروان کی ملازمت سے خلاص مہوئے فرائے تھے کہ شوع سنسروع مین حفرت سولاناکے گر دمین بهت محیرااور کوئی انزنسبت ان عزیزان سے اپنے باطن مین بنین با پانھااور اس حبت مین سبت اول اور ریخبیره متحایدان مک که نماز جمبو کے بیرمحل برات کے سامنے از دحام عوام کے اندر مین سیرکوگئ ا مالک آپ کومین نے اُس کڑت مین دکھیاراستالکاین نے کیٹرا اور بعیت نیاز مندی کی فرا کی کردا ور حب کمک بھاری رسمى كوكه شريب سينه مين بن قر بكر يكا فائد مهنين مهوكا اوراس كننه مين ميرسد باطن كوابني ط من كلينياا ورستو وبسون سبيد موسة اورمين أيج يجييب افتيار روان مواا وردورس أنكومين مأك راع عقاصة كرمسج وابع سع البرتائم اور بازار کی طرف سطِ اور فیروز آبار و روازه سے بامریکے اور مین می اسکے بیجیے بامری و کھیا کہ ایک جوب فردش کی دو کان کے دربرگئے اور دووھنی بنج گزی برکارعارت کے لیے خرمدین اور اپنی مرز کی کوئر کرسے دوش سيارك برر كها اورما فإكدا كيث عني انمنًا مين من فوراً آسك بشرها اوركها أكر حكم مبومين بي ضرست كرواني فا اگرنشرم واکنشمندی تیری مانع منو دوسری دهنی کوانخها و را کید دهنی کو آپ انتحایا اورروانه مع که اوتینی بمى بفرورت دوسرى دهنى كوكانده برأتها ياإدرنهايت الفعال كسائخه آب كے پیچیے بیچیے جاناتھااؤ شرم کے مارے لیسینا گرنا مخصالو کیعبی آنکھ سندکر لینیا اور کھی کھول دیتا اور آپ بفراغ خاطراً گئے آ سے جاتے تھے إورب بخاشا بشت بيشت كمنته تضيهان ككروروازه سعداً كه ابني دل مين كما كما يهوكا يداره كم محالين کھیدیں کہ مازار کی نسبت نلوت ہے آپ سیرحی یا زارمین آکے اورجب جے کہ سے مرے ہم تیو بچے حیاجہ اپنے ا مین که کیا مبر که مازار نوش مین آوین که مانار الک مین کزت طن سے رائینین میں سکنے خصرصاً حب کدایکہ لبنی دھنی کا ندھ ہرمبر آپ نے بازار ملک کی طرف رخ کیا اورمین آپ کے سطھے ماتا عقا ایک مالت غرب اورخی لت کے ساتھ بوسندار دانشمندی کے سبب سے مجھ بھی تا آنکہ ازار ملک سے کوچکو میلے بوسید کے نیجے کومانا مقاجسونت کرد معنی آب کے دروازہ جین نے مہونیا دی اور کندھ سے زمین بر رکھدی اس موقع ہے آب كامين عنايت ا درحس ترسيت سع مجع عبرى كبينيت عى اولبيت ان عزيرو لاست طرى ايسك ب

آب کے داسن مازست اورستا بعث کومن نے مفیوطیلی ۔ آپ نے نیفرا یا کہ باعث میری افسرد کی کا درس تدوس سے بر تفاکیمن ونون مرسدخوا حیلی فخراگدین مین ورواز ه خوش کے باہرمرس جما ایک روزآپ کی ملازمت مین گیا ا ورطور کے دروازہ برکھڑا ہوا کیا کی۔ آپ باہر ایک کیفیت عظیم کے ساتھ آئے کہ سرگز آپ کو اس کیفیت سے میں ندنجيها عقعا ظام راور باطن مين مين منه مترى تضرع كى اورول مين التماس التعات كى فرا يا كرمساحة، ومما ولهت علوم رسمى كه آ و مى كا دل مسياه مېرتا مېرا وراسى حبت سيحفرت خوا جه علاءالدين عطارقدس سره نه زاياې کر طالبعا کو ما سیمیے که مباحثه علمی کے بعد میں ایس تعفا کرے اسیکے قرسیہ النفات کی کرمیرے دلمیں کی جیلنج روشن مواا ہو باطن كومنوركرديا الميها كدمير توأنسكاتمام توسد اور التحريا ذأن مين مرسد يمكيا اورمرسد يمام اعضامين سراست كركيا اور مطری حلاونت اُس سے می اور آپ نے اس محل میں فرایا کہ جرائے روشن شدہ کومیٰ لعت مہوا و کن سے نگا<sup>م</sup> ركھنا جا سے ناكر تجوبی وسد به كها اور مجھ رخصت كرے گھر بين گئے اور بين باس انفاس سے تمہد اشت كس چاغ روشن کی کرنامخفا ا ورمطالعه ا ور ندا کره علمی مین فوب حاضروقت رینیا مخفاهتے که ایک ون مجعے ورس . علقهین ایک طالب علم کے ساتھ کے مسئلہ مین سختا ن 'اسوجہ کمت تھا بجٹ بٹری اور خن کو طول مہوا ا وراء ما برانجام موا بعداز فراع اورزك دخير لين كسين في دكيها كده نورسبل نظامت مجوك اوروه حراع كل موكما نهایت ملول او رمخزون میرا ا در آ دهاسین حمیوفرکراپ کی دیوم حمی براً یا اد رسبت ملالت اورخالت بنی ایک محفظیم بابراكمة ادرص دقت آكي نظرمباك يرسه وبريش فربايا كدوا وراس فسيست كاسفصه سكسا تترجمت متين جوآكم به بنها ، كه غصه كرناظون باطن كونومين نه ال كرنا مهومين سنه سرخفكا لها ا ورباطن مين زارى ا ورنيا زمندى تمام كي اي أنكحعون مين أنسه معبرلايا أبيب ف رغم كريسكه بعدانشفات كى كدوسي حرائع روشن موكيا بعدازان ورس وافا ومكامكم برسم کردیا اور تمام سمیت اپنی اُس نسیت کے «نظ برجائی اور جویز مانع اُسکے طہور کی تھی بائل ہیور دی آپ کا من شرلعين في سال كالحقا اورسسندا عُرينين باستادن مين ونياسيدسك اورقرسبارك آپ كاخت خل حفرت مولانا سعدالدين برسى قدس سسرك

مولانا علارالدين البزي رحمه العداماك

آب کانام محدین الموس بچ اور بیدالش کامقام آ بنریزی که ولایت توسینان کا ایک گانیون بی آب حقر این کانام محدین الموس بی اور بیدالش کامقام آ بنریزی که ولایت توسینان کا ایک گانیون بی آب حقر اولاناسعدالدین قدس سده مداهها ب بزرگ سے مقع اور آپ کوسولانا علارالدین سک مسابخ میستدانشا عبدالرص فدس سره کی خوصت مین آمد رفت ریخت مستحد اور آپ کوسولانا علارالدین سک مسابخ میستدانشا مقالیک روز تقریباً فراست می ماک بی ماک بی کتاب گوندی مورد بی می اور است می مورد و کاراب بنایا ما اور است می مون بچ اور مینید خوست مولوی کا کمشب داری منا اور است می کورد و کاراب بنایا منا فراستا

بأسلطان الوسعيدمرز اكرز ناندمين حفرت نواحه عنبيدال جه آپ کی المازمت مین حانه میوانو یو محیا که توکون سی ا در کمیا کام کرتامپیمین نے که ایک فقیر میون خاد ان مولا سعدالدین کا شغری کا ورکمتنب دارغی کرنا مون فرما پاکهتب دارغی مت که دا ورتصغیرسے اسیکا نام نه لوکه کاف مرًا كام <sub>م</sub> واوربهت نوائد أس سے بهو قدمین اسکے بعد مہارے حفرت مولانا كى حكايتين بيان كين اوراً ن ۔ پیا*ت سے کہ آپ کے درمیان وا تع تحقین بہت چزین نفٹل کئین اوربہت مہرانی کی ضر*م كبته تغط كه أغازهال مين مرات كے مقام تحصيل علوم مين شغول تحفاحب المازمت حضرت مولانا م قد سربسره کی اختیار کی مطالعب مین فتورا یا مترد دیمها که آیا بالکل ترکیخصیسل کرون کیجی مشغو کی کرون ا فكريين اكيب روزشهرس بابرنكلاجب كدررسدميرفيروزشاه كدوروازه برمهونجا أسكرجاعت فانهيتها <u> دازه مبندکرلیا اورمحاب مسیمتی کر کے مبیج</u>ها اور آسکی تحصی*ل اور ترک کے اند*لیشدمین م*یرا اطا* که لوشه موائب مصد ایک آ دازمین سفرسنی که کننے دا سے خکر ان کرک اور آسود پیومال میرا بدل گیا و بان سے اِبرّا یا دورخیا ما ن کی طرومیننجرکها بهان مک که تل قطهان نک بهونیا اُس گورستان مین ایک دیوانه تفانج الدین عمزیم اجانك دورسه نظرآ يا اورانيرآب كا اعقامين سذكها كراسك بإس جائون دكيون كراس بارومين كساكت مراسك ترب بيوي بولاكه الجي توشاه فروز كى سبرين توعقا تقيمين فرنسين كماكة ترك كراد راسوده مومين متجرموا ادراسكيات سعه دا ليس آيا ترك و تجريد كا واعيه غالب موا أتحفيت قدمون حفرت مولاتا سعد الدين قدس مروك لما زمت مين آيا ا در د بان حفرت اكيلے ما مع مسجدين ايك تمكانے مراقبہ بن بيٹھے تھے حب آپ كے سامنے بن بنيا سرائھايا وزرايا المرج وافت شن شهورى والسل يجعيل بدعاصل كوجيور دينا جاسيدا وربالكديس نسبت مين متوه بهونا جاسيد اس كلام سے جوآب نے فرایا خاطرمیری نرد دسے بالکل نجنت ہو گئی اور بوری سمبت سے طراتی خواجگان قدس العدار والهم مريعين آيا كنته تخته كدامك ون حفرت مولاناسيدالدين قدس مروسكه سائلم خواتيمس الدين محا كوسوى ك وعظ مين كميا كفون في كها كرمير يريع ميظا ورمين مع كعبى كلبس عظا وصحبت سماع مين نعراء الري مبِ فواجِهندِ يظيع اورحقائق معارف كهنه نتروع كيه أس درميان مين كام اس مكيِّة تك مهونها اوراكيب حالظام مبرا که نعره مارند کا وقت بخفامین نے جا یا که نعره کرون اَ وازمیری ننزکلی دومسری بار ایک حالت بهونی که نعره مارنا ما سبیے متعاشب بی آواز نه تکلی سیطے تین بار موامن جان گیا که سینے میری محافظت کی اور فرما و کرنے وی اسی ا شامین دیمیا که آپ کو بنو دی او غفلت موکی اور ستزاق اورفنا آئی اجا نک میری حالت السی مولی که پیمن نوب مین فرانگار و حبب مجلس ختم مولی اورمین انتا آب فرا ما کرهنفرسب نعرسه سنجد کوشدمین کرد نظر این داردا اوراحوال سيدا ببونك كأسط فلبدسك وقت بداختيار نعوها ورفريا وتوبهت كرهجا اوربين أندنون سار موكنااة

أس مرتبضِعت متفاكة غبش كرف كى طافت نرسى مارمير يعتمرا حيك كرأج كى شب مين مرعاً دُنگاا ورميل سفيال مين ترايمتنا كرسجارسة حفرت مولانا شه أس روز فرايا ببركة عنقرميب نعميه رتجه كوشه بين پنجها و خيكرآب كاسخن مق ببرادر وه معنی المبی فلر داین شدن استرا دراب مین عرجا کون میکیونکر بیود فتر مین سوکیا و کمها مین شد که آب آئے ا در فریا اللّ ر بي العير سبي العدلو كلية على النيراء تضميت بالعدفية ضرت المرسدا- فه الدير اشاء الله لا حول ولا فوة الا بالمديز ون جا گاید کلے میری زبان برحاری تقوا ورخبرگواتنی مل تت جوئی کدون کیا ا در بیٹی ناز ٹرسی اور یعی خارج رو دوی نے کہ اکرحسب دن حضرت مولانا مسیمدالدین قدس سے رہ لے مجیئے الویں نفی انٹیات کار کھیلا یا اسی اثنا تیا كى كرمفرت من سمانه كويالذات محيط سب استُسياكا اعتقار كرَّا جاربيرًا . برُرَة الدركل تنظيم بيطا سكي شام يهجوا كالم الامترا ويل كمين اس من سيركر حفرت مولاناف ذيايا من مبت «رُزانب، ذرار، ت سير بالكيرُ فرمايك المن ظارفه كها سُرِكُ على صناعة من الله كالعيط سي آمير وقد إ حاط عمل تنظيما كالديل سيد خد د اعتبقا دكر كا جا بينياس سيماره ، سيمين فوتل ميوا د ورسر ، دن بدآب كي ضراست مين بهردي فرمايا سولاما علاء المدين خائره كنسين بوالسيرسي اعتقادكرنا جامي كدا واطدا ورصيت ذاتى بروا فرجقين كاعتبتا ديبي سوانتي كلار مقدس مسعة وانهج مبوكه حزيسها شاكامهيت أوراحاطداشياء كراومردمياكه ثبية فتقين في فقيت كي يؤووصورية برسي ذاتي الأ معفاتی اور میسیت فراتی دوقسم و بهلی سم مسیت ذات - نام فرات موجودات مصر مرات کم وکسیت وجدیداکم ت سبواند شاه کها داند سن سن مناع مل دوسری سیت، ذاتی او تد اسی کروه نواص مفراین سے مخدسوس مبوکرات ته لى فرايا لا تخزن ان المدرسة اورفرمايان المدرم أمسنين اورسيت ديفاتي ايد. به عيت مجسب علياور قدرت اوريما مرصفات صفرت الوميت كى بوصياكرا درتوا له شغ فرايا وقدا ماط على شطعل اورا لدرتوا ف نے فرما یا ان اسد علے کل شی قدیم اور تقد موجه خرج مولانا سالین قدس سرم کا قد عرا دل ہے اکن و وقع مرکی صیت

معدوداق من داننداعلم وكر للاقات اورمقالات مولوي يالكيني فدس مره كا

داضح مهوکه حفرت شیخ کی سیدائش عفروت کی جوین کانه جوا ورا نمون نے اوائل عال وطلب بن اکثر ملک عجوا ور استے وقت مین شیخ حرم اور جی طالبان تھے فقہ مولانا علارالدین علید الرحم کی مجا وری کی اور اسنے وقت مین شیخ حرم اور جی طالبان تھے فقہ مولانا علارالدین علید الرحم اُن اوقات بین کہ مجا ور حرم حرم زا دہ الدیر شد فا دکر است کے فیوسفرت میں ایکٹر آیا جا یا کرستے اور دمنظور نظرات عنایت حفرت کے قدے اور معارف ولطالکہ یوسنا کرنے آتھیں میں لیفید ہو جی اس اکثر آیا جا یا کرستے اور منظور نظرات عنایت حفرت کے اور معارف ولطالکہ یوسنا کرنے آتھیں میں لیفید ہو جی کہا گئے۔ جا کہا ہے۔ جنری کے اور معارف ولی کروس کا میں جو جیزی کے مسوا ویا ن رکھیں نظام مور کہتے تھے کر شیاحی فی مرصوبی میں رکھیں نظام مور کہتے تھے کر شیاحی فی مرصوبی میں رکھیں نظام مور کہتے تھے کر شیاحی فی

معے پوچھا کہ ذکر کونسا ہی بن سف کھا لاا کہ الااس فرمایا کہ یہ ذکر کنین بی عبادت ہو مین نے کہا آپ فرمائین فرایا ذُكروه ، وكدته جانے كريمنين جان سكتے۔ اور سريمي شخ نے فرما يا كرمبل كى طرف منحولانا چاہيے اور نماز كى شيت السى كرنى جانبي كهضاك عبادت كرتا مون كبنين تنابهون الداكر حفرت مولاى كق تص مجط يكرور خالت مودي اور الد المركانتهود به كم وكيف عاصل بواكدأتس سكسلى كميد عبارت سے تعبير نين كرسكة ناكا واس حالت من مهار المحقرت مولاناسعد الدين قدس سره ظامر موسة اور فرما يا كداي داور اسي حالت كوعنبوط كفت كم منى كلام شنع عبدالكبيرك كرمني حبل مين لاما عاسبيري بين - كيته تقط كمه مجية حرم كي مجاوري كے زمانہ مين خاذكھ كرسا تارعهت كاعلاقه السامضيوط سوكرا تحفاكه وسرى حكبر مجيعة قرارا وراً رام ندمقا حيائيه امكيب والم يطيح ا كررا به مقام حاجلی ا ورخاند كورسك أسنے بردون كونبش دى ا وربعضى ديوارخانه كعبر كی خل كئی بیجے اركیفیت میدا جوئی که بین نے نغرہ ماراا ور میموش گر قراا فاقیا جائے جائے مندہ آتھا اور حفرت شیخے کی طرت متوجہ میواہ آنيه كے پاس بن بنتیجا جا با کدانی گرفتاری کی شکایت کرون قبل اسکے کہیں بات شروع کرون فرما یا کہ باتھج آ لك من البيت لين المجمي أكبيا والي مبتريم كم ساتم بومين روف لكا اور باطن مين أمكا توسل عا يا فرما يا تج عترى بى البسيت فهومى و د مل في الجبال وفي البداره في السمار و في الا رض وفي الجرو في المدر سوجود يستهوه بل كل ذك سبود موالاول والأخروا نظام والباطن وموالىدالذى لا آله الابهوا والس محل مين حبس حزكى طف ان اشیاسے کراسین سے اشارہ کرتے تھے حب مین نظر کرتا جوموجب تعلق کا خانہ کعبر سے ہوا تھا اس سٹی تھے ہ بروع تقااورسب اشياس وهمعنى مشامه مهوته تص اورحفرت شيخ كالعرف اورا لنفات سالب يت حي فانداور غِيرْفاندسى برابرمه كمي اور باطن مين قيد وبيت سقيتي يا في كنته نقط كرامك دن شيخ عددا لكريك ما سرسي ما يك مرى جاعت سا دات اور شائح حرم علما و فقراآب كى ملس مين عاخرى اور آي عارف الني ين فن كريس حقيا كم علما سراك فقية تخت طيع في جوكه الل العدا ورأ فك كلام كالمنكر عقا اغراض كي راه ك فين كي بأثول مين وبا نبرر كان مجلس سع امكيب نے اُسكو چېركا كرچيپ رمبواسنے كما اگرغومنٹ روح يانا معقول كمون تو مجھے شعرا ا درا گرشروع ا ورمعقول مو توکيون انع موسقين حب أسفيد بات كني حفرت نينج نے ميري طون منفر كيا اكميا ا رعجى عجد اس سر فلاصى وے نفیہ فکماکٹین کیا ظار کرنامون کہ ظامی جا سے برتم ایک سخن کتے ہوا ورکیتی ہو كرًا بون جواب، دنيا جاسيمي برتمام كمياسبا بغري من في دمكيها كه شيخ غفد سويرًا درستوج مبوكركها كركموكها شير؟ اكسفه عايا كرسخن كيروفغه تشخر كطبل كرميا اورببهوش بوكميا فينح أعطه اورا بني خلوت مين ورآسك اورملبن تمث بروكشي اورفعتيه أسيطرح اوندها برارا آخراكي وولالاك اورفقيه كواسين والكرا برليكي سبوز ولميزس خاخ شيخ ك قدم بابرزر كما فقاكم كركياد ورساد لنجومين خدست مين آيا يرى فاطيين آيا كداد ليا الى كرم بين الدينة

مردجا بل بقا اوراً ب كدا وال بطنى مصر خاخل كميا بهومًا اكراً مسمعا من كرية بشيخ نه فرما يا ارتجى ا م که دو د حاری بنونماست نیزا ورا کسکے قبضہ کو زمین مین گاڑ دیا ہج اور ٹلوار سکے سرکوا وہرکسطرف چیوٹر دیا اُما ا کمک حابل آنا ہجا وراہنے نظے سنیہ کواس نوار کے رہد ہر رکھتا ہج ا ورضنی قوت ہج زور کرتا ہج ا ور اپنے کو الماک کا تلوار كاكبياكناه مهوكت تخفي كمايك ون حفرت فرمير بوقعياكه حب برتمير خفا بوقة تم كمياكية تخدمين في كما فريكم تقط كمين ايك مرد نقير ميون حب مير عدسا سنة آت موا الني شيئ حيست كرية مهوا ور معدا سے أگا ه موت مهذا ور باسروات مهوفداكو كعيول جات بهوا وركع بنيين لهجائ مقرت فينح ففروا يكرتم الني فينح كم مقالمرس كريك مین نے کیا کہ سم سکوت کرنے تھے تینے نے فرایا کتم عجب سست آدمی تھے جا بہے تھاکہ مقا لہمین کہتے کہ ہم خدا کو نهين پيچاينة بخمين بيانة مين كلام اوتمام شرقدس مروراقم اينووت كستام كه بعض اكا برسفه كهام كرير آمكنه تربيين آ شيمن كمياس يامرية كنير بربين ملكود كفام وحفرت سمرضرين سأكياكه فواقد قصاكب مين مالت عيات يزم ن مملبين مترموكية از حميله الفاس لفيسيت لقيراوروه دوقسم من اول جو تحير حفرت مولاناسعدالدين قدس سهره يفل ارتے بی دوم ده بین جوخود کیتے تنے اور قسم اول اسمین سے بیرسات رشی میں۔ رفشخة كتصفيح كمعفرت سولانا فربات تخصيم نرقط أورخدا عفا اوريم نهوينكح اورخدا بيحكا ورامب يمبي يمنهين بين اور مندا ہے دیکیوکہ مدراز منیدسا ل کس سے جدامورگہ اوکسکی مصاحبت ہوگی اب بھی *آنسکے معما حسب ہوا ورہ بیماری* قرس بازرسكا ليغ سائفرني كنكاأس سعول تقطع كردس

رستن کے کیے کہ آپ ہی نے فرایا ہم کہ بربرات قدس سرہ نے جوفرایا ہم کہ درونشی ماکلی است سجیتہ وآسکے مرآن ويخيته ندكف إراازان ور دسه وندلشت إراكردى نرحقيقت در دلشي سي الميصفت الدريسهم وروبشي سيحقق

ورونستي ما ضرا مبوتا ببوس.

ر شریع کتے تھے کہ ایک دن مہارے حضرت سولان کی ٹو بوٹر عمی لیمن کا گروہ بھیا مقامہ آدی نے نیس سے سہت لی<u>ا ایک نے ک</u>ی ذکر کرزا افضل ہج دوسرے نے کہ تلاوت کرنا افغیل ہج اس عرصہ مین آپ یا ہر آسکے اور **پوچیاک**یاسخن درسیان متفامها حشر کوع *ف کیا آپ نے فرایا کہ با خدا ہونا انفٹ*ل ہج س رمتنظ كتے تھے كراك ہى نے فرما إس كر حرفدا كے ساتھ ما خربي مبشت بين نقد سي اورجوفداس فالل

ېرد دوزيخ مين نقدېږ

وتشخة كمكته يقوكواكب روززام النكامل الكيخفظ ريده والأكاكم علب مين آيا إسخر مين عصالوكيته ما ور ڈاسا صبین تھی وان مسواک اوسبونکی ہوئی متی بھے اُسکے و تھے سے مُری فغرت موئی مروندا تھے۔ مین نے ملاست کی فا کرہ کھیم متواحب وہ گیا فرایا ای فلال صبیبا کر آخرت کا لوگ دنیا دارون سے منفرین البد والے اخرت کے لوگون سے منفر ہین ۔۔ رمشن کے کہتے ہے کہ ایک دن مہارے حفرت مولانائے مہت سکوت کیا زان دبیر۔ راکھا یا ا در فرمایا کہ یا روحا خر رمدی احرث بحرث سے سے سے سے معالیات مولانائے کہ بت سکوت کیا زان دبیر۔ راکھا یا ا در فرمایا کہ یا روحا خر

رشحه کمتے سے کہ آپ ہی نے فرایا والعدد وست نے تمعالا ہاتھ کمڑا اوراسی طلب مین درون بر بھراتا ہی ہے۔
دوست بڑھین سیت اگر فرام برست است مراز و نہ نشان به دست کم فیتہ دادرعقب نولش کشائ
اوست دست من وہا نیز ہر جا کہ روو + با ہے کو ہان زمیش ہر وہ دوست فشان + اوقیے دور کے بیر فیائی اوسی است میں اور امروضو درم حفظ لبت سوم احتیاطاتی رشی فی نواند نے کہ طالب کو تین جز لازم بین کہ اسے مین کہا ہو کہ ذاکر مرا تب سلوک مین ا بدیر کھی المعبودالة الله العبودالة الله العبود الا العبود الا العبود الا العبود الا العبود الا العبود الله الله العبود الا العبود الله العبود الله العبود الا العبود الله العبود ال

رفشخه فراشه هی که جوط الب سنت کوانید و برفرض کورے وہ نقصا ن اُسکے دین کا ہی بعضی سنتین صفرت رسبول معتب بول سصلے اصریم مید وسلم برفوض تنین فی پھر بہ نا فلہ لک آ فنا رت اسیکا ہی سنتون کے انڈا اور آ داب شرعی کما حقد سے حارہ کنین اورسب سعادتین ظا ہری اور باطنی اُسپرموتوف ہیں ۔

اور ادب سری مما طفیصے خورہ میں اور سب متعادین کا ہمری اور باسی اعبر توقوف ہیں ہے۔ رنشختہ فروات مجھ کہ میرمهم مینے حصول نسبت کی بنر مکار میوتی ہج اور ندم مکیار سے سکار نمین مہرتی اگرنا قابل بح

اورميكارنسين مبوتى أكرفابل بجس

رشی فراند ننه که مروالب مبتدی کدنیک کام کرے اور کوئی اُسکی تعرفت کرے اور وہ تعرفیت اُسکی فوٹ لپسند آوے اس مپند آن کی ظلمت نفس طالب کے لیے اس سے کم نمین ہو کہ ذی رحم محرم سے زاکوے رشی نواتے مقع کہ پرکارج آدی کومیش آیا ہم کسی موج دکونمین میش آیا وہ طاعات رسمی اور حیا واست عادتی کوئی کام کی گردنمین کھولتی کمرکو مبندگی مین حبست با ندھنا جا میے اور سکنے ، اور دکھیے اور کھانے مین

امتياماكال كرنى لازم بو-

له فرایا بو کرفتخص فلک قمرکے نیچے ریار ہامین ننہ یہ بات مولانا نورالدین عبدالرمن عامی سے کہی ا ورا **نم**الالا لیا که میرسد نزدگی پیخفید بهبت منتنکل بر حویشنخ سنه فرایا بر اورهال آنکه اکثر موسن خلاص آب سے مندوستے مرجاتے ہرج خرت مولانا قدس مونے فرما یا کرنتیجے میں خدا براہان لایا وہ آسما ن مین سوراخ کرکے آخرایس سواخ کے با نزکل مائٹگا۔ ر مشحه و فران تنه که ل مسلم فی تسلیم او روضامین موصاحب تسلیم کی گردن بین اگر دلیس کی طرح طوق موالین ما میمی فعل مق سبجا ندسته البسا دامنی موکرموس اسنی ایان سے ۔ سیا بندہ قفنا ے ق سے رامنی سی ندانے فعل سے ۔ رشی<u>ه</u> فرات تخصی که در کوکوئی کروه میوینے اگراینا سنده مرد اسے تنا دت مین دالتا ہواور اگر منبع خوا مبی تفاو*ت کوسے میت نفع وخرت گر* تفاوت می کند 4 *سِت گری باشی ک*راوست می کند 4 ۔۔ رتشخه فرونته عقد که اصل سکه به سوکه دس کسی مین عشق شورانگیز نهین سی میا کام *امیروا* رمتنجة للخرط فيصطنع كمة طراني فوا حبكان قدس المدار واحمرسن مبوش دروم اصل بزركتر ببي أم سے گذر سے اُسکو ٹراگن ہ جانتے ہیں اُس مذکب کر تعیفی کفرنشمار کرتے ہیں ٹینے مطار قدس سے کا شعرام نَّا مُيُدِكِرًا ہِرِجِهان كه فراستے مین مبیت مِرَّا نكوعافل ازحق كيب (انست + درآخهم كافراست ١٥ نهائل مع اگران فافل پیسستدبدی و دراسلام بروی بسته بودی و ترتبيحه فراسقه تشف كدمولانا ابوزير بإران عليه الزممة كئة سفع حس طرح كدعوام كمكناه مصدم برميز واحد غفلت سے مریمنر واحب ہوجس طرح عوام گناء سسے انو ذمہو تے من خواس غفلت سے معتبوب میوق میں میں إمكن إبيليانان وكاستى بديا بناكن خائذ ورخور دسيل به كمنشين باياراً زن برسن به ياكمش مرخانسا في المستغيل تشخط فوات منے کر سرحاعت کر اسم ملکر شخصے میں جواکی اینے طور میں راسنے تر میں اور وان کوانی طور مستیجی والسطكه كخرفالب كيليح بيبية زانه كالمدكره اكك كران ثربي أس دوسر عا كوهج بسندا تيما ليناسي اورا بني طوف بنيئا برئس مهمت اليسي وإبيراكم توالل عالم الشخص كااقتدار كرين سب كواسنيه طور يكعينيع اورايا راك كلام أوتمام شررا فم انبودت شؤاس فن كامتور حفرت سك فيط مبارك سع ايك كتاب كي نشيت بركهما وكمياتها ال كلمات فليسكيك كم السلطنت وسلطاني يربوك النيه تفرون مين الذي تمام رعايا ورفواص كوانيا ل س دب وسع جيعة كم أسكى تعاص كسى الإمرينه عاسفي سوا دومرسه كونه كلي أسك مبذون كاكمال اسمين مج كمروه آب سع بالكل فالى عوما مكن ا وراسنيه اندرج كمي كرا وشاه كه سوا موزهمين اورندمانين كا ويجعظ اورنا بلينة سيعمى فال بخ اتم فقرم فلاهم الانا - يعين وقت نقراً ن كاتمام اور بورا بوكياب بنين من وه كرين بول -والمراسة المتنفخ كم أن ففلت كى علامت براسواسط كرنوه أسونت لكان بركر منى كه سائلون فهوا در كرميشه طاعراسي توكيرنوه نها رسا لمكرحنو إوراكا يي وحب فناه درسيد شورى كي ميروان خره زني

اورتا م کا نوئن والے اُس سے ڈرتے تھے اُس آدھی رات کو مین نے دیکھیا کہ ایک جا گھات میں کڑا ہے حب اُسے وکچینا تومین طرا ا دراُس فسا وکو تھے ولرویا اوراُس مگر مین نے جانا کہ برجی **اس کارخا** نہ میں گ سَكِ كَ كَا مِين رسِتِهِ مِين اورأس نبررك ف ازروسِتِقيق فرايهي سبيت لاَسْكرالساطل ف طوره ف فا نه لعبن ظهولية «كلامش تلم شد ترجميه باطل كا أسك طورمين أمكارمت كراسوا سيط كه ويمي معفر كان مین سے اسکے ہور پرشکوشنے البولدین مغربی کا ہو قدس سروا دردوسرے البات اسکے بیمین البات واعطه منك بمتداره وحتى تو في حق انب تدو فالحق فد نظير فصورة و منكه إلجابل سفي ذا متر ترحمه ا دراستِه أب سے اُسكوا سكى مقدارسے وربيان ك كةواُ سكى ق اثبات كودفا كريے بس حق تعبى اسى صورت بین ظاہر ہوتا ہے کہ اس سے جامل اُسکی ڈات مین انکارکرتا ہو۔ رشن ﷺ زماتے بیتے کہ اگر اس شخص کے درسیان جوحلوے کا نقمہ تر پر مشخرمین دیتا ہوا ورائس شخص کے حو نیرر حییت ارا می توفر*ن کرے توحید مین نیرے نفصان کی علاست ہ*ی س رشخ<sup>ین ف</sup>زماتے *سکتے کہ ایک روز*مین نے حفرت مولانا نورالدین عبدالر*ین جامی قدس سے مص*لوحیعا کہ نغول وما توره وعا وكن مين آيا سي الكهم الشخلسا بك عمن سواك ترحم إسدر بهم واخ سات ساسا مشغول كرمرگاه غیرا ورسوسه پهنین سونسل اس وعا كه معنی كهیا مهن فره یا كه کا ت خطاب كا اشار پنتر ذات سے مرو کیفے میں شغول کووات کے ساتھ غیر زات سے کرسفات وا معال بین ۔ لیف مین شهو ذواتی کے ساتھ تجلیات اس کی وصفاتی اورافعالی سے فلاص کر۔ مرتشي فرات من كالمرسين بن المنصورة جوانا التي كها الني تقيفت كوكت عقا اورفرعون في والمركم كما وه آب ابنی صورت کوکت عقا اگرومی این حقیقت کوبیان ده اناکت اسکامقبول سروا ـ رشی<sup>نگا</sup> فرماتے نظے کہ ایک رات ایک امرنے غلبہ کیا بھٹا کہ اینا مُنفردرو دیوارا ورتیم واور وُشیلے بریکٹا متعالیٰ فزه دِ ا ورشورغل ميا ما محاليس كها كرمر ذره فدات وج د سيرايك تل رفسها يمبوب كا سيح كه استطاعسن كوشرة ما پېج سبیت برکرا ذرا وجود او د بیش مروره در بو د او د ترجیه سبکونره وجود می مروره اسکامسجودی --من تحوار**ت عا دان**ة حفرت مولایاعطار کوالطا منه اوراشرا بنه او تِصوبهٔ کما ل بهخانس زمانه مین که را قرانیخوف اورار النهرسے آیا بھا اُنکی ضرست مین گیا د کمیا کہ د وطالب عب لم آپ کے سامنے بیٹے میں اور معمالیج کاسیق سے رسبے مین ا درا کیے ہاتھ بین کتاب مصابیح سیرا دراسمین دیکھیٹے ہن مجھ ایسا معلور دیا له آنکی آنکے کتا ب کے صور خطی مرسی اور دل آپ کا دوسرے امرسن شنول ہونا طرمین آیا کہ یکس قسم کا سبق کیا إكا عت مرحد. الوقب حا خرنه و ان آب كواس خطره برسته را ف اطلاع بهولى مرى طرت مشرجه بهوكوسكوسة

مجوسة فرمايا برحنيرارون سيحكتامهون كبنجة لباقت سبق يرهانه كى منين بوميراليتين نين كرته تمركه شايقبول كرلين حفرت مولانا عنيا شالدين احدآب كم صاحراده عليه الرحمة كرعلم التنقى مصيقة اورحفرت مولأن سعد الدين قدس سسره کی ملاز مت اورقبولیت کا برخونونکه واصل مفاکسته متنه که گرمهون کی رات کومحارشم رمزوان مین عشا کے معبد کو تھے پرمین حرّها کرسو کو ن اتفا تا مہینہ شہروع کا تھا اور تھوٹری سی جا ندنی نکل رہی تھی اور ریسے مکان کے تلے ایک گھڑ کا نؤک کے آ دمی کا تھا اور اکڑاو قات فال طراریتیا تھ خصوصاً گرمیوں میں ا جانک آوا ائس ظوسے مرسے کان میں ٹیری تج بھا اُس کو تھے کے کن رہ میں گیا اور شجے کو د کھیا ایک مردا ور ایک كَلَّا مَصْسلف مِيْطَة باسم بات كِرِسِ عِنْد فى الحال مين لميط آيا اورا سني تجيبوسنه ميزاً گيا حبب رات گذرگئی ا ورفجركی نما ز مِرِّهی اورانیه والدکی خدمت مین محارشتر بانان کوگیا حب ایجه سانت بنیا فرایا که بیسابه که بام مرجانا اورگفترن ، نگاه کرنی جائز منیین میکسی کوکیا کا م میوکرده کس کی آ واز بوممسایه سکه گوسته آتی مجا نید ما ل بررمیا جاسیته آورفعتونی ب کرنی جا بیچه مولاناغیاث الدین احد کنتے تھے کہ ا*ئس روزسے بچھ* لیٹین کا مل ہوا کہ اس گردہ کو توت باحرہ کے علاق د *و سری نظری مو*تی مهرکه اندهبری رات مین د و رسکه مقامات مصرچیزین و یکھتے مین اورمسا فت مکافی اُس نظری مانع نمین مرا در اُسی نے بیان کیا کہ مین ایک روز ایام جوانی مین شاگردون کے ساتھ کازرگاہ کی سیکو كميا تفا اورُامْين اكي لؤكا صاحب جمال تفاسوت وقت أسنے مريد بائينتي كيد لگايا حبب جراع كل موا مريد ول مين أيا كُرُاسكى طرف مين بالرُّن عيدك وُن ووَلين ما ربيرخطره مجعة آيا ٱنزكومين في اسنِه ول مين كها كدوا له بترے حال سے واقعت مین اور اکثرا و قات تیرے یا س موجود کل جشهرمین تو مائی کا بیصورت بیر سے شخر کرینیگے بانون اپنا مزعبيلايا ورسور باصبح شهراً يا ورآب كى فدرست مين مهوينيا فراياكة ومينجومز كرياس كاكيب مخلوت ترسه بإس ما فراي اس مع شراتا مرا ور بالوكندين كيميلة ما نبيه خالق من كراز لا اورا مرا و نيا اور وشين ترس ہیں ماخرہ بلائق اوسام ہے کہ توشرم کرے اورساد دبی کھیے۔۔ ایک شخعی نے آپ کے یارون مین سے فقل کی له بين مشدوع الوال مين آپ كي فدرست مين مهوي اكب دن كمشب خانهين مجيِّ سقے اُسكے ساسنے مين گسامي لداكيب برجيكا فغذكا بالتومين ملحوي للبيئت مبن اورتصبي كلوسكة مبن حبب مجيع دركيها فرايا فلاستفرأ ا وربيركا غدسيم فداً مين في التحديثه حاياكه بون آب في التدنيجي كوشاليا مين توموا كيوبا تعريرها ياكه وجب جا إكه بون مجمةً ملینے لیا اور تعبیری د خورده کا غذر پریے بائے دیا حب سر*سے بائنو وہ کا غذ لگا اُسمین سے ایک اُنٹ ک*ابی سی کیتی مولئ تعلی ا درمیرسه بانته مین درانی ا درنسون کی راه سے نهاست جلدد والری اور دل کے معبوی اورمیرا دل اُسکی تیش سے الیساطاکہ من بمجھاراکھ موگیاس ڈرسے کہ الیانہومین مرمازی کا خذا ہے سے زمین بررکھ دیا آپ میرسا ا<del>رقی</del>ے اور طلاسلًا كما تشاحب من سفا المما يا الكركيفيت جاكئ كمين مهوش كريزا ا دربست ويرتك أس سع ميوش لم

مولاناسمس لدین محدر وجی حب البیر

آپ اجل اصحاب حفرت مولاناسعدالدین قدس سره سے سقے اور برسون طالبون کو برات کی جامع مسہدین و خورت بحق کی آپ کا مولد قصبہ بروج ہو کہ برات سے قبلہ کیط ون سائٹس سی بات کی میداکش شب برات کی منظری آئٹر سوم بین بات کی مولد تھا اسی جہت سے وہ اللہ مائٹر ہو کہ ایک میں بازی کے برس کا وفات با جیکا تھا اسی جہت سے وہ اللہ منظرہ بر بحل اسی شب حفرت ترسالت بنیا و صفرا لدعائیہ وسلم کو فو ابین کھیا کہ فرایاغ من مکھا صفرت می سبماند تھے اور از عربود کا بہن ہو صد کے بعد خدمت سولان محدسدا مبور کے اور آپ اور اللہ ہو کہ اور آپ کو کہن میں مور فرزند کہ اسکی محیمے ایشاریت وی مقلی وہ تو ہم اور آپ کو کہن میں مکوشت خانہ بنا یا تھا کہ اور آپ و الدے کھر میں ملوت خانہ بنا یا تھا کہ اور آپ و الدے کھر میں ملوت خانہ بنا یا تھا کہ اور آپ و الدے کھر میں ملوت خانہ بنا یا تھا کہ اور آپ و ادا کی طرح آسکی طرف رطبت نہیں کی فرائٹ تھے کہ مہمیشہ مجھے ہو آرز و رستی تھی کہ حضرت رسالت بنا اسر کرنے اپ و دادا کی طرح آسکی طرف رطبت نہیں دکھوں نہاں تک کہ ایک روز کھر بین آبار کو کھا کہ دالدہ ایک جو خوت رسالت بنا اسے اسے دادا کی طرح آسکی طرف رہائی میں دکھوں نہاں تک کہ ایک روز کھر بین آبار دالدہ ایک جو میں میں دکھوں نہاں تک کہ ایک روز کو میں نہیں دیکھوں کہ ایک میں دور کی میں اور الدہ ایک جو تب میا تہ میں دہور کے اسے میں دکھوں نہاں تک کہ ایک روز کو کھر بین آبار دور کا کہ دور الدہ ایک حوالے میا تہ میا کہ ایک اس کہ ایک روز کو کھر بین آبار کی کہ ایک دور اسالت بنا اسرائی کہ کہ ایک دور کو کھر بین آبار کو کھر کے میا کہ دور کے میں میا کہ کہ کہ دور کو کھر بین آبار کے کہ کو دور کہ دور کو کھر بین آبار کو کھر کے دور کے میں کہ کو کھر کے دور کے دور کہ کو کھر کی کھر کے دور کے دور کی دور کہ کو کھر کی کو کھر کی کو کھر کی کو کھر کو کھر کی کو کھر کو کھر کی کو کھر کی کو کھر کے دور کھر کھر کی کو کھر کے دور کھر کے کہ کو کھر کی کو کھر کے دور کھر کے دور کھر کے کھر کی کھر کے دور کھر کھر کے کہ کو کھر کے دور کھر کھر کھر کے کھر کے دور کھر کے دور کھر کے دور کھر کھر کے کھر کے دور کھر کے دور کھر کھر کے دور کھر کھر کھر کھر کھر کھر کھر کھر کھر کے دور کھر کے دور کھر کے دور کھر کھر کھر کھر کے دور کھر کھر کے دور کھر کھر کے دور کھر کھر کھر کھر کھر کھر کھر کے دور کھر کے دور کھر کھر کے دور کھر کے دور کھر کھ

ناتے والون کے ساتھ بنتینی میں اور ایک کتاب أیکے آگے ہوا ورٹر ھتی سن اور مین خلاف عاوت أیکے درسا اً من مين منه والده أس كتاب سے ايك دعاميره تى تقين كەردۇ كەسىدىنىپ تمدىد كومنىد مارىخ پەھ تومفرت يېغىر خالا عليه وسلم کونواب مين ديکيچه حبب مين نياستي آرز وميري زياده مهوني ا درا تفاقاً وه مشعب جميد کتفي والهره ميمه مين شککهٔ كه آج رات كويروعا يُرِها مرن شا يرمنصور حاصل مبوأ كفون في فرايا جا ورثيره كديم بحل ميم عقري معدان ان مين الني خلوتي ننين كيامشه فول موا اورين شهرا مخط سے نكي مقامين سنة عمل كيا اور ريكي بين شند سنا متعا كي حوافي سشب جهد كوتين شرار بارًا نحفرت صل المدعليه وسلم مردر و و بسيح الخفريُّت كونواب بين وكمي وملي كميايات كه آدي رات مهو أي يومين ليث ريا اورائكه الك كني دنيمها كهين ان يكومين بابريسه آيا والده ميري زمستنافي کے کنا رہ کھڑی بین بھٹ بگیا تو کھا لڑکے کیون درکی کہیں تیرے انتظارین بھی حضرت رسالت مسلے اسطم وسلم مع است مگر آکے ہنگ کہ آنحفرت کے سامنے تجھے لیجلون بھرمرا لیا تھر کمیڑکے ،البتیانی صفہ کی طوت علین مین کم بنكاه كى كرا تخفرت صغير كن ره نشبت بجانب فبله كے بنتھے مین اورآنخ فرت كردا كرد اكر داكر داكر و الری مراعت تيم سى اورد وسرى الك جاعت كلوى ى ادر ملقه با ندع موسك سي اور آنخفرت عالم كه اطاون وجوانب كوخطية المحقا مین ا ورایشنفس الخفرت سک مامن میجها مواخطه دا کهرر با برجوانخفرت نکهدوا مسیمین محید اب معلوم مراکد ويتشخنس سولانا منترون الدمين عثنان زيار لكامي تقة كرعلهاء رباني أوراكهل ألمتشيا رزمان سعد يتقد صب والهاه تجع أسكر لائين اورأسقدر كلبي زعتمرن كرآنحفرت مها تتكفاع مون أكر آئين اوركها بإرسول المندآب في محط عدّ د یا تفا که ایک فرزندصاصب د ولت در ازعرشرید مبوکایه وه مبی پانین آنحفرت مذیری اون بیجا اورسکرات بخ فراياكه بإن سرمه فرزند بونس مولانا شرف الدين عثمان كبطرت كيا اورفرا ياكسكسلير اكي كمتوب كلعدس بس مولانا سفة قلم اوركا غذاً عثما يا ورسين أسبر فنطركر التقامين سطرين يمعين وران سطرون سكنيج السي كوابي آدميون كى كرميسي قبالون برموتى بين ببت سے ام مدا مدا كھے اورليديا اورمرس الحرمين دامين ملاأ درمیان مین مبن شارنے دل مین که که اِس کمتوب سکمفهران کوتوشه ندما نا اُلٹ بیل ادر مفرت بینمبر <u>صلے العظیم</u> وسلم كود كمعلة فاكر الخضرت مصنمون كوقف كمين مين ألط بيرا دورمناب رسالت مط السدعليه وسلم كم ساشفة اوركها بإرسول المدمجيونين معلوم كاس كمتوب مين كيا لكماكرة الخفرت في مرس البتوسيديليا اور في حالور مین نه ایک د فعه کرنری مین انخفرت ملیه السلام کی تعینون سطرکو با دکرلهایس آنخفرت نه مکتو تع بعید می میرے والرکیا اور مین طامینا محفا که اور کوئی بات پوهیون که امانک دردازه کی آواز آن اوروالده میری شیع ما تومین لیے گھیے دروازہ سے آئین میں غیندسے و تکا فرایا کہ محد کوئی خواب توسفہ د کھیے ایس کے کہا یا کی مفوق كما يبن في مجا اورباين كياكرخواب مين ديكها كذرستا في صفه كناره مثبت بقبل كفرسط الاضرة

<u> وسلماس گھرمین آئے مین اور تالبتیانی مفہ راشت</u> لقبار بیٹے اور مین شرا انتظار کررنسی میولی إماكم قع درووزه ميرآن اويين تراناتهم كأسط بخفرت كيسامني للكئ وآبغ فيصط بوجها كه بارسول أنسد بروسي فرزيزه بزود سوانخفرت في فإ له بان میں ہوا در آب کے ساسنے کوئی شخص بیٹیا تھا کتا ہت کرنا نہ آ انحفرت نے آسے فرمایا کہ تیرے وا**سط کاف** لکی کیا اور شرے اعظردیا ور تونے انحفرت کے ماتھ دیا اور انحفرت نے مضمون تیرے سامنے میر حا اور محیر شرب باتم دیا اور جودا قند کومین نے دکھیا تفاوالدہ نے تجنب تام نقتل کمیا اور دونون خواب اول سے آخر تک موافق اور معابق تنع فراسته تن كابتدارجوان مين حب كة ويدرج من تعادر تي ال طراق كالشوق ميداموا معینے موگون سے مین نے یو تھا کہ برات مین کوئی بزرک ظاہرتان کدائی فدست مین جا کرن آسے شنے سِدالات روا**سی کانام لیا دوروه کها ده حفرت شیخ زین الدین خوانی سکه خلفاسی**مین قدس سرد کدآت کل سالکوت ار شاءا ورطالبون کی تعلیم من مشغول مواسیوفت شهر کی طرف بین علاراسته سے حفرت شیخ کے سرمزار گھیا يشخ مدرالدين وبإن موج دينے اور اتفاق سے اس موقع بريار دن كے ساتھ ذكركبرسير تھے أنكے ملق وكريك كماره مين ايك المحد كمر المواا ورأ تطي غو فاكو وكميا ميري مضى كدموا فق نهوا و يان سے شهركو طيارا مين ما فظامعیل تصصف اورده ایک بزرگ روج کے منے کفورست سولان محدسے مینیتر فرت مولانا سعدالدین قدس سره كى مازمت مين مهو يخ تضاور آب كا خرت قبول إيا عقاا در مبدأ مكا انتقال كم حفرت مخدوى بولانا فورا لدين جامى قدس مروسك سائخرج ا داكيا عقا ادراس طرلق مص بره كابل أنكويخها فرا إكرما فطف می کها کهان سے آتے ہوا درکیا ارا وہ بی شنے تقد مایان کیا که اسجد جامع کے دروازہ حاق والی ایک بزرك بين كربارون كى ايك جهاعت سيحبي عيامع كى دليز درجيت رجيح بين أنكوشي وكميع فالب بوكاكمي تقه درفور تاریدگی اُلط قدمون مسبی رسکه در دازه کورنه کی انفاخی حفرت مول ناغرنردن کی ایکیب جام سجد *سکه دالما*ن مین بینچے متھے اور سکوت کیے موسکے مین در واڑہ سکے باہر ک<sup>یڑ</sup> امہوا ا ور دبوارس**ے کمیر کیا سکھا**نے ا ورا تکاسکوت و کمیناهذا در شنع صدرالدین کے طقہ ذکرا در آسکے اصحاب کے شور خل کی سیے مین متعالمیں ا ول مين كت مقا كدوة فريا واوراصنطراب كياشي اوربيسكوت اورآرا م كياسي اما كك حضرت مولانا سفه أطنا ياده فيصحكها ورأسكم آوسين فبداختيارا ككركيا مجعه ابنيرا ترجعلها ياور فرايا أكركوني غلام بانوكر شامين مزاسكها ينط كرا مبواد رسمينيه أسكة اسكرا ويني أوافسط كارس شابيرت شابيخ شابيخ مبت بدا دبي بوادب يهم كذنوكرا بشأ کے ذیکے اور خلام مولا کے آگے جیب اور ما خررہ نے اور شورغل کمرے میں ریب شریعی سبت کا زیادان کوترا نہائی ا روکسیکه درمین است به نترجمه کوتراندنش ناوان کایرکام بوا بیشخف کی یاد کرنی جرسا عضمو حروبهی مع بمهايم زنگاه كى اور برسه با تفرا ودانكشت من الموسى وتميى فرايا ويشخص طاحت كا دسست المكرير حاليات

بخہ خالی موتوکیا بشرنین ہومین نے فورا انگشت سے انگوشی کال ڈالی ا ورآپ آسٹے اورسبی میں آ کے منطقے فاضربن في بجه اشاره كياكد آب كي يجه يجه وادين أب كي يه موليات ايك ما سيم ادر مجه ابني ساست بتھلایا ا درایک طریق بیان کیا اور فرایا کرمسجد جامع اچھی جگہ ہرچہین سکونت کرا در کا مریرآ یا دہ رہین آپ سکے اشاره کے موافق مشغول مواا در والدہ میری نے بھی اس معنی سے خربی کی موج سے انگی خدمت میں آئین اور طريقيه حاصل كبيا بعد حنيد روزك ما بع مسجد سك گذيرين جهان ني وقت، نماز تربيطية مقطى واكيا ورمرا قبه يتيما یکا یک ایک نوردل مرمهوا مینیت ایک حواجع گذنب کی حیث اُسکی شعلے سے بیوری دکھیں اوروہ نورم روم زبادہ بوتات بهان كاسكدايك برسد أاركبرابر بوكيا ددرما مكنبذاس سدروشن موكي جيدون مي مواورة كير ده رؤشنی رسی حب صبح مهولی مجھ اُس صورت سے ایک غرورا در بندار ماصل مبدا تحقا اب کی محلیس مین آیا ادميتيما آب سفعف سب كى نكاه سعميرى طرف وكيماكه تقيره مغرور وكيف مبوان اسقدركه كول نورا شيرومنوكا وسيجو اليسامغرور مبوماسي مين صبن زمانه مين كومين مولانانظام الدمين فاموش عليه الرحمة كي المغرست مين تحفارا توكي کلی کوچون مین بیترا محقا دس بارشعل فورکی میرسددائین بائین سیدروشن میوتی تفین ا ورجهان مین جاما و ه میر - پیمراه مودنین ا دربرگزیمچه اُسکی طر**ف ا**لتغات منوا ا دراً سے مین نے کمچیزخیال نمین کیا اسکے میرآب بہت 'نتریجو اوركها أنح اورد وسرى باراس صفت كابوكرميست ساست مست دّا ورجح علب سن تكوا و يا اورمين أنكر ساست سے شکستہ فاطر بابر آیا اور رونے فکا اور اُس مالت سے استغفار کی اور مین نے بست کوشش کی کیمیری فاطر سے غورما تارید بنانچ بوز کی برکت ا تفات سے وہ بندارمرتفع موا ا در بری والدہ براکسکشل نورظا بربوالتھا ہے أنس سعه درگذر كم سكين ادرا ككوأس نورسكه مشابه ه سع حفا دلطف تمام بخيّا اوراً سكه و كيف سعه انس صغيم مفاقريج تشرك أعنيين ايام من كرير نورظا برمواعنا اكيت شخص نه تصيربت نواضع اورعاجري كي أورثوشا مدا ورنياز كويت المرحايامين فيأس مص كماكيا أجرابوا وراس عام نيا زمندى كاسبب كياب كدّوكرابوكما ايك اندهياري مین عامع سی کے گوشت بنا بین منبیا تقامیا کے کی شخص سقاید سے دروازہ سے کیا اُس اندھیری آدھی رائٹ سقايدروش بوكي حبب بين في نظري تواتب تصاورتها رسه ساتم كوكي اورج إسى نه تقاحب تم إبركيك سقاته بهراً ركيب مبوكيا مين نے جانا كرماست كها ہو۔ فراتے تھے كومين حب صفرت مولانا كى مازست مين ميخا اكيب طرا اضطراب بيدا مهوا ورنسبت نواجكان قدس السدار واحهم كى منين ماصل مهوتى متى اورماسي مین مه اتون کوسرزمین سریار تا به تقا ۱ ورزار زار را مقا اور دنوان کوشگل حلیا جا تا فرماید وزاری اورنشریت کمیا ادرسات آثم میننے کے قربیب راحال سطرح گذرا ایک روز آپ نے بھے گربیب دہریان و کھیا توفرا یا کروادم بست رؤ که او مذاری کواور اسنیکو ایسیا بنا دکه محل ترج م و که برگریه وزاری نیر ااثر رعتی بریم می جانی ب

البيري أربير كي أرب يضادراس بات مدورسها ان الثقات فريا يا كرفى الجله الكيب الركسبت ان عزمزيان سيدندا به بيوا بعد ازان أكيب شهر عاص مرجه إن بيل إبركيتي مرافيه من متيعا بواعقاً دهى رات مولى اور تي منا انته يُكه منية الدون اجا مك مين في وتهما كراب ميري ميني يجيج مراقبه من ينيق بين اودين غافل مون او رواقف نهوا ك ألمه بانشر بعيذه للسكه شرمند: مهوا اورجاع كه آب كه يتطبي بميلون آب ف مرابعًا با ورفرا يك فلان كميون انشامين سف كما نيند كلى ميا اكم الدون اس مات كيف من اطعة كراكرس عدي طلقية عزيزان عام موكر مولانا شهاب الدين اردندى دندالدف فرايا عقاكداكاب دن عادا لعراص باح مفرت سولانا وسعدالدين قدس سروكى ملازست مين یو فیاد ما یا کد آن کی شب سار ۱۱۰ یکی کوشنی ماسل ہونی اورنسبت بیری کرساتون فلک کے فریضتے اسپررشک لِلْكِيْ فدمت مولوى نے فرما یا کدا ہے اور افت ہوا کہ وہ سریل نامحد مروحی تھے کسو اسسطے کر آسکے والدا ونٹ فانس ركت تع ندست مولانا محدفوات في كرمها يس مغرت مولاناكود . قوت ادر قدت عنى كرحب ماستة ادرجبكم چا بیتے نسبت خوامیکان میجها دیتے اور نسبت اور بنی دی کومہونی دیتے اکی روز اُنکی ما زمست من مسجد سکه در واز كبورني مغرب كي اذان دى بهم الدر أك او زناز برهي الغات سع أس مسجد مين ايك خفر تمام ميريا عقا اورما فظ ادرتاری میک اسکے منت اقتر میں روشن کی تعیین ا درآ دمی بهت جمع موب تے بیجی تھر کے اور ایک گزشین قلدرد مونتيش اورين أف يحييه بهت ووراور أكل طرت متوج بمبيعا اكيبار كى مرائها يا و بيركر و كميا اد. مجواله الم كة بير ابرامين آعفا ورآب كربرارا ياكنينيون منوز ورامنين مبيعا عفا كرانشات كي اور يع إلكل ميست كموديا اليساكةمين واقعه بنيين كركس طمح منطيقا اورأس نسبت سبنيودي كوامتىدا ومهوا أسوقت مين ماخر يبوا كرموذن في عناء کی کبیرکس اوراًس فرصت بین برگز نلادت قرآن اورشعرخوانی اورلوکون که شورسے مجد فرنگ فزا تنفظ كذابتدامين أكيب وفد مابس مسجد كسقايهين متقا ومركمة بشنوى ميرب الترمين فتى اجانك مغرت سولاناسقایدین آسکه اصغرایا که برکنسی کتاب برجترے با تقرمین بی کسانندی بروفرایا کشندی ترست سے کائمن كلتاكوشش كردكة سط شفةتم ارسه ولسيعة كلين – فراق عقه كراكيب ونوحفرت يرسه يجوه بين تسكاود تراً ن خرایت طاق سک کمنا مدے دکھیا فرایا برکونسی کتاب پیچین سنے کہا کرسمی نہی فرایا کہ یہ علاست مبکاری ہوسینے مبتدی کو ما ہسے کہ شروع سلوک مین نعنی واشبات کے وانتے مین شنول مرد لاءت والکا التوسطان بواحد نماز كا داكرنافتهى لوگون كاكام مومبتدى كوسب مين حرورى كام نقى دانشات كام والتفاقع كر صفرت مولاً اكى ملازمت مين شرى منت مشنول ميمكونتي اور منه ميت سعى منعد اسنه كولسبت عزيزون مرجوا ين الم راتون كوجوب كم بينيع بجال زمتى كراس زانوس ووراز دانو دلين دورا كروز دبا دام را بيتبرز انوسا طب رقع أنكى مركز بروانه كى اوراسكى فرصت ناعتى كه دوركرين فرط سقه كالتشخ كم مشنوليون كى ابتدأ مين أنك والتابيحة

من مين حارزانومين بُه عِلى مقا اورمرا فنه كرريا غَفا يكامك بين اوازسُني با دیشا ہ کے سامنے البیہ بنیجیتے ہن بے اختیار حکبہ سے انجھلاا در دوزانو ایسامبھاکہ مگی انبیٹ سے سخت موٹ کلی او بهت ورومبوا أسدقت سے عالبس برس مبور كركري عارزا فومنين عجا اور اب برحند كسى طرح عجيون فرق نين كرناهبس طورها دت مهوكئ ہج ا ورمارز ا نومتھ خاخوش نہیں آنا ۔ فریاتے تھے کہ ہمارے حضرت مولانا میشنج بهاء الدين عمر كى لما قات كو منياره جاتے سطے ايك دراز گوش برسوار يقيمين أسكے سابتر بيا يوه يا جاياتھا ا ورسواری باکنتا تھا اور بہنے کھا نا کھا یا تو ہا س میت گلی اور یا نی پیننے کی مجال ند تھی آخر آپ نے مجیے کہا کہ فلانے تو پیا ساہر مین نے کہا ہان فرمایا کرحسبوقت سے باہرشہر سے میم کے مین میں خود بیاس کے اندوایا ہ ویریا کرمیری طرف سے تنین ہے جایانی بی کرتری بیاس نے مجھین اشرکیا ہومین گیا اور انی بیازان ایک شیخے وروازه آيادر وتا اوعصا أتكامين في اورأفي من ووسطيعا اوسيني آب سع باتين كرت تحدا ورمين مقا اورس تانهين عقالين ول من كهاكه مركامينين الماسية والميشي كى طرف توج كرين تب يحيد ينطن بنی تنین بشنع ریحفیک کمیا ا ورحب کردل میاانک ول کے سامنے درمست بھمرا نوراً تینی سف**رمری طون** منح کرسے شورکیا کہ بچ ہو تو یہ کیا کرنا ہی تھیرسٹ گیا اورحفرت مولانا بھی مسکرا سے یا دجہ دکیہ ایک کیفائیے زایده و ه توجینین داقع مبوئی ا ترعظیم آسیرهانسل مبواا درکیفیت زبردست ظاربیونی ا درجار ایخ دلی دم بدم اثرتوی کررا صت عظیم کا موصب تعاباران منواترکی شال ریزان بهوایچه بعدازان صفرت مولایی مین نے بوجیا کہ ایک فقراخاناس کی راہ سے تھوڑی توج کرنا ہی نررک کیدن تنین تا ب لاتے فرا یا نتیب سے کہ انکوجناب حق سبیا زمین اتصال تمام علی الدوام حاصل ہج اس توجہین کہ طالب کوشے ہیں ا ک سکے اوری سبحاند کے درمیان ایک مائل میدا مرد اسجا وراستکے مقدرا کمی حباب مروجا تاہر اکمی فراد اس وجست ہو۔ فریا ہے تھے کہ ایک ون ایندامین ماہیج مسجد کے تعمل میں مشترقی صفہ کے بیس قبلے وہ یں مبھیما تھا اگ مشغول بمقاناً گاه دیکیماکه تخست سعاران فران سکه اَسگرایک شخص باظا برمیوانهاییت کا لابهت لاا ورلنسیا اسقدركير أتسكاجره كي تعبت كك عقا سربيت جيوالمصيد جزر مندى ورمنح كهلا بعواصفيد وانتون سامعرا موا لبی گردن ا در بدن چهویا ا در ستیلے یا نؤن ا در دراز دیمین که دام ن سے مہنت میوامیری طرف نے کبا ا وسآمیسته آمیسند میری طرف آنا شرع کا شیرها اورسیدها بهونا مقا در مین کرا**نتا مین نش**ایند ول مین کدا ایک چیوگا وبو ہو یا ہتا ہی کہ یتھے لسبت غزیان سے بازر کھے اور تبری شغل کوم رہم کرسے من في اسني تنين طريقة رميا ديا اور از عدشنول بوابر في أسن وكتين كين اوراسيد كام كي كوانني وقت مع جاتا رمبون سيسر فه احس قدروه زيا وه أسك أيامن زيا ده استيه شغل من ليايمان كم كرست بي

<u>یاس اگیا اور دکھیا کہ بین اپنے کارسے نین بھڑا ہون جست کی اور میری گردن پرسوار موا اور اپ</u>ون ت میری کمزمین نبیلتے من اُسی طرح اسنے کا م مرتبکن غناا و کیاضطلا بنہیں کیافتوری پربور اپنون میری کمرسے علہ اِ ا ور دهومنن کمیاج مزامین تاییز او خامب میوا ا ور بحیر میرکزانسی صورت نے محیط نشسو<sup>د</sup> بن ندی فرانسه تھے سبادی اوال مین سبعد حامع کے اندر تخت مار بان سے مین نے سہارالدا اور آسمان میں نظر کرتا تھا اما وکمچها که برستاره چآسمان بریج زمین کی طرف متنوح به موا ا ورا و له کی طرح اُترنے نشرم ع مبویئے اورسہ مری طرف متوجه موسلے اوراسقدر منصے نزدیک موسنے کہ کمان می فاگر باتھ بیڑھا کون س عاراس عال کے دیکیفے سے طری کیفیدی عالمال مرد کی اور سنجو دی کا مل می قریب صبح کا و مکیفیدت أيُّهُا أَيُّ فرمات سنته كدا وائل عال مين ايك،روزايني والده سكما س مين مبيّها عقا ومميعا كدارك واردقا مری طرف متب<sub>ع</sub>د بدید امین سمه ها که مجید سیخه و کرنگا والده سی*ر کها* که میرسد حال سیرخر دار رسیا ا ویشها برکرتی رمبوکه میرکتنی تمازین فوشیموتی مین به کهااور جیح اس کیفیت نے دبالیا اوجیسس کردیا اورمین مبهوش گراجه لمحتظولي والدءكوسرهاسل وسقه مبوسك ومكيماسين ني كهاكبيون روتي مبوكها كدكس طرح نهروؤك تثيابه موسے که تومردسے کی طرح میرا میواسی که سرحند شور با اوریا نی تیرے شنع مین وُا متی تقی تیرے تکھے سے نعین اُتراً بمقا اورمین متری زندگی منصابوس مرکبی عتی حساب که آرمندره فرض تحییه فدت بهوگاتیین مین کیکا اور قضا مرجى مد زات تن كالم الشروع من عام مع مبرك اندر الكليسنتين اداكين ا ديمين شنول مقا ا **ما كيفت** سیخودی کی غالب میونی اور ایک مدت رسی اور به دونتین ول مین ایکهار و هیخودی میروما تی محد انسیاموا که مبرر وزیعه تی تنتی ا وراکس ورجه کو هیوخی که هر روز د دنین بارظا میرونی تنتی ا ورد م پراکسکوتر فی تنتی اس م نک که مغوا نرمولیٔ ا در حنیدروزیرهال محقا که خبیبیت ا در پینیودی مشعدر ا دراگایمی برخلبدکرتی متی مهست آتميسة كم موينه لكي تسلط فتورسيعين مُداا وحفرت مولانا شعوض كيا كمفيبت اوريني دى زوال رَزِّ فالي ا ورمین آس سند *براسان مبون فرایا مست در که کتر*ش غیبت صنعف ب<sup>ا</sup>طن سند بمتنی اب مختوم می نوت میونی ده كیفیت معهوده زائل بنین مبوئی ا وراسوفت كاستوراسی بدشوری كا مكرركت بواوه وال مقالم ب مقام برگیاانتهی کلامه قدس سره واضح موکه مال اصطلاح صوفیه مین قدس الدرارداحم عباریت ائس وارد مع بمحكم ول برنازل محض تخشش حق سبعانه سعد مبوتي بيركه صاحب مال كواته في ارمع في ميتا اختیانیسن موتامثل حزن اورسه روزهین و نسط اورشه الیا عال سے ایک به سو که البیته زوال یا ۴ سوات ا يججع سيمثل أنسكه دارد موتاسي ورجب حال سالكين كالمكفاة الوثنات بوعا سرأيسته متعام كيت مين الطام اس فرده کی اصطلاح مین عبارت ایک مزیمه سے سی رانتب اور مشازل سے کہ سالک کے تحت قدم آسکان

تقريمون كامحل بوج سداورزوال نياوس بس جعال كهفوق سي تعلق ركھ سالك كانحت تعر<sup>ا</sup>ت مین مذار سا ملکه وجود سالک اُسکے تصرف کامحل مبوّا ہی ا درمقام جونخت سے تعلق رکھے محل *تعر*ف ر اور الكيت سالك كاميونا سي اوريسي وجر سي كم صوفيه قدس المدرار واحم كترمين كه احوال ارتشم شخاب ا در متفام از قبیل مکاسب سے سرے فرائے تھے کرا وائل مین حضرت مولانا کے امریعے سمبیٹیہ جاسے مس مين رسبتا تقاا درمشغول تمام ركف تقاراتون كومسجدمين كواكريا ادرزار زار روما محفا اورسدا نيامه بيليا يون سے ماظعقا اس نسبت كے گرموبانے سے مینانچ منجرا ورمیشیا نی اورسے میں ورم شل جزارہ بإ دا م مجراً كيا تقا ا ورمسجد سے باس نجاتاً تمقا گرافترورت وضو وظهارت كے اكيب بار جاليس روز مينال موسكَ ستنع اوراً دمی الن الم من مهت ما مع مسجد مين است من اوركسي سعمين سفي منين بوجها كرب كترت أدسيون كى غيرهمومين كسواسط موحب كه به للاكذر مكريتي مين فيات كداك دوسرك سع كسّا تحفظ لەرقت برٹ مال كوالىيا اورالىيا موامىن نے بوجھاكەكون بېٹ مال كەشايد تواس شهرين بنيين بايخا مین نے کچیمنین کها فرایا اُس اوائل الیم مین کمین متلف مسجد جامع کا مقاتین شباندروز مجهیرگذرسه كه كچه كحما نا نهرونيا سبطا مت مهوكريا أعُماكه توت كى طلب مين باسرِحابُون بايان بانؤل مسجدكى حركص ط آكي ركها عقا أور فيزرسيدها بإنون نه أنحفًا يا متعاكه اكب الهائم ميرت ول مين مبونيا كدمهاري صحبت كوكم ة ن كه عوض توسفه فروخت كميا بإنوك كويجيهي مين فرمطها يا دراليسا طبائخ سخت مين في المني منح رياما كران خرب كانشان ا كيب مبغته مرير يعند مربر إ آسوقت مسجد كه آكم من گيا اوراكي گوشه مين مجيا ا دروامن مين يا إن لیبیٹ لیا اورانے نفس سے کما اگر تومرمائے توت کی طلب کے لیے بامرخا کو ن اس مال "ین ایک نسستی توی فالب مجد مبدئ كركها فركى نوامش نرسي كاكيب ايك مردمير ياس أياكه مين في أس كنجى ند كميا تقااولاً مجعيلى قندسفيدكى جودس سيرسے زيا وہ تھى ميرسدسا منے رکھى ا وربنج بابت كيے والس كئيا اور مجيع اسكا قند لائا آ اجهانهملوم مواكرمبيا أسكاألما بجرجانا ورجعه ابني طرف مشغول كمزؤ سفرات منف كهشغوليون مين اوكلا حفرت مولانامين امكيب جوان صاحب جبال سعدم بالتعلق خاطرم وسيا وررا بطامحست توى مبوا اس مذكب كم تام دل كواسط خيال نه وإليه وراً سكر بخركوئى علاة زبايها ن كم نوست مبوي كم اُسك بكرط سرى كى بمي ريخة اين ربی اور آسی سوزش اور محبت سے آرام عقاا درائن الم مین بالکلِّ آب کی المازست ترک کی کر مجے شرح اُلَّی فیک اس وصعب برآب کے سامنے میٹیمون ومیشت ا وروحشت اس مدکومیوینی کرحب آپ کو دورسے و کمیقائیا جاتاا دركسي كوسندمين كمس جاتا كرمبت شرمسارا ورأس جوان كيعشق مين سيسرو مقرار عفااتفا فالبعداز خلا [ا کیٹ گوشہت ما تا تھا کیا کیس آپ کومین سنے و کھیا کہ سامنے سے ظاہر میوسنے اور کوئی مغرا ورگرزگا ہ نہ تھا کہ ا

انفغال من کورا ہوا اورشرم سے سرچھ کالیا اول پیٹا بیٹیا نی سرگلیا آپ آگے آئے اور دست سبا کا سنه برر که دا در سرست نتنوی کی شرحی سبت آگرنز نومنه ای حلقه گرد. کم لفنس غافل مباش از ناگزیده ا اس موقع سرباطن مین النقات کی که تماعشق اور محبت اس جوان کامیری بوج ول سے دھل کیا اور الطرا محبت كانتقطع مبوكيا ورعلاقه وكوستى آب كى طونبتقل موان غرائه تقع كه اكيب جوان المنكندى تقامجرؤه مرّناص اور میمارے صفرت سولانا کے لماز مان سے اُسکو بھی ایک جوان سے بست کا علاقہ موگریا تھا اور شد ہے میلان *اسکے باطن پیس*تولی میوگیا شرارخواری اوربحنت سے پھوٹر ازریا دو مراتخف پداکرا ادراً س جان کے سرماه و والديناا وركها ت مين تُحقاكه وسرانه الحقاله حب كه وه جران بهونتيا اوراً مُعانّا وروه انج تنهُن أس عَكَرِ الْ كُوندكملانًا وراليا كُرِناكم وه أس سورت يراطلاع إ وت مين أس اجرے سے واقعت ہواً ا ہے میں فیک بڑی منت سے تواکی جزیدا کرتا ہوا واسے روان کے ڈوال ہو ایسے ایسا کرکہ وہ تھے و کیچة اکدتیری محنت ضائع نهو جدن سی مین نه که آنکه مرمین یانی بحرلایا اور ایک آه ول سطخنیمی اور کهاینی ت چامتیا بیون که ایک بارسنت میری طون سے اُسکے نازک دل پرطرے فدتست مودی فرائے تھے کہ اُس یا ر ناشكىزى كى معالمى سعادم سواكر محبت أسكى محبت ذاتى تنى - فرات مختى كە اكب روز حفریت مولانانى بجعيك كالحي تخضي معلم موكه فلانفاكاكيا عال بوا وراكيب طالب على غرب كى طوف انشاره كيا كرو وسكى ولايت مخصيل علوم كم ليے مبرات سے آیا تھا اوراكيا لمازم ہواا ورترك تحصيل كى ورسون علال الدين قائي عليالام له مرسسین اُسکا حجره بنا اور کمال ترک و تجربه مین به قا او باید که اصحاب سے کم مت بنا اوراکٹرا و قا تاہیج ا ورمغموم ریا کریا آپ سے بین نے کہا مجھے آسکا عال معلوم نمین استعدر جا نتا ہون کرشغل وانکی رکھفتا ہونولا كائس سطعتين طال كواوركس سے حب كم الله فت كرو تو أسكوست جيوط وسن آب كے فرانے سے اسكے جرومین کیا اور کما تھاراکیا حال ہوکہ آپ کے اصحاب سے نمین ملتے اور میشد تنها کوشہ جرو مین میشے رسیتے ہم اورآلارفت كاوروازه يارون يربندكرد ياكهابين مردفية اورمسا فرميون اورانية مين قالمبيت اختلاط اصحافيل منين بإمّا مبون ثاحيار فراحم انتكه وقت كالنبين مبوتا مبون مين في احرار كميا كه البند تمعارا ايك عال ميجكه وه تمعاران پوسجیت سے اور محیلیے ظاہر کرتا جا میرے اُسنے کہا کہ یہ کہا سا نذہج ہ کرتے جومین نے کہا اس کام رہی جغرت ليطر ف سے ما سورسبون اورجيب تک هال ند کهو بگے اس سيا مذکومين ترک نکر ذرنگا جوا ا<del>ن محبعا کرملر ما برام اوركا</del> جگہرسے سو ایک آ مکتنبی اور که ای فلان میرا عال عجب وغرب ہوا ویشمراً نسمین سے یہ موکہ حب عث کی ما جاعت سے پڑھاہوں اورجرہ مین آنا نبوں ایک لحظہ مہافتہ کرنا میوں ادرانیے طابقہ مقررہ سے شنول بوتابون حبب ايك ساعت كه كذر ما تى سي الكيب نورجه نهايت ميرد اوپر ريزان بوتا بي ا ورمير عديمات

ٹ شگاندکو دبالیتا ہم اور بین اُسس نورسکے تلہورین آپ سے غائک مروجا ہون اور صبح کے وقت ا کمپ اُس عنیبت اور بنجید دی مین رستها مهون ا ور دن محبرخوشی اور راحت مین کب رکرتا مهون – به طالیج میری مشبا نه رونه ی کا حبب مجھے اُسکا طریق معلوم ہوا اُسکی غیر*ت اور رشک سے ملاحیا نج*ے اختیا<sup>زیت</sup> ہ أنكحه كسي روان مبوسنَّه أس فن في شارا كام ميريد باطن مين كي أسكَ ياس سيدين بابرأيا ور صير حفرت مكا ف جمع نبوجياكه توسف كما دريا فت كراتفيق آب كامقصود بيخفاكه بمحص معلوم مهو جاسد كه المعيا آومي أيج گرد رسیتے مین اورانسی مشغولیان میکھتے مین سفدست خواج کا ن ولدنزرگوارحضرت مو لاناسعدالدین ف*در* رونے فرمایا کہ حفرت والدکے مکمہ سے کیمجی کھیں اُس طالب علم کے لیے مکھانا میں لیجا تا تھا ور وہ سرتین طاب ر وزمین امکیارا فطارکرا حب با خرکھانے کی طرف شرھا تا اُسٹنخف کے مشابہ مہوتا کہیے ہوا ہوا ہے۔ فواج قعلب الدين مصارى دولتمن يتقع اس گروه سد مهت اعتقاد أسكومقائس طالب علم كه عال مطالح سواا كي غلام كوتعينات كما كرسرور فوان خواجيك اكب بياله طعام لذند كا وراكب قوص نان سيره كا أسكر اليه مدر سهان ليجا باكريب - ليليادان كه طهانا ليكيا غلام كو النيرسا من يتجعلا يا اوروه سبب كها نعلا کو کھلا دیا غلام فالی بیاله گرمین لیگیا اورمیان سے کہاکہ آس لمانے تھارے کھانے کو م<sup>ی</sup>ری رغبت سسے م*کایا ورثکو د عارخرکسی خواجهِ خوشد*ل مهوا*ا ورغلام برروز کمان نے کا پیا البجانا ا ورانسی طالب علم کے کیتے سے* كها ياكرنا اوريدبات بيرشديده ركحتا اكيب سال مت كم مبدي تضديرظا مرموا خواجه في الم علام كه المراي وم بجد مكنانا مدرسه زجعيا فدمست مولانا محدفرات تتحلاكيب روزميرس والدحفرت كمساف تنفايت اوين متبين كمرًّا فِنَا اجَابِكَ والدسنِ فرما يا كرمحد فلان كام كرَّبٍ سنِ ٱلْسِيركما ائ فلاك بيه وه محدِّنين بح كمرَّتن وكمجعا بح ائسوقت ذباياكه والدحفرت فواح بهاءالدين قدس سسره كمه يبار موسكة يتطاح فتضح حفرت فوجها في وورولش كوأنكي غدمت اورتهارداري كهسليه مقرركميا مقا اوروا لدحفرت خواج كآن درولشون سيسختي اوربد فولكم يتأ حفرت فواحد أس مال سع وا قعت مهوسك أعظه اور والدسك مراحات أسكة اور فرما باكداى ميريه ورولش توك مياري محبت من منين أت من براسد خدا أت بين طالب خدا من ميراً على حرست اورخد منكاري واحب ہو اُسکے ساتھ کسلیے سخت روئی اور درشت خوئی کرتے ہو آپ کے والدسفے کہ کہ ای مہارالدین تو محصفسمت دیتا سرحال آنکترا باپ میون صفرت خواجه نے فرایا کہ ناین تم میرے باپ طا برنیین مولیکین معنی مین تمعارا باب مبون مجھ معبورت تھنے تربیت اور برورش کیا ہراور مین صین تربیت کرا مبول - وا حفرت خوا پیسکے فاسوش مبویے اور وہ دکرشتی اور مبنو کئ ترک کر دی حب صفرت مولافا شعے میسخن فرا کا والدمه يربه بيت متبارثه مويه كزاه رعوس محفه كالمركس فيهين فدالماني أوريم بشد تغطيرا وتيقتر بمركزت في اورسره ندمتن حبحا

ورنیازمندی کرناده رعایت اور حرست مین زیادتی که یا کانسقه اور نوست ریان یک میویخی کدرا و مین قدم میسید استكه نريكتے ا ورمجھے اسكے كرتے تھے اور اگرمین انكار كرتا استقدر مبالغه كرستے كرمین عاجر مہونا ا ورہم رحال مخا كى نرستى تقى سفرمات تنقط كه الكيدن بهارس وحفرت مولانا كم مرض موت مين شيخ منطفر كوكنى كرسله سے ایک بزرگ تھے ایک مرمد ساتھ سلیہ آپ کی عیا دت کو آئے اور ایک لحظ ہو کہا اگرا عازت مولو انے طالقے برحیٰد ذکرمین کرون آپ نے فرایا مہتر ہوئیں اُس نررگ نے اپنے مریرے ساتھ حیٰد ذکر بعریت جهر کیدا و تعوش ی درجب رسه میرنشخ نه سرایها یا ورآب سے پوچها کتم سید موآب نے فرایا ان متينى ف كهاكيا بات بهوكه اس مدت العربين ابني سيا وت طف مرنه كى حال آنكه اخفا اس لسيت كاروانيين بي فرا یا کرحب بهارے والدنے وفات کی اُنسے شجرہ اولیسیٹ اسرا تی را بھوسٹ مرا ک کراس اسے کھان لكًا مئن ا ورمرطرت أسعد ليجا مئين اوركوكون كووكھلا مئين سم كئے اوراً سے ديواركى ايك مرا رمين كھ ريا اونوٹورگ كامالا لیس دی *اورا نیے دل مین تگهرالیا که حوکو ای تلمیسے نسب سپارا بو یتجع ایسٹ بدہ نگرین اور حبب اس مدتا*بعم مین کسی نے ممید زاوجهامینه علی منین که آج کے دن حوتمنے لوجها مین کنین جیبا یا اور جو دا تعی مقا که دیایس آپ نے بینے سے بوجھاکہ ماری سیادت سے تمعارے استفسار کا سبب کیا پڑکساس مرا قسہین الساختا كيا كتحفرت رسالت صله المدعليه وسلمظا مرموسة اورفرط بإسمارسد فرزندسعدالدين في ويشخص كواسنع مربدون سے سچ کمہ بہونیا یا ہورمرنعبرولائٹ برو اصل کیا آپ سسکاسکے اور فرایا جا ہے کہ آنحفرت سفے زاج که مبون مرمر نتینج نے کمک مہمارے شنج کے کان مین تھوڑا تُقل ہو انحفرت نے تمیس اور دو قراسے اور کے دوشخص مشتق آپ سن*ه اُس مربدیسے کماسیج بیہی جو توسلے کہا اوراُسکوشا ب*اشی تیزگوشی وتیز جوشی بردی تحيرفه بالكرع تسبيحانه كي هناست مستعبين أومى سمارست إرون من سنته درجه والاست كومه ويخيبين مات مولانا محدسف كها اس محل مين كرس إمريت حفرت مولاناسف ميمن فرايا مرسد دل مين آياكه وتمييم التيبيل دي کے اندرمین عبی واقعل ہوان اِ نہنین آب سال میرسے خطرہ سے وا فعٹ ہوکر میری طرحت نظرکی اقبرسٹ

بشخ كى بهت ما زست كى سى فرات عفى كريشنى بها بيت عالى مشرب اور نزرگردار اورايني زاند من قب مشائخ مرم کے تھ مہت تقدادگوں سے آس لک مین سنا ہوکہ صب آپ مین کیوٹ سے کہ میں آ

رت مین نزمین<u>ے</u> الا قعو دکشتر نما زمین - فرمائے تھے کردب بہلی امین حفرت شینے کی محبت مین بھوتی بہت بزرگوار اس محابس مین حافر تحقه مین جو مکت مین مبیو کمی ایک لحظ بورسر انتمایا اور بسری طرف نظری ا بوجها كرسن سو لينے وه كون سى تعف لوگ جو مجھ بى نىنے تھے اُنھون نے كہا كرسلسا لْقَتْ بند سے سواتیے زايا بليح مليح هم المخلصون سم الصدلفيون ترجم تمكيين كلين وخلصيين مبن وي صلقيين مبن أوسيني لوكون كي تعرابین مین ترکیبیل تصالبی جیب مدا ورشلی کا ذکراتا کرمناسب اینکیمشرب کرندتا که اللاف روكها سي يا فلان في إروكها مبو- كيت ستند اكي ون حفرت شنح في فرايا كدسرا اكب باب بحفا بإنى سرطتيا اور هوا بین اگر تالیکن توحید کی بواسمین ندهتی ایک روزمحلب مین کهبت اکابرعلیا اور فقرا اور عارف ط تحصرا مك تقرب مين فرايا كرمق سبوانه عالم الغيب بنين سج اكرز عا خرين اس بات سير كانت استطرا ويعضي يفخ آ كهاف لكراسوا سط كر فظا مرفلا من نص معلوم مبومًا به فا حفرت شيخ ن إيا كروه كلا معبض كر حوصل عقل من ننهين سماتيا اپنچة صدرين تنزل كيا اور فرما يا جهان كەحت سوسىپ شهها دىت سوا درانسيركو كى چىز بويت پيرفوس يې م كرغيب كيمكين حب غيبت معدوم موتومعدوم كاعلم نهولس عالم الغيجيج قرآن مين واقع مبوسمارى تسب بى نرحق سباد كى نسبت را قم اينوون نے ، وسرے دك فلوت مين خدست سولان مى عليه الرحمة سے بوجها كرآب نه كل فراما كر بینخ نے اُس سخن مین اپنے قصد دستے شرل كها اگر شزل نكرتے وسخن كس معنى سرخيا ل كتا المهيت كيهنين البيس أس مرتبه مين عالم الغيب مذكهين فرايا كرصفرت شيخ حيوان بنعين كحاسمة عقدا وركوشت كما سے پر بزر کتے گئے تھے مجھے تعجب آنا ہو توگون سے کہ جزیرہ و انکور کے اورائی طوت میکھے اُسے محلے مرتفری بين ا ورأسكوار هوالية بين ا وراكسك كوشت كواك برسنتيكية بين اور كلمات بين – حفرت سشيخ كواس كلام سے كه آپ نے نعل كى اسكى موآتى مبركہ شيخ اُس زامے مين مقام ابدال سكر سائھ متحقق مبو كلے كہ ہو صفت فاص طبقه ابرال کی سرکدکسی حیوان کونسین ارتے اور مذا زار دستے مین اور کوائی حیوان نسکیجاتے ب سے کردیا ت حقیقی کا سرماین اشعیامین ہو اُسکا شہود ان ابدال براٹس مقام مین خالب بڑوا تقع كه حفرت شیخ سمیشه بسکه روزه دار تقع اُنگے باس ایک تقبلی تقی سبین تنعوی ستنور کھتے تقے اور کا س چِىبن دېب افطارى كا وقت آ يا أس كاسد دېسن كوتشيلى سے با بزيكا لينة ا وريخورا آب زوزم أسمير في آ ا ورتین انکشت سے اُس تغیلی مین سے ایکیا رخوارے ستونکالے اورائس یا فی مین ملات اور نیتے اور ووسرى رات تك غذا ورك رب أنكابي عنار فراق غدكم وبدحفرت كى لملاست معموين أياجيا سنا كرمعرك بصف مشائخ كبارن فواب مين وكميعا بهركداكب ثبا اوليان مبن ميومات مج ميدازان تعلي مان

ا **ورغوث روز کا را ور دوسال مرشه غوشت مین تکن ریشا مبری عیرمرجا تا هراس عرصه مین خرسه رین کاکردنو** انگرشینج هبدالکسری جاتی رمبن اسکے بعد و وسال ا در زندہ رہیمے بحیر مکہ سبارک مین و فات کی اوراً کھی قرمیارک و بای شهور سواسکی زیارت کیجاتی سوادراس سے برکت ماصل کیجاتی ہو۔ من فوائدالقاسيه المسيموعة ا دروه گياره رشحه مين بيان ڪيوما ته مين س وتشخير فراتيه سقفاكه ما قط كاشغرى رحمدا ليدتعا روسه مين بيزمنا مبي جوهفرت فواج ممديارسا قدس کی محلبس مین ربهبت ها حزر باکریتے متنے ایک دن ا و انس مین حضرت بنوا*ه بیکسایٹ مین میثیجایتا ا در*آب فاسٹوسیسے ا**وروه خاموشی بهت** و میرتک رمهی آخر کومین سفے که ای خواج کو فی سخن فراستے که آس ستے فائدہ پیمکر یلے اور بہرہ مند مہون فرہا یا کرخونس ساری خا سوشی سسے فائدہ بہنین باتا ہمارسے عن سے بہرہ نہ یا نگا یشوشه به میمی حافظ سے نقل کی که کها ایک روز صغرت خواجہ نے بیرست، مڑھی مبت رہیفت کرمدیشو و کمز ہوتا له خواش را مبسرکوی آن نگار کشفه + ا در لفظ کستی کا کا ت سکه فتح سے بیرها اور تعدم هراع دوم کی کما كر فوانش ما قبر كوس آن تكاركت + اوراس و مولفظ كشى كاكا ت سكصمرت مرها -رنشخ المراث عقوکه ایک و ن خوافیمس الدین مهرکوسوی قد*س سده کنتے سنے که بازگ صفت بوا* چا ہیے کہ ایک برواز کی اگر شکار لافرش وا لاقوار کیڑا اور یم سکتے ہیں لکریماکی صفت رہنا جا ہیے کہ ایک وازبجی کرسه ۱ ور کیم موسکهستخوان برقنا عت کرے س مِنْشَوِيْ فرماسة يَتَوَكِرًا ومى نها بيت كابلى سعد كنته بين كه كل كام كرينيكي وه كنين سوهيَّة كراج كا ول گذري ون کی کل ہج اس ون مین کمیا کام کرستے مہن جوکل کرسٹیے اس بحن کامفنمون جو فرایا اس قطومین نعلم كياكيا قبطعيكن وركاربا زنها تعقيره كدورتا فيرآفتهاست ولسوره بفروا أفكني ا مروزكارت + زگندیها سد لمیع میلیت آموز+ قیاس امروزگرازهال فروا + کهسست امروندتو فروای دیروز س رنشی هے فراتے ت**ے کہ میارے** مولان فراتے ہے کہ کسم فیڈمین میرادل ننگ میوا مصدارگیا و ان بھی پلجا ه واستنظر که قمس مسغرمین نهیت دمینی اینی طرف سند نه یا نی ایک و ن راسته ملاجاتا عنها ایک شخص سیم المنظرة إيا وربه سبت ميرسه ا ويرمر عن مبت بإ عاشقا النشين ومبرء عاشقي كرين + بابر كزمست عاشقي مركز مستوا مرابع الما وربه سبت ميرسه ا ويرمر عن مبت بإ عاشقا النشين ومبرء عاشقي كرين + بابر كزمست عاشقي مركز مستوا جعراً سيخفس سفه كما الحجوان يببت تجيه سكيما ورأسكم مضمون برعمل كرنا كدنرا سفرسفا بكره منهويين لها خداکا تشکر بوکرامس معفرین نورط بوری برای بریته یا وکرلی اور والیس کمیا فرات نفیے بوشخص اس سبیت کا عامل موالیسی **سعا**وت ک**ومیونی**تا می کدم گِر: اُسیرشقا وت نهو ـ رشور فراقه عقد كم ون مولانا عي الدين واعظ أوالديس ك عرين ماسد صفرت مولانا سك

اِس آئے بڑی نا زمندی کے ساتھ کھتے تھے کہمت رکھے کہی تھا کے جھے سیدھی توج اپنی جنام ليطرف كرامت فراسة ميمنغ أسمحبس مين ول كه اندائسيراعة اض كما كداكي بوارها صوفي نوسير كى عركازارى دنيا زك سائله توجر راست الگتا ہواب كر سم بورك ميوسك ميكومعلوم موتا سوك حقال برنق<sub>یر</sub>کی ط<sup>و</sup>ن متفاکیو نکه توج را ست وه میرکه تنبله *سالک کا*ذ ات بحبت میوا در اسما و**معفات کی ط**ف كو وسه فلاص مواوريه مدرح اتصى غامت صعب اور دمشوار سو ر شخه افری عمر من فرات مخته که شیس برس مبورا که غفلت پرقدرت بهنین رسی اگریم جامبن که انگر وقت ایند کوغانل کرمن اُسیرقا درمنمین مبدازان به سبیت ضمرو کی غزل سے پیرھی سبیت سبیان تو که فراتم نیستی نیشت + اگری می شدی اکنون نمی مشوی حکیتم ترحمیه تری قسم که فراموسشس توبنین ایک دم اگرچه مبونا تحفاسیلے سراب منین مبوتا ۔ ر**شی**ست ایک دن فاوت درا بخش ا ورساطن باح*ت ا ورانبگام با ظن سک*صنی مین بانین فرا تے *رسیط* ازان بيبت برعى مبيت تعماب ده اگروكها را كمشت زار دميم بيريم درده وسم برتناره ايم بازجم. قعاب نے گانوں کے ہرمنیومیں بیڈھرپ قنگ کیا پیرعی گانؤں میں ہمرائی کرتے ہیں دیجی اُسکافکانے کی پری کیا رتشيء فرات من كانسل مرى مرغامي كى مثل موجود يا كدو يربي جائب توبانبين رهيا ما بيرتود با كانتي وراس سخن میں بیان مقام می المحین کے اندر تحقق مبونے لگا جرکہ شہودی اور فلن کا با مید گرجمے کراہج تشخ<sup>ط</sup> ایک ون فرات تصریح در منترخ همی الدین بن العربی قدس سرو نه کها به که بیضیا د ایا که وجدا ز باحنت بسيار ظهورها لمركا تجيد كمعك جانا سح كل شب كومين نے يدبات حفرت حرّسيما ندسے جاہری ايك لخامره واكهميرى طاقت لبشرى كوأسيك ماراكه لمساخ لانتخا قرميب سبوا كدوجود عنعرى مرا تكهرها سعوان بنره ریزه مهدا در روح بدن سے تکلماے بیومنا مات اور زاری کی اسوقت می سبی نزونعا ہے نے اُنسی منی کو پوشیده کردیا اورا نبک اُسکا اثر باقی میرا وربیرمیری گفتگو آج کے دن کی ملمنی باغسینی میری میرا ورهاوت کے برخلاف اُس دن زیادہ اِنین کرتے تھے۔ رشی ایک دن کنتے بینے اگر مجھ حیور دین تو برگزلب نه کھولون میرابات کسن خورت کی وجسے ہیس ہ ومبيت برهين مبيث عاشقا نرام روسه با توجزاً نكه بالب بروزنروه رتومي نكرند به بر در تومقينوا العجة علقومنرنندومبكذرند+ شرحمه عاشقون كونه منفر مجاسط سوا 4 كدكرين مبندلسب نظفه وتليميين يا بيرس در پنیین مشرسکتے ، ماری زیخروملیسی بل مین ۔ من خوارق عا دامة قدس مرويع غريز عبر وج كركرمولاناك خدست مين تدي سالقداد

اخلاص رطقے نتے اُصفہ نئے ذکر کیا کہ آپ کے والد کا ایک ساسیان بنیایت سخت مزاج بھاکہ اُنکے اور مجد کا کا کا مرکز ا درمولانا اُسوقت جیمر کی عمرکے تھے ایک دن اونٹ برسوار مبوسکے اور سرطرن کوملیا تے تھے اُس تُتا كوكيركام تقاما خرنه عتاحب اونتون كى طرف أماكه آب ا ونث يربسوار مين ا ورمبرطرت حلات مبن اورونش ا ائتشبهالت اورختی کرنی فزرع کی ا ورا ونٹ کو درشتی سے تبعلایا اد تلکوکوا وہ سے زمین سرگرا ویا کہ آپ کے وبط اَئَىٰ آبِ روت مِوسِلَے طَرِینَ آسے آپ کی والدہ نے جواس اِت کی خراِئی سا راِن کوشخت *ہ* مِرًا تعبلاكها حب رات بهو أي أب أسى لما ل اورماندگی مين سوسکتر ا وروه ساريان عادت سکه موانق في کے پس سور بے حب نتوٹری رات گذری تنی کردہی اونٹ حب آب سوار مبویٹے متع اپنی خوا مجاہ سے اثما ادرساربان کو اپنیے سینہ کے بنیچے لیک<sub>ی</sub>ر کڑنا شروع کیا سار بان جاگا اور بہت میادیا عواق*ک اُسکے اس باس تند*یجا أنظه ا دراً سلك ياس سكَّهُ حب به مال دنجها مبقرار مبوكر فكريان أس ا ونث كرا در تُرَيُّو مر مارين أ وريرض سعی کی اکستے برگزنچیوا ا در اُسیطے سینہ تلے ان عقابیان کک کرفاک کے برابر کر دیا آ وراس صور مکا مشابره موصي مزيدها ورتوجه والدين اوراحياج اقرباكا مولاناكي نسبت بهوا ساكيب جوان معا بهنت فوش لميع اورابل بمقالسكين نست وفجو اوكيشراب نواري مين مثبلا اورعمامت مريسه وفائقا وسلطانيا مزا مین عمارت سکه کام پیمقریمقا ایک دن دروازه کی نیشت پرکدفانقا ه ا درمدرسد سکه ورمیان سی بایریم بميما بوايانون لتكاسئ عارت سكاكا مهن مشغول مفاا ورسواريا وهسباس بإرك فيجيك كذرسنا يقيرانغا فأأكسدك مولانا فرارحضرت مولانا سعدالدين قدس سروس مسوار بعيس سنقي اوركيذر كاوألكالس پایشکے نیچے سے بھتا حبب پاس آئے تو وہ ہوا لی تنفادا ورادب کے مسبب وہ نون بانوان اینے انشاکرآ بسائی کم کے سالے کھڑا ہوگیا اور مبست نا زمندی کی اور آپ کواس موقع پر بداوب اُسکا لبیند فاطرموا اُسکی وا توج کی اورنظرغورسے کی گویا وہ نیفرانک تیرمٹی کرائسکوشکا رکرلیا جب آپ اُس پاڑسکہ ٹیجے سے گذرہے گئا کھ ائس لمبندى برسد اختيارى وراضطراب السيها حفيم مبدل مهوا كرسيد اختيارتكا رسندا ورجونه مين فانتر ليانؤن بجرست سنت اشني كواتس بايرست شنج گراديا اورآب شكر يجيد ووثرا ورسجيع پنجلي وروازه مامن مسين كم كمياحب آت اشير كحرآسك وهسجد سكفسلخا نهين كميا ناتخرا إنون وحوسك وينسل كناصب خسلخا ذسسع بالبرآياآب ببی کستے قرب مکان سے إبرآئے اوراُسپر ببت النفات کيا اور ماہنے مسہومین شہا آسکان ده آب كَنْ يَجْعِيكُ الدرآسيو قت أمسكوط لقيلفتين فرايا اورنفي انبات مين مشغول كميا لدرتهم مقتدين سيام ا ودایک بی دخته کرصحبت ا ورانقلاط اسنے ایران قدیم کا کیا ا وصعبت کی لما زمست ا ورند دمشت برآ بیا ا صاب کے امعاب کی مفرکیا اُسکے مارانسٹنا اوردیکتان قدیماس معالم مین نعجب اور نوریتے ک

گی ایسی برانشانی اورمیخه اری سیسے نمنفر مبوکر صحبت اصاب کو بالکل جمع ور دیا بعبرازا مت کے زندہ ریا سرگزکسی نے اُس سے ترک ا وب منین دکھیاتین برس بعد استدار تو بسسے مرکبا سکات ما لب علمه نے کتھندیل ہجاصل کو ترک کرے آپ کی لمازمیت مین آیا اُسٹے نقل کی کہ ایک روز آپ مسم مامع مین بنیجے تنے اورا کیے گروہ اصحاب آسکے گرد طلقہ با ندھے موسکے تنے برشخص ایک امری مکمه داشت مین حبیبروه ما موریخها اورمین بمبی سوافقت کے لیے آتھیں مبد کیے بھا اور نفی خاطر کررہا بھا ناگا ہمیں خاطرمین گذراکی*شنا ہواس سلسلہ کے خوا حبگا*ن قدس الہ د تعاملاار وانتحاصی محینی خاطرکسی سرجاستے بن اوراً سکے باطن مین تعرف کرنے بن اور مرگزشل آسکے کوئی امرآپ سے و کھھے مین ہنین آیا ہے ابت توسیمنین که آپ کو توت تقرف نهونس ثابت میرکه مهاری مستندا دمین قصور یا فتور میرکه آنکے تقرف کے **قبول كرين ك لائن مم نهين مب يخطره دو بار بعوا او نتنغل باطني سے بازر كھا كيا كيب و كميما كەول مرا** ازا اور ترثيبه لكا اوربرا تغريب باطن من بيدا موامن في أشا يا د كهيا كه آب تير تنز مجه وكم رسيم من مال مرابل كيافلن اوراضط اب باطن بين فلا سرسوا آب كى صورت و كمين اوراس قسم كى نكامك ووس جو ملات عادت مقا ایک عجیب کیفیت مجدمین مولی کردانتیار مین نے نعب ارا ورابنو دگر میاا وہرت دیریک اُس بنجے دی میں رام سب ا فاقہ سواآ پ کو یارون سکے ساتھ مراقبہ مین بایا ورایک کیفیت و ا نیے باطن میں یائی کہ مرکز ویسی ندکھیے تھی اوروس روز کے قرمیب اُسکااٹرا بنے اندر د کمیت مقاا ور ائس سے بچری لذت مجیم لمتی تھی اوائل حال مین کرا تم انجوون جامے مسجد برات میں ہرر وز آپ کی ملازمست میں مهونتيا عناامك روزاب كيجيعيين نازا واكرر بإيضا وكمياكة ب وقت تبام داسبنه يانون سر ككرسين ادرایش با نوس کوآرام وستیرمین فاطرین آیا که نمازمین آواب شام سعد ایک این کو دونون با نوس بر تحيك كحوس مبون بغيرانسك وامبتى طرنت بإبائين طرف تجعكيس الاحبب كهانع سنسرعى مب وونون یا نون کِیمُرا ہونا وشوار ہومال *آنگه آپ سکے یا*لؤئنین *مارصنہ کا افرظا سرک*نین ہو یہ ترکسہ آب سے کسی طرح سرا وراس خطرہ نے غلبہ کمیا حبب نماز سعدین فانع سواصحبیان سیطھ مقوری دیرکو کی بدازان مجعمی طب کرسک فرایا که ایک روز (دکان مین و ۱ ندسستیسے زیارت صفرت بهام الدینج سره سكدلير لككيرًا ورحفرت فينح أن دنون زيارتكاه مين رست شفرا ورانفاق سيرموسم ما سركا عقاا ورمبوا نعابت مروا وريانى يخ سيع سنرحامبوا بجيم ايك سوارى سيجعلايا ا وريا لوك مرساة هكب وس تقة حب سهر سعدهم باسرائ بايان بإنون ميرالمقل كميا ورمين فسفرنها بيت حيا اوراوب سع كيزنكها اور وم نها را اور مجيع خود انتنى قدرت نهنتى كه اسنيه بإنون مُرهك لون اور يُصْفِيرُهي مهوا عِل رسبي تشي

يانون مردى مين النظركيابيان تك كرزيارتكاه ممهويخ السايانوك ميراكام سعمليا مقاكر مجيد سوارى سے اُنا رابعت عرصہ میں تصویری حس وحرکت میرسد پا نوک میں جو کی اُٹس ر وڑسے یا نوک میں فنفل کم سوكه نمازمين بورا أسينين كرا بيواجانا- ايك سنب بين فيفواب دكيها كرستيرها مع مرات كمصحت من كلم البون كاكب جناب مولانا ظامير موسطٌ اورمن أكلى مينيوا لُ كے سلير آگے گيا ديکيوا كہ دو نون آنکھ کے جاتی رہے میں اس صورت سے تھاست ستوحش اور عمنا ک بیواصبح جوآپ کی الازست میں گیاملک خقا كه ميرفواب آپ سے كس طرح عرض كرون اور و تلجيھے اسكی تعبركميا مو آخر سے بات قرار دى كر كچه تكهول و خنظرميون شا مذكد آب كوئ إت فرائين كدييشكل ص مبوبرى ديرتك صحبت سكوت سے كذرى ا يرقشويش خاطاسيرينين جاتى تتى بعدازانتظارلبهارآب نيسن آغاز كميا ورميرى طرن متوجه بيوكرفرايا كه انسان كى د وانكىسىرىن دىك عالم ملك كى ناظهرا وردوسىرى عالم ملكوت كى بس اگركوئى خوامين وكجه كه ايك شخص كي والبني أنكه ما بينا بهوا وربايكن روشن مرأسكي به تعبير بهوكه نظائسكي عالم الكوت عص تا بينا بهوا و أسكن توجه عا لم ملك كى طرف بهوا وربه حال بل جاب كا در مرتبه عوام كا بهوا ورا گرخوا ب مين يمجه لهاً سكى بائين آنكه فاجن مبي اورواميني أنكهروشن بي أسكى يتعبيري كانطائسكى عالم لك عدنا بنيا برا ورقوم وتسكى عالم ملكوت كى طرف ببخ ا وربيروا قعرهال البلكشف كا ا ورمرتبه فواص كابهج ا ورجو د تلييم كرونون أتكمركسي شغص کی اس کروہ سے نامبی ہو اسکی تنبیر یہ ہو کہ نظراً سکی ملک اور ملکوت اور عالمہ ان سوت ۔ التافی میں ماہ بجاور عالم جروت ولا تبوت كا فاظر بوا ورير عال اخص خواص كابي تمام شد كلام اوفدس كه اصطلاح صومنيه قدس المدارو اصحربين عالم ملاكت أسكو عالم خلق يمي كنته بين عبارت مرتب شها وسط سي لينه عالم صبح سبانيات أسكا تغروا يراه فلك ألافلاك سية المركز أرة خاك سي اور يبهك عالم ي وجرد أسكاية ا ورما دت برموقوف سي ا ورعالم ملكوت كرائسكوعالم دييجي كترين هبارت عالم ارواح ا وررومانيات ا ورفوشتون سے ہوا وروء ایک عالم ہو کہ مرجود اسکا موقوت مرت اور مادت پڑیوں ہو ملکہ محکم واع سبحا نه بيواسطم اور بهسبب موجود ميوا ميرا ميرا في كما ل الدين عبدا لرزاق كانشى نه اخيراصطلكا مين يون كما بي كداس ما لم كواس جبت كسد ما لم امر كنت مين كرجون امركن سيد موجود ميوابي اور حفرت النا سره في فرايا بي كروس ما لم كوعالم الراسوج است كلية بين كراسمين المحض بجادا كوئى ننى بنين بواسوا سط كراس عالى كوكون كى استعداد كدلما كرين اسطيع كى سوكر شفا نخالف كواب راه نهین مچکهنی کوائسپرمرتب بیونا چاسپیدا در ما لم جروت عبارت عالم اسما وصفات الّتی سعه ی اورما کم ما بیوت عبارت مرتب دات سعه بی با عتب راسما وصفات که اورما لم اسوت عبارت ما لمراحبا مج مبرات

سے ہوا در بر لفظ لا ہوت اورنا سوت کا کہ ایکدوس سے معا بلرمین ہم پنجارعبا رامتا نعدا ری واصطلاً ایکے سے پی کھی صوفیے اُسکوس تبرغیب وشہا دت براطلاق کرتے مین اور ایسد دانا تر ہی

وكرأب كي ليفييت انتقال كادارالفنادينا سيردارالبقارا فرت كو

آپ کی وفات وقت باسشت سنبته کے دن سمو کھوین رمصنا ن سنگ کی نوسو مایر مین معرفی استیا ل كے اوائل شعبان مين نهبت باعث بوسلة اور برى كوشش كى كدرا قم اسخروف كي نسبت ١١٥ د جي ا کلان ولد مزرگوار حفرت مولانا سعدالدین قدس سروکی خدست مین مبوط وسیه اور خود محلین علین باتفاق مولانا استاذى رصني لدين عبرالعفو عليه اجتدوالنفران كطفو فرأ و رأيج مصفورين نكاح سوا عير تخيينا **جالیس روزسک**ے بید بیار بیوسکے ا ورا مبنداء اُسکے مرصٰ کی ر وزمَسْنب نوین رمیضا ن عتی ا ورجید کی ثنام اس سینے کی بندر حوین کو آب سکہ پاس مین آیا مبت مہراتی کی دورفرایک داب تو بہارسے حفرت مولا فدس مره کی سلک اولا دمین آیا دوسرے کسکیو تیرے اوپر قدرت تنین اسے بعد توسائیہ حمایت اور ا منابت بین آب کی ہواسیدوارره اورول توش رکم کرسب کام با بدا دبین اور پری نوازش اور بیندیگا ك اس اثنا وسين ليضد اصحاب في آب ك بوتياكة آب ك فدام آب ك بدكهان جائين فراي جهان أنكا زاده عقيده مبوكها اگرات كم سي گردر بين توكميه مو فرايا دورينين بجدازين بدعبارت كهي تونا كارتنعيدي مرافيا از حالی بچالی واز صفتے تصفتے نقل سیکنندی ترجم پرجولوگ شعیس بین وہ ایک مال سے دو سرے حال میں اور ایک صفت سے دوسری صفت مین نقل کرتے ہین ۔ سری خاطرین آس عبارت کے معنی اس محلیون يداك كيسين جو توك كمتعين من مرتبه ولايت وارشا دمين دنياسي كرآخرت مين عاسة مين كالنافي المنزلانميونون ولكن فقيلون من واراك واراك مال سے دوسوے حال مين فقل كرتے مين اور لائت وارتحال موحب انقطاع انكر فنض وفائره كالنين سو لمكروب كك كروو دربشدست سكر مقيدين كمن مح كُوانكي فيفي رساني مين بوچ عوارون سيسرى گاه گاه فيتور واقع موليكين عبس وقت كراس قدرسير ايكل فلاص يا وبن ا ورعالم برزنع بين قدم ركه بين برائتيه أنكا فائده ا وضي الم واكسل موكا مبساكه سلطان ولد فرزند نزر گوارمولانا مبال الدین روی قدس سرمایش و فایت سکه و قت مرمرون سے که اگر وج ری ميرس بنرن سع مفارقت كررغ كروا ورنا اسيرست مكوكروب كمب ثلوارميان سے (نتكے كوك كام نبين كركتى بعدازان كم خدمت مولانا نے وہ من كماكسى نے اكن توكون سے مراقبه كا طابق بوجيا فرايا طريقيہ سارسے عراقبه كا بويم كرت بين نا درا در يي ستن سم كراً سكاحفظ د شوار سي كمونغي وا ثبات سكه طريق سيرسشنول مهنا ما بسيا اوركن مقيقت سے كرتم اعتقاد كيے مبوكرت ہو لمن جا جيے اور پيشير اس منبقت كرآپ سے طلب كرا پين طا

لراب باری وظیفه دل کا یا داند پیم بین نے آپ کا بیمن مولانا عبدالنفورعلیه الرحنه سے عص کی فروا کداگرا سے پیٹیتر مین میپین سننااس سے زیادہ آپ کی ملازست کرنا اور آپ کی نوت صحبت سرافسوس کمیا اور مب صبیر شنبه سوطوین مایخ میونی فاک باک طلب کی اورتیمیکیا اور اشارت سے نمازا واکی اور ملکوع آفتا كاوتيت تفاكدانغاس ننسيد آپ كے إور دِ آنے كلے اور اوقت ماشت يہ مالت رہى اوراس الناشيع تهم رکھتے تھے اورابیدا سفہ وم موڈا کھٹاکہ ائنچ کو بھری کوشش سے نسبت خوائکان قدس ا مسرارواجھ بر مشعين كميائمقا اورآب كرازناس نفنيه به سيم كلمه مهارك العد كأنكلتا تقاا دراس ومهيان بين اكميه صالح كه اس طریقه سے سناسبت اُسكوزیاد فتھی آپ سكے سا منے پٹھیاتھا آسنے میلاكركها لااكہ الا اصد لا الألا آپ نے دست مبارک سے اشارہ اُسکے بخرک طرب کیا کہ الاہد کہ وضربہت مولانا عبدالعفورسے علیالی والغغزان حاطر تند أسكوكها كدكلها لعدكهو أسن لبندكها العداك سأسة اسف البوس مهارك ساشات كى كرميى كله كمويين بدمقام لغى واثبات كالنين سح للكرمقام حرمت اثبات كاسح اسبيليع السركت موس نفس مبارك آب كامنقطع مبوكيا اور روز كيث نبهت رطوين ليبينه ك آب كى نغف كوضا إن يسكه اور خاص وعا م شهرا درگردنواح مرات سفصح است عبد کاه مین آب کے اوپرناز ا واکی اور تخت مزار وفت مولانا سعدالدين قدس مرو سكر قدسك بيجيع وفن كيا اور عار ميينے كى بعد اكب ايسى صورت واقع موليا کہ آ ہے کے بعض اصحاب نے احرارک اور آ ہے کودیا ن سے حفرت شیخ اسلام خوا ہے عبدالعدانعا کی قدس مروسكة والى مزارفا منفل الانوارس كازركا وسيكتُه اورأس ضطيع مين كرصفرت مولاناسفاليه واستطربنا يأعقا وفن كيا ا وربعض نبرركون سنداّتكى تا ريخ وفات مين يدقعه موزون كيا تخطئ فمينح رفكا که بودنه سخفاق + زیرهٔ عارفان روست زمین + کرو بردازانشیمن ماک + روح یکش با میطبین + مرشدهٔ عربود و الخشيس + زانغاقات ومركشت بهن + ترحم پرشینج روجی و تقاباستخاق + زِره عارفائيا دی و فاك كركموسي كركسي بروار + روح إك أسكي ما جليين + مرشد عصر تمتي بهي الريخ + بروكمي الغان تينين مق لهمّام بواجبين ذكر لمبقه نواجكان سلسلهٔ شريفي تشنبنديركا عفا قدس الدرار واسم العلير لعبراسكميّا مقاصدا وزفاتمهموعود كالثروع مهنا ببحبمين حفزت سكاتبا وامداوكرام داولا وواصحاب عنلام كااوم حفرت كراوال واطوارا ورخصاكل اورفضاكل ا درمعاره في اور اطالكما العركرامات اورفزار ولم عاماً اورانتفال وارتحال كا ذكر بوس

پیشده نرب کرمله مکایات واشال مقایق و دقایق سے که اُننادا وال مین حفرت سے بدواسبلمسمو موسلے اورد وسرے مقصد مین بایان موسلے تعظرے اس قبیل سے مین کرمفرت ا میرعبدالاول اور فاست

خواجه محدالتا مي رحمه النند

مهت مدوکا رمین مینفول ہوکہ ایک زاہمیون جسکا ذکرسلسله خوا دراحد لیبوی قدس سره ۱۰۰ آچکا ہوضب سیسنے کے سامنے گذرستے وقت وہان سکوکسی آدمی سے بوصا کہ پیشنج کو وفات کا یکنے ہوں گذریسے مین لوگو ن سنو کہا مبرازمانہ گذرا اور تاریخ یا دکی آمھیل آ تانے کہا کہ ٹرانی گھالس کا م میں نشین آتی بید کہن تھا کہ معجواسے ایک گھاس کا تنکا ہے۔ آکرامسکی آنکھ مین گرٹرا اور با بر نہ نکلا اور آنکھ مین خلش کی آئے جہ کہن تھا کہ معجواسے ایک گھاس کا تنکا ہے۔ آکرامسکی آنکھ مین گرٹرا اور با بر نہ نکلا اور آنکھ میں

استينج عمر ماغشاني رحمب إلنكه

موضع بإغشان سے مختے کہٰ اشکند کے مہار<sup>ا</sup> کے علیے سے ہوا ورم شیخ مبرا علی اوری حفرت سکے مین اورشین کی نسیست سولم واسطون شدعبدالبدین عمر بن انحطاب کومهرِ بینی م<sub>ی</sub>ردنسی ایستها عنها اوراصحاب بزرگ قطب الواصلين تنج مجذدب مبرب شيخ من لمغاري سند ننفه ادسين م شینج شم*س الدین مهمد را زی کے بین ا ور وہ مربدشیخ حسین سقا کے ا ور وہ مرببش*نع ابو النحیب سهزر کا كه ا وروه مريد شخ احمد غز الى سكه اوروه مريد شينے ابو كر أساج سكه ا در وى مريد شينے ابوالقاسم كا یک قدس العدار دواحم اونیسبت شیخ الوالقاسم کی حفرت رسالت نیزی المدالمب وسلم کی اس كماب كے شموع مين وارد موه كى سردا ورشينع حسن درانعل نيموان سند تنے كدا كيد تفسير مروف آذر بيا الا بواور ما يب أسكا خوا رئم عزام شرب تجاريس كقادر في المستن سن ميكيس سال كى عرمين كفار كم الله وشت **متبیات مین گرفتار مواا** و اِ سکوامسیرکریسگئے اور سات برس اُنگے در زیان را اور سن برن کے سن مین خارتي قومي سيعمشرون بيوا اورتوب وانابت ادرعا لم كاغرات وجوانب سيرل او بببت عدادا؛ ادر مشائنخ نزیرک کو د کمیها ورنوسال بلغارمین را او تئین سال نا رامین اوسیستانگیش برس کران مین ادر ، سالی داغه تبریزیین ریاس نزرهن اُسکا جبیها که اُسکاکها ت قد سیست معادم و تا بحترا نوشکه برگ بيواس كسدوا مسط كه آسنه فرايا ببركه مين عمين برس كى عمريين جذئه الهي سيهنشرف ببوا أوربين اكتطافيان كة قلب حضرت محددسول السدنسك السريليدوسلم مروا قع ببوابهون اور يجير كي السمين شكس ينين مع ا درجیس طرح کر آنحفرٹ کی عمر ترکیم مرس کی ہوئی آنو سال میری عمر *سائلی* ایندا روند برست آنہ جا کیے ركيم ميوسك أنسكي وفات شب ووسشينه بالكيدين ماه رسيح الاول مث يزميرسوا ثمنا نوسه مين الي الا اورة بربارك اسكى سرفاب تبريزيين بإدوراس تين سال كى مت مين كرحفزت شيخ حسن بخاييًا رسيعه مين خدست شيخ عمر إغستاني أكلي صحبت اور فدست مين رسيع ا دركما لات عاصل كي حفرت فريج عظة كرصب وين مولانا ميعقوم وجرطى كى ملازمست مين ميونج الوال مدا بوجها فرا يا كركها ن كا دين والأكم

مین نے کہا ولایت شاش کا کہا حضرت شیخ عمر با نمشانی سے بچھے کوئی کمب ت ہی جھے کھلا نرم الموم مواکر مہلی دفعہ مین اپنی ڈا بٹ شیخ کے سابھ ظامر کرون کھیں یا اور کہا میرے آبا مرمہ ومعتقدانس فانوا وہ کے سہیمین حکہ مولانا نے فرایا کہ 'خرت خواج بزرگ خواج بہا بالدین قدس سے ہ ایکے طریقیہ کے مفتقد تھے اور لیب ندکرتے تھے اور فرایا کرتے کہ اُسکے ماریقہ مین جذبہ استفامہ ت جمع کے ساتھ ہی تھے مولانا معقوب نے کہا کہ یہ احمی تعرب ہیں کسر استفرکہ بعد از جہور جذبہ ا ورا کسکے استعمال کے کہ عبارت نسبت و وقعیہ سے استفامت شریعیت میں ا وشوار سے ایسٹے کہ جاب خربہ کو استفامت میں موتی الامصنبوط آ ومی جمع کر کے میں سے مشرب

رنشحه حضرت فرايت يقط كه نتينج عمر تبري فرزنداسنيه خاوند ظهور كوكها كرسته كفطور لما نه دسوني منوس

ىنو دەنبومسلىكان مېرسى

رشی زیاتے عقے کہ کوئی شخص دور کے اِسندسے حفرت نیسنے عمرة رس سرہ کے ہاس آیا مخاکہ طرلقے حاصل کرسے فرایا جس موضع مین تو تھا مسجد ہیں کہ کھٹی پوچھا کہ احکا م سسلمانی جا نتا ہو کہا جا تتا ہوں کہا کہ تیرا بیان آیا بہفائرہ نہو عبا دیت کے ایکا ۔ سعارم ورجاسے عبادت معلیم بہ ہے جا اورشنغول ہو۔ ریشتی ہے۔ فراتے بیچے کہ بینے عربے فرایا ہو کہ مرید کے دل کو غیرسے فالی کرتا میون اورجاب احدیث کی ط<sup>ن</sup> ناظرکرتا ہون پر سبب کچے کرتا میون کسکین نرمین کرتا میون س

سنيني فأوند فهور رحمب الله

یہ فرزند بزرگوار حضرت شیخ عمرکے ہیں علوم طا ہرو باطن کے عالم تھے اور طل عاطفت اور ترسبت والع مشراب اسٹیے بین درجات عالیہ اپل والایت کوہو پنے ہیں اسکے با وجود صحبت بعض مشائخ ترک سے بہت فوائند حاصل کیے حضرت نے اسٹیرجا خواجر محدعلیہ الرحمۃ سیرفتل ڈرا فی ہم کہ اُتھون نے کہا شیخ خاوفر طہور ترکستان گئے ہیں ار بڑنکو زشیخ کے ساتھ کہ فائدان آنا بیسوی کے بزرگون سے تقصیب کھی اور اس سے فائد سے حاصل کیے ہیں جب اُسکے گھواکٹر سے شیخ نے کھانا کہا یا اور اسکی ضعیفہ سلطہ بھی جوفریت میں کہ ہوتا سے تعلق رکھتے ہیں اُش کا پہانا اور روقی بنانی وہ بیرکام کم تی تنکوز شیخ اسٹی لفس سے ایش پہانے اسٹی کہلا تھا آگ بغین طبقی تھی اور شیخ اپنا سرحو بسطے اور اکھ کے قریب لیجا کا اپنام کوسلے کہ آگ جلیمنو پیا آگ اور ایک لات شیخ کے مرسر چڑی اسطے سے کہ اُسکا سرا ور ڈوافرھی راکھ میں آکو وہ مہوکئی شیخے نے اُسکا سے شیخ کے اور ایک لات شیخ کے مرسر چڑی اسطے سے کہ اُسکا سرا ور ڈوافرھی راکھ میں آکو وہ مہوکئی شیخے نے اُسکا سے اُسکا سے اور اُلی کھانا کھا نے سے تا موافقات اور مشکلات شیخ خاتم

اُسکا آپ کے نزد کیا لیسندمرہ نہ تھا اور یاریا آسکی دد ؛ کرنیکی فکرمین ہوئے گروہ احرار کرا اورا نکے پاس سيخيين مإتااه رتركستان سكرسفوين كلجى وه سائقه را بعد حيندروز سيمك كه فبنح فاوندفلو رني تنكوز شنح سيمين كمير ا واستنا ده اور کهت غاضه کمیآ آخر بین ننگور شیخ نه انسه که اگه مرد نالهی تعقاری محبت می منا سب بنین جم ا در کها که مین کل خصت کے وقت اُسکو بریہ دو گئاتم اُسکے مرتمبرکوئس میر میسے معلوم کروگے دوسے دن کهشیخ خادندفلورهلنے کو تبارموسکے منکوزشیخ نے تبراکیا اینے ایک، دف بزرگ سے زر<mark>وشین</mark>ے محرفلوی کو دیااڈ استکیتول کرسنی مین ترد د کرّا عفاشنیج فاوندظه برند نرایا که تبراک شیخ کی تربسرک بیسیده مکست نهوگی نبول کا امریکه به رقبول کیا ورشینی خاوند طه در نجار اک طردنه سطیه صبب آس مقام مریز دینی که وورا به عقا ایک خوازم كميا عنا ا وراكيب بني راكويشنج خا وندخهو بينه آسكوكها بها بري بهجيد يتمهمارسه سأتهرآ مند ونهين يتجعمين ماييح ك فوارزيم كى طرفت جاك ا ورامسطوت روانه لسسے كرويا ا دربئو د نجا راكى جاسنب منتوج موسكه اوراش سنے مهد ما که تنگلوزشین کا برید اشاره اسکا بر که ترسیار) نیز نا قنس العقل اومی جمع میوسیکی میبید تیراک کی آواز ل*شِیکه انگیاین ا درسیدعقل جمع مهومات مین اورایسایی بواگ دسب ده خوارزم گیا سیفید ما بل اورهوا لمانیا* اکسکے پاس ایکھے میوسئے ا دراکسکے مرید میوسک اس سلسلہ کے دبیش عزیزون سے قدس ا درار واحیم سنانج كه حبب مشكور شينج سنے فلوت مين وقائع اورمشكلات شينج فا وندظ ورسك وال سكے بين آپ سفركما يونجهي د و سری شکل سیاری حل کرو که با وجو د کما دات معنوی ا درعلوم دیږی سکے مہ کسیا تھل بھا کہ اپنی مشکوہ سکے ظلم مرآب نے کیا اوراسکوسیدا دہی مرنر چھڑ کا ٹینے سنے کہا کہ عامیسے سلیے ان علوم ا دراحوال کا فلمورا سے برگرسم والمون کی مینا کا تھل ا دراسپیسسبدکرستے مین -مِسْتِحةً معفرت نے فرمایا ہم کہ شیخے ما و ند قلبور کی تصنیفات طربتی صوفیہ میں ہم اپنے ایک رسالہ پیکھا سر که توصیه کے معنی مگانه کرنا بران کاشه دات کی عبا دت سے لیے سج ا ور بگانه کرنے دل کا صطرات سے عبود سكه ليے ودينرحت وامديبي ا ورقوعيد وا مدكى مجال ہے حبيبا كركها گياسيت ما وحد الوا حدسن واحسد 4 ا ذکل من وحدہ جاحدہ مرحمہ کسی ایک سنے واحد کی توصیابنین کی اسوائسطے کہ ہراکیب واحد کی تھید سے سنگریور رستی نی من فرای برکه جا دشمن سے ول کوشها و وست کے طلب کرنے کی کمیا حاجت برا اورآ ب کے عارمعار ن کے مفہمون سکے مبت مین اور حضرت کیجی کھیں معاریت اور لطاکھٹ کے مباین میں کھیے انمنین سے بڑھا کرتے از اِنجلہ میڈینون مین ا س**ا**ت نگا ہان و وطثیم است مشرد لداری ، نگام ارتفاد نوخ و کرانگا بل سبا دکرشیش کیشیم تونگزد + درون حثیم تومبیرخیال اعبا رست به کما سست در بهرعالم حیان سرندایی

غواجه دا ۇ درجمدالىدتعاك

یہ بینے فاہ ندخہورسے فرز ندمین اور والدہ حفرت کی خواجہ دا وکوکی صاحرا دی اسنے آیا وکرام کی طرف سيمسد يمتين سا ورشيخ خا وندطهوريك والانجبي طبقه سادات سيد يخفيه ورخوام واؤدعليه الرحمه ص آیات وکرامات اور مالک خوارت عادات تصیمنفول میوکه جب حضرت خواجه محد بارسا قدس ولاست اندجان سيسمرقندكو سكيسين انبي اكيشخس خاص كوشاش كى راه سيرخواج واكرد كم يس سفرحماز کے استخارہ کو پھیچا ہمتا صب وہ قاصداً لٹی پھیرا خواجہ دا وکوسنے آسے ایک توسنین لومڑی کی کی اور صفرت نواح بمحد بارسا کے بیے تبرتسیند (کاشنے اور کھوٹر نے کا اور ار بھیے اتفاق سے آن و نون سوا بهت گرده تی اس قاصدی فاطرمین گذرا که بیرکها وقت انعام بیستین کا بی میرسوچاکدا ولها دانشک کا مرکمست کسیے فالی تغیبن حب نیرتمشید حفرت خواج کے سامنے لاکے فرایا کہ اسے احیی طرح رکھ تحیورہ کہ اسٹیے اندرخصی بات مہوگی کہتے ہین کدسبب حفرت خواجہ کرمدینپرصفر*یت رسول مقبول <u>صل</u>ے ا*می*د ما* وسلدمن موت آئ قرکھ دینے کا اوزار تھامس نپرنسٹیرسے قبرہ بارک آپ کی کھودی ہوا وراُتھام بو جو پیکستین *دی هی اتفا ن ایسا مبوا که راسته مین بهت جاشا شرا که اگروه نی*ستین منهوتی تو *قاصد مرجا بآام* دن عکمت بیرستین دینچرکی ا*شده ظاهر بیوگی سه حفرت سیرعبدالاو*ل قد*ش مسسره شفر اینپسسه و ما*یت مین لکیما ہو کہ اخرعشرہ ذلفتی مشششہ آٹھ سوا تھاسی مین حضرت ناشکندمین صفرت بینے خاوندناہور مزار مرسقه لوگون نے بوٹیما کہ حضرت شنح کے انتقال کو مکتے مہیں میدئے میں مسند ایاکنٹیسٹی سال بیوگے کنوا وا ُودِ کا انتقال مبوا آب اُسوقت سات برس کے نقطے اور خواجہ و اور کی م*دبت عمر عیتر سال بھی حیا بخ*اس ال أنْ الله المناسي من الكيب سؤستا مئيس برس وسفر

یا با بر آسریش رحمه است که است می این در می است که می این در می این می این می این می این می می می می می می می می صفرت عمر باغستانی کے میسے اصحاب سے مین اور جائیہ عظیم اُنگو می اُسٹ پوجیا کر تھی آسر نرکیوں کہتے ہی ا فرمایا که صب مق سبحاند روزازل مین آ و م کی مثی گونده تمایت مین اس بنی بر با بی گرانا حفااً س روز سند آبرز میرالقب کردیا وه است را و جذبه اور فلای خد مهین حب کیجی سد ، را ه شیخته اثرکون لیایی فرابا و آنیکه بی سیم میرکهای بناشد ا ورامک بیراسی مین سعه مرا کای کی طرف میشنگته اُربون شده ه گراه او مرحابا سرکته بهن اُسکی ایک گلے متنی که کمجی اُسپرکوئی چزلا و کولطه و ایسانی خربا به شانی سرکه باس او می بغیز شیئه اورا کے بیمین کمی کومیال تعرف نرتی وه کارائیلی مانی اورائی اورکوئی اُسکونیین با نمتنا

الشيخ برايان الدين أبر نرجم إدسه تعالى

به بابا را برنزگی اولا د ا وراحفا وسیر مین وه بی حذبه قوی رینکنه نخته اور ما ما مایین کے مرمیہ جوانک مزرکانیس کے تقعے ولاسیت شاش مین آسکے اور اشکندمین سکونت کی حضرت نے فرا یا کہ ہی و فعہ جوحفرت س تیرنری قدس مروسم قندمین آئے مین تنیخ بران الدین انکی اماقات کو گئے اتفاقا - غرب سب میارزانو پیپئے <u>نظمة اوراصحاب حميع سقة متتنيح بريل</u>ان الدين كواس قسيم كي نشست أ<u>نسه</u> خوش ندّا في كماتم شيخ مهوصب تم حايه زا نو بنيموكة تومريتمهارب سوننيكالسبى لشسيتجينين مناسبهنين سجا وراس بإبهين مبت سبابغركيا غزينس **کے اصحاب استفیے کخیشونت بیش اُسے اور**اکھون سنے اپنا مسابغہ نہتیوٹرا جب کک کہضرت سسبدکود وثرا لڈ ے ساعت بعد حفرت سید طہارت فا نرمین کئے اور برطرف سیے اصیٰ ب جیسے میرمخدوم اور ھا نظاسوں سا وغير فه شيخ مريان سه تعرض كهذا شروع كها اوشكل باتين توحيد كي انسه توحين انهون نه كهالين به ابتدين ملأة استقدر جانتا مبولع مفرت سيدكا بإغبان تين روزمين مرياسي أسيكه بعد مفرت سيدكو فالبح كاعارضه مبوكا اورأستكس سے اقعے اوربابچ اَکے حب حفرت سید طیارت فانہ سے اِبراکے بی بیاکہ بیغ نزکہا ن گیا یارون نے قعہ کہسنایا اور صفرت سیدنے اُنکوتوض سرملاست کی حبب تین روزاس سحبت، سرگذرے با بنیان مرکمیا اوران حیندروز میں میواندایت گرم تھی حفرت سیدگری کے دفع کے سلیے ایک بخ وان میں آسکہ اورسورسے دہیں ہدار می<sup>سائے</sup> فی الفور فالج انبرگرا اس سیعیب سے حضرت سیرشینی بر بان کے ساتھ رنیا زمیندی اورجسن عقیدہ کے مقام بھیا گ تېرىيەرىدە دوزەينەسىرمەرى كوانيا دىينەرسىرمەرسى سفىيەشىنى بريان كەلىيە ئىيىچەتە قىھەمىنەت فرياتە تىھە كەدەرى كا جوسيد قاسم سمر قُنِد مين آك مقص مين شِنْع بريل أن كو ٱسكه پاس ليكسيا ول منين بيجانا مين نے كها آكى الا فات آيا سع بيحك كمنشيرك بالشنذه بين اورسيشنح برالان الدين ائكا نا م موصفرت سيدشاه ي نا وربير و نسيرمعدا فوكما ا *در روسهٔ استطیعه فرا یا ک*رمین قاصی زا و ه روم سیرتمها را حال مبدئت دریا فت کرنا مختا اور*آعنو*ن سفه کوئی مجا نرا إوريين ففتمناريه مال سركو خرزما في كفي الحدلد كريمكوسلاست إيا معفرت فرات تحف كرحضرت سي

نیشنی بران سدلات کھا کے موسلے تھے۔ اور مابر ما آپ فرماستے عقے کہ تینے برطان الدین سے مین نے سناہ کہ کھنے تھے اُڈا ب بین کھانا کھا نے کے کھام کہ اُنتہاروسٹرفوا ن پرکرنٹے کوئی کمروسفیے جاہیے کہ گودسے کی ٹم می کوسخی سسے رکالی اور روٹی پرندا رو

الشيخ الوسعب الزيزرج العداعالي

يرنبى بايا آير يزسك بوتون مين سيد مبين ا ورشيخ بريان الدبين أسنكه نا نايين الوسب كرشينجان مشهولة محاكفشيرين بليخت تتع بزرگ ومجذوب تشئ اورست فيما لاهوال حفرت أسنكه مبت معتقد محق وروه حفرت سيكمال اظلاص ا ورآ واب رکھتے اورحظرت کی لمازیرت کرنے مولانامحد فاصنی نے کہ حضرت کے خاو مال به خبول سے ميل ورتسير مقصدين وكرائكا أيكاكما بسلسلة العارفين من كدنياده أسكا احترت وكرشا كل اورتا یں ہولکھا ہوگدامک بائیمفندین طبری وبامبیلی ا ورحفرت کوح مین وشست عباس گئے اور سے جوسے عباس کے کنارہ منبیجے اور آس حوالی مین تما مرزراعت شیخ ابوسعیت کی تقی او پختگی کے قربیبہ آ بیٹی مدام صفرت کی بت بین آستے عابتی ا وکیمی ا بینی صیعتی کی طرف نظرند دا بی ا وراسٹیے متعلقا ن سیکولیتی کی طرف بخانودیا كم تسكي ه نبط وحمية كا استمام كرب برحند حذرت في فرا باكد كيتني سكه كام كليج مين شغول و ورسم ارسه آسكم إُس شغل كا بإرج مكرو الثرينوا و دراصلاكليني كهطرت رنح مذكها آخر كاريارُون كي اكب جت- فيه: رت كم فراسفه ستعرشنح كاغله در وكسيا وروانه ثكالاا ورنتينح سكه ليخبي دياحفرت فراسف عظف كالوسعيد الدايينين ہے کہ اس ماصلات کے جاتے رہنے سے مفائقہ ٹکریے لیکن اسوج سے کہ کما ل ا د مراح رام کرتا تھا ا را و کیا ۔ ا در اُسی کُتاب مین تکھا کھٹنے ابوسعید کے مرنے مین حضرت سفے فرایا کہ خوارا لدین علی دوانی عليه الرسيكي نوت مين خواجه الونصر مل ساقدس سروسنه وعظكما سي اور فرايا كه خواجه علاين سياست سسلم تقے اور سم اُنکی صابت اور برکت وہمیت مین رہے ایسے جوا رحمت اکسی میں گئے توہ علیہ پی سیسے الو بهی سخ رساسهایدا ورس تنعقار کرسند والون سے تقے اور صب کیک کداکے جاعب منعفا رموبلا اورعذاب وورببي ستنفاره أنهين تبحكه كوني زبان ساستنفه الديكه للكط بسيح كهتما مؤوعل أسكمون مغفرت بون اور بيغززكه بمرمين ستدكي اسي تبيل سع عقا المدر تسعين الغيوس ابوسويري ک و فات سی شراع اسو در انوسه مین مبولی ا ورضب کونشیر ا ماطر مین ی

به درولیش نانوا ده شیخ عمر باغت الی کے قرائبیون سے محصاصب جذبات واحوالیده معزت فرناتے مجھے کرمہلی برجومین سفوسم قندسے مرات کا ارا دہ کسا خدمت مولانا سعا کا شعزی قد

رو خود منه الراسية و الدس مع ميلية الذي براسية ما الماسية الم

رسط ند سندام بزرگوارسید بین اورحفرت سکرای مولای بی الدین سکر بوتون رسد کنده اور آ اسنچ زیانه سکرانسی مین اورعلوم ظاہر وباطن سکرعا کم اور کمال اعتبار اور ومرع اور فقر اوراد ا فایید اور کرانات ظاہرہ مین معرومت فقے

ر شیخه من المحد بارسا قدس ا مدر مره سند مسورهٔ لیسین کی تغند بیرسک شروع بین ما شد پر تکمنگام که مولانا آلی ااور بخی رحمدا مدر سند که وحت قرآن مین فرایا یه که حق که وحت ما دوت حفنور قلب سیسے ترجهٔ ایچ سائن فشکه اور قبول امرکهٔ یا اور بازر مینا امنا بنی سند ا ور عبرت ماصل که یا قصون اورشکون سند اور مسرت است اور غم وگری عذاب کی وصید سند مبوید

مولانا محدلشاغ ي رحمب إيسر

فعبد بشاغ کوولایت سمرقندسے آثر بورب میں ایک طرا گانون ہو اور فشرسے بیٹیل سل ہو نقد ہے۔ مولانا اپنے وق بزرگ بخے علوم ظاہر اوراس گروہ سکے علوم سکے عالم فرصفیقت اولیسی تنفی اور بی م ورزیش شرلعیت اور سابعت سنت کے علوم باطنی آئیر کمشد ف اور ارباب ولایت کے احوال و مقا ات میسر پوسے اور بیفد مت مولانا تاج الدین درغمی کے قرانتیون سے مہن اور حضرت ٹواجہ محر ایرسا قدیس مقا انکو دکھیا ہی حضرت فراتے تھے کہ مولانا محد نشیاغ می سے مجھے قراست بوا سط مولانا تاج الدین غمی کے ہم جمہما الس

خواجه ابراميم شانعي رحمه اسر

فواج عماد الملك رحمسرا ميد

خاد عماد الملک ایک شیخ بور مین فاضل کامل اورهاجی حربین اورشد طانحال که صفرت کی تمبسیوانی معلی می خربین اورشد طانحال که صفرت کی تمبسیوانی معدی تحقیق و ناشکند آئے تھے اورشد کو تا بیسے میں معین فرات بمیت گذری تھی اور خدمت گارسب چلے گئے اور سور بربین اورا کی ایرکا انکے سائے رہے گئے اور بین چیوان قامید تجھے ذکتی کہ است دو ہے گئے اور بین چیوان قامید تجھے ذکتی کہ است دو ہے گئے اور بین می کا بات کہ تھے اور بین میکا از انجاز خواج عماد الملک نے بینی فرایا کہ سب احوال اور مواجد سے ستفاست به ترجی بهتر اور محبوب تربیح میں ہو بہت باتھ است بات برجی میں استفاست دو ہے کا سنتھا است نرصر کر است به ترجی الی میں میں میں میں میں میں میں میں میں اور ان میں اور ایک عزیز مشائح کی میں میں میں میں میں میں میں میں میں اور ایک میں استفاس میں اور ایک میں اور اور اور ان میں اس میں میں میں دادی کی فرانے میے کواوائل میں اس

شان کے مولانا میسا فرسکے مساتھ شا ہونیہ ہیں ہم جرہ تھا ایک وفت مولانا مسافرولا بیت نِر مين آئے تھے فرمایا كه آس زماند ميركي فركدت مين سم شف فواجه عاد الملك جمارے پاس البيف تھے اورالتماس كي كا له أنكومين طريقة تبلائون ميمن كماكها ول تعرد جود معنوى سيدا كرو أستكه اجدسم طريقية تبلا تبينك اورتين روزكي تحقین مملت بسیمین خدمت خوا حبیما دالملک نے تین روز بعد کی کمدا یمنے بھی کھ کھا حضرت نے فرمایا کہ مين ف سولانا مسا فرست كها ك تعبب بي خدمت عاد الملك ف تنين كها كه بكو وجود معنوى عصل بيمولانام نے کہ اکہ وج دمعنوی کیا ہوبین سنے جانا کہ وج دمعنوی جمولان مسا فرکھتے ہیں وج دمعنوی صطایر منین ہوبین که کدوجودمعنوی وه مهرکه طالب وجودم حنوبی سی سولان سسا فرند تعجب کسیا کدا ورکها رکینتے مبوکہ سیاری سحبت بیب نظافت ا در اگا ہی البیبی باتون کی تمکو کیسے داصل مرفعتی موجعفرت نے فرما یا سولانا سدا فرمنین جا تقه كه مهم أتسكر قبيل از صحبت ا ورملاقات أنكي جانت - تظوانهني كلاسه- بوتشيده مهوكه و جودمعنو على طلاح برقدس المدرار واحم عبارت ولاءت نانيه سي بحكومه سالك كابهر آنارهم طببعت ادراً سكا احكام سے ہوجبیها که حفرت میسے علید السلام سفرایا کہ سرگز ملکوت آسمان مین ونشخص نہ و اخل مہو کا جود و مرتب بدانهين مبواا ورينبخص وجودمعنوي سيه بانيمعني كه ندكور موسه مشيث مبوا مبومرًا عُنيه أسكوحا حبت أسكي نہوگی کہ کسی سے طریقہ کے سیمانس وجود معنوی اس محل مین محمول اُسیر برگوگا کہ طالب ایس و ہو ڈبانی کا ہواو ض جطالب وجود مبوا اس سبب سنته مرکواس وجود کے نورست ایک اثر اُسیر حیکالس محاراً کرسکتین له آسکویه و حددمعنوی ماصل سح اور اصدرانا ترسی- ، کیب برنیرگ حضرت کیجیر پریمجانیکون سے اُس زما ہین ناشكىندىسىيە آئے بىنچەكىكى سامىغ پەتۇلەدا قرا ياكەكىخرالامرمون، سسا فرىك نواچ بما د الىلگىپ كوطرلىقە تىلايا بجا درخت نواج مرمدان مولانات متعال سلسله كرحفرات سيد سناً كميا كه فرايا بخارا مين الكيب بيرس ن ومكيمة الله مولانا مسافیست وه کت مخاصفریت مهلانه نفاست او پیلمادیت لیاس اورتها م آ دار پنترلوت اویلیقیت مین بثيرى احتياطا وكركمال ابتمام ركين عقد ابكيب روزُ أسكه بإس مين مثيبا نفاكه الكيب وكمرز ووكوشيب موسفة آرگ کرلایا آپ نے مبد*از کیٹ انبطه آنس سند کها که ان کثیرد ن کو میر با*نی مین غوطه *دیسے اورخ*رب مل ماکزانچ ہ موجا پئن کدمیری خاطرین ترو د مبوا سج رنگر مز بولامخدوم می*رسد ژناب ا* ورطرا وریت انسکی مریا د مهو**مانگ**ی او مميري محنت ورتيج باطل بوكا آپ نه انداركيا و، مرديا جارسوا آنها ورکڙون کولسکيا اورسولانا مراقبه میری خاطرین اعترامن به پیام واکدا مک به پیاره نه درمفت تکلیون آنشا کی خرب زنگا ورحاخرلا ماکوکی سخآ ظائرتنين يدهام مباتغه كيسليه بتفاجه ولاناسفه كميا آخركووه خطره ووركسا اورين كمتي مراقب سوكسا اورآنكه مبذك الني ميان من تجير فليست مبولي وكيها كرامكيد، راسته مين جانا برون ا ورميرك أكم أركم مولا كا جانفين اميامك

ایک بهت بلند بهاطر جنین آیا اسکی راه بهت تاریک اور داریکیدی از نا میمواریمی مولانا کو دکمیناکدانس بهتئیم کید ب به تخلفت او برجابی بین اور ثبت تیز کرشفه واقع جانور کی طبح بپروازیکی جاسته مین مین بطری محنت سندا که به معرب م صعیف کنگ سک مشل گربا انتخشا او برجانا بهوان اور جو قدم برگانا بهوان توق به که مین گرااور بگرشد منگرشت بروگیا که بهرشدیار معجا اور اسی کے قریب مولانی نظیمی مراطها یا اور فرایا ای فلای سم اگر دیلی خت اور طها ریت لباس کشام مام مورمین احتساط ملینج نکوین اسلید او سینجه بهاژا ور راه تنگ و نا ریک بین مدیسا توسف و محین آسانی

غواجيتها كبالدين شاستي رحمه السد

برعظرت کے خدامجد ہین صاحب آیات وکرایات اوراج! ال دربوا بسیر میڈین اور بحیرو میں اوگوائ ت *رسطَّت اوراکثر بزرا عست مین ا والیمی تجارت مین مشن*ول *دسینے اور انعلب ایسا سیا ب*کا سفرون مین مدر قدسکے بابند ندیتھے اور تنہا سفرکیا کرتے اگر کہمی را نرِن اُنکاراستہ روسکتے بلندآ ہ سے مجاوبوں کا ایکیٹ ایکٹ نا مر لینتے اور مدوکو بلا تئے نور آ وہ جماعت حا خرموتی ا وراً نکو فیع کرتی " مداً تک سلامت أتروا ديتي اورأبك ووكرسك سقع ايك فواجهمد وورس فوادم ممود كرصفرت كوالهامدين منفقول سوكة حبب نواح بهثنهاب الدين كى و فات قربب بهويني النبير شيسه بيطي نواحه محد سعه كها كدا نبع فزرندهم لا و که آنکود داع کرون ا در نواح محد که دوسطے تھے خواج اسحاق ا در نواج مسعود و ونون کولا کے خواص تنهاب الدین نے اُنیر مهرانی کی اور فرما یا کیمی بیٹے تیرے ہیت پراٹیان اور سرگزان میو سیکے خصوص سعود بب أنسكي سركرداني كاخواجه اسحاق موكا اور يعض ناليت ديده اوصات أنسه كه زان معدخرا ومية حفرت کے والدست بو فواج محد کے جھو سے بھائی تفیے کہا توبھی اینا فرزند لا اور حفرت اکسوفت بہت عیج تقد حفرت کو دکیب فرفد مین لبیبیش کرده کے جدن ہی خواص شہبا ب الدین کی نظرآپ پر پڑی میٹرار سوکٹ كرمجيع أتفائح أنكوأتها بالتسوقت حضرت كوانبي كودمين تجعلايا وسدانيا منعرأ يحي تمام اعفا سيلكرم رد کے اور فرایا وہ فرزند کرمین نانگتا تھا ہے ہوا فسوس کراسکے ظہورسکے وقت مین منونگا اور اِسکے تعرفا عالم مین ندد کمیونگا ترسیب زمانه بوکه بدنسیرها امکیرموا و برشه بعیت کورواج دسته اوسطالقیت کورون تیجیجی سلاطین زمانداسکی اطاعت کرین اور آسیکی امروینی میرداحنی میون اورجو کام آس سعے ظاہر موسکے میں تشہر مشائخ بزرگ من نبورت بوشک ورصیفدر و کوشده عدا خرنک حفرت برگذرا بوسب ایک کی مجلة ظامركيا اور ابكيار دوسري مرتبهشتما نيا صفريت سيكه تشام اعضا يرالما ي خواج محبود سيك حواله كميا ا وم أنكو وصيتت كى كرميريداس فرزندك حفاظت كرزا ورائسكى ترسبت مبسيى كرجا جيه بجالانا مبدازان فوامجه

کیطوٹ منچ پھیرا اورسٹ را ماکی پھیج بنا کہ باپ نے سرے فرزندون پر نوازش اسقدرمنین کی اور فرز ندمجو د کوست نوازا ہم کیا کر پسکتے ہیں ترسے فرزندہ بن کواس فسم کا کیا اور فر زندمجود کواس قسم کا دُلک تقدیرالغززالحکیم بھٹے پیم تقدیرالدوزر حکم سے والے علیم کی مین کہا کیون

فواجهم ممدشاشي رطمب را ملكه

ترجير رشيات أردو

ل دوم حضرت کی تاریخ ولادت او طفولت \_ ا ورا خلات آ و راط وارسکے ڈکر ٹین وانسح مرد کرصفرت کی میدائش یا ہر رمضان کنٹ پڑا تھے سوچین بيولى بعض عزر جوصفرت سے تراب تربيب كيت تھے إن آپ، كر جج بدر برماني سقے فرماتے تھے كرولادت کے بعد سب تک والدہ آپ کی نفاس سے پاک ہنین ہوسکن اور شسل ہنین کیا حفرت نے پہنا ہے آگئیں لی اور جالیس دن اُنکا دود د پنین بیا اور صفرت فرات محت کرمین ایک سال کا مفالوگون نے ما یا کہ میرا موندین تواکیب جنبن کیا بخدا که اجانکسد امیرتمیورکی وفات کی خراز می اورلوگ بریم دریم موسکے مینانچہ کھیا نا و رکایا عقالسیکو فرصت نعولی کدائے کھاوین وکین مالی بن اور میار برطے داکھ اور اس زاند مین آسے آنا ونررك انعستان مين رست تحص حضرت كزمانه صغرسن سيرة أمار رمشد وسعاوت ورانوار مبول عناية ح سبما نزیشانی مین روشن ا ور میومدا تقیمهان تک که صبی نطات کے جمال مب ارک مرثرتی به اختیارسراه که و عا دیتا مبعث ستا وخط تراخوانده و ثناگفیته به نوستندروی ترا و بده و و عاگفیته پیش مبیت ستاره ن رهیمت ایتر انعطاماً سکی مرح کی اُسنے به فرشنتے نے تراشنج و کھیکراً سنے و عامین وین به حفرت کی جارسال کی عمرسے نسبت اُگاہی بجاب مق سبحانہ ماصل تقی سفواتے منے کہ ایکین مین آمدون<sup>ی</sup> کمشب کی معجهے تنی میادل سب دقت حق سبحانہ سے ماخرا وراً گاہ رمتیا تھا ا دراس زمانہ مین میرعقیدہ ایسائتا کہ ونيا كرسسب آدمى جهوسة بطرسداسى طرح بربين اكميا رأس زانهين مارست كاموسم تفالك صحابين إفكان ولسل من جآنار بإد ورجهة مرسد إلوك سنة كل كئة اورولدل من ركيته اوربعوا ببت عُسَندُى فتى اورجيدٍ ك لکالے تک ففلت عارض موئی اورنسبت آگاہی سے بازر بانے الحال اپنے کومین نے ملامت کی اب<del>رت</del> مريدا وبرا نزرا بيانيمين مشدت سدرو ف لكاأسك قرب اكب گذوار كا غلام بيل عبلا اعتامين شانيه ول بين كهاكه بي خلام ومبقال با وحديثنغل بل جلانے اور زمين جوشتے سكانسبت آگا ہى يې سبحانسسے خا فل ينين ہو توا مشغولى بين غافل مبوكيا ورم إكمان أس سن مين متفاكرسب كوسب مالت مين يرنسبت ماصل مي سعفرت فراسك من كرصب مك بين مدبوع مشسرى كوينين بهوي ايرنبانا كداً دسيون كوغفلت ميوتى سي فدست معولانا صعفرعلیہ الرحمنہ کرحفرت کے طریب اصحاب سے تھے اور تعبیرے مقصدین آنکا ذکر الٹیکا کھتے ہتے کرحفرت فرلمتے یقتے کہ مین بارد برس کا متعا اورنہمین جانتا تفاکہ کوئی تھی حرسبی ندسے فافل ہوتا ہے محیجہ کمیان متکا کہ حرسبیا نہ شفاتنا مظفست كواس طوركا ببداكيا بحكمس سع خاخل نربين أسيك مبد دريا فنت بواكدوه عنايت وبحتي يحت جاز لى طروت سنداجغنون سنختص بي ا وراعفنوان كويېرى رياصنت ا وييمنت سند ده مرتز پمسيريوا سي ورمعفنول لهيون واحذوت فراوبحداسمات سصر جرحفرت كتلجيب عبيائى بين منعتول يجكفوا تبقيطهم اوثمام اطفال

صفرس مین مرحند جاستے کہ حفرت کو اچھے کا مرا وطبیل مین جو آگین کا آیا آیا تکا نین مرکز مسد بنوااول ية كمنشغول أسمين موسيك سبيه أسكا دندن أأتويناً ، ما . نيرار سونيه أنمن عني م تنے۔ بعضرت قرار تدیجة کر ترکین میں تتینع ایو کی قربال شاشی کے مزار سر نواب میں \* فرت میں یہ المال سن نے وہ کیچا کہ آپ کھڑے میں تاہیں تشکیے قدمبون این گرائے آئی ہے ۔ نے میرا سرفا کہ سے این یا اور فرایا کہ غم ت کها که مهر شری شریبیت کرینیکه اسکی قعبر رسه زمین نیان نیانی این نیاد . یا بران منه کهی تعبیرطب . سنته کی سیفظه طب مجیے مالعل موگا ورائسیرمین رائنی نه ان اسکا بوار به مین نے دیا ہم ماری تعبیر سرے بسند بنسی آنی مين نيده وسرى تعبيركى سيرا وروه بيرسي كمة شريت هبية الدالهام، شت، احها كرونطه بين كرده ل إسهابيب شاكم غامرمو کتیمین کدوه اس زماندمین تلیسوی الهنسدر و او چیب آب شدمیری تعین از اختیار کی تواس نقر مین صفت ا حیا مرفلو سب مرده کی حاصل مو کی - ۱۰۰۰ نه یک کن<sup>ی از</sup>ی «منه اجه» با این امس انجی*ر کافق می*جاشم الىيى قۇرىت دورھالىت سىمىشى*ت كىيا كەرىپىغى خ*لەر ئان تەسۇرا دىزېت. اڭساغالىك سەن ميويني فرات من كرمين في ابتدارهال مين خواب وكي أرحاب. جاعت اصحاب وغيريم كسائم الك بهت لمنديدالله كيني كليسه بإين البالك يجر الشاره كما كمرا اور بجيداً عُما اول سيار سكا وبرنسياس آنحفرت كوكرون ليكراه رنسكها ادرأس بهازاً ويي يرسونها ويا التحضرت صله المدعليه وسلم سنه تعربين كي اوركداين جائمة بالنقال بيج. سكى قوت بي الأسيكام بتصييبتوا يج لسکین میں نے جایا کدا ورہی جانین ۔ فرات تھ نشزہ سے میں مفریشہ فوا بینو بڑا۔ نواہیہ بہا والدین قریک معا ما شب فواب مين وكيمها كه وه آسكه اورميرس بالمن مين تعرف كميا خيانيها أون سيب مست مويسكه ازان روانه موسكة او بين بسراطيع موسكا رون ذوا حيك بهونجانتي الودولياكه سبارك مواو فراستة تنهی که اس واقعه که بی نیدوت نواونجی بایسا قدس سره کو نواب مین و<sup>نک</sup>ه از آنهون ایم بی جا یا که محبهین تعرف کرد لرنه كرستك نرات مع محد كدا كب بير متحالف بيك كى درگاه كايد اول بعني منزك تقيمكه توكون كومنزل سكم سليه أدات حقاد ورنكر ما ن اراكر السنداكي ون مانشكند مين سيفام البياكر شينج زا وسيد مزارين جمع مهون گرانکی ملاقا شاکراً ، بون سب میع میوست ده شره آدمی فقد اور مین سب سندمیده ما تها دسب ده بساول آیا حبر کسی سے مصافحہ اورمعانقہ کیا اُسکواکی کیف<sup>ی</sup>ت مہوائی کہ 'برگرمرا حبب محصے مصافحہ کہا مجھے میکیفیت بهواکی کرمین سنه تیزوستی کی اوراس سے لیٹ گہا درنہ اوا چیستی بری آسے سبت لیند آئی اور محتیط با وجود يكرمين سب مين حيوم عنا مجه سب برمقدم كيا إلى بن ميرى طرف برخ كيا اس درميان من لوكون كوبي خطره كذرا كدبا وحود تعرف اوراستثيلاسكه ليركياكا مهوكه وتكواضتيا ركياسي أسيداس خطره كميشرا

فند تفا اوركسيطرت كشاليش نهوتى عنى آخركواسنيدول كا درد فواجه مسع عرض كيا - فرايا كه تخيف سلاطين كى وركا مین کو کُی خدمت لینی جا سیمیے که تیری مدور وزگا رمنطلومان کو مهیو مخے سیے نسب مجھے اس شغل کا شارہ فرایا او امرسعيد كوجومرزاس الغ بركسك امراسته بخناسفارش كى اورمجيع وصيست كى كهم شيرسلما نون كى كفايت بهما دورساکین دفقه اگی ۱۰۱ ومین بری کوشش کرنا اورکسی سلمان کو اگرخروری کام شیس آوس که اسکرانعوای ستند توعا جزمو عاسبنندكه أداستك غمهين رسبه ا وراسني كو ملول ركھے اور ملاست ملى ملين توسو عاسكة مهيم مبوکہ بیر معاملہ آخر کو فتح ت*اب ہیونیائے بورازان حفرت فواجہ کے فرانے سکے موافق مشغول ہوااس ثنا* مبن میجه نتح با ب ۱۶۴ ورعفدی*ت کش ده مبو که حضرت فرمات فرمات ایمانی اوائل حال مین انسیی نیاز مندی* س<sub>یرس</sub>ے باطن مین غالب نقی کرختبخوس منده ا درآزا دا ورسفید وسیاه ا ورحیو ما ملرا سامن**ے آنا سراسکے این** می<sub>ن د</sub>کھتا ا ورٹریی نیشرے اورعا جزی سے پمیت اورالتفات **خاط آس سے جا بہتا – فریاستے سختے کہ آمال** مین تھیتی میرے والد کی گلشن میں بھی امکیب بار خلہ ایک صحالی ترک کے بائھ میرے باس مجیجا تھا کہ اُس ٹھے کا نے سے رکھون اور بین غلہ کے بندولسبت مین مشغول موگیا اوروہ ترک گوہنین اپنی کی جلاگیا ج أنسونت نودا رمواكه وه ماحيكا بمقا ميرے باطن بين طرا اضطراب بيدا بهواكداًس سيهمبت كى ورفيرا نزكی! ورنمازمندی ندلایااس تقصیرست ایک عجب رنج اسنے اندریا یا خاراتسی طرح تیوٹراا ورآسکے بیچیے دوراً ا سکرشهرکے آ دینے راستہ مریا ما بھری **تصرع اور نیاز بہندی سے اُسکا راستہ می**ن نے روکا اورائس **بسے وزھ**ا کی دُرگوشتهٔ نیاط میری داون رکه او را مکید، نظرمیرسه کام مین مبوکدیتری مرکبت سے حق سبحانه میرسے او ب ر ہم کرے اور گر دہتے مسری کشنا وہ مبووہ ترکے صحالی طرامتی ہدا کہ افرات کے سردا کہ افالیا تم مشامجین سکے قول م عمل كرية و بوكه كدرية مي كورسانك مفريل وميرتون كورسانك تدريبل وكريوبين ترك صحرائي ميون تما لا مانسل كديمتم وبها بغرورت وهوما مهون اس بات سندكهم جاسبتے مبو مجھ كميا خرمبري كثرت نياز سنامتى كم مین امک الرا و کیفیت بدامبوئی اوردعا کے لیے اعد اُسٹایا اور مجھے تنی ہی دعامین دین اور میں نامیت سيوكنشوداً سكى ديا سوانيواطن من وكميك سدفرات تف كالأكاكي من قوت واسم ميرى ببت توي تقى اکسالاگه سنے با سرند بحلتا اکیف راشت کوا کیک امر میرسے دل مین آبا اور اسنے زور کمیانوبت بھا نشکہ میونخی کم صبار ورترا ۔ نراہ ورب اختیار میوگیا ورگھ ہے تنہا نکلا ، وت اسکا ہوا کہ شخے ابو کمرقفال کے فرار میر جا کرن مزار سركميا دراكي ساعت شيخ كي قرك أسكرمين مطيعا كجيزوت ندمها ويان سيرشيخ فاونز فهور كم مزار كبطرها شوق مهوا وبإن ي كميا دونيمين بم يرا ا ورويان سيد زارخوا جه براميم كبيها گريمكيا ا فدوج ن سيد مزازشيخ زين

ه حار دار فان مرکها و رکیمه در اینیه اندر نیا یا محرکههی روحانیت عزیزان کی مرد پیماس اگلین برنسی مزارا و موضع بيهن فين فررا فرات عظ كه البدار ملبسه من كفليها حوال كامحل مقارا تون كومزارات ماشكندك كرديو کوا وروه مزارات امکیب دومرسه سیمبت دور تفیکیجی میزنا کدرات بجرسب مکبرگشت نگا آا درانسوقت شرعىسن لموع كومهو يح كليا تحقا محلقين كوتوسم مواكدمها واكسى الألميندرو بين بنضغول مبون كيشفع كوكدمراو رصّاعي اس فقيركا عمّا ميرك يتجيه بسياكه ميرك الوال كالفيص الحبب تبوكرك الكيسانيني فاوند ظهور كم مرارمرة ساينه مين مبليها عقالتيخص آيا اورمير بياس مهونها اور طائفرسد مجته مكراً اوركا نيتا عقابين نه كها ججهه كميا کہا حجب بیٹرین د کھتلائی ویتی بہن قرسیہ ہوکہ میں مرحا وُں اُسے گھر سوبنیا دیا ہمارسے کمنبے سکے آ دمیون سے ماک كها كه اُنسكي طرون سيراندنشيه مكروا ورخاط جمع ركھوكه اُسير د وسيداكا مينشِ آيا ہوائسي اندهيري رات مين كه دس مره مردا نه اُس مزار ریندین ما سکتے وہ ننهاگیا ہجا وَرشیخ خا دند خلور کے مِفالم مین منجعا اسکے بعد مہارے لوکون غدما الديناء استاه وأقع مبوائي مو فرات من كرا واكل من اكر مين كشير ابوكرفغال شاشى ك زيارتكاه مين كدنها بيت مبولناك مقام مهج حيّا نجداً ومن ون مين ولم ن وُرّا تفامين مبنيها عقا اورًا شكند مين ايك لم زاري الم تغاكر بشييع بطرى عداوت اورائكار ركفتا اوريميتيه فرصت ومونثرها بمقا وركمات بين بمقاكريهين اندانيكا وه اسوقت صبیح کوما ری مکمات بن مخاصب مم و بان بینے اورسسرا کے عبکا کے تصوری ویر مین رہا ا مایک كمين كا وسئد دورتا مبوانعره لكانامبوا ورشورها ما موامبارت وراسف كميديم مياسداوير وورام كوفواليا اسكانه تناك كسكننوا درصد مرسعه ورين ماكوكى ببعيبت أن حركات سنه بهادسه ول مين راه باسف اكسيطرت س تخيكات برقرار مين ريا وروط كأنسكي بروانه كاكتف حبب وه مال وكميا تونهاست شرمنده مبوا اوراسني اخال سیعے البت زوہ ہمارے سامنے رونے روسے شخر کے بل گراا ورزمین جیسی سشدوع کی اور وہ ایک یے رو اورممون سيميوااه رفيلت سته كداكي ا وررات كوشنج زيل لدين عامانان محتزار ييميا برا تغاا وروه البياغرا به کوشهرست ایک کن ره بری اوراً سیک موال مین آدی کمتررستی بین آورزا شکسندمین ایک دیوانه تنها فدا ورا و کالیا کددن و با در ارمین اوک اُس سے دُرا کرتے ا وراُس زمانہ مین ایک اُوی کوائسٹے فنل کیا تھا کیا تاکھے کا اس گورستان مین ظار بروا در میرست سر ترمشه سر باکها او بیشور میا یا که بهان سے اُنھ اور بسر جا اور مین نے مگر اتسكى طيدون مثركر نتركيها ا وراً بنى نسبت سنعه خريميزا ا ورجو توجه محصحتنى انس سند باز نرادا وروه أسيطرح بها بن ا وراحرار کرنائمقا بیکا کیب د وشرا ا ورنشا منین درختون کی که مرمزار برختمین توثر نی سنسر و ع کمین اورا کیستمها سدمزارمين آيا اورومان ايك حراع ملتا تتا بابرادا أسكى بيغوض فني كدان لكريون مين اگل لگاسلاً ورمیسه سر سرچینیکه اس کام مین ده محقا که مواهلی ا وروه ترانت کل موکها اوراً سیکی غصه کی آگ آن

ومينغ كم وفينة منى اوكيم المرأ تي تنتي صبح كروفت مسبيرمن ما تا وروم ان نمازم هذا أس مامر يط رمير رمبت باركب يتع تنجي كا أدهابه ن مراكح گريم نهونا مفاسفوات تقے كداب اسباب مبع لونی آ دمی جاسینه که کام کرسے اگرامسباب جبیت گوسباب تغرفه اور مبکاری کابناوی خنت نقصال بوگا مرکزیم ما فرقون مین کراس کام کے لیے کیے سے وولوٹے گرم یا نی طارت کے لیے سے انسونش علے شیخ بها دالین عمر كي صحبت سے وضوا ورول ارت كرنے كے ليے كہے شہر كو ما تا عقا فاطر مين خيال آتا مفاكد كيا بودا أكر شينح استعار كهشف كمرهم يانى سعبرون مين طهارت فغراسك سيياسى مكبيسيرىبوتاا ورسيرنه تنعا بيميته خودحجره ا ورشيع اود ب طهارت ا ورجاسے ولیارت ا ورحمام ا ورا برتاج سب کے کھائے بیننے کا یا روان سکے ہیے مسیاکردیا بہجوم شاعل سيمنبتير فرمست مهيت نمنيرت بهو – فراته يقد كه بإنج سال هم مرات مين رسيه ايك وقت مغاكز بمن مین دومارا درنتین بارشینی بهارالدین عمرکه کوسم داشداس مرت مین ویان دوبارکیم کمها یا ویرسسب میوآ بريفروزشاه كابعائي ميمود شاهشنج سكريهان أيا تقاظا براكوشت جانول يكايا يتناسم ورموان اسارات بالبربيشي يقط كمعانا بهمارس ساست لاسك ورامكيارا ورثينح فيصيب سعدا فطاركيا دانت موجود تغضب مید کماسکے اُکن ونون دانت میرے درد کرتے مقع تعویرسندسیب موافقت کے طابق میں نے مبی کھاسکے فرا في المنظمة كالماسعد الدين الك ون شيخ كى ندرت مين مسكر سقع اس روز مهوا ندايت مها من عنى شيخ وإشفا د ووت کوئن ممیے کیا کہ سرانا، جلال الدین کے یاس ما و کہ تمعادے میانا تیار کوسد اور سروانا ملال الدین اتكا يرا در طرلقت كناا درنتنج ومتول مزار خوائيسه رركا مال أكه مين سنركم بي تتول كاكها نامنين مكها يأشيخ كم لینے سیے مین گھیا مولان مباہل الدین سنوائس پڑی ندی مین سیے ک*رمزارسکہ ساسنے پیچیبلی کھری بی پون*گ منْقال بوگ اُسكے كما ب بنائے اور بها صدر الفرال اُسك بريمبت عرصة كميے احتر من خول مورك موانا ناسعد الدين من فظ اشاره كيا كهايم أنطحا ورباسرائه وفراته عظاكمت وفرح ترزي اكتشخص تععاميزات أبزج كرزماندين وكتميا اوجراف ثنا توكؤتكا جودهرى تتفالورخانموا ده فواحكا تضرس لسداروا تهرسة أسكومهت عقفا دمحقا اوتيفرت فوا ومجمد بإرسا قدين مهسيطا التقات عاص مينيا يايتها وه جانتا تفاكه رات ميرك ميكا كها المرنع بن كها ماءي ماه رهنها من مقيم كمعا وُسِل كِيا كُلُولينية السكيكوسي وزدا فطارتكرابي بي أسيرام مرباتي يحبيني درت وهندان كي شب بان بيوني خرويتا اس سع به مين أكميسين وأمذنون كموسقدرت زيتى كيسى فدست اسكى كافات كرته حب بهطاعت مبوئى ود مرمكاعة السكيفيكو وفالم وناكيكي وإدبهك سواا فرميتن يجكين ح فرت في ابتداره بيدا نها تك بركزك باليفك مرتيف كمهام كانسان كالمران العدكا ميري كما أكي وغزيرتها حفرت الولا كاسعدالدين عدس روستعليم كساتف شرون بواتفاا فايشتولى كامل كمتا تها بعير فات حفريع لا كاسعالين فكن وك منوشك بالعدفية غير ك اول سوانيدا تروا والمركك مفاا ويكيد يعين من وبنا يا وأسكام من عشيا طائ فني وكارز يستعلم

طاق سرقند تعيما والتاس كى كرهفرت أسكوبينين حبب آپ كى نظرسارك مين كذبيانا فرمايكاس ما مركزيتي عِن اور آسمین سے بوس مسرت آتی مولئین مینے تمام عمرا بنی کوئی جزکسی سے قبول منین کی فدرمت مولوی میر دیا طرف سے عذرخواہی کرولیں اُس مکمین کومع میند مبند کا فندسکہ تربیر کے طور برمولانا احمد سکے ساپر کاریزواہ بميجديا رامك ون حفرت عبّل مين جوكمي فرسنك شهرسے دور تفاعظ جاستے منعے اور ايک مجاعت كثير امسمام اورخدام سنع سوار بيدل آب كم محافيه كرسائيتي او يُومِل ربيي عنى انبايد كك وورس من خيرخميه وكعبلاتي ا وروبان سيدنين آومى أسطون كوآسارا ورأشك سائنه كوئى جزئتى ا درجار مباره فرت كى سرراه براست سخة حتی که می نشری برراسسترد و کا به مقدم اُن کا له کمودن کا تفا ایک کرا فربه آدی گی گرد ن برر یکے مبوسے ا ورا مكي ميت فراسال دسي كالمعمل موا دو موسد كم المترين راه مكه درسيان آب كرما فدكي زمين مرزا نور كمها اورخا د مان سند مگوفرا اورجا و مخترا بالب آست نیاز سندی سند کهاخوا د نسرسد به کمرا علال می کداک کی نذر کیا ہوا ور میر سالہ حغرات کا ماک سوکہ لایا مبون ٹاکہ آپ 'لوش کرین حضرت، نے فرمایا کرمین کے سیکی نذرا درمدینا منین لیتا ایناً <u>کمرا اسن</u>ے گلایجالسکین حغرا*ت تیری ایتا مون اوٹیمیت دیتا می*ین کهاحبزات کی اسے گل مین فيست ننين بيونى اوركم وفدرينين فرايا ككسيكي جزسفت بنسين عبرفا دم سيع كمناكه ايك شامرخ وأسكووس السوقت وسى الضامات ملكا الحكيما كيرسب يارون فيسوار وبايدمست بياا ودروان إوسي وكرحضرت كمرتهايت ورجهتمول كالمعض فالفاض كحبهم ابتدادا برات بن عق حفرت سیدقاسم تبریزی کی ملازست مین مهبت جائے اور آپ کا سندآتش مهونما اینا ویا کرتے اور فریا یا کرتے لمے ترکستان سکے شینخزادہ مسب طمعے کہ سہ نا خوش سہارسے آس پاس قرسیب ہوکہ د نیا تیرسے آس بالمسس ہو اورصس وقت حفرت مسيريه بات فران بجع كحيرونيا زئنى اوركمال ترك وتخرومين بمفاحضرت بالميسون سال مین تنفی کدانی مامون فواید ا براسیم علیدالر تبدأت کوات کنندوطن الوت مین تفعیل علم کی تنبیت سے سمرقن ولائدة اورآبيك شغل بالمنى كاخليجه عيسل علوم ظاهري انغ بوااسوا شيط شخبت وراما زميت عزيزان سيط سارق والتي ارواتهم كى جاميت كى مواوراس كل م كى طلب مين رخ كيا جنائي استقصد كا ذكترب رئي شل من كهما عاميكا اورمدت ووسال ال **مِن مِنْ نوا دوکے بڑرگوں سکی بچھے بچرے بین اور توبیدوین سال من جرم اِستکے اور بانے سال ہزات میں اُرکئے وہ تنظیم ساتھ** صحبت طی او المیشن برس کی عربین وال دون کولیون کے اور ویا ن کھیتی شروع کی اکرسے کے شرکتے ہے ۔ اور اُسکے اتعانات سے ایک جڑری مبل کی میلائی میرحفرت کوش سبحان نے آگی زراعت میں ٹری بھتاہ کافی ندریم کا ل مثا ا سباسه ا ورا للاک اور کلم مولیشی صفرت کا اندازه سید زیاده تصاحبه کا حساسیمکن نتها دوسری ما مرکه را تمانتی ت شموت استان يوسى معصشرف مبوا ليبني المكارون سن سشاشنا تحا كه عفرمت سك مزرع بزارا ورَّين سوست

مای نے انتا ب بوسون<sup>ی</sup> زلینیا مین حفر*ت مکے مثا*قت کے درسیا*ن اسکا اشا*رہ ک جهان که فرا این سبست مزارش مزری در در رکش سه سه به که زا در فتن را دسشت ست + مترحمه اُسکی گیانا مین، ترار مزرعه مین کرمبشت مین ما نه کی راه کو تریشه بر - امسوفت مین کدرا قم اینجوفت آستان بوسکی ما آنتها قریشی مین مهید نخا ا در ایک شب کوحفرت کے کا رند دن مین سعے ایک کے بیان پیمرا وہ کتیا تھاکہ مین نقتار چوبیار قرشی کامهون جراگیب مزرعه تیره سومزری مین کامبوحضرت سصه مین - نه بوحیا کهاس ندمی گاتی *جار* می مبل کی زراعت مهرتی س<sub>ی</sub> کهاسر سال ایبایشی سکه سیمه مبرجو ژبی بیرانگیب آومن با سرمانه م مین، سزار آدمی به مع مبوسته مین - ایک روز حفرت نفرکسی تعرمی سعه فرایا که مین سرسال سرتند که خاص ۶ ربتون سیراسی مزارمن غله «رفندگی تول سیرا نبانراین عشردیوان سلطان اعدمرزا کا ذمه داراگلزا مبولن اور فرمایا که متی تعافی نے مہیرے ال مین طری برکت مسی سی کسبر خرمن کا غلہ جو کوت ا ورا نہ از مرتبط <u>وا قدت کار منرار من کموت کرتے ہی تبل کے وقت جرد یہ بندرہ سوسن مبرتا ہی ایک ملازم حیصفرت کے</u> معض انبارغلات كاقعلت أس سے عقاكة تا تقاكة غله كاخرچ كتيمي سبدا وارسے زمادہ مبوتا اور آخرسال مين كميقا كرمينوز انبارغا ندمين مهبت غله بافى رمينا دورمشايره اس حال كا زياد وتنمين كاسبيده مبوا مضربت ميداكيا بربارة مين في مي و بايكه ال سارافق اك واسط بالييال كى خاصية بيم -يشيط أيكد وجفرية الرأتير كزميرك مهني مين إنا اعطيناك الكوثر فرطسة بمنفح كمحقفون سفراس آميت كي تفسيتان انسا که ماهمو که *و یا سینند تخینه کو* نزید بیزینهٔ به در احدبیت در کثرت بس حوشخص که بیشهه *دانسکا مقام هر مرآنی*ز مر دز ه ذرات كائمات سعة <u>سيكه ليرابك</u> أئيذ سر كأسم ين جهال ذات با في كاستنا بره كرنا سر السيت معس كوكر مسطح ا سے زمایہ هشهود اور خلی وجود کا سبب مہواسباب دمنیوی کس طرح حجاب جبال مقندود کا مہوجاسات مجوبی کی صورت *اُسکوکیو نکر بهو-حفرت مخدو*بی قد*س روناقخم* الا**مب**سرارمین مغرت کی سفتیت مین اس آ اشاره كيا بهوجها ن كدفوه ياسي مبعيت زريهان نومت شامينشهي 4 كوكرم، فقرصب يدانعي آ لكزوميت فقراكيهت خاب ا وارصبیدا بعداست 4 روسے زمین کش نه مرونربن سبت + درنفرسشس جدن روی کایتا عمت اسا یک روی نا فن پورست آبیش به کربره ختر شکست و پریش به لو*ر مجاهدیت و سن به ساز مجاهدیت وسش و صورت کن*رت مس ساعلنل 4 بهست دران له نا فغرایب د فیدن قرسید فلکس کیس حیاب به مترحجد نشکه فعرمیسی سفے عالم شہنشا ہی کی نوسبت بھائی سر جوکرنغرکی آزادی سیے بروار بی وہ خوا و عسب پرامدا مرابع روس زئين صبكا زسسزم نرجر بركاسكي نظرمين اكيب ناخن كارنع يوسد اكيب يغ ناخن جواستك إهم

، دریا بین هبکاعمقِ آیا فته مجِسآسان کی نوبرت کا تبه ایک ڈ آرحفرت کی خدمت اورتنفقت کاخلق کے کوہ خاص وعام کے ساتھ <u> صفرتِ ابتدایه حال سم انتهای رتبه کمال مک آشنا اور بیگانه کی خدست ا ورتبغفت کهٔ ورد وست تیم</u> رعامیت ۱ ورا عائن کے حرمص دلدا د ہ متھ ا ورمجالس مین خدمت کے اندرسب پرسبقت کرتے رہے فرماتے يتيج كرمن عبس وتست سمرقست وسسكے مررسه مولانا قطب الدين صدريين عقا و ونتين سبايرسة خچه كي حبمين دا نه موقع مین بیاداری کرنائمتها وه مرض کی مشدت سے سبے مشعور تھے اور اُنکے تجیونے وھونے کے لاکٹ مبوقے تھے مین اُنکوه هو با بها اینداا منسه در رکزما اوریه وا تعده طهر طهر موره ا ور محیه بوج سمار داری اور اُسکلوازم کیش سرخی مہد احبس رات کہ جمعے تبیہ محرت تنی تبین ماریا فی کے گھڑے لایا اور کیڑے اور بستہ ہمارون سکے دھو فراتے ستنے کھیے بین سرات بین محقا سح کا میون کو بیر بیرن**ی کے عام بن جاتا** اور لوگون کی خدست کرتا کیجی ا**سیا** ہوتا مندره سوله آدسیون کی فدست کرتا ۱ وراس فدست مین انتیاز نیک و مرسیاه سفیدا ورفلافخرازاو کی نكرنا اوركهجى اليسائمقا كذكرم خالممتحام مين ماينج حيوآ ومى كى فدمست كرنا اور نوگو بن كى خدمة يح بعد مين لمجاكظةا تأكرك كيونشوليس اجرت كي ننوا وراگر مو منجنط نيا وسه آخرهيات مين فرمايا كرية نه از بس كرحام من مبتي فات مین کرتا تھا حام کی گرمی سیے طبیعت مین کوفت مہونچاہوا*س وجہ سے حام کی رعنبت اب بندی*ن ہوتی حام کم تشرلف لبجاسة عظة اوربيره وبركية سفواته مطفه كم طريقيه فواجكان قدس المدرتناسط ارواحهم من سميت اور اسكى طرب معروب مبوتى بوك وقت كانقاضاكيا ببوذكرا ورمرا قبدأ سوقت ببوكرجب فدست كولى تثوا سے راحت کسی مسلمان کومپوینے وہ خدمت کرمودب بنول مل بی وکرا ورمرا قلب برحقدم ہے۔ انتظام کمان كريته بين كالششنال نوافل عبا دت كرسائتم ا وسلافدست سع مبح فدست ا ورممنت كالجمرواون مين مكيوايّا بهم جبات الغلوب <u>على من احسن الي</u>ها السكي مبين بي مين قلوب كى مرشست بين أس شخص كى مبت سي حوالنيرا كريد مركز ثمرات نغلون كرآس الثراو زيتي سك برا برين تكريح كمميت مرمنين سي سفرا تقسقه كرحفرت خواج بها دالدین ا دراً شکر البین قدس اصد تعالی ارواصم هر آسانی کسی کی خدست قبول بسی کریتے تھے اس جهت سے ہو کہ مدست اور تواضع منجالے صافات ہوا ورجب مسن غروری اور لفتہ رمحبت کے ملاقہ اس سر برگاه بصفرات تمام مهت سيمشغول فني ملق مين من اورنيس ماسته كرانكوسي طريحا علاقه مووس توافعو كوشش اورامتام ركمت بن كرصب كمب مبوسك فدست كرين ثاثبول فدست اورا يسيخص سے فدست قبول كرشة بين صبعين لها قت اسكى بإسق بين كروز بروزة كي طورط لفيست ببرومندمون اوراسكا علاقه

عالم سے بوچ تبول ا، راتفات خاط ان حفرت کے گھر مہوا ورا کیک عالم اُسکی جمبیت با بنن سے آبا واور ا روشن مبور فرات ہے کہ مین نے بطلقہ کنب سوفہ پیسائنین لیا ہم بلکہ لوگون کی خدمت سے لیا ہم یہ ہر کہ انجے سکھ علایا لیکن خدمت کی یہ خاصیت ہی ۔ فراتے ہنے کہ رکسی کوا کیک وروازہ سے لاکے مین ہنے ورفدمت سے لاکے مین سنے ورفدمت سے لاکے مین سنے امیدوائی ورفدمت سے لاکے مین ہو جہ کی خدمت امیدوائی میں اُسکو فدمت کا حکم و بتا بہون اور بیسبت میری مہیت ترا مکنبگر ہ کر باکشد به آن سقف گاہ ما برازین نرو بان منواہ برمیمت کر بائی سک کنگورہ تک جمعے لیجا تی ہر اس جبت کے لیے زینداس سے میں میریت میں اُسلی فرمت میں اُسلی کر بائی سک کنگورہ تک جمعے لیجا تی ہر اس جبت کے لیے زینداس سے میں میریت میں اُسلی کی برائین کر ایک میں اسلی میں اسلی میں اسلی کی جو ایک کی میں میں اسلی کی میں اُسلی کی کر ایک میں اسلی کی کر ایک میں اسلی میں اسلی کی خود ایکا تی ہر اس میں ان کر ایک تند

ر حضرت کی رعامیت اورا دب کانما م حن لا نق کے ساختھ حفرت ہمیشہ فلدا ورملامین کمال آواب ظاہر دیا طن کے ساتھ اتعیاف رکھتے ہے اور صحبت او خلوت مین آواب فلا ہری ا ورباطنی کی رعامیت کرتے ۔ را قم حرومت حس زمانے مین کہ لمازم ہے۔ تا کا ولابيت كقا ا درشيب وروز لما زمست ا درخدست مين رسبًا مار ميبينے بهلی وفعه ا درآ گرمسينے و و مرجی ميركزينين وكمياكهمفرت سفه أنكراك لى مبوا يكيانسى وغيره سي لمبغم وربانى وبان سبارك سيربا نيكا آيم یا ناکرسنگی مبوا ورمیرکزندین و کمیها که خلاا ور ملامین کسی را سه و ن مین ما رزانو پینیم میون ا ورخد سه سولانا ا پوسعیدا دہبی علیہ الرحمة که اس آستا مذیحے ملازم مقعے اندیشیش سال دمہن رہیے فرانے تھے کہ حس مت مین میرافیا م حفرت کی فدست اور ملازست مین تحفاکسی متعبت اور ملوت مین معبی نهین و کمیا که آسینی تجعلكا وانتراككورا ويسبيب وامرود وآبي وغيره كإديان سبارك سيع نكالامهوا وربركز ينسين وكميعاكه ناكه مها ف کی مبو یا بلغم شخرسے با بروا لامبو با وجود کم کیمبری مبی زکا م نزله موتا مفا *ا ورم کرز*کوئی چز وسوحبه میتا ا ورلغات لمن بهومفرت سينسين وكمي كني ا ورآب كركسي عنوت كوك المركت المنبول مها دينيان في بيشيفا اوطامن كمال ادب اورحسن معالمة يستحقن التيخلق تنع سه حبّاب سيدعبدا لقاورمشه مرى منطلها معال سلعان ايوسعتين ا کے زان بین سمرون رکئے تھے اورآب کی سحبت مین مہوسنے فراتے سنتے کہ ایک شب میروزد ارفون محاکیف شیرکا لما *زمست مطرب* مین ایا درار دوک که ده مشعب آب کصحبت زنده مکنند دودنیز اُس ملبس مین حاحزیمخاحب فازعشاكی برء ع آب نے فرایا كورز برمها را مهان مى عابت م كدمهارے ساتھ آج كى رات احيا كريدا ور مهمان كيجانب كى رعابيت للزم موسم بعيف إدون كم سائته بتيمينيك تم جران مبوجا يُر اورسوكوا ورتمعارى خاطرين آسكة مسح كو أومين خدك الرامازسة بنفتسية بهي موفرا ماكه الشفيني كي قرت الخديمة توكوني ما نع منيين سي فيقرتين ا ورآ ومي سيكي ساتقر عفرت کے اص ب سے اس محلس سن مبتیا اور مین اول شب سے وم مبیع کا آپ کے احوال کا انتخا

صفرت بس طرح و وزانوکه اول شب مین بیشی مقیم کراس زانوس آس زانو برزینی اور بطاغاکسی فنور بیرخکت مها در بنونی بیمان نک که تنجد کی نماز کو کشفی حب نمازسی فار نع موسک می تواسی طرح ایک قرار براز روست مگین اطلوع فی بدون اسک که غنو دگی اورا و کیم کا فشان آپ سه ظاهر بوا در نقر با وجود قوت جوانی سکه ایک با دوساعت مین زانو بدان مقاا و ژبکلف سعه فیمند کو بالتا مقاا و ربیم برکت النفات مشرت سعه کر توکت کرست عن زانو بدان مقاا و رنما دست فیمند کو بالتا مقاا و ربیم برکت النفات مشرت سعه کر توکت کرستا ساخه می ما در مورد برگاری می فا مینی حضرت اسیطرح مراقبه مین مقدیمان تک که مسبح مرکمی زان بعد فا زصبح سکه اور نمازعشا مکه دخوست شرحی و در اس حالت برکامشا به و فیمت می مرکزی زان بعد فاز صبح سکه اور نمازعشا مکه دخوست شرحی و در اس حالت برکامشا به و فیمت

اوتبحيه فعيركا موحبك ورسبب مزنتيس عنفا داو الطاح كاحضرت كي نسبت ببوا احضرت كانتار شفقت ا ورمرتمت كالصحاب ا درعام در ونشون كى كسبت وكف حفرت كے نطف وكرم كى حدو نهايت نترحتي مبيثيد اپني محنت ا ورست قيت اختيار كرية اور بندام كى فحيت ا *در راحت کو اینیانش براشیار فرملیقه سفدمیت میرعب ا*لاول علیه الرحرابیدمسه وعات بین ک<u>صف</u>رین که انکیلی اوائل بهارمین ملازم ا ورفدام کا گروه صفرت کے ساتھ ولاست کش کو جاتا تھا شام قرسب بھی ا ورشب کوخوت بهارین توقف کیافادمون نے شیمے کھٹے کے بعداز فازمغرب اِرش نے کھولیا حضرت نے فرا یا کہ بچھا ہے۔ كى طهارت مين ترود بهومين بيها وينمين رستا اصحاف بإن رهبي ا دراس باره بين مهربا نى كرك سبا مذكها ا ور ائس نیے کے سوا اورخمیہ نہ بھتا مبوحب امرحفرت کے نقرا اوراصی ب اُس خمے مین رسیعے اوراُس رات کو دن تک منتم گرط را اور سیلاب معان موانی مباتی مبولی اور نماز خیرکی طرحی جفدون سندعنایت کریم ایسا فره یا که هم کوشسره آتی تنتی که هم شده مین رابن ا وریا راوگ منبح مین بمعیکمین ا در دو کچه شیمه که عن مین فره یا اکیمی<sup>دی</sup> ه مقاتا که ما برلوگ بد تر د درمین سعین اصحاب نونفل کی بوکدا کیب مرتبه گرمی کی فصل مین که موامبت گرم تمتى منظرت مزرعه موسومه بزا وروكوسكيم اورفغ واصحاب سائته عقبه اُس گا نؤلن كے كاشند كارلوگ الك ادنى خىردى كمصفرة أسده ورث سكند ليك مكير برياكر ديا اصحاب كوحجاب آنا مقاكرآب كرسا تخرا كيستنجانين ا دراً سیکے سواا ورسایہ نرمشا جب ہواگرم میونے لگی عرت گھوڑا طلب کرتے تھے اور فریائے سکتے جا مہتا ہو له بعض اسم كام وكميون ا ورسوار موسق من ا درصواس ماستر تمن اور د حوب سن ميرت من عص مبار ا بست كرم ميوتى متى شكا فهاسد زمين اور يانى كابنائ بوك كرهون كرسايه مين كرآئياتام برن سايرمين نرعها جون مرمابك آب كاسابي من رستا أرام كرية أسوقت كك كرسوا اعتدال يرانى بدرازان أس الايق سيف ا دنی تیجه مین آتے منع میزد دو ان تھے معالمہ بریمقا بالانواصیاب مبال مسکے کرحفرت نے اپنے اصحاب کی رہ العفاخلت کی خاطرسیواری اوروحوب بین میزالب ندکیاتها-

<u> هراور ملاقات ستان خران کے بیان مین</u> بَا شَكْندے اس مصاعت كے سايے سمر قندلائے اور بہت استام كيالين سريار كه بڑے شنے ساية زور ، يام عارص مبوگها وخصيل كا مانع مبدا آ فركومرض حصبيه ليني سرخجه توى بهوكها اسنيده مران سنه كها كدميري مالت سو که تنصیل بندین کرسکتا او شوم بهنبن ایورُست*هٔ که احرار تا م کرسته به* دید از بن شبهه برکه مین ایاک مهومانها اسون میری اس بات شه مشاشر موسفّے ا ورفرہا یا کہ مین شراعال اب تک ن<sup>ی</sup>ین جانتا ہتا آیند هُ کومین شایخها جسطرح تیراجی ماستیمشنول مبو و دسسری *بارتخعسیل کا قصد کمیا ته با آنگه* بین درد موزد که در منه تاکیش*روز* يه بيارى أشَّائى آخرين في ترك كيا فرات يتدك كلُّ جبع ميري تعليل كالمعين نيند ابك دوورق زياينه بن بت خواج أنهل الهدالع للهني كرش عاما يسمرون وسير يقد فرايت من كه مضرب سك كمال إلى كا مهنمین مانتے گراستندروانے مین کدآ پ نے عجسب نا سرملوم رسمی سے مبت ہی کم پڑھا ہوا ورایسا دن کم مبرگا كة تفسير يخامني بين سنسبد سارا سند ساحت شراه ئين كه مهم سسب ائتس مصدعا جزينه ولت سفد مدون عالى طوي يمولاناعلىءوان مشهورةين ا وربيب على مرزا ندسيع حفرت سيرمبت عقيده مسكين حفرت كيملب مين ت آتے گرببت کر بات کرنے اکیب ون حضرت نے فرا یا کہ تمعارے ساسنے بیاراسنی کرنا نہابیت بیڈٹری بر جاسیے کہ تم کرداور م سنین خدرست مولانا نے فرایا حمان کرسبداء فیانس مصنی ببوا سطیموسنچ بهارا فن كن أس مكربسيه فترخى بوصفرت في ايكرمين مولانا نظام الدين خاس ألى فارست كوسمرفند الاعقا الرحمہ میرے باب سنے ایک آ دی اُسکے پاس بھیا تھا کہ بین سنے لڑکی اپنے بھائی کی اُسکے سیے معفوط مکھی ہم کم مین آنا ا در پینسبیت قبول نمین کرتا به هائی مجیسے رمخبیرہ مہونا ہوا دراس باب مین مبست العاح کی تھی مند سولانا نبطار الدین سفرمیست لفسیرت ک ا درآخرکوفرها یام بهین جاشته اگردراندگی ا دراضعواب آمس میش کامپوکرکسی کمیر ندنخته رسکے ا درکسی کام ا درکسی جزیسکے سائخہ آرا م نرکمت بوانسوقت معنرور پخترکتیمیس وبوبين كى تغريب سے د واس حكايت كو بارا فرما ياكرية مد حفرت نے استداء احوال مين كه ماشكت سے سفوكيا سمر فيندا وربخارا وغيره مين بهتئتا بإيساه عاب مفرت فواج بها والدين ا وراكم كمه اصحاب ا وربهت ا كاطبيق خواجگان قدس المددار واحهم كو دكيوا به اوسمجتمين ركھين حيا نچراس سے سيلے ما بها ذكر سلسله فواجها تعيس ا مددار واجهمین مکھاگیا ہوا وزیر سرخ زمین ال سکے كه خواسان مین آئین حفرت سید قاسم تربزی قدس سرو کی فداست اوالحبیب مین شهریت مهوسکه ا درجب خراسان مین آشرایین لاسکه بین وکاسسری بارخداستاسیا قدس سده اور النيف ويكرمشائخ كبار برات سيد ما قات كى برداد أكى عبت مين مدا ومست كى مياني مواق

، بین با<sup>ن</sup> ن مفریت مولان سعدالدین کا شغری قدین سده کی ملازمدت مولان نظام الد کی ہزا درآئی سحیہ تیمین بہت باتدر سے ساکیب بزیز طرب اصحاب صفرت سے فراتے تھے کہ اکیٹ بزر مین سنظ سناکر کنته شند ایک روز بمرقن رسے مقام مولانا نظام الدین کی صحبت مین گدیا و راسکے سامنے مثیرا آجا مين فريجينا كراياب إران أبانمايت نوراني اورابيبيت ومهابت عظيم ورتموري وميني احب كدوه بالبركسيا مولا استسنة بن سفر لوي اكريرجوان كون تتحص تفافرا يا ده فواح بمبيدا ديدي قرسيه بكرسلطيين عالم آسيك منبلام ون ا درموله نا در دلتر انتکاسسر بی سقه خدمت مولانا عبیدا مسکرسر لی سند که قدیم اصحام مین ا در سول مین ۱ مگن شفه کهشه در موضع سوسم فیند مین انسی تقل کی گذاشت کها مین حمیدًا عفا اورم بإب ندرست مولانا نفام كخلصاك مقتدسه عقادر اكثرا وقات فدست مولانا بإرسامكان مين ميتج ا *در میا* با پ اَکی خدیست او رلازست کها کرنا ا دراکثر او قات وه مراقب رستے اتفا تاً ایک وان مراقب پینے م سرة منع تحيكات مبوسة ا ورمرسه باب أسك إس كسى كام ا ورخدمت مين مشغول فقد ا جانك موالانف سأفعايا اورفريا ولمبندك اورمريك باب فأس كام سد التحد أنشاليا أس فرادكا سبب أب سد يوجيا فالم كدبورب كى طرفت ايك شخص سيدا مواخوا وعبيدا للدنام اورتام روسدزمين كوليليا عبب شنح برر ا ورتینے ا م حفرت کا خدست مولان نبغا م الدین سیے سنا اور ا و مکعا ا ورانکے مقدم شریعیٹ سکے ننتظریسیٹے ا *در آننگ*وسا بیست عشداری هم کرت تندیدان کس کهسلهان ابوسعیدم *زاکاحد دولت موا ا دیصفرت* تأشكندست كوح كراسكه سمرقندين لايا اور مهيلهل ويشخص كهآب كي صحبت اور للازمت مين سمر<del>فنك</del> ووثرا وههم يتطح أ درسعاه ت خدمت سنة ببروا نروز مبوسك سحفرت شهروع أحرال مين حيسس سمّون ر کم و لج ان سند بی را گئے اور را سندین شیخ سارے الدین بیسی کے گا ٹؤین میوسٹے اور ایک بینت و لی شیخ معحبت ركمى وروبان شدينجارا محك اورمولاناحسام الدين بن مولاناحميدالدين شاشى كود كمييا ادرنواحب علاء العدمين خورو في مسطعيتين كمين مبياكه مقاله كتاب مين خواجكان قدس الهدار واحمر سكة زكره ميكم ا ندر ندکورسوا بدرازان خراسان کی عزمیت کی ا وربها ه مروسطه **برات مین آسنهٔ اور مدت مارسال عالی تع** و المان رسیده در اگرس مدیت مین محبت *سید قاسم شیریزی اورشینی بها دا فدین عرفدس سرسا* بین به مكيم مبن ادر منفرت مولانا فينغ ترمين الدمين فوافي قدمس سروكي صحبت مين بساا و تبات مهو ينجية رسبته الارجار ال بعدبرات منص بدنيت منحبت حفرت مولانا ليقوب جرخى قدس سروكى را دبلخ ا ورشهرة ك سط ليستهما إكم مرحانه موسف در بلخ مين مولانا حسام الدين بإرساكي محبت حين مبوسنيخ يين جيا تحب وكرموا أنا اليسكذرالاه وان سے جنا نیان کے میں اس نمیت سند کرمفرت خواج علا الدین عملار فدس سدہ کی فرکی زیارت کریں ہواڑا المحتمال میں اس نمیت سند کو مفرت خواج علا الدین عملار فدس سدہ کی فرک زیارت کو از اندازین فرکا مہو گا اوراً میں معرف مولا العقوب کو پا با اوراً کی وسست مبعث دی اوراً نسف طریق فذکیا - چنا کی اور اندازی فرکا مہو گا اوراً میں معرف میں مورف برات کو مراجب کی اکست کو مورف کو دھوں کو دھوں اورا کا اوت میں جا اورا کا کہ اور معید ازا کہ بانچ سال مرات میں اقاست کو مورف کو دھوں کو دھوں الوت میں جا قدام المادہ کیا اورا شکند میں تعیم موسکے اور زراعت کے کا م میں مصورت موسکہ اورشغل کا شند کا رس مواج اللہ اللہ کی عمرمین شہر ماسے مردمین رسید بانچ سال میتبانی وا بارے آئنگندین میں مدورہ میں مدید کا مواد کا انتقال کی عمرمین شہر ماسے مردمین رسید بانچ سال میتبانی وا بارے آئنگندین مواج بوبدازاں کہ تا شکند سکتے میں خدیست سول نا فطا انتقال کا موسکہ بیا مواج بوبدازاں کہ تا شکند سکتے میں خدیست سول نا فطا انتقال کا موسکہ بین مواج بوبدازاں کہ تا شکند سکتے میں خواست مول نا فطا انتقال کا موسکہ بین مواج بوبدازاں کہ تا شکند سکتے میں انتقال کو تاس موسکہ بیا موسکہ بین موسکہ بیا میں موسکہ بیا موسکہ بیا

اسمین کے مولانا نظام الدین کے ذکر میں گذریب **بامشا کمج زبان سطین ک**سبی کم صحبت مین که آیا ایک نسبت نلا سر ملو تی متعی ور ایک کنیفه یت ماصل موتی مَعَى كُدَّا حُرِّهُ مِسْطِيلِ فِي اللَّهِ مَى لَكِين مسيد قاسم كى صحبت مين وه مسبت مَا سرد: آن طبی *دسار*ی د نياا کشد لر**و بحرتی ہو آ** وراً نمین اُمتر ما بی ہوا در گم ہوتی ہوٰ۔ نرائے منے کہ سید قاسم نے ابتدار حال مین یا در دیکے ہوا مفرت فوا دِ بَرِرگ نوا دِ بها دالدین قدس سده سے کا قات کی تتی ا ورسی ت رکھی بعدازان اینظئین أتب كم طرفقيها ورنسبت برر كلفا مبعض او قات مجالس صحبت مين ايسامعلوم مبوتا بمفاكة عزت مر استي كوطوني فواج ككان يرر كمنت بين سد فراسته تقت كرسيدكا ايكيب وربان نمثا كرسيك بلاجازت ا وريضه حضرت سيح مدا مضنعين مالينه ونيا فدست مسيدسنه أنس دربان سير كددا بمفاكه عب مقت برجوان كركم أوس أسكوانع بنونا تأكروه آوسه اوركها بين سرر وزسيدكي ويؤرهي سربه ينجنا مغالسكن باوجود اجازتنك وور وزا ورتين روزمين اكيبارة ب سكرسا سنة وقات سكة ومي موب كرت سن كرات امازت باسكته بین کسوانسط میرر در بنین آسقه اورونکو فاد اجازت بنین یم وگرند آپ سک سا بنے سے برگزند اسٹے کسیکوفوش منین آنا که آب سکه پاس سے اُمنے آپ می لوگون کو علدا جازت وت شے الدیجے برگز منین اَعْما یا۔ فوات منے لدامکیارا بتدا سیدما زمست بن مجھے بوجها کہ بابوتراکیا نام ہوا در آپ کی ما دست بھی کہ بوگر ن کو بابو <u>کھتے تھے مین</u> رفرايا كريابيمي كتحقيق ابنيراسم كى تؤكرت تام شدكامش قدس سسره مذمست مولان محدقاصى كل فعاس كلام كمعنى المرسسي مين اليساكها ببحكرها سيء كمتسون البنداسم كى توكرسد معيم كما ل سى مجالة

<u> ل توکرسه اور را قم اینچروف کی خاطرمین جواس خن کے معنی آتے ہین یہ مین کمیش</u> ینیداسی کی توکرسے سینے وہ اسم کرنٹرامر بی ہوا و رمید رنٹرسے فیض کا دہ ہجا ور درحقیقت حقیقت تیرمی نظ اسم کی سوا دروب تیرا که آخرا ادم رجوع اورمازگشت نیری اسکے سائتھ مبوگی وہ ہواور**ا**س اسم **سک** ساتھ تحقق ہونا <sub>کا</sub> سرکے مقیقت سالک آمکیز موجا سے کہ وہ اسم اسمین اسنے موازم کے ساتھ بالک تحلی کرے نیے منظر رست بوجه کمیال ظا بر بهودسه دروه اس تلی کے ظہو آنار واحکام زیاس تحلی کے مستفر*ق ایوسته* کمک مهوعا سده جغرت فرات مقع كربه مينته سيدفاسم قدس سره كى نظرعا فبت امور برمير تى تتى اورشينع مهادالين عمرية نظرز كفته ستن اكيهار حفرت شنخ ك ياس مين كها اتفاقًا اكي كروه فقرافل لمون سے وا وخواہى كا کتاا درآپ سے رہ بروگفنت وسٹنو دہست بھی شیخے نے میری طوٹ نظرکی ا ورفزہا یا کہ رات کہان رہبے میو سن أنكامقف وديم بحكياسين مناسبت عاصل كى سوكدا ليبيى مول مين آسته ببوس معزت فراق تنع كداكرشنى عا قبت اوريه بتعداو مركظ اسكنته ايسا نه كنته – سولانا فنح المدر تبريزي عليه الرجمه سيصنغولي بوكه كما مين فرت بیدقاسم قدرسده کی ملازمت مین بهبت را کروا و رسسائل تصوف کے ساتھ میجیئے شیفتگی متی اس میکر اربهت رانین ایک بسکایسک مجھنے مین و قائق اس گروہ سے دن کردیمتین کرنیزنمین "ا تی تھی۔ ایکیام حق سیدتا سم کی محبت بین بنجیها سوا تھا کہ صفرت آگے حضرت سیدسند ملاقات کی اور تنظیم تواضع بررگی حکی مثانہ اورد قائق غجيب فريلنے ا درسِرابر كه حفرت الما قات حفرت سيد كو آتے سيد بے اختيار حكايٰ ت اوراسرار ويو بيان كرنه نشوع كرويتيه ورحقا كتن عجبيب أخصه فلا مرجوت كدو گرا وقات مين شل كسنه اتفاق نهو؟ را كميرةً بعدازان كرمفرت محلس سن است است مفرت سيدميري طون متوجه ببوك فرا ياكم مولانا فتح المداس كروه عالى كى بانتين اگرچه بهت نوش بين كمكن نقط كنته او مشنف سه كالمنهين عليما أگرتو **با بها سوكه سعادت كويونج** كه ایل بهبت كی نهاست شناكی بیزی تواس جوان ترکستانی كا داست میر كه ایر کیزران میراس سعیبت كام تعلیم قربيبه ببركديهان نورولاميت سنعه أسكه روشن مهوا ورولهاسه مروه مبواسنفس عصرا فسيوه أسكي تشراعين سند زنده ميون اور مجهة بميشد معفرت سيرقاسم كاشاره كمعوافق آرزوم عرت كى المارسكى ر فاکرتی سلطان ابوسعید میروا کے زمانہ کاب کا خطرت اسکند سے سمرخند میں آسکے بین اکثرا وقات صفرت لی ملاریت مین مبوتا بخوا و رجوکی و حفرت سیرف انتهارت کی معی اس سے زیاوہ مشامہ مکیاس سے ثأبهت ببواكه صغربت يسيدكى نظرما ونبعث ا درمستعدا دمروم مريقى ا دراس بات كي تا مئيرمين وميمن بمركه بينتر وغرت كنول بين كذراك وحريته سيد فراسق تق كرص طرح بدنا فوش لوك مجارسه كرورست بين قريب بهو كه ونياكر وترب مبور مصفريت فراسته بقط كه عفرت سيد قاسم كى محبس مين كوكى انوش مجز مندم مرمع نه تعام كا

جوكي آوتي أنكي نسبت كهيّ يتنه ده جزيين سنه ايك يفي إنور كه آپ سرعنها وقدر رمطابع «و يريسيّ اورجان سكتے تنصے كه براس مالت برمین كراميسے نا نوٹز ، اب كے كرد مبوينكے ، وراكن موكوك كى جمعدا شر سع ما ره نه تحفایا به که صب طرح و بوار بانع مبوه و اربر کانت اکات بین اگراس متنه جورون اورجا ند ، وی ک تر كا وف مهر عاسه آب سفه بي اليسير آدميد ركع را ه وي يتني ماكه حال بوشيده . ١١٠ و. انبي حقيقت كي حفاظ منه أنظ اخيار مصر مبوفرات في في حضرت سيد كرياس بيما مقا كريكيل نام حر آب كرمد ون سعد ايك يشخف في معارت اورحقائق ان لوگون کے بیے تحاشا علانیہ دلراندکت تقاا وراسمین سیا اخرکر ہا بھا آنتلاجون سی ککی فنلم حفرت مسيد برطرى دبك أسكامتني والاور برلخف اكيب دبك سير بدلثا بتعان بكيسيرك نوز يُستكيب مین قوی متی مرقدم که اسکه آنا بیخا ا کمیار اینا مرزمین میر کهای عقا ا در حذرت سهید فرمات نقط بله در وبیشان بله دروبشان اُسی طریقه برکهشنول موسته مبواسی بررموا درکوسشش کرد ، کدا د ساطهین نرموج مراسى طربق سے كرسامنے آیا مقابی فی سننا بداوانا مذا سان كك كدبار آیا أك أيكنے كے بعد معزت سفه فرما یا کرکمیا کرون اُسکی استعدا دس اِسطه رسکرسوا دومری جزگ گنجائش نسین بخاسی چنیسکه کمال مين نه مكم و ياكنسوا سيط كدكما ل برجري أسك نقوم ان سيد مبتر يوسه فراته ينتح كرحفرت سيد ما سم سفافواياً **قوکیه ما نتا هرکداس زا زمین حقائق اورمعارت ک**م ها میرموسته بین سبت که نبیا دکام کی تعیفیه باطن نیرسجا و تصغیری بنا نقر ملال رپوی<sup>ک</sup> اس زمانه مین نقر ملال کم پیخ اجار باطن صاحت بنین رسیمکه اس الهی اُس سے نلا برمون اوراس تقریب سے فرایاصب زانہ تک میرا بائٹر کارمین ملیتا تھا ملاقیہ میرار خبیجنے سغوث کا رقوبی مین سیتا دینا اورکس ﷺ قریت اینی بناتا عناحیب فالی کے سبب ایم میرا سکار موکیا! م دادا کاکتئب نما ندجه ورشهین الماعفا اُسکو بیزا لا در بیزارت کا سرایه بنا با اورایسوقت میری قوت اُسی سے التيمين سنت كمعاثا أبولن حافرت مسيدكي احتياطكها رتيريين ايسن يتقي كمرا دركومي دومسداحتنيله ريكت ينيم ا وروه خروا نع تقوا وگون غداک مربرون شند بر دُرنگ ارد سقے اَستندلال کمیا تھا اور وہ قباب اُنکا بھا۔ وق تة كانفرت سيد طرح مال بمهت تنع آريه كذاً بي الدرية زم بطريق كسب مشعول فقع جركيم ميدا كرنے عقائم لا ورم روت كسب بيده وينه معوماً ٢٠٪ أنكارُ من ورشائدٌ ، " بهست يتني أكر بينينة كركسي ما طالب علم أ وركو تتفعم سياري ميت منظ كرتية أدنى تُنسكى عيادت كرنشين استرائي كدوانن ويتبري يخف مغرت فراك يخط كدمجي مرقبة به مهوا منا (فله: ي من سه جيزام اس من نا نا الايوك سرخ من وانه بدن يَظِيرُ كَدِينَ سوزش كيساتُمُ تحتورًا بن الجعام والقاء وراث ميت كون في اردون نغيب الدين صدرك مدرسين وباكرا عنااماً كا عولاناسعدارين كاشغرى آية اوركماتعين وياري رست بوكيه طربت سيراماس كمشريف لايك اور ييمير أشي ويت الله

زیتی که فوراً انکی خدمت مین جاسکون مین نے کہا کتم ما کوائی مجیے اتنی قوت نمین ہو کہ انکی ندیبت مین میوزنج سکو بعدازه نيدر وزسفه الجليمين سفيطافت النيامين يالئ مستناكة هنرت سيرحمام مين آسكيبن توشينح ابواللبيث كي خانقاه کے دروازہ برسی و مل ن میں گیا ایک ساعت بعد حفرت سیدهام. پیزیکلے اور تخت روان پر سیٹھے ا و أس تخدت كوجاراً دمى أيرًا باكرست اتفاقاً اكي آدمى غيرحا فرعفا ايك بايدين كميُرليا بُرا بارميرسه اوبرشياكين جمع*ک گیا قربب بیفاکہ میری ناک زمین برسو یخیا و تخنت روا* ن میرے ماہتھ سے گرٹیٹرا زیشیہ خوب کو منے میں مگرمجی وہ اندلیٹندیمج ی<sup>ت</sup> اورصضور*تمام کا مد*حب مہوا ا در <sup>ب</sup>ری قوت اسنے مین یا ئی کہ امرث و مُلک کے مدرسمہ م*ک بخت رہا* كومين ليكها اسكے بعدمربدان مضربت سيد نے مجھے كها «وقت نو آ دميون كے سلك مين آيا كه مارا مات كو اٹھاليا انتهى كلامه أس عن كوأس تفريب سے فراياكه كتفريخ الينر تبنن اندنشيه بإسے خوب مين سروركرنا جا سِليسيا خاطرمین آتا سوکدانیے کواند نشدی سے نوب سے نوب اسے نوبی کرنا و ہر کہ دبانے کہ ویفنس الامرمین ایکے جب آمس عندرا فغال حق تعابه يركا مبواي حيصفت اورفغل كدأس سيرظا سرم حقيقت د *و سری حکبه سے معین دایت کتیمنشد منده اپنیانتائولیسل ندا*شیه سے خوش سطے **مبیت ش**اری حیاویکن از دوسته آفا نالني يميم وكل در بوست آو، ترجم بشادى ما وبران د وست سد، كركم ننل كل تو تكل بوست سده فراتے مجے كرخد ست سيد قاسم في كداكم مولولون كي نبس سيد ويشخص كومين في مكھياكم أنكوه وق صوفيها ا مک مولاناجا نی رومی اور و دسرسه موروی نا سرمحاری معضرت سید قاسمر قدس مسیره استرا رحال مین محنو ن اور مخدو ب لوگون کے گرومبت پیزا کرتے فرا یا کرمین روم میں تھا لوگون سے موزوبون کا عال پوچیا کرنا کہ اکرائی کا ا اگانین مین ایک مخدوب توی ا نیال مبح<sup>و</sup> مان مین گیا اور*اُ سک*و و کمچها پیجا نامولاناجانی مخفا که متبرنزمین ماسیم ستحصیب کریتے تھے ترکی مین اُس سیے کدا کہ سولانا جانی مین نے دانٹرسکٹن کہا دانپر دم مولانا سیجسن می<del>ن</del> لها تجوکسیاما ل میش آیا که مین مجری تیری طرح مرشد به تقانهمییشه سرچیز محجه سرط و نطعینچتی تنامی امک چیز د کھلائی می ا ورجیے سب سے آڑا لیکی میں نربان ترکی رومی کمساً و نیکل ند وم ونیکل ندوم سینمین آسو دہ ہوا مين اسوده بعوا حضرت فرمات تفرك مر اكرحضرت معيديه حكاميت كيتة النسوا كمي آنكهون سيم سكت تحاملو مبرقا عنها کشخن بمیٰدوب اینکے باطن مین انرکرگیا ہی ۔ فرماتے مختے کہ حضرت سیدسنے فرمایا کہ شہرسنی ارمین ا كيب مجذوب عقاً اسكے دينگھنے كومين كها خاطرمين كذراكه آيا با بامحسود طوسى بہتر بہر يا يہ مجذوب في العال میری طرف متوجه مبوا کها اتناسونون اتنامونون که با با محدود کویانی بیشا ب کابهالیجاسی والدراقم انیرون عليدالرجمه اليساكين متنع كديعيف وزون سيومين سؤسنا سج كدحبب مفرت فاسم قدس سسره سفاس مجدو سنرواری مصر جور داداندمشه ورسی ا در قرآسکی اُس دیار مین معرومت به و ملا قامت کی اورخاطرمین لاسفی

آلی پر بری و با با محمود اور آسند وه صن جرحفرت سے نقل مواکدا ورآسیک بعدکداکہ بابحمود میرے کوش کا ایک پر بری سے خطرت سید سنے وارسے طوس میں بابا محمود کے پاس کے اور میرولوانہ کی بات ابنی فاط مین لاکھ کہ کہ ایما ہے ایمانی کا ایک تیر ہو بابا محمود نے مرکب تین ندست با میز کا لا اور کہا ہے اور سے بیکان رحفرت فوائے تھے کہ ایک شربی بابا محمود نے مرکب تین ندست با میز کا لا اور کہا ہے اور سے بار کا کہ بیک باریک کی ٹرون اور اس الم میں نود کی کا کہ بین نے دی کھا کہ خوا بہون اور اس الم میں الم اسماع الم اللین خلیہ الرحمہ ایک باریک کی ٹرون کو کہ کی بواچا کی مین نے دی کھا کہ خوا میں اللین خلیہ الرحمہ ایک باریک کی ٹرون کو برا سام الم اللیمان الیمان اللیمان اللی

للاقات کی خواہش ریا دہ ترمیو کی اور اُنگے پاس مین بہت جاتا تھاا در فرما ما کہ حفرت خواجہ بزرگ قدس سنگھ بڑے اکا براصحاب کومین نے دکھیا تینے زین الدین کاطریقہ میرے نز دکیّ الیبا ندمعلوم مبواجبیا کہ طریقے ستيخ بها دالدين عمركا ببست خوب معلوم مهوّا عقاتما م دن مبيِّه رَسِيّت حِكُوبَي آيًا ٱسكَ مناسب بات كمت الْرَاقظ على سبيحة تمام شدكلام اوقدس سسره فراية متصحب وقت نينخ بهار الدين عمركے بيان جاتا اول سر*را* ه ینجنج زمین الدمین کا مکان متا اسنے کو کیے بتون سے خالی کرتا تقاا وراہنی باگ **کو حیور وٹیا نٹینج زمین لمین** کے پہان مبانڈ کوجی نہ ما ج<sup>ی تشخ</sup>ے بہار الدین عمرکے بہان جانے کو خ*اطرنشش کر تی ۔ فراتے تھے کہا کما* سیٹنے زین الدین کے بہان مین گیا بھا انکو ہستغراق تھا سو لانامحہو و حصاری حجآب کوخلفا وتینے سے گروا مثنا تھا امکیب جاعت اصحاب کے ساتھ ہاخر ہوئے اورانسایا یا کہا کہ پشنج کی تصنیعت جوامک کتاب ہم اسے نتنے کے سامنے ٹرھین وہ لوگ یا فوئن زمین بریا رہتے تھے ا ور کھا نستے تھے حرکا ت ناخوش کرتے سکے كهشا يدمرا قبهس شيخ بابرًا وين كهسبن كا وقت گذرًا عقا ا ورشينح حاخرنه متفع آخركوكها كدان با تون بسب کچے نمین مبوتا اول یہ ہوکہ باطن مین شیخے کے ساتھ ہم مشغول مبون ماکہ اپنے عال براً وین سی تھے میں اور فاطرون كوشينع پرجما ما شيخ عاخر، بوئة ا ورفره ياسبق طريق كو آئے مترفق ب شيخ ا دراصحاب شيخي ا وريز عن لرهان مين شنول موسل مصفرت فرات تحف كم مجه سيب اوبي مولان محبودا ورعام اصما سنين اختل في ا اگراکس بزرگ کو اسے مال سے انے سبق بڑسھنے کے لیے با ہرلادین ا ور فرما یا کہ سیال حاطرتسی پرجانی ا ورآسکو لات ارنا او رگردن ار ابرابر به و اس جبت سے شیخ زین الدین کے بیان مین ببت کم ما تا تھا۔ فراتے تھے ک ص روز کرخدست زین الدین مولانامحرد حصاری اور درونش عیدالرسم رومی گرا جا زیت ارشیاد می يخة اوراككى ولابيت مين بمنيج يخة مين أسم علبس مين ما خرمقا بعض محذومون في صفرت سي نفل كى كذا الكدن الين تشنخ بهاء الدين كريهان كما جهيري كم أكلى عا ديت على بوجها كهشهر من كياخ برو مين سالك دوخرفرويا ده كميا ببين مين في كها شيخ زين الدمين ا دراك كه اصحاب كمية مبن مماز دمست ا ديرسيدة اسم اوراك ا تباع كيت ہین کہ ہم*یرا وستام کیا گئتے موشیخے نے فرایا کہ بٹنے زین الدین راست کمنتے ہین ا وراُ کھ کھڑے م*وسے کہ کہولی سے قول شیخ زین الدین او*ر آنکے اصما ب* کی تعویت کرین حب میں سنے کان دکا کر*یشٹ ا* تو دہ سب واڈکل سیدهٔ سم اوراً شکے اتباع سکوسن کی تھوست کرنے تھے مین نے کہا باسے یہ ولاک**ل تول** سید قاسمیان کو الم كرتة مين شيخ شه بجرا ورد لائل قوى بيان كير سووه يمبى تقويت تول بسيد قاسم ا ودانك اتباع كى كوشه تع اسوقت میری فاطرمین آیا که باطن مین قول سسید قاسمیان کا معتقد مبونا چاسپیلیکن اسنیدفلاس کوسیسنے زين الدينيان كاعتفاد بروكمدنا جاجير . يعفرت فرات عظ كمفدست ينتيخ بهادا لدين عمروين الش كراعفاميس

ىنىين كىي<u>تە لورىين تركىنىين كرنائىقا آ</u>پ كواستىغان الىيانىقا كەنتىپىيە كوئى سوتا جوروا رىنىك قىرىكى تى تارىخىي ہونا اور کہتے گررسے تمحصاری ولایت کی سپوسین کہتا کہ بان شیخے کہتے تھے کہیا ایسی مکہ ہو دیان کوئی حائے ۔ فریقے تے کے کشینے نہا رالدین عمرکی ندمت بین نهبت جا ما تھا نچھ کہتے آوسٹیخزا دہ میرے شانے مل میں آ ہے لے شاند مباکر بهبت لماكرًا اوكرتهي موزه انكے يا نوئن سے الكه نام كركو ؤيجي آكيے يا نام كى خوشىروسە خوننة ناكى له ملاقات حضرت كامولانا معقوب حرخي قد ښسسره لي نيدست مين مفرت فرماتے تھے که اول مار حوسرات مین که احیال و فتران من میمونجاایک سودا<sup>ام</sup> وازه برينجيا تمعايين البياتهمماكدا جابق غواحكان قدس الهداره إمهيشغول يومين فيدبوجها كدمطالقا ں نب*ررگ سینیم*عین ہمونجا ہومبیسا کہ طریق بازاری اور *تاجر کا مبع*نا ہونی الفور ظالبرگیا ا و کسالینے نومبن ایک مرکب ہن فانما ڈھزت خواجہ بہا الدین سے کہ اُنکوموں نابیقوب حرثی کتے "یں نیبت مجب 'ننہ بہوئتی ہر اور آپ سکے فضائل اور شفاكل كابيان كيا اوربهت كحيرمبا بغداسين كميا بين فيها إكة بن سدواجت أبه ن بعدازان مولاقاً میقوب کی امازمت مین عاخر مبون برات مین کها اور و بان عارسال توقعت مبود اور خدست شیخ بها الکیز عمرنے روکتے میں اہتما مرکسا عاربسال سے بعد لمغنو کی طوت میں روانہ مع احبب ولاست حیّا نیان میں ہوّا صنعت وببایری کی جمیت سے کہ عارص موسے تقے اورسیل ر درتیب لرزہ آیا نهوسکا کہ علیہ و ہان سے بالراف ا وربیضی آدمهیون **نب نواحی حیانیان مین خدست مولانالی**قوب کی نبیبت بهت کی *اوراس مدت بهارنگی*ن اس سبب سيدكه ريشيان بانتن سن فتورة ظهرداعيه ملاقات من أسكاكم آفرالامريين سفاسفيدل مين كهاكه اسقدرمها ونت بعيد قطع كى اجيها منين كه أب سعد لما قات كروان حب مين كها اوراً كلوه يمعا بہت التفات کیا اور مِرباب سے باتین کمین حب دو تسرے دن آپ کی ملازست میں مہینے منا س سی فعسب کیا اور سختی اور در شتی سے میش آئے خاطرمین آیا کہ انتکا عفسب نسبت اسکے مفاکدہ مشنی *ا درجو فن* قر*رکه اُنسکی وجهست بوا عقا اگرچه تعریج نه کی لسکین به کها که ز*بون *ا در حقرآ دمی سوکه کشخی* کے آسفے کلاو میں نے سے میشیئر نجانے حضرت نے ذبا کا کہ مجید نتین میوا کہ سبب آپ کے غیر کا استماع ائس *فعیبت کا اور ده ملازست مین فیتوریتها ایک ساعت سکه بود اُس سے عوبط*فت سکے طریق سے میش آنة ادرالتفامت اورعاميت ميت كي اوركيفييت ابني لما تات كي صفرت خواج بهادالدين قديل نعه ساین کی ۱ وراجد ازان کیفیت ما تا ت جغرت کے خواجہ نے اعمر در از کیا کہ آسبیت کر طبیعت مرکا أشكر بانتم كإُسْف رز برحی اس جبت سے كرآپ كی بیشیا نی مباسک بر ایک سعنیدی عی اُس مون سگ سشاب بوموسب نفزت طبسيت كى بوق برآب فريرى طبعت كى كرابهيت ورا فت كى اور التارياط

سينظيج ليا أورا براني طن اورلس كے اپنى صورت بدل كو اليى صورت سے ظاہر موسے كه اختیار با بخت با باز كيا اور فرايا كرھنزت نو آئة الزواك آپ نے بجوا نیا باتھ دراز كيا اور فرايا كرھنزت نو آئة بهار الدين عبوا كابھ برا باتھ كرا اسے بارا باتھ كار الدين كا باتھ كرا اسے بارا باتھ كو الله الدين كا باتھ كرا التھ برائا تھ برائا تھ بارا باتھ كار الدين كا باتھ برائا تھ بارا باتھ كار الله بالله الله بالله بال

مقص دوم ذکرین بعضر حقائق ومعارف اوردقائق اورلطائف اورحکایات واشال کرکردهفرت سے درمیان صحبت داحوال کے ببواسطوسف کی اورتین

فصل میشتل ہی

فصل اول معارف اور وطا نُف که ذکر مین جرمعنی آیا شده اماه پیشه کلام وایایین قرائے مشیم فصل د وم آن مقائق و دقائق اوراُن حکایات که ذکر مین که شنائخ سلف خلف قدس له روانم منوکسی فصل مهروم شخنان خاص که مرباب سے صفرت کی زبان مباسک برگذر سقه نظرا وروه خلا بات که فعش سے اہل برایت ونها میت کوصحبت مین صا در مہیست سخت

قصل ول أن معارف اورلطا كف ك ذكريين كداً يات وصريث اوركلام اوليا كم منى مين فراسة تي اورمعاني آيايت سوله رشي سكامن مين داروم وقين -

معرور ما ما به به من من من المعروب العالمين من فرائد بين كرهما كى اكيب بدايت مبرا ورامك نهايت مي بدايت رشيخ آيت الحديد رب العالمين من فرائد بين كرهما كى اكيب بدايت مبرا ورامك نهايت مي بدايت

د ه بیوکه آس مست کے مقابلہ من جو بنده کر وی میوحمد که آبرامواسط کرده جانتا ہوکہ تابستا کو زیا وہ کرتی ہوا ورنها حمدکی رسی کوش سیبی نه نفه نشکدا سکوانسی ته ت وی مهوکه اس توت سیسی حق عرود سیت قائم میونما زروزه جے زکوتہ اور مثل اسکے البیری نعمتون کے متاب<sub>ع</sub>ین کہ سب ب قرب اور رمناہے حق سبحانہ مبوا سر<sup>و</sup> مدکمتا ہو کلب نهایت حدریب که سنده بانے که مایه اسلے منظهر بنے نحیریت سبحانه نهین سوکمال · نِده کا اسکے سه انهین سوکہ <del>ما</del> که وه معد وم مهرکه ندا سیسے ذات <sub>هج</sub> اور نه حقیقت مهج ا ور نه فعل سج اس اند نشید سے اپنے تنیکن خوش کرا که اُ سکومنظهراینی صفات کاکیا ہی۔ رشحه " آست وقلیل من عبا دی الشکورسی فرمات عظیم که شکورمقیقت مین وم سو کنعمت بین نهمت فیفالیکا نشا ہیرہ کرسے اور فرما یا کہ امام غزالی قدس سرہ نے فرما یا ہی کہ اُکر نغمت سے لذت یا نے والا ہو وسے **توشکر** کے منافی منین سی اگرلترت کا با نا اس تهت سے مہوکہ معول کا سبب برق<sup>ا</sup> ہی ۔ ر شبیط آمیت <del>فاعوش نمن تو ریمن و کر</del>ا کے معنی مین فرماتے مینے کہ بیر آیند دوسنی سکے ساتھ ہا ویل کی گئی ہو ایک وه برکه خل سرآنت سنته تبعی مهاتی توا ۱۰ انس اُس گروه سے کرجس مین سیمارے ذکرت اعلیض کمیا سوگھ ده منکرا درغافل بین اور دوسی*ت وه* که ائیب اُرو ، مین که کمال مهتفرا*ت اویسه ته*لاک سے شهود ندکوت<sup>ان</sup> صفت وَكركِي آمنسے و ورسچگئي ہو اگرفرف کن لوگون کو فرکرتی پھلینٹ دین تواکا و وَکم الع مشہود سرکورسے ۽ گا میں حضرت رسول صلے الله علمیه وسلم امور اسپر مبولے کدا میسے گروہ سے اعراص کرین مجھون سفر اعراض ة كريسے كيا او*يرشب*د و نركورين مستنغ ق موسك اس سى شع*ا ككو فكريكينے كى تكليع*ت نہ فرا وين س ر " الله الله وكو توامع الصاوقين كيمعني من فرايشه يته كرصاوقين كم سائق مبونا المسكر وومعني مين ايك كنيق لینے مہونا تحبیب صورت ہی اور وہ بیہ کرائل صدی کے ساتھ مصاحبت اور میالست کوانے وقت کے نام كهيئة اكدأ بكي د وامق دبت سبع بالحن أسكا انوارصفات واخلات أسكے سعىمنورموا وركنيونىت محب يميني يوان وه ميه که باطن کی راه سعه طريقيه را بطه کا نبول کويد اُنس طا گفته کی نسبت کاست مقاق واسطه مبوشه کا مکت بند ا وصحبت كالمعداسمين تكريب كربهيشية أنكوس ما ظرم وللكداليه اكريب كصحبت وائمكى موصورت سيمعني مين عبوركرنا كسميثيد وانسطرنطوس موحرب اسمعني كوبرسبل دوام رعابت كرسه استكر مركوا يحدرك سائفه مكتا ما دموسفی ماسل مواسواسط سے جرکی ستعدود اصلی ہو ماصل اُسکی حقیقت کو موگا ۔۔ رنتنی اسی آبیت کے مضمین فرانے متے کہ جرمی اس رواجب الا تشال سے مجمعا جاتا ہی ہوکہ جا ہے کہ ا ارتبا ماکسی ایکسه بساوت سند مهومها دقین وه گرده مین که حرکم پیست بغیرین آنجی شیم باملن که مسامن شد أسطفه بين مرمح صدوت أس نيزه كوسكيت بين كدجو كمجر نيزه كوماستى ا ورمنرسيد ما بهير مكنتا مو جوكم وتعتقبت

انسانى كويابي أسطح سائقه منجله مو اكداني دروم كمال كوهيونيا مبوسوا اسكركة توج راست جناب ع سبحانهين برسبيل د وام مېزا ورنځوننين سې س رشیخه اسی آیت کے معنی بین فراتے تھے کہ**یت!** عاشقا نی شین وسمیہ عاشقی گزین 4 بابر کہ نسیست عاشق! ا ومشد قرین + مبشی استا می که اونحوس بود + جانشگ گردش از ونحوی مشود + با زاستا دی که ومحوی لوده بان شاگردش از دمموی مشود + **ترجمه عاشقون کے سائے مبی**ے اور سبب عاشقی قبول ک*ا ورجو*کوئی مشق ىندائىكى بىس سىن كېكىپ أس استا دىكە بىس جوكەنى بىر مان اسكەشاگردى اس سەنوى سوگى سىجى اُستا د که ای مبواسکے شاگردگی جا ن محوی مبوگی۔ آ دمی اس حبیت سے کہ ہتندا د بوری انر قبول کر ہیکی ا مسكور نشنينون **سع ما مسل م امسس امركا ما**مور مبوا كه كوبي عمل يكشش جوح سبحا نهس*يه اس گرده* كي صير . ) يركنه واقع مرومقا مايه دمغا دمست كرسكتا مبح مندنة من جذبات الحق ثوازي عمل اعلى ترحميه کیشش نشها مدحق سے برا بڑمل دوجهان کے ہوتی ہی اسکی مائیدکرنے والی ہے۔ رثنتى يمشكله لإالدالاانسدتين فراسته يتع كدمعيش اكابرني ذكرالااله الاامسركو فرطام كهام واورذ كرا يسدكو ذكرفار ا و رفه کردم و کوخاص انی صل و رحسه الانگه دکرلاا ارالانسر کا خاص انیام سوسکتاً سوکسوا <u>سط</u>ے که تخلیبات قص<sup>یما</sup>: کے لیے نما بیت نئین ہوا مدائس صورت میں *برگز کا استعنوایندی ہر آ*ت میں انگیے صفیت کی نفی گرنا ہی اورا كيسصفت كا اثبات يس ابرا لا بادنفي واثبات سے فلاص نمين موقا — تشخه فرات تھے کہ منی لا آلہ الا تسربعضون کے نزد کیے کہ انداسم ذات ہومن حیث ہووہ مبوسکتے ہیں ک لاآلهنين سجاهد كم عبارت مرشر الوسبيت سيرسي فيخ ذا ت سى العدفات الاالد ممرذات سجت مسيست فالی ساس منی کوبست آب سے د ور نرکھا جا بہتے کسوا <u>سطے کر</u>صب ول اخلیسے فالی موتوسٹ ہو*ک* بجزذات مقدس كركوئئ ننين بجا ورنيس ببت مبتديان فواي عبدانى فق مسمسره كى ميسر يمجعا جمحهامصرع بانک د وکر دم اگر در ده کس ست + اوراسی منی مین فرماتے تھے کہ مبتدیا ن طریق خوار بها رالدین قات رو کواول قدم مین چاشی فلیت سیت کی عاصل سی -شیده آیه کرنم<mark>قل اسدنم ذرایم ک</mark>ے معنی مین فرماتے کے همراد وہ ہو کدنقس ذات سکے سانتی متوج رہ نصفا سے کے ر المراحة كرار عقود الميا الذين أمنو المينوا قرائع القرار الماره ي المرار عقود اليان كاكراس گرده کے نز دیکے عیارت ہوعقد قلب بجی سیما نہ کا افرکیا ہو کاس عقد کی گرار کروسینے سعی کرو کہ جانو کہ یہ وصفت تمعان*یت معدسے بنین ہو۔* رشح<sup>ال</sup> اس آبیت کربمہ کے معنی می<mark>ن فمننی طا المنغسر دمنم مقتصد دمنم مدابن بالخوات کے فر ماتے محظے کہا</mark>

تنتم خلا الم نتفسه إنشاره ائس كرزه كي طرث مبوكه النيافنس برطله ما أن معنى كساس كمه حوكه أسكي مرادس لذت او احوال مین اُسکی مخالفات لارم رکھی ہج کا کم قبول مرسیت کا مست قیق کی نظرسے برگرده مقتصدان سے مقدم مبون اور مقتصدان سابقان کرات سے ۔ اور استان کی نظر سے برگردہ مقتصدان سے مقدم مبون اور مقتصدان سابقان کرات سے ۔ لى طرف بهي بني آ دم سے كه قلب مينين برواقع مونے بين جوالک گروه الانكه من كه أنكو غابيت متنظرات متصمشه و فداتی مین کوئی اگا سی اسکی که فرزات حق سبی نه سی کوئی مو بو د میرندین می وم که ه به کروم سی چیرسے اُگا منین سی توحرورکسی چیر برایان نرکھتے ہوگئے نا میار لایونٹنون وصف ان نیررگوار و نکالیا ر شی اس آیت کے معنی میں کمن الملک الیوم سد الوا صالعته آر فرائے تھے لمک سے ل سال کا مراد لین مین دب بی سیماندا کید و لریر تراحد میت شدخلی کریداس و ل مین دینچ غیرست فشان ندهی میس ا س و ل مین صدا به اس الملک الیوم واله اور حب اُس ملکت مین غیر اینی نرونجیمی آپ سی و برا و مه که به الواحد القهارصدا. پرسبی نی با اعظینا تی ا ورانا المحق ومل فی الدار مرجی برای ورایجیشال اسی متعامیط رشن میں اس آبیت کے معنی مین <u>یا ایہا الناس انتم الفقرار الے امید فرما</u>ئے تھے کہ سب آدمی *مقاج سیجا* کے مین اور مرکا وی تعالی اسنے عافدیمے جانتا تھا کہ آدمی حسب تفاضا سے سنبریت روئی بان اور اب د نيا وي كامتياج مبوكا لاجرم مبال فتيوست كوسفا سراسيا نصدها سركها ماكرآ ومي مسرجر كامتوج معقوق مجاج بب سبحانه سوباین وجد که ح سبحانه تعامه منیوم مهوس رتشح چل امكیب دن لعیف حاخرین علیس كوسیاست او پلاست كوشفه عقدا درباتین فرات عفامس رمیمیا ن مین ونرهٔ باکوچ ن ا ور در واز ون برمبت میرو و ه کام کرد که شمسه کوئی نغیم حاصل کرر وسطرت م*بوسكے اپنے تنیکن گم کر وکوشش کو ک*ان میں اور اوریت کرشت مین ماصل می<sub>و</sub>سیعفیون نے معنی *۱۱۱ اصطبیباک لکو*نگ العنسيركما بهركه وبإيهي تحقير كوشر سين سفود امديت كزت مين -ر شی کا آیت کل روم مولی شاک مین إثین فراتے تقدا وراس اثنا مین ایک تقریب سے فرایا کہ مقا بعد الفناك ووسعنی مین ايك به كه مبدازان كه سالك مشهود ذات كه سائر منعق مبوا ورأسمين سنطا تمام بإيااه راستغرات ا ورهيببت سيعه شعور وحصور كي طرحت عو دكركم مناه تخليبات اسمار معلى كامبوتا بهرادم اسمارکو منیہ کے آثار کو اپنے مین باتا ہوا دران اسما دسے مرانکیہ اسم مین امنیاز کرتا ہوا ورہرا کیہ اسم سے ا کیے۔ خطافاص حاصل کرتا ہے ۔ و وسرے معنی بیمین کہ مرایک وَن اور برخ دلا پیمز سے مین زمان سے اپنے اندراكيب اشرأ أراسار ذاتيه سے كراسيكے ليے فارچ مين مظام بندين موت باتا ہر اوران فائاية آثار السم تسم

مثله ن اسنیے ماطن مین باتا ہوا ورما عثیاراختلاف آتا رہے سرائیب ادسنے زانہ مین زمانون سے انتماز کرتا سوائی يرامرىبت نادرا ويهبت بلند ببحاورا فرا دانسانى سے فرد كابل تركردا بل ولايت سعے يہ بات نا درطور رئيل بوتی سی اور آمیت کل بوم مبونی شان مبان کرنے دالی اس معنی کی سی سیت، سردم ازین ماغ بری مرسط تا زه ترازتا زه تری میرسد و ترحمه مروم اس باغ سے اکیا کھیل بیدا میزایج نازه تراکیب نازه سے میرخیا بي اور دو كي العيف احاديث كمعنى مين كهت تقع وه الطريشي مين واردك ما تعربين -رشيح اس مدسيت كم معنى مين كه القفاعة كزله لينيغ فرات تخه كه قنا عت بهارت نز ديك بربركه اگرنان ج بغيرهيني آسفي سككوني تتقص بائير آرزونكريب كهجيني مبوئية آسكى كالبوا درأ سكوعي أسقدر كلعاسفه كدايم تتعد بإنوك فنبش نماز مرسف سكسيه كرمن اورفرات تنفه كداس طور ررسنا يابيه كه كعان بيني من مهشمليا ا ورأنس چربیر فناعت کرنی بیا ہینے کہ اس سے فرو تربنہ دلس اپنیا دست مبارک کھولاا در فرہا یا حب کوئی بحثوكا ميواكب كمعن دست كلوني يآتنا أسيركا في سيسيني ايساكها آنسوده ميواسرا ورفراست ريته كدونشخص كنيكسن جا طیرے مثلاً گاسمین بانی جو نرآبا دی اورکسی راه سے طفام کی امیدینه وا درآسکو کھانے کے لیے کو لگاننڈ ، نبوا *وراُسکے با*طن مین بھی کوئی تفرع زاری نہوکہ سکتے بین کُدائس سردِکو چرقسفیت فناعت ماسل ہوئی ہوتا رشخة اس مدبث مین التكری المتكرص آفت ترحمه غود نغرد روان سك سائته كرناصد توسی فرمات تفی که تكم دوقسم سي ندموم ا ومحمود ندموم خلق خدا پرمنظم سرتا سجا وراککوحقارت سے دکھے شا اورا سنے تنگین اُ نیسٹے باہا اوربيترو كمجيف اور كمبرمهودسينه ثوحهي تأسويسه المدكى طريث ا وسغطير بوغيري سبوانه بير أبميغني كه جوغرج تسبجانه بهر وه اسكي نظريين حقيرا ورستيدروا ورعلاقه أيتكه التفات كالس أسية منفطع بهوجاب يذكر إصل سوا وروشه فناكوبيوبخا دسني والابيحسب رشخة فراقه يحفي كم مدسية مين واروميوا موكة شيبتني سورة ميوداس بناير بيح كه سوره ميود مين كهشفاستكا امروا قع موصبیها که فرایا حق سبحاند نے قاست قر کی امریت ا وراستقاست انگیب امرسیت سخت ا ورشکل سیمی ا كاستىقامىت ئىستىقرارا درنىئىر ئاحدوسىطىيىن بىجاتئام افعال ادرا قلال ادراخلات ا دراجوال مىين أنس نېدىي لە**ىجاوزتام فغال ئ**ىن ھ<sub>ۇدى</sub>ت سىھ صا دىنە وا دېكىئا بىنى طوندىن سىھىھفوط خلا بىرىدواسى سىب سىھ كىلاسې كەككا استنقاست رکمت به و ورط ورکرامات ا ورخوارت عادات کا اعتبارینین ب رتشخه اس مدیث کمعنی مین الیوم تسد کل فرقه آج کے دل سب ر د زل بندکیے ما ئین فراتے تقصی ابسمين مفرت دسول المدحل الدجليه وسلم نمازادا كرسق تخة أسمين وردازه يتقائح فرمت صلح العبعلب **وسلم نفعوش موت بین فره یا بحقا کدا**کن مسورا خو<sup>ا</sup>ن کوسندکرد. ا دروه در دازه چیوگرد د ح**وصد بی** اکبرصنی الله

ونہ کے ظرمین کوعقابیس فریا یا السوم تسدکل فرحۃ الافرحۃ الی کمرآج سکے دن مبدکیے جامین سب شکا ب گرشگان بی بگرار با میکفیق اس باب مین تن رکھتے "بن ا وروہ یہ ہم کہ حضرت صدیق رصنی ا بسد عنہ کو کما النب بت حی حفز رعلیہ وسلم کی نا بست بھتی آن مسفرت صلے اصرعلیہ وسلّے نے ایس عدیث مین اُسکی طرف اُشا ل كرتمال بستين اورطريق بمقابل نسبت جي كرمسدود بين اورج كميم وصل مقصدو براس نسبت كيسوان ہر اور را بطرعبارت اس انسیت جی سے مرصاحب دولت کے ساتھ کہ اعتقاد واسط موسف کے الائق مو ا ورط لقه نوا مگان قدس المداراحم كاكة حفرت صديق اكبركه سائق منسوب بواسي نسبت حبي كمثيبيتك <sup>به</sup> کا دران عزمیز و ن کا طریقه بختیقت مجمه داشت اس نسبت مبی کی سو — ایک و *در سه وقت اس نس* صی کی تصول کے بیان مین یہ ابیات شرعین تلمنوی مین در بچیسوی بیسف بازکن + فرزشگافش فرزیم افارکن ا عشقبازی آن دریچه کردن ست + کزجهال دومست دیده روشن ست شرحمه بان دریچه کمول پیسعن کی ط<sup>وخ</sup> ا ورنسگا در آسکے سے فرحہ باشرف بعشقبازی وہ دریجی کرنا بازید اورجهال دوست سے بریسسرفرازی رشحه فرا تریخه که تعظیم بزرگان طرلقیت خوامیگان قدس ایندارواحیم نے اس مدیث کے معنی می<del>ن آن آگا</del> وقت كهام واى وقت مسترشائل مبع اوفاته سليف وقت دوامى كدا يني تمام اوقات ميشتل موسه سيف ت بني صله الديمليه وسلم كوحل سبحا زست اتصال اورارتباط برسبيل ووام مامسل مقاكه أسمين ى مېزىگەنىش نەتھىلىكىن قوت مەركەيىن سىكا نا م<sub>ى</sub>خلىپ بېرسىپ جىزون ك**ى گىغائش سىرمىسالىج دىيا او**ر جنگ دشمنان ا درمعاشرت ازواج طا برات دغیره سے اور بیضے معزات نے کها ہم **ی مع ال**یدوقت المح عزنزنا در ترجمه ميرے واسط المدرك سائخ ايك وقت سي اى وقت غزنزنا درا ورفرہ سقسقے كم مندست نخدا علار الدين غجدوانى عليه الرحمة مسيل لقبول ماني كرته يقط ا و ريكت يخط كه كالمون كومر ببيل ندمت بيال قع مثلاً رشحة فواتنه تضح كهشب سواج كي عدميث بين واقع سو كه صب حفرت برئبل سمرابهي حفرت مصلح الله على وسلم سے بازرسے فرما يا كہ تو دنوت انملة لاحرقت خرجميه اگريين نزد كيب آؤن الممشنت معرفوري باجاء دال تعتیق فرانسی مین که سر اگرنزدیک. مادن تبدیرسر انمشت انچمقام سے کهشهود ذا ت ميع الصفايت سر ميراً تنميب نه مين علجا كون ليني مين نرمون كحير اور مهوجا كون ليني صفت ملجاب اور ذات رهجاية ر منتخط عديث ادبني ربي فاحس ا دبي مين فرايا اي بان اعطاني الجنة الجاسقه مجسع *عصايص النعوت المرضية إلح*فا الحييزة التى تقيق لا بلائم حفرة الحبوب ترجيدا دب سكهلا يا مجع ميرك رب قدا وركميا احجه اسكعلايا لينه اطرح مجع عطاكيا حبنت حابسع تمام مغوت بسنديده اورخصائل مميده فاص كاجوكه مقتضى أس جيركو ببركه لائم اوا منا نسب درگاه مجوب کے سر سلطنت محبت کے حملہ اور غلبہ مین کہ قطب دائرہ توصید می کون فرہری آسمین

بلاعم اوله بندمه ه حفرت محبوب كي نتين كه مقهورا و مركفع نهوا وركون چزر مبجا سيخصائل حميده ا ورا خلاق نيب سيركه حاصل نهو معداز حصول محبت كم محب جميع وقائق مرا دات صفرت تحبوب برسطام بهوكرا سنيتنكن سوا مرمنی ا ور ملائم صفرت محبوب کے صرف مندین کریا سبیت است و توعشق سست چواسنی میراسی + اوخود سزان عال كوير كرجكن + ترجم أسستا و تراعشق مي ميوسي جووان توب وه ندوبز بان عال كمرسك كرتوييكر + مشتخه فرملت تتفحكه صغرت اميرالهوشين عطرصى الدرىمذين فريايكه لوكشف الغطاءول ازددت تقينيا ومخى کہ منا سب ہشعال حرف بوسکے مہوا ور وہ ایک کلمہ ہو کہ معنی آسکے اتنداع ٹانی ڈارسیطے اتنداع اول سکے مہو لسى كم قرمين مين نبين أكم وروه بيه كالقين مبشه ترقى اورته ايدمن م كسواسط كركشف غطام ركزت کنمین اور میربات ارباب تعتیق کے نز د کیٹ ثابت ہو *تکی ہو کہ فات من صیت ہو سرگرز ظا ہزمی*ن ہو ت*ی گروہ* مغات سع برگاه يدهيقت مبيشه حجاب خفاا در بهتنا رمين رمتي م ورده كا كفانا برگزمكن نهين سيهقين لایزال کا تزاریمین مبرتا ہر۔ اور جو کھی معین کلمات اولیا کے معانی کہتے تھے دوسات رشح میں ایراد موقع ہیں رشحة فسراس من سكمعني مين كه اضحبوا مع البيد فان لم طبيقوا فاصحبوا مع من تعييب تسرترج بجبته ركهوا للتأ مسائقه فيواكرون قت أسكى تم كونهو تواًن لوگون كى صحبت مين ديوه كيصحبت ديدر كسائح مهو فرانے تقے كمعجبت سيريعان مرادحضورا وراكابى ببوكه لازم حبت ببوكسوا سط كهصاحون كولازم مجركه اكيث مط سه ماخرا دراگا مرمین ایسا وار دمبوا سی توج ایجا دمی مین برسیست انسنان سکے کہ طفستہ بسیری ای بالاوصا المقالجة ترجيبه ميداكيا مين سأأسكوا ينه الخفون سه اي سائفها وصاف مقالمه كم سايف جميع اوصاف سے اسمین کچرم کا ورحلہا وصا من سے مصنور واتی ہے اسواسسطے کہمی سبحانراز لگوا براً اپنی وات سے حاخزی میں جرکھ کے حصنور *آگا ہی سیے افرادانسانی مین ظاہر ہواک افراد سینیین سو ملکہ ایک کیآ نیاب حضو فرا* سع م كردنيا رسط برريكا والسكر وش كردا انسار كاكما لينين بوكرا يمريج تين اسفي مال كى كرسك مبان كديم كوكس مفتح وفيوسه عاصل مى وه أسكامنين مو كما يق كالمرحسب التي تعالى الدأسكواسيين كولى حق بنيين موج كيوريرات قدس مسره نے فرا ایک التحقیق کمنی مصح بک ترجمید کی تحقیق آلشکار کرنا اسنیے ساتھی کا سراشارہ اس بنی کیوانگ ر شیخه اس من کرمعنی مین کرمع طرح تعقیب نے فرایا ہو کہ اواقبل صدایق اسے العدالف العن مسنة حم اعض من لخطرا فات منداكز الاله ترجمه الركوي صديق المدى طرف وس لاكه برس بيش آفي يواكي لخطاس-ا وامن ا درردگرد انی که نوت اس سیر زایده اس سیر مهوسیکده ههدیجا به - فرمات تنه محقیق اس سخت کی وه بری برگرده بزرتوارانس مقام بربهوشخیت بن که مراکیب دم مین کسیب کمالات انفدم کورد بین اور مکایت مشه کاس کروه سکومین صفرات کی نرکو یای ده به که انکی غما زی خلیفه که ساسنے کی اورکداکہ بر اوک صوفیت بین اور طاق گوکاه کرتے بین اگرایسا برکد انگوش کرسک آس نفرش کود ورکها جاست تواج عظیم اسکا بوگا اور حب انگردار انخلاقیین حافر کی عند نظیم دیا شه شدران نه بها با که ایک کو آمین سے گردان اوست و وراساسند آیا اور دیخواشل کا حکم دیا شه شدران نه بها با که ایک کو آمین سے گردان اور بی خواش کی جلا دیران اور دی جواش کی جاد دیران اور دی جواش کی جاد دیران اور ایس مقام کو بهر و بنیمین کرم دم کسید که است می که اور برخوا اور که با ترجی به با اور آس مقام کو بهر و بنیمین کرم دم کسید که الات سابقه کرتے بین کس در آن کرم در ایک دو سرے برا نیا اور آس مقام کو بهر و بنیمین کرم دم کسید که الات سابقه کرتے بین کس مرا کران ایک کو بست می با الات کرن میمی که الم بین کوئی حداثی مولائے حال کی حقیق کی و بست کو بازگری کوئی بیران کی مدا کرفت نیا که ایک میمی که اور آس داری که ایک میمی که اور آس داری میمی که اور آس داری که اور آس داری که ایک کی مدا کرفت نیا که در آس داری که که ایک میمی که در است کوشش کی که نوارد نیا رم به که ایست میمی که در است میمی که در است میمی که در است کوشش کی که در است میمی که در است میمی که در است کوشش کی که در است میمی که در است میمی که در است میمی که در است کوشش کی که در است میمی و دنیا در میمی که در است که در است میمی که در است میمی که در است میمی که در است کوشش که در است که در که در است که در که در که در که در است که در که د

رشی فرایت شده که به جواکا برت که می که می مینه من السد طرفه مین المهید طول عمره اسکی معنی بین که میزدا موت شده که تدارک سک که مدایت با فته نمین موسکه تا بو —

رشیخهٔ اس عن کے معنی مین کہ لیفے عارفون نے کہ اس کہ ارباب الی ل بہرون عن الاجال ترجیجہ تا احوال حوال نے تبرا کرنے والے بین فرمائے کئے کہ استغراق اور استہلاک سینے کم اور فنا ہونا بھی ترقی کامونیٹین ہو دسوا سسط کہ تحقیق کو مہو سیا ہم و در معنوم مہوا ہم کہ ترقی منحصر و وام عمل برسی اور سہندا ک کانا ورحقیقت عمل سے باز رہنے کا زیانہ ہم ملکہ استغراق اور استہلاک اس والن کا وسکے احکام سے مہم کہ کھات اس مولمن میں ظاہر مواہم اگر مقام و نیا میں ظاہر نہو تا مقام عقیم میں بطابق اکس ظاہر موتا ہیں بنا براس مقانی

کے ہوکرار بابان ال سفا حوال سے شراا و رہزاری ظاہری ہو۔ رشیخے فواقے مختے کہ معرف فوا و می مارسا قدس سسرہ سف کلعا ہو کہ حقیقۃ الذکرعیارہ عن تجہائیسسیما نہ لذانہ بذانہ فی عین العبدمن حیث اسم المشکلم ترخم و دکری حقیقت عبارت اس سے موکوی تعاسط سبمانالڈ بذانہ ذات مبذہ سے مجنیبت رسم شکانجی کرسے اور فرایا کہ یہ مقام مبدن اسکے کہ مدتون طالب و کر کہت کا کماسکا ول دوام اُگاہی یا وسے سیسرمنیین کم فیدا' ان اگرد وسے ماحل لاسکے اور اس نسبت کوآپ سے ساسکے ک

ق سبحانه کی طرف سے عنا بیت ہوئیں میرسیت بڑھی سبت بکے جار مستانہ مردانه مکردیم + ازعام گذشتیم سيريم + ترحمه مروانه كيا حائمستانه اك سينه به معلوم كوسم علم سير سيخ حيسة حجورًا . رمثني<sup>ه ا</sup>اس عن كەمىنى مىن كەل<u>ىقى</u> بزرگون نے كها بىرسىجانەمن لمەيجىجا لانكاق سىسبىلاالابالىج عن موفهة ترجمه یاک ہر السر حسنے خلق سکے سلے کوئی سبیل ہنین کھی الاعجز کے سائھ اُسکی معرفت سے فرائے تھے كه غرمعرفت سے وہ ہوكم معلوم مووس كه لايون العدالا العد شرح يفسن بيجا ننا العدكو كمرا مدر مين منت مقتضا تركيب انساني كأنهين سوخوكيج معرفت تركسيب انسان مين ظاريبي وه ازمُن انسان منين عابنها آنئيذ مهوا سجكه اسهين صورت معرفت غن سبحا نه نے عکس مُوالا ہوالیہا عجز منا فی معرفت انسان کے نهیج پیا لا يفير كمان ليكئيم بين كه خرمع فت سيحبل سيرا وريه باطل سي-رنشي يحت فرائے تنفے كرشنيح ابو مكر واسطى قدس سرەن كەر بىر ان كىنت قائما بغيرك فانت فان ماجمع ولاتفرقة ترجميه اگرتو قائم النيه غيرسير ہو تو تو فائى ہو ملاجمع اور بلا تفرقه کے جمع سے پہان كنا پیمل مین وید قومیق سيد برا درنفز قدعبا رت اداب وظالف عبودیت سے اپنے دصف سیر ہو فرائے منصے کہ جینے اس بخن کامفرن يالبا اورة وتَأَا أسكا مدرك مبواخلاص مبوا اورتفز قداغيا رست جيهو"ما ـ رنستي<sup>ن</sup> فرمات يحته كدا كاريت حمين من اور حميع الجمع مين اليسا كها بوالجين ما علي بروم**ا مك عليك جمع الجمع** ات مجمع الدوالك عليه ترحمه جمع يرسج كدح أسط سليه وأسبراي اورج نثرسد سبير بي نتريث اوبراي اوجي الجيع یہ ہوکہ ہواُسکے لیے ہوا ورجو تیہے لیے ہواُسپڑی کیا جاسے اور فرایا مرتبہجیع الجیع سکے مرتبہ کو بیان کرنے والی پیت برکه ه فرت مولوی قدس سده نے نتنوی مین فرائی مومبیت ماکیم ندرجیان تیج بیچ به چون الف ا وخودناره بيني بيرج + ترجيم كون تم بين اس جهان برييج بين + جون العن حبنكي سركنتي بيرج بين --سل و ومرأن حقالتً ودّالَق اورحكايات كه ذكريين جومشائخ شقد مين اوريسًا خرين قدس الا رواحى سينقل كريت محف اوروه باون رشحه كاغربهان كيماسترين -رشخه که فرمان شف که ایل ارادت بهت کم مین اس تفریب سند کها که ایک شخص نے بزرگون سند ایک کم باس آدمی عبیما که اگر کسی مرمد صادق کایته معلوم موسم است و استطاعیرین اس نزرگ نے جواب عبیما که سیان مريدكمة والكين شينح مبعت درجا جوثمعادسه واسط مجتبي دين ب رتشيخة فرياتي عقع كهولاناركن الدمين فوافى علدالرجنة تثريب مفنائل اوركما لاست سكيقف وروانشم ننتائج اس طائفهست انكوارا دت صا دق بھی وہ كيتے جھے كہ بين اسٹيكسی كا م شے اسپرواينبين مول الاا كميس كلم سنعا وروه به به كدامك رودموا مين خدمت نتين زين الدين على كلال ويستشيراز سك فرست فينح تقع طباق مشنول تصادرین نے کلی ستنباً اُنکے کیے اپنے رضارون ریکھ ساکہ اُس سے استنبا کیا۔ رشی کیے بی اُس سے نقل کی کہ کتے تھے اگر صورت ایک درولیش کی دیوار نیشِش کرین اُس دیوار سے نتیج سے ما دب گذر نا چاہیے۔۔

رتسی فراتے نے کہ سہ کم میں عدائد آب نزی قدس سرہ سنے مدت درازرا صنت کھینچی ا درسمشیہ ذکر مین شیغ ل رہزا دائش نزرکہ ایک روزخون آسکے و بانع سندر والن مبوا برقیط و کہ زمین برپڑکا نغش الدکا ذائد دا: دادی ایسے دشند لہ ان کردنشون اسکے رسے دائکہ یا د داشیت کا حکم دیا۔

ر منتي المرين عن كواميني كي محبت موصب فتوليبت كابوابي قرائ تقد كدا كم سرہ کے دفت میں میرا فرا یاکہ لاش کروہ ماری محلس میں مبکا نہ بدا ہوا ہو کہ بے فتوراً سیکے سبب سے ہو بعدا ز بتر و الماريغ كما بريكا نه منين ووندا يا كرعها فا نهين الماش كرو الماش كي عمد المرسكان يا يا وور كيينيكا می الحال اینچ وقت کو با یا ور ده تفرقه مهمیت سه برل گیا سا*, در فرمایا که خُوا جراحمد بسیوی کویمی قد*س سره امک*یب بروزنسبت مین فتور مهوا به و فرها یا که نب*گا نداس صحبت مین مه*و که اُسکے سبب سے میروش*ته انس كمرموا بو بدراز تلاش لبسيارصف نعال مين بركيانه كاجرمايا يا برمينيكديا في الحال مبيت اورصفائي ومشت ماصل مبولی اوروه تفرقه ا ورکدورت دورمبولی تعیش مخدومون سنے فریا یا کہ ایک اصحاب مبگیانہ کی ہو*شاک* یمینے مہوسکے تھے اور مہم کووقت انعقاد صحبت کا تھا حضرت کی محلس میں آیا تھا بعدا زلحظ مفرت نے نرایا كراس مجلس مين بوسه ربيكانه آتى ہولىس اس عز نرسے كها كه يہ بونجيعيد آن ہوشا يد پنجانه كا لياس توپينيا سبح وه عزمنر آشها ومعلبس سع با مرآيا اور ده كرشه دا تارم د اساد ا در ميرآيا ... رِشْحَة فرات من المارباب تعنیق سکے نزد کیب انسان کے اعمال اورا خلاق کا اثرجا دات برٹریا تابت پخفر معنى مى لدين بن لعربى قدس مرصنداس باب مين تحقيفات مبت كى سيرا دران حيادات كا اشرقبول كركا اس مدتک مبوکد اگرا کیستخفس افصل عیا دست که خاریج انسی جگرا واکست عبدیکسی جاعت کے طراح اعمال و ا فلات کا اثر بہیونیا ہوتواس عمل کا بہا اور جیال اُس عمل کے برا بنیسن سوکہ ایسی عکبا واکرے کہ ا اچ جبیت کی جمعیت مسے اشر ندیر مبول بر میں سب ہے کہ دورکھٹ نماز کی جوحرم کرمین ٹیرھی سکتر رکھٹ کے برابرہے جو دوسری حکم پڑے ہے۔ مسے اشر ندیر مبول بردیں سب ہے کہ دورکھٹ نماز کی جوحرم کرمین ٹیرھی سکتر رکھٹ کے برابرہے جو دوسری حکم پڑتے ہوئے رشی کا نے مقعے کہ اس نسبت کے ملا اب کوعمل کرنا صفرت عزیزان کی رباعی مصنب دورہ ہو کہ یا نخی بإبركهشستی دنشن جمع دلت + دزتو نرمیرزحمت آب وگلت، + ازصحیت دست اگرشت را ؟ رگز تمندر ورح عزیزان محلت ۴ شرحهه حس کسیکے سائخ تومیجیا اور ول نیراجیع منوا ادر تحصید رصت اب گل سینے طبیعت کی دورہنوئی مصحبت آسکی سے اگرتوبزارہنوتومرکز دوح عزیزان سما ف بچے کربی۔ درنشى لله فراسقه يقط كرنينع ابوط لب كمي قدس سده سنه ذبايا بركه كوششس كركه تقيع فيرح سبحانه دركارينها نوالیسا به ماسد توکام ترابورا موگیا و درری باست اگرگیمی طام دنده ای ال درمواجیرا در کرا است. سنع توغم منين سح س مشخدا فرات من تعرف وسيراس زاندين يرسوكني وكه إزارون من توك مات بين اوريدا وه والرافي فتؤكريت مين كدون سبها ندسك صن وجرال كامشيابره كرته بين اس مشيا مره نسط خدا منياه مين ريكع ويس ولطا كمعفرت سيدق سم تبريزى قدس مسسره اس والعيث بين آسكستف آسك مرسون كى اكيب جباعت الكُنْقَ

ترحم رشحات أردو

رحمهٔ رسخات ارد و پیرتی تنتی ا ورا مرولژگون کو میدا کرتی ا وراً نسینعلق رهنی اور کهتی که سم صور حبیله مین جمال حق سبحانه کامنشاه بشة بين كيحى حفرت سيد فرملت بي ساوركهان كيم مبن اس يخن سيد السيام اجم مبواكه وه گروه حفرت بدكی نظرباطنی مین مصورت نوك معلوم موستے مختے۔

و المسلم المائع على المائع طريقية سفة قدس المدرة الدار واحم الني اصطلاحات مين لفظ شابدا ور مفتون با بشا برکا استعمال کیا ہو بعضون نے *آسکے معنی طا بربوے کے ین کہشا ہرسے داوشا برسوری ح* او میفتون بالشها پیسنے وہ گروہ کہ *را بطحشق و معبت کا م*غلا سرحمبلی*د کی نسبت رکھتے بین نیس فرایا کانیب*ت . نهابیت خراب اور بیرخطر به کا و رانسهین نفس کو دخل سو ایک بزرگ سفه فرمایا سو که فرض کرد. میرنفسرگو مشا بده صوری مین کوئی دخل ا و حنط نزایمو آخر «نظر رها نی خود باقی مبرا و رأ *سکا انکا زن*مین کر<del>سکت</del>ا و حبس طرح كدسا لك كوننسيا ني لذنوب سير كديروم تا ريك بركذرنا واحب بهو منطوط روحاني سيرجوبروه نورانی ہونجی گذرنا لازم ہو۔۔۔

رستنی ک<sup>ی ا</sup> اکا برطربیت قدس اندرتبائے اروا ہم نے کہا ہو جوہجوا ورگالی کردوسرے سے تیری نسبت <sup>مجامع</sup> بوج اسبعیا که توحقیقت بین جانے که تو دم مبی ا وراگر نختے سور کتنا وغیرہ کسین تولتین کرکہ تھو میں اُن صفا حنصه امكيب متصديم اسرواسيط كرآ ومى امكيب نسخه طابعه ببحا ورجبيبا كردمفات مكى ريكقا ببح صفاح سبعي او ہیمی سے بھی خالی نہین ہو۔ سیدالطا گینہ جنید قدس سے دسکے یاس ایک شخص اکا برسے پیٹھے تھے شبلى آسكوائس زرك فع معنى وينبيد كعدما سنفه شبلى كرمبت تعربين كى حبب أتسكى بالت ختم بولى منسيد سفرزا ياكرم ب تعربیت اس مسوز کی تینے کی ہووہ بزرگ بهیت شرنندہ بیوے کہمیری تعربیت سکے باعث شیخے سے شیا غوک کها گریشلی کے فلا مراور باطن مین اُس بات سیمسیطرے کا اشرکرا میست نلاینرسوا اورکوئی تغیر میں اُ رشهط فره تنصفه که درونشی ده مهر که برپرایت قدس سرونے فرونی مهر کرنما کی بنجیته دا بی مران ریخیته ندانیسیکی را ازان گروی دندکعت با سد را در دی اورخلاصه در دلشی پههچکرسسبکسی کا باراَنمنا سکه اورکسی م بارنر سطح نرمدورت بین اورزمعنی مین سد

ريشي فرات منع كدح سبان كى بلاكان برما بر كمك شاكر مواع بيديك واستفرك من تعالى سكيها ن ا يك ووسرب سندز الدوسخت بلا مكن ببت من سه فرا إكه فدست مولا، نفام الدين مليدا لرحمه كتسط كه دويمان جوروان من كدابك حمل سد بدا بوسك اوراكى منهيجكى بولى تعين جب حرسه مديك بيميشه شكراتى كما كرت كسى سف أسلس بوجهاكه با وجود اليبى بلاك كرنم يوكيا شكركذارى كى مكر بوا كنون سف كهاتهم ماشقه بين كدحق سبحا مذكر إسل سي تفتحت تربيل يكن بين اس بلابرتهم شكر كرسقه بين مباوا كراسطات

بلا معظیم مین مبتلا مہون ناگا ہ امک انمین کا مرکبا دوسرے نے کہا دکھیے سیخت تر ملاپیدا مہو کی اب اگراس فی المج مجھے قطع کرتے مین مین کئی مرفا ہون اوراگر قطع نکرین تو مجھے مردہ کشی کرنی جاہیے جب تک کہ وہ افدو مہو کر گئی ا رشور کے فرماتے سے کہ بینے ایو نزید قدس سرہ نے کہا ہم کہ تمیس سال حق سبحا نہ سے مین نے باتین کمین اور ق سبحانہ سے بائٹین سنین فلق نے جانا کہ السے کہ تا اور انسے سنتا ہون سعنی اس سین کے بیمین کہ جرم فلم سے فلاک

ىبى وەمنظەرسى ئىنىين بىر-

ر شخص المرات سے کو حفرت خواج بہا والدین قدس سرہ فراتے سے مین نے دوآد می کھ مبارک مین وکھیے الرہ الد توالی شرفا وکرائے ایک بٹراسم بن بلندا ور دوسرا بہت کی سمت کیا ہت وہ تھا کہ طواف مین کھیے الکہ درخا نہیں صلفہ کو است مبوکے تھا اور ایسے نررگ مقام اور ایسے وقت عزیز مین می بیجانہ تعالی سے غریر تی اللہ سے کوئی چرا گئے کہ تعالور لمبند مہت تھا کہ بازار مین میں نے پہلی مزار دنیار کے قریب سودا خریر نور ق کیا اور آسوفت ایک لمی کو اُسکا ول می سبھا نہ سے خا فل ندوائس جوان کی غربت سے خون میرے دل سے کھا استانہ کا اور آسوفت ایک لمی کوئی سے دائن کا استانہ کا اور آسوفت ایک میں میں مارہ میں جانے تھے ایک بھی اور آئٹ اکس میں میں اور آئٹ کے سامنے آیا گہیں میسے و آئٹ کی ایک شرح ایک کیا ہوائٹ کے سامنے آیا گہیں دائن کے سامنے آیا گہیں دائن کی کہا ہوائٹ کے سامنے آیا گہی وامن کہ کہتے ہوائے گئے ہوائٹ کی موجا تا گریہ وامن کہ کہتے ہوائے اور اپنے کو باک میں جانا ہے وامن کہتے ہوائٹ کے سامنے آیا گریہ وامن کہتے ہوئے اور اپنے کو باک ترخال کیاکس بانی سے دھویا جائٹ کا سے دھویا جائٹی اور اپنے کو باک ترخال کیاکس بانی سے دھویا جائٹی گا۔

رُشَی ایک فیخص نے حضرت کی ملبس میں اہل مراقبہ کی طرح کردن کیج کی بھی اورا بنے تئین مرافبہ اور مشغول طل پُرکرتا بھا اُپ اُسپر حفا موسکہ اور فرہا یکسی نے مولانا نظام الدین علیہ الرحمہ کی صحبت میں سرچھ کیا مخافرہا یا مراوسنچا کومین دکھیتا ہوں کہ تنظیمے دھوان انگستا ہو تجھے مراقبہ سے کیا نسبت برسون تجھے اسٹنج سکے تنظیم شیار کرسنے اور پنجا مست یا خانون کی دورکرنی چاہیے تئب اس لاکن ٹومبرکا کہ اس طریق سے تبیہ ساتھ ہا۔

كيسكين مراقبه فرد ايمي كهان سي--

أسنے انے سنے وقع کرسےکسی وجہسے ہو– ر شخیر از این استان کے حضرت خواہ جمعبدالنا بن غجہ وانی قدس سرہ نے فرما یا ہو کہ گرانی خلق سے اُٹھا فی جا میسے اوروہ نین ہوتا گرکسب ملال سے دمس*ت بکار*دل بارطریق خواحبگان تدس ال*ندار داحم ن الکیفرمق*ا رشیختا فرائے تھے کہ خوا حبی علی تکمیے ترمنری قدس سرہ نے فرما ایسی کہ ول کی زندگی سے مہت درج ہیں زندگی ول کی طل نمین موتی گرافضا دا در سیانه روی سیدا درافضا و دوام ذکر بر خواب اورسداری ن غواب مين بيه كه خواب بين ديجيع كه ذكركتا بهواس وكركوج خواب بين كتنه مبن مفرت شيننج مي الدين تنا العربي اوربغص ديكرمشيائخ طرلقيت قسدس العدارواحم موحب ترقئنين كيتع بين اسواسط كدتر تى والسنة عمل ك سائحه مه كه علم سع بديدا مبوج فواب مين وكمها جاتا م كه ذكر مين شغول بواسقيل سينين كم رشوش فرما نے تنے کہ حفرت فوا جرمحد بارسا قدس سرصف فرمایا سوکہ ذکر کی مدا وست اس مگر ہم پرخمتی سو کہ مقيقت ذكر حوسر ول سكاسا تفرايك مزوعاتي سواس بات كيمعنى مكن مهوكه مربهون كرحبب حقيقت ذكركل ا مرہومنزہ حرف وسوت سے اورجوہ دل کہ عبارت لطبغہ مدرکہ سے ہو دہ بھی آمنیزش کم اورکیف سے منز ہلجی سبدیه که اشغل *سکه پیطیفه اس امرمنزه از حرف صو*ت سے مل مل ما<sup>۲</sup> یموا وروصعت یکی اورنگانگی ظاہراس حال مين ذاكربسبب استياء ر مذكور وال رحقيقت ذكريين كوئى فرق وتميزينين كرسكت اسوا يسط كدول كوأسك ند کوریکے ساتھ ارتبا دا اس ننج کا ہوگیا ہو کہ ریند کورکو اُسمین گنجالیش نہیں ہو۔ رشعه فرانة تصفراً بين ايك وزعفرت مولانا نطام الدمين قدس سروكي خدست مين كميا اورآب ايكنط عن عج سانخد مواديون سير مباحثه كريستيم شخدا ورمين فاموش تتعاجب فإرج موسك مولاناسنه مبرى طرف متكمير ميوكر كهاسكوت اورآ رام بهتر ما يعديث اور كلام اور بمپر فرما يا كه بين وكمينا مهون أگر ميمرد ايني قليرستي س ع بوگیا ہو دکھے کرے تابع نہیں ہوا *دراگر گفتا ر*خو دی ہو جو کچے کرے اسے اسپر تا وان سوم حرشہ سنے فرمایا کم سینی ولانا نظام الدین سے کوئی سخن اس سے بہتر نہیں سکتا۔ رمشخص فرات نخف كغدمست مولانا فظام الدين عليدال جمد كمقرعف كبشريعيث طرهيت اورحتيقت ب جزمین مبایان کرسکتے بین مشلاحه و الداحب کی نسبت بنی واقع مر اُسکواکر کو فی شخص سعی و ما مراس بطراق استنقاست موزبان منے د ورکہے کرزان سے اِختیارہ اورندوپرشد بعیت ہولیکن اِ وج د السيكيمكن سوكد إخن مين ارا ده حمعوثهم لولية كابا في موسعي اورمجا مده اسمين كدباطن سنعه ارا ده جوته وليكا د در بوتو بيطر لعنيت سي اورانسيا ميوناكه باختيارا ورب احتياراكس معتبوهم سنرد بنو ندول منه اورنه زبان سے بی حقیقت ہواس بات کو خدست مولان سے مبت نقل کیا کرتے منے اور کسند فراتے تھے۔

ر المنظام المارية المنظام المارين المارين المارين المارية الم مين كيو كرتوا آنا بي من شاك كداس شرط سع كه حوكم وين كهون اور چامبون ده مهوجات خطاب مبيوياً كه جرميم لهين ا ورمايبين وه مهومًا سي سينے كها اسكى بيج نے طاقت مندين ہو مندره رات دن مجھے مجھ پر حبور دیا میرا احوال نزام البوكيا ورمين خشك ميوكسا حبب نااسيدى كى سرحة كك سيوسي خطاب أيا كه خردار جوتو جابيتا بي ويساسي ره برحنيد حضرت سنه فرما يا كه مقا مات حضرت خوا حد متين أسيقد رنكهما بوكيكين خدمت سولانا نعقوب جرخى عليه الرحمه سف حفرت خوا حبست نقل كى كرحب خطاب يهو سنيا كه خروا رج قوع اسبعد وبسام كي هين الدور والقيفتا الم

ر المي روز حفرت في يارون سه تيزموكرفرايا كه تم اس طرين كا بارىنىن كمينى سكتے بيه طريق بيت بار یک بها بنی مرا دست ورگذر ۱۱ ورد وسرسه کی مرا دیر قائم میونا ایک بشرا کام برخم سے برکام نمنین موقع تا أكرين كهون كداب جاؤا ورنوكياني كروا ورسبت يرستى كروسف الهال ميرسدا ويركفركا فنتوسك لكاؤيركام ا متمعا را کام موتم کمان اور میرطرن کها ن نسب فرایا کهمهان خانهین حضرت خواج مها را لدین کے تورس مره دومولوی که آپ کی خدمت مین رستیته تحه ایان کی محبث کریته ستند گفتگوانگی دوردرا زنگفنی مفرت خواد اس گفتگو کوسٹنے منے آخرکو امن دوعزیزون سکہ پاس آسکے اور فرمایا که اگرتم ہماری محبت <sub>ت</sub>یاستینے تموايمان سے درگذرنا چاہيے يدلوك بهت مفطرب موسلة اورايك مدت كاكن فطابين رہتے تھے

ہاں تکب کہ آحسنسر م س خن کے سنی آنیزی ہر پوسکے سد

ر المريط ايك دن حفرت نے ايك شخص كونما طب كرك فروايا كەاگەسىيەت خواج بهما دالدين قدس سيرم تجيونسبت ماصل مبوئي مبواوراً سيك لعبد دومرے بزرگ كي صحبت مين جايڙے اورائس سے بھي كوئي نسبت یا مفرنوکها کرسے خواجہ مها مرالدین کو توجیوٹر دسے یانہین نسی فرما یا کہ سرایک دوسری حکرسسے کہ دہ نسبست تبالي عاسيي كه تواُسكوبهى حفرت فواج بزرگ سے جانے اور فرایا كه ایک مربد قبطب الدین حبیر رکاشنح شهاب الدبن سهروردى قدس سروك خانقاه بين آيا بيو كمابست تقا ايفريرك كانوك طرن سخر كريك كهاشيكالمت قطب الدين ميدسينغ شهاب الدين أسك مال سيد واقعت بيوسكة ما ومركوفرا ياكه كمعانا أسك واسط لايا جب درويش كحنا نبه سنت فارع مبوا بيوكست لينه بريك كانون كميلون منح كرسك كما شيئاً بدر قطب لدين صيرم کرسمکوکسین تونے فروگذاشت نبین کیا حب ما دم شیخ کے پاس گیااس سے بوھیا کہ کیا توسفاس مقر بإياكها أكيب ذلبيل أدمي سي آب كا كمعانًا كمعانًا سي اورتط في لدين صيدركا شكركت نبي في نبح سَنَ فرا الكرم يع كا ائس سے سیکھنی جا سیسے کہ جہان فائدہ یا دے اپنے شیخ کی رکبت سے جانتا ہر کیا ظاہر مین اور کیا بالم جائے ہیں ۔

میں ہے۔ رسمتی اس تقریب سے فرمائے ہتے حب مرید صادق کوئی میشنج زیادہ کا مل اپنے بیشنج سے بائے مائز ہے کہ کامل سے قطع کرسے اور اکسل سے سلے اور فرلایا تثین ابوعثمان حیری نے کہا ہو قد میں سرہ کہ بچھے مشہر مرح سے خیال تھا کہ س گروه کے ذوق اور وج بیستے مہرہ مندمیون اتفا قاکشیخ بھی بن معاذرانی سکے وعظ مین جانکاویان میرادل ارًام سع بدد السكالمازم مبوا عبرشا وشباع كرماني كي محبت بين كما حب اسكے سامنے مبوا تو مجھے اپني محبس سے کلوادیا اورفرایا که ده رفایر در دسواس س*ے کا منهوسکیاگا اینے* دل مین کها که مرا سراور پیتهستا م*زایک* مه محطان صحبت مین حکمیْ می ا درجنیدسد اُ سکی لما زمیٹ مین را اس درمیان مین اُسٹے شینے ابوحفض حدا دکِلُ ارا دەكىيا قدىس سىرەبىن بىجى اسكى للازمت مىن تھا جېبىشىنى البۇھىس كى سىجىت مېيونى مىن بائكل سەيداختىيارىكې گریین ستّا ه شیاع سیدمنین کرسکتا محفاکریهان رسجا و ن حبب مطینه کا وقت میواشینج ابوهنس نے شاہ سے لهامهكواس جوان جرى سب ول فوش سر اسبے بهان تحبیور د و تجنه جیور اا در مطیع کے اور کام مراصحبت ا ورفدیست مین شینح ا بوطفس کی تما م میواس ر الشخطي فرات تے كاكار وينى سے ايك مسى كے دروازہ براہ دينے شيطان كود كميھاكر مراسب أس معيد سي كا اُس نررگ نے نظری ایک مرد و کمیا کرسب مین فازا واکر تاہج ا ور دوسے امرو اُسکے اِس تکمید لیگائے سوتا سوآن سے پیچیا ای طعون اس مسبورمین کسلیے تو آیا بھاکہ اس ما ستا بھاکہ وسوسہ معناراس نمازی کی فاسد کردہ نگر م سوسائيم يي كي سيسيت اورخوف ف محيد نرجيد اس معدمين فرر ااور باركل اياب ر التي المراق التي المراد الم ا ورا یک مرد کدمریدیسی ایک شیخ وقت کا مقاً اس محلس مین حاض مقا خدست سولانا سفه می سیعه پوهمچا که اسنية شيخ كوتوزياده ووست ركلحا سجريا ام اعظرا ويصنيفه كمواس مردني كماكداسني شينح كوخدميت مولانا اسطات سے بہت غصہ مبوسکے اُس درجہ کہ اس مرد کوکٹا کہا وراُعظیے اور کھویین آسکے اور مین وہین منجھا تھا امکیسلمظ بعد فدرست مولانًا بِالرِينِكِ اور محينيد كها كرأس مردير سم خفا مبوسدًا ورأسيكم شخوير مرًا كها آئو عليين اورعذ ركن خدست سولانا سكرسائة رمين على وه مرد را ومين ملا و ركها بين عذر خواسي كوآنا بحفا ا ورجاميتا متعاكرا كي تعتبة مين عص كرون كداشے برس سے الم م اعظر كه نرميب پرين عقا اوركوني ايك صفت فوش مجيسے نيري كي ا ومضادروز اس نرمگ کی خدست مین تقانسب مانوش بانتین محیید جاتی رمین اگر کسیت خص کوا با مناطق زیاده دوست مکون توکولی انع برداگری بون مین لکھا ہرکہ بردستی بڑی ہراوراس سے مشع کیا ہو تو أي يستي فطائي فديست مولانا فدأس سيدبست عدر فواسي كي ا ورب تحسان كيا-وشيء فراسته تقد مولان سعدالدين كاشغرى قدس سوسك ساجرين شيخ بها والدين عركى الذبست مين ال

جاتا نحقا اُننا مراه بن ولانا سعدالدين سكته سقع ايك قطب عاسمًا ستا مبون كه مرسه باطن مين مصرف كري اور مجيفة طل رے الیی بانسین مبوقی صین مب شنح کی المازمت مین مہوسے اور نیٹھے شیخ سنے سعدالدین سے کہا قط کے تھرف کیا گڑا ہجات گروه کا تعرف اس سے زما و منین ہم کربعین ہروہ اورموانع کرکسی کی ہستنداد برگریٹے ہون اُنکی پیس ی نانپرسته د در مبون اوروه بستن اوموانع که د ورمبونه ست ایب عظیه کوفبول کرے اورسا لک بنی میگامی سے جوامر کہ مقعمہ و سب یالتیا ہے حضرت نے فرہ یا کہ حضرت نتینے مہارالدین عمرنے خدمیت مولانا سعدالدین کی مراد كوننين يايا أنكامقصود اورئها طريقيه فواحبكان قدس المدار واحمرمين ابك نشرت ميرتا بهواس طرح يا كەدل سىيەمتىودىر بالمن طالىب مېوتەمىن اوراس توجەسكەسىپ *كىنىكا ب*اطن كوائىكەدل س**ىيەا كېپ**ارتىباط روراً تصال دانسل موّماً ہواوراً من اڑیا ہا وراقعدال سے ایک اتتحاد آسکے دل اورطالب کے باطن کے درمایا واقع مبوتا بوكدانعكاس كم طربق سعد ايك يرتواك كيرول سعد اسكر باطن مرتمكيا سر اوريد ايك صفت مبوك أكلي كهست درا دست ناشى اوربيدا مهونے والى سج كەبطرىت انعكاس اُس طالىپ كى كهستى دارىكے آئىينە منظام مبودي البيدا مركوا بني مستندا دسيه نمين طلب كرنا جاسبي ليكن اگريدار تباطات م رجوكه بطريق العكاس مصل مهونی متنی صعنت د وام قبول کرسد نورست مولانا سعال این ایسا ارطلب کرتے مصفے که اپنی استعدادی بايرسه ماصل كرين ندير كرم كي استعدادين سي ظا برموب رتشخه القراني وف كتابي تعضى مقفى نسفه ايساكه بوكه براكيب اعيان استسسع بوموج وفارجي موسكتے ا کیب اسم خاص کے منطہ میں سکے خصوصاً ملاکہ کہ مرجع اُنکا وہی اسم سی حصیکے منظہ میں سکے ادرائکا حضورا وراکی لڈ أس اسم سع مروئتي موا ورمركز أس سع سي وزه وسرسه اسم كي طرف كليا ورآية كريم و اسنا الالهمقا معلوم اس بات کی فردیتی سی برنعلات انسان سے که وه نیرگی ظلومی او رجهولی کی منطق مقالینی خصوصیت آنو ا ورنعین انسانیت سی گرمزان مبواا ور کایل توجه ایک چنرسکے سائتم اینی خصنوصیت اورتعین سلے امرا ا ورُأس وجه سند بالصفيقيت كا ماس ا ورامرسيد نهايت مما باست. والا مبوا جود ائره است هذا وكبشسرى ا وم نغین انسانی سے خارج پڑس رنشيط زمات تخف كمصاصب بجوالحقائن شيئح كخم الدين داب عليدا لرحت فرايا بجافسوس يمكسي فم قدر صحبت اوليا نرجاني او خوجان كاس رشويهم فرائه يقفى كمشنخ ابوالقاسم كمركاني قدس سره نه كها ببي آسيكه سائغ بشم كريكي توده موجات كم ده تومبوجا سدیا دونون حق سبحانه مین گم مبوجاً یکن ا ورنه به رسیعه ا ورنه وه رسیم<sup>.</sup> دينتحة يستكر مسيكوه عذب كي ملبس مين ضطر كذرا كدكيا بهو وبصطرت مبريد بالمن مين تعرب كرمين مفريط

باطن مراكاً وموسفّة فراياكه كمال تعرف أسرقت ميزً لا كرمين اتوس بايرن باتوين موانيز ميسريرات قدس مرصكة أس سخن كوزيان برلاك كرعبدا مدرو منه به ديرا بان مانت معالمب آب زندگاني ناكاه فرارسنتيدان أتنى يافت مشيمه آب زندگاني حيندان مخورد كدير وساير از نه خرافاني -ر شری و سر خوات منظم میشنخ ابوسعید بن ابی البیزینه ۱۰۰۰ دل بر کرزن نیری شدن میش<sup>ان م</sup> منسلسنخ طریقیت سے قدس المدرار واحهم ما مهيبة ترمرت بن تأن كها بزيترزن أورتما منزن سيدا نوال كاميسج كه التقعيو<del>ن موقبة ال</del> <u> مامیوا و سال ترجمه ن</u>صوت مدت کا نرج کرنا اُس پز مین که ده اوسانا کیل ماتیم بوس ميتشيين فرايته يقه كرشني الوالسعود الرزادر لمهنفاه حاب البند رين كها بي كرمرا ساست سو كمي كوشست سائلمست آوت زهگوشت که ساتراً دُرنست نینج حی الدین بن اوی فدس سیده سنه فرایک که مقعکشینم اله السعود كا است عن سيرمهت كاسكولان استرادسى ب، طهي سيندا رار وحقائق مروم كرسايخ ميررسك ست آدًا ملکاس چزیک سائندا و که وه خادستم ارا بوا دندها رمی اینگاه ول سرسرر دمبولسه رَثْهُ كَلِيْكَ فراسق عَنْ كرسب يدا بطاكف منبيه قدس مرة " مَا كَنْ بَ كَيْنَ عَلَمْ اكِيب ون سمارت *النكوب اختيا* و لم ند مبوسکه دیمچاکدام می کسیس کوامیا قت آسکی ا دراک کی نمین ی فرا از استیموکردش میکونی قرمب مین مهوک التسكي استعداوا ورفاطبيت ان حقائق كاحذبُ لر آل موبعدا زَّ لماشراب إرسين بن منصورعلاج كويا يا كُتُا كوشه مين مليحا عقا اورسركرب ن مين حيكا يأشيني نے فرما يا كدا سكوملس ينط كالدوس رتشيخية فرماسته يقد كه نعدمت سولانا نفاعه الدين فراق تقع عليد الرحشة يني وه م كركو كي شخص اسني تسكن مربدون کی نظرمین خبل ا ورآزامست کمیال کریت کسواسط کرنب تک جمال بنورابط مربد کا مرادسک *ىسا پنما وبصغت محببت كى كەمومىپ م*ېرىپ اورتسەيىن سكەمبى *يېرىكىنىي*ن «بوق» وراسكوندا عقیل سكە سا تهرهم جاننتے تھے تسکین مہین اسکی فرصت نہیں ہے کہ ہو بٹہ پرنکیہ نے کئیں اوراسنے شعین باجال وَتَلْعَلَامَيْن "اكسيب فنورعة كدلوكون كالنواسي سبب سي كهذت به كرانكسي ، دم حي مين كرني ا وراتيبي كيري إنزني **دخیره کن چیرون سے کہ زمیت کل برسے تعلق رجمتی ہ**و۔ مشکل فرائے متے کہ خدمست مولانا ہے ہے۔ چرلی نابیدا دہرنے ڈریا جن کی ''زیرین ایک شیخ کی میچ بهو نیاکر مراسا نداسمین کرنا عقا که مرد کا کامشیغ کے افرینیوں ایٹیائی۔ عین سفاک آٹے کریمدالیوم کا کرونکر وانمست علیکر نفیته شرحهه آج که دن کائل کزیا مین نه تنه با رسه بنیه بین تمعاما اورا پیری کردی مین تمحاب اورنست ابني كم منمون سد اليساسل مرتايكتاب الديت كم موحد بمل كوين كالمرا ا ورکفاسیت بری وران زمهنین سوکه کسی کویجسیب بلا برایرا ورمقت یا بهواش تینخ سف پسی صفریت خواج لرک

رتشی از نواسته که کشف تبور وه به که روح صاحب ترکی خشل ایک عبورت مناسب کے ساتھ صور ا من کی سے مہوا ورصا حب کشف اُسکواس صورت میں بھید بھیرت مشابخ کرنا ہولکین برگائ شاہن اس کو توت ہم کو ختلف صورت اور کی کے ساتھ متمثل اور شکل مون اسوج سے ہمارے خواجگان تدس اس ارواحیم اس کشف کی وقعت اوراعتبار نین کرتے اورا نکا طابقہ اصی ب تعبور کی زیارت میں میہ کو جسبنی کھیا قریم پی بین اپنے تعیق سبب انسبتون اور کھینیتون سے خالی کرتے ہیں اور نظر سیکھینے ہیں کہ کیا لیست ظام بربوتی ہوا نسبت سے حال صاحب قرکا معلوم کرستے ہیں اور طری انکا مردم سیگانہ کی صحبت میں ہو کہ سیطور پر ہم کرم انکی کئی سے ساست شیکھے اسی باطن میں نظر کو تربی ہو کھر اس شخص کے آئے کے بعد طاب ہو جانتے ہیں کہ وہ نسبت کی اسکے ساتھ زندگانی کو تے ہیں مطعف سے باقت سے اور حفرت شیخ می الدین بن العربی قدرس سرہ سنے اسکر تکی مقابقت کا اعتوال کو نیوست کا کا کہ سبب کیا کہ معابقہ اور وظور اس مین کا کسب کیا کہ اور حفاس کہ ہو کہ انکے باطن روشن کو حاصل ہوا ور آئم بند آئمی مقابقت کا اعتوالی کو نیوست کے اگا کہ اور حفاس کہ ہو کہ آئے باطن روشن کو حاصل ہوا ور آئم بند آئمی مقابقت کا اعتوالی کو نیوست کا کہ کا کا کے اعلی کو نیوست کیا کہ کا کہ

**صان میوابی اورسبب کمال محا ذات کے کہاس ذات بے کمرہ کسٹ کے ساتر رہے بیز تجلی ذاتی اسمین ک** ر با اورصبوقت کراسکوا بنی طبیعت برجیور دنه سوااس امریبینی کی در اورجنراسمین ظامرندوگی نس جو كي أنسين ظامر مروكا أستكه مصديت نهوكا ماكه إدامسار آمة بالشنرور بوكاكد اسين عكس موا ا وراس قول كي تأمير مين فرما ياكدا كهيب روار خدست مولان نطاعها ايرين عليدا ارجمد سفه فعيّر منت كه اكداً مع مزارات والاست شاش سکے طوا من کوسم جاتے "بن اُنکے سا بھرمین کریا خدست مولانا ایکہ۔ قربریٰ بشہ نیٹے اسکے بعد بوری کیفیٹ سکے **سائخواً تحيرًا ورفرايااس ڤرداسك بنرسبت جذبه خالسبه بن ا ور ده خربه باندا برانهي كسدياً كري نتني كدا ني زمانتك** مجنوبون سعد مهوا بي نبدازان د وسرى قبرركئ اوراكيب لوظري سرنا براير آث أبر فرايان بت علمداس قرواليديد فالب ريي سي اوروه قرت في زين الدين كوسد دارة ان كى تحتى كرعلها ما في سعد بوسكين -رنشخته فرماتے بقے که اربا بخشیق سے ننز د کیے ثابت میوا مبر کہ نہ قی دبیہ بھوست، کے میوسخن حفرت شیخے موالغ بن العزل کا اسکی طرف ناظر ہو اینون نے فرہ یا ہو کہ ایک تبلی میں تبلیات سے ابوالعس نوری *سکوساتا* مین جمع موامچه بوسد د طا و محصه سیراب موامین نه که کدکیا توسند نهین که توصید کاتشند خرسه سیرا منین مبودا شرایا بین نے کہا نب ذوق عال سے دائسل کرے غیرسے نبین لیا ادرا سکے سوا اہل تحقیق کی مبت بانتین مین که ترقی بدرانسوسته سرولالست که تی مین سداتم اینجووت که تا سرکه صفرت شیخ ممی الدین قدس سده نے فتر دات کے مقا! ت مین فرایس کو اُن اوگون مین مس*ے کہ ترقی بعد الموت کی نفی کی ہو ایک شیخ ابوا* از لذرى يبوئيس اسكا جال موت كم معبد د و امرسے خالىنىن ہى يا علم اليفين سندجانا كرتر فى بعد الموت واقع ہوا جا كه واقع تنيين به أكرنه! كه واقع بهرتو مدعا ثابت مح اوراكه عانا كه واقع تنيينُ مج توسيطم ومراير كه بعبرازموت أسعطل مبوالی*س به حال ثرتی بعد ال*وت وا قع بوس

رشیده فرات تر کر این اکا برطریقت کاسن مرکزی سبعانه مرتبه امدیت مین اگرمایت اسنیت ترایا اس سخ اسکام من بدین کرمقائن موروانسانی کرمته مین کرمیمن کی اصطابی مین مرتبه مامدیت عبارت سے ہواگر طبہ ایک علم اورس تعداد فاص اپنی طرف سے عطا زائے کواس علم و ستعداد کے ساتھ فواں نسان أسكوبيجانين اورمركاه أسكركر أسك علم تاينين بيجان سيكتر بس پيجان بندواه اسكاح رأسكاندر مِشْرِيكُ فرطسته عَنْ كَداكِ شبب خوامر بالى كوالم بتما نيندنداً في مين عنى اسكر المسين سويابس فراياسخت ل و مشخص توسی علاقت کسی سے میوا و آسک در دست مین ندو بکر جاسے کو ایسا میوکہ حس چرکو دکورسیے مج اس سیحین مو- ایکیار محقورے کے کوٹرا مارانی نائے اسٹے مہلوسے خون ٹیکا ابویزید مبعامی کے مہلوسے فون ٹیکاس<sup>ا</sup> س ٹن مین جو حضرت سنے فرایا اسٹارہ مفام حمیم کے سابھ منحقق مونکا ہوا وربیان اس مقام كا ذكر معزت مقائق مناسى مولانا نورالدين عبدالرض جامى قدس مروالسامى مين جان كرأكل الماقات ولانا على الدين ممدست مذكور سوكى اكيب رشحهين وارد مولى سو ر شريط ه فرما . قد منظر كه يشنع بهاوالدين عمر قد سر سه به في تعلبس مين ميم يضع آب سي *سي سوي ما وجها ك*و معبّرة نے اوائل حال مین کدا مبرکه ممکن مین واحب ، زا درآخراً س سخن سے میرسد میں اور کدا علیہ واسب عین مكن بيرسبب اسكاكيا يح حفرت ينبخ في جواب مين أس شفس كے كما كديميلے نفض كو عدم مراست ال ابن كها ورووسر إعال استقامت مين يصنسرت في حاضري على سعفطاب كياكه فرق الى وزي سنن مین کمیا بیرکسی سن*دگستا خی شکی اور مج*یم نرک ا و *رحفرت سند بیمی اس مبسب سیرگرا مکیب جهاعص*ت الله " مَا لَى سِيراً فَى مَتَى كَلِيمِ مَرْ فَرَامًا سِير

قصىل سوم فاص إتوان مين بوبراب سعد صفرت كى زبان مسارك يركند تى تقين ورأن خطا بون ين کرصفرت سے اہل بداست اور منابیت کے ساتھ صحبت مین صا درموتی مقتین اور وسے ایکیے۔ سولس تاتی

وارد مبوتی بین س رشخهٔ فرات تنه کوشنی بها دالدین عمر آرس سره نه مجیسه پوچها که سبستری کوسفرمیز اوا ست مین سفه سند که اصار سعه فراد کهکومین سفرکندا سفرت ا پنے کو جواب سے حاجز ظا ہرک اوراد ب کی رعا بہت کی آپ نے احرار سے فرایا کہ کمومین سنے کما سفری مبتدی کومریشانی دل سے سدوا کچوماصل بنین نس حفرت نے فرایا کہ سفراٹسوفٹ سبارک ہو کہ صف نمکین کی حاصل مہوئی موہارے اعتقا دمین مبتدی کوسفرساسہ بندیں ہی کے سے گوشہ میں مبیحا ماہیے اور صفت تکیر بیاصل کرن جامپیریتیجنص کواس طریقیدمین مشغول سر اسنیر میبی شهر تورولایت مین رمنها و ان پهر سداستط که اینهٔ آشنا ا قارب اوربوگون کی ملاست اُسکوه نع مبوتی بچ اس بایت سیم که ملاف سنسرون كوئى كام كرسد اوركسى فعل الهيسنديده كامرتكب مبوسه ا وربعض مشائخ استكه برخلاف شكيح بين اوركما كإ لهتبری کموسفرکرا جاسیے اکہ وطن ا دربعائی بندون کی مفارقست *کےسببیاً سکوخلاص عا د*است رسمی اوم

والمنظمة المسائد المسائد المراجية المؤلث الدعاء والماء والماء الماء الماء الماس والما المال

لا ميوني فأو مينية نيستي مين ماخط كرسه --

ر شخه فراسة منظ کرس از کرد او کرد و کال سازی و را کرد شاه و برگرای با این سده فرخه کولیک کالی می این سده فرخه کولیک کالی در برگرای با این سده فرخه کولیک کالی در برگرای با این برگرای با برگرای برگرای با برگرای برگرای با برگرای با برگرای با برگرای برگرای با برگرای برگ

رشهره في رآ يَّهُ كَان الله على الوكيمسيون قدوس كمن مِن اكراً كاه كوكي أكود بين ات كدُّ له أكمي طبيعت سكموافق منوتوه الإراث بربوسته مِن أكر سودي فدوس كمن واسفاس الثراه " تغرُّل بست و «ركرسة كدمرا كميسجيّ

مَنَا تُرُارِدُ فِيرَا وَلَى وَرَارِينَا أَنْتِ لُولَاكِ مِلْمِينَا وَالْفَالِينِ لِمُوالِكُ مِلْ الم

ہوا درسیم اس طالقید کے سعنقد مین اور کول شخص میارے یارون سے اس فقید، رہندین می سے رشويج فرات ينظ كيصاحب وعبروطال راهمين ما تاسجا ورايك كث أسيكه ماستنه مين سدتا مبوائس مُحمّة كوَّفَها که آب آسانی سے گذرستکے حبب گذرجاے اورانیے اندرغور کرسے اوروہ و عبداور حال باقی رسسے توجا ننا مہترہ یا سبے کہ وہ الکیس کر کریا ہے السی سنے اُسکی نسبت ہے کہ یا وجود اُس فعل کے وحدوعال کوائسکیا سی سنے ہاتج رَشَیٰ ﴿ فراتِ مِنْ عَمْلِ الْهِی و ومین ایک نبسید ، عوام کے اور دوسرا برنسبت خواص کے جو کمرکہ نسبت میواً ا يم د نبانعم*ت كامه و او جو د كيه خديست مين تقصير به و اورجه كنسبت بخواص مهم! في ركهنا حال كامهي! وت*ق رشى يي فرات يخف كه وه طاكفه كهسينت خوام كان قدس الدراروا ويم كى وزش كرت مين أنكا ووالتمل اسطوركا بحك اگركوئى مشلاكعيىت كى نيائى سيك سليرىشى دارون سے لڑائى حجا گاراتى عبوكه سراسكا لوشيجا ا *درخون أسكر منه ميدند يميرا و رفا سيتين از المن*حيك اأس سے نمايات موتوبا طن ك*ى روستے كوئى كدورت ا*ك السبية أسكاول مين مهو المكأكي حيفا سيه فرشوقت ميوا ورائكم ومعذور سطح أسمين جووه كرتي بن ا و اِسنی نسبت سے غانل نهوا ورائفطاع دل حق سبحانہ سے نکرے س رشخة فرات تحفیک می سبحانه دوام تجلی ایجادی کے ساتھ متوجہ تمام موجودات کا ہوئیں جولوگ کراہنے اختیار سے گوینند کیرنے مین اوراُسکو خلوت اورعزلت نام رکھتے مین کیا عذر رکھتے مین اگرانسی غلیاشا ن کابی کوال مجتبے مین منایت جابل مین اوراگر اُسکوی جانتے مین تواکسکے حق برقدا م کیوانیمین کرتے۔ اورانکیسکام کا گوشہ النياو پنين ليته - جاكروه كاشرف استىغران سى مجرجيع مين السيد مشرف مبوسك مين كردنيا كه اشغال ين ر شريط فرات من كاس بات كالجديد كونسبت فواجكان قدس المدارواتهم كى بلا ا وصورت تفرقه مين ما في ظاىرىبوتى يى يېكىرنىسىت محبوب بى حب محبوب كوغلوت مىن بلاك توده حباب مىن مېروجا لىيى-رشيخة فرات تقواس لسبت كى مطافت أسطيح كى مج كنفس توجد أسك طرون مانع أسك فهوركى سي حبساكينظاً جمیلهیں بیات نلامربو که حب انکی طرف خرب متوجه مهون مجوب میوسته مین اور بیمبی حفرت سنے فرط یا کھ بعا فت النبت ك أسطرح ك مح ك اگرا كيد كتے كو يسبب وُحيلا ماروينسبت جاتى رہے۔ رسي الأواته عفركه الانتها ينتين باضداد باشرجه جزين ابني اصدا وسعد بهجان برتي مهي تسخول كلق مشغهل بخ سبحانه بجا ورهبب صد كوصدسه كراميت ميوتى مبح تومكروه سيرمي وسب كى طوت منجذب مجتلة

ترجِرُ رشحات اُرد و ۲۲۳۲

میں وجہ کو کس سلسل*ے لوگ بازار*ون مین اوراز دیا مزخلت کے سقایات مین جاتے مین اور <u>منتخت می</u>ن اک بوصفديت فلن اوركرست كالمنط الشي شغلسيد ول عن سيان كى طرف منجذب مهونا سي ر مشخص فرات مخفی اس نسبت والون کواستدامین معبت فیرطا نفذکی که نیسبت انبرغالب بر طرے فتورکا سببديبه مبرواه وأكرحيه وصحبت ابل زيدواغوي كي مهوا وربيرنه انتكار زبير ونعتوي كامبوكه وه نهايت صفا اورنيت ین ہولئین چونک<sup>وانس گرو</sup>ہ پرزیب<sup>و</sup>تقوئ خالب ہواس لنسبت کے توکون کواکئی صحبت میں وہی نسبت ماصل مبوتى يوا ورابنى نسبت شرافيه ست كرسب لنسبتون برفائق بو بازرست بن اسواسط كرك للك ہر و کھوکہ بدون ا ورسگانون کی صحبت کی کیا تاثیر ہوتی ہوا درآنسے کیانسبتیۃ ی کے مسل ہوتی ہیں۔ ر مشخصه فرات منے کم س جاءت کے ہاس منتجد وکہ عصارے اوپر خالب بندون ٹاکٹر مکمو ندکھیا جا وہن آ ورغالب نهوا يض محسب فنس ورموا كوي نهوات أوني من المعاون ليز تمعاره و قت كوبنا أح كرين س رمشحه فل فرات من كرمس كيواس طريقيه كالراده موا وراً س اثنامين خطره كيم أسكورت أن كريه سايج كرمبيت استنفاركرے اگراس سے دفع شواليسى حكيہ جاساز كردون سے دور مبواگرنس سے دفع منو ا مک مرت روزه ۱ ورقلت نمذا میر مدا دست کرسه ۱ ور بمالی گرسه که قوت شهوی کوتسکین م*اصل موا* و ر اگرامس سے دفع منبوتوقرمستنانون کنگرہ بمیرسدا در گردون سے عربت سے اور نرجمون کی ادہ اے سے بمیت یا سے اگراس سے مفع نموزندوان کے اُر مہدا در اہل علیب، نے بالمنون سے گداگری کرے شامیر کہ ما ب اً من خاطر کا اُس سے انگلان اور اُسکوائی ماربین نشاننی زجورین س رمشخة فرماسة عض نكلح انبيا ادرا ولياكه مذائسب سجارا برد أسكة من سحانه سعة بوس نهين مبوته ادر عوا م الناس كي لاكن سي كه أسكرسسب مرشه حيوانست كي ميل كرسته بين كمين جوكروه كه درسيان بي یمن ا ورطرلقیر کی آر بز و رکھنتے مین اُسکے سلے مبست ما سنامہ ... ی اگر ۔ سائنس موحق سبھا منہ کے ساتھ اپنے بيت كالين ميشر نزاد فرزند سه بوكسواست كي سمين نزار فاند و در فقع اوراسين بحض فتنه وخرمبي ر الشريخة المراسة مخف كر الغرض الكرميري بالسويرس كي تمريوتي ا ورسد المستغفارين فرج كرا مبنوز أس كنا كا تدارك جو مجيد صاور سوا كرسكتا اوروه كناه كدخداني سي رشی کاران باتون بین کرصفرت سے نقل ہو مین کسیکوتشونش سوکہ کر<u>خدا کی سنت ہو</u>ک ندیرہ اور انسكى تعربينه آيات قرآنى مصنطام ريجه الإلها وبيث صحيح يست ناسبت بس أسكي لغى كرنى رواينيين سجام دی غہ کا جواب یہ ہو کہ بیان ریفی نہ تبطوراطلات کے سی ملکہ نبست لیضے اشخاص کے ہو کہ ایکے حال کے « اُنْ تَجْ بِدِيظَا بِرَا وَرَبَاطَن كَى مِوسَدَ وَرَجْعَفَى رَسِيم كَدِيرِيْهَا نَهُ مِنْ مِبُوحِبِ مَكْمِت الني كَ جِرَجِيرِ مُنَاسِبِ ما ل

طالبان اورمصلحت کا رمزمدان ہم اولیا اوراہل ارشا دکی تربان برجاری مہونا ہم کہ بدلوگ واڑا ن علوم مخدید بربی سیکھ باالصلوة وانسلام*لس مركاه اس نبانه مین مناسب حال متبدیان طرنقیت کے شیوہ تجرد اور فراغتشاگا* ہرہ لاجرم حفرت نے بوطکیم اللی مین ا درجامع مکم نامتنا ہی کے تجرد کا ایماکیا اور اہل سے پرمنر تبلایا۔ ر تشحی خطرت ایک دلیجلس کے حافین سے ایک کونی طب کرکے تعلق او تعشق منطا سرحمیل سے متبع کرتے آیتے او زُرِمانے تھے کرمین نے اس نسبت کا مشاہرہ ایک قانسے کیا ہر کراسے صاحب جہال سے تعلق ہوا تقاجمان وه حامّا وه قازاً سکے پیچیے جاتا سنا ہوکہ ایک شیر کی تھی سے حالت تقی لیس ایک غیرضر درمی ا مرمن ک فسكة شربك حيوانات مبون گرفتار معونا ا ورعمر نشرله في كالسمين حرث كرنامقتضام يمهت نهين مبولتكين الكيب استعدا د اس ٔ دهنگ کی آن طری مهو کهها اختیارنسبت همی مین گزینار مبوّا مهی وه د د سری بات مهو*نداز* به حدارت فراکی کنفسیمت ناصحان را درکارخانه گرفتاران راه نمیست مترجمیدلصیحت گرون کی نفسیمت ک گرفتارون کے *کارخانہین را ہنیین ہ*ی ۔ رتنسخ كملخوا نے تھے كہيں اربا ہے جبت كى صحبت مين نشست ہوا ورول چى سبحا نہ كے معا تخرج عبو وسے اور أمّام بإدسته وبإن احتباج ذكر كفه كي نبين م كسواسط كه غرض وكرست اس نسبت كاحصول م و ذكر سوابط بر کرد مین که دل مین ضمرا در بیشیده برخ طام ربیو س رنتهجی<sup>طا</sup> ایک دن حضرت نے بیانبایت ٹرهین مبیت نابها و مہوا شارت میکنی 4 یابجون ما عبارت میکنی 4 بيُديُ مرسف نيا مداز توكار به جدكن مّا زرسيت خردغيار به باسفين وا ورا آزاد كن به بنده شوبي با وواوش كريتا ترحمیه دا و مبوست گزشارت مبوتری « حرف نا سد یا عبارت <sub>آگ</sub>تری په حرف کاتومنده مبوید کا رو بار « معی کرها وسے تری رہ سے غیار ﴿ تاگرا وسے وا وکو آزا دکر \* مبتدہ مبوبے وا و ویانس یا وکر ؛ میدازان فيايا كدمهاميات انسارت أس كسبت سے سے جصحبت مين حاصل مبوتی سو حنیتجصحبت كاسوا ا ورسوسے ر بین از مان میرکه در بین که میرون سیرنسبت دانسکی نگا برا ش*ت کا طریقی اسکے ساتھ ہو*کہ ا**سیمی ت**یا ویسی از مانے میرکہ کے میرون کے میرون کے ایک انسان کا میرا شدت کا طریقیہ اسکے ساتھ ہوکہ ا**سیمی تیا** لاوكه تمكوأ سنشخص سنه كراسبيت نهوسي وجه بيركه كها مهيتنهج كوجا سبيح كمراسنيه كومرمدكي نطرمين محبوب كرسكا . ا<u>سط</u>ے کہ سدا کرنے دا لا اس محسب کا کہ اس نسبت سے خلور کا بسیب بلوا وہ ہم تھیرص وقت مس امهدت مودسی کرضد بحبت مومحبت و ورموگی اور دیب بحبت گئی ثونسیت نرمیگی ـ عظ فرما یا کرستے کردہ تخص اس گروہ کی محبت میں آ وسے جا رہیے کہ اسنے کونفلس طا برگرستاک آگوا معیرحماً و يشحيق فراته نقط ماصل طريقه خامكان قدس المدار واحهم كالبيشد كمينيس آبدجناب سبحانزمين مطوط

برائس میں و مین کسی طرح کی ملفت بھو۔ ر المرابعة رسخه فرات تحف كم مقصود كلى وه بح كه مطيف مدركه كوعلى الدوام حق سبحا نه مين بمبشيه كى مبشي آمروا تع موتج جسيم ا لربيش مدواقع موتا كرتومغبل موسه وتشريحا فراية تفط كمخواجكان اين سلسله قدس المدارواحهم بررزات اورد قاص سينسبت نهين ريحقه اتكاكارة مليندىبى - فواجها وليار كلان عليه الرثمة نه كرح خرت خواج عبدالني لق تدس سرو كرمزيه امهاب سرين سفال كي سب*ی سیور*افان مین چله خوا طرکسایتها بی کا م انداز تاعقل دا د راک کا بنین سی بیربات داکره ا دراک سے بامرزوات **پوچها بری خلوت درانخمن کسی** ہو فرا یا ہو کہ خلوت درانخمن وہ ہو کہ با زارمین آو آ وسے *ا دربا زار*یون کی آ وازتیرے كان مين نرير سه بزرگوارا بسي شغوليان ركه مي اس طريق كوا سان نهمين واسي -رشخت فرمات تحفي كم طرلقيه خوا وبكان قدس البدارواحهم كواسان ندجا نوحفرست ذراجه محدايرسا قدس و بإوصعت كما لامتذظ مهرى ا ورباطنى سكرسم شدخوا جگان قدس ا بسد برواحيم برسائل بمراه ركھتے تھے اسسب *سے کہ کلمات قارب یہ کوسمیشیہ مطالعہ کزین اور ہمراہ رکھین ناگز روی۔۔* رتشیخه بر اتر منع کرخطرون کی بیجان کامل طور مین خصر خواج عبدانی نشیان کے طراحه مین سی تارس العیدار دام باین وجه که انکویاس انغاس مین کهال احتیاط مبو --رمشخته فراسفه تقطه كه جو كميراس طرنقيه سه سهار سداعتفا دمين سويه بوكه مبنيه ول ببيل ذوق اورلندت سيراكما ہم اسباندر سیے اور اس تمنی کواعال شامسب کے ساتھ کسب کرتے ہیں ابتدا اسکی بیہوا ور مناست ا ای مرکهسب کو مجه وخل نرب اور میعنی لمک نفس اور الکه توجا دے س يشخت فرات عقد ايسالينين ماصل كزاجا يبيركه كوئي بإنى أمسكوبها زبيجاسد اوركوني آگ آسه ملانيس نتنلاکسی کو ایک لقین ماصل موا برکه گذمهمود و دیوکوئی چزاس بقین کو دوینین کرسکتی برخلات انتخاص کے کہ گندم کڑنجلف اسٹیے منح مین گئما تاہ بہرسٹ ایسا ہو وسٹے کہ گؤناگون اٹسنوال سیے سبسیہ اُس سے ر شخص فراتے منے کررہبیت مجے بہت بیندائی ہوبیت برآسستان ارا دیت کررہا دیشے + له لطعت و ومست برونش در می مشود به ترحمه سرآستان اراوت برکسته شب رکمها به که بطعت و دست

کی کوم کی نراکتے رخ میر مکھلی۔ بعدازا ن فرہا یا کہ جبکے بالحن مین نسبت اراوت نے نلہورک ماہیے کراسک ح سيمانكي طن سلفت عظيم ما كراسك عق مرتبا م كرد، اور أستكه من برتبا م كرا استكر سعامتين م كامين جناب مق سبحان مین متوجه این میستی کوفرف اس جناب سے کردے رحققین سے نزو کیا تابت

رشي المات في الله المات الله المالية ا

كرين اورا دراك خاص تمام شياسين بيداكرين -

رشی ایک روز لیف مافرین کی نسبت تنبید کے سلے فرات سے کہ حب مکومری محبت بن نسبت ماصل موئ بھر آلے موار کی نسبت بن نسبت ماصل موئ بھر آلے مواور اگر کلفت مبوس نے بط جانے مورد ایک میں کا اٹٹکا ہو سے تخص کہ ایک فقر سے یاس ذوق اور مال کے لیے آنا ہی یہ ایک مخت مارضی میں ندوانی مجدہ یہ سبت میرھی مبیت ورد

چې ښراب شوق اميرزى په بايد و خارگروت تگرنرى -يشخيط الكيدن حفيتا متمام من و لا ومزا وربطالكت مشوق الكزفر إرسيم ستنه اورا كمستخف سنه ما مترين نیے کو باکل اُن باتون میں محوکرہ یا ہتھا ا ور طبیب سنوق وشغف سسے کوش ہوش استماع مربہ کھے مہوئے تھا نے فرا ماکے تم بھی بخت کے سنننے کامیل مرکھتے مبواسنے کواسکے مضمون کے ہاتھ دبرسننے مہر دینا عاسیے بخن ایک ہو کیتے سننے سے کا مزندین ملتا۔ رشخة فرمانے منے کہ کلام کے واسعطا کیب جال پرجس کسی پرحن سبحا نہ نے عنایت کی اُسیہ ظاہر کہا ہی جہو کہ مق سبی ندف انبیا علیه انصارات والسائم کوکلام کے ساتھ کابنیا ندوندب وتعرف کے ساتھر۔ یشن<mark>د. از استر تصور</mark>ان اکتیارل سرا در دل آئیندر وخ اورر وح آئئید حقیقت انسانی ا و حقیقت آمکینه کلیم تا حقائق غلبى غيب وات سے يہتمام بعيامسافنتين قطع كرسك زبان براتے مين وروبان سے صورت لعظى قبول كرك أن لوگون كے كان تك بهونتي مين جوستعدا وحقائق كى مرتفتے مين – رشن بنا فرمات تصفے کو سخن کا جال ہو کہ سامع کوسا مع سسے سالیتیا ہو اور منن کومبال بندین دیتا گرنگارا ولیا بھیر به ابیات مرحین ابیات سدنشان بود وسله رازنخست آن سبنی ۴ کیوروی وی مبینی دل توباً وگراینژ و دم أنكه درمجالس چسخن كندرمنى 4 مهمدرازسستى نود كبديث مى ربايد 4 سوم آن بورميني ولى افتص عالم ا ورمهي عضوا وراحركات مدمنيا يرجه ترحميه ولهدكتين نشان بن اول يدكرجب أسكامنهم وتيجية تراول كسكا ماتل معودوم مدكروب و مجلسدن مين معنى سيسخن كديسب كوحديث كرسائد الني بنى سيدلها سدتيس يدبه كالمعنى بين ولى خاص تريي عالم وه بوكر أسككسي مضوس نرى حركت منوب رشین داند تھ کہ بیضے اکا برکی مین نے ما زیست کی اُن خون نے دو چڑی ایت فرائین اکیب یہ کہ جومیج مالیّ جديد مرقابى نه قديم و وسير جومين كتبابون مقبول مرقابى ندمرو ود-وشريكه ودري مرند بكراتم ا بنح وف حضرت كي آستانه بوسي سيم مشرف بهوا اكيب تصيده حضرت كي تعربعني سن لكنها ورأسين تقور معارف معرفيه ورج تقد كرييض ابهات أسك يدين ابهات فاربرد أست يوه إزرفساريه اين تمشون يا وسے الابصار 4 كمئة آنيا ب طلعت او برطلعت ست مشيار تبالالهار 4 ينجسائي بلاک. این است. اق به میرد ذرات مواین انوار به میمدراصاف ساخت است این نور به میمدا یا کشست است ابن نار به لمئذا وست وركبن ومكان وعلودًا وست برمين دليهار و نسيت نكرايه ورتخلي او والمحرج باشدرون زه شار وليكن آن ارتخدوا شال و مي نايربعورت كرار و جدا فعات كون المناسب + كردران طبوه اسكندرخ ماير + درير كفينه بائنسي + مي نايد مباشقان ديدار به كايست وروسيس مرده +

ربازار + گاه دربرده می نوازوساز به گاه سیه برده می درانزار + بردگی اوست ماهمه مبرده <sup>و</sup> برد که سازا وست ما بیمه تار به تا شودنقش بروه شان مأمل به از ما شاسه نورآن رخسار به اموزیندا غردربرده \* فروبرداربردهٔ بندار ۴ گردرین برده بارسخواسی + روسه ول سوسه نقشبندان آد ۴ آن هیمان بارگاه انسست + دان ندیمان صدرصفهٔ مایر به سمیه درنبرم شوق شاه نشان به سمِه در درم عشق شاه سوار ۴ سمه عالی وزان سیان اعلی ۹ شاه ابرار خواد براحرار ۹ ترجمهه یار سنے مرده رخسام ائھایا۔ کہان تم جاستے ہا کا بیل نظر۔ ایسکی مهرصورت کا اسعدانظهار کے مشسرت سے طابع مبوات کا مثم ا*س روشنی مین فنا - اورتمام ذره ان انوارمین عومین - سب کواس نور نه صاف کیا اور اس* آتش سنے سب کوتمام جلا دیا سکیس و مکان مین اُسکا لمدہوا وردائین بابٹین اُسکا علوہ ہو۔اُسکی تجلی مین کمرا نهین بواگر دیشارسے ام<sub>یر</sub>بون سلکین تجدداشال سے وہ کدار کی صورت معلوم متواہی۔ تمام ذرات جان آمینهٔ مین سکراُنمنین با*ر کا برخ علوه کر*نا ہج سے *برا مکیب آمین*ه مین ایک طرح سے عاشقون کو دیم*رار* و کھلانا ہج-لبھی میدد و مین نیشسیده سی اور تھی مشهور برسر مانزار ہو تھی میرده مین سازیجا آ سی کھیمی سید میرده ار نوروالتا ج وه برده دار سی سم سب برده بین برده ساز ده سی سم سب اسین - ماکداسکه مرده کانفش عجاب نورخسانگا بهوماً المحارِّخ رَكِي ن سير ميرده مين بح أنتر اورگمان كا بروه أنتُها ساگراس مرده مين يامها مبتا مهرّودلگا بخ نقت ندون كى طوت لاس وه باركاه الست كرسيني واسليبن اورصفه إرسك مصاحب بين سس برم شوق بن مثل شاه اورسب رزم عشق کے شه سوار مین یسب مالی اور ان سب مین اعلے شاہ ابرا نواچ ا درارمین – ا وَرَبِرا درطرلقیت مولاً نا موسی*سند که اُس آست ندسکه فاص فاوم اوراً س دول*ست خان کے موم تھے یہ تعدیدہ خلوت میں صفرت کی نظر سیارک سے گذرانا و دسرے ون حفرت نے فیرکونی طریع کے که کرمیرزاشا ہرجے سکے زاندیں سم ہرات بین متھے ا ورحفرت سیدخاسم قدس سرہ کے اشعاریشہ ورمیجھے تتع لعضجوانان نوعرسف أكن اشعاصكمشل توصية آميز اشعارسك ظاهر الطفرت سيرسك مقاكن اورمعارمت باطنی چیپل گئے تھے اُن جوانون کے باطنون سے ہے اضتیارظا ہرسوئے اگر حروہ کن اُنکے حسسطال نرسطے لیکن چونکه انکی استعداد سنے اکن حقالتی ومعارت کی منظهرت کو قبول کیا مقا اسوجه سے میر لوگ استیما ابنات سسانياز ركھتے تھے۔ رسيمين فراسة عظ اكب بريس جررات من وروازه لك ك بركله بوش سيتا عقا الكيب ويسخيها مین نے سے اُسے اور مین اور اس طالعہ کی اتی تھی میراس سے رعابیت اوب مین نے ایسی کی کر لسی را ه اورکسی بازار مین اسکے فدم سے میا قدم ان دوسن کی عزت کے سبب کے شرط حا۔

تريز رشحات آره و

ر شخصی فرات منے که اگرمین سنون ا ورجانون که ملک خطابین کوئی اس طاکفه کی با تون کومسیدهی را ه سے کت سومین جا کون ا ورکسکی لما زمست کرون ا ورمنت کش بہون ۔

ر مشخصی اول سخن جو بهیا بهل صفرت سے مقام فرنشی مین سمع عموا ہی یہ تفاکہ نظر کومی طب کرے فرایا کا ایک غررگ نے کما ہی نخوا مکی علم ہی کہ اسکے اصول کوا کیے مہفتہ مین کرسکتے ہیں جھے اربان مہترا متفاکہ کیا موتا کہ در دلیشی تھی ایک کتا ہے میں کمنی مہدتی کہ ایک مہفتہ مین سیکھ لنتے اور جومقہ ودہی سہولت سے حاصل مہترالمکین ایک درولٹن نے کہ ایک درولیٹی آسان کا مہیجہ ایک کینہ ہی با دشاہ کی طرف اُسکام کٹھ ہی

وروستى بى سى كرآستىن كالمتي مجروب \_

رتشحيت فلوت فاص مين ايك ففيرس كيته تخف كه فلاصه علوم متدا وله كالفسيه مديث اورفقه سي او زغلاصه انكانعدوت اورموضوع اس علم كانجتُ وجود سى اسوا سط كدكت بين تمام مراتب اكتى اوركوني مين نمين مهم مكرا يك وجود ظام برمعبور جلميه ترتبت نها ميت مشكل اور باريك بيعقل ادرفوال ندع أسمين غور كم يام عب گراپی اورزندلقی کی بهرکسوا<u>سط کراس سالم بن کشتا در بسورونی دیبوانا</u>سته نبییندا ورانداع سنجاسات اد برگ و غِره سعه مبت مبن اطلات و جود انبرکه یا نهایت قیاحت ا در بُیراً کی بی ا دُرستنشی اُنکا که یا در فارج کرنیا موحبب لشكستكي فاعده اورهلات اصطلاح اس طاكفه سكه بو توصائب زكايرواحب ميركه فقوش كونييت نید دانترجه بیت کے تصفیہ میں مشغول میون اوراُس شغل سے دوسرے امریس توجہ کاین اُسوقت کا کے نزكيدا والصفيمل سع برتووجود كالطيلة مدكد برحكا وريابات بسي كدوظ بربوماس رنشخته وسری مرتبه قصیه کا شان مین که وه ایک گؤن ولایت فرشی کابی را کی طرف بی سیست بین خام نفیرکومفاطب بذاکریه امپایت میرهیی امپایت تومباش اصلاکه ال ابنیست دلس + رو در و کمشوده <sup>ا</sup> اینیست دلبس + ای کمیان وتیر با برساخه + صیدنز دیک و تود ورا نداخته ایخن ا قرب گفت سن ل بوینز توهکنده تیرفکرت ازبعبیر و ترجمه چوتوم گرزست ره یبی فقط کسال ی جا اسمین گر موبس بهی وصال ہی ا مکه تیرو کما ن مهت سے بناکے فشکارنزد کے اور توسفه د و رینر دالا سنن اقرب الیامن حبل توریدگها توسله اینی فکرکا تردور معبنیکا - زان بودانندات کرکهبت سی باتین کهین که دینی انین سعدید بین کردسیسی لوآيا ببح تيرسه عال بريم بمتوج نبين بوسك كمرج سبييه كداسكو ترسم يسك كربست جزين وبنين وسكار مبن بتسطيل فألم ہیں، اوربہت چرین کدور گائیمین اسکے جانے قرار یا چکین لیکن تھے انکی فرمنین سوا ور تنشیلاً فرایا کہ فرنوزہ جب بيه ل من تعلاا ورمر تنبيجيكي كومها برآن مين ايك خامي جاتي بهرا دراً سيكر با سيختلي آتي برا ورأسكو خراسكي نين او اوركون حس اسكا اوراك بنين كرسكتي وراكر كاشتكاراس سد كد كريست ماس شيطين كار

یخة دسیج ا درجانه که کاشتکا ریسف سح کها تھا اوران باتون کے درمیان میں حضرت برگر پیمنظیم خاکد اورآب کی شبہها سے مبارک سے آنسوگر ہے تھے غالبًانسبت گریے و دررفت اُس مخاطب کی تھی کہ انعکاس کے طراق مرحفرت سے ظاہمونی اورانددانا ترہی۔ رتشخه ببلي وفعكم مجيئ ترف لمانيت عاصل حضرت سسه بروا يوحياكه كهان كالبحثين سفه كها سنرواوين ببدإ موالکین برات مین نشودنماً یا کی آپ مسکرائے اور فراعاً کها که انگیائی سنروارمین جاگر او وری بیرولواین مبیحا ایک لخطه میدسراً مُعایا تواکیب رافضی کو د کھیا کہ دلوار میٹھیا ہم یا نون لٹکائے میوسنے ا وحضرت الو *کراور* حفرت عمرانس الدعنهاك نام المنت كم لي النيكت بالركيط سنى كوغيرت دين آئي ايك حيري كالى اوراً سیکے کفٹ یا بین اس نرورسے اری کہ دوسری طرف کا گئی رافضی سنے فرا دکی کہ ایرو دکھیؤکہ نیاری نے میرسے تیمری ماری رافقیون نے مرطرف سے مبحوم کیا اگرینی کو گھرلیا کہ مجارے یار کے پیڑی واسطار بیکھا له أس از دحام ا وغوفامين ملف موتام دن تواكب حيله كميا اوركها مجيع حيوم دو كرمين اينا عال كهون من المجائ تفاري سن مون من في ما إكراس ولوارك ساب من أرام كرون اور راسته كي كان أدار وفي يين منجيا اورا دېرگونگاه كى تو دېجيا كەاس خص غايية الموكيين مرگزىنىين دىكىجەسكتا لاكرمىيە سىرىر يىكىد**يا مجي**م ت نا فوش معلوم مبوایسبب تفاکیمیوی اری کوان نامون کومیرے سرسے دورکرے رافضیون نے جدیا سنى أسك التحريوس اور آفرين كى اوروه اس حيار كسك سائح أن توكون سيمنيات ياكي أسوقت حفرت نے مسکراتے ہوئے فرہایک تم السیے شہرکے میوب دازان فرہ یا کہ مشیائنے وقت سے ایک مشیخ روافض کی سررسین مین بہونیا اکیے گروہ آئے فالی دیرسنہ لوگون مین سے قافلہ شیخ سے کتارہ آکر حفرت ابو کرصدیق صى السيخندكوم اكنته لكا ورياشا يسته كها اصحاب شيخ استكره ريي مبوي كوانكورج ديوبين كرين ينح سف فرايا كوانكورغ بيره كلوية بماسه الوكم كوكاليا اينين متيد الوكري رسا ويهن وراسكا وكاوين يدلوك فيداو كم موموم كوكا ليان متي بين كمذهات باستحفاق جيمين لي اورحفرت بغربه يصله العدمليه وسلم اورأسكه البيست رميني الدعنهم سرفغاق وكيطا روافض نے کہ یہ بات بیٹنج سے سن تنبہ اور متناثر مہوکہ طراق باطل سے منحوت ہوئے اور شیخے کے بائم برتوبی بعدازان بوتمپاکه تیرا باپ کیا کام کرا ہجا ور کمیا اُسکام نام پرین نے کیا دا عظامجا فررمولاناطسین نام موزلا مين في أسكي معربيت سنى مي كيت بنين كرببت فضائل أورك لات ركمت بها ورأسكا وعظمقبول خاص علم كالمجيز فرما ياكرسولانا شهماب الدين سرامي عليه الرحمة كهأستها دبينينج زين الدين خوافي اورمولانا معقوب جرفي مجه تصے قدس مرساسم قندمین آسکے اور میا یا کرسبی ماضع مین وعظ کسین فعصت مولانا محد مطارسم مرتمندی

غرر کا ن طبیقه خوا میگان سے بین اور کمال علم و تقوی اورزیده ورع سے راستا وزیست توی اور لطافت تما ما ر اسم میں ماضر تھے خدمت مولانا شیاب الدین نے منبر برچڑے نے وقت یا یہ کو بوسید ما اور نسار فدميت مولانا محد نفرجب بيصورت وتكوي في الحالم كلبس سنة أشيّة اوربا براً ليُرَصّ مولانا شهاب الدّن في سن کے منہدے اُٹر آئے اوراً کے سجیے گئے اور یوشیعا ممدسے کیا ہے ا دبی ظاہر مہوئی کہ آپ باہرائے اومحلس مین نهنیگی اُنفیون نے فرمایا کہ سم سمبشیہ خاطرمشغول رکھتے میں اورسعی واستمام کرتے مہن کرکئی برعبت لوگون مین نربیج تم بر برعت كمال، سے لائے كرمنبر رو است كے وقت مندر كے اليكو توسات تيام بيكس كتاب اورشنت مين لهجا ورائمه بسلف سيكس المم نية لي كيا بترتم هبيية آوى وانشمند سيع جوليم واقع مواله بوئال محلس مين صلحت منين سي مصفرت في فرا يا كرمولا المحد عطار مبتيه سنت كه تباع ا و وفع بنيت بن كمال درجيمها لغا و إواركي تقدا وأسك فرزند مولانا حسن كوخوب الاحظادين ولمت بين والترشيون كيموافق تفقاحب راقماني ومت حفرت كي لمازست سيرخراسان مين أياا ورندمت والدعاليارتركي كالميظ مين بپونيا د كميا كهنبرر فرسطة دقت يا يهنبركو ببسه ديا حب گوين اسكه يه حكايت مولا تا شها ب الدراجي مولانا محدعطا رسمرقت یی کی معفرت سیمشی آتی دالدست وض کی وه ردستے ا ورکھا بدا کیسے نفسیوت ہم ک مضرت نزيرى زبانى ميرسه واسطيهمي سوا وربحيرابسي لافظا دراصتيا المبنغ لازم كى ادرهزكات ففلو اور بائتر بانون سسرمنر الريف سے بازرت حضرت كمبرى تقرب وعظ دواعظى والدعليه الرحماو مراحاً س التفات كه ميرب ما من آن بيد واعظون سے كه ديجھ تے نقلين فراتے تے لين کين سوروس محد مرقندی کے ذکر میں آجگین اور تعبفی میں کہ ذکر کی جاتی ہیں -اپوسعید تاشکندی کا ورفره یا که فدرست سیرترانس تصیمیشه گرسکی کا اثرا و دخشکی لب خدم ظاہر کھی بیبت خوب بخیتہ وغط کہتے تھے کئی محلس کے کنارہ بہت مین کھڑا رمیناً آبار ریاست اور مجا ما کے اُ نسے بنیابیت ظل میریختے اورانوا رطاعت اورعیا وت کے اُنکے لنبسرہ سے روشن سعلوم موسقے تضافراً تعے کہ ایک نزرگ نے خواب مین دکموما تھا کہ ایک بڑی جاعت کوٹری ہوا ور کہتے مین کہ حضرت موسلے لمراس ترقین اس بزرگ نے کہ مین بھی گیا اور کہا مین بھی آنکود مجھون حب آ کے سیماشن تحقع حفرت نے فرمایا سیدا سکے لائق تھے کہ آئکو ایسا تجھین ۔ رشخش فراسته منصے کرمیلی مرشه جرم ات مین زیا رنگاه برگیا تمقا دونتین روزمین را دیان سے لمبیب مولاناتمس الدين مخدسنوكري كردى كركا لوكن مين بهومنجا وروه علما سيمتغق سيد متعا ا ومريكية

شاه فرنی سے رحمهاالمد تنالے اسکی مسجد مین مغرب کے دقت پانسوا دمی ہونگے دوسرے دویالی صبلح
وعظ فرمایا نتیجے دہ حکم بہت لیسندا کی دوخص ناشکند کے میرے ساتھ تقیمین نفیجا پاکہ ہر میرے سبب
و بان گھرین شہرون آیا دوروز بعد گیا اورائی ہمفتہ رہا اورائس مسجد مین اکر اوقات اہل طاعت سے
ایک جماعت رستی تنی ایک روزمولا ناشمس الدین محدو عظ کہتے تتے اورائس وعظ میں بہت روتے تھے
مین کمان لکا کے مہوئے تفاکہ سبب انکے گریہ وزاری کا کیا ہو فرایا کیمیرزاشا ہرجے کو با دشاہ مسلماں کہتے
مین مین نے سنا ہو کہ دیوان کوشا دکو ایک لونڈی کے ساتھ شہر کیا ہو کہ واپ کو اسکو سنارہ ہرسے گراؤٹ میں میں مین میں ہوا درہ اردے جاہین یا سنگسا کو اور اگر اس سے نمیون ہوا درہ اردے جاہین یا سنگسا کو اور اگراؤٹ ہت مندن ہوا ہے جہت ایک مسلمان کو اسطور سے کیون قبل کرتے ہیں بعد شہوت سے کہ سے کہ سے کہ سے کہ می میرزا نشاہرنے کا حسب شراعیت صادف ہوا تھا فرمت کو النظام کے اور ہوا تھا در ب اختیار دوشے تھے بزرگان دین کا ایسا مال کھا دین ولمت کا نمائی ہوا۔
بہت در مند مہوئے تھے اور ہے اختیار دوشے تھے بزرگان دین کا ایسا مال کھا دین ولمت کا نمائی گرائی سے کہ میں میں استیار کا دیت نا اسکا مال کھا دین ولمت کا نمائی گرائی میں نے موجوں سے نرائی دین کا ایسا مال کھا دین ولمت کا خوائی گرائی میں نے موجوں سے نرائی دین کا ایسا مال کھا دین ولمت کا نمائیا و

ر شخیر ایک روز فقر را قراین حرون نداین خاطرین به بات مخدائی که اگرکسی وفت او قات سے مین وضلا کمونگا حفرت کی زبان مبارک براس باب سے شخص گذرسے اور اس نبیت سے حفرت کی محلبس مین آیا ایک لفظ بعد فرما یا کہ ایک شخص سامنے ایک بزرگ وین کے گیا اور کھا کہ مین جا بہتا ہوں کہ وعظ کھو ہی ا نرمگ سے عجب جواب اُسکو دیا فرما یا کہ معصیبت مین نافع نمین ہی ہے جا صبح ہے سی کسواسطے کہ پہنیں اندوقت

غن كهن**ا ورنصيحت كرنامعصيت سوليس فرايا ك**راس بسيرمعلوم موتاسج كه درية عن بس عالى بواسسخن س<sup>ك</sup> را باكهاب بقل كلامهم اسطرف كرته بين كة عن لنف كا وقت كب بهج ا ورا كابرط لقيت كو قدس السدارة أم ت وعِنطكى بابت سخن بهت بربعه بعدون سفه فرما يا بموكداً سوة تت سخن كهنا روا بهوكه مشكراً س ورجه كومهو سخا مروكز لإن تسکی نائک ول مونی میواوردل آسکانا نئپ حق سواند ر المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابية المرابعة الموارية المرابعة ر من هي المنظم المان مديد من ووركر سنة بن سنول ميز المشكل ي يا كيم اعمال يا لني عنه المني الماني أيا ما نتنظر من که امکیماری امکی امری مرسوا ورمرد کوسب سے نداوس کر ہے . رستي فراسقه عن كريها رسند يارون كوچاست كردوام سند الك اكرا فشياركرين باليكراك بيزوج المال سيرقبل ازین اور ژراعت مین شنول مون اور سیستشنولیون من این کونگاه تصین هیسا کرط نقه نفرار نمانوا د ه نوا جگان کا بهی قدس امیداروا<sup>د</sup>هم با این <sup>تنبا</sup>ن گارس اور <sub>مو</sub>نه ننوسنه سعه از بشیه کرین اور غرب کوششهٔ ك**ىن كەابنى نۇاستىكى كودۇ**مىسىدىكى خوامستىكى مىن كەكەيىن ئاكەسعادت غىلىم سىھ كەفىئارنى اىسە يېرىشىرف مون يو بیست طریقی **سبیت ت**ه در افکن خواش نسم نوز در سنت ۹۰ غدا ه اتم باش وخوامی سوزباش **ترحمیه توا**ینیه کوهمیر ا ورورماً نَده كرووست سي نيراه عد خواه ما تم مع ديا حبّن عبر-وتتنجث فرات عظم كامردان غيب ببزران وان أس صالح تخص ك صحبت كى المزيت كرته بين ءعمائ عز سے کرے اور رخصست سے نیچے ہے لوگ ارباب رخصت سے کر نزرکرتے سین رخصت پڑل کرناکا م کرورونگی **سر طربقیه خواهیگان قدس اله دار و احمر کاغ میت سوی** ن<mark>شون هي جسوقت كوغرميت اوراحتياط كالمرفرا ياكها نقرا درطعام من احتياط نوازم سنه بري ورجي إك مبواور في سرير</mark> شعورواً كابى سے ایندهن چرهے مین رکھے اوراً گہ جلائے دسٹ طعام بین که اسپرفضیب کیا ہوتا یا پریشیات یا مغرت خواج بهاوالدين قدس سرواسمين سي كمهات اوركية كداش لمعام بن تاري سوكربهن أسكا كمعانا جاكزننيين سحفرت جالمسندسك نهايت ردموسم مين كيميت برون گرى تمنى تل كلانتان گانوكن مين بوسمر قندسے بیرمیل ہواکی مسیح نلمارت کو با مرآکے اور با ورجی خاند کے درسے گذرسے اُس موقع سرو وغلام اسکیا بری بڑی دکمین یانی سے بحدکے آگ مالائ اور بانی اصحاب کے لیے گرم کرستے تھے اور اسس کا مہین بالبيم معولى روزمره كى بانين كريسب مقد صفرت كموسد بوسكة اورغلامون كوساسف كلاكر فنا برسق ادرككري كما كَدُاكُلُوارِين اوراً سَ عَنَابِ وخطاب مِين فرايا اتناتم نهين عاسنة كدبي في كرم كرسف اور كمعانا بجاف ين آت ع

ما عزر منه چاسپیدا و رزبان سید معنی با تون سے نکا و رکھنی چا میے ناکدائس پانی سے وضوکر خا اورائس طعابہ سے کھانا ول بین نو وصفور واگائی بیدا کرسے اور پانی جفلت سے گرم کرین اور کھانا خفلت سے کیا کی گئی کی بیائی کی سے وضوکر خا اورائس طعام سے کھانآ ماریکی خفلت کی باطن مین پیدا کرتا موخدست مولانا لطف النی کو خفرت کے مقبول مقرب تھے اُن خلامون کے گناہ کی معافی چاہی حفرت نے عقوکیا اور طمارت خانین کئی و فرات کے مقبول مقدم و نیجی کو موار است خان می کہ مقدود اصلی وہ ہو کہ حقیقت انسانی کو تھے والیت کی نظر اصل مقدم و نیجی اور صفا سے فطرت سے جانا ہو کہ مقدود اصلی وہ ہو کہ حقیقت انسانی کو تھے والیت کی نظر اصل مواور آ ، از فرسے سنے میں اُنکو بیات حاصل مولی ہوا سواسط اختار کی اور کست آئیں کے نظر اسلام میں انکو بیات حاصل مولی ہوا سواسط اختار کی اور کست آئیں کہ بیا ہوا و برعت نے ایک اور کست آئیں شکوت کے نگل سے آسکور نیا جو بڑدیا اور اپنی مقدم در سے ورکذر کر تحصیل لرب بھی بیات ماصل مولی مقدم در سے درگذر کر تحصیل لرب بھی بیت میں دور سے درگذر کر تحصیل لرب بھی بیت میں دور سے درگذر کر تحصیل لرب بھی بیت میں دور سے درگذر کر تحصیل لرب بھی بیت میں دور سے در اسیا ب سے تمسک کیا ہو۔

میان خوار ایک در محلین میں حضرت کی ایک شخص نے میکھت اپنے تئی کی بیت سے درکا درک کو میں اور کسفید ہے ہو کہ کی اسلام سے میں نے میکھت اپنے تئی کی بیت بھی دی اور کی اور کیفید ہے ہو کہ کا کر اسلام سے میں نے میکھت اپنے تئی کی بیت ہو دری اور کیفید ہے ہو کہ کی تو میں نے میان کے میں کے میان کے میان کے میان کے میں کے میان کی کھی کے میان کی کی کھی کے میان کے میان کے میان کی کھی کے میان کی کے میان کی کھی کے میان کی کے میان کی کھی کے میان کے میان کے میان کے میان کی کھی کے میان کے میان کی کھی کی کھی کے میان کے ک

رشی بی و نظیم شره به می اور مین حضرت کی ایک شخص نے تعلقت اسنی تشکی کی بست بینی وی اور کیفیدی بشخرای رکھا حفرت نے اُسپر متوجہ موکر نے بہت بیڑی کہ مہیت کی مج میا بہتمدت مستی کرورط این 4 ادانشا مناسبت اذا ن شاہ بے انشان 4 ترجم پر متمدت مستی اور دبیانہ بہیوشی سے میڑھی با کی طبح مست اکر طوبی مین اُس نے نشا

سے بیادے پاس نشانیان ہیں ۔

رِشَى الله الله عَصْلَه في ديدرونه مين زنده مهون تم سعى منين كريّه ا ورغدا بين منين مهوت كب مبوكاس فرست كو ت دانو کیشیان مرسکه ورنشیانی سے فائده نه ملے کا۔ رشه هیلا مبسوقت که حضرت نیز ایک نینبر کواشا ره بطریق را بطه فرمایا میبیت میرهی سبت مای کن درا ندر نوا نوبش را 4 وورکن ا دراک غیراندنش را 4 ترجمه باطنون مین اینی مگر کراوراد راک غیرا ندنش کو د وررکھ بس ازان فرایا که اوراک فیراندنش کو دورد فع کرکه لوگون کے باطنون مین توانی مکه کرے - بینے مرتبن متوجه اكتسك رهكه ابني مجكه دل مردم مين كريد كه عبارت مشامخ طالقيت سير بحبيبا كدط بي خواجكان ويول ا اروا چه کام که مردم گهبانی کرنی چاسیدی ایسی چزواقع منوکه خاط پریما سبب کومهت ننوه که کس مکاریخ که آسکی سب مرادبیرکی مرا دمبومایسے ادربیرکی مرا د آسکی مرا دمبود و راس نگیدا شت کے سبب اُس سعادیا بهوينج كأس سعياد ترمتصور ننوا دروه فنافى العدبي رشنی ایک نفیر بجانس صحبت مین حفرت کے روے مبا ک کوبہت دکھیا کرنا ایک وان اُسے مخاط کھے سکے نوایا که ایک شخص حفرت نواح بهارالدین قدس سره کے میره سیار کی بهت و کمیا کریا کداره دم مارس منه كميطرن نطرمت كاكدرل كوتومرا وككور مجرحفرت نف يومصرع بمرحام صريح ديوانه مشود مركه مبسبيذرخ ا تترهم به وتخف تارامنخ رتجهے دیوانه مهوماے - بعدازان فرایا که مرمد کوجا ہیے کہ بیرکے دوابرو کے درمیان مہوار ابنية نابه ادقات اوراحوال مين ببركومطلت اورعاخراشيه بإس سمجعة نابيركي غلمت اورابهت أسمين تعرف كرسيه اور بوكوير سناسسي كم يسك فعور كنيون برياطن مريدست ماتى ربيرا دراس معنى كى بيانتها بركه برا درمرمديك ورسیان سے برده انجر جاسے اور تمام مرادات اور مقاصد بررکے ملک اسکے احوال اور مواجد ومرکے معامنداور مِشْا ره مین آ دین مصریح این کار د ولت است کندن اکزارسد + ترحم بدیر دولت کا کامهریام میکیسکے نصیح بج رستير فرائه مصر كفواطر دى اور تفاضا بإسطيم كى كرفنارى سيرفيون كى سبيل اكمه تين يزون سے بیسکتی ہوا ول ایک عمل اعتصار خیرے اپنے اوپرلازم کرسے اس قسم کا کراس گروہ نے مقرر کما پہوائد طهق ریامنست اختیا رکی – دوم به کهطاقت ا ورتوت اپنی درسیان سندا مختاسهٔ اورما نیه که وه مخله أنظينسن وكداني تنين آب سے خلاص اس لماسے دسے اوليسبيل نيازوا فنقاح ووام تفرع اور مارسع جناب فت سبحا نه مین رج بح کرے جا سپنے کہ حق سبحا نہ اُسکو خلاص اس بلاست کھیے تعبیر م يركه بيرسك باطن ا ورمهت سع خوامان عدد اورمعا ومنت كا جواور أسكوا بني تو مدكا مسلربا وسد اس تقریرے بعد حاضرت سے بوجھاکدان تین طریق سے کونسا اجھا ہو آب ہی فرایاکرسب سے مہتریہ بھا لهميش سياستدادا ورأسكي طرف توجه متربح كسوا سط كدما لب سفاستي تينن توجهي سبحانه سع عاج

جأ كمر پيركو ومسيلها س **توج**ا ورومعول كتن سيما نه كاكه إ<sub>ستر</sub>يه بات قرميه بنتيجه كے حصول كى سجا و رطاله كلي توقيعيو ہی اس سے جلد سرا مدیموکا کہمیت سیرسے استمدا دکھیا ک*یے۔*۔ رشیش از انت سے کر پینفس اس گروہ سے کسی کے باس بیٹھے اسے کوشش کرنی ماسے کو اپنی حقیقت سے خبروارمع بدرازان بینن سبت تعنوی سے میرهین ایرات من بهزمیمیته نالان شدم دحفیت نوش مالان وبد ما لان شدم ۴ سرکت از طن نو د شار بایشن ۴ از در ونم کس طبیت اسرارمین ۴ کسرس از با که من دوم نىيىت «لىكايسة نتيمە دَكُوش رااين تونيسەت» « تترجميدىن لىرزىكە مجلىس مىن ئالان اورگراينە مېوافۇتخاكما کے ساجر 'بی ریا دولی: الون کے ساتھ جھی راہے ہر کو تی اپنے کما ن میں میرا مار میواکسی نے میری نداوی تا شن نه کی ب بیانوبه به بیرسه ما لدست و در زمین مولسکین آنکه اور کان کومیر نورته مین می کدمیرسه مجتبد کوشیر م رشی ایس ایس این میت کی تعلیم مین فرات سے که زیا ده میموکی اور زیاده مبداری داغ کوخراب کردی هج ۱ در همتانق و دفائق که دریافت باز کهتی لهج اسی سبب سے بی<u>ندراس ریاضت سے غلطیا</u>ن وقوع می<sup>نی فی</sup> بین کسی کوبهیت بداری نقصان نهین کرتی که اس سبراری مین سرور ا در فرصت مبوتا میر و موسد و راور فرج ندنيد كاكام ديتا بحاور دمانع كوميوست سيزنكا ه ركاتًا موليس فرما يا كذوا جه علام الدين غجيدُوا في عليه الرجة كتريخة كداكي روزهفرت خواجهها دالدين قدس سره طواليس مين آئة سم اصحاب كي ايك عن سائل غجیروان میں تصے ہمکو بلایا ہم آئے حب رات قرب آئی شنح محد درزی طوالسیسی کو کہ آپ کے مذام خلص سے - تھے بلايا وركها يارون كوليجا كوا ورفعدست كروسم شينخ محدك كموكئ نما زمغرب كيوبوحفرت فواحيا سكة اوصفهك كناره يرتيطي ورياب سبارك لشكائ اورشيخ محدكوبلايا وراوجها كهارون كسفيلي كيابيا وكالمكم فشخ محدف كمه ا كيد مرتع اوركر بج ول مين مج فرما ياكم مرع لا ومين وكيون كدفر به مهر أيا لاغريثيني محد مرغون كولا ئے اور حفرت خواج نے ایک ایک کو اٹے وست مبارک مین لیا اور لما خطد کیا فرایا کو اچھے میں بعد ازان اصحاب سے کہا کہ کھانا کهاگزا دررات کوسوگرا درصب صبح مبوسمارے پاس آوکچرآسطے اور گئے اور میے شب کو دیان رہیے ا و ر كهاني كمعائية اورسوئه اوصبح باتفاق بإران آب كي صدمت بين محيح -رشی فط از سے کو ذکر ایک بسوسلی شال مرکه اُس سے خطرون کے کا نظرا مسے دور کرے مین – رسي فراقه تص كه كام ده مبركه ذكرسي منغاق مبواسطي مركه أسكونه مبشت كا دوق رسبه اورنه ووزخ كا نوف - نواب دربداری سے کمیسان موشیعان کہا طاقت کہ اس بزرگوارسے باس میشکے -دسخة فرات تتے كەاگرسكونتصحبت مىن اسلىر بى كەاگاسى ى سبحان كى حفاظىت موا دراكسكا لماضط بنوتىك الج

ه صحبت بهنست کی بی ایر کرمه لانسیمندن قیمالغوا مین اشاره این می صحبت کا بری بن بوکون کا ول محبوب نتیقی کا كرفتا رسوكي بوسب مال مين أكاول أس باكاه كے سائة متقام كلام اور منا جات بين بو رتتنج فراته تق كاحققين كے نزد مكيب يېزى كەن سبھا نىكىيىلاح ا دراك دفهم ئن نهين آيا ا وراسكے ا وراك كى را ہ بندی اوعِقل کا مل وہ ہم کیکسیطرح اُسکے اوراک کی طالب سے باز ندر پندنسیں اس تقدر ریرسکون ا ور آرام عقل كامقتضا بنيين سې بهيت ، وست دارو و وست اين تشنيک ۶ لوشش مهوده براز خفت و ترحمه ت رکھے دوست پرانشفتگی ، سعی مہود دیجلی نہ فقتگی 📲 ر شخصه فرمات منظه که ارواح انسانی جوار قدس من بهشیه مشیا مره کر تی تعین حبب اس عالم مین اُنگو لا نخه ای نا سوتی نیجره مین تبید کیا تو ابدان کے تعلق کی و دیستہ ابدان کی منروریات کے اندرشنول میونکین <u>عبسیے مکا</u>ن رسنے کا اور کرٹرے پینینے کے اور کھا نا وغیروا دیا تنبوان کو با وحودا سٹننل کے مسل اور مقبراری اپنی قرارگا اصلی مین به و ننجنه کی نمالب آئی اور مزے وائعثه ہی اور لذات البھی کے انتخابی تو ته بمقراصلی کے نمین مو کے کمات معلوم ہواکہ وجود انسانی سیمنتصبو و حصول اس ضطرابی منین سی اگرچہ بُوک منصور کو نوعبہ کریان کرتے میں ۔ ر شعط خراتے تقے عبا دیت اس سے عبارت ہو کدا دا مربرعل کوین او رنواہی سے ہرمنر کرین اورعبود سیت اسکے عبارت ببحكه جذاب حت سبحانه كى جانب بميشيه تومدا ورا قبال بو فرا ياكه بفنى كتا بون يين تفاوت عبا وسائح عبو دبیت مین کها مبرکه عیا دت ادامهٔ وظائف بنه گی مبوصب شریعیت کے ہوا دعیو دبیت حضور آگا ہی رتشحهم فرمات تحفظ كانسان كي ميدالش سيمقعه وعيا دت هرا ورعبا دت كا فلاصداً كالمي تمباب وت سبعانه صفت تفرع اورخضوع کے سائھ سب احوال مین ہو۔ وتتنخة فواسقه تفع كه فريعيت بهجا ورط لقيت بهجا وحقيقت ببحشد بعيث احكام كا اجرا فلابرس يهج اورط يقيت عمله وأ ا ور تعلمت جمعیت باطن مین سرا رحقیفت اس مجیت سکا ندر رسوخ ہو۔ مرشخه نظر استه نظفه که معرایت د وقسم سچه معراج صوری ا و *رمع ایج معنوی ا ورمع این معنوی بھی د*وقسم **یج**ا و**ل مختا** دميم يسع صفات حميده مين عيل بانا دوم اسواسي حق سبط نركى طون جانات وتشحة فلغ فرات تحف كرسيره وتسم بوسير شطيل ورسيرستدريشير الميل نعده رنعد بهي ا ورسيرستد مرقد ورقرب سيستطيل مقصودكوا فيه وأنره كيام رسه طلب كرنا براورسد يستدر إسفي ول كأس إس بيرا ا درا نیے سے متصود کی ستح کرنا ۔ ر تشخی فرائد تند كر علم و دبن علم درانت ا ورعلم لدنى علم مدانت و و بوكدسبوق معل بوصيد كرخفرة

رسول الدرصا الدرطا الد عليه وساسة فرا ايتم من عمل با على ورته الدعلى الم الم الم حريه جينة عمل أسك رائه كها جوجا نا المكوالدعا أس بيزيا ديا بوحبكواً سنة نهين جانا اورعلم لدنى وه مهو كرسبوق فجل نهو مكبيب سافه عمل كريس جانا محف عنا بيت به علمت سع الميه علم خاص سعه بنده كوم فبانب خود مشرون كرب حبيبا كرح سبحا نه في فرا يا . وعلم الما ترجم بها ورسك حلاليا يمني اسكو ابني باس سع عامد اجريمي و و بين اجريمنون او راجرغريمنو ابريمنون وه مهو كرسمة بالكريم مقابل ميوسه المريمنون وه مهو كرسمة بل مقابل ميوسه المين فرائم بو شالكونى متنفس سائل محوكا علم كروه ثوا عد كلييت والمتواف وه بوكه مقابل ميوسه والمناف و توقع المين فرائم منافل ميوسه المريم و ميوكه منافل المريم و ميوكه و ثوا عد كلييت عبارت مهوكه فا مل كمين بين كرم المي مسكلكواكن مسائل سي الماكلف و توقع البني مجبيمل مين لا وسريم مسطم عالميني الماكس مسكلكواكن مسائل سي الماكسة و موت المن كرم المين في ماكس و منافل المين و منافل المينون مي مراب المي توحيه على روسه مهوجود مين فاعل كوئى منين مهم كرا و دريم المينون و الماكسة بين اوراكراسي توحيه على روسه مهوجود مين فاعل كوئى منين مهم كراو دريم المينون و مراكسة على المراكسة بين اوراكرالي وقت مين كرم المينون الموالي المينون المواكس المينون المينون المواكس المواكس المينون المواكس المينون المواكس المينون المينون المينون المينون المينون المواكس المينون المواكس المينون المينون المينون المينون المينون المينون المينون المينون المواكس المينون المينون

ر شخصی ایک ون شال دینے کے طور بر فرمائے تھے کیسب پرندون نے اتفاق کیا کہ سمزع کک مہر فہین مراکب برندراست میں ایک عذر کے سبب رکم یا گرجس کسکے سیمرغ سے خرتنی وہ سیمرغ کس مہونچ گیا ہے۔ رنشی ش<sup>ین و</sup> فرمائے تھے کہ لوگون نے خیال کیا ہو کہ شاید کمال انا الحق کھنے مین سچ کمال اسمین سم کہ اناکو و ورکم ن

اورائسكى سرگز مايذ نكرين —

ر استی و بات سے کا دامس کام سے بیوندی ہو بھیر فرایا کہ میسے نزد کی کوئی شعراس رہا بھی سے مبتر نہیں ہو کہ پہلوا ن محدود ہور یا حکہ بیوندہ ہو مردی جاندہ ہو کہ بامروم کم عیار کم بیوندہ ہو مردی جند ہم بامروم کم عیار کم بیوندہ ہو مردی جند ہم بامروم کم عیار کم بیوندہ ہو مردی جند ہم اور اندیش کر میں کھوٹے آ دمیون کے اس ندا ندیش خید مرند ہیں کھوٹے آ دمیون کو مرحمہ ای ارجوٹے فا ندین خید مرند ہیں کھوٹے آ دمیون کو مرحمہ ای اردی کہتے ہیں دو حالم کے نقد اور اور حاربرہ پہستے اور قبعت کی کھوٹے ہیں ۔ مبعد ازان فرایا کہ اگر کوئی لااکہ الابعد کی حقیقت کو جائے اس بھی سستے نام جاندگیا کہ ورحقیقیت مہلوان محمود کسی تھیکا ۔ دروجی تعدید میں میں دوروس کے دروجی کے ایک میں میں کہتا ہے ہیں دورو کہتا ہے ک

گرفتا پندین تمها اور دواتی تجلی سے مشرف تھا۔ رئیسے ہے ایک ون بیضے اصحاب اور خدام تو مخاطب کرکے ہاتین فرائے تھے اس اثنا مین کہا کہ ماصل سے گوٹوش گرنی چاہیے تاکہ دل کوئٹ سبی نہسے توجہ وائمی مہوزان بعد مبوسکتا ہوکہ اُسکو آگاہ کرمین اس باٹ سے گرتوہ کی طرف سے اُسکی ذات کے سائنم ہی اورائس متوجہ کو در میان میں کسی اُ ج کاموشل

. منتونیشهٔ زماتے بھے کہ فنامے مطلق کے میاعنی نمین بین کرمها حسب نشا کو اپنے اوجها عندا دیا فعال کا شعور نہو ککے اُسیک<sub>ا</sub> میعنی مبن کهانیے اوصاف اوراسنیا فعال کی نسبت کو اسنیے سے *بطا*ق ذوق ننی کرہے اور فاعل قبیقی آ ذکرہ کے لیے ٹا ہٹ کرے یہ جومعہ فیہ قدس ایسدا رواحهم سنے کها ہج نبی باشیات حبکسہ نه ار د ترحمید ننی کواٹیا يساؤان بن براسي بن سيراور فرايا مثلابه جا شيران بين مبوسله مون ماسكر كالررشزم اسكا علم نبين أباكك ہوا دراس سبب سے کہمین اسے اپنی ملک جانتا ہوان اس سے تعلق رکتا ہون و زمی<sup>ن ک</sup>یا، اساف<sup>ا</sup> ملم مواکزاً عاریتی سوفی الهال تعلق میرا توس سے قطع میوگیا حال آنکه اُس جاسه کومیرا بنینا با نعل ۶۰۰ دی سب سفاریم انسى برقباس كرلىنيا حاسبير كرمسب عاريتي مبن كاكه دل ما سوسندا بسدينه نتام او. ياك بساف مو ما-رشیق نوات یم سخ وصل مبارے نز دیک به سوکه ول کو بناب تی سجانه تعامے سے انگاہی مالال و وق کی را پسم ه اور اسکنے بیرسے خفلت اور ذمہول مہونیب یانسیت سنفسل مود وام ونسل سے مشرف ہوا ہو بوالین سے بخارام فتقدب وه يربيح

ریشخشی فرا تر منه و سل حقیقت مین وه مهر کرخی سبحانه تعالی کے ساتھ دل ببیل فروق بست مدوحب سینی والمى مبوطاسة أسكود وامروسل كينة بين نهايت بههج اوريه حرصفرت فواجهها دالدين قدس العدتوالي سيرم فرا يا پر که مهم نهاست کو بداست مين درج کرت بين مرا دسي مرا و ريد جو فرايا بريم داسطه وسول سه زياد داندن من ب ميسة نقطع مبونا اورمقصه ورسه لمنا جا مبيه يهي فشل مبوسه اورفرا يا يوكدا كراس نسبت كومها رسه نز ريك قدر داني جابيرة تتعاكه تبعرون كواشير سرآ يمنات ا درفرا ياكه سركا وتم ميري سحبت مين واصل موسك مجند أس سه كيا اور بقی سبعانه کوانس سے کیا اور فرمایا که اکثر البیا ہو کہ سم خلق سے غمر مین مہین اور خلق س**ما**سیسسب بواكره يشرك بوكدكوني النيستين اليباغ ابنائ كواكروه خراب موتوعا لم خراب موليكن سم كساكرين كل لهم مهونی شان ترحمه سرایک دن وه ایک شان مین مجاسک مضمون نفیمکویماری بغرابسیا کلام کماییج ية عنے كەاگرذكراس طبح لمكە مومائے كە ولىمېشىد ماحزىموا ور ذاكراس مفعورىين لنت باتى

وه ابرارسته په ادرآسکو ماخرمع الدگذا ما سبے لیکن واصل مع الدینین کرسکتے واصل وہ پرکار لی آس سے دورہوا وراسی زات سے ح<sup>س</sup>سیا نہ کو ماخرہا سنے۔ مشخذك فطت تفصك ونهاميت كأسكوا وليامهو يخبيبين ومسجك شاميره أنسي فائتب منويا آكا

أنسے فائب ہواسوجہ سے کہ آگوشا پھٹی میں فابیت ورعبہ سنواق ہو۔

رشیخه و فراتے مقے کہ بجلی شدن ہوا وراس معنی کا ظور و وطرح ہوسکتا ہوا کی کشف عیانی اور وہ جال تقصود کا مشکا چشم سرکے ساتھ و از الجزار بین ہو و وم بیر کہ بوجہ کڑت اصفار کے فلد بوبت کے ساتھ ہو کچے فائب بنجل محسو کے موکسواسطے کہ خواص محبت سے ہو کہ فائب کوشل محسوس کر دے یہ نہایت اقدام امل کمال کا ونیا میں ہو کے رشیخہ فرائے نقطے کہ آیا اس کا م کی نمایت حضور اوریشا برہ ہو یا فنا اوٹریت ی جمحے اکا برکے کلام سے محجا جا ا ہو یہ ہو کہ نمایت حضور اوریشا برہ ہو کسکین نے الحقیقیت نمایت فنا اوٹریت ی معلوم موتی ہوکسو اسطے کہ کرقیار حضور و مشام ہ کا کھی گرفتار غیر کا ہو۔

رشی فرمات سنه کوشهود که دوگینی پین اکیشه و د دات مقدس جز له دسته معرالباس مظاهر پین سی اور د کاسراشهو د وه مهی که اُس ذات مقدس کو برد که مظاهرست مشایره کوسه به وصفت مگی ملکه کمی اور گانگی کے ساتھ ا دراس شهود کومد فیہ تدس العدار دامهم شهو د احدیث درکٹرت نام رکھتے بین اور حضرت رسول

السد بصلے المد حلیہ وسلی بعثت کے بعداس شہود میں تتے ۔ رفتہ بچہ فرمات تھے جھے اکس سے تعجیب ہی جینے کہا ہی ست دیکھ کہ کسنے کہا ہی اور دیکھ کھکیا کہتا ہی ورکہ الہا

چاہیے تھاکہ ست دمکی کہ کیا کہتا ہوا ور ومکی کہ کون کہتا ہو لینے کینے والا برد کا مظامر سے حق سبحانہ ہو ۔ رستی ہے کا فرائے تھے کہ ق سبحانہ نے خابیت فراکے نب بہترین صفات سے بندہ کیطوبی نبت کین اور اُسکو اسکے سکے

منسوب كيا اور وعده وعيدكو آسير تفرع كيا وربنده كاكما ل أسكر سوا دوسر سامين نين م كرمبت كوش كرسكة كمى ان يتين دان مستنقيم كرمسلوك مين حرف كرسك آپ كوأس مكر بهو ي كري كري جان كرد كور كيم

ق سبماند فی آسکے ساتھ فسوب کی کہ اُسکا نمین ہے درونشی ہی تم کیکن لوگون فَانسکواوردراز کرویا ہے۔ شیعی ایک دن ایک نبرگ نے مجاس مین حفرت سے پوچیا کہ اکا برصوفیہ قدس السدارواضی نے کہا ہے کہ کو

وجود غيروجود حق اوبرستى مطلق كاموجود نهين موا وربردة منطا مرسع بنا بخفيق اكي خلاج المراحد المهم على المراح

کنرکی نزاع اور مفالعنت کیا ہوصفرت نے جواب آس عزیز کا اُن دوبسیت سے معنوی کی دیا ایمات جوکم

برِنگی اسیرِنگ شد + موسینے با موسیے دردبگ شد + چون بربرِنگے رسے کان وائٹنٹے + موسے و زعون وار نداشتنی +

مِیْسَی عُنِهُ فراسته من که که مرقدر کے جاننے والے مستریح بین اورآرام کرتے ہیں لینے حب آنھون نے یہ ہا جان کی کرسب معدوم اورنوسیت ابود مین اوران سب کی صور تون بین ظاہرہ ہو آسودہ مو کے معید بانی کہ نہرون میں ماری ہو حب آسنے جانا کہ سندر کے بیھیلئے سے ہو آسکوا کی لذت اور نرہ اپنی ہل ہوئی مندو سے ملنے کا حاصل مہوا اورآرام مین ٹامیریت جون براستی کہ ظاکریتی + فارعی کرفروی وگرزئی تی ہم ترحمیم

ج **ب نتیسنے جان لیا کہ توکسس ک**اسا یہ **ج فارخ او کینیت ہو نوا ہ حبا اور فوا ء مر**کبا ڈیمشمید ہ نری*ت کہ* وا**ا ک**لیارت ے یا و برکلام افلیسہ برکے جوند کور میچو**ں ک**ے حقالق ا وراہ عار دے ماندرا و پر د کا کق ولطا گفت ارحمان حضریت ب ستماع سوسكه بين اوربوحه قنسور قرت حافظه وزخه و إمورا نوركم عيا رينه مين نه اسك بسكن تعف اساً ، راشعارکه معارف اوربطاکعت کے درمیان آپ کی زبان سبارک پ<sub>ی</sub>کذرستے شے اور بوح ول پروتیسما ور أسنيذناط رنية شي سبوت يقي يديين -رشو<sup>ر 9</sup> جهوتت که دخه شاخواجه تعریمی ملیدار حمه کو<sup>ا</sup> این بت کا امرار نے تیجواس مفریح کو تری میبت ک

ما ت<sub>ا ط</sub>رهام صریح چون ملینگان سوی بالاخیز کن « شرح به هیتم کی بشال در یک هبست ک<sub>ه ب</sub>ه س رتته و<sup>99</sup> جسوق*ت که ترک ستی اورغو د میرستی کا حکم* در تبے مضے نی<sub>ر ح</sub>ام بسیریج مکیب قدم برفرتِ خود نہ وان د <sup>گر</sup>ر رکوی و وست به ترجید ایک قدم این سرر دکار ویسرا دوست کی گلی مین س

يشختك وبب كدبان شرسعيت كاكرت اور ذكرجهرست منع فران يرحام صرع فعره كمترزن كهنرد كمياست ترجمه نعره ست كناكداريا ب ي-

رشی از جب تفاوت آدا بمیات کابران کیا توشیرهام صمیع به ربر در نه افتدی نه نور قرب ترحمید روزن کے موافق یا ندنی گھر بین اتی ہے۔۔

رشنخط اسرمعنی کے بیان مین کرعشق اورمحست مین الهورمعارف وحقائق کاسوحب ہوسہت میر سی تا عِشْتَ نبودی فیم عِشْق نبودی به بنیدین شخه نغمه گفتی کهشنودی ترجم به جعِشْق نهوا نبعشق کاخم انتی ما در انمین کون کهتا ۱ و رکون سنتا ...

رمشونتك اس منى كربيان مبن كرد وام أكابى الوفات اورمانوسات كے عبور بنيے سے مابستہ ہج فراقے عقے لم سینے خا دندخله در سکے انگیب رسالہ مین ہر سببیت ارا خواسی مہین حدیث ماکن + خربا ماکن نرغیرا خو داکن انتہمیا ہمین توجا بہتا ہے توسیاری باتین کر۔ ہمارا عادی میو دوسرے کے ساتھ رست نوکر۔۔ رشحة تنكيب كه طراتي توج بعبورت فاص كے سائغوا شارت كرتے تھے يہ بہت ٹرھى سبت آن وارد آنگا ک<sup>ه</sup> آنست بردیمست ۵ آن**راط**لب کنید تزیفان که آن کی ست ۵ ترجیه مشوق ده رکه تنایم که ده برح کمیری-الشكى للاش اورطلب كرويار وكدوه كها ن بوسه

رشخ<sup>ید ا</sup> اس معنی کے بیان مین کرنونطا ہری اہل را بطہ کو مافع قرب معنوی کانہین ہوآ ہے ٹیرستے ستھے مبت مان مرکوبزمتیم دمهرت ازدل رفت + بخاک پای عزیزت ک<sup>هی</sup>میان با فی ست س<sup>س</sup>ترحمه ست حنیال کرکه میم<sup>یمی</sup> ادر مست تری محبث جاتی سے سام عزیز کی فاک کی تسم کہ ولیسی سی محبت باقی ہو۔

ر شخه اغناے ذاتی حق اورا دراک اسکے سے بحز خلق کے بیان مین ٹریتے تھے بدین ولالغ شرح غبت مانبازائے زدندرہ و فراع کی مد بان بجو سے + ترحم پہ اُ سکے دلال عشن سنے مانب تر عاشقون کی غبت وکمی تونعرہ جلاما انگائے کہ سوجا ان کے عوض ایک جو –

ر شخه اس منی کے بیان میں کرامل طارحقیقت عشق سے بیخربین طریقے تھے بیت عشق را بیطنیفی دس انفت به شافعی را در دردایت شمیست به ترجیدا امرا بوصنیفه شفی عشون کا دعظ منین کهاشا فعی کی آین رواست مندن ہے ۔

وتنخه طالبون كصنف ارادت كع بيان مين الرحة تقدمبت كمواراب ول وفت دوشه عشق ش فالی + جهان پرتهس تربزایست کومردی حوسولانا به ترجمیه میه نه که وکه ابل دل داشته رسیع ا وعِشق کاشه ستسان موگیا-جهان مس تبرنریسه الامال بموگرمولانا روم کی مثال مردکهان سوس شیط<sup>ونا</sup> اس *حنی کے بیا*ن مین کربہت لوگون کواس گرو م کی طرف التفات کرنیا۔ یےسبب ذوق م<sup>صال</sup> می<sup>ومگا</sup> دیمخوش*سے ترک ا*دب مین وہ ذوق نر ماہٹر منققہ تھے مبیت بردہ بودی و داوت آمدہ بود بدچون تو کیج ما ختی کسے دیرگن، بد ترجمہ تو بازی نگیبا تھا اور دانؤن تیرے آئے تھے جب تو نے میںند کی توبھوکو لئے کہا کر<del>ی</del>ے رشن<sup>یا ص</sup>عبت کی غیبت اورغولت سے روکنے کے اندر ٹرھتے ت<u>ھے سب</u>ت شکر شہا سخور ہاگل برا مزد کرد ترکیب؛ شدن<u>ف</u>ی لبدیار + ترحمه شکرخا بی مست بیمانک نمیول مین اُسے لا که ترکیب مین بهت فانگره بو-ر شر<u>الا</u>۔ اس بعنی کے بیان مین کرصفات نبشری اور نقاضا<u> سیط</u>یبی اہل کما ل اورصاحب نفوس قد سیرکوشہ مقعدودست مانع ۱ ورمزاحمنمین مهوتے مین میقطعه نرچا قطعه موسی اندر ورخت اَنشْ دید به سنبرترمشیدان وخت الزنارية شهوت وحرص مروساحب دل دانيينين وال وانجنين انكارة ترجمية توسع في ورخت من أكفيكي روه درخت اک سے زیاده سنر بودا تھا۔ شہوت اور حرص صاحب ول کی الیسی جان اور الیسی پہیان -رتسخة تيانشريت سع نشكايت كربيان مين فرمات تحفي كم يننخ ابو كرتفال شاشي عليه الرحمه كم فزار مكوروا كا مین نے لکھا دکھیا قبطعہ دانی چکمت است کہ فرزند از ہماست ندار دارجہ د میروز وشب عطا دینے دنیجہا کمحل حوادت ست به دمیمنت وجود توآ دردهٔ ما به ترحمه توجانتا بوکیا حکمت اسمین می که فرزند با بسکا اص ىنىين مېزا *اگرىيدىات دن عطا دىيا بې دىينى اس ج*ان مين كەھا د نون ك*ا گھرېبى د جود كى بحنىت*ىين تەسىم مجھے لايا بې رشحها جسوقت كبطريقيه رابطها بيان كرتے تھے ثنوی كی میتین ٹرحین ابدایت آن سکے را روی ادشد سوی دوست + دان کی راروی اوخودروی اوست + روی برکیدی نگرمیدارایس + بوکه گردی تو زخیست روشناس 4 درمیان جان الیشان خاندگیر و درنلک خانه کنند برین ترجیها کی کاشخرد وست کی طرف م

ه و بدر کامُنتَّه خود اُسکا شخه زیرامک، کامُنته دیکوراه رایانله رنجم ناکه ندیت بنه توریت نیاس مومائے سانکی انون وكرأسهان هي هور هوين ليت كاجاند كركرا بج شینه اس مینی سنر بیان مین کریکر غالب کے لیے ہوٹر سنتہ تحدیثننوی ای مرا در توسین اندلیشیر بہاہی تو ہخال ا ریفینهٔ به گرکل سبت اندونیهٔ بمرنونکشهٔ به ورابو دخاری توجهیمهٔ ننی ۹۰ شر**جمه بمعا کی جان توفقط اندلشیه موا** ور باقی توثری اوردایشد <sub>گ</sub>رسترا ۱۰ داشید آگرانیدا، مجتواها مرحواها دی مجا و دو**توکا شاموتوبمباژکا ایندهن م**رح رسینها نکته سارت انوا و نکهته فرا سانه که اگر که ایر مین شیر هیه تقدیم بیت آ دمی دید است. ای بیرست ا : ۱۰ ان ما نشد که دید و وست است ۱۰ ترجمید آدمی دید بچر مینهٔ مغزا وربا تی پوست هج دید وه سو کومیروس مج رشخهٔ" جسوق*ت که ببا*ین عمیت فرا نے تھے ٹرسھے تھے ا**بیات مجون**ا بنیا میرسسوی دست ہ باتو درزم هوا سان اخرمسیت به مارتوخ ۱۲ تا سنت مهمیسدات به درتوراً مینی مبوحبه ولیسدات به ولیسدورا مین ق ت د دین برونیها ; سه أنا نه تست به ترخمیدا نده کیطرح نا تکوکیطرف سرست بسجا تیرے سگا نبل اندرسج حوکیچ کرج به بایه تو نعزی تیرن سج ا در تهبیلی تیری سج ا *دراگرتوعا شق مثنل سامین سج توسوامعشو* خل وبسیدکے لماش مست کرے تیرا دبسیدا وراسین تیری ذات ہی اوریہ برونی چزین سب تیری آفات ہم ت یشنگار سرمعیت اور ذکر *حرکے منع کرنے کے بیا*ن مین ٹرین سے محن*ڈ مبیت کار*نا دان کو ت*راندنش ا*س ر متح<sup>د ال</sup>نتون ا در اضطراب کے معسول کی بابت آب برھتے مقصر بیت آب کم وَثْنگی آور برست به ما بیش<sup>ا</sup> است ازبالا واسبت + ترحمه ما نی کی ملاش ست کرسایس کوماهس کرنا که ما نی شیرسدا و مرا و رفتی سے بوش کے ۔ اوراسی منی میں میر منتقہ تھے اپہات تشدیخفتند کھراند کے 4 تشنہ کی خواب گران از کما ترجمہ را سيرينبن سوسة كركستيدر-كمان بياساً وركها ن خواب گران - حينكنخفنتيد بخداب آب ديد+ يالثم بديا سقار حب كرسو كي خواب مين ياني د كميها يا ندى كاكناره يأكه كمرا يا سقد-رشخه اس گرده کے علیات شوق دیمیت کے جاین میں ٹریھے تھے میت ارع ملش گردر قدح آ فی این در دروان آب ج*ق را بنگرند به ترجید بیاس سے پیا*لهین جریا نیمیین ۴ آب مین حق کو ده مجمعین اوسیین ۴ رشی اس منی کے بیان کرنے کے بعد کر ایک مقبقت ہو منظ مرکے قباس مین ظاہرہ و بیابات شنوی کی ٹر حین ابیات گرکشا بم محبث این رامن سیاز + تاسوال داجواب آید وراز به فوق کمت عشق ازمن میرو د په نقش خدمیت گفتش دیگرمشو د به بس گفرخرو زیر کان رااین **نس است + مانگ دمکرم** اگر در و مکس بهنت ترخم بداسکی مجنث کو اگرمین سالان ملے ساتھ کرم ن توسوال اور جواب کو طول مو

زوق نکمتهٔ عشق کا بخشے جاتا ہو نقش خدمت دوسرانقش ہوتا ہو ۔ بس کرتا ہون زکی آدمیون سے لیے یہبت ہو دو بانک مین نے لگا مئین اگر گا نوئن مین آدمی ہو۔۔

فصل اول ان تھرنات کے ذکر تین کہ صفرت نے قرت قاہرہ کے زور سے سلاطین وحکام دغیرہم انسان میں مائٹ نام میں میں میں

كالبيت ابل زان سے كيے مين --

ر تشخیر حفرت فراتے ہے کہ مہت اس سے عبارت ہو کہ فاط کو جمت اکیا مرفاص باسطے کوسے کہ اسکے خلاف فاط میں نگذریدا و ایسی مہت سے مراوشخلف نہیں ہواصحاب کو جاسیے کہ بھی تھی ہمت کا استحال کرنے فاط میں نگذریدا و ایسی مہت سے مراوشخلف نہیں ہوں و جاسیے کہ بھی تھی ہمت کو کیو کم انتیادی کو خواج انتیادی کو خواج کے خواج نظام میں کہ بوخی ہجاورا کی ہمت کو کیو کم انتیادی کو خواج کے خطاعت میں کہ بوخی ہجاورا کی ہمت کو کیو کم انتیادی کا شغری کے ساتھ میرات میں کئے وارد کو خواج اورد کو تھی والوں کے دیکھی میں مہو نے بائے وارد کو تھی اور دو کہ سے ایک میرات میں موجود کر تھی اور دو کو تھی والوں کے دیکھی میں مہوجے بی اور کو تھی والوں کے دیکھی میں مہوجے بی ہواج کہ کہ باراتفاق میرنا تھا اور و تھا کہ معلوم میرو جاسے کہ نا ٹیر میرت کس مرتب کو وہ موجود کر تھی ہوا کہ بھی تھی اور کہ بھی تھی ہوا کہ بھی ہو تھی تھی ہو تھی

مشغول ہوئی ایک بنظر بعید ایک کیفیت عظی اس ضمیعت النال بن بیدا مبول با تھ مبرها یا اوراس گرانی کی مشغول ہوئی ایک شور مرد کوڑین کے اوپر سے چیز تی کے ساتھ آئما کیکیا اوبر سے برلایا اور سیدان کی خاک برشکدیا ایک شور خلقت سے ملند مواار گوگ اس صورت مندے چیزان اور معجب مین رسیے اور کسی نے اُس مجھیدیر اطادع بنیائی اسوفات مواانا سعدالدین آٹھین سند کیے میو کے تیزیین نے آئی است میں کھنیمی اور کہا وہ اُ

فا مرَامُهُ فا اوْزُكَا مِي كُسابِهِ مِنْ رِعليد ليهِ --

ر المستنظر المراض المراض المراكب المرحين المراج كالمعارض المراض المراض المراضي المراض المراض المراض المراض المرا بھی سانٹیمکن ٹہین ہوسمیت عارت فلاق ہی مرادات کسی سے فلاے نمین ہونے <mark>تیخص السیسی ہمبت سے</mark> به تنا لَمُهُ كريب البيته منعلوب مبوَّئ يهان كرب كركها بواكريوني جميشه ابني فاطركوا يك امرسر مكع ا ورسم سی پیر مریسه مراه و فراند و فطعا میسه آو سه ایمان او ترحمل صالح کی اسمین شهر دامنیین شوحس طرح قلومه عدا فی کوٹا نیروبرنفوس شرمرہ کو بھی ماشر ہو ۔ میولانا ناحد الدین اترار می سند کہ سولانا زو دہ اترار می سکے معطافی ہی ورانكا باكرتىسىر في مسل مين اس مقعب كى البركا أعلى كميا المجر ليصفرت في خواب مين وكمهيا بمقاكه شايعيا نَظِيمسىبِ قُوت يَمَكَى آ بِ كَي خَاطِرِين آياكه سِيطارِ بلا مرد ! ‹ شَامِيون سَكَرَفَال مُهْوَكُا اس لبطرف أنه أكد تأكر سلطان وفت سع ملاقات كرين او رأسوقت مين ميزرا عبدالساب مرزا امرامهم من المريط ما هرانهٔ کا ولامیت سه و فید کا مها در مین اس سفرمین صفرت که سایم مقاحب سم فیندمین **میوینچیمیرزا عبدامیکا** به البيره فرت كي الزمت بن أياس سه كها كهاس ولايت مين آف سع مع ارى غرض الاقات تمعارات ميزوا ی مجاگرتم اس مطالب کے باعث میونونیکٹید کی بات ہوائس امیرنے سبعہ دیا ندکھا کہ میرزا **سما**را جوان مبعر می**ردا** اسكى ملاقار يمشكل موادر دروريشون كواس تسم كى خوامېشون سه ليا كام چوهفرت نه تيزېوكرفرط ياكه بېمكو ملاطین کے اختلاط اور ملنے کا کا امرک ہے مم اپنے آپ نمین آئے بین اگر میزرائم عارا پروا کرے وہ مر بهان لادسینگ که دوسروا کرسه نب وه امیر باسرگها حضرت نه اُسکانا دم سیاسی سے اُس مکان کی دیوارم لكها ورتفوك سيرأ سكوش ويا فرمايا سوكه مارئ مهماس بادشاه اورأ سيك اميرون سيريورئ نبين ميليا اوراکسی روزتانشکندروانه مبوستهٔ ایک میفته بعدوه ایرگها ایک انتینے بعدسلطان ابوسعیدمیرزاسف*ارکستا* کے نواح پر دورود رازسے خروج کیا اور میرزاعیدا سدے اوپر جرا ھائی کی اور آسکومٹل کردا الا -قصه مدراسلطان الوسعيدك غالب أفي كاحضرت كي النفاعظ ميزاعبدالعد كاوم بعض اسماب بلیل القدر سفر صفرت کیفنل کی که یم استدا رحال مین حفرت کے ساتھ فرکت مین سفع ایک دن و دات قام منگایا وراوگون کے نام ایک کا غذیب مکھے اور اس درمیان مین فکھا سلطان

4.

ند تقالیفنے محرم لوگون نے گستاخی کرسے بوجھا کہ اشنے نام آپ نے لکھے اور اِس نام کی آپ نے تنظیم کی اُ و سردستارمین رکه لیا بیکس کانام می قرایاگراش خص کانام برگریم تم ادرابل انشکن دستروند وخواسات کے سب اُسکی رعیت ہو گر چندر وزیع رسلطان ابوسعید میزاکا آواز و ترکستان کی طرف سے آیا اور اُسنے قا ومکیعا تحفاکه حضرت نے خواجہ احمد اسوی قدس سرہ کی اشارت سے اسکے میں فاتحہ مرحی ہوا در اُسٹے خوا مین خواجه احدید مفرت کانام نوجمها اور با دکرلها اور آگی صورت خاطین گناه تکی حبب ده جاگا دینے المارمون سے بوجھا کہ کی نرزگ اس مام ونشان کے اس ولاست میں جانتے اور پیچانتے مع دیفیے کو کستھیا واقعت شنه كنة سك بان اليس نررك بوآب فراسة من ولايت تاشكنديين رين بي يزايف في الحال سوار مبوکرتا شکندی طرف برج کیا جب حضرت نے سنا کہ وہ آتا ہے فرکت کی طرف کیے وہ حب تاشکند مین آیا حفرت کونه یا پالفهص کی توکگون نے کہا کہ وہ فوکت گئے مہیں ویان سے فرکت کا ارا دہ کہا حب قرّ بپونی حفرت نه اُسکااستقبال کیا جون بی اُسکی نظر فرت بریش ی بنقرار مبوکر کها والسد که بهی مین وه نبررگ جو خواب مین و شکته بین نسی آب که یا تھ یا نوئن مین گراا و ربست کھے نیاز مندی کی اور حفرت نے أسكرساته صحبت كى ا درا نبى الب أسكى فه طركوهميني ا دربرزانے أس صحبت كه اخربين فاتح سكے ليے النماس كى فريايكه فاتحدا كيب سي مبوتى مولعدازان كشكركته آسكے پاس آن مهونیا اوراً سكا ارا دەم وندسك لین*ے کا ہواا درحضرت کے پاس اگر کہا کہ مین جا ہتا ہون کہ سمرقند جا کون اور آپ کے اکتفات خاطر <u>طام کے</u>* مہون حضرت نے فرما یا کس نسبت سے باتے ہو اگرینہ ہے کہ شرع کی تقومیت اور رعیت پرشفقت رکھی آوما نا سبارک چوا درفتح تمعاری جاسب مراسنے قبول کیا کہ تقویت فٹربعیت مین ول وجان سے کوشش ا ورُرعيت كه اورزشفقت كريفيين معي كمين كوزنگا حفرت نه فرما يا كه أب بنيا دمين مشريعيت كي جايجكم مرادحاسل بوليفيراصهاب ني نقل كى بوكه صفرت ني سلطان الوسعيد مرزاست كها كه دبيثمن كانفا بودیت ک*ک جمعارے پیچھے سینے کوسے ہوق جوق نہ*آ دین رشمن *پرحلہ نگریا حبب اٹنکا بشکرمیزا عبدا* بدیسکے مشکر سکے مقابل کوڑا ہوا میزا عبدا صدکے مشکرنے گھوٹرے اُٹھائے اور دھا واکیا اور میزا ابوسعید میزا اسکے نشکرمیمینه کوسٹبا دیا آ در دیا با کہسیسرہ میرجملے کرین کہ ایک ہبی دفعہ ایک غول کوتون کا میبز<u>را ا</u> فوسعی *رساط*ا ت -تشكر كي عقب سير ببدا مبواً انهون نه جووه نشان وكميما أنكه ول كوقوت مبوقي ا ورا كميارگي ميرزا عبيدان لشكرميطآ ورمون ادربيل بي حلهن ميزاعبدالعدكا لشكرمغلوب ببوكيا اوميزراعبدالعد كالكوسا میر بخفیس گیا اُسیوقت گرفتار کرایا اور سراتاراحسن بها در نے جواہل بین کے اراکین سے مہوا وروہ برقب

تشكركا مقدمة كبيش فليل مبندج تفاعيدكا وسمرقندك دروازه برطوط البوالشهرس عقورم أومي بالبراك ا ورالطيسنطييل گرفتارع واا دراً س سے زيا دہ ببربراغ مينے مشورہ وشيے والاميزا با برے نشکرمن کم عقاميزا بابرٹرانے قلعہ سمرقند میں اُنٹرا اُسکے آدمی ہرطرف جررسدسکے ملیے جاتے اہل سمرقند اُنکو کڑے کا کک کان کاف ڈ التے میرزا بابرکے نشکرسے بہت توگون نے 'اککان برما دکر وسیے میرزا با برکانشکرنہا بیت تنگب میوااو چندر د زبعد مثری وا اُسکے گھوڑ ون مین ٹری گھوٹرسے مہبت ضاتع مہسقے حیانچیمروا رون کی بربوسے لشكراً سكاعا جزم وكديا آخرا لامرميزرا بابرني مولانا محدمعانى كوحضرت سكة ساخت بمي كمصلح عاسبي مسولانا مخد مطرت كين رست بين أيابرا كيب عجكه كى إنتين كيين أسك بيج مين كما كهميزوا بها رانه بيت. ورجها وثنا خيور مېراورعالى مېت جس طرف وه تُحبك جا تامېر بغير لييمنين رسبًا حفرت نے اُسكے جواب بين كما كه اگراسکے دا د امیزاشا برخ کے مقوق نہوتے کہ آسکے زانہ مین فقربرات بین تعاادر اُسکے زمانہ کی برکت سے راغتین آورتین یا بی مین توسعلوم منوتا که میرزا با برکهان تک بهونجیاً آخر کوصلح کے مقامین اُ کے *میرز آ* امتدماكى كدحفرت بابرآ وين اورسار كمصلح كإدين جبعرزا سلطان ابوسعيد سيدا يدخكما نوأتسيراصى نهوكم منبط وكيا فدمت مولانا قاسم عليه الرحمه كم حفرت كے اصبى ب كبارسے فيے مصالح سكے سليے باہر ليك حفرت فراقع مكف كدبعدازان ميرزاسلطان ابوسعيدسے يوجيا كياككسواسط يہن تمنے اجازت، ندى له ميرزا بابركي صلح كيواسط بابركلين اوراكسك بإس جاوين ميزران فراياكه بابرا مكيب جوال لراكوبز خرش مدى ا ولَبِحاسَف والاسح مين قرر اكداك كوا جانك كسيك سائة ميل نهو حاسه كد بها را تام كام برما ومعواسواسط كويسة بهارس اموردین و آخرت مکے بین انکی عنایت اورالنفات برموقوف بین حفرت فرات تحفی کوامیانیا ب میزا با برا کمی جاعت ملاصره شل شینج زاده ببرتهام و خورکه سانتی شهرسم قندسکه در دازه برآ کی تو سرکے نسیفے ہوگون سے کہا متنا کہ مجمعا رسے اوکو ان اوراط کیون سکسلیے آئے ہیں اسوائسط مکو تهرسم مندسك باشندون بررحم آياكه أشك درسيان بزرگ اورصالح توك ببت تنه اس جبت سے دوتین دن خاط اکس گرد ہ سے وقع کرنے مین شغول کرنی جاسیے تھی فراتے ستھے کروشمنان دین کے دفع اور سوانع کے رفع مین خاطر کو سعروت کرنا عیب بنین میوتاسب انبیاعلیم الصلور وا نے با وجود مکیدوریا سے توجیدییں وو بے موسے سے سمبت کو اسمین معروت کیا ہی ۔ فریات سے کریرزا بابركوتصوف دانى كادعوى عقاا وأسكى محلس مين مقدمات تفعوث ببت وكريكي مات تطفينح زاده برقیا م کهتصوف محقا میزاکی المازست مین ریا کرنا اورمیززا با برگواس گرده علیهست بست عقیده تعا رّ قند کے معدار قدیم کی استیت برکروٹ کے بلنآلوانسے کمریکت بھاکھارے کوبہت نسیجا ہے کوبہطنین اگر پیمینے

نِن بنین لیا گراسقدرمعلوم مواکه حفرت نواج عارف رنه تنج مهکوسمت سے نواب کیا <u>۔</u> خرت فرات فرات تع كرميزا با برين اس عن كمهنى نبين جاند اسواسط كرعار ف السيء عاسي رِف ہِواہو کہ وہ اور حملہ اوسات اُسکے عدم آبا دمین گئے کہ اُس سے نہ نام باتی رہاہی نہ نشان ج لحواً من سنے صا درموتا ہو *اسکے ساتھ ننسوب نہین ہو آیت کریم* وارمیت ا ذرمیت ولکن اللہ رمی اور يؤكري فيما فتلويهم ولكن التندنستكم الس معنى سيع خروسنيج والسامين اوراگرية ايسامبونانسبت بانبيا . حالم کوهلبه تولت قامره سع برسم کردیاشل نوح ا در مهوه علیهما ا مسلام که اینی قوم يجه فرماتيه ينقط كه حركي حضرت شيخ محى الدين بن العربي قدس سره سنه نستو مات مين فرايا يبو كمه عاميع تا**ىغىن س**رائىكەمىنى يەنىن كەمكىن نىظرىجقىيقت و ذات خور<sup>كى</sup> يېنىن رىكىتاائىس*ىيە جىڭچا دىسا* نە كەل مال من مبیره علم اور قدرت اور قوت اورا لوت بهی عاربیت حق سبحانه سعه بردیس عارف اینی حدنه جا کارهای نقرِ حقیقی مین کنمیتر محض سبی رستِ اسرِ عبیا که اُسکی ذات کامقتضا ہی اور اوصاف عارشی کے ساتھ ظار رنین مبورالیکن ای*ک گروه جومواجس نفسانی ا در دسا دس شیطانی سے بوجه کما*ل عنایت اور پیت المی کے خلاص کے مولے میں جاہیے کہ اپنے بالمن کوارا دت اورشیت الی کے تا بع کرین سینے حس صور یہاں ربه لوگ الها م کیے جا نیمن ما بہیے کہمیت سے فلبسے ظالمون کے فیع د فیم کرسفے ا مدیسل**مانون** کواٹھ<mark>ا</mark>، سے ملاص کرنے میں حرت مہت کرین اورخاط بانکل دفع اعدارتیعین کرین س مرميراسلطان ممودك أفي كاسمرف كاحراه كالمانعلوك توهود وب كرحفرت كوفريهويني كرميز اسلطان محمود أفي بجعال سلطان احمد مرزاك أراقي او قصد محافره بمرقن رسك ليستوحب ببوابيء رقعه سلطان محسودكو لكمعاس مقضه رتشخه بعدازر فع نیازاس فقرکی و ضداشت اینے حفرت می دم زا ده سکه للازان کو بیسچ کوستر مند لمده محغ وظراكا بركدام واورتكمعا سترفندكا فقددآب كى طرف سيرسنا سببهين معلوم مودًا حصيبحا نه في بينهين فرايا اوسنت ولعيت محدرسول العد عليا لعد مليه وسلمكي البيبي واقع ننهين سراسنيه بجعائي كمنتح تلوأ للعنيمي لازان حفرت كے ليے مناسب بنين سواس فقرنے منابلت ہوا غواہی آپ کی خدست مين اور کليف غدمتنگا ری منبش کرینکے دمینت درخوا سنت کی قبولی نرمبو آئی لوگون کے سخن براس ولاست کا قصد کرنا اور اس نغیرکی خدست کا قبول تعجب مهر مال آنکه مین تمعاری خدست کرامپون اور توک میوا ومپوس این کیآ بين سمرقنديين مردم عزيز بهبت بين صلحا ببت فقرا وساكين بعبت بين ال توكوان كوسكم اس سعة تنك كرنا

یه نین برمبا داکسیکا دل در دکرے میرولی در دمند دیکھیے کیا کرسے صلی رسونین کرنگدل مبون گرنا <del>جائے</del> اس نقیری التماس کو که خدمت بے غرض ہر خالصاً تو جرالبد قبول کر دایک دوسرے کی مددسے وہ کا م کرو گ ح سبحانه اسسے راضی موکیدل دکیجبت موکر کا م جو حالت نقص مین مین اورسے کوسے حق ہا نہ کے لیے بندر مبين كهمق سيمانه كمال عنايت سيركدانك سائخ مبرا ننطح قصدا وراثرائي كواني سائغ تصدومهاريه اورحفا لها المحاح حدميثه مين به بات مقرره و كى بهو مبيت ببيش حبيم دي خاكسترم سياكستان + كامبست ورنگ ا آتشنی و در با یی به ترحمه میرس<sup>وم</sup> بم خاکسترگون که ساستے بے ا دبا ندست *اگراسکی تدمین اگ مبوا در دریا ہو*سفت<sup>ی</sup> نے قرا باکہ میرمزید ارغون کرسلطان ابوسعید سے شہید ا مراسع تعا اور بوٹشکستانشکر عات کے مرزا سلطان مستح بإس ما أسكومين نه سيغا مصيحا كراً انُ اور مخالفت سع باز آدر انبك نمني نهين جانا موكدا مك الانحر آدمی حوام عبدالنی بن کے ایک جولا میدسے معارضہ کرسکاتم مغلوب موما وکے خانوا وہ مجارسانواجگان کے مفرت بڑے ایک فاطر شريعين جابهتي سجوده مبوناسي وكسيبيكرتا بع منيين سيستق سسلطان ممود اوراً سيكها حرا با وجوداً س رقعه اوبينام پیونے کے ستوقف ننوکر محامرہ سمرقند کومتوجہ موسکے ایک عزیز صفرت کے خدام آسانہ سے کہ بنیر شیالگی كرنا تحفّاا ورأس محاصره اورمحار ببين موحود تقا أستضغنل كى كه حبب مرزا سِلطا ك محمدو والاست حدمارية سيرزا سلطان احمدكی اثرا كی سكے سليم ستور سيم تنديبوا الشكرميشيارا ورسامان كنترك سائترا يا اور علادالشك خِمّا تَى سك مارنزارتركما ن أسك يمراه تصميزاسلطان احدكوطاقت أسك مقا لمه كى ن<sup>يق</sup>ى جا إكدكرندكري خفرت کے سامنے نہاست اضطراب کے ساتھ آیا کہ اجازت جاہی حفرت شہر کے مدرسہ میں تقعے فرمایا اگرتم بمعاسكة سوتوسب ابل مرقندقب موجا سنتيك مشروا ورول مضبوط ركهوكين تمحا رساكام كاضامن بواناكم وشمن تنعلوب نهوتم يجيسه موا غذه كرنانس ميزاسلطان احدكو مرسسك ايك بجرب بين جواكب ورج متفاسط كم ا ورآپ اُس بچره کی جو کھٹ پر بیٹیے فرایا کہ ایک سانٹرنی تیزر وکسی موئی ا ورجنی روز کا توہشہ اُسپر رکھا مہوا لاءً ا ورأتس حجره سكر سا يسنع رو مروم برزاسلطان احد سك تجعلادًا ورفرا باكداً كرميزاسلطان محدوسم ونعركم فنح كرد اوراس دردازه سع كدارًا لى كرر باسي آوستم اس ساندنى يتحيك لسني مخصوص لوكون سكسكم د دسیرے در دازه سنے کلکرمیاک مانا اس مدسریسے میز*را گونسکین دی ا درخدمست* مولان<sub>ا</sub>مسیوسین ا و ر مولانا تأسم اورم يحبدالاول اورمولا ناح ففركو عج حفرت كاصحاب اغطم سييه تتعدا در ذكران كالتيسري ل مین انتظامگا یا ا در فرما با که علیه جا دُ ادراُس در دازه کی معبت سرخیر هو جهان میزیاسلطان محمیود مبح به بك نشكر أسكانضيحت بنوا ورمعاك نرجاس تم ميسه باس نرائ اگرا بفرص وه مشكر تيكس ننوی *هرگزریسدییا ن تح*ماری را پنسین م وه **ما**رون عزیز صفرت کے حکم سیے متوجہ موکراتس دوارو

ت برحریسه او بینیمجه اورمرا قدبین شغول موسکه خدمست مولانا قاسم نے فرایا سر کرهیسے تیم انس بھی فيح بميرا نيرتتنن جيمنے ند نکھيا و مکھا کرہم ہنس ہين سب حضرت مين اوراً سل معرکہ مين ايسامشا ميرہ م رتام عالم حفزت کے دجود سارک سے ملوسی وہ عزیزے اس حکاست کا نافل ہو کہتا تھاکہ ہم ایک عظا ما بهرون کی مل روان کے اور پشکر سلطان محمود میرزا کے سائفر خار براور مقاتله مینشد غول کیتے اوغل لکی جانب مخطا درمین دمبدم اُن عزیزون کی فیرلینیا رستانه کها جودروازه کی تعیت سرینت<u>کید</u>م افتبه کررہیم تھے مین دعکیتا تھاک*ے مسراً گے کو چیکائے موسکے مین اور ننتظر بنیفے مین میراز*ا کی <sup>د</sup>قت *جاشت کک ب*وتی ہو ورقرسيب كفاكر مخالف غالب آ وسا ورشهروا لون كے باتھ بالنون مبول كئے سكترمين تھے كه ا جالك كيميار وبشت قبهات كيطرف سنه اكب تيزتند مواعلي اوريشكرا وريشكركاه ميزا سلطان محمود مين ليبط كمكى اوراسط حکا گروغیا دُیمها یا کرکسیکی انکی کھولنے کی مجال نرہی مرزا ورمرکب کوکرا دیتی علی سوار بیا دہ کوئر ہ مین کمینینی و و خرد و خرکاه اورسه ایرده اورشاسیانون کواکیشر کراد برموامین لیجاتی متی اورزمین بر هیک دیشی عقبی ایک مزاطو فان انطا آور قباست قائم مولی اس َحال مین سلطان مهدومیزا ایک مربی جاعت امراا ورتركما نون سكرسائم زمين شكافية مين كرارون كمنيج سوار موسك كحوطس تقع كراجا كماكية برانكر إنسين كابرك كرارس سككنا رسه سع موما اوزج بآواز مبولناك بيدا بوني مارسوم واور كموثرسياح اس سایه دیوارمین کھٹے۔ بتھے وب کر ملاک سو سکے اورانس آواز کی ختی سے ترکب نون سکے کھوٹے سے متا ا ورمرکشتی کرسنے سکے مبرحیٰ دسواران قوی بازوز بردست سنے جایا کر کھوٹرون کی باکھینیجین کچھال لنوا وه نشكرآرامسته درمم برمم موكميا جرق جوت نے بھاگنا شروع كيا ورشاخون اوررعشيكا أن محود میرزاادر اُسکے مشکر سکول مین طرا اپنے تمام امرا کے ساتھ نقصان اور خیالت اُٹھاکھوٹرسند اُگیز کیے اوشیہ کے دروازہ سے حبیقدر علد مہوسکا بھاگئے اور سلطان احمد کے نشکری شہر سکے عوام واو اِش کے ساتھا بيجيع ماسقه تقدا ورسوارا ورمكموثرون كوكميتة اوربا ندسفته متعة قرسب بايخ فرسنك تشرعي سكه توكون شف بيجياكيا اورسامان اوربها بيبيده ماصل كياناقل كتابي أسك بعدسين فادكياكه ومؤز واروازه كيك برست نبيج آسدًا ويصفرت كى لما زست مين گيئه اورصفرت في ميزيا سلطان احدكو مرسد سكر حجره شيكا تخت سلطنت يمييا و راآب كلا فوا وكغشركو تشريعيت سيطير قصہ حضرت کے صلح کرا دیا ہے کہ ذکر میں تین مخالف یا د شاہون کے ایک معرکی تعفرت سيرنغوس سلاطين كتسخيرك أنأرنهايت نلابه يقع هبدونت ابني تصرفات كا ذكر كرميك توذيات كالأبكم شيخى كرته اس زائدين كوئى شيخ وزرنيا بالسكين بهين ووسراكام فرايا بهركيرسلما فوان

نلالمون کے مشرسے مفوظ رکھیں اس باعث سے مجرسلاملین تھے ساتھ اختلاط کرنا و رائے نقوس کوسٹوکرنا اور اسِعمل کیے واشتطے سے مقبص وسل نون کا برآ مرکزا جا ہیے تھا ۔ فرائے نکھے کرحی سبحا نہ نے الیبی قوش ہ فرما **کی بهرکد**ا گرمین ما مبون ایک رقعین بادشا ه خطا کوجود عوی الدسبیت کرای و ایسا کرد الون کرسلطنت تیمی<sup>ا</sup> برسنديا خطاست خارد فاشاك بين دوثرتا بهوا استي كوميرسية ستانه پربهوي صديسكن يا وجوداس توت ك منتظر فران فدا وندك سم بين حسوقت كرج سيراور فران السي مبويني وجدمين آوساس مقام كوادب لازم ا دب وه م که اینے کو تابع اراوت و سبحانه کا کوے نر*ی کو تا* بع اپنی اراوت کار ایک روزمحا با ترید بین وكيماكياكم ميزاسلطان احمد صفرت كي لما زست مين أياتفا ا درحفرت شكرسا من وورسع دون أنوالي ور مبيمها حفرت سنه اكيب ز ا نومكا لائمة ا در باتين فرارسير يقومحبس مفرت كي مبيب اورومنشت سيه كوشة المسك شانه كالزرّ نامفا اور شكيته كے قطرات اُسكى مينيا ني سے شكتے تقے ورّسنجر كے نشا اُستاس ماثيراور مانشر نهابيت داخع ستعاس تول كامصداق تصرحفرت كالهم صلح كرا دسني كاسي انكي معركه بين مث رزا سلطان احمدا ورميزرا عرشينح اورسلطان محبود خان كاجوكه فانتكه سيدمعوف تقاا وراس واقعه كي صورت بيسبيل احبال بديه كهنع دمست مولانا محدثاضى ننه حيسكا ذكنعسل سوم مين ٱلنيكا رساله سلساء بعارضين مين لكعاب ككسم تندمين خرآ ل كهميزاعمشنج سلطا نجمودفان كوكه فاناك دشت سيرايك فان متعااسيّ بهفائن سند فرسندكى مردكولا يابخ ا وريشا مبرخديين بالبم حميع مبوسكة ببن ميرزا سلطان احريمي لرائي كاس ئيا ركيسكه ايك بمينارى لشنكريسك سائفهمتوح بشئا بهزجه يكى طرف مبوا اورحفرت كوامستدعا كرسك اخيرساسخ لسكيا لوگول مين يه چرما مغاكرم فراحفرت كوالتماس كريك صلح سكه واستط لبجائية مين ا ورصفرت مرسة عالیس دن ک*ب ساما* ن احمد میرزا که نشکرین تقعی دور آقا تورهان مین که مضافات شامبرخه سه موفرونش مج وربيزاكا داب بيمقاكه مفرت كونشكركاه مين اني نزدكي أترواق تقركه مجمع ادرجا ومبت مراسج ايسانه كدكوني كستاخ نسبت فدام اور لازمان صفرت كسيداد بي كريه حضرت اكيب روزبهت خفام وسقا ورميزا سلطان احدست کماکہ بچے کمسو امسطے لائے مومین حود درجنگ منہین مہون اگرجنگ کرتے موثومجے کسوسط لائهٔ اوراًگرمسلی کرتے ہوتا فیرکا سبب کریا ہو جھے آئیدہ اسکی مجال بنین ہوکہ تھے ارسے مشکروان میں رمون می<sup>زا</sup> سلطان احدث فرایا که مهکوکه اختیار میکالی مورسیودا سه ملازان والاین جوصلاح ا درصواب د برسفرت کا يج چکواُ سکي فرانري ڀين بيا رکانين بي شعشرت سوار بوسکه لکيب جاعت ميوهيب، شارت سراه کلی اور فیقیر *لازست مین شماه و موادی ارو دسین رینچه او به زیت مشوقیه میزاغرشنج اورسلطال یخسود خا*ل سکه میوت اتفهان شفة بلغ كالمشرسة تت مين كرحى راه يعد استقبال كو آسك بي بالمهم كمكرشا مبيض يكوركي أس للاعالي

حضرت نے النفات مدسے زیاوہ سلطان محمود خان سرکیا اوراکٹر اوقات خطا ب بین اسکی طرف ستوجہ ہے لے درمیان ایک شامیان لعسب کرین اور دونون طرف سے بڑ کننی کے آ دمی اوین اور سلاطيين شاميان كرساية مين شست كيين ا ورحض انك بالمصلح كإدين ا ويقول قراركري ا فيوقت م يكم مفرت في داحبت كي اوراً ما رند بن حفرت كے ساعا ن محمود فان لين ويجھے باتے تھے علے العساح ملطالح م مبرايكا كل انشكر سوار معوامقرريه كه عليته زهبينين اورسب ستيهميار اسنيه نگانين اورسوفين تل قهقه مين معيولون كم آئئ بنین مفرت بیمینتا سرخه به آئے ماکیسلطان ممہود خان اور عمرشنج سیزراکو اپنے ساتھ دووین سلطا کیجود خا بالمذيخل أباليكن ميرزاعمر نتينح مبهت ديرمين فيمكا مفرت سفه فقيركو ميزاسلطان احد سكه در وازه بربعبيا كمةعزم كم ميزط عمرشينح تاخيرسن ككلتا ببرتم بمي ستعدر بهزيم بإعتماد كرسكدايسا أوكداهتيا طاندكي مبوكة حفرت بغير صلحا مثلب وسلمینه زمایا براعقل توکل مصریح با توکل زانوی اشتره سند+ ترجمه رسی با نده توکل کر- توکل که سایم او<sup>کا</sup> زانوبا برهنقب مبرزا کے پاس کیا درونش کیا یہی اپنے مشاکرد آرا سنہ کرکے مفرت کیطرف متوج ہوں کا کیفیجی وصیین نشکرون نے بانکل ایک دو رسے مکے مقابل صف باندھی علیت سوااورسی متجھیا رائے بدن برنگا رفرت ابن<u>ن</u>ے اصحاب اور موالی کے ساتھ آن دونون کشکرون سکے بیچ مین شخصے در شا میا سفے کے نعسب کرتے مین گفت دشنودمیت سی مهرئی برفرانی کنتے تنے اُس طرف کونزد کیے براس نزاع کوطول موایا تھے۔ ک<sub>ه م</sub>صفرت نے نظیر کا ومنوان و ونون *بشکر کے درسیا*ن کسیا بعدازان ففیرسے کہا کہ سلطان احمد میزما کے ی<sup>اں</sup> جا کرکھ وکرمین اکیلامون ا مرضعت بری بی سی سی سب متبھا تھھا رے گرائی کے اپنی نشیت برین سفے أتفاك يين كريم بسم خرار وانتهاى مي نوت مو دوسرى طاقت منين أگر بها ما اعتفا وْمَكُو مِ تُوتْم اختيار و له شامیا ندکرجهان وه جایئین کلزاکرین حب حزن کاپیغام مین نه میپوسنها یا میرنامسلطان احد نه فرایا که میپود ر تاكه حبان وه نوگ جابین شامیانه نصب كرین كه تصفح حفرت كه سوا بعروسانهین سروایک معین مگرین شامها لله كوراكي مرزاسلطان احدائ فواص كى ايك جاعت كسائم لقيدر عين آسكه اورشاسيات کے پاس بیٹھے بعدازان حضرت محکے اورسلطان محبود خان اور مرزا عرشینے کولاسکہ اوروم مبی ایک جاعت مین کے ساتھ بہدر روم میزاسلطان احدکے آئے حبب شاسیاند کے نزو کی میونچے آت ميرزاسلطان احدثنا سيانه كے نزديك سے اپنے خراس كے سائن استقبال كو آسكے شيسے حفرت اوں سلطان محمود خان کو آسگر لائے اور میزا سلطان احد سے معانعہ کرایا وراُ تین سے ایک میر سر بغلگ میدا میدان بن میرزا عمر شینی کو آگ لا کے میرزا عمر شینے مجعا فی کا با تفر کرنے مشکر کو بت مقا اور دو کا

اورمیزاسلطان احدکه برا بهانی مخه اسکی گردن کوبوسه و تیا بیقا اور دونون روسته مخط وربیعال دمکیه یہ بفالب آیا اوراً س مجمع مین ای*ک عجب مشور تثونب آٹھا آسکے بعد شامیا بذ*کے بنچے ہی<u>تھے</u> ں بہدیت تھی کہمین سفے نہا بیت ومیشت سے دستہ خوان کو اُکٹا بھیا یا وروہ دونسٹکرسو اسپرنتنط که طسب شف که اگر کمی کی صورت د وسری میو تو توٹ بڑین ا و آنسیمین لِّنین کھانا ہم السلّه حبیب کاسند سے فراعت ہوئی قول قرار کیا اور صلح باہم موکئی مضرب سندا شکند کومیزا سلطان آ سے ڈان کے مواسطے لیا او یجد ذا مدفقہ نے لکی فاتحہ ٹیڑھی اور انتھے را تھم انبچروف نے بعض مخدومون سے سناکہ اسوقت کہ حضرت نے آن تین باوشا ہون کو ایک شامیا نہ کے بنیج با ہم تھجلایا حضرت اصحاب سے ایک صاحب **اس معرکہ مین لحظ بمبراک سے غائب مبوئے اُس عنیبت می**ن انسسیم شكتيف مهواكه اكيسهيدان وسيع مرحبهمين تيئ شترست بين شفر كمويد مورك اكي دوسرك تصدر کھتے بن اور جاسینے بین کذرخم دندان سے ایک دوس*یت کو زخی کرین اور حفرت اُس سیدا* ىت اونىڭون كى مهار بېتىر مركىتى بى د *را نكولتر ن*ەنىين مستىيە خىرمىت مولا ما محدخان نيه للكهجا ببوكه أس روزتها مفلق خاص وخام صفرت شيخه تنقرف يسع بيرتناك وربدمون عقى وريكي اور کمزیان مهو کرکهتنی متنی که کمال تصرف او مقدت ولایت مین مبر که جرحفرت سنے نهرور مین آیا که انکیلا کھ مردخبگی اس طرح برخصے کہ ایک و وسرسے سے رئیٹے لاک کرنے صفرت کی برکت قدم منت ربعب اور مرابع مبارک سے اکیب ساعت مین و متمام نزاع ا وردشمنی اورکدورت ولون سے بامرہو دی ا س طرح ک كسي دل مين فشان أس صفت كا مزيا اوراس المعظيم كالمشاير وسب كيتين كاحفرة كي نسبيب موابعدان إن كديره صالح موحيكا حضرت ف سلطان محمود فان سيدكها كدنم الشكند جا وكهم يني راه سے آئینیا اوراً ن تعینون مشکر کے درمیان سے اصحاب مفرام سکے سائے محکار متو دیمولکت جو کے استه بن ففری طون من کرسکه فرایا بهارسه ان کامون کوتوکیاکت بهراس وا قندکوبرآمکنه مکمه جاسبيه ليضايك با مريني وا فوهر فرمن مولانا بخمالدين عليه الرحمة كه اكيب بزرگ خدام اوركا ركزارا معطرت منه بحظ أوراكز اوقات تجارت مكه كا مهين ريا كرية او مهبت سرايه أسهين لنكار كهنا تحقاً أتحفو<del>ان ف</del> عكايت كى كداكيار مرى جاعت ك سائم ويارط فان مم جات من جوسر صرى شهر لمك خطاكا بواد طالعة جلى ق ربها الكذريف ا جانك سومرد ك قرب طريد جرار طبية بوش تبعيا رمبد سفيها كراستدر كا ی فلر کے دلگون فیجیائیس گروه پراینوه کو دمکیعا سکتے کئے رکھنے اورخواری برول نها دموسکے اور قال وقید مون برتبار موسكة اسمعل مين سرى عاطسه بين آياكه لرا في سد يا يترباز كفعا ا ورصفرت كسل طريه

ا ورمال کورمبر نون کے میے حیوٹر دینا اخلاص وارا وت اور مرد انگی اور فتوت کے طریق سے منابیت بعہ بات اس سے مہتر منین سوکہ صفرت کے ال برہم ، ارسے جائٹین کر میں و حب سرخرو کی و نیا وآخرت سوانسکے م توجهام كاحفرت كي خدمت من كها ورميان سقلوارين في الميني يحريب غالبي تنين نرتميا ومكيامين في الميم حفرت بها حفرت بين اسقدرمين مانتا مبون كتبهمين اورسيسة كمورس مين امك عجبيب كميفيت اوعظمون بيدا ميون سيراختياراً س گروه مرمين دوڙگيا اورتلوار جلامًا بهقا اورسراور بايتم گرامًا بيغا کام اُس مد کو بهوی ایمنا کواس گروه مند کاروان کوهیوردیا اورسب نے فرارکیا قافله کے لوگ میری حرارت اورشی عسط متحرا ويشعجب موسكة ا ورميرا تعجب ا ورتخراً نسب زياده مخفاكسو السلط كرمبركز مثل م مورت سيكننين ميش أى عتى اوركسى وقت بين نے لڑائى كمنين كى اوركوئى موكد نر د كميا تقالقين كميامين سنے كہ وہ حسفرست كا تعرف تفاكرس كالغيرتوت كم جمصير ظاهرموا جب مين سفرس والبس آيا اورصفرت كى ملازست بين نيا اول اِت بِوَابِ سَے فرائی بیمتی کرمس کمزوراً دمی کوشمن قوی سے گام ب*یسے قوصیب معدق ا ولی*تین سنے ساتمرانيي قوت عدا برآ وسدالبتداكيدول اور قوت سدائيك مانابوكاس سعدو منان ين ملت برنملبه كريسكے - فواج مصطفاء روى ايك تا وحفرت ككا رندون مين سے مقار الكيب ون نجارا سید سرقند کو علایمته اور شهرسنرک را ه سیم گمیا و با ن سیرک حسن سیم که دیوان سرزا سلطها **ن احد کا ع**قا لما میرک حسن سندكها كه خواجه معيطف توامك مرد سا دولوج ا درسية كلف سرا يك بات ميري سي توحفرت سعون *ارسکتا ہوا سنے کہا بان کرسکتا ہون ایک نے اصی بزرگ سے نعل کی ک*رمین *حصرت کی محا*ب میں مام مفاكرفوا وبصطفرومى شهرسنرك حانب سرآيا ورحفرت سععوض كياكه مرحسن يوان سفه امكسعن ی دوراه را رکیا که سخن حفرت سے عض کرونیا حفرت نے فرمایا کہ کہو کہا میرسن کہتا ہو کہ میرنا سلطافی کے باس تھوٹری مکبہ رسی سی صفرت فواجہ عناست فراکر اسے معہلین اور مین خلاص کرین اس ایجے سنق بى حفرت بست مكرسا وغفب أنرسنوى مواجنا خراش سارك ك بالحفرة كرسد كرمسة ميوسكيم وسست سبارك درست برمعيرا اورفرا ياكدوه كنتا مجيع قصا بي كا حكرويّا سيء ورينابيت تغير ب سے فوراً ایم کھڑنے ہوئے اور جمومین گئے جرمیٰ دیم کہ حافر سے اُنھون سے خواہ بصطفے کو اس بیفام کے سند برنامت کی حود وروز سک تبدیس کے اس کو ایک دا قدیش آیا کرمرز اسلطان اس أتسير خفاجوا اور فرما بإكه زنده أسكى كحنال فمنيجين - اكيب ارحفرت قرشى جات عفدي قراصنا كه صفرت كه ا ونعث أسكى حفاظت مين رست بحقه رامسته مين مهوسيًا وربعبت فرايدكي ا ورر و يأكب احدرسارده كدداروغدس بتقالص فجيعبت دكاد بإحفرت أستك وردول سيمهبت متنا ثرادايتغريب

یال کو آیا بعداز ملاقات کے بات مین شف نول موسکے کہتے کہتے تیز میز سکے اور پیسا بوكرفرا يا توسمارس آوى كو مارسيث كرا بزاه ينا بي ارسالقين كركيين كمي ما رسيت كريف كوفويط نتا بوك رن سے ڈرکسم عبی متیری نسبت اس طربی سے بی آئین او دفتگی سے اکو فیصت کیا عصر کا وقت ا حیکا متعانمازا داکی ا درصبع نک کسی سینه کوئی بات ندگه کی درسیواسکی بال ندمتنی که آب سیے بات کرے <sup>م م</sup>سی مار و مبارمعوا ا درمزن مین شدت م<sub>ا</sub>د کی آدمی میزیا سلطان احد سکے باس بھیجا کہ إمرض حفرت كى طون سے بي مجبر وہ غصہ موسك مين سبب كيد بدادلى سى كەستىنى بسبت ليبننے مارام كيم موق میزدا که م کرین ا ورح فرت سے میری سفارش کرین میند بارمیردر دلیش امین کیمقرابی میرزدا و دخلصال حفزت سنه تتنامیزاکی طرف سے پیغام لاہا اورالافات کی درخواست سیداحمد کی نسبت کی اوراُسکی طوق عفویا ہی حضرت نے تعافل کیا اور سرکتے التفات نے کی میزا نے الحاج مدسے گذرانی اور فرہ پاسپراصہ مهدر کا مرکا آدمی میم خروره نا بیت فراسکی تقعیرسے درگذرین ادرمدہ دن کرین حب سبا لغہ مدسے گذراسفر نے فروا باعب کا م سی کدمیرزامسیدا محدمرده کی محبصی سفارش کرتے ہیں میں مسی محروبہیں میون کدمروہ کوز ند ہ کرسکے بعد ازان فرایا کہ سرگا ، خا **طرمی**زاکی خواہش سڑا کی <sup>ہ</sup>یا دت ہم کرنیگیا ورسوار موسے حب ور ارک رہیم سدا مرکا تا بوت ساین آیاوین سے لیٹ گئے کھٹل کی کرمیٹرالسلطان احد نے مفرت کی و مغوہت ہ محصول *سرقند کا سعاف کرد ایتھا ایک بدیت بن بنو ایک ج*اعت سے محصلان سے جنون نے مہیلے زا نہ مین آس راه سے فائدَسداُ مُعَاسلُہ تھے اتفاق کرسے تھے ول کینے سنگے ا دردہ یارہ آدمی تھے حنبون نے كرا ورجيلون مندميرزاكو دهوكا وبالخلساا ورامراست وعده رنشوتون كاكليا اوس سيرآما ده كمايكه وه مدعت تفج ازر نوکرین به خروطرت کوهیونمی تیزیدو کر دیا یک حفرت فواجد مهاوالدین قدس سره سفه ایک مدت جلادي كى بوسم مى أينك شاگروون سے بهن سم ويجيبن كەكسكو فائده كريگا يعض بجرسون سفرانسيوقت حفرت كى محلس سنة تكلكوه بات ميزاسلطان أحد كان كسبيونياني دُر اا ورأس ارا د مكوفا طرح و *در کدیا و رأسی دن پنجرایک کواک بار چخص*لان سے پیویخی دچھقیل آ دمی مخفا نی ایحال *اُس نبیتِ سے بازاگا* اور آس عمل سے تو مہ کی اور تی سبحانہ کی طرف <u>رج</u>ع کی اور آس نشب مین گیارہ آدمی مرکیجے اور سنگے كمياره ابوت محصلان كمشهرين بابرلنك مشخ ابوسعيدا ببيزيف حبيكا ذكر يهيا متفصدكي ففهل ول بين بوديكا برنقل فردائي سوكه انكيا رحضريت استراءا حوال اورعنفوا بحشباب مين سامه ياس في تفاورسم من فزندا ورصفاقا كميت مطرت كى فدست من مشغول تفرا ورحضرت معداً ارحدا ت اوراهاك

مشبآ بمره كريتي ينتصا ورملاحظه آثا إدراحوال كالهارسة عقيد وكوزيا وه كرناتها اتعاقا ايك گھرمین باسرسے آماکہ اسد حرب پال کے سیٹیے نے تھنے تکلیف دی اور صدستے مجھے حمیر کا اس اثنامین سماری الہ نے ٹرسے اضطراب سے اورزاری اور عایزی ہجیر کے ساتھ حفرت سے درخواست کی کرمرسے فرزند کے لیے خاطرمعدوت كروكه ميخص ايك مرونهايت فاسق و رفطالم سيء وربيبنت بقيرأس سيع ُوكم ، ياتيع بن البيامعلوم مبواكة حفرت اضطراب والدوس ستاتر مدير عدك وقت بنها فورا مازكواً من ماز يرمد كاكرار كالكرم كتا ہاری نازیں آیا یمیے اُسکاکا مردیا بھوڑے وصرین استخص نے کسی سے نزاع کی بھی اس سے نواع کی یونکمیم فقیرآ با دا جدا و که و تت سے مفرت کے اور حفرت کے آباء کرا م کے مر مذللس تحت سمارے گئے آبا رید مقص دوسری بارج تشریف لاکے سیری والدہ نے آیا سنا انس کی کدا کے کیمیت عالی کی برکت سے مماز ن نے بہت اوب یا باحضرت نے فرمایا کرچنے ہو گھڑا کہ ہے۔ اس کا مرکبیا رینین ہو ملکہ وہ انہی دریتیں ہی چندروزلعدبا دختا ہ وقت ہے حکم سے مگورے کی دمیس آسے با ندھکر لمالی کرڈ الا کھر اُسے کھرسے ہ ن کے جمع کرسکے جلا دیے۔حفرت سکے حمارتم لعسان ۔ . ، کیب عز نریا اتف کی کہ امکدن ایک دولتمند آ دمی کہ مرسب اورأسيكه درميان سابقه متعامجه كموليكبا راسندين أسن حفرت كى غيست كى اورأسمين سياف كرامين سب منالم الحركمين مبوا اورآك مين كعيرف كى مبال زيمتى كرمين ربيسه امرارت فيه ما مقاحب سم أسكر يكان من المينيجة ا وركاما نالايا اوركرام بيت سنة باتم راحايا اوروه كما ناشكا سنا كراً سيوقت تستك تكيمين ورم موكما كمقا ا درمردم لما تقاتب نوب بهان كب مهومي كه طلقاً أسكر تك شط كارئ بيزنه أترى ادراسي عامينيين آ-بنفته بعدد كليارشنح زاوه الباسعشعى عفرت كابتداه نلهورين ولايت سمرة ندسكه انمرشيني اورستندا بے عاصت کا تھا اور کوہ نور مین جسم زندر کے نواح مین ہوا کیب کنگر طابری کور کھا تھا اور ذکر جسم کرتا تھا وہ شینے خدا سے قلی کا یہ ما ہمقااور و ومرید شینے ابوالحسی شقی کا کہ صفرت فراح بہا والدین قدس سرہ کے زمان میں شینج ا ورولعة سلسارع شفیه کا تحا ایک روز حضرت طبکل مین با تے ہتے ا ور دکھیا کدا کیے گروہ کاشتکا روگ كحليان دان ربيرين والمرتب سدس واندالك كررس ين لوجها كردك كعليان وكراشن زا دوالياس كا ب بعنی ببنی کرنیج شاخه لگری تبوی سرکه کدا در تمعور اسمه بسه دانسه الگیل زان ببدسوار موکرسطے کئے یہ فرنیننے زا وہ کہ یولمی مناسٹ گڑا اور ارانش ہوکہ کہ کہ فواج سسفہ کھلیان بربا وکرویا ا درائس ورسیان مین اُس شیے بیدا دبی ہوئی *ا وراُسکا سلسلیشکس*ت م**یوک**یا خارست<mark>ن</mark>گانا محدقاحنى علىبالرجمة نبذكوها ببوكه ولاناشيخ محدكش شنخ زاده الباس ييدمتعوض مهوكة اس حببت يصركه تشخ زأ ذ کرتبرکه تا منه ایسی و رسیان سن کوطول مدا تیکون کی ایک میاعت دلاست کش کی تخییخ زا ده کی مربدیتی

مولانات محد من خصومت كرسن لكي اسكا وسم مواكه مولانات محدكو ار دانشيكم حفرت بيزاسوه سع كدايسانه وكر ے ضرر مولانا تیننج محدکور مہونے نے الحجار مولانا شیخ محد سے الها رسیل اور رغبت کا فرایا و م اسكے سوائر نس نہقی کران کا خررمولانا نتینج محدکونہ بہوسنچ اکید جاعت نے اس بات کونٹینی زا دہ سے و وری الع ظا سركياا درابسة مجها ياكه ثنا محفرت كوشينع زا ده مسيكينه فا طرمين موشيخ زاده منه بين مل اميردرويش محة يفالة خطائه په بیجا اور حضرت سے تعرض کیا اور کها که دین اور بلت بین پر کماسستی آگئی که شینی جرسبوداگری اور را وت اُسکی شراحیت شقیم کے قاعدہ رینیس متی محدار سے باطن مین اسکی میس أنسكى بات تمر وكولتامين اسقدروان ورموثر موازان كالهردر ونش محد ترغان كاعتنبده مفرت كرسا تترتنا ائس خطاکو بیشنسیدہ نرکیم سکا حفرت کے آگے لایا ایک دن پیرفقیرحضرت کی ملازمت میں متعا قرا ایک شیخ ناڈ الیاس کی کتاب توف دکھیں کر کما لکھا ہے ساری نسبت اور جو لکھا تھا بیان کیا درآس بان کے درمیان تنزمهِدِكَ اورفرا یاکدامیِشینی زا ده حب دن سے کہین ظاہریہوا مہون کتنے شینی دورسولانا مہرے یانوک شلے چیونٹی کے مثال *س حکے مین حب کا حساب خداسی کو معلوم ہو کیٹینیز ا دو*نفیر کمایکتا ہو وہ شریعیت بنین جانتاسم جانتے مین ۔ تعویسے ایم مین وبائینے کے لشکرین ٹری اور اُسکے لیفے فرزندا ورآ دمی اُسکے سا منے مراکئے ا ورسب کے بچیجے شیخ زادہ بھی مرکبا۔ "فاصنی ابوشعبور"ماشکسندی سے نفول برکدا سنے کما ابتدا ظهور حضرت كرزانه من مهبت مشايخ المشكندمين تقط جنطن الدركو مرايت كرق تظفر فتر فيتر فيبيت اور مابود بيني الترجسدا دريشمني سكه بعث كدمفرت سندر فكته تصحب كدحفرت باغتنان ست الشكندون سكونت كي مست أسذًا ورتعون آ فاذكياً المتكندمين ايك شيخ تعاكراً س لكس كامتعنداعتا اوطوم ظايرٍويوم صفيركا عالم اورشك رييبت بخط حيثانج بجاس آ دمى كواسنيه اصحاب سيرا جا زت ارشا دكي دى تقى حبب النينه و كميها لده عزت مِر لوگون کے جذب مین شنول موسلے فیرت اُسے آئی ایک دن مفرت کی محبس مین آیاس قبھ ا *ور تعرص کوسے حب بیٹیما تومتنو حیصرت کا مب*وا اوراکھیں *حضرت مین گارین اور تیمکی ہمت کے ساتھ* ور إبواكه با جده رت محده الدكوسه ا ورحضرت عبى أسكى توم ركد فع من مشغول بوسك أ در ايك مناك أعما يادور وست راست تشتين سع باسركها ورروال آسكر كما عفا أعما يا ورأسك تنورارا ا درگه کیاصحبت الیسے دیوانہ مسلوب مقل کے ساتھ رکھون کراسکی غاطرین کوئی معلوم نہیں رستا تھے گھ ا ورسط كئة حبب حفربت نبغه بيم ل كمااور في فن كهاا وراً يُضِّح نتينج نبغه الكيب نبعره لمراا وربه بيش لرَّا عنورٌ في م بعد آبیدین آیا و رملد اشا و را تک سکان سے باسرگیا اور اُسکے دانع مین ایک تسولش اورسوواید ا مواا در دوسرے دن سعله مات آسکی سب فراسوش میوکسین اورالیسا ضائع اور اسر معوا کذشگا بازار بین

، سائتم فاليض منومًا خواج مولا ناوله زواج: صام له بن كه بيني الاسلامة مرفن رمين محقا سمينته متعزب كي نعيب تري ث اورا بالنت سكر : راد موتا اكيب ون خلوت الين اسنيه نواس سے يرانسان باتيكي ا ة من الله الله الله الكرخواجه ولي من ليكن صاحب، دولت فود منه و من اتنامها لغه كيون كية مع غوا حدمولانا نے کہا توسیح کہتا ہو میں ہی جا نتا ہوات گرکیا کروان کا تشن میں جیٹو تا اورطلب جاہ و ریا ہ كيتفتضاست اس امرون نا جارمون نميست مولانا محد فاصنى سفر لكحا يركه حفوت فراتے بچه كه نبذا لدم يزاسلطان البوسعيدسك وفات كي فبرآنئ امك ماستدمن خاج مولانا سامنے آيا اور تهني تمسير يحدكركا فواج سلام علىك. ورسطانةًا نه عهرا ورانية كلواي كوتيز بإنكاط الأنكراكي، دن يعيل س نبري راستهين لدا ورندهن فرسك شرعى كقديها رئ سائفر كداهري فكري الميلان الما ورفعت كما آج سعام مواكدوه الككام کی فکرمین سی صنیدر در احد ظامر مدواکه خواجه مولانا نے امراکے ساستی اتفاق کیا ہرکہ بیکیجی ساسیدگا ا در مات سارسی نیسندین اوراغتبا رنگرین ا در فرمایا که مین فتوی و نیا مبون کرسب مال نواحه کالی ا وراس ازن ن مین میزند العلی ترخان سوجه دنتمها ا در حلس که آنرمین مهونیا امیرور دلیش می ترخان سفه کها كريمينه أنفات كميا يخم داعرنه سقة بالنبيركرم فتنفق مواس عبدالعلى فكساسب باتون بينتمها راتا مع موب برسه به ان برس بات برتم مواکسیرین مون اسکے میدرو ویا که تفیرکس بات مین اتفاق کمیا برد امرورو محدياني قدر بنواجه مولانا كي تدمرا ورأيك ساتفامرا كه اتفاق كامنسيج بيان كيا ابرعبد العلى في مرتبكا يا وم ناب كيا تنهيري ويراوز سه أنهما با دركها كرتمين اس معالمين فلطي كي بواسوا يسط كرميتز نريه استقلمه عتبار سيمعته نبيين مبواسي ملكم معتبطنيقي حت سها نسكه اعتبار سيومعته معواكل أسكي الكيب جيبت سيميم ت بودا خیکے ادر بخشت بین کی اور خیالت کے اور کھے نرمیگا ماندر موکہ بن اس ا مربین تمعا اس مخالفنت سند جو کرو ۵ بیجیز بهونیخه فنبول **سی فدیست سولاناهلی قران کهتے تخص***کوف***اً** مىرداناكے اتفاق بامراك بعدسين أسكى لما قائت كوكميا كينے ليكا خوب آئے كەئس شينى كىنواركى لما قائت كويم جاتين دكيناكهين آج أسك ساتح كياكرًا مون مولانا شل في ذيا ياكه تحد حفرت سے بڑا اعتقا دمغا أسكاس بات سے مین تمکین موار چندمین نے سمی کی کہ مجھے دخصت کروے کمیا اور کما تھے ارسے سلسنے ج کچرکزه برک وذنگایه بات دکیمکرقرمیب نشاک بین آید سے با برجون گرسانترمان پڑانس روزمغریت خواج ا تريين بن اتريركوسط اورين تا ما رسائم موا ا دري سبما ندست كميال تفرع وزارى ماتيا معاكره بايد كدوه بإسهابهمين ندوكينون وردسنون وبب اترييين مم سيستخ حفرت فراحكنبديها نين بيقع تحطيه تبك

ا حب سم شطيع حفرت خواج خود مهمارسے واسطے مگر بين گئے اور جو مكانا موجد د تتا بابرلاكرانيے دست مبارك سے مولانا كرسا منض ركلنا حبب وه كلعا سفه لكا اورجا سبتاء فاكد حضرت كي فسبت كيم كيد لب وزمن بنيها ب تضافيا كا كوكى ووثرتاآ يا كدميزا اورامراآ تي مين حالانكه خوداك لوكون سيحدكها بتعاد ورقرار دياعقا كدمير كمعبى حضرت خوارد کے پہان نہ جا کنٹیگے میکیا جانین کہ وہ کس کیے صفرت کے پاس آ پاہراس صورت سے و ہ فکرمٹ مبواح بیضیت ميرزا ا درامراسکه استقبال کو بارترکت خواجه مولانا اورمین چار دیواری کے انکیب دیوارسے بامرکیطرف بچھا ندٹریپ تاكه أمراا ويريزا تهين نتجيبين اورين في الساس حالت مين حق سبحانه كاشكركيا كدخر أسكي بهوره باتين مين-نهنین منی دونون کشِداور دارهی خاک آلود هنیجه دلوار کے نتیجے حب تک که بیارے گوئیدے اُسطون سے لا یا نے اور لحائے مبوسے سوار موا اورمین تھی بھاگا اور ہرا کیب ایک جانب کو جلاگیا زان بعدمیزیا اورام<sup>ا</sup> برستورسابن لمكه يهل سيرزاده حضرت كى فدست بين آف ككاور ميوب دانعلى ترفان كى راسد صائر بالتح بيولی ایکسد دن خواج مولا ناکی ملبس مین حفرت کا ذکر پیور با تفاخواج مولاندند بدا دبی سے کہا اس گوہ بیلے کرشد کا ذکر کروکراکسکی سراسهمیت اسطرف به که دمنیا جن کردید به باست حفرت سصوص مبوئی حفرت نے فرا کرگو بربینلے کیرسے کی سوت مرے - مولانا معروف ولدخواج محرجراح نے کہابین مبرات بین متفاکہ خوا جہولانا ہر مين آياكسواسط كسمر قنديين فرميكا بزركان برات اكي دوار آسكي لما قات كو آسك وكيها كربت ريشان اور بهیوده بامین کتابه ی کیونی اُسکے لیے کم آیا آخرکوا مرجھا ت سکے مرسه مین ج*اکر ریا جوکونی اُسکے پاس آیا کہ پی*قا كه به آوارگی جومیرے اوپر آئی اُس شیخ کی گرامات كاگمان نكرو۔ ایک ون کسی بند اُس سے كها خواجیم شیخ آلگا ماكم اورصاحب انتيارخط سمروندك متعاوراب اواكوقت سينملق سيم مرجع ومأب اورغ بتركم مرا ورولامية ا وراء النهرك ماص وحام سب ابع اورخمهار بدخا دم مقرب مسيب اخرعم وين فراميه فسنة سبكا لدش ردتمام ذلت اوردسوا کی کے ساتھ بھے تھے ہواؤر کی خاطر کو تھھا ری طرمنہ مبل نہیں تو یہ بات بجز کرامات اُس نبر گواریک لیا موسکتی سرانترکوائسته ایک مرض لای مواا وراس مرض مین امنیدات ایک مهمال لیاا درمین کعبی کمیلیس مرض مین اُسکے باس مانا ایک دن کیا تو د کھیا کہ نما ست مین مثیبا ہوا در بنیاست مین مانٹر والتا اور مانٹر مکھتا سرا در اُسکی موسیے نوش مہدًا ہوا درکت ہوا میں لانا معروف مسل کیا خوب چنہ ہوا وکھیمی نجا مست خلینطسے گولهان بنا تا اور اُس سند کمیدلاک<sup>ه</sup> اوراُس بهاری مین نوسنسه دایت ا درعطرایت سند بست تعنفرا و مخترز بوتا اس اثنامین مجھ حضرت کی وہ بات یا دائی کہ فرمایا تھا کہ گو برسلے کرے کی موت مرسدا ورائن المیساسی بهدا آخر کوائس اسهال کی نوست مرض سیج کومهو نمی جآنمتون کی خراش سے بیوا ہوا ور آنتین اُسکی گریٹ کارے بوكرانترين ادريجا مست سكه اندرمرگريا سديهي خدست موله ناحمدسفه لكمعا بي كرص روز الولانا قرمت مركه عظا

تره بُرنشوات آرد در ۲۲۲

مولانا محد ما فا اسکا و دیکھنے کو آئے آگھ کھولی اور کہا کہ مولانا تم سے میری ورخوا مست ہم کہ اگر کسی و آبانی ف خواجہ کی الماز مست بین جا کو میری تفقیرات کا عذر کرو کہ جو بینے کیا وہ نفس مہوا کے تفاضے سے کیا اوراب سب سے بہنے بازگشت کی عنامیت اور کرم سے معان کروا و زعد ور رکھوا دراس بات برجان کا سے مین نے میابت ایجے ممل بچھڑت کا سب ہو نجائی مہت اسکا اثر مہوا اورائیا یا گیا کہ اُسکے گناہ سے ایکل درگذر ساؤلوگا قریب کے وہ متوارق ما واس کے فرک بین جو بھی میریک اور اہل زیان فرصف کی اولا و اور کا مل اصلی ب کے سوا نقل سکیمین

لتف وندوم سيدنن گياكدا يك دن حضرت مولا أسعدالدين كاشغرى قدس سبره اكتد عمال من كرميز سے رات دن صحبت انکی بھی حضرت کے سامنے حسرت اورا فسوس کرتے سنند کہ در بغ اس عمز بجاصل سے ی است کے قطب، زمان اور نزرگ اولیا کی معبت سے دور مہو کرگذرتی پرسعی کرنی ویا سہیے اور آب کواس كروه كى يحيت مين مهويًا نا لازم بحركه أنكى مركبت سحيت ا ويمين لما زست سي حضورا ورجيبت باطنى طالع ا ورا ندرونی ا عداء نفشی کے نتہ سے تیشت ہوسکین ۔ اوراس طاکفہ کی اُرز وا ورطلب میں سخن کوطول دا ا دریسبت میا بغه فرها یا در حضرت کو نبور فراست اکسی معلوم موا متفاکه حضرت مولانا س ابنيه دل مين سوعا مبح كه بحقه كسى كي احتياج نهين ا ورطرين رونشن مبح كام كرنا جاسبيه اورا بنييشين لشونش من كيا صرور مى اور الوكون كے باس منين جانا جا ہے اور ترددكى حاجب منين سى دھزت فى مولاناسعدالدين سركها كترمشب كونهين كيت تنع كه آسنده مجه كسي كى ما جب نهين سوان كوتشولش دسني سرها سيتينين جوآب اپ فرات بن اس اندنشیه کیقتی*ن ہ*ی بوشب ک*ر فراتے تقع حفرت مولاناسعدالدین کا حال حفر*ظ م انشاق سيهيجوا ورمبوكميا اوتخفتين جانابه كدحفرت كواطلاع اوراشان تمام مبي بحداكثرا دفات حفرت سيه كعابيم نم سے ہو سکتا ہو کہ پیسے افسین بحبت رکھوا درا **تنقات کروکہ تجھاری علیس میں اپنی خاطر ہم** جس ما پکیسی وسط تَا خِرِكِرِتِيَ مِوحفرت وْلِاسْحَ كُرِمِين حفرت مولانا سعد الدين سے اليا اختلاط كرّامقا كه اكثر توكون كويمكان بو التماكة مين أنكا مريد مبول كين ياطن من وه يجيد مدديا ميت تقوا ومروبئ سخن فرياسته تقع - قاصى المرجان حضرت كے گروست ہوتاا وریہ خواہیش رکھتا كە اسے طرابقہ تبلاوین اور حضرت مطلقاً التفات منین كرسے او اس بات پرند لاتے ادروہ اِس وجہ سے گھین رہٹا تھا ایک۔ روزلیفے نخلص پیجبیت خاص مین حفرت کے يقوا ورحفرت نوش قے کہا ہر کہ فاصنی اندمان مدت سے اسید کراہ کو معفرت فنظرهنا بیت آسیرکرین م تعلیم طریقیہ سے مشرون کرین حفرت سنے فرایا کہ حس کسی کے باطن مین ریابست اور ما وسعلوم کریا ہون درايسا سي كبيون بنوكروس سال بعداً سكا اخرط برمونوش بنين كاتا كدطري فواجهًا ن قدس المنز أرواح

من أس سيمكون بي<u>في اصحاب</u> فرما<u>ت ع</u>قع شيخ ارنج حفرت كے سخن كى ياد طبی جب دس مرس اس تاریخ سے گذرے حضرت نے و نیاسے رطت کی تنی وہ قاننی ولایت اندجان مین نربگ ا وریکس قوم میواا در أنن ماركام جع ومارعلية بكيالكين طريقيه خواحبكان قدس التدار واحهم من أسكوبهرونه تقا الكي طالب سمرقندى كداسني كوطبقه سالكان مين كروا نتائقا مهت روزتك حفرت كرو راعقا اورحفرت كالتقا غاص سے ظاہر اسٹسرن بنین ہواتھا چالنے ایک شب اس فقرسے کہ تا تھا کہ اٹھا میس سال مہوسے کہ مضرت كركروسون اورسفارشين أمثوا نامون كدالسام وجريرا ويرعنايت فرما وين اورط بقد تباروين ا ورحفرت في اس مدت مين كجرح زمين كها وريه بات نصيب نمين مهوائي كميجي امسير آياه وموتا مبون كم حضرت سے میکری ارون یا آب کو بااک کروالون گوطاقت سری طاق مبوکئی سوا ور کوئی افر صفرت کی مهرانی کاظام بنیبن مہوما اس تا ریخ کے معد کر تھیسے یہ بات کہی حفرت کی آخر صیات کک ورکھی اس اندیرمین حفر کیے ر ہا اور کھیرکا مہنوا اورسب اصماب اس بات سے حیران اور شعب تقے بیان کک کہ حفرت نے دنیا سے رحلت کی اورح فریت کی وفات کے حیندسال بعد فان اور کیب سمر مندر پیستولی میوا ا درائس طالب علی جاه ببدا بهوا اوربعض آ دميون سيرشناگيا كه درسية ش حفرت خواح محدثمي اوراً كلى ولا د مزرگوا رسكه اوراسين مرى كوشش كى أس مادنه عظيم كے وقوع سے اصحاب كوظا برمواكة خرت كى بے التفاتى كابب انوات أسكه باطن كاعقاكه بالبيس سال بنيزاك سيحضرت برظام بهوكيا عقارا كم شخص في خلعان نقل کی میچکه میسنے ایک بیغوش میرنی ا در نتیجه پردهٔ خیالت سیکه را اور میندروز نک حفرت کی ملازست مین نها سكا حبب اس بات كومبت زياده عصد سبوكيا مين اپنے دل مين كهاكناه كرنا اوم بجوب مبونا اور سحبت رولیا کا ترک کرا برید نقصان کی بات ہر حرکیج موجانا چاہیے حب مین ملام کی شرمندگی سے فاتح یوا ظام حفرت نواجها رالدین فتستبدکی روح مازه کینه کے لیے مین نے مرهین اوراً نکوشفیع لایا کہ محصے درگذراہ معاف كرين حبب حضرت كي للارست مين مهو سيامجه مين ننظركي أور فرط يا كه أكرسج شيد فاسخرا ورا خلاص ميوسا اورروح نواجكو ازه كرناسيسر وتوببت فوب سركر شيالواقع ان جزون سي كجيهنين موما جابي كركوني تام ادقات لينها وال كانكران رسيع اكدأس سي كوني امرناب نديده ظام بنه وحفرت كمال شاق میاحال بدادا و رحفرت کے النفات سے میر دوسری بارائسی مغرف اور گناه کے اندر مین متبلاندوا۔ تنا برخ کے زمانہ مین کر حفرت برات مین تقے مولانا بیضنے ابر سعید مجار کر بیر عزیز بزرگ یخے اُسوقت میں جوات کہا صاحب جال اوريا كيزه سعاش تقع اورحفرت أيك سائفه الثفات أوركو شهر فاطرر كلفة بخف أتحفون فيعنك کی کہ جوانی کے ایم اور النفات حضرت کے ونون مین حبیبا کہ سن سف اب کا تقاضا پی سمجھے اکیبار اکی

سین عورت سے ملاقات کا اتفاق پڑاا وروہ میرسد منکان میں آئی اور میں سنہ چاہا کہ خلوت میں اُس ،اس اثنامین مفرت کی آورزس سنے ننی که فرمایا ہر ابوسعید سر کما کام توکر تا بھالیا بر*ل گیا اور انگ بهنییت غطیم اورخوف اور احس* توی میرته به دل برغالب میواینانچدر میشد میر<u>سهٔ اعضاین</u> شرا مین اقتصاب طیرا او رفور *ا اُس عورت کو مکان سنهٔ نکا*لدیا تقوم می دیر مین مفرت می**ونیجه جیسے مشرت کی نظرتی** دور میری فردایا که اگرنه توفیق اکسی تیری مدول تی شنیطان بیشی بلاک کردانشانسی کی بیرمکایت کی سوکها کیما عجد شراب کی موس مبوئی ایک رازوا رست مین نه کها کرمب بهروات جائے شراب کا کوزه مرے <del>قط</del> لاتا رات کے اند چیرے مین ستراب کا بھراکوڑہ لایا د رمین نے جیت کے اوپرسے د ویٹر نیچے لٹکا و**ما** کہ اُس کو ائس دویته مین بانده ویا اورمین سنه اُست کمینیا ا در کو زه دیوارستهٔ کدانا متنا حب کو تنص کے کنار ه مرمونیا ر کلمال گئی اورکوزه گرا اوراُدٹ گیا اور مین اُس معہرت شے لمول سوا ادر سوریا منبح اُٹھا ا ور معجو مِثْ تمميكون كوأس دبواسك ينتج سنع دورمعينيكديا ادرزمين كودهو مدالا ماكيث راب كى بوجاتى رسيع حسف روش ہوا صفرت مہر! نی کریے آئے مہلی با سے فرائی بیٹنی کہ کوزہ جو تو ادبر کوکھینچیا عفا اُسکی آوا زراتھے اند. پیارے کا ن مین مهومنی اگرو، کوزه نه تومنا تومیا با دل تومنا اور ساری ملاقات مجتسع میزنموق مین سایت شرنده اوسِنفعل موارور بال انابت كي دور . وسطّه ولي إلى معفرت كي طرف كيأخليسان « شرت مساكيب مز شريفيقل كي ت مولانا بعز توب ب<sub>ر</sub>خی قدس *سره سے والیس موکر دو سری با ربرا*ت مین *سیل*ے مین راہ سے ملک کی نفلص کے گر اُ ترب جود اوا زہ ملک سے با سربہ تبا اورکسب علال میں شغول اورخا مذان فواجگان علی الخصوس حضرت کے ساتھ اُسے بڑا ازال سی تھا اور آنفات سے اُس روز ایک گروہ دیستون کا آ بهان مهمان نتماا در أنتكه مبراه ايك جوان نهامت معامب جال اپنيه إب كه سائنر عافر يمقا كردس في خوبي من مشهريكه وندرميشهورا ورزيانون برأ مكاندكور بتفا ا وركفا فاكلائيكه تقيوا وردسته فوان شرهاييك تقيوا وريشالان گاا یاده مقاحب اُسن معس نه مفرت کو دکیها یا زُن برگر شرا اور ثبری نیاز مندی کی اور مدسے زیادہ تو اُفتع ا بالایا بنیا بنی مهمان لوگ چیران اور تعصب رسیمین کسواسط کرحضرت کوندین بهجانا اور اس نملص کی مفوات ليد ان توگون <u>نه هي کسين</u>ور تورکي کمروه جوان سن کامغر*ور پر که خارسته نه با اورجه فرټ کيطرف کهيرا ت*نفات کا اُسْ مِخْلُفِ نِهِ وَهُمَا بِيتَ كَي حبِ حضرت عِلْجُهُ مِن سامضًا كَمَا اوْرْزانُوزْمِن رُبِكا بِيُرَا اوركها يارون ف الهجى كلها ما كلها يا بهوا ورجه للها كلم مهم حور كلها ما مرغوب عبو وسي مخيت كرا وكان قبل استظر كر حضرت يا ك نعسين كرين في بوان كدسيرتما شاكا فواميش مندرتها اورجا بهايمقا كه تصيري بينيسا عربيا لين ميداد بانه بول أتحكاس سكي ماه زي كي أوُ اب كمان برُّه وكاكسيكو فرمست كوئي يزرك شيق بوصفرت نه بيلي تو آس ستعفر و م

لمافطه كبياا ورزان بعديين أنس سے سنا آميت سے كها جنائج من سندشنا كرا بوجوان خوشرو كرحسن مرزكوت خردر ہو اگر نسرا سی جس اس صحبعت میں سسیا ہ کمرووان تومراکٹنا ہ ہولیس کی واز لنبرکھا کہ میڑی <sup>دورسے</sup> نیم کے بین اور سم مجویک بین ا ورگرم شور ما جا سپیمین اتسیوقت جمعیا ا ور مفور اگوشت اور ما ول ا ورسینه ا در باقىمصالى وغيوسة أيا اورأس درميان مين صفرت في تقورا سكوت كيا اورأس جوان كاول ايني المون کھنبیا کیا کی۔ مین سنے دکھیا کہ وہ جوان ہتم اربع کر بداختیات کام لیکا ورحفرت کے روبروا یا اور کھا اگراجازت موتومین به خدست بجالا کون فرا یا که کون افع بچ مین نے دیکھیا کہ عوبھے کے سامنے آیا اور أستين ومرهائين اورواس كمرسع بانزه ليدا ورمجه ويطه كسامني سيسعذرت كي سائق مثا يااور آبِ مِبْعِهَا آگ جلاندلگاآگ کی گرمی سے شخرا سکا سنج مردگیا دولیٹیا آیا اور یا تھراسکے ادھ جلی لکڑیوں سے كاسلى ميوسك يقعه ادركئ باراسنيه بانتهر سيليدنا شخرا وربيشياني مصريونجهما عقا ادرد ونون رفساوا وربيشاني السكى سياه مبوكتي بإب اور مارلوك آفتا به ياني كالاسكرا وركه المنعوانيا سياسي سع وهودال أسف ظلافت كي راه تك النورني السواد ا ورتسم كلماني كدييسياسي دورنكون كاحبت كك كمكمانا حفرت كدسك سائف نركلون حبب كموانا حفرت سكرسا من ركوليا كي ادر بالتوميم وهوئ اوروضوكا بل كريك آيا وركمال اوب سكرسا تم آب سكم ساشفى بتيها دركعا سفرمين شركب ببواا ورأسكوح فرت كم ساتم علاقهمبت عظيم بدا موااوره حفرت سرات مین رہے مہیشہ ملازمت کریا تھا اور حفرت بھی اسپر نظر عن بیت فرط یا کرنے ۔ حضرت کے مخلصان سے ایک عزیزنے نقل کی کرمری ما حزکا سبی عفرت کی خدمت مین یہ متعاکدین ایک لڑکی رِعاشق متعا اورس انتها کو مهونیامین میقرار مواا و را س از کی کومجیمنین نهتے تقے حبب حصول مرا دست عاجر مواا نیجوال ا کے فکری اوراکے حیارتیایا اور تعبوی گواہ نکاح برکھڑے کیے اور فرکت کوگیا کہ قاضی کے باس جاگان دعوی کودن اورگواه اسنیمش کون اتفاقاً وه قاضی صفرت کی ملازمت مین گیا عقامین مجی حفرت کی ملاّت مین گیادرتاصی و بان حضرت کے پاس مقامین نے ایا قصد حفرت کے سامنے بیش کیا آپ نے فرا ایکیم ور فواست کرتے ہیں کواس محکوے سے تو در گذرے کر تیری بات سے بوے صد ق منین آتی مفرت کے منى ساكيد چزميرسدول مين أنى اور مجيمتغير كرديا أسيوقت مين أس نهم سد درگذرا اوراس حباعت ک مخاصمت تعلیع کودی حفرت الشکندسی اراده سے سوار مبوئے اور سواری کے وقت میری طوت ايك نظرى كم أتش ميريات برن مين لگ كنى بروند ما باكة وقعت كرون كرينوسكا بي اختتار فرادين مير ول مين بملى تعين بهياتعان كا قعد فراموش كي اوربيان كاتعلق جانسوز وا قع مبوا اكب يُرى بجلی گری تنی بنابیت گری محببت سے موزے اپنے مین سنے اُنا رسلے کرننگے پانون اُس برف چین کھی

تعظیم دو**مر تاکیا بهان یک که تا لشکند به موخا حضرت** اینے حجرہ مین بنیٹرے میتے مین بہونیا آگ <sup>د</sup>بل رہبی فتی اشارہ بیاکه گرم مواورات با سرگیهٔ اُس تاریخ سی مضرت کی ملارست مین آرا مرکبا اور برگرز و خد غهرویر تغلق كاخاط بين نكذراا وربائكل خلائش مبوا سمحيان حفريت سنه امك عزبز سفي نقل كى كەمشەرا يەسى **کرمین حفرت کی ارا دت اور لازمت سے مشر**ف مہون دل گرفتارحسن ایک مورت کا اور ایک ان ب جبال سے علق محبت مستحکم تھا حب حفرت کی سحبت بین بہونیا اس سحبت کے اٹریسے قلق یبنه سه جاتار با اورانسکه بحاب دل گرفتار خرت مواا مکیارتا شکند من هفرت مح سامنے مین مثیبیا ہوا بھا اُس جوان کی سورت نیا طرمین لایا ﴿ فعتُهُ مریری طرب ستوحہ موسے اور مام آس جوان كاليا اورفرما ياكه أستكرمرو كاركوشصنے برسم كرديا اورا سكا علاقہ قطع كرويا أسكو تو يا دكيا كراہم حالانلا*س صورت مرکسیکوا طلاح نریخی اس با ست<sup>ا</sup> کا مشایده زبا*د پ<sup>ایت</sup>ین حضرت کا سه نے محبان سے حکایت کی کہ حمید کے روزمین جا مع مسجدگیا ہتا با ہرآ۔نے کے وقت خدام «غربت کے ایک جاعت سے مین ملا آمنین سے ایک نے یارو ن کی دعوت با زار کے طعام مرکی ایک آش کیجائے والے کی د *و کان رسم کے اتفاقاً فیش منظران با دشاہ سے ایک مباعت کان مین متی بہت ساحب ج*ال اور عجب وغرب شكل وشماك أكلى تقى - يينه يارون سدكها كراسكي الوث تم كبون بنين وتيميت يارون بها بدامرفعلات فشرع بجبين تواُسكى طرت كي ولالمت كرّا بهوسين نے كها اگر خطرشهوت موتوناستروع بهم لسكين الرشهوت سعه ياك مهوتوكسا مرواس اورنطيين طريين اورنطا ره مهوسع حبب كه حفرت كي علبس بين ہم ہوسنے فرایا کھان سے اُسقىمويىن نے کہا جا سے مسبى سند فرا يابىينى ست کہو عادت با عشابات على بان كى بى اورحفرت سەنشان عند، كانلا برسوا فرايآش نزكى دُكان جاتے بوا ورجوانان منت جال يرنظ كرت مبو يعيف تم سع كية بين كذا مشرع برا ورييف ما ويل كرت بين كراك نشر شهوي باك بر تومضاً تقدمنس براس النامين مري طامت متوجه موسع اورونسرا ايك من نظرت شوينين رسکتا تم کهان ستے پیدا ہوسے کے نظریے شہوت کرو سعیس مندوم سے سٹاگریا کہ حفریت نے فرایا سو ک ت صاحب حمال سيے گذرتا بيون بيش اصحار حضرت تاشكندمن مراقب بيتهيج سقيج ا ورائك گرده مخلف ا و تخصوص لوگون كا اُس مجل كربر إنتعالها نكساحفرت نير مرأدتها ياا درآنا رمنفراد رثوش كربشره مابرك آنحفرت سيرها مربوس فرما یا ایجی انسیاطا مرمیوا که ایک طری کتبیا دود، «معتری چیدا تیون سے پ یا مبوئی اور فوسیلی*ی اسکے سامند میری* مجلس مین آئی حضرت اسی من مین سفتے کہ وور سعہ وسل آدمی نمایاں ہوسید اور وہ سو لاناعلی وشولوشا کرد

رنشحه حضرت فراسته يتحه كهاس أست مين سنح صورت مرتفع سج كسكين مسنح بالمن واقع سج اورحلا مستمسغ باطن كى وه مى كدها حسب كسبيره كوارتكاب كبائرست باطن مين الم اورتا ترينوا ورغائت احرار كرسة سے نست ا ورنخور براس مرتب کو بہونجا مہوکہ جب کبیرہ اس سے صا در موابعدہ کستے باطن میں نداست اہ ملاست سدانه و درا گراسکوتنبه کردن قسا وت اوسون دلی آسکی ایسی م**رک تبنینوه وست** می**رسدانیا** ولد نبررگوا رصفرت سيدتقي الدين محدكروني عليه الرحمه في نقل كي بوكرجس زمانه مين صفرت سفه النفات فراكه على ما كصاحب فراوى الني كومير بي بعال عبدا لسد كے مقدمين لادين تودانده سيده اينداس عقد مين كسيقدرمضا كعة رکھتی تقیین حفرت سنید سنه فرما یا که مصنا گفته کا محل نهین ہم آس سعادت کوغنبیت جانو دالدہ نے جا کو گئا دل کے احلینا ن کے سلید حضرت کا استمان کرین وس خوان نشیرال روغنی میده میما وراُنمین وس بر مختی لینے ڈی ملواے ترخیین کے اور اسنی خوان مھری سب ایک رنگ اور ایک بفتش کے گاکر صفرت کے یا تصبیح اوران خوانون مین سے ایک کو اوران فوتیون سے دور سے کو بوشیدہ اُسکے خاورون سے کیا اور دل میں ج ليا كرحفرت كوچا بيري كهاس خوان كوان بيرسا ميزمنگائين آوراسمين سن اكيب ان توفرين اوركجيوتنا ول كرز ا در فلان قوتی طلب کرین ا در تصور اَ آسمین سے حلوا عجیمین بسی وہ خوان نان کا ادراً س قوتی ملوا کوانگ مهارے واسسط معبی میں اور باقی نان اور حلوا حاضرون کو باننے دین سحبَب خادمون نے خواہے خرج کی محلس مین رکھے بین حسب اتفاق حفرت آسیدن تعمیر کے کا مربی تھے اوربست آدمی کارسے مٹی سکے کام مین سکے بوسے مخفرجب حفرت کی لظر سارک اُن خوانون بربڑی دوخوان اُنمین سے اپنے ساتنے

منگاتے اور دونون کو کھولا اوراُس خوان نشان دارسے ایک گرانا ن کا توڑا اور دوتین نقر کھائے ا دره ومسرے خوان سے وہ تو تی نشان دارائٹھا کی اوربرانکٹو لکر بتعوٹرا حلواتنا ول کیا اورآس خوان خاصہ کھو اوراشاره قرمایا که دونون کودستر خوان من لبیت کرا کی خادم کے استرواس حرم کا محرم مقاوالده مرور بن کے لیے بھی اور باتی نان و **حلوا حضرت کے سامنے حاضرین کولنسیم کرویا جب** والدہ می<del>رعبدا</del> لید سفیدگرا وکھیی مضطرب مبوکراً س نسبت سے کروسنے مین استمام کمیا اورائسی دن انجام کوہیویمی سے واضح مبوک امر زنل م الدین کے حضرت کی دفترسے تین میپراور دو دفتر تنعین لڑ کون مین سے اول خواجر عبدالسمیت كهميزان وندمشهوريخي اورسلطا بجسين ميزااناما مبدبط ذكرزاندمين مرات مين شهيد موساور حفرت مولاناسعدالد*ین کا نشغری قدس سره سکتخت مزار برید*فون بین سه ذوّم خوا *و بعبدا لسدرم که دو* غاوندمع دون تقطه سسوم عبدالوالي كهنواجه شاه شهور تقدح بأرم اميزله يالدين ممدننج إميطام الدين محمة مولانا بران الدين معدولدمول ناكلان زيارتكاسي عليه الصهدف تقل كي كرحفرت فينه شام كي الماقايج زمارت كا هين آسكًا ورحب لينح كركوس إبرآسة مولانا عبدالرص اورمولان الوالمكارم مرسع بيد بعائى آكة أله اوربرايك فعضت سدالناس كى كدهوت أفكه مكان بطبين مفرت فعصه فرايا وكس واسطىنين كت اورمين مكوليجافى موت بنين كرتامين في كهاكه به آرزوميرد ول كى نهابيت وى بولىكين بريد بهنائيون كه سامنے كستاخى نىنىن كريا فرايسى شيرے كھو عليے بين حبب تشريعيذ لاكے فواکم ووس المن كانتاج مين آش كيواكواس سوزياده كرونوانروارى كرسبب وليسايى بين في كياملما اومصلحا اورفغرا گا نوک سکے حبب وا قعت مہو گئے کہ حفرت میرسندمکان برّشتریسیٰ لاسکے آنگیب ہی و فعہ اسفانروع موسة اورغزنزون سنع دوالرساصفيعوك فراش بجيا دسبه كرسب آ دمي يجيبن بونكرسك اخررند سمائے دالان کی چکا نون مین اور گھوکے باہر شیھے اس محل مین مجھے خطرہ گذرا کہ بیسب بزرگ توک موجود ہ اور جعزت سنه دومن آتے کا کھان کیا نے کو حکم دیا اور تاکبید کردی کرنیا دہ نکرنا اب کیا علاج کرون مفریقے خلاف امرکزنیین سکتا اور جرارت ننین که اس بات کوفلا سرکرون اوراجا نبت جا مون کدا در آنا گوندهوانی اوربست سا کمھانا تبیار کرون که کٹرت عظیم موکئی ہج اور جھے بڑی شیرمندگی ہوگی ایسی ریخ وغم میں متعاکمہ حضرت سقد تراقعها ياا ورفره ياسمن ومبى سج حبر تلصفه كهام آسى عندموا فقت كروا ورزيا وه كااندنشير كمرو مرجيك جو سكايا عقاليك بريد طفارمين والديا وركاسه كاكاسد اورطبق كطبق أس كهاف سع بعزا مقا اوراركو بحيبتا عقايهان تكب كدتمام ورصفه اور تكو كاصحن تتاج كے كاسدا ورطبين سنے بمبركيا اور بيب ايسكے كھيرون سن ا ودلېل محلېک مکانات سندخا بی کاستدا درطبا ق آنگ لا سکه دود ندر ا بهیدکرسسب ماحزی سف کمیا نامنیخ

كهابا وركاسطيق والون كيمجي كهاناككيا اوربيركه امات تتى كفلى كماكنزلوگ أسيسطلت مبوسة اوربسب كون عقيده حفرسته كسائه زماده ميوار اكيبار حضرت الشكند كئة اورمهاري فعل كاأغاز عاميح كموقت كذارد أب يرك كريهي في اورات كواتسى ما لاب كے قرب ايك خلص كے طور ترب اس خلص سے حكايت كى كرحب رات زباده كل اورسو به كادقت سوا صفرت شد تيه كما كه توسيار ب ما تقر المكرين سوره او بین نواس مکان مین دور ترحفرت سے ایک علیاندگی حفرت سوگئے آدھی رات کا وقت فا كأب بكارس فلانفسوتا ہى يا جا كتابين نے كها بدار فرا يا جارى كرا درجواسياب اس گھرمين سي انزكال اورآب بابرك ادرع كوكى أس حوالى مين سويا عفا أسكوسدا ركرك يطيب احرابست كها كربت جلاسية اورسواریان اپنی میرسه بیجهیے لاؤ ا در آپ اُس گفرست ایک تیرسکے ملتے سرد ور مبوتے اور اوسنچے ریٹھ سے ادربين تمام اصحاب اور خدام كرسائقر بوج حسن اعتقاد كرحضرت كرسائح تقا جارتر كلوثرون اوراسباب سميت صفرت تك بيونيا اور بعيضة آدمى كذرنب فاطر تصمتح اوميتعجب عقبه كه يركيا، جراسج كاحتر نه ادهی رات کے وقت یارون کی نیندخرا ب کی ا درا کی جماعت نے اُنظفے میں ستی کی ایک مبی بارو کھیا کرٹرا سیلاب اہیونیا کہ اُس مت مین کسی نے اُس ملک سے باشندون سے سیلاب اس عظمتے سائقر الكيمينا تعا اورندسنا عقا اوروه مكات مبين حضرت في آزام كياغ ت آب موگي اورجوسواري و اسباب كه بوكون كرابهمال وكسل مصر ركبها مقالن فشب كو بإنى بهاليكيا و ربيبت آدميون كوياني تيمينع ایگها اور شری محنت سے انحفون سنے ڈو سنے اور مرنے سے سنجات یا تی اور اُس سرز مین کو اُس سیلاب سنے تہات ویران کردیا اوراس صورت کے مشاہرہ سے تقین ماحرین کو حفرت کی نسبت ماصل ہوا۔ ميشن عيان ولدسينخ ببان كدگازروان سكركروه خطيب سيدادرطالب علم ميبزگار يقيعواق سيخواسان آسايخ زورهنی روز سرات مین رسے بعدازان همر قندآنے اور ایک سال جیز بھینے حفرت کیٹرچوانستان بوس**ی پیشر مجیج**ا ود کمتے تھے کہ ایام بھار مین تا شکند کی طرف اُئل بھو نے اور تھے اجازت دی کہ ملازمت مین گیا جب آ ب بْرَكَ كِيرَكُ مِيرِ كَيْ مِن مِي لِي كِيرِ طِعْيا نْي كابقا اصحاب في بيراليكفناني باندهي اور أسير بيني اور امك ايك ما في سع كذرت مق حفرت فالعلى كم كمنا في اختيار كي اورأس شيط ادر تجي بي اني سائق أسير عبا الدار وان موتي جب نَّ ي كَ يَعْدِه هارمَين بهومني ا جانك كلفنا أني كے بندو هيلي ميوكر توٹ منگئے اورمين آنے وكيما كەنبەھون كو بإنى بهاليكيا اور فطرست بيوسف بانس الك موسف شروع بوسف ودسنه كاخوت ميرس ادبرغالب بهوا اور مين مضطرب ا در بيفرار ميوا اسوا يسط كيراكي شبين جانتا تقا ا وريا ني بهت تيرجا بانقااورندي كم كأمرة مكس فاصلا كمه بترك بإبرتهاا ورصفرت بيفكرته اوركوني ترووا كموند غفاصب ميرا اضطاب وكحصا اكمهار لفظ مرارك التناكح

<u>لمندا وسیست کے ساتھ زبان مبارک سرلائے دیا پن</u>دین لرزگیا زان بعد مین نے ویکھا کہ وہ سٹروع موسے حیست اور سی موسی جو کھا۔ سے بہتر محتے اُسوقت کک کہم کنارہ ہونی گئے حفرت نے مجيسه كما أهم اوريكل آيين ن حشلي كي اوركناره به أنزاً ما اوربين وكتما تحفا كوهند شبكين عام يحساقه أسركنا أ سيده كفريت مون عجد إن سركا رسه برقدم ركاه البيت عذبت سنه بانون كلمنا في سعة المعايا وليسع من إنس الان وس <u>ــــ اللّه بوگئے علما بتنقی سے ایک بزیز برولانا می بن مولانا سیعث الدین نام کدمولانا نظام الدین شهسیدے قربیم ا</u> أنكوهي اوررا قمراين حرويت مرات بين أبحام بهايا وكهوي عبيهة غا وه علوم كالنسي كرّا نحفا الكيار رمضان كيمييني مین سبهار سوسلخه نتیمها و زمیت منعون بهوگهایمها استدر که در سرب کی مرد افرگرد شامنین بدل سکتے تحدا درا ولا او اصحا بياً درشناگرداننظ ميد توريكي يتخداه رغبيزاد كمفين ك شارى كررسې ستقد بيان تك كانك روز اكونىعىت نهابيت درجه بمقاا وسرختي مرض كي انتهاكوسو بخي متني اآغاناً وه مهد كا دن تمقاا و راحض له أسكومسورهام يعبن كئے تتے اور کیفنے تنہ زنگھین کے انتظامین تتھے ارریشخص ایک کامین نگامیوا تھا یہاں تک کو وہرمہوکئی اجانك سي اكم شخص في در دازه نتخانه كالمحت طهنا يا مردكوني موجود نه غفاايك لوندي بتينية بيري اول كم المي العالى رخ روسرخ مو قدا وسرسیا بهیدن کی صورت گھوڑے سے اُتراشخر یا کارگرد آبودہ کہادور ور از را ہ سے سفرت مولاما ا عياوت كوايا سون كنزاك تنبين اندر بوالاني اورد ، كلوار سه كم سامنة كني سولانا سنة أنكو كلولي اليب جوان وكيها كرسفركم آثا رأسكى صويرت سيدظا بريقتها شاره ست يوجها كرثم كون موا وركما ل سيء آنا بوا أسين كما كرين للزان نواج عبيدالدرسنه مون اورحفرت ساميتيماري عيادت كواسط عموا بواورصحت كالنارت وكا ورمین نے مینے کی نماز سمر قبند میں سندت کے ساتھ ٹر نھی ہے اور میات نٹھ کئی ہو کہ مغرب کی نماز اُسی جگہ اداكرون ا درحفرت كی لازمت مين روزه انطار كرون فدمست مولوی نداس سي جور بات شنی ندر آ اشيرمين قوت ادركيفييت معلوم كى بلامد دان يجعبو فيرم تحيير المرأس جمالت سفرائق مرها كرفتوز الشيت بو طاف مين تحماأت أمرك وراكب ساله شرب بالأنكونليا وبالمجر شهست موكرا بركبا اور محمور سد يرايف سوار مبوکر تنز بانکاا در نظرت فائب زوا درحب وه جوان سیا نبی فدمت مولوی سند ملاقات ا دربات حبیت ار با تقا والدہ فرزندان اُس کرہ بین جو اس کرہ سے قریب مقاگفتگوسن رہی تھی سبب وہ جوان ایلاکیا وہ اُنگے اس آئی اور انکو حت اور قوت کے سابھ لینہ بر منہ جایا یا، رشیب کا پیالا انکے سامنے زمین برد کمپیکر سران اور متعجب مبو کی اور*صورت حال بوجهی احقوان ق*عبه س<sup>از این</sup>ا با اورأس دن کی*نماز عبر کی حکوشه مبوکر شریلی و*ر د وتين د ن لعيشحن کامل باکران کارست سه مفادر درس ، بيس پرنگ ايک غرني نه مفرت مکه اصحاب سے جو برات من ربيا عمار قعد محيد، سناك ايك فيس اس أف الأكر فدمت مولوي كينة بين عشرت كركي روق

بلنداو بيبيت كيسائقرزبان مبارك برلك فينا ينيدن لزر كميازان بعدين في وكمها كدوه شروع موسة حيست اور شكر موسك موسيات و مهار الله الساوت كك كريم كذاره بهوي كلي مفرت لي مجيسة كما أهم اوريكل آبين سناحيلى كى اوركناره به الرآما اوريين وكها تتفاكر حفيت كمين مام يكرما قواُسركينا أ سىيەھ ك*ۇشە بورنے چەريان ئىڭ كەيارىدى*ر قدم ركھانىنىڭ ئەزىت سىنىدىيانۇن ككىنا كى سىھ كھايا دىلىھ يى بانس اي<sup>ن وس</sup> سے الگ بو گئے علمامتنی سے ایک مزیر مولانامی بن مولانا میں الدین نام کرمولانا نظام الدین شمسیدے وہ أنكوهي اوررا قمراين حروت مرات مين أنحام ساميا وكعه فيحبى ستفا وه علوم كالمنسه كرما خفا الكيار رمضان كيمسينيه مین بهمار مبوسلخه نتیجه ا د رسیت منعهت مبوگها بتها استدر که در سرسه کی مدد مغرکرد شامنین مبرل سکتے تحده وراولادا د اصحاب و*رشا کردانظ مید* تواریکے تھے اور خبیزاد کمفین کی شاری کررہے سنتے بیان تک لاکیب روز اُنکوننعف . نهابیت در دیریمقاا و رختی مرض کی انتها کو به یوننی پتی اتفا نا و « مهو کا دن تمقاا و رایشند. از کے مسبورهامع مین كي يقته اور ليضيح بنر دكھنين كے انتظام بن تحف اور شخص اكيك كام بن لكا ميوا فقايهان مك كرد و ميرموكني ا جانک کسی ایک شخص نے در دازہ تنخا نہ کا گھٹ کھٹا یا مردکو ئی موجود نہ تھا ایک ونڈی پیشند سے آئی اورایک ان کھتا من روس خو قدا وسيسيا ميون كى صورت كھوڑے سے اُترامتم اِكتركرد آلوده كهادور ور از را ہ سے سغرت موالما ی عیادت کو ایا سرون کنزاسکے میں اندر بوالانی اور دیکھورے کے سامنے کئی مولانا کے انکو کھونی ایک جوان وكيها كرسفرك آثا رأسكى صورت سے ظاہر نقیرا شارہ سے بیرجھا كرتم كون موا وركمان سے آنا ہوا آسنے كها كرين للزان نواج عبيدالدرسند بهون اورحفرت سفر محيتهماري عياوت كواستطيمه يابوا وصحت كالشارت اي ورمین خصیج کی نماز سمرقندمین سفرت سکے ساتھ ٹرسی ہی اور یہ بات متعمد کئی ہوکہ مغریب کی نماز اُ سی جگہ اداكرون ا درحفرت كى لما زمست مين روزه انطار كروين فدست مولوى شرأس سيعجريه باستمنى فدر آ اشيعين قوت ادركيفييت معلوم كى بلاء واستي كمهوسف يرتني سكته ا درأس جران سفرنانحة بثرها كرخوزًا مُترت ع طاف مین تمطأ سے أأركرا وراكب بياله خررت بناكرانكوللا و بالمجر شعست موكر بالبركما اور كھوز سے براينے سوار موکرتنز انکا اور نظرست غانب موا اورجب وه جوان سیایمی غرمت مولوی سه بلاقات اوربات چیت ار با تھا دالدہ فرزندان اُس کرہ مین جو اس کرہ سے قریب متعاکفتگوس*ن ربی تھی سبب وہ ج*ران «لاکسار» انکے اِس آئی اور انکوست اور تورت کے سابھ لیند بریٹ جائے اور شرب کا بیادائے سامنے زمین برو کمعکر مران اور مشعب میو کی ا درصورت مال بوح*ی اعنوان قسیرسپ که شنا یا ادرانس و*ان کی نماز عصر کی مکفرسے مبوکہ شریطی *و*ر د وتنین د ن لبده بحث کا بل یا گرانگار گیرست مهر شداور درس ، دربس بر منهٔ ایک به غریر سفره فریت سندانسی ب سے ج برات بين رسيا عماية قعد يحجيد سناك ايك بنس اس نشأ ان كاكندوست سويري كنفر بين حفرت كريج روزي

د منیوی کے سرانجام مین حضرت کے مشغول رہتیا ہوا وراس عالت کی سی امید کو لی <mark>ا</mark> ا ول مرتبه به فقرخوا 'جرکلان ولد نررگوا حضرت مولا ما سعدالدین فترس سره کے ساتفودلابيت قرشي مين شرف آستا نهابسي حضرت سعيمشرمن ميواا ورحنيدر وز غدمت اور ملأرسي حفرت مین ما خرا اکثرا و قات مجلسون کے درسیان فقر سعے خطاب کرتے کہ توخراسان کیوائیمین جاتا جا كترب ان باب مجيع تشولش دستيمين ا درمين اس خطاب سي شرامًا تصامًا ٱلكرحب خدمت فواج كلان كم خراسان دالس جانے کی اجازت دی محصے جی والدین کی خدست مین والسی جانے کا حکم دیا اور فرایا کہ خواسان حلدجا وكهان باب ترسه محصح تشويش وتيرين ا وربيعن كمرر فرايا تعميل امرح فرست خواجة ساتھ سمر قندسے بخارا کور دانہ ہوا سے خیدروز و ہان تھرے اور فیز حضرت کے حکم کی تعمیل کے لیے خراسان کوروانه مواا درصب والدین کی خدست مین میوننیا حضرت کی وه با پیچکنی مرتبه فرا کی تقبی که فلا خراسان جاكرتيرسان باب مجھے تشويش دستے ہن عرض كى باہم ديکھنے گلے اور بعث روستے اور كماا كسيجا نشان سوكسوا سطے كہم سرناز فرض كے بعد صفرت كى طون ستوج بعوستے تھے اور كرير وزارى كے سامخ بتقط حصرت مطلب كرته لتفاوركت عقراء ذرت فواجه بهارس فرزند كوسمار سه إس صجدواور دوسري مرتبه حفرت سکے صدیمے واحب التعظیم کی نسبت با ندھی بین سفہ والدین سسے بگریہ وزاری التماس کی کریم پیجھیے حفرت سیرطلب کمیزیا درحضرت بیرخیموفر د وحب آستا ندبوسی کا خنرمت حاصل هموا توانس مت مین برگز کهبی وه الفاظ زبان مبارک پیزلائے اورخراسان جانے کا اشا رہ نکیا ۔ متحفرت کے محبان خلص *سے ایک عا*خ نے نقل کی ہوکہ سمر قندمین حار مہینے ایک خلام میرا خائب رہا اورونیاسیے وہی ایک غلام میری تسمیت کا تھا مرقة رك كردنواح مين كوني حكهنس تتى كهار أرمين وبإن نبين كبيا وترستجنبين كي برهندين مي كرانها إمالة حبُكُ مَا يَا مَعَالَبِكِن كُولَى نَشَان أُسكانهين مُنّا نمّعانها بيت حيران اورنا ماپر سبوگها كه وه غلام مبيسه بالخفريّة تقاا ورآسكي بمعيم بهت احتياج بقي اوربريشيان بين بميراكرًا وفعة أكيب صحابين حفرت ا ورموانی کی ایک جماعت کوکی ملازمیت مین تفلیمین نهایت اصطار سکه سائخراً سنگرها او رصفرت کے مگورسے کی آ کے پیری نیاز مندی کے ساتھ وا خدمیرانی اور کھی بات کا اپناء طس کمیلا ورکھا میری شکاح عزت ہی آ سال کرنگے فوال سم گنوار آ دمی بین سم ان با تون کوکسا جانبین وهو مرهنا چاهیج ناکه ده مها وسه اور مین اُنسیطرح انعاح ا در اصرار اورتفرع وزاری کرتا رہاا ورہناست تا جاری سے اپنے غلام کوسفرت سے آنگٹ عثما سوج سے دست دس نعشامی كدا ولهيابرالعد كوترسيطش تصرفات مبوقه مين كوكو يوسيق كى فبردستة بين ملكه خائب كوحاخر كردشته بين سرضية غثر اسن شکو اپنے سے بدیرکرتے تھے لیکین مصارت کے طوٹر سے کی اِگ نہ چیوٹری جیرکہ میں نے مضرت کو از صد جا سے بھا

سَا ياعِفا تُوكُونُ علاج نْدَمُعِيا تِموْ بِي دِيرِسكُونَ كَياعِيرِ فْرِلْيَاسِ كُونُونَ مِين جِرسانَةُ، نَفراتا بِي بِي الاش كُلا مین خه کها بار فاکها برون اور ملاش کی اور محروم میر آیا ذرایا بھر تند ش کر برکه پایوسگذار، اینا ظهر ژاتیز بانکااورن الس كانون كوجلا جون مى كانوك ككارسد مهوي غلام كوركمها كدكارًا إنى سنة بجرك اسنيه سا مفر مكا الخيراك منفكان عجبريب كبرام حبب ميرى نطرسيرتريي بداختيا رين حيلا إكهج غلام انتى مرت توكهان تماوه بولا کہ مین تمصاب گھوست نمکا ہی تھا کا کیکٹ تخص سفے نہیے ہو تا یا اور خوار زیم لیکیا اورکسی کے یا بھے بیٹیدا لاا وراسکی مند مِنْ بِتَا تَفَاتِصْ كُرْ أَجِ أَسِكَ بِمَانَ أَيَا بِمُعَالِّحِتْ لِهَا كَذَا كِي كُرُّ اللَّهِ لِلْأَكْمَا التيار كرون مين مُحرَّالِ ك بانی عبه **ندا** آیا و بعبرا اور دبیب ی**ا نی نکالا اوا** پیشین بهان موجود و کلیها او رنهایت جرت اور دمشت سیرخیب انج مگرج رمامین نمین جانتاکسیصورت خواب مین د کیصابون باسداری بین مین مجیاک ایکنیمرن کوبفرت بین طور من آما بهواس حال کے مشاہرہ سے میراحال متغیر وگیا نی النو بغلام کو آزا دکر دیا اور حفرت کی طرف متوجہ میواالو یعمورت میرسیمپوننے کی حفرت کی خدمت مین موئی اُکرد حفرت بود باسکے کرسلالمین اُنع میرسے اورائکہ دیں کے فنوى دما سفر هي كما بلغه يستانمنوع تنقط اور نظام جرمين شركنيين زارساا و برنيروا ويرنه مين علينه كسكين خدمت مسي عبدالواب شيخ الاسلام عراق كئي ارتعل كرية تقع كدارين حفرت شيخ عبدالسلي كي ملا بيست و بهوي بتعاجر بعبد حفرت مطرا معافیین شینی محبدالکریسی قدس سرد کے کہ معتداسے ۱ زاح سدم ۱۰ ڈریٹ عالمیان علم شریعیت وکافت يقي لك روز حفرت مكدمنا قب اورخصا لل سكرية رشيخ عبدالمعلى مي كيفة لكا فرايا ماجت تعربي اور زنيت کنهین بومین نے حضرت سے بیان بہت صحبت رکھی ہج اور ملاز ست بھی کی ہج اور کھڑے جو سنے اور استدرزه موسیا اورجسن حادات حضربت سكمبان سكيدكروه سزاواراسك عفاكدرسون عفرت كدمها صب يرمينيف أهامته مقرساند حضرت مولان زا ده فركتي سينقل كي جوفدست مولانا نظام الدين عليه الرائد كمريد يقيدا وز ندت ولاناكي دعا کے بعداعنون سفرحضربت کی مہبت ملازمات کی ہوگہ ایمنون نے فرایا کہ اکمیے ن حضرت کے ساتھوسی ایک موضع سبیدد وسرسیر، ضع مین جاتا کتا اتفاق سے جائرے کی فصل متی اورون بہت ہے جمعوا متابت اندین سعر کی ناز پڑھی اور بائک شام موجلی تھی اور دیہ سین زبر دی آگئی نئی اورامبھی ننزلی ووشرے را مہرا ور السصحابين كوكى إها درآرا متكاءنه تنا بجهاخطره واكه بوقت مبوكيا ادراء خوفناك ادربيوامه وادرسية بعيدة وإسباكيا بيوًا يرة خرسة تنز ككورس كوملات تتع حبب بهدت ينطرد دواره آيا اورغلب كسا كهاشنري فراياست وروا درترود كروا ورتز وبوكس بوكاكن إوراآن بء دب بنوكا كنذل تعصروكوسم موخيتك ميزدايا اور محمور المدينا كيد والوسيت تيزيانكا اور مم يعي صفرت كي يحيية تنه بالمقرية اور بروم أفتاب كوم يمينيا مقااورىيمىعلى مونا بقاكداليسائى أفتاب افق كاكاره تشرابهوا بخسيلج كاغ دبينين كادر اعطمشة ہوگر یا آسے کسی نے سیخے سے ظرو یا ہو بیان تک کاس کانون کی جار دلیاری کے قرب ہم ہو ہے اُس وقت دفع آفتاب الیسا غائب ہوا کہ کو کی نشان سرخی اور سفہ بری سفن کے بوغ و ب کے مجد معوتی ہو باتی زہے اور جا کیسارگی تا ریک ہوگیا اسقد رکہ زبگ اور شکل نہیں و کھائی وہتی تھی چرت اور موست مجد غالب آئی اور محقق بن ہوا کہ وہ تصرف مفاکہ حضرت نے دکھلایا آخر چین بیطاقت ہوگیا گھڑ ااٹھا یا اور حضرت کے نزویک جلایا اور کھا کہ سرے خواج سبتہ فتد فرائے کہ یہ کیا اسرار بحقاج ہیں نے دکھیا فرایا کہ پر طلقت کے شعیدون سے ہی ۔ قصم اس کو اج سبتہ فتد فرائے کہ یہ کیا اسرار بحقاج ہیں نے دکھیا فرایا کہ پر طلقت کے شعیدون سے ہی ۔ قصم اس کو اج سبتہ فتا ور اور مرفقا مات کے ذکر ہیں کہ او لا داور اصحاب کا مل فیصفہ سیر مشاہرہ کیے تھے اور اس کیے اور سرفقال کے بہان میس بھو ٹر اسااموال نقل کرنے والے کا

مفرت فواجه كلأن بومشه ورفواجكان فواجه حمة السدمين فرزندا ول حضرت كم تقدد ورانواع علوم ظاهري باطنتي دِ انشمندا وببخر تقرار علوم عقلی فقلی مین در خبر کما ل انکوها او علوم کیا جسنت کے حقالی کے اندرا بسیم ایکنیک ا *ورتیز نظر تحصاکہ کوئی و قیقہ اُنکی نظرح*تیقت ہیں ہرپوشیرہ نربتها بھا ادرعلا وہ تبحر *علوم ظاہری کے حضرت کی نسب*ت باطنى سيربست بهروامنديق اور بعض مخروم جربيت أكى لما زست مين رسيم تصرفات اور فوارق مادات المنك سي حكايت كرتے تقے حضرت فواجه كلان كى بہت تعظيم ور قو قركرتے تقے اُس سے زیادہ كه باب ببتون کی کرنے ہیں ایک دن محافجو احکفشیر میں مشام ہ مہوا کہ حفرت احاطہ مکایان کے حجرہ میں تنقے وویٹے مُشمی شیعر شكركا باندسع بتركطت بتثيير تخفه اور لعيضه خاص اصحاب اورخدا م ملازمت بين تنقع دفقة كوي خرلا ما كوفترمت خواد کلان آندین اور وه ان دنون ورسین خاصه موضع مین شقه اور و شهر دور متعاا ورووتین میبنے مین ایکیا رحضرت کی لا زست مین آیا کرنے تھے اُس کعینہ دعنا دسکے فدست خاج محدیمی عیور تر بها کی کے درمیان تھاجب حضرت نے سُناکٹوا جرکلان آستے ہیں صفرا یا گھمری اوروزنی ا درموزی مریداد ترد و بیشرمهارک سے أنارا اور گیری با ندهی اورموزی محالے اور مرزی بینی اوراً تلت اور حنید قدم نواج کلان کے استقبال کو کئے پیرنوا جرکو حجرہ مین لائے مسنے پاس سب اصحاب سے بالانر يجلايا وراكب كروه علما اورسوالي سمرفت ركيجي فواج سك سميراه آسته بعداسك كدفعوري ويرسكوت كيا حضرت في خواج كلان سيم كها من كهوا ورف مكره دوخواج كلان من تواضع كي ا ورحفرت من تعقيم ا منهای اور کوری و را کب آیت بین گفتگونروع کی اور خواجه کالان نفراس آیت بین بهت سے ا**قوال مل**م كابرا ورحقائن ابل اطن كربيان كيفانيب والشمذرها خركسك استحف را وتبحر سيمتحر ببوك بعدازان خواطيام لا في اور حب فان موسة ايك لحظه لعد فواج أكم كور عدد ويصرت في حيد فا ويصرت في ويدور

میرنجدیگے اور**موز کے آبار سے اور دوسیٹہ یا نہ** عالیک روز حنست کی شرستے خوا جبر کلان کی سیر ش کی عزیمیت سے وسین كى طر**ف** تشكيم اورفقيرميدل اكسيلاتيجينية سنة ، وله نه هوا اورياسته بعبولا اورسرگردا ني أينها في اورئس رات بيهته بن ب<del>راويخ</del> ون **وس**ین مهونجاحضرت د و میرسنگازگن کوتشریف کیگیزیشند کسکین و لمان نوا مبرکلان کی شریف ملاز . یت ماسل مبو تی وراً مختون في اس مصيبتية ( \* را فيتيز الأورب نا مقا او اواله عليه الرحمه كي عنبر تصنيفات كيوني هوب فيفركو ہجانا بہت مد بانی کی اور والد کا حال کو ' ٹیز رہے اور قرط پامین نے سنا ہو کو *انگورو خطا کی تا شیر* ہے "دخوار ماما یا خان*س ا در وقا کوی لفیدیا در حتما فق تا د*یل مین بین بین اور - به عدیل بین به باندین موبه نیزگیین تغیر با آرای آ بروژ و سلاماً علی مرا بهیم مین باین شور نم که یا درانه وال کلم ایرطامه و بالمن میمیمهت بیان بریم و و حکمه امرقی بل كروه كيتيبين مرا ونا رسيماتية بإف ب مروكها ويجه بهنزه تعندا مونا أسكه ما مرعنتسكا يوا سكوروكما الأ نیزمقدمات معقوله کمدارسے تا بہت کا یک سیک نیدی کنی کہ بودیت کی اسپیت کوحایش، موئی *ا ورسیا*ل معنی کے اثنامین استفدیر نیان بقیق استان کی استقیار کے بیان کے ک*راگرکوئی اسکوئی یا تواسکالک* رسالهن جانا بعدازان ففيركه تدبين نشانه بززاينه بإس ركها اورسونية سيمه وقت يحسواا كهلا تنجوثرا اورب شبائره زى بن سد ، ظار د ما النه النه كارته بقد اورهنا يات فراستداه رخالات مين حضرت كے آدا ليو لازست كے شرابط كى اشارت كرية اوراس آروء عالى كے طابقيہ كے وقائت سے بست كلته بارك بيان فراتية تين روزاجد ففيركو فيعدت كيا ورسوا معلة فما حركفشيين والس مبجديا اورب واجرشاه يخبث فالناسك · طهورا وسيتيلاي از مك مين همرقينه سيه اندوان كمبطرت بهاك هيئة وروبان انتقال كما بميزا كودا نب المكندسة لا كے اور صفرت شینے الو مكر قفال شاشى قديس مروك مزار فالف الانوار مين نزد كيس قبر فيد ست مولانا نظام الدین شاموش کے دفن کیا سفدست نوا ب<sup>ر</sup> کلان فرانے تھے کہ ترمی<sup>ع ا</sup>حوال بین حب کہ مفرست ناشکنڈمین رسیتے تھے اکیبار ہوئی نے غوامش کی کہ فراست دارخ میفیمسائی ب*ا کی عیا دت کرین م*فریت سنے فرما یا که عیا وت حفر و زندمین اور منتع کها زان بعد فرکت بیلے گئے مومعنی نے حفرت کے جانے کے بعد و وتین روز كذرسه كدأس ضعيفه كي عياوت كاقصدكيا اورانيدول مين كها أحفزت فركت سنكي مهن ايميه لوظ كوسمار ا الميسى كرّا وان ا درصائرحم بجا له دُن حبب قدم كويسے با برر كما بي حفرت كو دكم چاكەسوار لما برببوساله ا ورذيا ياك عیا وت کوم**اً بی موا** نشی میودتم نمین 'درتین که تم مین سمایه جوما ازگی اوتیکوهیا دت کرنا نیریمگا ده والیس اکمین عب گرین با نوکن رکھا بهار موکنین - اور نتب نوق کے سبد لیبنتر براین میٰدروز بعد صفرت فرکت سے والس سیو<sup>ا</sup> ويؤلي كى عيا دت كو آسدًا ورفريا يا كوكسواسيط جايت ببهاركو يوخين اور بهار بهي ساور بيهي خدمرت خواد كلا نے فرط یا کو کھی میری زنان عارفد سے تعین اور حضرت کے النفات کے باعث درجات بند کر می بخیر یا مجی کمجی

رت سنفلین کتین او کهتین که حفرت جوانی کے ایام مین تاشکندمین۔ سی بارگزست با ہر عبائے اور بھیراند رائے اور سر بار کر گزین تا تے بطراق خلع ولیس کے ووسری صورت میں خلا**بر میوت آ** بالغرض «س ماراً تنه سرما رو ومسری صورت مین موتے دیا بند او ٹرسے شیے ترم سے مبکیا نرکی تکل کا دھو کا کھا کرفر اوکرتے ا و رحفرت است ورن کاملے کرکے مسکرا شیرا درا سیاستینین د وربیونا اور چصفت خلع اورلیس کی حفرسے اكثرة بذك حالت مين وكميزيرتى اور مفرت كرمنها أن وليس كارجو كحرص مخدومي مولانا فورالدين عباري عامى تدس السرم السائى ك فعات الانس بن الهايج كرينا بدارشا ومآب فواجه ما مرالدين خواج ببياسية ا دام السدتها لى ظلال ارشادة يى مفارق الطالبيين فرايا كرحب مين حفرت مولا ناميقوب حرض كي صبت بين میونیا آب کے حیرہ مبارک برہم وری سفیدی تی مشاراسکے جرموصب نفرت طبیعت م**بوتی ہواورمیرے ساتھ** لباس سیاست ا در بخت کلامی مین ظاهر بورسه وراسقد سختی کی ا ورورشت که که قرسب تحفاکه میانان أنسه نقطع ببوجاء اور مجته ماس تام حاصل مبوسي بهت عُمكين مبوا دومرنين بارجوآب كم محلس شرون مين علي ميرسدا ويراكي بحبوب كى سورت ظالرمواني كهركزك يكواليا محبوب ندكيها تقا ا ورميرسه سابح بهر لطف كيا وراسوقت كرحفرت فواح بين فريات تقواس فقركي نظريين بعبورت أس عزرت كالمجيج بط أرادت اورمحست تمام كأاسك سائخ بحفاا وريفور اعرصه بيوائفا كدوه دنياس محف تقاور في اممال أعلى يتكا فلع كما مجعے وه تصور مواكرت ايدوه صورت ہي ريرسے خيال مين رہي ہوب دازان ليفے م اميرون سے مين شناكهٔ استنه ومبی مشاهره كمیا تحفا دوراس فقیر كاعقبیده به م كه وه خلع اولیس *اینچه شعورا و اختیار مین مخصااورا ثبا* اصم مبنی کا که خدمت مولانا بیقوب حرخی سے نقل کیا اقم اپنجوت نے خدمت مولانا ماجی مزاری اور حافظ ال روجي سيه كددونون اصحاب صفرت مولاناسعدالدين قدس روسه تقصناً كدكه بم أس روز بمراه حفرت مولانا بور الدين عبدالرحمن جامى سيكه يقط وه خليع اورلبس حفرت سنة مشا مره كما كدبصور**ن حفرت مولانا**سطك قدس سره کے سکتے تھے اور مصورت ہرات میں برایب جوے الخبل مینرل سیرفناسلطان ابیسعید میرزا کے زمانهین داقع مبوئی حتی ضدست نواحه کلان علیه الرحمة فراتے تھے گئیں آدیخ مین ک*چھیت نے مینوزمیزلاسل*طا ا بویسنید کی الماس سے ماشکہ ترسے سمرقن کوکوج منین کیاعقا ایک شخص حفرت کے خدا مرسے سمر جآنا تتفاه خربته في أس سيركها كدولان سيرسهار في واسط حيند قوتي فيفيرتهان فانص شهد كي ليتيانا أسنے سمر فندمین مرتبان لاش کرکے شہدیسے بھرے اور اُسٹکے بنے مبد کرسے مہرکرسے اُ تھا یا ورحانا اتفاقاً مرفند کیے ازار مین ایک کام کے سلیے تقومری ویراکی بزازگی دکان میٹیجیا اور مرتبا نون کواسنے آسکے رطعا اجانک ایک<sub>ه ما</sub>خونصبورت عورت مسست جرنزازگی آشناعتی و بان ترانی ا ورد کا ن **که کن**ار هم جمینی

احشرت فواجم محدست مخرحمه ليد

ل محبت مولانا مین این ففی ا درانکا اثبات کیا جر کیچوشیسے دیکھیا ہر وہ آپ سے دیکھیا ہر خدیست خواج بعدازو فات حفرت کے حفرت سکے مزار فائنس الا نوار پر بجالتی خواجگان قدس المہدار واحم کے بڑی شنولی ر مکفتے تھے اور غاطرنترلعیهٔ نسبهت همبعیت بران عزیزون کی جماتے تص*ے اور کئی سال اُنتکا وظی*فید پیرتم*عاکیجب عشاکی نماز جمیاعت* سے اوا کرتے ٹیکا کم باتنی حیم گزوالا کمر میضبوط باندھ لیتے اور قبرسبارک حضرت کے مقابل ووزانو مرا تعبیب مبتیجها استداسط حركه بالتحم بإنوك أنك حركات ففول سي محفوظ رسية اور نمناز تني كسوا منين أتحق الجرم اسم السنكة أمارنسبت سيصحبت مين وسي مبعيت حفرت كي لاتة عقداورمبت الثرفتول كرنة ساكيت عص ابل خراسا أيس جرغا نوا دیم خواجگان قدس المدارواحهم سیم ارادت اوراخلاص تمام رکھت تھا حفرت کی و**فات کے ب**یمیوتٹ اگیاتھا دہ کہتا تھاکہ محلہ خوا حکفشیرین مضرت کے مزار رخوا وہجریجیٰ کی مازست میں جایا کرا اور آنکی سحبت سية حف وريمام بإيّا ايك وأنكى وُيؤرهمي بين كما إوراب حرم سرامين تقط والان من وكاسنير ريبطيعا اورا مكا انتظام كرريإ بتفااس إثنامين متيع ميرخطره مبواكه حفرت كعجابهج بمستنعدون سكر بإطن مين تصرف كميا كرنة عظا وكزلكوعا بنجودى اورسابىشغورى مىين مهيوسنيا دستير يخته أيا خدست خوا حبكو تصرب نهين ياكو ئى قابل ينهين كواسكي مبعيت خاطرمعدوف كؤين اسى اندلشيه مين تقا اوراس خطره نے سير سے اوسرغلبه كيا اجا نگ خواجه با برآئے اور ديركے یاس بنی<u>هٔ اور تعویری ذیر سکوت کیا بعدازان فرنا یا گابل تصرف انواع ا</u>قسام سکے بین بعضا دون اور مختار بین که عن سبحاند که اون اور اینچه اختیار سیم حبه وقت جامبی جیکے باطن میں چا ہیں تصرف کرین اور فنااور بغيودي كرمقام بن بهونيادين ليضراس قبيل سيربين كهاوجود قدت تصرف كمرسوا امزيبي كم تصرت بنين كم اور مب تک بنشگاه سه امور نبون کسی کی طرف ترویزنین کرتی اور نیبانی ایسیسین که می کهی ایک صفت اورا حالت ٱنپرنبالپ میرو تی ہوکی آس حال کے علبہ میں حبسوقت مغلوب میون مرمیون سکے باطن میں تصرف کرتے ہیں البين مال معيم أنير الثرة المائة بين ليب حوفت كم نه زن الريم الما دون اورنه الموراور من معلوب أس سيحشم تعرف اوراً سكى اميد نر كمنى على بسيه اوراس كيفه مين الساالتفات كيا المجيل يبيت حالسل مو تى كه مين خود مهوكميا البوتركزيل اوران اورغیرت غافل موگیاا در مینجودی مبت دیز که برسی حبب افاقد سمجے مبوا اوراً مکھ کھولی د کھے اکداس کا تخ يرامك ميلوسه لؤنا مؤامون اورخدست فواحترائك يبندك مراقبين مبتيط مين في الحال مين أعظر مثيما اوسفيع ليتين مبوكها كرخدمت فواح ماصتبيم ونبين خدمت فواجهبت غيورا ورتندخ مطفط ورنها ميت محبت سع حضرت برىغيرت ركلت بقط حبركيمي حفرت كي كلبس مين آشاً اصحاب أيح فوف سيصحبت كوجيور واست كسواسط كه لیفندنگ خواج سے صدمہ آتھا حکے تھے اورخوا جہین باراصحاب کی غیرت سے صفرت کی صحبت اور کماڑ ترک کوکا و پیلس کوهیو استفرمجاز کوسیل گریهلی د فعربی ایک ادرد وسری دفد مرات ک اورسیسری مغوری

پرلسکن سربارگه نواصنه سفراختیار کها حضرت سنه قوت جا ذیبه اور توجه باطن سکے ساتھ خواجه کورا وسی سے وکس ا ل**یا ایک روز خواجہ نے ترشی مین نماز طہر کے بعد صفرت کے** ساتھ خلوت کی آورا نی*ے احوال باطن کوع ض*کیا ورحفرت فے مهربا بنیان فرمائین اور محبت بهت گرم رہی اور اسحاب اِسپریشنے بیان *تک که عفر کاوقت* أكسا الإزمير وون كواس صحيت اورخلوت كي خرزتني اول متا ذان يدي وجفت ومنو كم ليركش اور بيف قن فرتاً مِوسَے ا دھو رسے مشکیے اورخواو کو پرگمالت مہو کہ نتا پڑھی ب نے غیرت ا وررشک کرسے مو ڈن کوقعہ دا مرمس راكحه كه علمه نترا ذ ان كه رسها وترسيست برسم كريث نهاميت غيظ او يغضب سنه بابرآسهٔ اورا صحاب سنه كها كراب مین ملااور ففرت کوتمهار، واستطر جیورا آگرمیری فراحمت انجه فرا نست سیسمیت رکھواوراً سی لخطه مرون ا کے کرحفرت سے رخصیت سفر کی مانسل کرین سوار مہوکر سفر حاز کے ارادہ برخرا سان کی طرف علے حیائیٰ، ت عصد بعد أوكرون اورائيج تعلقون نے واقعت مہوكرا و بنٹ او بنجيرا ورا سباب سفرمرتب كركے طاری سي يجير يجيع للكرُ اورورياست آمويه سك كناره فعصبت خواجه سي مطرحبب خواج قرشي سيصبح كوروا نه بوسئ أحنى بين مثور وغوغا ميزا وروه قصه حضرت سيء بن كياد رحفرت خواج سكم جانف منهم ميط ورايك قاصد نوراً خواسان كوهفرت موزومي مولانا نورالدين عبرا لزمن مامي قدس البدسه والس سر يسس بمياك اگر مهوسك توخوا جه كو دانس ميوبرين او رحبب خواجه برات مين آف مزارحفرت سولان *عدالدین قدس مره برخوا در ابوا لرکه سکنگوأ ترسه اور نف*ه به می مقدما سهٔ ابس *جرنه کومن عبارت اور* لطف استعارت سے درمیایین لاکے اور خواج نے اوب اور توانغیج کی را ہ سے کہا کہ اس سفر کی غرمیت السيئ فاطان تقريبوني سوكه أسيط و فع كهية يريقا درينين مبون مينتشت نحدومي نه كانجيم نكهاا ورحفرت كأفاق ا پوس بحوگها اورغواجه ایک مبیفته بعدجانب شهرنز وستوجه مولے حبب نرویین بهیو نیخے سرد فعہ جو دیال سے مانه کا قصد کرتے تھے انگوتپ عرت آ جاتی ادر حب ارا وہ ضنح کردیتے فور ایٹ وور مہوجاتی آخر کوجا ناکم حفرت منين عمير تي ما آنگر جن ايام مين كريم قام بزوآئه ايك شهب نواب، و كها حب بيدار موسال اسي ت ه اندر شرید اضطراب سے بنجے وقب شرستے انٹھ کھرچہ امپینگر طویلی میں گئے اور ناصہ گھڑ ریسے کی ننگی مثبر مریسوا رہولتے وزه سینا ورزین کمینینے کی مهلت ندی اور حاک تبدیث کے اسے کئے خراجہ نے فرا یا کیموزہ اور کھور النا پا میرے بچھیے سل آؤ کہ حضرت نے بچھے بلایا ہجا ور دیر کرنے کی حیال منین ہج بھے بچھوٹرسے سیازین کو اٹرلگائی اورببت مبلد فزاسان کیطرف متوجه موت اور نوکرهاکرون نیدشری مبلدی اور <u>نیم</u>رتی سیسے اسباب او رسال دوسرى منزل برخاج كه ياس بهوي ياجب سرات بهويخ شعرف كى مجال ناتقي رأ قم ا ينووف عبى آب كى رفاقت اورهانصت مين سمرقندكوكيا اوروه سفرتروع اهديع الاخرستك أرثه سوترا نوسدين تعااك

با وجو مکیاس فقیرکے باس کھوٹرا اور سانڈنی را ہوار زور آور کتی جسل دختران سے آگے ہمراہی نگر سکااس صت سيركذوا حبنهايت تيزجات تصاور كموراآب سدمهت تحكاجاتا تحا باربادل من آتا مقا كرخواجه كي خدمت مین عونش کرون که ده ارا ده سفر حجاز کا که یا مقدا وربیم احبت عابدی کمیا سی محفیالا**ب کا** محافظ رکھتا تھا تا وه خود الهاركرين حبب حيل دختران مين بهيوني مبواته فرايا فلانے مين مبت تيرما با مبون اور توميري ممرايي سے تشویش میں ٹریما سی جا ہیں کہ تو سیرے نوکرون کے ساتھ جوا دنٹ والے ہین فراعث سے آئے ماکہ سمقند مین تمسید طرا در شاید تیری خاطرمین گذرسه کدوه غرمیت مصرحاز کی کسائھی اوربید راحبت جلدی سے کمیاج حال بيه بوكه امكيب شبب نيرد كم مقام مين سفرحاز كاعزم جزم كميا خوابين نے دكھيا كەجھىرت آئے اورميرى كغنش مرقن كميل بعيردى حبب بين جا گاقلق اوراضطراب اورشوق اورُجذب هضرت كبيلوث اسنِير باطن مين يا يا حينته مجھ مبتياس ادرید آرام کردیا و رفتهرنے کی طاقت نرسی اُسی آدهی رات کے وقت حکیسے آجیلاا و رعبالبین طویلیسی کسالکا ننگى ئىچى كىچەرلىسى يېرىسوارىىجاا ورد دۇرىقە بېوسۇمبىياكەتو دىكىقابېردانە مېواھىفىرت كى التفات نے جذب كى كمىنە میری گردن جان مین والی اورکشان کشان اینی طرف دوار اقدین اولقین بوکه حب کس حضرت کی خدمیتان زمهونچون ی*قلق اورا فن*طرات کمین نه پائنگا *یر کمکر گھوٹرے کو کوٹرا بارا اور بہ جا وہ جاچلدیسی* (ورفظیر *طلز ا*لیا ساربانان كى عباعت سنعتيس روز بورسم قندسن ماخرخدمست ببوا خدمست فواجه فرماسته محقے كه نردسته عيم كم بیندع صدبعد به دبیردارا دیسفرمیاز کامیرسد دل مین آیا اور شرحتاگیا سولانا سیوسن کی خدست سے توسل میا با که میرے بیرخصیت حاصل کرین خدیست مولانانے فرصت کے دقت مال عض کیا حفرت نے اوجھا کہ اس مفت غرص كيا بومولانا في مجيسه لوجها بين سفه كما ميري باعث به عديث بوكه خرت بني صلى لدعليه وسلم في فرا يا ببوك ن زارنی متیا فکا نمازارنی حیاً حضرت نے فرما پاکسمبین تدین دن کی مسلت جواب سکے لیے دو ٹاکرمین وکھیون مصلحت كبابهي تميسري شب مين في أب مين وكميا كه حفرت بني صله الدعليه وسلخطام موسفَعين فيصفرت کے قدم مین سرر کھا فرہ یا اپنے باب کو کلاکہ صحبت کھیں میں دوٹر اور صفرت کوخردی جلدی سے آسکے اور حضر نعلی يسلط المديعليد وسلم نداتكو دابهنى طيف استيطجعلا بإ اورمين ساسف آنك ينجيعا ا درسراً سنح تحيكاليا اورانكح منبركر لحاكم لخط بدر مراخها يا اور نظر كي حضرت بني صلے المده عليه دسلم كو دوتن دكھا اور حضرت نتھے سرحبّد غورسے دكھا آنحضرت اور ا تنكه درمیان كسی طرح التیار نهوسكا اورمعلوم نهواكه آنده رت كون بین ا وربیكون بین اسی حیرت اوردسیشت مین جاگ انتهامبنه کا دقت تهاانسیوقت وضوکیا اورصفرت کی ملازمیت مین آیا دیکھاکہ تعبد کی نماز شریعکر مراقب مين بيهي بين بسنة أبستدين كليا اور بين الرسارك أتفايا ادر فرايا كرفواج غرض تحعارى عاصل مع في اورا بني مراء إلكة عيربين تشويش ندويم بورس بوسة اورديدافسيت يدين في مراسك مريكااة

بار ويكرا فيصارا وس باطن مين ندلايا - فواجه فرمات يخفي كره خرت في مجتمع الريق را بطه كا اشاره كيا مقا ايك شغل سے آغاز مین حفرت سکے سامنے مین مالیا ہوا مقاا ورانسجاب کی ایک جاعت حافر متی میری نیاط مین آبا کہ توجد وب مبارک پرحفرت کے کرنی باہیے یا مفرت کی شیم برجب حفرت کی جانب نظر کی انگفت شاوت رہا د دا برورسیارک <sub>این</sub>ے کے رکھی معلوم مواکر نظرآب کے د «ابر دسکے درسیان کرنی جاہیے بعداسکے که انسحاب میلے گئے اور نبلوت مبونی اُسی طبع حراحت کی اور یمعبی خواجه فرماتے <u>تھے کدا کمی</u>ارمیرے باطن مین تشولش بھی خاطرمین نهايت يرلنيان حفرت سكياس مين آيا و را يك مها عت كارنده حساب پيش كررسي مقى ا ور و بكي گفتگوكو طول موا مین مهت ملول و رشگدل موا نا گا ه جلیته ایک د رخت تر بیون کا مجت را موا در کونی اس فرخت تر محتیک اورسب حرّمان أرين اوريهاك حامين مجيد أكب بنيت مبدل كرميا بإملن بأكل بجوم خواطرك سبب مجعد جريشيا بتنی نهاصی اوراطهینان دلی حاصل مبوا اس حال مین مفرت کیفرت مین سند کمیما که خشیم سیارک معفر*ت کی مشی* ا وسرسوا ورتیز تنزیجه و و کھے رہیے مین لیس آہست ایسا کسین نے ہی سنا فقط فرمایا کہ سیری اور میکھی ہو دیدہ المیکار اق یے کیا انٹوکا اس سے مجھے کام ہو سب آ دی سلے گئے حضرت میرے ادبر تزیوے اور فرایا اس وہ سے کہ سکے باطن مين كوكى تشونش مبواسكى خاطبهم النيخ فاروبار كونسين فيومر سكة اس قسم كى ميزين خاطرمين ندلاني وإيمين مبا داکوئی محل السیامبوکدویان مدری لیسری کی سمائی نتوسی ایمین کرنی چاہتے کاکوئی ان چزون سکے و تکھیے سے لگا نهواو رفكيتين نرهيسه يعفرت نيخلوت بين نواجم يمدنيكي عليه الهمد يصحفرت الام عام سعياشه بيدا بي عبوالعد لمسين زنبی الدر عنه کامیت کیے ذکر کمیا اور آن مضرت سے حکا بیتن اوراحوال ساین کیے اور فرایا کہتری استعدا د کوخص المم كى روحانيت سے مناسبت تام سى اورائخفرت كے شرب سے نبت مصر بجنے الكا سنعوت كى وفات بدميب شاه نبت خان ولايت سمرقته مرتشه لط ميوا شروع ما ومحرم لنت في أوسو حيويين خدست نواجهت مواخذه د ورمطالیه *کیا اورتما مه وجه و و موال واسیاب و ا* لماک آپ کی مشیط کرلی خدمت خواحه آن او قات مین فرایآگ<sup>ی</sup> کر پیجه امید سچکدان ا<sup>را</sup>یع عاشورا بین اُس مشامسیست کا اثر که صفرت سنے بار ب<sub>ا</sub> پیچنے اُسکی نشیاریت دی نتمی ظاهر مهوأك وتون مين خان في الكواجادت سفرخراسان كى دى اورآب مع اولاد وازواج اورتمام ه شامّان و ملازمان کے خواسان کیطری رواز مبر کے اُسوقت میں ایک طبری حیاعت نے ا داسندا ذیکیت ابنی ماقص راسه سے خوا جه ادراکلی! د لا و کاخراسان مین به پوخیا احی*عا ندجا ما خان سے عوش کسیا کہ خوا جہا ور*کتا کی اه لا د کا خراسان روانه که پاستامسینهین میادا دیان کولی فتنه بریا گرین **صلاح ملک اسین سم ماست**هین که يهين وقل كي حائين خال في يدام تورزنكيا دراس مات ير المنكوندلايا وراعنون مفرجه يست زاده مبالضكيا اوربنهابيت درجه دعراركميا جيامخه خان وبرموا اوركها حبمين صلاح لمكب دوين كي مومه كرو اوتفج

بمرازموم کو دیاا وراً سے خواجہ کے باس بہت حلدی کے الكب كروه امرائحها راتصدر طحته بين اورمهار سير وسكنه سينسن بازر سيته اكب راموار كلورا وطهم بھیجے مین کرمین اُسپربورا بحروسا ہوا ورایک شب میں تنیس فرسگہ۔ مینے نوف میل مان ہم اور کا ن مین بیونی چاسیے که فور ا آنیے لوگون مین سے علی د میوا وراکیلے سوار میوکر خراسان کوروانہ موا ک اولاد وازولج اوتبعلقین کمیون سے خاطر جمع رکھو کہ ہم اُنکے حامی اور مرد گارین اورا بساسم نمو سنے دسنیکے کرفتھ ا ياا بإنت أنكوبه وسنج حبب بموم خان كأكحور اخوا وكبي مت بن بهويجا ازائجا كوغيرت اوجيبت آب كي عتى اولادم ازواج اوتبعلقين كاتنها عيورنا جأئز نركا فان كموم سع كها كرحضت في محفي فلوت مين ميشدوشارت دی اور انشاره کیا اور جھے انتظار ہجا وراسید ہو کہ جرمیری جزیری میرے سائنے آوسے سفان سے کمدوکھیے سان دکرم کیا المدتمکوحزاسے خیر دسیے اور کھوٹرا خان کو اکٹیا بھیردیا اور راہ کرمینیہ سے خراسان کومتو دہتے بیانتک آباننگذیهوینچایون کیتانگین مل سمرقندسے دور سی راسته مین تعجب اور تخرکی راه سے فراقے تھے کہ مجھے عز برسين عاتنا مون كرحفرت كي اشارت اورابشارت من اورصادق موكى اوركولي نشان أسكا ظهوين زآيا ويجهي آمين كيامكهت بوحثة كوقصه كرات بين كدمقاات الثكنديسة بومبو يخيربن اوروه دن سال مذكور سے بحرم کا بیندر حوان ہر اما تک ایک براغول قوم اذکیب کا تین شوسکے قریب سوار خواج سکے بیجیے ساکس کا این بهويخ اورغواج كومع ووفرز زنربركوارغوا جمحدز كرطا ورخوا جعبدالباقي كمدبرج بشهادت بهويخا ياا ورتمالم الم مِتْعِلقین ک**وسمرقند مین والیس لائے اورا کی**۔جہاعت معیان ومخلصنا*ن خواجہا ورایکی اولا*د کی نعشون کوخل فواج كفنتيين لاسدكا ورأس روزهم قندمين كثرت ازدما مرفواص وعوام سيصرفواجرا ورأئلي اولادكي نمازخه كے ليے اكب قياست فائم موكئى اور خبازه كى نماز كے بعد صد مسارك خواج اور انكى اولاد كا احاط لمايان مين حضرت كي قربسك ياس دفن كميارهم والدرجميَّة واسعةُ مخفي نرب كه حفرت نواج بعدازوفات والدخفرّ خراجه كلان كى اكب برود شين بى بى كورشانته دارون سے اپنے حبا لائكا حسين لائے بين اورضامت خواج محيجيا أس سے بدا بہوئے اور خدست خواج کوشا وی بعدی تعالی نے تین سپراور دو وختر کواست فرائی سیان غوابيمى ذكريا اورغوا جيسه إلساقي اورغوا حبمه امين روح العداروا حهم-مولانا سيؤسن نصدا لعد تعاسط فشرت كے اصماب اعظم سے تھے اور سابقان وبلازان تديم سے بعض مخدوم نے آئلی نسبت كه سوكر آغازمال مين حب كروندست مولانا كرسن تقروالد أنكونا شكندين كلب حفرت مين لاك اتفاقاً معرت كم سكة شهدكا برتن بعدا ركمه امقا مفرست مولانا أس شهدكى طرب متوجه اورفريفيذ آسك موسق اس ورمسا لكين مفرت غرانا يديه عياكها حب زا ده تيراكيانام بوسولانا في كما كصل صفرت مسكرا في اورفراليك اس

عسل کے سواڑیان پڑوین لاتا اگر اُسکے کا مرمان کوانسی چنرسے جوشہ پرسے زیاوہ مشہوری مہو جانشنگ گر حزهِ المسكى توجها ورفرنغنيكى أسكے سائقرنها بيت فوى مبوكى سي فعدست مولانا كواسكے والدست ليكراپني كنا با مین لائے اور کمتب مین جیا کہ قرآن اور سواد اُسکاروان کیا ہی بعدازان میں علوم مین حضرت کے امریتینو بیویے بیچے کہ دانشمنہ تبیح میروکے اوراُ س عرب میں <sup>دی</sup>رت کے تصرفات باطن سے تربیتین یا بُی من کہ مرتبہ کمال لگر پا*ماکهال کوسید نیخیبین نعیف. نیررگو* ن سیمه سنامبر که فعدست مولانا سیرسن ستعد و ن *سک* تعمر ف قوت کامل رکھتے ہتے لیکن حفرت، کی رعایت ادب ہے کسی سکہ باطن میں تعر*ف بنیین کرستے اور اپنے تنگیائیں* مقام من نهین رکھتے تعیفے عزیزون نے نقل کی میرکردنپے روز خدست مولاناسپرحسن احاطہ ملایان میں ہیا ہ نے اُس درمیان موانانا قاسم سے پوجیجا ہو کہ ولانا سیڈسن کی عیاد ت تھنے کی ہو فرما یا ہوگ مین صفرت سفرتر مهوکرکها مترز گسیرکهایگهان کرتے معو والی تربیعا را کدان هرأس سنه بر تربیخ چکوایمولانا قاهم توم به تبوزيجا س سال أسكى لازمت لرني عاسبته لعيض عزنيه ون سندمس كدياله اكسه روز و فه بت سقه مولاناستين كيون مين ريعبارت فرائي بوكومولاناسيرس كمالات من ينتخ ركن الدين نهار والدوله قدس سره سنه كوركم زميقا اك دونون مين قرق السيقدر عقا كه شيخ ركن الدين علام الدوله شيخ مبوسة لين مسند في نيست اورارشا در يشي مون نهسیجسن شنح نهوئے۔ حضرت فرائے تھے کہوں نہ کن الدین نوا فی علیا لرہمۃ کھتے تھے کہ مرابت شنج مها رالہ عمرا وربتهایت شیخ رکن الدمین علاء الدوله کی –مین نے بینخن خواج نضل استشنح ابوالٹیبی کےرومر و نعل کیاہت عصد موسكا ورأسكو معبد جانالكين كوئى دلسل اسكه محال مو نه يرشر كلته تقط ملكه مديث مثل امتى المطالحد ميث البيل جواز ببوا ورحفرت خواجه مزرگ خواج بها والدين قدس سره يسطيمي منقول بيو كه فرمايا سې ميا بيت مها والدين اور هايت اپونريدنسيطامى - پيخن نواح كاحبى برود بنوگالىكى چىس عقيده نسلف بعضوك كاعث ببواكراس يات كو ر کھتے ہیں کیکن اُس حدیث ہیں دینے اور اکا برمتاخرین کے کما لات سے بعیانیین ہوسب سلف اورمتقد میں س خلف اوربشاغرين رفيفسيلت دارنسين بهجراقم ابنجروت حب كرحذرت محافرة الجكنشيرتين رسيتي تقع اكثرا وقات نعيست ن على الرحمة كي لمانزست مين ما تابحقا اوراً ليرببت النفات وكحته الك روز مفرت اكيب سفرسعه مزج ار معانفوا در بفشیرین اتر سیم وندر به اوشاه امرا درا عیان مفرت کی ملازست مین آن شرع بود ووقین مور ت باسه خاص حفرت سے محروم تھے آن ایام مین یہ بات بہت میری خاطریون مجرقی عنی اوریتمنا مل مین لذرتي عنى كهكاش صفرت كوسلاطيين اورحكا مرسع اختلاط منوتا اورگوشد مين ولن كرسته تواس سعد زياده وطالبون كعال برستوحه موسقاس خيال اور لال كوسليه موسة فدست مولاناكي لما زست مين كيا وكمعاكدوه تين ما ربرزك

ا بالی اور والی مرقن کے ساتھ بیٹے میں اور کتا ب احیا دا اعلام متد دفستہ آگے سطے اور مقابلہ و تصبیح کر سے بہت جا تا کہ ایک ایک داشند سے نوائی کی ہوکہ ایک ایک ایک داشند سے نوائی کی ہوکہ ایک بارحفرت کی بارخورت کی کا مدرفت اور حکام اور ظالم یہ کے ملنے تک بیٹ بیٹ بلورت کی بین اسکی فرصت کا خیرین ایس کی فرصت کا خیرین ایس کی فرصت کا خیرین بالا بورٹ کے بین اسکی فرصت کا خیرین بالا بورٹ کی بارخورت کی اور خاطر میں اور خاطر میں اور کا کم جو بیت خاطر میں بارخورت کی بارخو

سولاناق سمرحدالد تغالي

پرصفرت کے اجاراصحاب اورفاد مان قدیم اورجمایت بولان و مجوبان سے حقے اُس ملک کے بزرگواراً نگو سائیر معفرت خواجر کھنے تقدے صفرت کی بیروی میں بشل سایہ اپنے سے فانی قیے اور صفرت کے سابھ ابنی استرا مال بین حفرت نے فدرست مولانا کو باغبا نی کا حکم دیا یہ برجہ کھائی گردن پرباخ کو جائے آئی بی بی دولیک قرص نان آبکی حبیب میں رکھ متنی اور سیطی جائے حب طواقے رات کو کم کھولتے تو وہ قرص جبیب سے آئی گرڈی تے بسکہ وہ لطوی خواج کا ن شغول رہنے اور ان عزیزون کی سبت اور کیفیت کا غلبہ بخفاقی س الدارہ اجم بھو تھا کہ جبیب بین نان ہم یا کھا ناچاہیے کھانا اور ایسی حکایا ہے آئی فراموشی کی مبت منقول مین کہ اُسکی فضیل موشب تطویل ہو نسبت غیبت اور کیفیت استغراق و بخودی اُنپر ظالب بھی ایک و ن صفرت ایک گانون میں تھے اور خوا ایک خیبہ میں منبھے مہوئے اور ایک جماعت بزرگا اصحاب اور ضدام کی صفرت کے گرو ملقہ با خدھے تھی اور خوا وقت بہت فوش تھا اور زنگ رضا رما ہر کرنیا ہت موشن اور معارف ملند اور حقائق احد فراسے سیطے فریست مولانا قاسم اس محلس میں مروم آپ سے غائب موجا بقہ تھے اور حفرت اُنکو جافر کور اور میمالت کردائے

بانتے ہوکہ دوکوئی وائرہ من میٹھا گئے ہوائرہ کے گروبونا جاہیں حضرت كماصى بسيد سولانا فاسم كرا راعتقاه زكحقة تخداد رأئلي سبت تعرلان كرتف تغير بارع فرات كدسولانا فأ بت مين شل مان شور بامين جوري في فوري بي اينه ورج تمام مسامات أسكاملواس نسبت سع موراً فم انبودت ندبهاي مرتبه كاحفرت كي للازمرت اورآستا مذبوسي كى غرىميت كى تتى حفرت مخدومى سعدا مبازت ميابى أفرايا كأوكمس تبج اورحضة فواجبهة مسن مبن اورفقه أنسوقت مين بائيس سال كي عمر كاعقا فرايا كة هرت خواجه ا مالبون کی طرف ستود کمتر مبوتے مین سیا دا تو و بان ماسے اور ملد لمول موا وراگرانسابی تخیے ماناسی توجانیے کہوانا قاسم كى خدست مين زبايده جانا اور ملازست أنكى اكثركيزايين نيدكم اگرونايت كركدد وايك كلريطورسفان كانكوكلينيج باعث *کنگالتفات کا بوگا< خرت نحذوی نے مو*لانا قاسم کی خدست مین ب*یر تعد لکھا کہ معدازع بنن و نیاز سند*ی و<sup>شک</sup> معرونش آنك فعوست مولوى مولانا فمزالدين على نه كه نسبب نت لفقيران الشفات في طرببت رحكتے مين المانيت آستان والسيت انشیانه کی زمین بوسی کی آرزومین توجه کی بوشک نمین موکه عین عنایت سے معوط اوراس آرز و مکافعدول میں مختلوط موسطی الاكرام انعقي عبدا احمن البهامى فتب كه خواجه كلان ولدحفرت موانا نسعد الدين كانشغرى تديس مشركي مفاقسته أورالا يستثين رشى كرمقام بيينرت كي نشرون آستان بيسى سيمنشدون مواوه رقد برولانا كوديا بوسد ديا او ركام سيويك ورسرير يكعا اوتيك بقيم مان بمتعافلا بيُزًا وريا لمناً مبت التفاستا ومهرباني كرتے رسيعاورو دسري دتوب وي يرسعا ديت باتتین درسیان مین لائے اور اپنے حالات ابتدائی کے حکامات کیا کیڈ آگ ون فرما ما کہ است سے گذرتا ژا لەمىرىيە يا نوئن برزىخ باندىقاا ومرمج خرىمجىداس سىيەنىو تى ايك روز خدىست مولانا خلوت مىن نقير ليفيه باريك أداب وشراكط صعبت حعزت شميمجع تبلاته ا ورّائكاه كرية يقعه فرايا كه يجيعه كون علم ا ورمنر حيل سوا در ایب جوان نیازمند توسومحیر مختصه دون ا در کهمر مابت حضرت کی که د درسه به مساندین کسی سوکهون ماسیری كه توجات كرمنفرت جميع احوال فلائق توشرف اوضم يزن اور مقائق برمطلت بين جركور سائفرس كى مدت مين الم او پرکذرا ہوا فعال واحوال ظاہری و باطنی سے سب پر حاحزا وراکا دستھے اور میں ازوقرع استکے سنعے سكى اطلاع فرما وستنے ستھے اور سائھڑا س معنی سکے سیھے ننگی بیتین کی حاصل مہوئی سی حبب توسقے ما ان لیپاک م منوال پریم میں میاہیے کہ میشید وقت صفورہ فرت بین توا *فریسیا وفیبت کی معورت مین وال ن* معفرت كانظركدان أدقات بين مفرت كوسلاطين وحكام كسائق اختلام ورمشا غل ظاميري آب كرمبت

ئى ئىرى ئىرى كەرۇمىت سى بات كى كەطالبون كونفى دا نتبات اور توجهات اور مرا تىبات بىللادىين ئىيىن رىم يىم يولب اذمينة مداوك اطلات عالم سے آسكے اور حبب مير رشتہ نيا با بحروم مبوكر آسكتے حيلے سكتے فعامت مولانا محدقاصی علاکہ نے اسٹیمسموعات بین لکھنا ہے کہ مرض اول بین جوحفرت نے مبیحت میڑات کوطبیب کے ملانے کو کھیجا خدمت ملاما فاسم عليه الرئد تندرست عظيمي بست مبالغه كما كر حليد ترطبيب لاناكسين أكر حفرت كم مرض و كيف كى طاقيت مفارقت كانبتنيش روز تقد حفرت سيكيفيت توت مولاناكي وجي كئي فرابا كه ايك ون مولانا قاسم ر المرادي من أسدًا وركها بين النيركوفدا آب مركز، بون بن سفه كها قاسم تومرد في بروا درتير التعلق بهت بن ابسائكركها مين تحصارت بإس اس امرين مشوره كريف كونهين أبابعون سي كالم بين سف كميا بهج اور عق س نے قبول فرایا بو سرصند مسالغه کها گیا اُستے جواب مین اُستیکے مسواسٹی نہ کها اور اُسی میرمواند مواسعا ملیزہ مہو**ا ک**و وقع , ن مرض صفرت كاختدمت مولا *اكبيط ونانتقل مبوا ادر* د نباس*ت رحلت كرسكتُ اورحفرت البيع تندر*م طبهیب کی عاجبت ندیری لیع<u>ف</u>ے مخدوم جو وقت وفات مولانا قاسم علیه الرحته کے ماخریتھے فراتے تھے کرحبیب پرول<sup>انا</sup> لواحتنسار مبواحفرت أننكه مربإ سنه تشريف لاسكه اوروه حالت نترح مين تقرحفرت برحاخر ميوسكه بعدازان مُريخ تم ابنی شیمها ب مهارک کوگوشدُ فاندمین جما سرکه سنظها و رتبزتر و مکیف شفه ایانک گوشد **فانست نظره برک**ره خدیت بوسكا درحفرت كردس سارك ببن على الاتصال دكليق تقصب كك كففس أنكاسقطع مواأس محل من صفر ف فرا کا مبتت کوح قصور وغیره سے سائم جوکہ اسمین ہو سولانا قاسم کی نظرین لائے اور اُسپرع ض کی اور اُسف ستے خ ميركر مرارى طون سوج بهوا ورسم مارى طوت جان تسليم كي تعفى مخدوم سند فرايا كرحب مولانا قاسم عليا ارتعاف انتقال كيامفت في تراعاط بلايان من بها مقدمولا على عمران كم مقر فرائي اورأس اثنامين كهاشا يوكي بعضاعرا كوين كه وه الكيب عاى كم الكيب وانشمند كساسمنے وفن كرتا ہج اور حالاكلم بولانا. تاسم كى سوانح جالىس مولاناعىلى مغرومون كروبرتقي أسك ببركريان مبوئ اورفرا ياكهولانا قاسم كواس عالم مين كسى في ندبيجا با أسكام تندباه لما ل أس عالم مين ظاهر بعوگا آ ورمضرت ميرعبداللرل عليدا لرمت في استفه معيومات بين لكمها بو كور فرود و ميشى البيخ فى المجال شاكة العُرسواكيا ليسايين عصر كم آخردقت ضرمت مولانا تاسم عليه الرحمه في وقاستا كي منازشام كيعبد شرف لازمت كومين ببوي حفرت كورقت مبوقي ا دراعمال سينديده ا وراخلات م بيان كئة اور فرايا غناا وريخريد باطن من مبل مقام مارا أب كون ريا ايك لخطر سكوت كيا اور فرايا اشتغال توجهت وسل معلوم موتا يوس المع غزالى رحمه المتترقعات سف فرايا بي سلوك معينسيا سلاط المواض الوراقبال

بغیر پر نمین می کلمه لا آله الالعد اسکا ترجه سی خدرت بریان اس فن کے حاشیہ برلکھا ہم کہ بینے خنا اور تج بدیا لمن کی تحصیل کے لئے حسکے ساتھ مولانا قاسم علیہ لرجہ میں ہے ۔ باعی شمع فقر آقا مم اندار وجود ہے ستہ اکہ برائج وفات خدست مولانا قاسم علیہ لرجہ مین ہے راجی کسی ہے ، باعی شمع فقر آقا مم اندار وجود ہے ستہ اکہ ب بح جمع و وریاسے شہود بد زان و کوئر شرحت بو دار نفیل وجود بوتاتے وفات او زفیان کشود بر ترجم بوفقر آکاشم ماور انوار وجود کا بانتے والا فافی دریاسے تبع اور نہود مین بھاس تھے کہ نبایا یافیس وجود سے بھی آئے اسکے وفات کی لفظ مناف سے ناف سے نظام رمیو لئے کا سکے اعم میں والیانہ سے بین میں

; كرمنيجسب رالاول رحمه البتد تعالي

عفرت کے اسماب کیا رہند تنے اور فرت کے شرف دامادی سے شرف مہوسے استدارا حال بی نبشا ہوت شه حنرمیت بین او را دالنه بِسندا و یزایق را د جدانه ژبا کها سات برس برا براس نسبت شریفه کی ورزش کی وراً بهي*كيتنه ا مُطامها لاسكّها د. اكبرًا و آات اليساع ويه يكرمب مفرت ل انظرنيد مدت مير رينري انكوماب* نکال دیااد تیخن درنشت فرمانند شخه سات برس بعد *آنکه وفرزند*ی مین قبول *کییا و راینی دننرشه ا*هت اسکیمیق کلح مین لاسکهٔ او اُس نُسرُقبًه کونده مته میرسته تین امپرا ور دو دخهٔ یستها و ریسیان میکاان میرسیا ندومیرخرد مونوث اور شهر وریقند نیدرست میرو ) . تعرفند که ت<sub>ی</sub>راسعهٔ رانه مین میمند می جه حفرت کله پیون اور کالؤن بن جاسقه مین میاوه یا تقطیعه مصرها باکرنا ایب هوناگدات بنجیمه و مکراس مونهی مین معیونجتا <sup>دیب حد</sup>رت کی شیم مسارک میرسد اومرات ب سیدزا زه لیت بهت او سیوحمیت تو بی که کانا میکننے کے ملیع میں سامنے توا تا موادر اسیزم سوار موسقه او ، و مری جگه حط جاتے مین روتا مبوا بیترانے بیچھے روان موتا بیسات برس که مِقْتْفَاتُ بِشَرِيتِ مِعْفَةُ الرَّسِستَى مِونَ عِمَايِسَ طرح زنْدَكَى كُينَةَ كَا إِن عَهِ ربين كُرم رَّمَوَة فراتِيةٍ . ، روز مین اینچه چرومین بازگن بمیسیاسته لیشاستا اور ۱۰ یشه او رسته بان لیا اینچه ول مین که ای عمالاً لاق مت آدی مین کرد ولت ولایت مسے محروم ۲۰ ین توجهی ائنین سے معر<sup>ی</sup> سنس کی عاربی ۱۰ حرثه سفی طعینچی اور زباد کاندین . بخطهُ *گذرا کداشیخ جره بین آمیٹ حلینے کی تجدے سعا*رم مبرائی اسک با وحود مین سق*د خیال اُ و حرکک اور* ى طح سوتار بإدمانك مجع سنائى وأكه نفرت فراند مين كديروب الاول فرا خت سے سوكه نيرے سب كا ىب دلخوا ھە يورىپ مېرىكە بىن ئېيىن مېوكۇنىچە مېچا ا درحفرت كودىكميا كەمرىپ تىجرەستە با سېرىكە اورىين بېستورنى<sup>ق</sup> أسيطرح سعار وكدا : علق الراضط البين يرّا- فراسّه ينه كه ايب ولن مغرت نميظ غف بكي مالت مين تيبية میری سه صوافراخست ای جان نوگوشهٔ به همچون این این این این میران می این این این شده نوشهٔ ترینوشد به ترجمنینگل سبت وسين بواى دوان ايك كوشه تينداكيد اكرشه تحيد سترى كيطرح إدشا وسي كميت عداكي بالى ميري الكب إلى بن

اور پیمی آپ سے سنا اورائی مسہ و مات بین مکھا ہو کہ ایک فقررا بط کے طریق سے مشغول اور میبیشہ کے اشتغا سے اشر نیے نے تہ او ایس مارین کے دوازم سے بریشیان اورخم آبودہ مقانطانو برصطاب کیرشرف سے اُسے مشرون کرے فرایا میت چون سن فراب و مست را ورمنا نه خو دره دیهی به خودمی ندانی این قدراین شکنمران شکنمره ترخیم مجیمی خرا اورست كونواسنيد كرين آسندويا برس منفند تواسفدينين جانتاكهده توثرون بدنه توثرون ساكي ون خدست فرط إكر صفرت كى بركت النشات من معينه اكيب نسبت مبواسط قول اور زيان اور بغركيه اورز إن ما الح عامل مبوكي عقى الريه بنسه براه بالمن انحفرت سة ما سُيدا درآ غوت مدون كير اور مغيزر بان بلاك مين إيّا يتفاسينه كوآس نيست ایک انشران اورول کواطمینان وافتراح حاصل متعاا ورروز بروز ترقی مین تحقاییان تک کدایک مدت اُسکیْهُ یکایک سبندسبب وه تا نیدا و را توست میون*ردی اورحتناب وخطاب کرنے لگے اور قهروغضیب انکا حدسے میره گ*گ ایساکه قریب بندا میرانفس اطاعت کی نمیدسته با بهربیومیر*ی خاطرمین گذراکه مجیے لقی*ن مهرکه حو*جه پرحضرت اعظ* نربین سے ماسل مہر انحقا آسپر عفرت الملح تھے اور اسکی مائٹیدا و رتفویت مین می*ت کسٹ کارٹے تھے۔* وع<sup>یات</sup> التنفات كرسند شفه اگرده درست تقفه مُعِركها سبب مج كهاب اسكه موافق نهين عليته اوراگراس طرن فه اس مين كه ط**ری**ق را <sup>ب</sup>ایله یو دخل نریکت و تماکیون نمین منع کمیا اور نه حقر کا اور تا سُیدوتفتوست کی حبب میعنی بار ایرخاطرمین آلی ا و رحفرت کی حیفا اور فیگر کیان مبت مونئین اینے ول مین کها کرتمیاست کے روز بٹری خلقت کی امنبوہ مین تما م ابنی<u>ا اوردسول اورخواص اولیا کے سامنے می</u>ن سوال کرو*نگا ک*اس کترین نے اپنے سب کام آپ سے سیرو کیے وداختيار ديايتنااويد تشكك الثفات اورعنابيت يجي ركحت تخته أكروه خردري متفا أسكى راه يركسوا يسطمنين سطي و *را گریمه نه تهما* توکسو استطے بنور دکا اور ندھیر کا ملکہ تا کیدا ور تقویت آپ نے کی حبب اس سوال جواب *کیخطرہ* سنه نفير کو تبغيرار کميا اُنکے مجرو مين عُنس گها اور ببتياب مبوکرته چا يا که جو کچه ول مين ځهرا مجوض کرون اتفا تا آپ کی آلاته مین ایک شخص موجه دیمقا اُست با سرایک کام ریجیجا دو رمیری طون متوجه موکرفرایا که تمام انبیا و رسل اورخواص ایسا مين كسداسط مجيعيد فيكر الوكرة بوشكركركدويان من عبار كالوثا بعده فرا ياكدوعمل كمترب رج ادرالم كاسبب مبوا <sub>مو</sub>مین سفرکب تخ<u>ه</u> کها که اُست کر توسفے خو داختیار کمیا ہو اُسکی تدمبر تو میں جاسنے بعد ازان تیزی سے اُترسه اور ازم وسع عناست اورانفات مك كها كداسوريين صبركزا لازم اوراعنفا دبيرون كا مردرون كوسونا جاسبي كرجاف ىپ مال *اُسكا پېرگ*ومعلوم سې ا ورمعضون كے سايەصلىمت نىپىن سې كەافھار ك*وسەس*ىد قول وزبان جائىپىي كەجواب با دسه المرفره يا وه ميشع كن كرمشرق بين بوا ورمريد *آسكا مغر*ب بين اورمريد كيمسب احوال سند باخرنموسرا في ا بنی و و ت کے والدعلیہ الرحمة غایست میرعبعرا لاول رحمدا صد تعالی سید ابتدا سے حال میں نمیشا بور کے مقام حن سال سم مجره ا دريم سبن عقدا ور والدسنر وارسه فاص تفسيل كى فرمن سامينا بوراً كَيْنْظا ورصفرت مرعزالبن

طا بزنتیا بوری قدس مهره سکے سامنے جو فدمت مرکے مید نررگوارا و رکما ل زم و تفوی او دبلوم علا ہری ، یا طنی کے مگا ستدیکھ شاگر *دکرتے تھے اورکتسب سندہ ا* او تینسسپزمدیث ٹرجی حبب <sub>د</sub>فغر سمرتین بین <sup>د</sup> نسرت کی اُستا نربزی م بشسرت مبوا ضدمت ميرع بدالاول تدمي آعارب كميمسبب كهفتيرك والدسته ريكتة بنصرا وربلا منطه رمايت يتمون كهابم واقع عقااس فقيركه ال ييوبت توجر فكته تقع ا درانواع ا قسام كه الطاف ست ذا نيته تع اور مفرت لی ملازمیت اور صحبت که آداب اورونانق سے اگل*ه کرتا* وا وکر چی اسٹیوشو شامال کی حکامتین کها کرتے۔ فرات تخذكه مب بين مهم قنداً بإ حضرت كي المارست كا تصدَّك إورمبيت حضرت كو رنجيا أسي ايك اغلاره بين كُرَّ حفرت کا ہوگیا اورطایق را بطہ کی ورزش مین شنول مہواسات سال برابرحفرت میری آوزیج وزیر کے ہے۔ ا د اِکثراد قاستهٔ اُرقهرسے ظاہر پوشے تختے او ترختیان کرتے تھے اور مجد اسف پرجلایا د بگلایا کہ فاک راہ کے برارکول اب جواسینے تین دکھیتا ہون آپ کوکیٹے مکھائے دانت کی شال یا مون کوکسی کا م کا بنین اوکسی چنے کا کق نیس نزب ا دیرداحب بی که حفرت کی حنابیت اورالتفات سے توڈرتے رمباکداً سے نیج ایک تعربوشیدہ ہرا د جفر كى توكى اورسياست سے اسدواررسناكداستك عن مين بطعت اورعناست جديا جوابى -رشن<del>ی ای</del>سن مرهبدا لاول ملیدا لرصهٔ کا رنگ اسی حن کا رکھتا متاکد ایک دن مفرت سے ذیا یا کرق سجا کا قهراشنيها ولياكىنسىبىت فكابسرى ببح اورتعلت أسمين غفى يطلت بخفي وه سج كدده بيا مبتا بحركماً س ظا ببرى قهرسك سانته آسکی مشیقت کوقیود ا وراوازم مبشری صاحت باک کر دسید اور پیچری سبحانه کواسنی و شیمنون ک نسبت بطفت ظا بری بہوا ورقد آسین منفی۔ قدمخفی بیہ کوکہ وہ ماہتا ہم کر اُسکے ساتھ بطعت ظاہرسے علاقہ اُسکے ج<sup>ان گا</sup> عالم اجسام من استحكام دست اكداً س كرفتارى كى مصيداس عالم كوفيودين عالم اطلاق ك كطفة اورلذات رومانى سعد بينصيب رببن سعفرت مرعب الاول عليه اليم كانتقال دوائل ماه ميارك وى المي شندا نوسو ما يني مين مبوا بعدها لعيس ون تخمنياً كسبيل شهها دت غرا حبر **موريج إسب**دا و رأيج فرزندان مزر گوا ويتوالد تومال أن مثب رخم مولاً المعتقب رحمه العدلعاسك يه خاص محفرت كه اصحاب سير تحقه عالم عال عارف كامل اوركه فيدت بنج دى اورمه تعزات كي أمير خاله بتى حبب نازىين كالسيد موق لبنى والى قرائت برح لوركوع سجده بين ببت ويرتكاف اورسجد مس

یه ماص مفرت کے اصحاب سے تقد عالم عامل عارف کامل اورکیفیت بنج دی اورمهتغزات کی امپرخالب بختی حب نازمین کھڑے ہوتے لبنی چڑی قر اُست گرستے اور کوع سجدہ مین مجت ویردگاتے اورسجدہ سے بمشکل برا تھاستے اورائی حثیم سیارک سے آثار نظر اورجذ دیسے ندا بیت نظام پر تقدیموں پرجند صفرت سفہ چاہا کہ خدست موانا جعفرانی نسبت باطنی کوکسی شغل کامپری کی کھیتے گیاری یا سوداگری مفیرہ میں جمع کومن جہم نسب ساستغواق اورکیفیدیت بنج دی خالب بختی اسلیم کچرین شریع اجسے ہتن خواد کھفٹر کے محاد حفرت کی ماذرت میں آنا نسب سکوت ا وسفو درائی کی آئم فالب موتی اور برت کم بات کرتے ایک والی کار کرائی کی کارمونا کی

تقعیل علیم رسمی سے میل کند میوا اورطری اوب کی طرف طنیما رات کوخواب مین دیکھ**یا کرحفرت کی ملازم**ت ين ببونيا بول اور دېرېچها کرمنده خدا کوکسپه بهپوستني فرايا کيمب اينه سنه ننا مېواد يدا کارسې مبب مين ما گاامن آ سيمين متنا نرمواا درمنج مدرسه كم حجره سنه نكلاا ورمعنرت كي ندمت كا اراده كيا اوريشيتر صفرت كود و رسع مجيعا عالمكين صحبت بنيين بهوني تتى حبب حضرت كى لمازمست مين آيا فريا يارون احجفر كحدها فيتع مبوك مبزه خدا كوكبيج ي ا برحب كه أسكى منبذ كى بين النيرة أب سع فانى موليدا زان مولانا مبلال الدين قدس المدروكي برسبت شريعي بي عوان تومنبو دی کداو د مبله خدا بو د د اس د بوان تو نا بری که اند مبله خدار کدا به شرحمه حب تونه تها کون تها سسن مهما اوريس - حبب تونرياكون باسب خدا الحكدا- سولانا جعفركى ببايرى موت كوقت حفرت محله فوالطيشين منتع لعيف دبيات مين كيُرُم ف كفيب شدت مض سولانا حعفر كي فرحفرت كوبيوني بلرى مبارى سعد دوانه بوسك ومنيرت كمير كين كسد فدست مولانا في انتقال كياتها بعد ازغسل وكمفين حضرت في ما معاب اورا بال ومول اور فوامس وعوام سكرمها كتراها طه لما يان مين أيزماز نزهي اوراً سدن مواميت گرم حتى حضرت خيازه کے سابھ قبرے کنارہ آئے اورگورکن ابھی فانج ننوابخا ایک ساعت قبرے کنارہ پیچےرہے اوراس فقیر فے وزاقی انی کھولی ا ورباتفاق ایکید ا ورخا وم کے حفرت کے مربر سایہ کیا اور سابیٹین تھے حبیب تک کدوفن سولانا سے فارخ مبو نے مبب گورکن قرسے نکلا مفرت نے اپنے دست مبارک سے بندکفن مولاما کا اوپرسے کمبرا اوراحی کی مددست جوکہ قبرین کھڑے بحقے ابوت سے بھالکر قربین اُنارالیفیے اصحاب نے اُنکولیدین رکھا حفرت قریسکے كنا ره سے اُ شطحا درجا فعلون نے قرآن ٹریھا اور بہ دا قعہ ٹائین گئے سوٹزانوسے میں میوالعبدازوفات خدست مولانا بريإن الدين تعثلاني ا ورحفرت سنّه أس تعزمت بين <sup>بي</sup>ين روز بعد يُرا كعانا ديا جنا بخيرامنثي ك<u>برسنط</u> بریانی سکے سیے ہوئے تھے۔

مولانا برطان الدين نقلاني رجمه السد تعاسل

يد حفرت سكاه ما بسكارسد تقط وانشمن تبهوا ورصغرس بن تقبيل علوم مشدا ولدكريج مقط ابل سمر فن دو تعف كو وانشمند اورزا دكت تقد ايك مولانا زاوه مولانا عثمان كواور دو مرسك مولانا برلم ان الدين خدلان كو -اورخدت مولانا سفه عليان من المرسك ولانا برلم ان الدين خدات برقائم سهم مولانا سفه عليان منال حفرت كى با كريتى اورسفه وحفر بين خدات برقائم سهم فراق تقد كه ايك برستان كرسفه كا الما وه كها اور موات مولان من ورستان كرستان بين توسف ما برستان كرستان مولان من مولان من المرسوبي من موستان كرسفه كا الما وه كها اور موات معنى مرستان كرسفه المرسفي المربول ا

مدام و ملازم عبی محنت اور زحمت مین نرسه او اس مفریم کولی فونده می منصور اس موسر مراس خ كرَّا مِنْهَا وورْمِنِين مِبِوتًا بِمَعًا اوربا لمن مين ميزراستدارًا في آيًا ``) كَرْمِنْ بِسُرُو مِلِي مِماعت كومِشوش كيا ·بب شا مبنسيمن الترفيريه ونين رو بُرَّازر الاتود فيدُّا يك نو عا · هرمين مِلِ أكده ار مزار مغول اور منرارا ذیکب سب کا ذاویت برست نه شاسر نبری تند. کمیایج ادراس **ن**اح کمت اخت لاسکه اور کمختیم تاراج اورزمرد زربرکیها درنه اس معوام اس الابت که ایکیه بی د نویه عفرت که متوجر بو بنوا برگریه وزاری تشويع كها و ركها ميرفرا سلطان استرسني لنسكرينين لا. يُربين كدان كا فرزن سنه مقالم يُركبين اور اس بلوكا وقد كيزالتفات حفرت كيمكن نبن واو ميزاد اطال ام يريم) ل انسطارا ورونه طراب سند خرت كي بيس أياني ا درآب کے دامن عنامیت اور یما یت مین نیاه لی او حضرت میند خدام کے ساتھ یا سرآ کے اور ایکے و رسیان مختے اور ائس الشركيمير م*سواران اعيان متصببتاً أمركن ورسية أن أنيك ببت شاغران منظوب كما اسطح كهماليل* مجلس نے بنیون کر گئے سے محالہ الارو بعوا مین تھیا جگہ یا رور شربت کے یا تقریرا میان لانے اور اینے آدمیدن کواسلام کی بط**ون بیاست** کی اور و همکل نشگرهه پرتے سے ترب تکسراد . مروس بربت نزیت اسلام سے منیریت موسکے اور اور ازگیان او بازیکه او برن مردا و رغلام آزا دا و شرارا دنت او تموترسه او مکاسه ۱۰ رگدین و رکبریدی کواس گر نواح سے بوٹ کرلائے تیے سب کے سب مفرت کا نیٹر سیے اور عفرت نے تبیدیوں کر باسا مان ایکے وہن مبیرہا اور دوغادمه اینے خدام سے أس انسکرک ساج کے ایک انظانیا انگاریا م انساک ملاب اور ایک نویمفتی که آمین على ين كاتعلىم كرست استكى بعد صفرت. شام رضه كو البس اسله ا ورميز است بوتيكر سم وندكو ، وانه موسط فعره شاموالم بروان الدين يمن سفكي معذت اليسي بعورتون كرسير بوتمن بميدين تبول كى يومولا تابيط ن الدين كم مين المويدين امکیسه ون ۶ طرت محایزه احیانه شیر که اهاطه اا یان به انگی عها دن کر آی از را قرانیود منه سع ۱ و ما دم برگرد هرت کو ت بين رسير حبب حفرت مرالاناكر رجان منتجيز فرما يا كريها. ان مهموه موربا في كلها بيسية جدائی مبادا مراازندا به دگرمرجه بیش آمیم نسامه مه ترجید تبرانی خداسته دو دسه محیته بوسوا است که بومیش آی مسوفيرة ابعدازان فرما يكرلداله الدالسد كدخول سندانيان بالأبان الأرارير واقع مج ترحمها سكاحده والياكم التول له الما لا المشري مدانيان مراي كربيخ سكين « مرسك م) . حق كن مريا بركديكم لديكاريا « بسده فيديد مزيت او أغفة ورمجسته مکه حینا ب حق سبرها ندسته مو وسه حبب اس کلمه کی گرا رمین رعایت اس منی کی کرین امر مهدو و اسکومندلیا مرحل کمیام وا ورفرایا که نواحیمی علی مگیم تر ندی تو س دره نے فرایا ہو کہ عدود ا اینا کمرکے خیرون سند الیاس جعا جانا بيوكرايمان شايد تبرانا بودانا بوفراياكرابيان كيكنبي ينوكرك كوسوس سانسي كمسانيدا بخذا بداد شوق وشبغتلی نرسولس عاشیه کرط الب صارت مسب احوال مین اس ظهیه که بار ایر کشف کسب شوق اونیشک کها

المولانا تطفت الثار ختلالي ترسب انشر

بُنْحُ ضِرِست سولانا مربل الدين كم يخيرا ورحفرت كم نزرك انسحاب سيرا ورمقيول يخع عا ِ م خرابعیت وطرانتیت کے اورا پنسے بہیشہ بیسط کی صفت غالب بختی ا وراکٹر او قائب بینسنے اورسکر ہے تية اور مرام حفرت كوشيرين اتون سيمسكران كى طرف لاتدا ورصفرت بعي فدست مولانا ما تقواکثرا و فات منسی ندون کها کرنے۔ ایک ون مولانا سے سربیل طبیبت لومچاکی جس وقت توبیل کرے تو<sup>ک</sup> یسی لی لی کرنگااستنه کسامبنرشیزین « بغرت نے فرہا یا که توسف نعلطی کی بنیین م**ا** نا توسفے کہ صنیدر و ز**موبرشتی** مانی بیتی سجا درسنبری رستی سج ا در تحقیوفرها یا کهال البان طریق کوکدخدا نگ<sup>ی</sup>، شانیسته به یمیریه سبت تربیس<del>ت ب</del>یست لدخدانيت اليهوس بست بكرراكن ثراخدا سابس است + شرحيه كدخدا في كي بوجوس تحفكو 4 چیو کرکروندا ہونس تعکو یہ خدست سولان لطف الشریف ایسا فرایا کہ بن صغرس کے ایام مین کدا نی واقا بمن تحفا ا <u>ک</u>ی شر<u>ب خرت رالت صل</u>ے اللہ علیہ وسلم کو خواب مین دیکھا ایک صورت نعابت حسر ہے جمال میں اور دورت به بشهرير الرابين حافرتني حب حضرت كى ملازات معدمنسرت موا ايك دن اثنا وسخن مين كسى تقرب سے ليسك السدهليه وسلم كومور آون مين وتفيق بين اوروفعة اسمحل سربيري طوت وكميها ورأسى صورت زيباك مساتم كهين سفائس زائدين حضرت رسالت صلح العدعليد كم وكمجها بمقاظا سربوسنة اورتيح يدبوكداس صورت كامشابهه موصب كرفتارى كاحفرت كرسا تقرموا اوزهيى ندست مولان فرایا که ایک ایک دوایج مین که سند سم وند کا اک **گان** و ماره سیل برشهر سید و مان حفرت کی ما زست مین عقا ا درايك كروه سولويون كاجراء عقاش سازل شيخ كمال الدين عبدالزات كاشي عليه اجركي كليس مين ميود تنعى صفرت أنس سے ایک بجٹ ندکور کررست نختے اور موبویون سے بوجیر رہے تحصیب کرقاعدہ خفرت کا تخصا اسطیح کی مناطرمین کی ایاع دن کی فرما یا که ندان بیخن اس طااکنه کا د و سرایج ملاکون کی تا ویلات جمیوشر ویوین جیپ مهوکیه

ورآب سبي اب سوچا كه جو فاطريين آيا اجها معلوم مهوّا ؟ فنرت نه قر ال كيون بنين فرايا س اننا بن صدرت *ی حضرت سند ظل سرمیو کی اور بانتین کرنے لگے گئے گئے کہ مر*مردیئے جن ۔:، اپنے میں *نعتل ور بارسطیم کا احسا* -اورگمان بیمواکه سوسن کا بوجه سرسدا و برر که دیا اور نهاست گرانی ا درب طاقتی سند نسبک با اور نیبش کی قیا معصر جاتی رسی اس حل برانکور مری صغرت کے روسے سارک برٹری ، کلی اکسفرت کا جہرہ نزانی بڑا موالتمار ما بواا دراب مبارک *لتا به ما در کونی چیزشه هسیموع ا درمنه و منهین مرد ل بخش ا درایسا برا مبرا کرنما مرگرگرگر اسا*اهٔ اد فی حکیه خالی ترمین ا ورمین ا بسیاتنگ بواکه ترمیب مقامیری سانس کرک جارے ا دریہ حالت مت تک رسی مع وقلمها كدمنوثرا عقوثر امنحه حضرت كالسنيرعال سرآنا حللا درمين سبك مبرقا بتعامتن كدميال اصلى سراكها اورمين أس تنا مرنعتی سے نعلاص ہواا ورا بل کابس کواس ما جربے سے کیجہ فبرنیقعی ۔ ا در پیمبی خدمت سرلانا نے فرمایا کہ تھا نوا میکنشیر که اندر ملازست معنرت مین متعاگرم. ن محفاکه کرند بهند حرم سے بمحل کرجوہ بین آئے صغرت کا جذیری نظرین مبت حقیر معلوم ہمیا خاطرین گذرا کہ ریسسب تھرف ک<sup>کا</sup>ون مین صفرت سے ظام جن اس حب*شرکے سا*ہتم محض غنابيت ادرقدرت عق سوسبعانه تعالى اس خطره كي آتي سو ايانك نسبت مُقرِمْ قِام عنايت دانتغابت بیونی ا درباتین گرسفه کی اور بحیراتشی طبع بردست مسالک حفرمت کا ترابیودا دراس مدکومهرد نجا کدنمها مرح<sub>زه</sub> رس<sup>ی</sup> را کے متعد بڑسوا اور مین ایک گوشہ مین سوکیا اور شک مبوا اور بستور ٹس وٹرکت ما آ ہرہی ایک آزاز متر<sup>س</sup>ے كان مين آقى بقى كسكين كويسم مين نه آتى بنتى او!س مالت كوطول مه اا ومهين سبنيه ديمقا مهب مروش آيا ومجمها كيخلتر کا چیرهٔ سبارک اسلی حالت براگیا - اور پیمی خدست سواد نا فریائے کٹے کہ نسرہ عات بن ایک مارچفرت کے موضع کی گزان کی طرف می**م با سے تنے** اور گھوٹرا میرا جسٹ شسست ا در بر با بہتھا اوراس و بست مفرت کے آنے آگے ٹری تشویش اور محنت سے ایکنا عقا کراپ منوحفرت کی سنات سے رہواؤں ما کا دحفرت میں عقب سيداك وراكب كوثرامير ب گوشت كارا ورفراي گوزاج ماما را مواينين برندايال مرانگوزا ابسارا ہوار مگرکیا کہ مرحن پرحفرت نیز ہا نکتے تقعے مراحکوڑا را ہواری بین اُنکے گھوڑے سے ساتھ گیا اورا کی قدم نیجیے نزل<sub>ا</sub> وربین اُسکی میتیر برآسووه موااور دواه ماب که بمراه نته او به تنبقت حال سے ا**گاه مقد** تیران ا ور شار موسے اسے بعد وه مگورا حب تک جیتار اسی طرح را ہو، رمنعا سرگز کمبی آس سے مستی فلا منزلو اورایس احدال کامشایه و میرسد بیتین کی ترتی کاسیب معزت کی نسبت معدا-مولاناتشخاد ام الشطلال افا ضتبه

یه بزرگ اصی ب صفرت سدمین اور برسون عدزت که امور دنیوی کا انتظام انکی سردگی بین تعالیفط و ه ست سناگیا کردب رات کومولانا اینچ گھر جابتے بین مقورسی ویر اینچ دبل فا ندیکه ساختر فینیستے بین اور کیمپر کھافا

ناول كرسق مبن حبب أشكراً ومى ليبث رسيت مين مولانا كيبينطا بايذه كا دم صبح مك قبل وشيخة مين ا ورظبيها مبتمام سے اُس نسبت کو چوحفرت سے حاصل کی ہر ورزش اُسکی کرنے مین حضرت مولانا شیخ کی با تون سے انساسعلو بونا تفاکه میس نفس ا درنفی وا شبات برا مور من*قط اوراُنتکے موید بیرکدایک روزخلوت بین کسی تقریب سے فر*ایا كداكب سانس مين اكبياقان و فعه وُكركها جاتا ہوساتھ استكے كہ ملاصظہ موففی غير كا اورا ثبات مقصود كا اوررعاسة بازگشت اوروقوف تلبی ادروتوت عددی بغراسکے کنفس کوشی کیے یا دل کوخفقا ن مہو یاکوئی اثرصورت ظامر مبوائي ون محكه خوا حركفشيرا حاطه لمايان كه اكي طالب علم كرحجره مين الك جهاعت اصحاب خلص كم ساعتر منبطيع سوئي تقصا ورحضرت كے تصرفات اور كرامات عجبيب وغرب كا تذكرہ مبور بإعضا اور مرامك شخص اكمه نقل كرّيا تنعا اورخدمت مولانا خاموش عقع ول مين آيا كه كميا ببو كه ريجيي اس باب مين كو يُ سين كمي ين آمكي خط بدنوالاك يتشترس تعرفات آفاتى اورظا بسرى مفرت كربيان كيميكوني تصون الغلى دراطني آيكانهيان كي الحاسبة كما كراي كرم كرين اعداس باب شيه كو ئي مكايت كمو فرمايا كه انبزار گتب مين صفر*ت كى الا زرست مين بهو نيا اورا كي* تعليم سے فيضيا مير موا بست مان تورش ادر شری ریاضت مینیم تب تحدور ای تقور اینیج اورا ناوشنول ک ظامر بود نے اگا ادر مفرست کمالتفات سے روزمروزا ککوتوت ہوتی رہی تب میندروز بوکرسیفدر جبیت خاطرلی اورنے الجالبیت الكائبى ماصل بوئى اجا كك حفرت في مجد بعضامورزاعت وغيروك انعرام كاا مرفرا يا ورونياك اموريين شغول ريخ سے عمل یاطن مین فتور آیا وروہ نسبت تھوری تھوری تعدوری ضعیف مبورنے لگی اور مجھے اس جبت سے مراریخ موا اورحزن مبهت دامنگیرسوالمین نے کہا جا وُن اورائیے دل کا در وحضرت سے عرض کرون اور فرصت تاکتا راج اورایک فلوت مین حفرت کے بجرہ کے اندر میون اور مین نے جایا کہ اپنی پرانتیانی مال سے ایک شمیع فرس کولت فرما يا كدمه ولانا فتينع طراق فر الجكان قدمس المدار واحهمين فلوت ورائخبن قاعده كلّى مبوا ورانكے كار وماركى مبنيا دائج بهوا درمه يسل لى گئى اس أميت سے مبور حال لامليه يو تجارة ولا بيع عن ذكر العدان بزرگوك كي نس مجبوب بي غيرت مبت اسكى تتفنى اسكى بيح كرى بوب ستورر بيرى بغير تمن كب روار كك كرى بوب بعيروه بنوا ىبت كوبدىردە درزش كرئاس گروه كا دا ب اورقا عده منين مجاس سے جار منين بى كياس نسبت كيسى شغل کے ساتھ اشغال ظاہری سے جمع کرسے میں نے درباطن زاری کی ، دوامرکی جمع سے میں عابز موالی<sup>ں</sup> عليين فراياكهميت كرواورهما يشايدكره سيمانه امك قوت عطا فراسفًا وركام مورس مبون اوراسي مال کے قریب التفات کی کرم کھے شکلف کہی تھی میں آیا تھا باطن مرفالب مہوا ورٹاست شکن موگیا اورول أسك سانقهمطنن بهوا اورخاطرست تزوركها اورميرسب اشفال اورسب احال مين ا ورفواب وبدارين تصيب إصين مواا ورامعدتعاسكا اسيرست كريح

مولاناس لطان رحمب رالتار

سولانا بوسميدا ويهي داست فوائده

ت كلكرسوار موسكيم اورسرے باطن كواسني طرف كھيني اور بن جران مضطرب رنگيا اپنے دل مين سوچا كەحفرت في م میرا فامهنین سنا کمیا جا فااور کمیا بسیت تقسی جرمیرسدا و برطیعی سار سیمه مدرسه سع با سرآیاا و رمدرسه میرزانغ مبک ظاب اگومین نے بینیا مرکبی کر کر کھیے میرسے مجروعن کتابین اور اجزاو غیر بامین تن طلب ہواسمین تصرف کرمن محیر گسااو حفرت كے است نكولادم كىيالكيدسال گذرگىيا وراس مت مين حفرت في مطلق بظا برا تفات كا بيا تكرميري کشش اورگرفتاری باطنی روز بررز معنریت سکها تھرزیادہ ہوتی ہی اوراً س عصدین ایک قبارکسٹ سو**زنی کی مین گذرانتا ت**قا<u>حب کے نیمے</u> نہ کرتہ تھا نہ ازارتھی ایک سال بعد تھوٹری تھوٹری التفات ص ظاهر بهونے لگی۔ اور پیمی خدمت مولوی کہتے تھے کہ اکیب دن حضرت سے ماعظیم میرے ا وہریٹرا اور وکھنٹش ک لخط لخط باطن مين حضرت سدم محد مهوئتي تقى منقطع مبوئى اوراسدر فينبس ميريه اوبرغالب مبواكه خوف الم عقا اوروه بارا و زمین مین شابزد زنک اُنٹھا یا آخر کومین متیا ب مبوگیا مین نے بعض بزرگون سے سنا تھا کراک ىتى مەلىپىين ئېرىمىن تو*ائىسكە بعد ج*ەد عاكرىن قىيول موتى بو امكىپ شىب اس بىتيا يى مىن ب*جدا زغا زىتىجد و عاكى كىفايا* اگر سری ذات مین ایسی چزیو که معزت کے کمروہ ہے تو وہ مجھے دور کرا در سری استعدا دا کراس طرح کی ہے کہ معزت کے موصب كدورت كالموان تججه وشاسع انتفاله إاس آشاندسه دوروال السبي باتين مشاجات مين كرامها اورببت روباحب مبع حفرت کی ملازمت مین گیاا ول شن جوزمایا به تفاکه بینه گمان کیاکه بم کام ایک کرتیبین اب ح تحصین ناخوش آنا ہر اوراینی مرگ اور دوری جاستے مبو توالگ مبوعا و اس سخن سے مطرت کے معلوم مبواکہ وہ اب اوقيفن كه فليركه حوالدكها عقاا يك ترمبت تحصا بعدازان كلبس مين انبساط اورانشراح تمام دل مين سپيرا معوا او خفت سولوى كه كلام سے بيتين رشح بين – ر منتعظ كمت من كاروباركا ماصل ذوق يا فت اورا لم فايا فت بحط بيد كرها دب جركيم باوين واروات مما سے ذوق پاپ بون اور بیرانس ذو ت سے خالی بوکر اُس چزیک لیے جوہنین بائی اور باقی ہو در دمندا ورمنا المجا اسواسط كمتقعدور بنايت بوج كميرأس سى بادين نسبت أسك وبنين باينم قطره ك حكم ين نسبت أ مويط كه يوموا گركونی چزاه مين سره کمائين اوراً سك سائخه آزام ماسل كرين اوراً سك ذون مين رسين اوراُسنی و<sup>ق</sup> سے مسامتے اس عالم سے باہرما میکن ابر7 لا باد اسی مین قیداد رحبوس رہیں اور ذوق ومواجبد و گھوسے ح بهنهایت بین مودم ادراگر و ابری کے سائھ اس یا فت اورنا یا فت مین سیرکرین انجی کھی گایا نرکھیرا ہ طیے۔ رشی ایک دن سوره افلاص کے آیات کے معنی فراتے تھے اول موجود کہ ح سبحانہ کی انبجاد سے بلا واسط دو سری مثیر کے وجو دسین آیا صا درا ول تھا ہرگا ہ میدا رفیاض سے انہارصا درا ول کا سشا ہے زا دن مینے آول بسے مخالا دوم میں بیانہ نے اس سورہ میں آپ کر بمیر کم ملی سے اُس سٹنا بہت کی فنی کی اوربرگاہ می سبحانہ نے بعد کا

موج دات اورافها رتعینات کے منظام النی وکوئی مین مجسب ذات وصفات واسما وا فعال کے فلور فرایا اس قسم کا فہور منظا میں سیانہ سندن کی مشاب اور مائل بھالا ہرم حی سبحانہ سنداس اس قسم کا فہور منظا میں ہے۔ اور مشان کے مشاب اور مرکاہ بعداز ایجا دسوج وات کے فوع صعررت میں آب کریمی و آب کے فوع انسان کو بحکی خلق اللہ آن منظم مسائم فی اس سائم فی اس میں اور افعال سیمنایت کا آمینہ بنایا جامعیت کی حیثیت سے آب و شابعت اور افعال سیمنایت کا آمینہ بنایا جامعیت کی حیثیت سے آب و سابعت اور مماثلت سائم ذات و بعدا تا ورافعال سیمنایت کا آمینہ بنایا جامعیت کی حیثیت سے آب اللہ بنایا جامعیت کی حیثیت سے آب اللہ بنایا جامعیت کی حیثیت ہے اللہ بنایا جامعیت کی حیثیت ہے اللہ بنایا جامعیت کی حیثیت ہے اللہ بنایا جامعیت کی خوان کے اللہ بنایا کا میں دسم تصور کے کا منا الدیرم حق سبحا دسنے آب کر میہ و کم کی کا کھوا احد شرحم پہندیں تھا اس کے کوئی فلی اس مشا بہت اور مماثلت کی قربائی۔

رشی کی تاین کوانت دان این والد که سائی مجلس وعظ فراجیم سی الدین کوسوی مین که با تقا اس مجلس مین فواجه فواجه سی ایک کرامات دیمی ا ورایک آمیت کی تفسیر نی که وه و دنون مجبی فرید بختین کرامات بیشی که فواجه معارف اکنی او رایک آمیت که تفسیر نی که وه ماشی خرائی مین که باری سی بوجه بوشیده بهوند آمی و رایا کند نا متنایهی مین ایک باری سی ناو کمد نامنس خرائی تعنی ا و رمینیک مین کند و ایک و بوجه بیت کند و ایک و رمینیک مین کند و ایک و بیت که و بیت ایک مین که بیت سی که و بیت مین که بیت که و بیت که بیت که و بیت که بیت مین که و گفتی تعنی ا و رمینیک مین که و گفتی تعنی ا و رمینیک مین که و گفتی تعنی ا و رمینیک مین اگراس می که بیت مین ایک کپ کها بهت بیت بیت در و از و رمینیک مین که بیت که و گفتی تعنی او رمینیک مین که و بیت که بیت که و بیت که بیت که و بیت که بیت که و بی

مولانامي دقاضي اوام السرير كالشدافا وتع

ية صنرت كي اصحاب مقبول مصيبين أورانصون فرصفه بت مكر منا قب اورشهائل ارتصصر مسيات اورفصنا كل مدينة ا كتاب بناني بربنا م مسلسلة العافين ونذكره العسائقين أسمين لا تربين كرص ثيرًا ع الطسوم كياسي من يستركها ؟

مال کے قرمب حضرت کی ملازمت میں رہا اوراں۔ تعالیٰ کا شکراسے ہوئیکہ فیدمت مولانا لطالعا اورمعار منصوفية أندسل مداروا حمرك ياجا في مين طبيعت لمبندا ورفهم اجبند ركهة تحفظ لاجرم خفرت حقائق وروقائق گره کے فرانے وقت خدست مولوی کوبہت مخاطب کیا کرتے گئے تھے کہ ایک روز حفرت نے مجھے ہے ستفیساً كەن بارىك باتون سے *جىمسے ئسنىق*ىدوكو كى نقصا*ن أن عقا ئ*رمين باتے مبوجويان باپ مستا دسيے بحيين مرسيا تقطيعين فيركها كزنهبين فه والأكونس شريه مسائقه اس رجمك كيسخن كبرسكته ببن خدمت مولاناسيف مثاكميا سالة العارفين مين يحيى لكيمنا مبوكدة مترا ميري لما زمست كى حفرت سيد ودينتى كدامك طالب **بعمركزاني مولاما فوالين** نامي كسكوساته سمرقندسته مبرات كه ارا ديه ميربا بيرايا يتفاحب مين ده نشادمان مين بهيونج اورگر مرموا اورلو يحص توقف كياعفركا وقت تحاكه حفرت ميو ينجسلام كوكميا بوجياكهان كاتوبومين فيكه سمرقند كالمجر فإتون مين شنول مبوك اور حتنا كير فاطرين تقاسس ظام كرديا الإنجارا كيسن يريقا كرفق كوا واره كركاس ولايت سع ميعانا سواس بات کدا دیسا ظامرکریا که میری خاطرحفرت کی طرف بهت بهی نجذب مهوئی آوراشنا تیخن بین فرایا که *اگرم*قصو د تحصيل علوم موبها ن صبى ميند بزوا ورائسوقت است موك كيري مخفى باتون سے كوئى جزنهين موكر به معزت اسك بحبوعه پرسطلع <sup>نب</sup>ین ا دیقین میردا که حفرت کوخلت *سکه با طن*ون *برا شارات بخطیم سی با وجوداس علم سکے میری خوامیش بیسف* ل بقی کمنمو کی کرمبت سی مرات کے دیکھنے کوجی چا میشائقا قرنشی کا آرا دہ کیا اُسنے کیا اور کہا کبی راک طرف جا و اور صبح حاخر ميواكه ما زمتسا تكون كسى نفاكهاك مبت مين شعول مين عشر كميا اكيد الخط كذرا وكميما كرحفرت ابني نشست كي مكب سے اُسطے اور میری طرحت اَکے اور فرا کیا کہ سیح کہ دمیرات وردلنٹی کے لیے باتا ہی کھیسیل علم کو بین نہاست وہشت سسے ٔ خاسوش بخاسرا دانعمت العدمن كها درولیشیان آسیزالب بریج صیل كورد بوش كها سی مسكرات اور فرطایا اگر به مع تواجعا برا وريرا إنخر كمرك يائين باغ كوسطا وراسقد رهك كه لوكون سيرد ورمبوت كمؤس مبورة بجروا سيك كرحفرب كاكوت مبارك ميررد إلخزمين آياآپ عائب برگها اورتفوش ديراس خيبت پرگذر ساحب مين ماخرسوا ا تون ميش خل سوسة فاياكه بإر يفطكونونس شره سكناا ورجب سارك سے ايك خطائكا لكرس السطاا ور جي دااور فرايا بهاری کتابت کونوب امتیا طرسے رکھنا ا در وہ تحریر بیر ہرکہ حقیقت عبادت کی خضوع ونششوع ا وہ شكتگى اورنيازى كوشهود ا ورغطمت قرسبحاندسه دل برنطا سرسوالىپى سعادت موقوف برمحبت ہى اور ظهور محبت اسيرمو قو ت سركه مثا لجنت مسيدا لاولين والآمزين عليه من الصلوات اتمها دم ليتحيات اكملها برسج اورستابعت موقوف مبح اسبركه طراق مشابعت كوجاف ليس لبغرورت المذمت علماكي كرفى حاجيج جودا زان علوم دینی بین اور لمارست اُن علما مستعبنون سفه ملم کودسیل معاش دنیوی اورسبب حصر كمياسج دوررسنا جاسيسي ا وصحبست اكن ورواسشون سسے كدرالمص ا ورسماع كرتے ہيں اور ح كھيموج بمحات

وركهائتين برميز كرنا جابيمي اور توحيد ومعارت كمسنينه سيركه نقصان عقيده كاسبه لم کرتی چاہیے وانسلام – اُسکے بعد لوگون کے پاس آئے اور بچھے سفربرایت کی اجازت دی اور خاتح بيرهي اورسوار مهوكئ سم حضرت سكه اشاره كم موافق بخارا كوشي تخدش دورم راسته ميلي شخه كرسمارسة عننب سے ایک بیا وہ دولاتا آیا اور دوسری ایک کتابت لایا جوضرمت خرامه کلان ول بزرگوا رحصرت سولانا سالگ کا نتیغری قدس سره کے واسیطے لکھی کتی کہ عامل رقعہ نیان سے خبروار سوٹ یار رہین اُسے فرجیست ندین کہ ہیکا رہے اور صیکے ساتھ رہا ہے اخلاط کرے اس خط نے بڑی تاثیر کی کو یا ایک تر تحفاکہ زنم رسیدہ سینہ ریکا والاکل تحفرت کی لازمست تأنیفنهٔ مهوایها نتک که قالب متوجه با را کامقامین مبیّاب دو به آرا م مواد و مزنبرل مین ک<sup>ی</sup> يزواقع مولي كدمك جانا جا سبي كمريه عجائب إت محتى كدسفركي تشومش فاطرسيندين كلتي تعلى بجارا كسبو نين بين ومحتوسواری بدلیکتین ا وربرنزل مین الیسی موریت میشی آلی کوئس سواری مین نهین سوار دوسکت حقایم به دنیا مهوا در دخشیم مولیا چند ماس سبب سه مفرسوقوف را اسکه بود چند مار بمیرو بان منه مفرکا قصد که با برا به ابك عارصه بيش آيا كه مانع سفر مبوا آخر كويتب لرزه آيا اپنه دل بين كها اگر آمنيده سفريين كوشش كرنا بهوك تور سنه كا خوت بهى بالكل سفركاخيال فاطرسيس في دوركيا بدازان حفت كى لازمسته كا قصدك إحبب ة شكند بهوي خيال مهواكه لنگرشين زا ده الياس كوجائدن جونكه أستكريشند ارا دت مين مهون آخراً نكو دكيما ہوگا اور بالکناً ایک نسبر کی اجازت ماہی کسواسط کھ حفرت کے جذبہ صحبت لے خالب آگر ہے آرام کروہا ہوآئی معوار کی کتابون کی خرجین ممیت ایک اشنا کے سپر دکیا ا ورانزار مین آیا کدورد ایشون سے کسی کو<sup>گایش</sup> کرد كەأسىكەسا تىرلىنگرماد<sup>ك</sup>ن اىكىشخص ئايا دىركە اپنى سىدارى كەنگىۋىسە كوسلەتۈ كەلىنگەكچىلىن مىين *تاياكداپنى سواك* لیکرها نوان ایک بولاکه الاع تراکت بون کی فرهبر سمیت گرمبوگی بری و ربست آ دمی آسکی بستجو کررسیه مبین امکینی ه مين تنجيها اورفكرمين مرتبط ليااس اتنامين مجه خطره مواكه طبقه خواجيكان قدس المددار واحتم عنور آدمي مين ام میری طرن التفات کرکے متوجہ موسکا ورتود دسرے کی زیارت کا ارا دہ کرنا ہجا ہم کراس سے زبارہ تجھے خرز میں خا بِوانِه دل بن سونميت مصنحوب مواا وربية خفرالله طريعي الجانك ايك آوا زمير يمان مين آل كه ترامركيب الني ما ادركوني نقصان نبين مهوا سرائها يا د كيها كدم الجهورا لا كالكو أكساس وه آشناكه مناسي المرحبيب واقع ميواكه شرا ظورًا اسنير سامة مين مفاهزها عقا الكيار دو كميعا تومركب ندار واضيح مين مبوا اورببت و مندار يوكه مازار تتأكنه مين كوئى جزيم موسكا ورجير إلى اسواسيط كهرا ازومام وان مونا بى يهبت نادر بات بى كەملاكسى نقصالت كاليابوسداوراس امركي فوشى معمر مين ايك كيفيت ببدا بولى سوار مبواا ورسه وسندكوا

اور شینج کے منگر کو نہ گیا جب حفرت کی صحبت سے مشرون میروا مسکرا کرفروایا خوش آمری مجھے معلوم ہوا بگذشتهٔ احوال سے نبردار مین ملکہ وہ تمام موانع سفر کے حفرت کی طرف سے مہرئے ہیں اور صفیٰ ولا نامحد کھتے تھے کا یک باربیری شروع حاخری میٹن کہ حضرت رباحاخوا حبرمین رہتے تھے دل مین آیا کہ خواج ذکر با ورق سیری کے طوف کو جا کو ن حب گذید مزار کے در بر آیا قبل اسکے که گذیر مین قدم رکھنون ایک ب ليفيت عجب واقع مبوئي كهمين گرمڙا اورا نيه اندرايك در دعظيم يا يا كه محيج دو مرا كرديا قريب بحفا كه روح بدن سے تکلیا سے میری فاطرمین آیا کہ حفرت کی صحبت سے باہر آیا اور حفزت کی بلاا جازت مزار کی زیارت كوتومتوج ميوا خوب ندمقا فررًا استغفار كي اوركنيدمين قدم بغير ركھے والسِ ملاآيا حب حفرت كم سكتے ببيحابهلى مرتبهك توسف كميانسين سناكه نزرگون ندكه مهوكربه زنده برازشه يرده ترجي ذنده بي مرسيشيس بتتربي اس طال كامشايده ميرسه ليه موحب زياوه لقين كاحضرت سه ببوا بعض اصحاب بزرگوا ركته تق كەحبب حفرت كواحفىارموت كا وقت بېوا اورا يك جاعت بېنچ لوتے اورخواص اصى ب موضع كے نگران مین حفرت کے سرالین بربیٹھے تھے اس مل میں فرمایا کہ ہمر ایک شعص سےارے روگون سے ایک ہے۔ ليسند كرسه فقروغنا سيءا وربهلي ضدمت مولانا محدكي طرف متوجه سبوك كدا ول ثوا خنناولب ند كرخيرت مولانا سف فرما یا مین سفه وه اضتیار که یا جواً ب کا مختار سبح صفرت سفه فرما یا که سها را مختار فقر بهجواست مع در میر الليكاركوا شاره كبيا كه جار منرارشا برخى مولانا مخ كودس كهوه فقراضنيار كرب كه اُسكوسرايه يعيز جمع بي سائے اور فقرار کی فراعت کے میے جو اُسے کر دسوئے اور ضربت مولانا نے تعمیل مرکے لیے وہ نقدی الى اوراينا ادراف اصحاب كى معيشت كامراكي

مولانا خواجر الشك ي رحمه المدنعاسك

ین فرن سک قدیم اصحاب اور گرید و کلاسے تھے اور ابتدار مال بین ماشکند کے مقام شرف قبول سے مشرف ہوئے ہیں بیضے عزرون نے فدست مولاند سے فعل کی کرفرایا ابتداء مجب خفرت نے فراسان سے اصلی والی کو مراجعت کی اور زراعت کے کام پیش نفول ہوئے اسوقت ہیں ہرس کی عرکا جوان تھا صفرت کی الزرت کیا گرا اور حفرت میرے اور بربت التفات کرتے ہے است شعول میں ایک جاعت ہم صحبت نے کرتھ عیدا علوم کا ارادہ رکھتی تھی اور ہم قدر کے والے کو مستدر تھی جھے ہمت میں میں میں میں میں میں میں میں اور ما ہل اور انواز ندہ را جاتا ہم اسقدر کہ کو میں میں جائے ہیں ہوئی ہوا ور جا ہل اور انواز ندہ را جاتا ہم اسقدر کہ کرمیری طبیعت بھی جانے کی طوف اکر ہوئی میں دل میں سوجا کہ اگر حفرت سے جانے کی اجازت جا بہتا ہوں غالب ہم کہ ان میرون اس سے کہتے جانے کی طوف ان میں میں ہوئی ہوں اس سے کہتے ہمائی میں تاریخ کے معدول اور میں میں اور میں میں اور میں میں اور میں مافر نمون تو باقع نمر بھی اور میں میں اجازت بھی اور میں میں اور میں میں اور میں مافر نمون تو باقع نمر گیا اور اس صورت میں اجازت بھی اور صابح کر اندہ میں اور میں میں اجازت بھی اور میں میں اور میں مافر نمون تو باقع نمر گیا اور اس صورت میں اجازت بھی اور میں میں اجازت بھی اور میں میں اجازت کی میں اور میں میں اور میں میں اجازت بھی کے اس میں اجازت بھی کی میں اور میں میں اجازت بھی کا میں میں اور میں مواقع میں اور میں موافر میں موافر میں موافر میں موافر میں میں اور میں موافر موافر میا میا میں موافر میں موافر میں موافر میں موافر موافر میں موافر موافر موافر میں موافر میں موافر موافر میں موافر موافر موافر موافر میں موافر موافر موافر موافر میں موافر مو

عاصل كرلونگاليس رقومين نه لكمها اورويان ركاها اورجله با به اتفاقاً أُسدن صفرت أس مكان من نه ائے شام , كودفت أتح وه رفد د كميها حب ثلاما تومين نرعقاأس صورت مينتنفيز بسفا ورفرا ياكدوه زبات ملم سع يماريب ساته وبات كرنام واور بحيلة بمصدا جازت جامها سوم معيى تلجعين كركس طرح جائسگاا ورأسى دم حضرت بگرشد اور بريات فراق مین پاران ماشکندی کے ساتھ میلی منرل مین اُتراعقا وقت شام اوروقت فواب کے درمیان دروسرہ اسیخنا اوربری تب موق عارمن مهوئی استقدر که تبیعے بتیاب اور بیارا م کردیا فرما دا ورناله کرنامین نے نشروع کیا بیات نک کہ وقت شکر کا مہوا اور آ دمی سوار بیون کے بار کہتے نے مین مشتنول مبو کے ایک یار حو میرے سفر مرباعث کلی مقامیرے مگورے کو سیکسنے ملکا وریا <sub>تاک</sub>یز جین <sup>د</sup>ایے اور سوار کرائے اُس سوقع سرور دسرا و رحرارت مجھ المصاعب ببوگئی اسدر مهرکی کرمین نه جا نامه مراجراگیا ۱ و رحلتی اگ کے اندر مرا اور قریب بلاکت موگیا میں فی فریا دکی کمهار و تصویم و دوا در تیم ما که کرکت او پسداری کا امکان نمین سی میرصند بارون نے حلنے کاسا انو کسا اشاره سے منبع کیا کہ ہات کرنے کی طاقت نہ تھی جب یار لوک نا اسید مبوئے اور گئے میں اینے دل زن سوجا کہ غالبًا یہ عارمند حفرت كرسبب سيرس كرميرس عبان بررامنى نعين بين اس عالت بين مراجعت كى نبيت بين كمك فوراً ورو ا ورجزارت کرمبونی نشروع مبوئی استفدر که وه توت مانسل مبونی کرمین انتخاا درخرجین مکنوشریه بررحکی ا ورسوار مبوا ا ورتا تشكبندسكي راسته سريروانه مهوا جوقدم كه گونزا ركهقامتنا ائس عارضه مين تخفي**عت مبوتي جاتي متى ست** كه ماشكند كم بوا دبین بیونیا اُس صداع اور حرارت سے کچھ انٹر باقی قطعاً نر باعقا نے انحال اپنے گھر آیا ورا نیا گھوڑا ہانھ<sup>ا</sup> اورحفرت کی ملازمت مین حاهرسوا ا ورسلام کیا جواب دیا اورتسبم کمیا فرایکسواستط سمزونند تو بهنین گیا گر میرسه اوبرغالب مبوازمين كوبوسدويا اورأتس بدا دني كاعفدها بإعنانيت كريكه فرايا ماو خدمت كركرمين تتيب سيربهت كام ركحتابيون ا وراموركلى دريثين بين سعبب حفرت مرزاسلطان الوسعيدكى درؤاسست م آ شکند سے سرقند کو ایکے تمام مهات دنیوی مولانا خواج علی کے اسمام کے ذرر رکھین اور اضتار اسور کا اُسکے انتظام مرانجام مين ديا ورسولانا كاتعرف مهات بين أس مرتبه كومپونجا كه اكيب ون مين صفرت كى طرفت ببس مبس رقعه بأوشاه زمان اورامرا ودبيان كوسكفة ادرسي آيب كوبا در اسكابنمو ما كرمصنمون رقعه سولانا سيخامّ كرثاا وتعيل حكمان ويراؤسستى كرنا

ا شیخ حبیب تجار استک می رحمد المدر تعام

برقدیمامه حاب مقبول حفرات سیمین اورحفرت نے نتر بتیب سفرواصحاب کی ناشکندین اسکے سپروکی تھی اُسنے حکابت کی ہوکہ اکمیبار حفرت ماشکند مین لعض یارون سے خفا موسکے سنتے ذکت کو ستوجہ مرد کھیا آگا کا حفرت کے عقب مین ثبری نیاز مندی اورسکنت سے مغدرت کو گئے حب و نان ہو کے دریافت مواکر حفرت ہوئے ؟ منارمین مولانا سیدن الدین شاری کی قبر بر برولانا آممیل فرکتی کے حجرہ مین بین کہ ولد غزیر برولانا سیدنا لدین کے تقط اوس بار متوجہ منا را ورحجہ مولانا آممیل کے بور کے اور وہان حضرت بصدنت بہیبت و عبلال متصدف تقعے جنے یارون مین سے اُس حجرہ مین قدم ، یکن اور اُسکی آنکہ ہو نفرت بر ٹیری بہیوش موکر سرکھیل لوگا اور قرب اسکے موگر یا کہ افر حیات اُن سب سے دور ہوا و راُفرالامر سر بانا آھیل اُس ویار کی ایک بہاعت تحلصان کے ساتھ میں اور اپنا سر برسنہ کرے سفارش کی اور خوت نے آن خلصون کی التماس کے سبب گئا ہیا روز کیا سماف کیا اور طلعت ومرحمت کے آثار نمایان میور کے ایسکے بعد ایک ایک ماریوش مین آنا متحاد رابط شاکھا یمان کا کرسیا ہے آئی مال برائی

مولانا نورالدين تامشكىت رى

ير منفيولون ا ورمنظورون <u>سع ستند ايك روز جيفرت محبت د اتي مين سخن فرارسے تھے قربا كا اصطلاح صوف</u> ىت دا تېرىدارىتدار تىلدا دىلىش سىيى دى خورت ى سىماند كىساىخداس بات كىلىغى سبب جانین یاموصب بهیانمین ملکه وه ایک میل اورانجذاب کششس سخسبگی د فع میرفذرت مهنوا ورفزایا ک دوار كون سے نواح مانتكند مين اس اسبت كويمينديا يا ايك بيستد بهمارے حلقه كرو كيواكر اوردور حاكر بيٹيمة ا گردن شیرهی کرلت ایک روز و صنبه کے لیے مین اُنظامهارت کی جھاگل کی طرف سبا درت کی حب میرج صور حکا اُس سے بین نے پوٹھاکیہا ن ترب آنے کا سبب کیا ہوا ورکیون اس طفر کے گرد کھترا سر کامین کھی نمین جا نتا ہون کسکن اسقدروا نفذ ببون كرجب مين بهان آتامهون اينه بإطن مين ايك شش وريل صفرت عن سبحا ندكى طرف بأنا مبون أور اینچیکوسب مرغوبات سیرخالی دکیمقا مبول<sup>اهٔ</sup> راس سے بٹری لذت میرے ول مین بهریختی مهرا درحب بامبرها تا م**بو**ل اُلین<sup>ت</sup> سے خالی ہوجا تابیون اور دہ دوسرال کا بہت غولصورت تعقا اور سمارے اصحاب سے ملا قبلار متبا تحقا اور اس نواح مين ببت آدمی أسکر سا تحد خاطر کا تعلق رسکھتے ہے اور میارے اصحاب کو عبی اُسکے ساتھ متم اور مطهون كرته تغفيين فيلها أس سه معذرت جامع أكه علاجات مرجنيدما افدكها اوربائكا كمجيزفا مكرة فتفاميعان كاكم آخرر و نه نشکا در ببت اصطراب کیا اورکهانمکواسمین کها فائکره میرکدمین بهان ندا کون اوربام دوگ میجی نشونش تیمی يين اورميرادل كشاكش وانوا وجزون مين فيرنا سراس حفورا ورهم بعيت باطني سے كه اس حلقه مين اپنجر وزياتا مون د ور**جا**ظرون گایارون نے اُستے چیوٹردیا اور بروز و ررکھا اور کام اُسکا ویان کے بہوئیا کہ اس نسبت کامنطو<sup>س</sup> سوكي اس طرح مع كدمار بالم انتي ككوكا رامسة بحول جاناا ورحس وفتت مجع اس مصفرورت مبوتي اورجب جامية لاأسي كام كهون وه كام كريجا مبوتا يأس كام بين مهوّا ا ورياب صاحب جال كة خفريت أنسكا وكركرست تصفيم كل نورالدین ماشکندی بین سربعضداسی سرزگ سے ایساسنا گیا کہ حب سولا، نورالدین ما شکند بین ابتدائ<sup>وا فا</sup> طور حفرت مین خرمت ملازمت کومهید سی و در میرمصری کمرانی حفرت بکه ساسند لاید ا و رحضرت کا قاعد فتحا

ی سعکوئی چزینول کرمین به اس سیر قبول کی ا در جانبین کوانتسی کردی ا در اس اثنامین ایسید که اکدفا مُ ت کا پہنچ کیسی کو آسکے گر شدہ سے یا دولا ہین مثلاکسی نے ایک جوالفرتیں کھو ویا ہوا ورکسے خرمنیں آگا ی کی صحبت مین میونجا که هواسیکه گم کرنے اور اُسیکه گم شده سنه خرد سداس سحبت کا فائده برسی وه عا غر عز و ا ببوصه ابني وابركم كم مبوني برا دراس سے اثر قبول كرے اور بيرانيے كم شده سے خرابوسكاس عن شاكسين مُرااُ کیاا و حضرت کی ما زمت کو لازم کم م مرحند اُسکواجازت دینے اور در کر تے نہیں جا نا اور کتنا کہ مجھے اس درگاہ میں کوئی غرض ننین مبر بجزا سکے کہ مجھ متیو مردین کہ تھی تھی صفرت سکے دیدار مبارک کادیکی لون اُسکو تھی ویا اوراً سے طرلق را **بطیتبلای**ا و را س **نسبت ک**ی ورزش مین از حاشغول میوا ا و رنته و زُری فرصت مین مغلوب اس نسبت کامگر ا کیسه روز مولانازا ده فرکتی نے که اس مقصد کی نصل دوم کے آمزین اُسکا ذکر موجیکا برح طریق مشغولی بطنی دوا فوالدين براطلاع بائى م وأس سيسبختى كما بوكا كروقت نازين اس طريق سيه تومشغول موتوكفركومهونجتى ہوزندا زمان کے وقت اس طریق سے شغول منونا کہ بخریمہ سے نمازسے اِ سرآنے تک سلام کے ساتھ اس انسبت سے توباز اَکے اوراینے ول کونگاہ رکھ اُسٹے مولانا زا وہ کے جواب مین بیمبت سے سینی معمالعد کی چی مهی**ت** زان روسه که حشیم نست احول به معبود توییزیست اول ترجیم پاس و حبست کریری آنکه مینگی پیچود شرلاول تترابير بو - نيه فرتعوهن مولانا زا ده ا درجواب مولانا نورالدين كي حفرت كي عض مين ميونجا ئي سو حضرت مولانا ثاده سے کہا ہے کہ ایک خصے کونمازے اندرول ا لماک واسباب اور غلام وزبل اور موششی اورا نبار وسائراسٹ یام سيسكر فتميت مين عائا سوكا فرمنين بواكر ايك موس كا دل ايك موس سندم بولط موتو و وكسواسط كفركوموسيخ بعن محذومون سے الیسامسموع مبوا کہ مولانا نورالدین سندا کڑا سنے کو صفرت سریندا کیا ہوا وروہ الیسا ہوا کہ عفرت كووبا دا ول مين مرض طاعون سديا مهوا وردانه مرا <u>شاريك كا إلين سيلو سين كلاكه مع اشدا وردين</u> بوا دراسکا مراخطره بواسوا سیط کردلب صنوبری سے کہ می حیوانی کا معدلت اور حرارت غریزی کا منبع ہی ورب ترم اوروه معفرت کی خداست مین گیا اور شری نیازمندی سے درخواست کی اور کما که ا مازت و بنیے ناکھیں اس من کو انتمالون کسواسطے کردنیا میں کوئی امرمیرے وجود سے مبندھا ہوائنین ہوا ورحفرت سکے وجودمبارك مين لاكه مكمت اوبويساست ورح سبها زكوحفرت كيسا تذمببت كاروبار من صغرت سله فرايا تو عوان نوع دنیا کا نا دمیره اسنے مین اسیدین اورول مین تمنا مگن رکھتا ہے وہ رو<u>نے ا</u> ورکھنے لگا کہ بھے کوئی امیدا دم کوئی آرزواسے سوائنین برکرانے آپ کو آپ کے اور قربان کرون عفرت نے آسے اجازت دی اوروی شغول موااوس ائس ارك نتيجة أيا ورمض كوكلينيا ا ورأ مثقاليا اوروه نيا دارة حفرت كر إين سيوسية أسكه بائين سيلوم وينتقل موا اور فرست بعبحت تمام مسترمن سعائم كحرم مرسوك ا ورمولانا نورا لدين في ريالين سياري برركها ورّين ان

مین کیار رحمت حق سیحامند ملا بیعضیے ہم اب کوکشف قبور وغیرہ کے ساتھ منحقق سقے اُنھون سنے فرایا کواکی روزاسی کے قریب کرمولانا لورالدین نے وفات بائی تقی حضرت کے ساتھ سوارگورستان تاشکند سے بورب کو بوتا ہواس گذرتا تھا دکیھا کہ مولانا فورالدین محد میں میوسدا ورحضرت کی طرف متو جہدئے اورحضرت نے فرایا کہ امومولانا فدالدین مسیدھا سو وہ مجھرگیا اور قبلہ کی طرف منٹھر کیا اُسکی وفات اُکھرسومیا لیس میں مبولی کہ کارنے مبلط ول کم

مولانا زاوه اتراری پنسبرانند

به اصحاب کمیا را درا طبه قبولان صفرت سے مبور تے ہین تا م *انکامحد عید السد سجا ورمولانا زادہ ا* تراری مشہور مین مولانازا دہ اتراری نے کہا ہو کہ صب صفرت کے منٹرون فیول سے مین مشرون میوا ایک دن صفرت کی جا نثرلون مين يمحصه خطره كذراكيا سبب سركه حضرت نے مجھے سبق وُكركا تلقيس نكساا دراً سكا غلبه مواناً كاه مميرى طرف متوجه مبویے! درکدا مرکا م مرا یک کے مناسب منین ہے ذکرا ورلوگون سکے مناسب ہوچمھاری ہتعدا ہوت تطيعة بتجمعين أسكى احتياج متين مبرساء ريهي غرست مولانا زاده ففرايا كرأغارهال مين كرحفرت كرميان سین حا خرم وامیری خاطریین امکیف خلش کتی کرمیشیدیین گروهٔ شقبان مین محقا اورچیندروزاس خرنفیه کی ورش کی ج ابيسانه كارسلسله الادت سعيمن بابتراؤك ككي ادواح سع مجيهة دهت بي ينيطي كان فكرزور برربي اوريه وسوسه عليه كزاعط حب فخرکوحفرت کی ملازست مین آیا محبسته پوتیها که مشبل بخ*سی لس طبقه سکه سانخه توسفه اختلاط کیا به ک*لهامیل عشفیان سے مجعے ارادت تقی اوراً نکے طریق کی وزرش برمبری خاطرج ہی ہوائے تھی فرمایا کہ آج مشب کو ایسا دکھیا گیا کہ ایک ار ومشائح ترک شرب سلاح کے ساتھ ہارے احاطہ ورجو لی کے گرد چکر لگاتے بچے اوکسی طرح اسکی طاقیث اتنعين زعتى كدا عاطيسكه انترزا سكين اورتعرت كرين خالباتمعارسه سيه سوا مبوبود ازان ميري طبيعت المق سوستة وغد فدست بالكل خلاص مبول اورنقين كيارآب كظل حابت اورعنايت من مبشية أفات ظامري اورباطني سير خبيث رىدۇنگادىرىيى مولانانا دەسفۇرايى كواكميا بصفرت مىسى تجرسەمىن آسكىنىت كرائى دوركداسباب اورجى فاندمولانا فواد على سے سا دوائسونت منعرم مهات وروكسيل على الاطابات مولانا خوا و على تقع حبب كموانا له إكب عفرت نے بممها بأكريارون ني مكايا بعد كها أكله الماس كما أوس كله أن بين بين احتياطي مولى يتجفين كروا ورأتمين مبالغدكيا مِرِی تعتیق کے مہدمعلوم میا کہ لکڑی میں تھے تصور میوا ہر نما بیت غضہ بنہ کرمیا فرایا کام کی مُرْنباد غذا سُولان عثیا عظيره احبب بواسواسط كربدن برجون مربيوتا بهوا نبااثرسالك بنظام كرنا سي يبدؤو فى اوربيشيا فى حبقة ركو كيفيع اكنزلغها سربينيان سكه كمعاسفه سيرمعين بخدومون سفائتل كى بوكدا يك روزحفرت فقرون كى جاعت سي اكمه بخلص كم جووس اصحاب سع محبت كرم ركين تحقا ورحفرت كالفرف كالثرسب مين ظام رعنا أجمدت كرجوك ائس محلبس بين أكر بيمينا عقا أنسكوكمينيت ميوتي فتى كريو أحرمنين سكنا عقانس درميان بين مكفانا لاسك خدمت

مولانا مامرالدين اتراري رحمه انشد

 سدار مهوسندا ورایک گانژن کو مطیرا و رنجه سم<sub>ی</sub>راه رکاب لیگئے اورائس سیرسحوامین برگزول کوشکفتگی عاصل ننوتی محتی گراس جران و سِیرآب کویک کی طرف شرامیل مقاا ورمین امس صورت سیرنهامیت شرمنده او مزفعل تقاا چانگا اُس سح امین ایک لاله زار بربه و نینها دربشیت اسپ سنه مایخه شرها که لاله ای اور مرسه مایخه مین دیا اور فرمایک ک مولانا نا صرالدین نتخفه شرمهٔ مین انی کهانست**ی بت او***رو اور***لاله زارمین ی**ا د حوان او رسیرلب آب کویک کی **توکر** تا پیجیب منرت نے بربات ظاہر کی میں سرے تعرم کے عرق تشویر میں عزت مبوگیا اور بڑا نثر میندہ مہوا حفرت نے حب عالت میری شابره کی نور اُ التفات فرائی که علا خدمحبت اُس جوان کا میرے دل سے بالک شقطع معجوک اور بجاسدا بيكة مضرت كي تعبت ثابت اورِ قائم موئي اور يقيمي أسف كها مهركه حب سلطان ابوسعيد مرزا في مرقن كو نعتَّ كميا اور خفريتُ اسكى استدعا سيعة مَا شَكندُ سيع سعرقنداً سي*حُه ايكيد*ن سكان كه لييند كرينه كومحلات اوريا ثما ين ترةندك بالبرسيركرية في يهان كك كمعلفوا حكفشيركا خربهد ينجا وراس مكر كولسيندكيا اورمين اس سيم ہمراہ بھا <sup>د</sup>بب رات ہوئی اور*حفرت نے اختیاصت کی میرے دل مین آگی کہ حفرت آج بہ*ت <u>ط</u>ے می*ن ا*و مانتا مون که تمنیکے مبو شکے اور مین اپنی نوات سے بیجراُ ت اور بدا وہی نمین کرسکتا کہ حضرت کے ملاحکم ماہم با ٔ دن ا درخه بست کرون کمیا مواگر مفرت سے امر*خد مت کا میواس بات سکے خطور سے بعد اشارہ کا ننتظر ت*ھا آیا أذبا يكه بولانا نالدالدين توعبي تفتكا بالمرهم واور نه خدمت موقع كى بوحب انتى اجازت مين سف بإلى توجيعيا اورفايت كي أسف كها به كارشوع احال مين كه مرقند سي حفرت كي ملازمت مين مبقام الشكند آيا ولان ايك د أشمه وتقامكتا علم منطق مین اور ام علوم ریاضی مین تبوموانی میرجهال نام کرولندر ببرلیاس مین ریشا تصا اور نیدا مینتا اور نماز نهین يرها تعادراز كاب واسين نهايت ببياك ورداريها أورطري مشائخ اوراولياكا سكرم شدحفرت كى ندست اورغیبیت کیا گرا اورسیدا دیا ندسخن ناشا میدته کهتاایک دن ایک محلیس کے اندرمین عنیس گیا کہ وہ وہان موجود تفاحفرت كانشئبت سناميت كرائتها اورضانت وكهلانا تقاحب مجهد وكميها اورمانتا تحفا كهضرت كفا ومون سے بون تعرض شروع کیا اور کہاتم معتقد البیت خص کے مبور کے کدائے نظم ہے نہ حال ہم نہ فکر نہ خلوت اور بین ا آج اکلی محبلس مین جا تا بدون او اُس سنت لیوشیده مینگ بیون اور آسیر حکم کرما مبول<sup>ین</sup> که فلان طعام اورحلوا میرسے بیج نبوائے تاکہ تم جانوکہ اُسے کوئی باطن اورعال ہنیں سی اور کا م اُسکاکوئی اُصل اور مغز نہیں رکھتا میں اُسکے نیر ا اوربه بوده كوكي سيد منابيت بدوقت اوريه بطعث موالسكن تسيكم مقابلهن فاموشى كسوامصلحت بميي انسی معاً تفارا وراً س مجیع سے بامریکل آیا درحفرت کی طرت متوجه موااوروه میرے بیچیے بیچیے تین ط**الب علم کے ساتھ** کہ وہنہی دل آئی ا مرطر افت اور تعرض اور سفاست کے در لیے تقصّان مپوسٹیے اور بالا تفاق حضرت کی علب مین آگے ادرین بهسته اندیشن*یدی اندر تفاکه می*ا دا ده ناوان سبک عقل بیجیانی ا درگستاخی کرسه حبب وه مثبیا قبل *استکه کهنوشیرو* 

کرے بھوڑی میں گا۔ بار نمدکی ہتین سے مفرت کی نظر بجا کرنکالی اور تہومین کئی اور جا کا انگل جائے اُسکے کامین الگ اگ گئی اور سانس اسکی رک گئی سرضیر سمی کی اور ٹری جدو تبد کراً سکے گلے سے آئے جائے مسر نبواا خرمال آ سکا متغیر مواحفرت نے فرایا کہ ایک تمکا فرور سے اُسکے کلے پر ارا اور وہ بھٹک ایسکے کلے سے طبی کے ورمیان نکل بڑی سب حافزین اُنسے بینے اور وہ اسقدر شرمندہ مواکہ بیان نبین موسکتا او اُسی جالت میں شاگر و سمیت حضرت کی جلبس سے بازم کل بڑا وراس قصر نے ولایت اسک بین شہرت یا کی اور اُس کمک میں فی سے تبرا اور بمیرو بان نروسکا اور و بان سے بھاگا اور کو کسی نے اُسکا اُنٹان ندا

ببندوخواج تركستاني رحمسرائته

بعفرت کے مقبول اورمنطور بینے اور ت کیم اصحاب سے اوروہ ایک، جوان تھا سے اہی ترکسا . تنفخ نا دون سے کہ حفرت نے اُسکے ساتھ الثقات کیا ہوا ورا یک شغل کا امرز ہایا؛ دراً س سے احوال غربیب اوراً ہا بنظام موسته تقعیدان کک که ایک ون حفرت نے آسے ایک صحوامین دکیما ہو کمٹل طبور لمیذررواز حکم ہو این نگاتا ببح حفرت كويه طوراً سكاليسندندآ با غصر ببوسدك اور و «كيفيست أس سيرسليب كربي اور وه ميواسير ادبسا زمين م كَلُ كُراُستِكُ تَمَام عَفَ جِرجِر مِوكِيه ورنهايت بولسبت واجنبي بوكيا أنما اورموندرت كى اورحفرت ك ياسب بارک پرسر کھا ہرجنیدزاری ادرتھ رع کیا کمیر فائرہ نہوا اور ایک سال کے قرسب سبد انتفاق حفرت کی طرف سے اسكى نسبست رسى آخرالا وسنروغوا جسنا بساب بوكرخشونت اورب ادبي شروع كى اورصفرت سيركه اكدمر في بث ا ورجالت كوغارت آب سنة كرو يا اگر مجع واليس و و توبهتر وردم خرت كومين فنل كرونكا ا درا گرمفرت كون يا كان تو فواكتشى كربؤنكا اس مخن برمين التغاب منبين كميا اور وه "بشيد كما ت مين رام كميا الغاتنا ايك وقت منفرت كوباع كم يحتم كوم مین بیاد**ه نها**اسنه با یاحفرت برخیری کمینی حما کهاجهان کوئی سیا دکی مگیرنز نعی مفرت بطریق نهی دلبس که ایک مفکلی جرواسه كى صورت بين شكل موسطة كه كان توني بال دار سربر سكة اوليتيين سليد قبا بدن مين او يمثوالهم المهمين تغاصب أسفاك ببنكاندم ودكيها بائتراد يغيري روكي حيوان اوتيتعبب موكرانني فكيروسين وكت ركبها ورأسكم يخث ک حرکت بالکل جاتی رہی حفرت سفے پیری آسکے ہاتھ سے سال اورصورت اصلی میا کرمسکواتے ہوئے کما کہ اگرین نتقع اس جُغری سے مار دُا اون توکمیا کے وہ حفرت کے سائنہ فاک برُسند ملکز ارزار اور بناست دروول کے ساتھ رہا آخر كوحفرت ندأ كبرحم كيا ا وريج أسكوكام برلاسة ا دراً سفرخرت سكه دست سبارك برعدكيا كدعبرايسى حركت كر اور کرامات وخوارت کوجیمیا کے اور اُسکے افغانین حسب مقدور کوشش کرے راتم الورون نے سمر مزند میں ایک سرخ نزاج آب كه حفرت كتي حيريب بها بمون سے تنے يہ حكايت شني ادراً س عزرنے فرما ياكين نے جواني بين مبلد و خواجه كود كيدا عقاا ورا ستصعبت رقى اكب جوان وجديا بهيبت عقاا درمذ بات كاذكاراس سعة ظامر بينا وريدرا مى أنهى مجعاد يحكيرها

کرنامقار باعلی برلخطه بعبوریت رخ دوست ببین ۴ دراً مئینه روسه تومهان روست ببین + تودیده نداری که تومینی و آ در نه زمرت تا تقدمت ادست ببین ۴ ترحمه بردم رخ دوست دیمیم اکسینظرمین ۴ بیرهکس رخ اُسکامی ترسیم برگر مین ۴ آنکمیس بندی تحفیکو حراسی و سکیھے تو در نه توسسرا با سی و میمی منظهر مین ۴

مولانا آمعيل فركتي رحمب را ينتد إ

ی*صفرت کے قدیم اصحاب ا درمقب*ولان بارگاہ بین اور وہ خدمیت مولاناسیف الدین مناری کے فرزند ارحمینین له مرساصاب فواجه بزرگ قدس الدرمره سے تھے اورا نکا ذکرخراس رسالہ کے مقالہ میں آجیکا ہو اور ضرمت مواتا سیعٹ الدین کے دوفرز ترینے و فون عالم عامل اور فاصل کامل طبہ سے فرزند مولان*ا سلیمان ذِکتی بین کہ حضرت خواجہ* محدیارساقدس سرہ کے شاگر دیکھےا دروہ امازت کہ صفرت خواجہ نے اُنکے لیے جزر حدیث برکھی ہو میری نظریت گذری پواوروه بیبوکه خوا جه کیمنط میارکه، سیمنقول مولی شیناً بانسترجانه د تعالی **ایمازن** صاحب نیرا الجز دصفوه الا لة اسليمان بن مولانا سينف الدين ثريمة توفيقه ورعم العدوالده في محلب سم مواعلى نيرا الفقيم من الاحا ويشة النبوته وكما ويشة نه رئهم الدروضي عنهم إحبين ابيات اخلالي اوزت لكرسماعي له وماصنفت من كتب الحديث 4 احزر كرتبةوى الدكير، النا والبرن رب مغيث +كتب العبر محديث محديث محديث المافطى البارى لوم البت الثاني من رسبني الآخرسنة تسع عشروتمانمانيه حاردا ومصليا وسلماً او لاوآخراً واطناً وظاهرًا تشرجمهدواس حزوك ركهن وال کے برگزیدہ مہران مولان سلیران من مولاناسیعٹ لدین نے زیا دہ سکی توفیق میواور ادر اُسکے والدیررهم کر ت مین اس فقیر کے سامنے احادیث نبوی اور ور تذمصطفوی <u>صل</u>ے امدعلیہ وسلم کوسط عت کیا اورا جا برنٹ عام طلب کی سوان کی سوان کے قبول کرنے کے الیمین نے یہ مار ابیات مجمعین درمالیکہ آنکوافتیاس کلام آی بزرگ کے بزرگان سلعندسے کا ہون اسدان برجم کرسے اوران سب سے دہ راضی م**وترجم پرابیات** میرے ووق یا میرے نزرگر میں قاجازت کولیے ساتھ دی اور میں نے کوئی مدیث کی کتاب منیں تصنیعت کی ساحازت میں نے دی *مرانکیب صاحب دین اور وقل کوچ* علم کی نوابش بطلب شما مرکزا ہو۔ او**برش مطابازت کے سوامس**کی تھات كروتصحيف اويفلطي فببيث سنته ستحقين وصيبت مين كرناموك اصدسك فوف سيح فاكرتم العدفرا درس درمات ثواب كربهويجي سداسكونكحندياسي مبذه محدين محدين محدودا لحافظى البجارى سنعشنبه سكون وومسرى تأريج ربيع الآخر السندة تخرسوا ننيس مين ورماليكه مين حدكرنا مبون اورصلوة اورسلام بعبجتا مبون اول اوس أتغزا ورباطن اونظام سانتن وروء مسرك فرزندمولوى سيعت الدين كمسمولوى أعميل بين كراصحاب قديج

حفرت سے بہن داضح ہو حبیسا کہ حفرت خواجہ نبررگ قدس مرہ کے اصحاب مین عار مول نام یع**ت ا** لدین مشاری کے ذکرمین وارد میواسلک انسحاب حفرت بین بھی جارہ لاناہا .امولانًا اسمعیل فرزند مولان*اسیف* الدین سکے ذکرین وارد کسا ماتا ہی **اول مولانا اسمعیل و کنتی فررندسولاناسیت الدین مناسی سکه ورده ابتداسهٔ ناو زنفرت مین انتکنیدسک** مقامین ترمین قبول نسیت میرمنترون مبو<u>سک</u>ه کفون نے فرمایا ہو کہین ا وائس حال مین ب<sup>ن</sup>یت لازست هربت کے کہت سے تاشکندآیا ورحفرت نے ملاحظہ اس نسبت ارا دیت بھوسیرے والدکو مفرت خواجہ نبریک قد*س سروستے تھی* خاط مثرلین اس ننهیدن کی مانب مصروت بکهی اور مقام خاست مین مبوسهٔ او اِسن ملس مین حضرت کیم التفامة مبت نررگ ادر مبعیت توی حامسل میونی او رموسی سروروا نبساط باطن موا دب است کوسویا خواب مین اسا وكيماكه اكدب سفيد بازمية بنداع تقديمة ووزنجته استطرسا هرست نيال وتيمبت سجا فأناب مرسب بالتحديث أثركها حب ، مسأر تخفاقیعن و را مالع نلیم نالب مواد از از از من منت نابعیت خاط مشانشه مفاصین کروفت کرملیر جیم مونه كاعل تقاحة بتألي الانعب تبلين آيانها بت اول المجلمين عنه تساند ميرسع المال كودريافت كميا اورفوة ب لمال کیا جمین ندا:) نواب بوش لیا فرایا اس نواپ کی تعبریتی مکومیت مین نسبت نوب مال بروی حب اتیم سونگذارهٔ است. با بیشه کارسی فراست کسید معاری آه بیرهار مقان*ت کریسکت*ین بهبورت ب نسكارت من كيماً كيامًا وأنه بن ونها يدكه إلى المتوين أوسعاد راسي كقريب النفات ذما في مكير مى مايع جيبة اوليدمية غوب غلايرمول اور؛ في بن و للال مبدل بالبياطاو *النتران ثبن مبوكسا اورمرو يفطهم حاصل م*ل یا اوال دیکیکومین مجد مفرت کی ملازست سے مرکز زیا تعو سالان سبب میرے دیمول اور پیکیتگی کا مفرت کے ساتھ يه مقاحفرت في الكرم والا المعيل فركتي كرساته اس ببت سي كرمير ولا اسيعت الدين منارى كا بتعابراي خاطرسشروهن دمینی چاسیری تخصی تا آنکه اسکونسست نوب او زیجست ته ی ماهسل مهرب بعده پیروه دبیان رستِها و رجع تبسے وہ حدا نہوسکتا اورا کی۔ بما عت دیگریوں پراہول اوسربت قائم ہونی اس بہاعت کی کفاست ایمناج کے سلیفوق زراعت اوراً مسكر مرانجام كه كام مين خاطر معروت كرنى در كارضي ناكدا يك مباعت بفراغت مشغول ده مسكر ادرانکی خاطرایچیاچ خروری کے سبب منفرق منواشتغال دنیا در اُسکی تقسیل کا سبب به مقاصب کسی قدر دنیاکو بخونزكميا زوا كميارك باري طرف ستوجه ميوكى اوريمكوجهاب لهااد آخرا لامراس محقوس نفل سابري اولا دسكاكا زفآ مین راه یاگیا سفاست مولانی معیل ذکتی نے فرا یا بوگرانگ دن انکب جما عت اصحاب حفرت فرکت سے میمار تگرفتی اوز پیجست بهبت ٔ وش گذر دمبی نتمی اس محل برسب کی خاطرین به بایت آگ کرکستند دوش سعا دست بیماتی آ حفرت اسمحل براس كمويين لنشرليني رمكلتة موسة اسى اثنامين حفرت تأشك ندسع آن بيوسننج ا ورد اخل محليتن

رآ با کیفیت غلیم حفرت کے بشرہ میارک سے ظاہرتھ دب حفرت کی نظر مایہ وان برٹری ا ورسکر مجمعیت فاطر د کھھاتی ت میرهی سبت برشکو تعلیدای سودانیان + از براے کورے صفرائیان + ترخبہ لوٹ شکر برکروسو وارمیو \* لورد پر میوتم ای صفرائیو بدایسی حالت توی بالمنی اصحاب بین ظاهرمونی ک*هسب امکیارگی اوف سینی اوروس* بہیوش ٹریب رہے بھراکی ایک حفرت کے التفات سے ہوش مین آ گاگیاہے کرسب آسکے ا درمرا کا کیکیفینیڈ عظیم میدا مهرای فتی اور گوسکا انربیض کے باطن میں تین دن کے باقی تصادر بیض من ایک مفت کے اور فیض میں دس روزتک زباده صب تفاوت استعدا د وقالمبیت کی جبیی تھی د و مهمولانا ایم معیل قمری بین اور و ا يك دالشمنة تقى عظة تركمان تبرنزكه برات سيهم قنداً كه تقعه اورحفرت كي لما زست اختيار كي عتى ا دراكثراتوا معفرت سكے سائتھ سوار كھو اكرنے اورحفرت كہم كم ي انكے سائھ تذكره على كہا كرتے سيفے امجاب ايسا كتے تھے اليكافی مئوقا بركالسببت علمية واذا برغالب ببوا ولسببت إطنى الن ونزوك سيع مينواك بالثرينين كمصتى أكمين مفرت قصبه شا دمان كرومين بينط يقط تقدا در مولانا أمسل قمري ايك جهاعت اصحاب دخدام كم سائرها خرا خط ارحفرت شرح على شيخ سعيد فرخاني كى ج تصيده ناميد فارسيه بركمي بيخيط سبارك حفرت فواج محديارسا قدس مرو بايترين كير يخفي ذبالي مين حابها بيون كداس كتاب كو تخط نسخ خوب لكها و ف كرسفريين بيشد مرسد سائم رسيم برانطفيم ا بل عليس سے ایک ایک حز تکھے کہیں دکھوٹ کرسکا خطر مجھے لیند آتا ہے بیکتا ب اُس سے لکھاوُن بس فرایا کہ کاغذ قلم د وات لادين بفركفط نسخ نقر كاكرا قوا ينوون مون كي هورت ركفتا تعامين شعبا باكرا كيسبب ابني صسيال لكمات اس بهانه سه در دول عوض كرون بإئترمين في طرها يا كرقا أو ركا غذائه عا أوج و كانتا معل غير المعلم خيط منظمة بزعقا ببنيدستى كى فلم اوركا غذجر أتحبسه أحك لها حفرت سفانفيركا اراده ا ورمولانا كي تعبيث وكمين وأرسف نحطشك نامطبه بي يعدميث موهنه عالهي كاز غياتنوه حاتزهم بلاقات تغيير ن كاو مجبت كو زياده كوبس وه أنفعا او حفرت كه دست مباك مین ی حبیج فرت نے وہ خط فا ورست ورد ہ صدیت نویسی تھی دفقہ تیز ہوئے اوفرط یا مولانا ہمیں تم ہماری محبت بردوزہ سے لتغوش بن *بوکتیسیفیرجا در رسینه کی آرزوکرس*ته بواب *اعدا و رس*ر بسته مین مربعه بینیجه و ماکد برر در کی ملازمت سیفلاص برا واستخلیس يسدمولانا جمعيل كوسيراه مولانا لطف المداورمولا ناسلطان اورا كميسكروه مولولون سكرسا تخرشهرمن تمبيجا ماكماه ررسه بین دنشه بین حفرت نے بنایا تھا نشست کی اور وہ دوام صحبت اور بلازمت سے معسروم ہوا. وم مولانا اسمعياتتمسي تقدا وروه بولديت ادرالميت تام ركحته عقدا درحفرت سدامك تعليم كمثل المثن مور كفير وراثار شغولى باطن أنسي ظامر يعد في منظرا ورود بمي ترزيسك تركما نون سع مقا اورهب طاسلون سهم اه مولانا المعيل قري كركي اور انكه در ميان اشتراك سي مخااسوا سيط اصحاب نه أسكومها لم يُمريح سى كدا و السيك سائة مشهور مبوكيا او در غربت في أسي في دسال بعيركه خدمت ا ور للزمت مين ريآ ماشك

رواد دکی تا که مدرسه جوویان بنایا عنا مدرسه کاکام کرے اور بقیق العرویان رسبے تہار م مولانا اسمعیل آ تا لیش محاا ور وہ ایک طالب علم خوش طبع عما کہ کشب سندا ولد پڑھی تھیں اور اکثر مشہور کتا ہیں سطالع کیں برات سے علی محدود کی خدمت بین بر قبر آیا جا کہ اس زانہ بین مولانا اسمیل تری وشسی دونون ملاز میت بین سطالع کیں برات سے علی محدود کی خدمت کی اور اتفاقی اسمیل اسمیل اسمیل اور این محلی بین مولانا اسمیل آرائی بین اسکا آسنے اسکا آسے ایک ون حفرت نے ذبا یا کہ ایک برد فاجل ہمارے واسط جا بینے اور این کی اور اتفاقی اُس محلی بین مولانا اسمیل آل کی بین مولانا اسمیل کی برائی میں اور ایک کوشین کا کہ مالی میں کا کہ وار اسمیل کی موسی کی کہ موسی کے قریب اسمیل تھروں کی کہ وار ایک کی خوشہ الکورا کی کے خوشہ کی کوشین کا کہ وار ایک کی کہ خوشہ کی کہ وار ایک کی خوشہ الکورا کی کے خوشہ کی کہ وار ایک کی کوشین کا کہ موسی کی کہ وار ایک کی کوشین کی کہ وار ایک کی کہ خوشہ کی کہ وار ایک کی خوشہ کی کہ وار ایک کی کہ خوشہ کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی خوشہ کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی خوشہ کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی خوشہ کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی خوشہ کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی خوشہ کی کہ وار ایک کی کہ وار ایک کی خوشہ کی کہ وار ایک کی کر

اورسات دن پورسه و بان رسیم اور جمبه کی صبح سنه افزر دار تک برساعت صفرت کا صنع*ین زبا* د دمبوتا گیا اور ا تتین ماه *سے عرصة بین که بعبار یقی حفظ ا*وقات نماز فریضه مین طرا مداننه فرماتی تصح اور بیمیشه ایتهام تام کرنه که نما ز اول دقت! داکیما سیزمصوصاً اُن ونون حب که غلیجنعت اور شدت مرض تنمی اور شب صنعت انتها کرمهویخااور ده وقت مغرب شبنه سلخ ماه ربيع الاول محقا فرما يا كمهغرب كا وقت ميوگها ميوگا بحض كميا گها كرمبوگها برمغرب كي نما ز اشاردن سے ٹیری اور نمازع نیا کے وقت سے کچے گذرانھا کہ حفرت کانفس مبارک منقطع ہوا اور موارجمت بین جا اورصب حفرت كوتغيريه إاوريه وقت مبشين روزحه به كالمقاا وشهر مرقندمين زلزله غطيم ورغبار ملبندم وإوراستنت لوگهسچدهامع بین من*قه ا در اکترخلق صعوبت مرض سیه حفریت کی خرر کھتے تنفی* حب د*ه دارای علامت دیکھی ہی* اسيرزم كمياكه حضرت كى كوئى صورت واقع مبوئى بى لبداز نمازجم درسب خاص وعام شهرت ككاكركما كزان كومتوج ليوسة أورعشاك وقت صينفس سيارك منقطع ميوا ابكيب بارا ورزمين لرزى بجا ورزخت زلزلة تهرس ويندين دو ماره آیا اورمیزاسلطان احمد تمامی ارکان دولت اوراعیان ملکت کے ساتھ وقت غروب شہرکما کگران سیجیج ا درمرزان ابدازنا زمغرب حضرت کود کمها ا ورصبح روزمت نبه مردر دلیش محد نرخان معلبت تمام مرزا که یاس سے إُسْاً ورنغش مبارك عفرت كومحا نه من ركككرمتوح شهر موسلًه اورظرك وقت محله خوا وكفشيرين لا لمح ببين في الفوسل الوقيمين مين نشغول مېوسځسب خاص وعام شهرا درولاسټ نے احاطه ملایان مین صفرت پرنماز ترجی ا وراسلی ظم مین دفن کیاا در صفرت کی اولا و بررگوار نے ویان عمارات عالیہ کوئری کی بین اور حفرت کی قرمبارک کومبتری شع سے بنایا سنوا رائیضے عززاصحاب جوانثقال کے وقت صفرت کے ما خریقے اور بعیفے دیگر کے حفرت فوا دیجہ پیچارچمہ السدتعالى سير سنايتها ايسا كمتت بن كرحب حفرت كانفس مبارك قرمي الانفطاع بهواا وروه وقت مغرب ادعيشا کے درمیان بھاً؛ س گھویون ٹیمیع روشن تھین اور گھونہایت منور بھااس مال میں ٹیکا بک مشاہرہ میوا کہ صفرت کے دو ا بروے معارک کے بیج سے ایک نورمجلی کسطرے حمیکا چنانچراس نورکی شعاع نے سسب شمعون کوجواس گھرمیری وشن عقین بیمیکا کرد یا ا در تفخیص آس مگرمین حاضر تفاکست وه نور دیمیا اور اس نور سکه تیکنے کے بعد لنس سارک حضر تیکا منقطع مبوا المدتعاسه انكا درج كمبين مين ملبدكري أنمين سترجنيرا نعام كميا بوجبيون ا ورصد لقيون اورشهدا واور صائعین سے اور ازہ کریے دوج اسکے اسلاف کی اورطول دے عرکواسکے افلاف کی ۔ اورد فرت مخدومی مولانا فررالدین عبدالرس الهای قدس سروانسای فرحفرت کے سلیے میٹیہ فرایا ہوا در حفرت کی وفات کی ایج بين ايك عربي ا ورقط عدنظم كما سي وركل جمبوع أسكا ديوا ن سوم سين لكهام و اوروه غزل اورقط عرب وقسط مربوسك ولايت كهن ورفعت بلند بالموعم يا بسرابل فقرسا ينكنده ووشاخ سدره نه دربر لمبندنش مبت 4 بوماغ روض فرد ميوه شيش ماننده فروع آن فبريض كرم كانمايه و اصول آن بصفات قدم قوى ببوندو به نبل مبدو فذات مُنزلًا

روزي خاه پيسه مانياه بزارما مجتمنيه ۴ سنوده فداه عب دانسه ونكه در همينمر ؛ حزا زشهو دِنقيقت ولش نشوده فومس ند بيميشت صدو نودين حرص الميش ، كرورحم برابل جهان نرني كمت مكنست باس شب آخري ازال بي كشمع جمع رسل را درورسیدگرند ۴ نبود رنتن اویمجو دیگران جامی ۴ ز در رماد نه ز اسه دسپهرفتندنسینند ۴ چوجذر سبعنی و مقا بعارت آوردی به نهکن است که اندنبتیصورت بند قطعهٔ ماریخ بهشت صدونود دینج ورشب شنبه به ک بود ملخ مېرنوت احدمرسل «كشيد خواجه ونيا وه ين عبيدان» + شراب مهاني عيش ايدز جام اجل + قرار **كاه** دلش يا دوم مارج قرب به معارج درجات مشابر کمل به يه ته سيده ي جرسفت خوا بُكان ادر تبست جفرت مين الغاق مواقد مالهداره

نفت نیز بی عجیب طا نفهٔ پر کارنه | که دیه پر کا ر « رین « ایره سربرکارنه | مهمه گرد آن» ه برمرکز کمیب دانره اند بمدواقعت مشده ازگردش كميكانو انقشبندندوسه مبدم رلفش نيسند ابردم ازبواتعبي نقش و كريشي آرند ا کرچه ورصورت مصمنهٔ رمینی یارند | آب نیل اندوسه برلسب قبیط خونند | روح محض اند دسه برخوستیسط ماینم فويش را دو فينه برمسبدراين آنا زير | إس الفاس بوزمعلت اينظ ه بنا | ياب شدوسه باوشه احميارند وم كله دا شنة حون نا فدمشك نقكم الب كشائيدروان مرد يعدوطان الخامشانن ولى وقت عن طوطي وآ بهرشيرين وكات وشكرين مختارند الخم أسام درا ثلوت درائج سب الشمع مراغبن ورونق برازار ند لسكين افسدوه ولان بيلن فودتنا ننياننا إبل ل قا فلدكعبه عشق المدوسه الين ككروا روزان قا فلداسا لارند سردین داری بل بجسدوین مخارنه استا برناد وجودند درین داروسله انه چوسنعه رسسرع بده جوسکه دارند ليرسدشان طب معرفت أرخل ودا إرى ارتخبت فرداين قوم و بنوداتا البعنت بيت انظرك بدبول المنعم ويتمر إجراك والدّان كفت رند السكنم تفيين كاندرصفت ابن كمان الن كهر إمنزف العفندشر إوان

گرچیدمر" متصفیل اندهبش افعکنه | اگرچهٔ محزا زملیل اند صطب را نارهٔ | ادر متبا ازر دش ایل عبا یا **دوس**ت نردوزران وشان خر*ته ازر ق دانه* | سترگبهیس بودشبوهٔ آن عبیارا ن | اسلیس **معیفا**ت علی سه به رند مراین کثرت مهموم ای حدت من | چشم دارندا زان برسرستنعانه | انکندکژت آثار درایشان تاثم چون مه ع الشين شان سفرافلزون ارتري سناه ه مدل درسه روز قنارنه امال من گرم روان قسهما فامزه ا ورسيه فاختمواي فناكره و نزول في مرترزه ورين نه تن زنگانه بريج سدا انتهسيدان مب و

ر سه به و ارنهٔ الوو سه رنداند کایت یارول ویمتازنه انه فلک رار بیکی عربیره و رحیخ آرنه صورية ازويه وسمن معورتها اند ادربها شدوسه ازدوجهان بزارند الارآن صورت بيك كهان طالكت بهج خثیم خوش و نبره کشس و مبارند | سرد با منادکه تا سرند مبهی سسه زیسنید | اسافیا نند که انگویر نیمی ا نشأ رند ر کیف ناک بگیرند زیسن شود | روز کمندم در دندار چابشب بوکان ار دمی کن مرواز عبت شاف وشم زانكداین مردم و دگیرسمه مردم خوارنه ای خی مردی آموزا زاایشا کی دیشا المردم دیدهٔ سیای اولوا لا بصارت يغراين مرد كمك دبيره بيناكه بو و الوكزوابل نظرتنيم عنايت دارنه النظبة فات شدكوك مكانع البين كزعموم نعسسها وسيمدر وترى خوارند البرعالم توسيدكه ازكون ومكانش الهيد ذرات جا بجتبس انوار نس خواجُه زمرهٔ احرار کهشایان جهان | برورشنست او مبندهٔ و خد متنگارند | دمین بنایا تونی آن تبلهٔ ماجات کلیت " بخود از سرحیته روسه متوسع از زرا اسهه باطوق و فا صلحه مگوشان تونه اگرعیب براند در مین مراه وگراه ارند جابلان كسراز ربقد ارسيعين إدرج أكاه الاست خيسيدا فسارنه أكهم اسيدفتاه وبتنيه نسلال كا و حيرت زد و دربا ديه ا دبارند اناكسان كدراهسان توسده م زيند ابرليب بجر حكرتشت جوبونيما را ند آن حريفان كهموازسا غوعشفت كوا اكر حاب بنود توسنندوسك بشنايغ ابيخود اندسجباب تووه وممششى بيدلان درخم قلاب تواسى وارند| | اسمى بحرتوام درصفنت مدحت بير| | چران صدفها كه لبالب زدرشيموارنر مِركد شدع قد بحر توفز و دآب رض البل ساعل يوصدون رميزه بمقدارا العاود ال عزت ورين مجرصفا با رصف بركزش يارنب ازين بحرفز فكذارند

ان گرم روالج عالم از فلعنله منتا به بربو د منفرنتا د زین مرحلیتان بسیمارته هی چون منگی سوخته یکیه اقتان فیزان عقی فله شا قط ويوسيه في "ماريني اتمامها رسنهات عين حيدتنا وصلت الى روهن لهنا + فنبارك المدالذي اللي لوري الله له رایت تمامها منشوت نی تاریخه و مکنت عطشانا له فدفاض سن رشحاتها + قعطعة فارسینه فی تاریخ آنهما أمرشهات باكثرالبركات + بون آب خفر نفرزمين حيات + يابندماسياك بنيده مفات + تاريخ شامش وحري رشوايت ورخت قديم لمبند كأسفرت مولانا جامي قدس سره بنع ولايت درخت قديم لمبند كأسف مبسه مراكب فقرسك سربيها يددولان فأخ سدره كى شال داسكى رلمندى بين كوكى ميسر بيح نامثل بالمع بهشت كالمسيوة فيفي مین اسکا انندسی اسکی روشنی فیوض کرم سے گران مایہ ہواکسکی فرین صفات قدم سے فرب بیوند میں ملیوں يخضف بزارروزي فودك فتراسي سايكي فراعي مين بزارهاجت مندكى بناه بجوفوا جبعبيدا لعدمرا فاكساؤه

گرتمام عول اسکا بجزشه و د حفیقت کینمین خوش مهواس آنچه شونجا نوسه مین اقبل کی آندهی نے اُسے پیخسے اکھیرڈالاا ہل جهان بریزم کمیا جب ایک صفراخیر شب اُس مینینے کا کار انسین تُمن کنا من سولان نے اُسمین قا با کی اُسکا بانا ای جا می مثل اور لوگرن کے نرتھا زمانہ سے جوجا دیڈرزا ہی اسان اوفیترنسیندی مب کشش معنی مندی مند ہے کی مارف کیطوت بڑتے لاہ سیمکن نہین کردہ فام بھورت پڑتے

شهمه قطعهٔ *تاریخ مولانا ، عامی قاس س*و

سن آنگوسویجانو سدمین نشب بشنیه کو که ماه و سال میمه رسول ایسد کاروز کن رخانوا و برنیا و دین عبید السته فع شراسه مدانی سین حیاو دانی کی جام اجل سته نوش کی اُسکه دل کا قرار کاد و این و ب مین جو هر معارج و رقا

مشایه کا س ترحمه قصیبار مصنف رشحات کا خواجگا نقبت ب او رحنسرت خوا نه عبیدا بسدا درار کی مدس

الماند التسند الله المراد الماند المراس والروس مركام براك موساً مين سب ايك والروسك المراد المراسك الم

مسعداد نیاخیمهٔ افسوسهٔ مین - سرا کیساسن امان کی داد ارسدان حبا دمین ب ت كريها فزكواكي تنكر براربنس محيت مبن ميليان مبن كردرا مصفامين سديده جاتيبن نه كريطان ليطرح لب دريا كوفتار مبن سلب شنكان كرليد يا قوت روح فزا بهن ابل وسوسه ما كالأبن زرشت أفشًا ملائم بین \_ ویدهٔ باکسیمین لکویده باک کی رشنی بین سومنیداری کے ملکہ وین بیریت اربین - شاہ وجودك صاحب إس عالمهن نه كهشل منصور شكب جرمبن سأنكو تخل وجود سيرميوه معرفت كالمتاهج بيةوم افي تخيت سر نهايت كامياب مين سعارف روم كى غزل بي نظيرس سات ببيت حيك شيدا دلداده س به بریضمین کرامهون کدان ملائک کی تعرفت مین ده گو مرعقد فریاست شرف رکھتے مہی سیب کیطرح کال کھ اور ماک دل مین اُسته جگیدے اس غزل کو کو حقد درکی مثنال مین سرشیار خردار است مهرمین دونمین طوارمین آ تربير سير كلاه جا ندكے سرسے أٹھالىجاتے بېن سەدتىن رندىين كەپېشيار دل اورمتوالىيەين نوآسمان كواكيط انگان میکا دستیمین - مین صورت گرمیورتبون کی تیمنی مین مبین سیمان مبین الا دوجهان مسے بنزار مبی<sup>سام می</sup> ، جان سواسکی حثیم فوش کی مثال خیره کش اور مبیار مهی سسمانزار مین کر<sup>هبایس</sup> لوسرینردے وہ سرندین ساقی لوگ بین که انگورنینین نخورشق –اگرخاک کو ہاتھ مین لین توزرخانص مہوجا ملے دن کوکیپون کاشنے بین اگرچ شپ کوجوبع مین سمردمی کرا در انکی صحبت سیدمت جا آ دمی مواس<del>و ا</del> كيرة ولى ورسياً وى فوايين آر بحصفى ردى ان لوكون ميرسكير كه يحفرات مرد مك جشم اولوا لالصار يحدين ميشيمنيا كي استهای کا نورکون میرسده میرکرمس سے عشاق حثیم عنایت رکھتے میں منا کا قطب کون دمکان کا بادشاہ فوا د عبيد الدكرا سكي عام معتون كسب روزي فوارين سه عالم توحيد كا قتاب ككون ومكان أسك سے کل ذرات جان نور کا افتباس کرتے ہیں۔فواج زمرہ احرار سے کہ دنیا کے بادشاہ اُسکے در شمت بر غلام ا در خدمتنگارین سا بوینیاه دین توسی وه قبله ما جات مهو که خلت سیدا ختیار سرطرف تیری طرف متوقیق ب طوق دفاسے نیرے صلقہ کموش مین اس را دمین خوا ہ غلام معبان مااحرار مون – وہ جامل کہ شریب مکام مرابي كرين المستك جراكا ومن الجرستى كرع من الجبي الناص والعضالالت من محرق بن كبعى وت زده بادئياد باركين والالى كرتيرياصان سيمودم بين ينظر كيطرح درياكذا رب بياسيمين سجوه لعند كم بترے عشق کے پیالہ سے شراب پیتے میں مرحند سست و بنجاد بین گرمشِ مار بن - سبخود ون کوتری جناب میں مرم لته ن م بیدل لوگ تیرے کا نظر کے خم میں تھیلی کی حالت میں بین تیرے دریا میں میں تھیلی مہون اور تیر محافظ اوريدج سع مريدون بيسي صدف كدرشهوا رسع ترموج فخف نرسدد رباس فرق مواأسكي آبروشرهي جولوك سامل ين مَثْن فَرُفْ رِيزُهُ مِقِيدِ مِين سِيمِيشْداس بحرصفا مِن صَفَى وَلَّ مِدِ مِالْكِي اس دريا سِيرُكُرُ كُسِيدُ وَكُلِين

ر مربر رشات اُرده وه گرم روان که انکے علی سے عام البریخیا ده عن رکہ گئے یان سے اسکا ایجاره فی شل سگ سوختہ پا از عمر البرائی میں اسلام البرائی میں شروع کیا ۔ بررگ ملی وه اور مسی نامی البرائی میں شروع کیا ۔ وہ شوصہ کا ایک نامی البرائی میں شروع کیا ۔ وہ شوصہ کا ایک نامی میں شروع کیا ۔ وہ شوصہ کا ایک نامی میں البرائی میں البرائی میں البرائی میں البرائی کا قامر یکی خمت مرشی ہیں ا

مثرات بها ابست، برکات کے ماکھ آیامشل آبجیات کے جوشیر حیات سے نکلے۔ موا سبان سنجدہ صفات ایک ایک اسکی تامزیخ تمام حروف رشحات سے پاکٹنگے

فاثمتذا لطبع ازجانب كأربر دازان ظبهع

المنظرة المخالفة المنظرة المن